Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

गुजराती

HINDI - GUJARATI



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)

Hunsur Road, Manasagangotri

Mysuru – 570 006

website: www.ciil.org

भूमिका

हिंदी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिंदी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामाग्रियों की शृंखला है 'भारतीय भाषा ज्योती'। इस शृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। 'भारतीय भाषा ज्योति : गुजराती' पुस्तक इस शृंखला की एक कड़ी है।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों से निम्नलिखित भाषिक निपुणताओं की अपेक्षाएँ की जाती हैं:

1. गुजराती भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों का सुनकर समझना,
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले समाचारों, विज्ञापनों, उद्घोषणाओं और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं गुजराती भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक संदर्भों में चर्चा करना,
4. गुजराती भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोश और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,
5. विभिन्न विषयों पर छोटे छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत एवं अन्य प्रकार के पत्र लिखना तथा अपनी रुचि के परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना,
6. शब्दकोश की सहायता लेते हुए गुजराती से हिंदी में और हिंदी से गुजराती में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना, तथा
7. गुजराती भाषा के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों अथवा परिवेश की जानकारी प्राप्त करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों-श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया है। श्रवण और भाषण कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप दिए गए हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास के लिए पर्याप्त सामग्री है। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और सात ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अद्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए तैयार की गई है। इस लिए लिपि सीखने सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन भूमिका के बाद लिपि सीखने के लिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक

दिए गए हैं। इस के अनुसार अध्यापक कक्षा में लिपि सिखा सकेंगें इन संकेतों की सहायता से उत्साही विद्यार्थी अपने आप गुजराती लिपि का अभ्यास कर सकेंगे।

इस पुस्तक के चार भाग हैं - भूमिका, गुजराती लिपि तथा उच्चारण, पाठमाला और शब्दसूची। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिंदुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी दी गई है। 'शब्दसूची' में पाठों में आए गुजराती शब्दों को वर्णक्रम में प्रस्तुत कर उनके अर्थ हिंदी में दिए गए हैं।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है -

1. वार्तालाप
2. पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद (पढ़िए और समझिए)
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नए शब्दों के अर्थ
6. अनुच्छेद संबंधी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

पाठ में दिए गए वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिंदु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिंदुओं पर आधारित हैं।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजना या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है जिससे विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि गुजराती भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, सांत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय वस्तु में भी यथासंभव साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई अनुच्छेद वृत्तांत रूप में है तो कोई विवरणात्मक, कोई संवेदनात्मक, कोई आत्मकथा के रूप में। कहीं निबंध शैली को अपनाया गया है तो कहीं संस्मरण का सहारा लिया गया है। कहीं कहानी जैसा सरस माध्यम लिया गया है कहीं पत्र जैसा उपयोगी माध्यम।

पाठमाला में 24 पाठ हैं। इन पाठों में से 20 शिक्षण-पाठ हैं और 4 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षण पाठ 4 इकाइयों में बाँटे गए हैं। प्रत्येक इकाई में पाँच-पाँच शिक्षण पाठ हैं और एक-एक पुनर्भ्यास पाठ है। इस प्रकार इस पुस्तक में पाठ 6, 12, 18 और 24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के मूलतत्व इस प्रकार हैं।

1. परिचित से अपरिचित की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. प्रत्येक से सामान्य की ओर
4. सामान्य से तकनीकी की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिंदुओं से संबंध कुछ संरचनाएँ आरंभ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ विशेष की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।

शिक्षण पाठों में आई हुई व्याकरणिक संरचनाएँ

प्रत्येक पाठ में दो अथवा दो से अधिक व्याकरणिक संरचनाओं तथा शिक्षण-बिंदुओं का प्रयोग किया गया है। अधिकांशतः ये वाक्य-साँचों के रूप में हैं। प्रत्येक पाठ में आए हुए वाक्य-साँचों को निम्न प्रकार से सूचिबद्ध किया जा सकता है।

पाठ नं. 1

1. i) **अस्तिवाचक (योजक क्रियावाले) वाक्य**

આ રમાકાંત છે. — ये रमाकांत हैं।
आ रमाकांत छे।

ii) **आज्ञार्थक वाक्य**

આવો, બેસો. — आइए, बैठिए।
आवो, बेसो।

पाठ नं. 2

अस्तिवाचक क्रियाओं के निषेधरूप

i) શું એટલું પણ યાદ નથી? — क्या इतना भी याद नहीं?
शुं एटलुं पण याद नथी?

ii) **सामान्य वर्तमान कालिक क्रियावाले वाक्य**

તે બજારથી શાક લાવે છે. — वे बाजार से सब्जी लाते हैं।
ते बजारथी शाक लावे छे।

iii)	**इच्छार्थक क्रियावाले वाक्य और उनके निषेधरूप**		
		મારે પૂરી અને મીઠાઈ તો જોઈએ જ. मारे पूरी अने मीठाई तो जोईए ज।	मुझे पूड़ी और मिठाई चाहिए ही।
		અમારે વટાણા નથી જોઈતા. अमारे वटाळा नथी जोईता।	हम को मटर नहीं चाहिए।

पाठ नं. 3

1. सातत्य बतानेवाले वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य और उनके निषेधरूप

i)	ઘરગથ્થુ દવાઓ ખાઈ રહ્યો છું. घरगथ्थु दवाओ खाई रहयो छुं।	घरेलू दवाएँ खा रहा हूँ।
ii)	પણ કોઈ ફેર પડી રહ્યો નથી. पण फोई फेर पडी रह्यो नथी।	लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

2. अनिविार्यता बतानेवाले वाक्य और उनके निषेधरूप

i)	પ્રવાહી ખોરાક જ લેવો જોઈએ. प्रवाही खोराक ज लेवो जोईए।	तरल भोजन ही लेना चाहिए।
ii)	તીખી વસ્તુઓ ખાવી ના જોઈએ. तीखी वस्तुओ खावी ना जोईए।	तीखी चीज़ें नहीं खानी चाहिए।

3. अनुमतिबोधक वाक्य और उनके निषेधरूप

i)	શું હું જાઉં? शुं हूँ जाऊँ?	क्या मैं जाऊँ?
ii)	હું કેટલા સમય સુધી તીખી વસ્તુઓ ન ખાઉં? हुँ केटला समय सुधी तीखी वस्तुओं न खाऊँ।	मैं कितने समय तक तीखी चीज़ें न खाऊँ?

पाठ नं. 4

1. क्रियाओं के भूतकालिक रूप तथा उनके निषेधरूप

i)	કાલની ફિલ્મમાં એક નવી વાત હતી. कालनी फिल्ममां एक नवी वात हती।	कल की फिल्म में एक नई बात थी।
ii)	નવા કલાકાર ન હતા. नवा कलाकारो न हता।	नये कलाकार नहीं थे।

2. सामान्य भूतकालिक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेधरूप

i)	કાલે તો અમે ફિલ્મ જોવા ગયા. काले तो अमे फिल्म जोवा गया।	कल तो हम फिल्म देखने गए।

ii) તેથી તેમની બોલીમાં સ્વભાવિકતા ના રહી. — इसलिए उनकी बोली में स्वाभाविकता न रही।
तेथी तेमनी बोलीमां स्वाभाविकता ना रही।

3. क्रिया के उद्देश्यका (प्रयोजन) बोध करानेवाले कृदंतरूप

i) અમે સિનેમા જોવા માટે ગયા. — हम फिल्म देखने के लिए गए।
अमे सिनेमा जोपा माटे गया।

ii) અમે સિનેમા જોવા ગયા. — हम फिल्म देखने गए।
अमे सिनेमा जोवा गया।

पाठ नं. 5

1. सामान्य भूतकालिक सकर्मक क्रियावाले वाक्य जारी हैं।

મામાએ નાસ્તો કર્યો. — मामाजी ने नास्ता किया।
मामाए नास्तो कर्यों।

2. सामान्य भूतकालिक के अनियमित क्रियावाले वाक्य

i) મામાએ મારો પક્ષ લીધો. — मामाजी ने मेरा पक्ष लिया।
मामाए मारे पक्ष लीधो।

ii) તમે કંઈ પણ ખાધું-પીધું નહીં. — आपने कुछ भी खाया-पिया नहीं।
तमे कई पण खाधुं-पीधुं नहीं।

पाठ नं. 6

1 से 5 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन।

पाठ नं. 7

1. सामान्य वर्तमानकालिक/भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

હું તો તને શોધી રહ્યો હતો. — मैं तो तुम्हें ढूँढ़ रहा था।
हुं तो तने शोधी रह्यो हतो।

2. अनिवार्यता बोधक भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

મારે સાંજે સાત સુધીમાં પહોંચી જવાનું હતું. — मुझे शाम सात बजे तक पहुँच जाना था।
मारे सांजे सात सुधीमां पहोंची जवानुं हतुं।

3. सहायक क्रियावाले वाक्य

i) પછી તેને ઘરે લઈ જવાની રજા આપી. — फिर उसे घर ले जाने की अनुमती दी।
पछी तेने घरे लई जवानी रजा आपी।

ii) દીકરીનો જીવ બચી ગયો. — बेटी की जान बच गई।
दीकरीनो जीव बची गयो।

iii)	સાંજે સાત સુધીમાં ત્યાં પહોંચી જવાનું હતું. सांजे सात सुधीमां त्यां पहोंची जवानुं हतुं।	शाम सात बजे तक वहाँ पहूँच जाना था।

4. सहसंबंध सूचक अव्यय शब्द 'જ્યારે..ત્યારે' (न्यारे-त्यारे) 'जब-तब' प्रयोगवाले वाक्य

i)	જ્યારે અરૂણા પોતાની બહેનપણીના ઘરેથી આવી રહી હતી ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ. ज्यारे अरूणा पोतानी बहेनपणीना घरेथी आवी रही हती त्यारे मोटर साथे भटकाई।	जब अरूणा अपनी सहेली के घर से आ रही थी तब मोटर से टकराई।

पाठ नं. 8

1. सामान्य भविष्यत् कालिक क्रियाओं के वाक्य

આપણે સાબરમતી આશ્રમ જોવા જઈશું. आपणे साबरमती आश्रम जोवा जईशुं।	हम साबरमती आश्रम देखने जाएँगे।

2. सातत्य बतानेवाली (अपूर्व भविष्यत कालिक) क्रियाओं के वाक्य

આપણે ગાંધીનગરમાં ફરી રહ્યા હોઈશું. आपणे गांधीनगरमां फरी रह्या होइशुं।	हम गांधीनगर में घूम रहे होंगे।

3. वर्तमानकालिक कृदंतवाले वाक्य

ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય લાગશે? गांधीनगर पहोंचतां केटलो समय लागशे?	गांधीनगर पहुँचने में कितना समय लगेगा?

4. पूर्वकालिक कृदंतवाले वाक्य

આપણે મંદિર જોઈને પાછા પથિકાશ્રમ આવીશું. आपणे मंदिर जोईने पाछा पथिकाश्रम आवीशुं।	हम मंदिर देखकर पथिकाश्रम वापस आएँगे।

पाठ नं. 9

1. पूर्ण वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य

બાળકો તો રમવા ગયાં છે. बाणको तो रमवा गयां छे।	बच्चे तो खेलने गए हैं।

2. पूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

કથા પુરી થઈ ગઈ હતી. कथा पूरी थई गई हती।	प्रवचन पूरा हो गया था।

3. **पूर्ण भविष्यतकालिक क्रियावाले वाक्य**

તેણે પાણી પણ ભરી લીધું હશે. तेणे पाणी पण भरी लीधुं हशे।	उसने पानी भी भर लिया होगा।

पाठ नं. 10

1. **आदतसूचक (अभ्यासिक) वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य**

હું રોજ સમાચારપત્ર વાંચું છું. हुं रोज समाचारपत्र वांचुं छुं।	मैं रोज समाचार पत्र पढ़ता हूँ।

2. **आदतसूचक (अभ्यासिक) भूतकालिक क्रियावाले वाक्य**

બા નાહી-ધોહીને આંગણામાં પાણી છાંટતાં હતાં. बा नाही धोहीने आंगणामां पाणी छांटतां हतां।	माँ नहा-धोकर आँगन में पानी छिड़कती थी।

3. **आदतसूचक (अभ्यासिक) भविष्यतकालिक क्रियावाले वाक्य**

તે સમયે બધી ચીજો સસ્તી હશે. ते समये बधी चीजो सस्ती हशे।	उस समय सभी चीजें सस्ती होंगी।

4. **अनिवार्यता तथा इच्छा के बोध करानेवाले वाक्य**

મારે પતંગ લાવવી છે. मारे पतंग लाववी छे।	मुझे पतंग लानी है।

पाठ नं. 11

1. **सामार्थ्य (शक्यता) बतानेवाले वाक्य**

આટલી મોંઘવારીમાં કેમ જીવી શકીએ? आटली मोंघवारीमाँ केम जीवी शकीए?	इतनी महँगाई में कैसे जी सकते हैं?

2. **इच्छा तथा आशीर्वाद बतानेवाले वाक्य**

ભગવાન તમારું ભલું કરે. भगवान तमारुं भलुं करे।	भगवान आपका भला करे।

3. **तत्कालिकता बतानेवाले वाक्य**

ઉતાવળ ના કરો, હું હમણાં આવ્યો. उतावणना करो, हुं हमणां आव्यो।	जल्दी मत करो, मैं अभी आया।

पाठ नं. 12

7 से 11 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पाठ नं. 13

1. **भूतकालिक क्रिया विशेषण बतानेवाले वाक्य**

મને ઘરે આવ્યે બે કલાક થઈ ગયા છે. मने घरे आव्ये बे कलाक थई गया छे।	मुझे घर आए हुए दो घंटे हो गए हैं।

2. भूतकालिक कृदंत विशेषण बताने वाले वाक्य

કમાયેલું ધન વાપરતાં શીખો. कमायेलुं धन वापरतां शीखो।	कमाया हुआ धन खर्च करना सीखो।

3. वैकल्पिक भविष्यतकालिक क्रियावाले वाक्य

આજે હું તે પુસ્તક વાંચવાનો છું. आजे हुं ते पुस्तक वांचवानो छुं।	आज मैं वह पुस्तक पढ़नेवाला हूँ।

4. संज्ञाओं से जन्य संज्ञाओंका प्रयोग बतानेवाले वाक्य

આપણે સમાજભવનવાળાઓને પણ મળવાનું છે. आपणे समाजभवनवाणाओने पण मजवानुं छे।	हमे समाजभवनवालों से भी मिलना है।

5. उद्धरण अव्यय रूप 'કે' (के) जो हिंदी के 'कि' के समानवाले मिश्रवाक्य

આપણા પૂર્વજોએ કહ્યું છે કે બીજાને મદદ કરવામાં સાચું સુખ છે. आपणा पूर्वजोए फह्युं छे के बीजाने मदद करवामां साचुं सुख छे।	हमारे पूर्वजों ने कहा है कि दूसरों की मदद करने में ही सच्चा सुख हैं।

6. संज्ञार्थक कृदंतों (क्रियावाची संज्ञाओं) का प्रयोग बतानेवाले वाक्य

કોઈ પણ કામ સારી રીતે કરવું જરૂરી છે. कोई पण काम सारी रीते करवुं जरूरी छे।	कोई भी काम अच्छी तरह करना जरूरी है।

पाठ नं. 14

1. गुजराती के लिंग वचन का पुनर्बलन

i)	બગીચામાં ચંપો છે. (પું.) बगीचामां चंपो छे।	बगीचे में चंपा हैं।
ii)	ઘરમાં તપેલી છે. (સ્ત્રી.) घरमां तपेली छे।	घर में पतीली हैं।
iii)	પક્ષી ઊડે છે. (નપું.) पक्षी ऊडे छे।	

2. वर्तमानकालिक क्रिया विशेषण का प्रयोग

સરોવર ફરતાં આપણે આસપાસના પ્રાકૃતિક સૌંદર્યને માણી શકીએ છીએ. सरोवर फरतां आपणे आसपासना प्राकृतिक सौंदर्यने माणी सकिए छीए।	सरोवर घूमते हुए हम आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

पाठ नं. 15 सहसंबंध सूचक अव्यय शब्दों के प्रयोग दिखानेवाले वाक्य

i)	જે કામ મનથી થાય તે સારું થાય. जे काम मनथी थाय ते सारु थाय।	जो काम मन से हो वह अच्छा हो।
ii)	તમે જેમ કહેશો તેમ કરીશ. तमे जेम कहेशो तेम करीश।	आप जैसा कहेंगे वैसा करूँगी।
iii)	જ્યાં દહેજ પ્રથા છે ત્યાં મનઃશાંતિ નથી. ज्यां दहेज प्रथा छे त्यां मनः शांति नथी।	जहाँ दहेज की प्रथा है वहाँ मनः शांति नहीं है।

पाठ नं. 16

1. हेतुमद् (शर्तवाले) क्रियावाले वाक्य

જો સરળતાથી પૈસા મળશે તો કોણ છોડશે? जो सरणताथी पैसा मणशे तो कोण छोडशे।	यदी सरलता से पैसे मिलते तो कौन छोडेगा?

2. हेतु-हेतुमद भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

જો તેણે સારી રીતે મહેનત કરી હોત તો પરીક્ષામાં પાસ થઈ ગયો હોત. जो तेने सारी रीते महेनत करी होत तो ते परीक्षामां पास थई गयो होत।	अगर उसने अच्छी तरह मेहनत की होती तो वह परीक्षा में पास हो गया होता।

3. क्रिया के होने के समय का बोध करानेवाले सहसंबंधसूचक 'જ્યારથી...ત્યારથી' (ज्यारथी....त्यारथी), 'जबसे...तबसे' अव्यय शब्दवाले वाक्य

જ્યારથી શેરબજાર ઉચકાયું છે ત્યારથી લોકોનું આકર્ષણ એ દિશામાં વધ્યું છે. ज्यारथी शेरबजर उचकायुं छे त्यारथी लोकोनुं आकर्षण ए दिशामां वध्युं छे।	जब से शेयर-बाजार तेजी में है तब से लोगों की रूझान उस दिशा में बढ़ी हैं।

4. परिमाण बतानेवाले सहसंबंधसूचक 'જેટલું..તેટલું' (जेटलुं... तेटलुं) 'जितना...उतना' अव्यय शब्दवाले वाक्य

જેટલું પૈસાનું મહત્ત્વ વધ્યું છે તેટલું શિક્ષણનું સ્તર ઘટ્યું છે. जेटलुं पैसानुं महत्व बध्युं छे तेटलुं शिक्षणनुं स्तर घटयुं छे।	जितना पैसे का महत्त्व बढ़ा है उतना शिक्षा का स्तर कम हुआ है।

पाठ नं. 17

1. विविध प्रकार के विशेषण शब्दोंवाले वाक्य

i)	લુચ્ચું પ્રાણી અમારો રાજા ન હોય. लुच्चुं प्राणी अमारो राज न होय।	घूर्त प्राणी हमारा राजा नहीं होता।
ii)	યોગ્ય રાજા તો લોકોની ભલાઈ કરે છે. योग्य राजा तो लोकोनी भलाई करे छे।	योग्य राजा तो लोगों की भलाई करते हैं।
iii)	બુદ્ધિશાળી રાજા તો તે છે. बुद्धिशाणी राजा तो ते छे।	बुद्धिमान राजा तो वे हैं।
iv)	તારા જેવું બીકણ પંખી શું રાજા બનશે? तारा जेवुं बीकण पंखी शुं राजा बनशे?	तेरे जेसा डरपोक पक्षी क्या राजा बनेगा?

2. तुलना तथा श्रेष्ठता बतानेवाले शब्दों के वाक्य

i)	તારાં કરતાં વધુ ઊંચે ઉડનારાં તો ઘણાં પક્ષીઓ છે. तारां करतां वघुं ऊँचे उडनारां तो घणां पक्षीओ छे।	तुझ से ज्यादा उड़नेवाले तो बहुत पक्षी हैं।
ii)	મારાથી ચાલાક બીજું કોણ છે? माराथी चालाक बीजुं कोण छे?	मुझ से चालाक दूसरा कौन है?
iii)	મારાં રંગરૂપ બધાંથી ઉત્તમ છે. मारां रंग रूप बघांथी उतम छे।	मेरा रंग रूप सबसे उत्तम है।

पाठ नं. 18

13 से 17 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पाठ नं. 19

1. संज्ञा शब्दों के पुनरुक्त प्रयोगवाले वाक्य

છોકરીઓ છોકરીઓ ડાબીબાજુ અને છોકરાઓ છોકરાઓ જમણીબાજુ ઊભા રહો. छोकरीओ छोकरीओ डाबीबाजु अने छोकराओ छोकराओ जमणी बाजु ऊभा रहो।	लड़कियाँ लड़कियाँ बाई तरफ और लड़के लड़के दाई तरफ खड़े रहो।

2. विशेषण शब्दों के पुनरुक्त प्रयोगवाले वाक्य

મોટા મોટા છોકરાઓએ બરાબર આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી. मोटामोटा छोकराओए बराबर आठ वागे होणी प्रगटावी।	बड़े-बड़े लड़कोंने ठीक शाम को आठ बजे होली प्रजवलित की।

3. **क्रियाविशेषण के पुनरुक्त प्रयोगवाले वाक्य**

મંજુલા ધીરે ધીરે બોલી. मंजुला धीरे धीरे बोली।	मंजुला धीरे-धीरे बोली।

4. **वर्तमानकालिक कृदंत के पुनरुकत प्रयोगवाले वाक्य**

પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો. पोलिस बनेलो तुषार दोडतो दोडतो आव्यो।	पुलिस बना हुआ तुषार दौड़ता-दौड़ता आया।

5. **पूर्व कालिक कृदंत के पुनरुकत प्रयोगवाले वाक्य**

હસી હસીને પેટ દુઃખી ગયું. हसी हसीने पेट दुःखी गयुं।	हँस-हँस कर पेट दुःख गया।

पाठ नं. 20 प्रेरणार्थक क्रियावाले वाक्य

i)	મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન પણ કરાવવું પડશે. मकाननुं उद्‌घाटन पण कराववुं पडशे।	भवन का उद्‌घाटन भी कराना पडेगा।
ii)	હું નોકરને કહીને તેની પાસે કામ કરાવું છું. हुँ नोकरने कहीने तेनी पासे काम करावुं छुं।	मैं नोकर से कहकर उस से काम करवाता हूँ।

पाठ नं. 21

1. **मिश्र क्रियाओं तथा संयुक्त क्रियाओं के प्रयोगवाले वाक्य**

i)	કેટલાક વિદ્યાર્થી હડતાલ કરી રહ્યા છે. केटलाक विद्यार्थी हडताल करी रह्या थे।	कुछ विद्यार्थी हडताल कर रहे हैं।
		(संज्ञा + क्रिया से बननेवाली मिश्र क्रिया)
ii)	મને તો આવો વ્યવહાર બિલકુલ નથી સારો લાગતો. मने तो आवो व्यवहार बिलकुल सारो नथी लागतो।	मुझे तो ऐसा व्यवहार बिलकुल अच्छा नहीं लगता।
		(विशेषण + क्रिया से बननेवाली मिश्र क्रिया)
iii)	આવા જ વિદ્યાર્થી જીવનમાં કંઈક કરી બતાવે છે. आवा ज विद्यार्थी जीवनमां कंईक करी बतावे छे।	ऐसे ही विद्यार्थी जीवन में कुछ कर दिखाते हैं।
		(क्रिया + क्रिया से बननेवाली संयुक्त क्रिया)

iv)	તું પણ શું આટલી એવી વાત પર ગુસ્સો કરવા લાગી? तुं पण शुं आटली ऐवी वात पर गुस्सो करवा लागी?	तुम भी क्या इतनी सी बात पर गुस्सा करने लगी?

(क्रिया + क्रिया से बननेवाली संयुक्त क्रिया)

v)	તેમણે પરીક્ષાખંડની બહાર જ બેસવું પડશે. तेमणे परीक्षाखंडनी बहार ज बेसवुं पडशे।	उन को परीक्षा भवन के बाहर ही बैठना पड़ेगा।

(क्रियावाची संज्ञा + अनिवार्यता दिखानेवाला क्रियारूप)

पाठ नं. 22

1. संयुक्त वाक्य

i)	ઉમાશંકર અને સુન્દરમ્ ગાંધીયુગના સમર્થ કવિઓ હતા અને આદર્શ પુરુષ પણ (હતા). उमाशंकर अने सुंदरम् गांधीयुगना समर्थ कविओ हता अने आदर्श पुरुष पण (हता)।	उमाशंकर और सुंदरम् गांधीयुग के समर्थ कवि थे और आदर्श पुरुष भी (थे)।
ii)	ઉમાશંકરની પ્રતીભાનો પરિચય મેળવવા માટે આપણે તેમની કવિતાઓ વાંચી શકીએ અથવા તેમનાં નાટકો વાંચી શકીએ. उमाशंकरनी प्रतिभानो परिचय मेणवणा माटे आपणे तेमनी कविताओ वांची शकीए अथवा तेमनां नाटक वांची शकीए।	उमाशंकरजी की प्रतिभा का परिचय पाने के लिए हम उनकी कविताऐं पढ़ सकते हैं या उनके नाटक पढ़ सकते हैं।

2. मिश्रवाक्य

i)	જો કે ઉમાશંકર સદેહે નથી પરંતુ અક્ષરદેહે આપણી વચ્ચે જ છે. जो के उमाशंकर सदेहे नथी परंतु अक्षरदेहे आपणी वच्चे ज छे।	यद्यापि उमाशंकरजी सदेह नहीं है तथापि अक्षर-देह से हमारे बीच में मौजूद हैं।
ii)	મુખ્યત્વે કવિ હોવા છતાં પણ તેમણે નિબંધો અને નાટક લખ્યાં છે. मुख्यत्वे कवि होवा छतां पण तेमणे निबंधो अने नाटक लख्यां छे।	बहुतांश में कवि होते हुए भी उन्हों ने निबंध और नाटक लिखे हैं।

3. भावबोधक अव्यय के प्रयोगवाले वाक्य

i)	શાબાશ બેટા! આ રીતે હંમેશાં પહેલો આવજે. शाबाश बेटा! आ रीते हंमेशां पहेलो आवजे।	शाबाश बेटा! इस तरह हमेशां प्रथम श्रेणी लाना।
ii)	છી છી! આવું ગંદું લખાણ હોય? छी छी! आवुं गंदु लखाण होय?	छी छी! ऐसी गंदी लिखावट होती है?

पाठ नं. 23

1. कर्मवाच्य के वाक्य

દૂરદર્શન દ્વારા કેટલાક કાર્યક્રમોનું સીધું પ્રસારણ કરાય છે. दूरदर्शन द्वारा केरलाक कार्यक्रमोनुं सीधुं प्रसारण कराय छे।	दूरदर्शन द्वारा कुछ कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाता है।

2. भाववाच्य के वाक्य

મારાથી હવે ચલાશે નહીં. माराथी हवे चलाशे नहीं।	मुझ से अब चला नहीं जाएगा।

पाठ नं. 24

19 से 23 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए हुए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो गुजराती भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिंदी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ गुजराती और हिंदी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिए गए हैं जो उस पाठ के संदर्भ के लिए उपयुक्त हैं। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिए गए हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास, उन में सिखाए गए पाठ्य-बिंदुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिंदुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियम के अनुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिंदुओं में ली जाएगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नए वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य पढ़ सकता है जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिंदु को रखा गया है।

अभ्यास में दिए गए प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से संबंधित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं - शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न रूपों में कहना, वाक्यांशों को जोड़कर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरे करना, कर्ता या कर्म के

लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में कम से कम पाँच-छह अभ्यासों का समावेश किया गया है।

वाचन अनुच्छेद का उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भण्डार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो सकेगी।

प्रथम पाँच पाठों की संपूर्ण पाठ्य-सामग्री गुजराती लिपि में और भाषा सिखाने हेतु देवनागरी में भी दी गई है। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे विद्यार्थी आरंभ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। जब वह भाषा से थोड़ा बहुत परिचित हो जाएगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरंभ किया जाए। गुजराती लिपि सीखने के लिए 20 घंटे की निर्देश सामग्री पर्ताप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के गुजराती लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनरावलोकन के लिए है। इस में पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिंदुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिंदुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को देवनागरी में नहीं दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र गुजराती लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

पुस्तक का अंतिम खंड है - शब्दसूची। पाठों में प्रयुक्त शब्दों की सूची वर्णमाला के क्रम में दी गई है। ध्यान देने की बात यह है कि इसमें शब्दों के मूल रूप अर्थात् कोशीय रूप को ही स्थान दिया गया है। संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का कोशीय रूप ही दिया गया है, न कि उनके रूपांतरित रूप। जैसे 'ઘરના' (घरना) 'घर का', 'ઘરમાં' (घरमां) 'घर में', 'ઘરથી' (घरथी) 'घर से' आदि रूप न देकर केवल 'घर' शब्द को ही सूची में दिया गया है। इसी तरह क्रियाओं के भी कोशीय रूपों को ही सूची में स्थान दिया गया है, काल और वृत्ति के अनुसार क्रिया के विभिन्न रूपों को नहीं। जैसे-यहाँ केवल 'કરવું' (करवुं) 'करना' रूप को ही रखा गया है, इससे बने 'કરશું' (करशुं), 'કરે છે' (करे छे), 'કર્યું' (कर्युं), 'કરો' (करो) 'करेंगे, कर रहा है, किया है, कीजिए' आदि रूपों को नहीं ।

शब्दसूची में गुजराती शब्दों के दाहिनी तरफ उन शब्दों के हिंदी अर्थ दिए गए हैं। दोनों के बीच में उन पाठों की क्रम संख्याएँ भी दी गई हैं, जिनमें वे शब्द प्रयुक्त हुए हैं। चूंकि प्रत्येक पाठ में दो दो शब्द सूचियाँ हैं; अतः पाठ के वार्तालाप में आए हुए शब्दों को संख्या के बाद 'क' और वाचन अनुच्छेद के शब्दों को 'ख' रूप में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए 'તરત' (तरत) 'शीघ्र' शब्द के सामने 3(क) लिखा हुआ है। इसका अर्थ है यह शब्द तीसरे पाठ के वार्तालाप में प्रयुक्त हुआ है। 'ધોરણ' (धोरण) 'कक्षा' शब्द की दाहिनी तरफ 1(ख) दिया गया है। इसका अर्थ है यह शब्द प्रथम पाठ के वाचन अनुच्छेद में है। इनके अलावा प्रत्येक शब्द की व्याकरणिक कोटी दिखाई गई है और प्रत्येक संज्ञा का

लिंग भी बताया गया है। शब्दसूची के बाद गुजराती गिनती 'एक' से 'सौ' तक संख्या में तथा शब्दों में दी गई है।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्यापकों से दो तीन बातें कहना ज़रूरी है। किसी भी भाषा को पढ़ाने के लिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो। विशष रूप से द्वितीय भाषा पढ़ाने के संदर्भ में यह बात शत-प्रतिशत सत्य है। द्वितीय भाषा सीखने के लिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा, उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सिखाई गई संरचनाओं तथा गुजराती शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण तैयार करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढ़ें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढ़ाव भी होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाए जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सकें। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पाएगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दें। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई संदेह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क भी हो सकते हैं, अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और उनके लिए यह अभ्यास अरुचिकर भी हो सकता है। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने के लिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशयों का निवारण कक्षा में कर सकते हैं।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक की मदद लें। शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सकें। इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्तर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अंतिम वाचन शिक्षक द्वारा ही किया जाए जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण दर्ज होता रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के संदेह और समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर उनका निदान करें।

कुछ पाठों में गुजराती भाषा के प्रचलित मुहावरों व कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिंदी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिंदी में ऐसे मुहावरे न हों तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिंदी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि हिंदी भाषा की अपनी प्रकृति बनी रहे। पर कहीं कहीं हिंदी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। गुजराती भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं के प्रयोग देने के प्रयत्न में ऐसा हो गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिया गया है जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग गुजराती भाषा सीखने के लिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिंदी अनुच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करते समय छात्र यही प्रयास करें कि उसका अनुवाद गुजराती भाषा की संरचना में हो, हिंदी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिंदी अनुवाद नहीं दिए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र गुजराती भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करें और स्वयं उसका हिंदी में अनुवाद करने का प्रयास करें।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए गुजराती भाषा के परिवेश का अनुभव तथा गुजराती भाषा भाषियों से संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को गुजराती भाषा-भाषियों के संपर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सकें। साथ ही छात्रों को गुजरात के महान साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सकें तो गुजरात के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। संभव हो तो कक्षा में गुजरात के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

वार्तालाप, वाचन अनुच्छेद तथा अनुवादों के लिए अनुच्छेदों का लेखन करते हुए भी यह प्रयास किया गया है कि इनके द्वारा गुजरात के जीवन, कला, संस्कृति तथा इतिहास का परिचय छात्रों को हो।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो भाषिक निपुणताओं की अपेक्षाएँ की गई हैं उनका विवरण पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियोंने इस पुस्तक से कितना सीखा है वह इस पुस्तक की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में सकारात्मक सुझावों का स्वागत है।

मेरी बात अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. (डॉ.) ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी प्रो. (डॉ.) गोविंद शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि भारतीय भाषा ज्योति शृंखला की पुस्तकों का संकल्पन, रूपांकन तथा संपादन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। '*भारतीय भाषा ज्योति*' शृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी पहले हो गया था; पर यह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक प्रकाशन की प्रतीक्षा करती रही। संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. (डॉ.) ओंकार नाथ कौल तथा संस्थान के वर्तमान निदेशक प्रो. (डॉ.) उदय नारायण सिंह के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश की किरण देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करती हूँ। विशेष रूप से प्रो. सिंह ने हिंदी के माध्यम से तैयार की गई '*भारतीय भाषा ज्योति*' की शृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी ली है। इस शृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक निर्माण कार्यशाला में श्रीमती स्वाति हार्डीकर तथा श्री. हसमुखराय जोशी का अत्यंत रचनात्मक योगदान रहा। इनके प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ। कार्यशाला में हिंदी विशेषज्ञ के रूप में प्रो. (डॉ.) मुरारीलाल उप्रेति की पांडित्यपूर्ण प्रतिभागिता के लिए भी मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

उक्त कार्यशाला के उपरांत आयोजित पुनरीक्षण-कार्यशाला में संशोधन, परिवर्धन, पुनर्लेखन आदि का कार्य तत्परता से संपन्न कर सामग्री को प्रकाशन योग्य बनाने के लिए डॉ. पूरन सहगल, श्री. भरत ठाकुर तथा कुमारि. विनु रतलानी के अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति भी मैं हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ। प्रथम कार्यशाला के बाद पुस्तक की पांडुलिपि पढ़कर रचनात्मक सुझाव देने केलिए मैं प्रो.(डॉ).डी.एम. जोशी का भी आभारी हूँ।

श्री. भरत ठाकुर तथा श्रीमती. अनिता बदरिनाथ को धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने अतीव ध्यान तथा लगन से इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम किया है। हमारे संस्थान के पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.सी.आर. सुलोचना, तथा उपाध्यक्ष डॉ.बी.ए.शारदा, डॉ.आर. सुमनकुमारी और कॉटलोगर मीर निस्सार हुसैन, कंप्यूटर केंद्र के प्रो. (ड़ॉ). साम् मोहन लाल तथा उन के सहकर्मी, कलाकार श्री. परमानंद बारिख तथा श्री.ह. मनोहर, हमारे मुद्रणालय के प्रबंधक श्री.एस.बी. बिश्वास तथा उनके सहयोगी तथा प्रकाशन विभाग के अध्यक्ष प्रो.(डॉ). रामसामी तथा उन के सहयोगी श्री.आर. नंदीश इन सब का भी मैं यहाँ कृतज्ञता पूर्वक स्मरण करती हूँ। संस्थान के पाठ्य सामग्री निर्माण केंद्र के मेरे सहयोगी श्री.एस्.एस. यदुराजन, डॉ.बी. मल्लिकार्जुन, डॉ.आई.एस. बोरकर, श्रीमती. टी.वी. वाणी तथा कुमारी सुधा फाटक की सहकारिता भी अविस्मरणीय है। उसी प्रकार हमारे लेखा विभाग के मुख्य श्री.बी.जी. मंजुनाथ, और उन के सहकर्मी श्री.एन. यतिराजु तथा श्री.एस. राजु भी कार्यशालाओं के संचालन में मेरी मदद की है और मेरे धन्यवाद के पात्र हैं।

मैं अपने पति प्रो.के.वी. श्रीनिवासन के प्रति मेरी अपार कृतज्ञता यहाँ प्रकट करती हूँ जिन्होंने महीनों तक चलनेवाली मेरी कार्यशालाओं के संचालन में महत्वपूर्ण शैक्षणिक तथा सामयिक सहकारिता दी है। छुट्टि के दिनों तथा ऑफिस समय के बाहर भी घंटों तक घर की चिंता न कर के 'भारतीय भाषा ज्योति' शृंखला की पुस्तकों के निर्माण में मग्न होना मुझे उन की ही मदद से कार्यसाध्य हुआ है।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आभार व्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे एवं इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हम तक पहुँचाएँगे।

मैसूर
15/5/2005

बी. श्यामला कुमारी
प्रो. एवं उपनिदेशक
भारतीय भाषा संस्थान

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है -- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से जो देश बहुत आगे बढ़ जए हैं ऐसे देशों के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिंदी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आए, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र

रहा है। यहाँ से प्रकाशित पाँच सौ पचास के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से *भारतीय भाषा संस्थान* का मुख्य उद्देश्य रहा है सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जनजातीय भाषाओं पर भी शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अंतर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को संबंधित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अंतर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं -- खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें -- वे सभी अंग्रेज़ी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपाई जई हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेज़ी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय भाषा को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियाएँ हैं। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीज-ी-सिखानी

है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही अच्छी तरह की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जा-ा-नेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिंदी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुए भारतीय भाषा संस्थान ने **'भारतीय भाषा ज्योति'** की एक पुस्तक-श्रृंखला की संकल्पना की है। यह **गुजराती** पुस्तक उस श्रृंखला की एक कड़ी है।

त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परंतु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी होने के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने *भारतीय भाषा संस्थान* का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर *भारतीय भाषा संस्थान* ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमिया, बंगला, ओड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें **'भारतीय भाषा ज्योति'** पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं। हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अनुरोध पर उन के ही सहयोग में *कन्नड़, मलयाळम, तमिल* तथा *तेलुगु* पुस्तकों का मुद्रण तथा प्रकाशन हुआ है। इतिमध्य जम्मू के डोग्री संस्था की प्रार्थना के अनुसार उन के सहयोग में *डोग्री* पुस्तक का निर्माण तथा प्रकाशन भी हुआ है और कश्मीर के बाहर रहनेवाले कश्मीरिओं के अनुरोध पर

कश्मीरी पुस्तक का प्रकाशन हमारे संस्थान ने किया है। बाकी छह पुसतकों *असमिया, बंगला, मराठी, गुजराती, पंजाबी* तथा *ओड़िआ* का प्रकाशन अब हो रहा है। *भारतीय भाषा ज्योति सिंधी* पुस्तक का प्रकाशन भी गुजरात के कच्छ के इंडियन इनस्टिट्यूट ऑफ सिंधोलजी के साथ हमारा संस्थान करनेवाला है।

मैं आशा करता हूँ कि *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की यह **गुजराती** पुस्तक समस्त हिंदी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल संबंधित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय लेंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर **उदय नारायण सिंह**

15/5/2005 निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

गुजराती लिपि तथा उच्चारण

गुजराती तथा हिंदी भाषाओं की लिपियों का मूल रूप एक ही है। लेकिन वर्तमानकाल की गुजराती वर्णमाला' आकार में हिंदी की देवनागरी वर्णमाला से कुछ अलग लगती है।

गुजराती वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ नीचे दी गई है।

स्वर -

અ	આ	ઇ	ઈ	ઉ	ઊ	ઋ
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	(ऋ)
એ	ઐ	ઓ	ઔ	અં	અ:	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन -

ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ	
क	ख	ग	घ	ङ	
ચ	છ	જ	ઝ	ઞ	
च	छ	ज	झ	ञ	
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ	
ट	ठ	ड	ढ	ण	
ત	થ	દ	ધ	ન	
त	थ	द	ध	न	
પ	ફ	બ	ભ	મ	
प	फ	ब	भ	म	
ય	ર	લ	વ	શ	
य	र	ल	व	श	
ષ	સ	હ	ળ	(ક્ષ)	(જ્ઞ)
ष	स	ह	ळ	(क्ष)	(ज्ञ)

ध्यान दीजिए कि, परंपरागत गुजराती वर्णमाला में 13 स्वर गिने जाते हैं। लेकिन उच्चारण के अनुसार 'ઋ' (ऋ), 'અં' (अं), 'અ:' (अः) स्वर नहीं हैं। गुजराती में 'ऋ' का उच्चारण 'रु' होता है। (अं) अनुस्वार को और (अः) विसर्ग को दिखाते हैं। व्यंजनों में 'ક્ષ' (क्ष), और 'જ્ઞ' (ज्ञ) भी गिने जाते हैं जो वास्तव में संयुक्त व्यंजन को दिखाते हैं। उन के उच्चारण यथाक्रम क् + ष = क्ष और ग् + न = ग्न होते हैं।

गुजराती लिपि पढ़ाने के लिए नीचे दिए गए दो तरीकों में से अध्यापक किसी एक को अपना सकते हैं।

पहले तरीके में सभी अक्षरों को वर्णमाला क्रम के अनुसार पढ़ा सकते हैं। इस प्रकार परंपरागत रीति में सभी अक्षरों को पढ़ाकर शब्द तथा वाक्य निर्माण की ओर आगे बढ़ना है।

दूसरे तरीके में अक्षरों के रूप साम्य तथा उन्हें लिखने में हाथ चलाने की रीति के आधार पर अक्षरों के विविध समूह बना कर पढा सकते हैं। इस तरीके को अपनाने से प्रथम पाठ से ही शब्दों को पढने और लिखने का अभ्यास शुरु कर सकेंगे। शिक्षार्थी के सुविधा के लिए गुजराती वर्णमाला के सभी अक्षरों के लिखने के क्रम, स्वराक्षरों की मात्राएँ, गुजराती बारह खड़ी, रूप साम्य के आधार पर गुजराती अक्षर के विभाग, संयुक्ताक्षर के विभाग, गुजराती अंक तथा लिपि पाठ का एक नमूना आदि इस लेखन में दिए गए हैं।

1) गुजराती वर्ण के ऊपर शिरोरेखा नहीं लगाई जाती, लेकिन जब रेखावाले कागज पर लिखते हैं तब रेखा के नीचे लिखना जरूरी होता है।
जैसे: આ મારું ઘર છે.

2) गुजराती के अक्षर जो हिंदी के अक्षरों से लिखने में भिन्न हैं वे इस प्रकार से हैं:-
स्वर : અ, આ, ઇ, ઈ, ઉ, ઊ, એ, ઐ, ઓ, ઔ, (અં, અઃ) (गुजराती)
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ (अं. अः) (हिंदी)
व्यंजन : ક ખ ચ જ ઝ ણ દ ફ બ ભ લ ળ (गुजराती)
क ख च ज झ ण द फ ब भ ल (हिंदी)

गुजराती के इतर अक्षरों पर केवल शिरोरेखा लगाने से हिंदी अक्षर बन जाते हैं।

3) ध्यान दीजिए कि गुजराती में एक विशेष अक्षर है जो हिंदी में नहीं है। वह है 'ળ' (ळ)। इस का उच्चारण पार्श्विक मूर्धन्य ध्वनि का है। यह उच्चारण 'ड़' से थोडा मिलता है।

4) गुजराती में गोलाकार वाले अक्षर और खड़ी रेखावाले अक्षर हैं। उन में खड़ी रेखा हिंदी की तरह '।' होकर नीचे से मुड़ती हैं; जैसे: 'ા'। अक्षर लिखते समय शिक्षक इसका ध्यान देना जरूरी है। जैसे:- ખ, પ, મ

5) गुजराती के निम्न अक्षर दो प्रकार से लिखे जाते हैं।

ર + ઉ = રુ, રુ

ર + ઊ = રૂ, રૂ

6) गुजराती में कुछ शब्दों में मध्य स्थान पर आनेवाले 'ર' (र), 'ડ' (ड), 'ળ' (ळ), 'લ' (ल) का उच्चारण कभी-कभी 'ય' 'य' होता है।

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
પારણું	पारणु	पायणु	पालना
બારણું	बारणुं	बायणु	दरवाजा, द्वार
દોરડું	दोरडुं	दोयणु	रस्सी
ખાંડણી	खांडणी	खांयणी	छोटी - ओखली
શેરડી	शेरडी	शेयडी	पगडंडी
શેલડી	शेलडी	शेयडी	गन्ना
દળણું	दळणुं	दयणुं	पीसना
ચાળણી	चाळणी	चायणी	चलनी

7) गुजराती में (श) तथा (ष) का उच्चारण एक ही समान है। वह उच्चारण है (श) का।

गुजराती के इतर लिपि चिह्न

।

1. **'.' - यह चिह्न हिंदी के जैसे गुजराती में भी अनुस्वार को दिखाता है और इसका उच्चारण परिस्थितियों के अनुसार अलग अलग होता है।**

i) गुजराती में वर्गाक्षरों के पहले अनुस्वार का उच्चारण प्रत्येक वर्ग का नासिक्य व्यंजन का ही होता है जो नीचे दिए गए हैं।

ii) ક (क) ખ (ख) ગ (ग) ઘ (घ) के पहले 'ઙ' (ङ) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
કંકાસ	कंकास	कङकास	झगड़ा
પંખો	पंखो	पङखो	पंखा
ગંગા	गंगा	गङगा	गंगा
સંઘ	संघ	सङघ	संघ

2. 'ચ' (च), 'છ' (छ), 'જ' (ज), 'ઝ' (झ) के पहले 'ઞ' (ञ) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
ચંચલ	चंचल	चञचल	चंचल
અંજન	अंजन	अञजन	अजन
ઝંઝાવત	झंझावत	झञझावत	आँधी
છંછેડવું	छंछेडवुं	छञछेडवुं	छंछेडना

3. 'ટ' (ट), 'ઠ' (ठ), 'ડ' (ड), 'ઢ' (ढ) के पहले 'ણ' (ण) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
કંટક	कंटक	कण्टक	काँटा
સૂંઠ	सूंठ	सूण्ठ	सूंठ
ડંડો	डंडो	डण्डो	डंडा
ઢંઢેરો	ढंढेरो	ढण्ढेरो	ढंढेरा

4. 'ત' (त), 'થ' (थ), 'દ' (द), 'ધ' (ध) के पहले 'ન' (न) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
તંતુ	तंतु	तन्तु	तंतु
પંથ	पंथ	पन्थ	पंथ
ચૂંદડી	चूंदणी	चून्दणी	चूंदरी (दुपट्टा)
અંધ	अंध	अन्ध	अंधा

5. 'પ' (प), 'ફ' (फ), 'બ' (ब), 'ભ' (भ) के पहले 'મ' (म) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	*गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में*	*गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में*	*हिंदी शब्द*
સંપાદક	संपादक	सम्पादक	संपादक
ફંફોસવું	फंफोसवुं	फम्फोसवुं	ढूंढना
અંબા	अंबा	अम्बा	अंबा
સમારંભ	समारंभ	समारम्भ	समारंभ

6. देखिए कि 'ય' (य) के पहले अनुस्वार का उच्चारण नीचे दिए गए चार प्रकारों से हो सकते हैं। उदाहरण के लिए 'संयम' शब्द के विविध उच्चारणों पर ध्यान दीजिए।

1) 'ય' (य) के पूर्व स्वर अनुनासिक बन जाता है जैसे 'अँ' - સઁયમ ' (सँयम)

2) जब 'ય' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक बन जाता है तब कभी कभी 'ય' का द्वित्व भी बन सकता है जैसे - 'સઁય્યમ ' (सँय्यम)

3) कभी कभी 'ય' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'ઈં' (ई) बन जाता है जैसे- 'સઈંયમ' (सइँयम)

4) 'ય' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'ઐં' (ऐं) बन जाता है जैसे - સૈંયમ (सैंयम)

7. 'ર' (र) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'ર' (र) के पहले अनुनासिक 'ઉ' (उँ) का उच्चारण: 'સઉંરક્ષણ'- (सउँरक्षण)

2) 'ર' (र) के पहले दंत्योष्ठ्य नासिक्य 'મ' (म) का उच्चारण: 'સમ્રક્ષણ' -(सम्रक्षण)

3) 'ર' (र) के पहले वर्त्स्य 'ન' (न) का उच्चारण: સન્રક્ષણ -(सन्रक्षण)

4) 'ર' (र) के पहले नासिक्य 'ઙ' (ङ) का उच्चारण: સઙરક્ષણ -(सङ्रक्षण)

8. ध्यान दीजिए कि 'લ' (ल) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'લ' (ल) के पहले नासिक्य ध्वनि 'ન' (न) का उच्चारण: 'સન્લગ્ન' - (सँलग्न)

2) 'લ' (ल) के पहले नासिक्य ध्वनि 'ઙ' (ङ) का उच्चारण: 'સઙલગ્ન' - (सङलग्न)

3) 'લ' (ल) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ઉ' (उँ) बन सकता है। 'સઉંલગ્ન' - (सउँलग्न)

4) 'લ' (ल) के पहले का स्वर अनुनासिक 'અ' (अँ) बनता है और 'લ' (ल) का द्वित्व भी बनता है। उच्चारण: 'સઁલ્લગ્ન' - (सँल्लग्न)

9. 'વ' (व) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'વ' (व) के पहले नासिक्य ध्वनि 'મ' (म) का उच्चारण: 'સમ્વેદન' - (सम्वेदन)

2) 'વ' (व) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ઉ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'સઉંવેદન' - (सउँवेदन)

3) 'વ' (व) के पहले का स्वर अनुनासिक 'અ' (अँ) बन सकता है और 'વ' (व) का द्वित्व भी बनता है। उच्चारण: 'સઁવ્વેદન' - (सँव्वेदन)

10. 'શ' (श) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।

1) 'શ' (श) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ઉ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'અઉંશ' - (अउँश)

2) 'શ' (श) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'ઔં' (औं) बन जाता है। उच्चारण: 'ઔંશ' - (औंश)

11. 'સ' (स) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।

1) 'સ' (स) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ઉ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'માઉંસ' - (माऊँस)

2) 'સ' (स) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'અ' (आँ) बन जाता है। उच्चारण: 'માંસ' - (माँस)

12. 'હ' (ह) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।

1) 'હ' (ह) के पहले का स्वर 'અ' (अँ) अनुनासिक बन जाता है। उच्चारण: 'સંહાર' - (सँहार)

2) 'હ' (ह) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ઉ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'સઉંહાર' - (सउँहार)

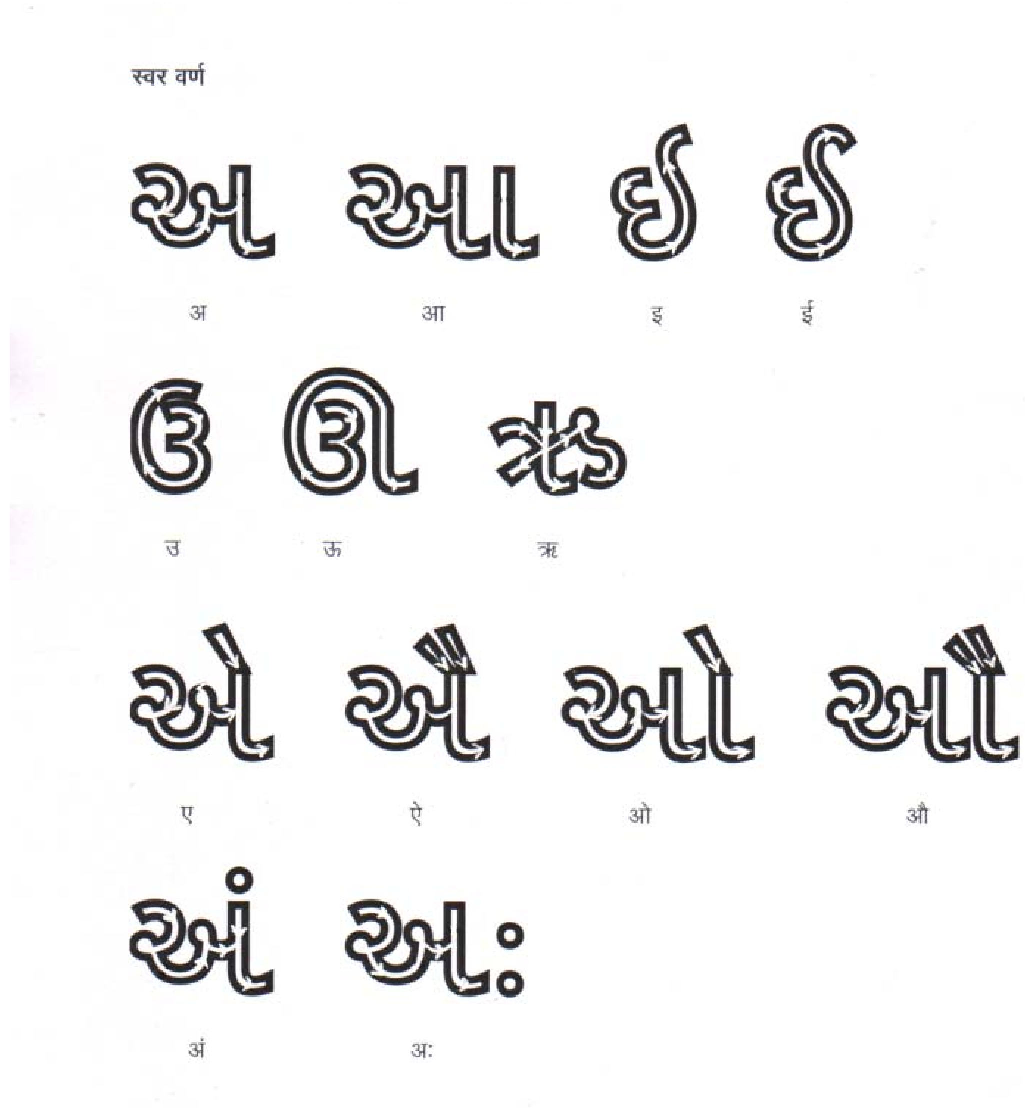
II ' ँ ' इसका धर्म हिंदी के समान अनुनासिकता दिखाना है। जैसे - 'ચાઁદ' (चाँद)

III ' : ' यह चिह्न विसर्ग को दिखाता है। इसका उच्चारण कहीं कहीं हिंदी के 'ह' जैसा है और कहीं पूर्ववर्ती व्यंजन - ध्वनि के द्वित्व का द्योतक भी होता है। जैसा: 'પુન:' (पुःन) (पुनह), 'દુ:ખ' (दुःख) (दुख्ख)

IV ' ् ' इस का प्रयोग स्वतंत्र व्यंजन को दिखाना है। जैसे - 'વાક્ચાતુરી ' (वाक्चातुरी) 'वाक्चातुरी', 'દિક્પાલ' (दिक्पाल) 'दिशारक्षक'

V ' ॅ ' गुजराती में इस चिह्न को 'अवड़ी मात्रा' कहते हैं। इसका प्रयोग प्रायः अंग्रेजी से आए हुए शब्दों के विशेष स्वरों के उच्चारण जो 'ए' तथा 'ओ' से अलग है, उन्हें दिखाने के लिए करते हैं। जैसे - 'બૅટ' (बॅट) 'ફૅશન' (फॅशन) 'કૉફી' (कॉफी), 'ડૉક્ટર' (डॉकटर), 'ઑગસ્ટ' (ऑगस्ट) 'બૉલ' (बॉल)। हिंदी में भी उस के लिए प्रत्येक चिन्ह 'ऑ' होता है। जैसे: डॉक्टर

1. गुजराती के अक्षर लिखने में हाथ चलाने की रीति:-



व्यांन वर्ण

ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ
क	ख	ग	घ	ङ
ચ	છ	જ	ઝ	ઞ
च	छ	ज	झ	ञ
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ત	થ	દ	ધ	ન
त	थ	द	ध	न
પ	ફ	બ	ભ	મ
प	फ	ब	भ	म

ય ર લ વ શ

य र ल व श

ષ સ હ ળ

ष स ह ळ

ક્ષ જ્ઞ

क्ष ज्ञ

2. गुजराती स्वराक्षरों की मात्राएँ, 'ऋ' तथा अनुस्वार-विसर्गों के उपचिह्न

આ	**ા**	**કા**	**ઘા**	**ણા**
आ	ा	का	घा	णा
ઇ	**િ**	**જિ**	**લિ**	**મિ**
इ	ि	जि	लि	मि
ઈ	**ી**	**ભી**	**રી**	**વી**
ई	ी	भी	री	वी
ઉ	**ુ**	**છુ**	**ઝુ**	**નુ**
उ	ु	छु	झु	नु
ઊ	**ૂ**	**છૂ**	**ઠૂ**	**રૂ**
ऊ	ू	छू	ठू	रू
ઋ	**ૃ**	**મૃ**	**ગૃ**	**નૃ**
(ऋ)	ृ	मृ	गृ	नृ
એ	**ે**	**પે**	**છે**	**ટે**
ए	े	पे	छे	टे
ઐ	**ૈ**	**જૈ**	**મૈ**	**ગૈ**
ऐ	ै	जै	मै	गै
ઓ	**ો**	**રો**	**કો**	**નો**
ओ	ो	रो	को	नो
ઔ	**ૌ**	**કૌ**	**નૌ**	**ફૌ**
औ	ौ	कौ	नौ	फौ
અં	**ં**	**ચં**	**પં**	**કં**
अं	ं	चं	पं	कं
અઃ	**ઃ**	**દુઃ**	**વિઃ**	**નિઃ**
अः	ः	दुः	विः	निः

3. गुजराती व्यंजनाक्षर स्वराक्षरों की मात्राओं, 'ऋ' तथा अनुस्वार-विसर्गों के उपचिह्नों के साथ

ક	કા	કિ	કી	કુ	કૂ	કૃ	કે	કૈ	કો	કૌ	કં	કઃ
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ખ	ખા	ખિ	ખી	ખુ	ખૂ	x	ખે	ખૈ	ખો	ખૌ	ખં	ખઃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खः	खः
ગ	ગા	ગિ	ગી	ગુ	ગૂ	ગૃ	ગે	ગૈ	ગો	ગૌ	ગં	ગઃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ઘ	ઘા	ઘિ	ઘી	ઘુ	ઘૂ	ઘૃ	ઘે	ઘૈ	ઘો	ઘૌ	ઘં	ઘઃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ઙ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ङ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ચ	ચા	ચિ	ચી	ચુ	ચૂ	X	ચે	ચૈ	ચો	ચૌ	ચં	ચઃ
च	चा	चि	ची	चु	चू	X	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
છ	છા	છિ	છી	છુ	છૂ	છૃ	છે	છૈ	છો	છૌ	છં	છઃ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	X	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
જ	જા	જિ	જી	જુ	જૂ	જૃ	જે	જૈ	જો	જૌ	જં	જઃ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
ઝ	ઝા	ઝિ	ઝી	ઝુ	ઝૂ	X	ઝે	ઝૈ	ઝો	ઝૌ	ઝં	ઝઃ
झ	झा	झि	झि	झु	झू	X	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ઞ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ञ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ટ	ટા	ટિ	ટી	ટુ	ટૂ	X	ટે	ટૈ	ટો	ટૌ	ટં	ટઃ
ट	टा	टि	टी	टु	टू	X	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ઠ	ઠા	ઠિ	ઠી	ઠુ	ઠૂ	X	ઠે	ઠૈ	ઠો	ઠૌ	ઠં	ઠઃ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	X	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ડ	ડા	ડિ	ડી	ડુ	ડૂ	X	ડે	ડૈ	ડો	ડૌ	ડં	ડઃ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	X	डे	डै	डो	डौ	डं	डः

ઢ	ઢા	ઢિ	ઢી	ઢુ	ઢૂ	X	ઢે	ઢૈ	ઢો	ઢૌ	ઢં	ઢઃ
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	X	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ણ	ણા	ણિ	ણી	ણુ	ણૂ	X	ણે	ણૈ	ણો	ણૌ	ણં	ણઃ
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णृ	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
ત	તા	તિ	તી	તુ	તૂ	તૃ	તે	તૈ	તો	તૌ	તં	તઃ
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
થ	થા	થિ	થી	થુ	થૂ	X	થે	થૈ	થો	થૌ	થં	થઃ
थ	था	थि	थी	थु	थू	X	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
દ	દા	દિ	દી	દુ	દૂ	દૃ	દે	દૈ	દો	દૌ	દં	દઃ
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ધ	ધા	ધિ	ધી	ધુ	ધૂ	ધૃ	ધે	ધૈ	ધો	ધૌ	ધં	ધઃ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
ન	ના	નિ	ની	નુ	નૂ	નૃ	ને	નૈ	નો	નૌ	નં	નઃ
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
પ	પા	પિ	પી	પુ	પૂ	પૃ	પે	પૈ	પો	પૌ	પં	પઃ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
ફ	ફા	ફિ	ફી	ફુ	ફૂ	X	ફે	ફૈ	ફો	ફૌ	ફં	ફઃ
फ	फा	फि	फी	फु	फू	X	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
બ	બા	બિ	બી	બુ	બૂ	બૃ	બે	બૈ	બો	બૌ	બં	બઃ
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
ભ	ભા	ભિ	ભી	ભુ	ભૂ	ભૃ	ભે	ભૈ	ભો	ભૌ	ભં	ભઃ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
મ	મા	મિ	મી	મુ	મૂ	મૃ	મે	મૈ	મો	મૌ	મં	મઃ
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
ય	યા	યિ	યી	યુ	યૂ	X	યે	યૈ	યો	યૌ	યં	યઃ
य	या	यि	यी	यु	यू	X	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
ર	રા	રિ	રી	રુ	રૂ	X	રે	રૈ	રો	રૌ	રં	રઃ
र	रा	रि	री	रु	रू	X	रे	रै	रो	रौ	रं	रः

લ	લા	લિ	લી	લુ	લૂ	X	લે	લૈ	લો	લૌ	લં	લઃ
ल	ला	लि	ली	लु	लू	X	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
વ	વા	વિ	વી	વુ	વૂ	વૃ	વે	વૈ	વો	વૌ	વં	વઃ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
શ	શા	શિ	શી	શુ	શૂ	શૃ	શે	શૈ	શો	શૌ	શં	શઃ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ષ	ષા	ષિ	ષી	ષુ	ષૂ	ષૃ	ષે	ષૈ	ષો	ષૌ	ષં	ષઃ
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षृ	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
સ	સા	સિ	સી	સુ	સૂ	સૃ	સે	સૈ	સો	સૌ	સં	સઃ
स	सा	सि	सी	सु	सू	सृ	से	सै	सो	सौ	सं	सः
હ	હા	હિ	હી	હુ	હૂ	હૃ	હે	હૈ	હો	હૌ	હં	હઃ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हृ	हे	है	हो	हौ	हं	हः
ળ	ળા	ળિ	ળી	ળુ	ળૂ	ળૉ	ળે	ળૈ	ળો	ળૌ	ળં	ળઃ
ळ	ळा	ळि	ळी	ळु	ळू	ळृ	ळे	ळै	ळो	ळौ	ळं	ळः
ક્ષ	ક્ષા	ક્ષિ	ક્ષી	ક્ષુ	ક્ષૂ	ક્ષૃ	ક્ષે	ક્ષૈ	ક્ષો	ક્ષૌ	ક્ષં	ક્ષઃ
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षृ	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
જ્ઞ	જ્ઞા	જ્ઞિ	જ્ઞી	જ્ઞુ	જ્ઞૂ	જ્ઞૃ	જ્ઞે	જ્ઞૈ	જ્ઞો	જ્ઞૌ	જ્ઞં	જ્ઞઃ
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञृ	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः

4. गुजराती के अक्षरों को रूप साम्य के आधार पर दस विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिए गए हैं। हर विभाग के नीचे कुछ उदाहरण शब्दों का गठन भी किया गया है।

4.1

ડ	ઙ	ઠ	હ	ક	ફ
ड	ङ	ठ	ह	क	फ

ડફ	(डफ)	હઠ	(हठ)	હક	(हक)
ફડ	(फड)	ફડક	(फडक)	કડક	(कडक)
ઠક	(ठक)				

4.2.

ટ	ઢ	ય	થ
ट	ढ	य	थ

ટકટક	(टकटक)	થડ	(थड़)	ઢફ	(ढफ)
હટ	(हट)	હય	(हय)	ફટક	(फट्क)
ડફ	(डफ)				

4.3.

દ	ઇ	ઈ	ધ
द	इ	ई	ध
ઘ	છ	િ	ી
घ	छ	ि	ी

ઈદ	(ईद)	છડ	(छड़)	કીકી	(कीकी)	ઘડ	(घड)
કડી	(कड़ी)	છઠ	(छठ)	દીદી	(दीदी)	ફીકી	(फीकी)
થઈ	(थई)	ઘટી	(घटी)	દિક્	(दिक्)	ધિક	(धिक)
હદ	(हद)	કદી	(कदी)				

4.4.

ઉ	ઊ	ગ	ઝ	ણ
उ	ऊ	ग	झ	ण

ુ	ૂ
ु	ू

ઉકઈ	(उकई)	કૂટી	(कूटी)
ફૂટી	(फूटी)	ઊડ	(ऊड)
ઉઘડ	(उघड)	ઊઠ	(ऊठ)
દૂધ	(दूध)	ઊડ	(ऊड)
દુડી	(दुडी)	ગઉ	(गउ)
ઊગ	(ऊग)	ગડી	(गडी)
ઢગ	(ढग)	ગઈ	(गई)
ડગ	(डग)	ગણ	(गण)
કણ	(कण)		

4.5.

ર	સ	શ	જ
र	स	श	ज

રસ	(रस)	કસ	(कस)
શર	(शर)	સૂર	(सूर)
શૂર	(शूर)	રણ	(रण)

જરી	(जरी)	શરદ	(शरद)
શરદી	(शरदी)	સૂજી	(सूजी)
જરૂર	(जरूर)	કરણ	(करण)
શરણ	(शरण)	જઠર	(जठर)
ફરક	(फरक)	સુધરી	(सुधरी)
સૂરણ	(सूरण)	રગ	(रग)
સર	(सर)	શર	(शर)
જડી	(जडी)	સગડી	(सगडी)

4.6.

ચ અ આ અં અ:

च अ आ अं अः

ं ः

એ ઐ ઓ ઔ

ए ऐ ओ औ

ે ૈ ો ૌ

े ै ो ौ

સંચો	(संचो)	ગેસ	(गेस)
કાગડો	(कागडो)	ચાંદો	(चांदो)
જાય	(जाय)	ચૂં ચૂં	(चूँ चूँ)
ઉંદર	(उंदर)	હું	(हुं)
જાઉં	(जाउं)	ગયું	(गयुं)
છું	(छुं)	થયું	(थयुं)
થયો	(थयो)	ઝંડી	(झंडी)

શું	(शुं)	કૂદી	(कूदी)
ચઢી	(चढी)	ઠંડી	(ठंडी)
અગાશી	(अगाशी)	કૈકયી	(कैकयी)
ઘોડો	(घोडो)	ઘેર	(घेर)
સિંહણ	(सिंहण)	સૌ	(सौ)

4.7.

પ	ષ	ખ	ઋ
प	ष	ख	ऋ

પરખ	(परख)	ષોડશ	(षोडस)	ષષ્ટિ	(षष्टि)
ખડક	(खडक)	ખખડધજ	(खखडघज)	ખગોળ	(खगोल)
ઋષિ	(ऋषि)	ઋગ્વેદ	(ऋग्वेद)	ઋતુ	(ऋतु)
ઋષભ	(ऋषभ)				

4.8.

વ	બ	ળ
व	ब	ण

વટાણા	(वटाणा)	વડવાઈ	(वडवाई)	વાવવું	(वाववुं)
બાવો	(बावो)	બોરડી	(बोरडी)	બપોર	(बपोर)
બાકોરું	(बाकोरुं)	પાળવું	(पाणवुं)	હળ	(हण)
જાળ	(जाण)	બળદ	(बणद)	વળ	(वण)

4.9.

ત	ન	મ	ભ	લ
त	न	म	भ	ल

મંદિર	(मंदिर)	લાલ	(लाल)
દાડમ	(दाडम)	નાગદેવતા	(नागदेवता)
ભારત	(भारत)	ભૂમિ	(भूमि)
જમરૂખ	(ज़मरुख)	ભાખરી	(भाखरी)
ચાકરી	(चाकरी)	પામે	(पामे)
નાના	(नाना)	મામા	(मामा)
કેવી	(केवी)	અજબ	(अजब)
જેવી	(जेवी)	વાત	(वात)
લીધો	(लीधो)	કીધો	(कीधो)
ધુમ	(धुम)	બેંગલોર	(बेंगलोर)
સોલાપુર	(सोलापूर)	તાજમહેલ	(ताजमहेल)
ઝૂલતો	(झूलतो)	પુલ	(पूल)

4.10

ં ઃ ઁ

અંશ	(अंश)	વંશ	(वंश)
દુઃખ	(दुःख)	પુનઃ	(पुनर्)
ચાઁદ	(चाँद)		

5. संयुक्ताक्षर के विभाग

5.1 गुजराती के संयुक्ताक्षरों को भी अठारह विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिखाए गए हैं।

5.1	ક્	+	ક	=	ક્ક	ક્કકો, નક્કી, તબક્કો, મુક્કર
	ફ	+	ફ	=	ફ્ફ	ફફ્ફો, ગફ્ફાર
	છ્	+	છ	=	છ્છો	છછ્છે, ગુછ્છે
	જ્	+	જ	=	જ્જ	ઉજ્જવળ, લિજ્જત, ગજ્જર,
5.2	ડ્	+	ડ	=	ડ્ડ	અડ્ડો, ચડ્ડો
	ઠ્	+	ઠ	=	ઠ્ઠ	ઠઠ્ઠો, છઠ્ઠી, ચિઠ્ઠી
	ટ્	+	ટ	=	ટ્ટ	ટટ્ટુ, પટ્ટો, ટટ્ટાર, ઘટ્ટ
	ઢ્	+	ઢ	=	ઢ્ઢ	ઢઢ્ઢો
5.3	ખ્	+	ખ	=	ખ્ખ	મખ્ખી, ચિખ્ખલ, ચોખ્ખાઈ
	ગ્	+	ગ	=	ગ્ગ	છગ્ગો, મગ્ગો, લગ્ગી
	ચ્	+	ચ	=	ચ્ચ	ચચ્ચો, ઉચ્ચાર, ખચ્ચર
	ધ્	+	ધ	=	ધ્ધ	અધ્ધર, સધ્ધર
	ત્	+	ત	=	ત્ત/ત્ત	ઉત્તર, સિત્તેર, વૃત્ત, ઉત્તમ
	થ્	+	થ	=	થ્થ	પથ્થર, કથ્થઈ, બથ્થમ
	દ્	+	દ	=	દ્દ	દ્દઢ
	ન્	+	ન	=	ન્ન	અન્ન, પ્રસન્ન, ઉન્નત
	પ્	+	પ	=	પ્પ	છપ્પન, પપ્પા, છપ્પા, અપ્પા
	બ્	+	બ	=	બ્બ	ગબ્બર, બબ્બે, ઝબ્બો, મુરબ્બી
	ભ્	+	ભ	=	ભ્ભ	ભભ્ભો, ઝભ્ભો
	મ્	+	મ	=	મ્મ	ઝુમ્મર, મમ્મટ, ધુમ્મટ
	ય્	+	ય	=	ય્ય	શય્યા, અય્યર, સય્યર
	લ્	+	લ	=	લ્લ	પલ્લી, ગલ્લો, ખુલ્લો
	વ્	+	વ	=	વ્વ	અવ્વલ, છવ્વીસ, કવ્વાલી, નવ્વાણુ
	શ્	+	શ	=	શ્શ	શશ્શો
	ષ્	+	ષ	=	ષ્ષ	ષષ્ષો
	સ્	+	સ	=	સ્સ	રસ્સી, કિસ્સો, ઠસ્સો

5.4	ક્	+	ત	=	ક્ત	રક્ત, ભક્ત, મુક્ત
	ક્	+	ય	=	ક્ય	વાક્ય, શક્ય, ક્યારે, ક્યાં
	છ્	+	ય	=	છ્ય	છ્યાછી
	ઠ્	+	ય	=	ઠ્ય	કંઠ્ય, પાઠ્ય, ગોઠ્યું
	ડ્	+	ય	=	ડ્ય	દોડ્યું, રડ્યું, જડ્યું, ડંડ્ય
	ઢ્	+	ય	=	ઢ્ય	ધનાઢ્ય, વઢ્યો, ચઢ્યું
	જ્	+	ય	=	જ્ય	જ્યારે, જ્યો, જ્યોત્સના, જ્યોત
	ફ્	+	ય	=	ફ્ય	બાફ્યું, ફ્યુચર
	ઝ્	+	ય	=	ઝ્ય	બાઝ્યા, દાઝ્યા
	હ્	+	ય	=	હ્ય	કહ્યું, રહ્યું, સહ્યું
	ળ્	+	ય	=	ળ્ય	ગળ્યું, મળ્યું, બાળ્યું
5.5	ત્	+	ક	=	ત્ક	સત્કાર, ઉત્કંઠા, ઉત્કટ, ઉત્કલ
	ત્	+	ન	=	ત્ન	રત્ન, પત્ની
	ત્	+	સ	=	ત્સ	મહોત્સવ, ઉત્સવ, સત્સંગ
	ત્	+	લ	=	ત્લ	કત્લ, ઉત્પલ, મત્લ
	ત્	+	પ	=	ત્પ	ઉત્પત્તિ, ઉત્પાદન, ઉત્પન
	ત્	+	થ	=	ત્થ	ઉત્થાન, ઉત્થ, ઉત્થાપક
	ત્	+	મ	=	ત્મ	આત્મ, એકાત્મ, ખત્મ
	ત્	+	વ	=	ત્વ	સત્વ, ત્વચા, પુરુષત્વ
	ત્	+	ય	=	ત્ય	સત્ય, નિત્ય, ઔચિત્ય
5.6	ખ્	+	ત	=	ખ્ત	સખ્ત, તખ્તો, પુખ્ત, બખ્તર
	સ્	+	ત	=	સ્ત	અસ્ત, મસ્ત, હસ્ત
	શ્	+	ત	=	શ્ત	કિશ્ત, કિશ્તી, રિશ્તેદાર
	પ્	+	ત	=	પ્ત	સપ્ત, પ્રાપ્ત, તૃપ્ત
	ન્	+	ત	=	ન્ત	અન્ત, કાન્ત, શાન્ત
5.7	ખ્	+	ય	=	ખ્ય	ખ્યાત, ખ્યાલ, આખ્યાન, વ્યાખ્યા
	ગ્	+	ય	=	ગ્ય/ગ્ય	ભાગ્ય, વાગ્ય, વાગ્યુદ્ધ
	ચ્	+	ય	=	ચ્ય	અચ્યુત
	ત્ર્	+	ય	=	ત્ર્ય	ચારિત્ર્ય, ત્ર્યંબક, ત્ર્યહિક

	ન્	+	ય	=	ન્ય	અન્ય, શૂન્ય, માન્ય
	વ્	+	ય	=	વ્ય	વ્યવસાય, તાલવ્ય, ગંતવ્ય, કાવ્ય
	લ્	+	ય	=	લ્ય	મૂલ્ય, માંગલ્ય, કલ્યાણ
	ધ્	+	ય	=	ધ્ય/ઘ	મધ્યમ, અધ્યાય, સંધ્યા, ઉદ્યોગ
	ષ્	+	ય	=	ષ્ય	મનુષ્ય, ભવિષ્ય, શિષ્ય
	મ્	+	ય	=	મ્ય	રમ્ય, ગમ્ય, મ્યાન
	ભ્	+	ય	=	ભ્ય	અભ્યાસ, સભ્ય, લભ્ય, અભ્યારણ
	ણ્	+	ય	=	ણ્ય	અગ્રણ્ય, પુણ્ય, અગણ્યાએંશી
	થ્	+	ય	=	થ્ય	કથ્ય, પથ્ય, તથ્ય
	બ્	+	ય	=	બ્ય	બ્યાન, બ્યૂગલ, બ્યાસી
	શ્	+	ય	=	શ્ય	અવશ્ય, શ્યામ, અદૃશ્ય
	સ્	+	ય	=	સ્ય	તરસ્યું, વરસ્યું
	પ્	+	ય	=	પ્ય	પ્યાસ, પ્યાર, પ્રાપ્ય, આપ્યું
5.8	ર્	+	ક	=	ર્ક	કર્કશ, કર્ક, તર્ક, સતર્ક
	ર્	+	ચ	=	ર્ચ	ખર્ચ, ચર્ચ, ચર્ચરી
	ર્	+	ગ	=	ર્ગ	ગર્ગ, વર્ગ, સ્વર્ગ, માર્ગ
	ર્	+	ણ	=	ર્ણ	વર્ણ, પર્ણ, કર્ણ, વર્ણન
	ર્	+	ત	=	ર્ત	વર્તન, મૂર્ત, કર્તવ્ય
	ર્	+	થ	=	ર્થ	પાર્થ, પ્રાર્થના, તીર્થયાત્રા, સાર્થક
	ર્	+	દ	=	ર્દ	મર્દ, હાર્દ, શર્દ
	ર્	+	લ	=	ર્લ	પુનર્લગ્ન
	ર્	+	જ	=	ર્જ	જર્જર, સર્જન, કર્જ, ફર્જ
	ર્	+	ધ	=	ર્ધ	અર્ધ, વર્ધક, વર્ધિત
	ર્	+	શ	=	ર્શ	દર્શન, સ્પર્શ, પ્રદર્શિત
	ર્	+	મ	=	ર્મ	મર્મ, કર્મ, ધર્મ
	ર્	+	ન	=	ર્ન	ફર્નિચર, અહર્નિશ
	ર્	+	વ	=	ર્વ	પર્વ, ગર્વ, સર્વ, પર્વત
	ર્	+	ષ	=	ર્ષ	આર્ષ, વર્ષ, વર્ષા, ઈર્ષા
	ર્	+	ભ	=	ર્ભ	ગર્ભ, ગર્ભિત, ગર્ભાવું
	ર્	+	પ	=	ર્પ	અર્પણ, તર્પણ, દર્પણ
	ર્	+	ય	=	ર્ય	આર્ય, ઉપર્યુક્ત, ભર્યું

5.9	ક્	+	ર	=	ક્ર	ક્રમ, વક્ર, શુક્ર, ક્રોધ
	ખ્	+	ર	=	ખ્ર	ખ્રિસ્ત
	ગ્	+	ર	=	ગ્ર	ગ્રસ્ત, ગ્રહ, અગ્ર
	દ્	+	ર	=	દ્ર	ચંદ્ર, ભદ્ર, અદ્દશ્ય, દ્રોહ
	પ્	+	ર	=	પ્ર	પ્રેમ, પ્રજ્વલ, પ્રચાર
	ભ્	+	ર	=	ભ્ર	ભ્રમ, શુભ્ર, અભ્ર, ભ્રાંતી
	બ્	+	ર	=	બ્ર	બ્રહ્મ, બ્રહ્મામણ
	વ્	+	ર	=	વ્ર	વ્રત, વ્રતાળ
	જ્	+	ર	=	જ્ર	વજ્ર, વજ્રઘાત, વજ્રલેપ
	મ્	+	ર	=	મ્ર	સમ્રાટ, સામ્રાજ્ય
	ફ્	+	ર	=	ફ્ર	ફ્રેમ, ફ્રી, ફ્રેંડ
	ધ્	+	ર	=	ધ્ર	આંધ્રપ્રદેશ, ધ્રાસકો, ધ્રુસકો
	શ્	+	ર	=	શ્ર	શ્રમ, વિશ્રામ, શ્રુતિ, આશ્રમ
5.10	ડ્	+	ર	=	ડ્ર	ડ્રમ, ડ્રાઉંડ્રાઉ
	ટ્	+	ર	=	ટ્ર	ટ્રસ્ટ, ટ્રામ, ટ્રક, રાષ્ટ્ર
5.11	ક્	+	ઋ	=	કૃ	કૃષ્ણ, કૃતિ, કૃપા, પ્રાકૃતિક
	ગ્	+	ઋ	=	ગૃ	ગૃહ, ગૃહપતિ
	ત્	+	ઋ	=	તૃ	તૃષ્ટિ, તૃતીય, તૃણ
	પ્	+	ઋ	=	પૃ	પૃચ્છા, પૃષ્ઠ, પૃથ્વી
	મ્	+	ઋ	=	મૃ	મૃગ, અમૃત, મૃત, મૃદંગ
	વ્	+	ઋ	=	વૃ	વૃત, વૃંદ, વૃષભ
	શ્	+	ઋ	=	શૃ	શૃંગાર, શૃંખલા, શૃંગ
	સ્	+	ઋ	=	સૃ	સૃષ્ટિ, સૃજન
5.12	લ્	+	પ	=	લ્પ	અલ્પ, કલ્પ, સ્વલ્પ, વિકલ્પ
	લ્	+	ક	=	લ્ક	ઉલ્કા, શુલ્ક, મૂલ્ક, બલ્ક
	લ્	+	મ	=	લ્મ	વાલ્મીકી, જુલ્મ
	દ્	+	મ	=	દ્મ	પદ્મ, છદ્મ
	હ્	+	મ	=	હ્મ	બ્રહ્મ, બ્રહ્મા
	ક્ષ્	+	મ	=	ક્ષ્મ	સૂક્ષ્મ, લક્ષ્મી

	પ્	+	લ	=	પ્લ	પ્લાવ, વિપ્લવ, પ્લોટ
	શ્	+	લ	=	શ્લ/શ્લ	શ્લેષ, શ્લોક (શ્લોક)
5.13	ષ્	+	ક	=	ષ્ક	પુષ્કળ, આવિષ્કાર, નિષ્કલ
	ષ્	+	ટ	=	ષ્ટ	કષ્ટ, શિષ્ટ, અષ્ટક, ચેષ્ટા
	ષ્	+	ઠ	=	ષ્ઠ	નિષ્ઠા, પ્રતિષ્ઠા, કોષ્ઠક
	ષ્	+	ણ	=	ષ્ણ	કૃષ્ણ, ઉષ્ણ, વિષ્ણુ
	ષ્	+	મ	=	ષ્મ	ઉષ્મા, સુષ્મા, ગ્રીષ્મ
	ષ્	+	પ	=	ષ્પ	પુષ્પ, પુષ્પક, ચતુષ્પદ
	શ્	+	ક	=	શ્ક	મશ્કરી, ઉશ્કેરાટ, લશ્કરી
	સ્	+	ક	=	સ્ક	સંસ્કાર, વયસ્ક, નમસ્કાર, સ્કંદ
	સ્	+	ખ	=	સ્ખ	સ્ખલન
	સ્	+	મ	=	સ્મ	ભસ્મ, વિસ્મય, કિસ્મત, સ્મરણ
	સ્	+	પ	=	સ્પ	પરસ્પર, સ્પર્શ, સ્પંદન, સ્પર્ધા
	સ્	+	ન	=	સ્ન	સ્નાન, સ્નાતક, સ્નેહ
	સ્	+	વ	=	સ્વ	સ્વાગત, વર્ચસ્વ, સ્વર, સ્વમાન
	સ્	+	થ	=	સ્થ	સ્થળ, સ્થાપન, સંસ્થા
	સ્	+	ત્ર	=	સ્ત્ર	સ્રોત, વસ્ર, અસ્ર, સ્ત્રી
	સ્	+	લ	=	સ્લ	વસ્લ, નસ્લ, મસ્લહત
	સ્	+	ટ	=	સ્ટ	સ્ટંટ, જસ્ટ, સ્ટાર
5.14	ક્	+	ષ	=	ક્ષ	ક્ષણ, પક્ષ, મોક્ષ, ક્ષમા
	જ્	+	ઞ	=	જ્ઞ	અગ્નિ, લગ્ન, જ્ઞાન, જ્ઞાતા, પ્રજ્ઞા
5.15	થ્	+	વ	=	થ્વ	પૃથ્વી
	દ્	+	વ	=	દ્વ	દ્વાર, અદ્વૈત, દ્વિજ
	ન્	+	વ	=	ન્વ	અન્વય, અન્વેક્ષણ
	ગ્	+	વ	=	ગ્વ	ઋગ્વેદ
	શ્	+	વ	=	શ્વ	વિશ્વ, ઈશ્વર, શ્વાસ
	જ્	+	વ	=	જ્વ	ઉજ્વળ, પ્રજ્વલ, જ્વાલા
5.16	શ્	+	ચ	=	શ્ચ	નિશ્ચલ, પશ્ચિમ, નિશ્ચય
	ચ્	+	છ	=	ચ્છ	ઉચ્છેદ, મચ્છર, કચ્છ

5.17	ન્	+	મ	=	ન્મ	જન્મ, ઉન્મત, ઉન્માદ
	ન્	+	સ	=	ન્સ	સમન્સ, ઈન્સાન, ઈન્સાફ
	દ્	+	ભ	=	દ્ભ	ઉદ્ભવ, તદ્ભવ, સદ્ભાવ
	ઘ્	+	ન	=	ઘ્ન	વિઘ્ન, વિઘ્નસંતોષી, વિઘ્નહર્તા
5.18	શ્	+	ન	=	શ્ન/શ્ન	પ્રશ્ન/પ્રશ્ન
	બ્	+	જ	=	બ્જ	કુબ્જ, કબ્જો, કુબ્જા
	બ્	+	દ	=	બ્દ	શબ્દ, શબ્દકોશ, શબ્દકાળ

6. गुजराती अंक

૧	૨	૩	૪	૫	૬	૭	૮	૯	૧૦
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०

૧ ૨ ૩ ૪ ૫

૬ ૭ ૮ ૯ ૧૦

7 लिपि पाठ - एक नमुना

पाठ - 1

1. अक्षर

ડ	ઙ	ઠ	હ	ક	ફ
ड	ङ	ठ	ह	क	फ

2. शब्द

ડફ	(डफ)	કડક	(कडक)
હઠ	(हठ)	ફડક	(फडक)
હક	(हक)	ઠક	(ठक)

3. पढ़िए

ડફ   કડક

હઠ   ફડક

હક   ઠક

ડ   ઠ   હ   ક   ફ

4. लिखिए

ડ...................ડ

ઠ...................ઠ

હ...................હ

ક...................ક

ફ...................ફ

I अभ्यास

1. दिए गए अक्षरों में 'ડ' को पहचानिए।

ક હ ડ ઙ ફ ઠ

2. दिए गए अक्षरों में 'ઠ' को पहचानिए।

ડ હ ઠ ક ઙ ફ

3. दिए गए अक्षरों में 'હ' को पहचानिए।

ક ઠ ડ ફ હ ઙ

4. ऊपर के पंक्ति के जो अक्षर नीचे की पंक्ति में हैं उन अक्षरों को घेरे में डालिए।

ડ	
હ	ડ

હ	
હ	ફ

ક	
ફ	ક

હ	
ડ	હ

ઠ	
ઠ	ડ

5. ऊपर के पंक्ति के जो शब्द नीचे की पंक्ति में हैं उन शब्दों को घेरे में डालिए।

ડફ	
હઠ	ડફ

હઠ	
હઠ	ડફ

ડફ	
કફ	ડફ

ઠક	
ઠક	હઠ

કડક	
ઠડક	કડક

ફડક	
ફડક	ઠડક

6. दुहराए हुए अक्षरों को पहचानिए।

   ઠઠ   હઠ   કડક   ઠડક   ફડક

7. सही प्रकार मिलाकर पढ़िए।

   હ   ક
   ઠ   ઠ
   ડ   ઠ
   ફ   ફ
   ક   ડ

8. देवनागरी लिपि में दिए गए गुजराती शब्दों को गुजराती लिपि में लिखिए।

   डफ   हठ   हक   ठक   फडक

9. कोष्ठक में दिए गए अक्षरों में से सही अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।

   (ક, હ, ડ)
   હ ______
   ઠ ______
   ફ ______

10. रेखांकित अक्षर के स्थान पर और एक अक्षर लिखकर एक नया शब्द बनाइए।

    હ<u>ક</u>

11. सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरे कीजिए।

    હ ____   ડ ____   ક ____   ફ ____

12. ઠ, ડ तथा ક अक्षर आनेवाले एक एक शब्द लिखिए।

પાઠ 1
पाठ

મિત્રના ઘરે

રમીલા : આવો, બેસો.
आवो, बेसो.

ચંદુલાલ : ઓહો, તું છે! આવ, આવ રમાકાંત. રમીલા, આ મારા હરદ્વારના મિત્ર રમાકાંત છે. અમે નાનપણના મિત્ર છીએ. રમાકાંત, આ મારી પત્ની રમીલા છે. રમાકાંત, ભાભી કેમ છે? બાળકો કેમ છે?
ओहो, तुं छे! आव आव रमाकांत. रमीला, आ मारा हरद्वारना मित्र रमाकांत छे। अमे नानपणना मित्र छीए। रमाकांत आ मारी पत्नी रमीला छे। रमाकांत, भाभी केम छे? बाळको केम छे?

રમાકાંત : બધાં કુશળ છે. તારાં બાળકો ક્યાં છે ?
बधां कुशळ छे। तारां बाळको क्यां छे ?

ચંદુલાલ : મારો દીકરો દીપક અને તેની પત્ની ભૈરવી વડોદરામાં છે, બંને ડૉક્ટર છે. તેમની દીકરી કવિતા અને તેના પતિ રમેશ અમારી સાથે છે. દીકરી મીરાં અને જમાઈ પ્રકાશ અમદાવાદમાં જ છે. રમીલા, કવિતા ક્યાં છે ?
मारो दीकरो दीपक अने तेनी पत्नी भैरवी वडोदरामां छे, बंने डोक्टर छे। तेमनी दीकरी कविता अने तेना पति रमेश अमारी साथे छे। छोकरी मीरां अने जमाई प्रकाश अमदावादमां ज छे। रमीला, कविता कयां छे ?

કવિતા : દાદા હું અહીં જ છું.
दादा हुं अहीं ज छुं।

मित्र के घर

रमीलाः आइए, बैठिए।

चंदुलालः ओहो, तुम हो! आओ, आओ रमाकांत। रमीला, ये मेरे हरिद्वार के मित्र रमाकांत हैं। हम बचपन के दोस्त हैं। रमाकांत, यह मेरी पत्नी रमीला। रमाकांत, भाभी कैसी हैं ? बच्चे कैसे हैं ?

रमाकांतः सब कुशल हैं। तुम्हारे बच्चे कहाँ हैं?

चंदुलालः मेरा बेटा दीपक और उसकी पत्नी भैरवी बड़ौदा में हैं, दोनों डॉक्टर हैं। उनकी बेटी कविता और उसके पति रमेश हमारे साथ में हैं। बेटी मीरा और जमाइ प्रकाश अहमदाबाद में ही हैं। रमीला, कविता कहाँ है?

कविताः दादाजी मैं यहाँ ही हूँ।

રમીલા : દીકરી આ પણ દાદા છે. દાદા માટે ચા-નાસ્તો લાવો.
दीकरी आ पण दादा छे। दादा माटे चा नास्तो लावो।

रमीलाः बेटी ये भी दादाजी हैं, दादाजी के लिए चाय नाश्ता लाओ।

કવિતા : દાદા નમસ્તે. ચા-નાસ્તો તૈયાર છે. તમે બધાં અંદર આવો.
दादा नमस्ते। चा नास्तो तैयार छे। तमे बधां अंदर आवो।

कविताः दादाजी नमस्ते। चाय नाश्ता तैयार है। आप सब अंदर आइए।

ચંદુલાલ : નાસ્તામાં શું છે ?
नास्तामां शुं छे ?

चंदुलालः नाश्ते में क्या हैं ?

કવિતા: ફાફડા-જલેબી.
फाफड़ा-जलेबी।

कविताः फाफड़ा-जलेबी।

ચંદુલાલ : બહુ સરસ. રમાકાંત, અહીંનાં ફાફડા-જલેબી વખણાય છે. રમીલા તું પણ આવ. અમારી સાથે નાસ્તો કર.
बहु सरस। रमाकांत, अहींनां फाफड़ा जलेबी वखणाय छे। रमीला तुं पण आव। अमारी साथ नास्तो कर।

चंदुलालः बहुत अच्छा। रमाकांत, यहाँ के फाफड़ा-जलेबी प्रसिद्ध हैं। रमीला तुम भी आओ। हमारे साथ नाश्ता करो।

રમીલા : તમે લો. મારે આજે ઉપવાસ છે.
तमे लो। मारे आजे उपवास छे।

रमीलाः आप लीजिए। मेरा आज उपवास है।

રમાકાંત : આજે કઈ તિથિ છે ?
आजे कई तिथि छे ?

रमाकांतः आज कौन-सी तिथि है ?

રમીલા : આજે પૂનમ છે.
आजे पूनम छे।

रमीलाः आज पूर्णिमा है।

ચંદુલાલ : આવ પ્રકાશ તું પણ બેસ.
आव प्रकाश तुं पण बेस।

चंदुलालः आओ प्रकाश तुम भी बैठो।

રમાકાંત : ચંદુલાલ, આ જ તમારા જમાઈ પ્રકાશ છે ?
चंदुलाल आ-ज तमारा जमाई प्रकाश छे?

रमाकांतः चंदुलाल, ये ही तुम्हारे जमाई प्रकाश हैं ?

ચંદુલાલ : હા-હા, આ જ અમારા જમાઈ પ્રકાશ છે. પ્રકાશ, આ મારા નાનપણના મિત્ર રમાકાંત છે, તે હરિદ્વારના છે.
हा-हा, आ ज अमारा जमाई प्रकाश छे। प्रकाश, आ मारा नानयणना मित्र रमाकांत छे, ते हरिद्वारना छे।

चंदुलालः हाँ-हाँ, ये ही हमारे जमाई प्रकाश हैं। प्रकाश, ये मेरे बचपन के दोस्त रमाकांत हैं। वे हरिद्वार के है।

પ્રકાશ : નમસ્તે કાકા.
नमस्ते काका।

प्रकाशः नमस्ते चाचाजी।

રમાકાંત : દીકરી મીરાં કેમ છે ?
दीकरी मीरां केम छे ?

रमाकांतः बेटी मीरा कैसी है ?

પ્રકાશ : મજામાં છે.
मजामां छे।

प्रकाशः मजे में है।

રમીલા : ચાલો-ચાલો પહેલાં તમે સૌ નાસ્તો કરીલો, પછી વાતો કવિતા દીકરી તું પણ બેસ અને નાસ્તો કર.
चालो-चालो पहेलां तमे सौ नास्तो करी लो, पछी वातो। कविता दीकरी, तुं पण बेस अने नास्तो कर।

रमीलाः चलिए-चलिए आप सब पहले नाश्ता कर लीजिए, बाद में बातें। कविता बेटी, तुम भी बैठो और नाश्ता करो।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
તું	तुं	तुम/तू
અમે	अमे	हम
અમારી	अमारा	हमारे
આવો	आवो	आइए
છે	छे	है/हैं
બેસો	बेसो	बैठिए
મારા	मारा	मेरे
તારાં	तारां	तेरे/तुम्हारे
કેમ	केम	कैसे
દીકરો	दीकरो	बेटा
પત્ની	पत्नी	पत्नी
બધાં	बधां	सभी

બાળકો	बाळको	बच्चे
ક્યાં	क्यां	कहाँ
બંને	बन्ने	दोनों
અમારી સાથે	अमारी साथे	हमारे साथ
અહીં	अहीं	यहाँ
દાદા	दादा	दादा (पिता के पिता और माँ के पिता)
ને માટે	ने मोटे	के लिए
ચા	चा	चाय
શું	शुं	क्या
તૈયાર	तैयार	तैयार
બાપુજી	बापुजी	पिताजी (प्यार से दादाजी को भी कहते हैं)
સરસ	सरस	उत्तम
તમે	तमे	आप
ફાફડા	फाफड़ा	फाफड़ा (तीखा व्यंजन)
જલેબી	जलेबी	जलेबी (मीठा व्यंजन)
વખણાય	वखणाय	प्रसिद्ध/मशहूर
ઉપવાસ	उपवास	उपवास, व्रत
આજે	आजे	आज
જમાઇ	जमाई	जमाई
નાનપણના	नानपणना	बचपनके
કાકા	काका	चाचा
દીકરી	दीकरी	बेटी
ચાલો	चालो	चलिए
બહુસરસ	बहु सरस	बहुत अच्छा
પહેલાં	पहेला	पहले
પણ	पण	भी
તમારા	तमारा	तुमारे
જરૂર	जरूर	जरूर/अवश्य
મારે	मारे	मुझे
સૌ	सौ	सभी

अभ्यास

1 **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

I 1) આ મારા મિત્ર છે.
आ मारा मित्र छे

2) અમે નાનપણના મિત્ર છીએ.
अमे नानपणना मित्र छीए।

3) તમે બધાં કેમ છો ?
तमे बधां केम छो ?

4) દાદા હું અહીં જ છું.
दादा हुं अहीं ज छुं।

5) ઓહો તું છે ?
ओहो तुं छे ?

6) તારાં બાળકો ક્યાં છે ?
तारां बाळको क्यां छे ?

2\. 1) કવિતા ક્યાં છે ?
कविता क्यां छे ?

2) બાળકો કેમ છે ?
बाळको केम छे ?

3) નાસ્તામાં શું છે ?
नास्तामां शुं छे ?

4) આજે કઇ તિથિ છે ?
आजे कई तिथि छे?

3\. 1) આવો બેસો.
आवो बेसो।

2) તું પણ બેસ.
तुं पण बेस।

3) પ્રકાશ, બેસ.
प्रकाश, बेस।

4) તમે પણ લો.
तमे पण लो।

5) ચા નાસ્તો લાવો.
चा नास्तो लावो।

4. 1) દીકરી મીરાં અને જમાઈ પ્રકાશ અમદાવાદમાં જ છે ?
दीकरी मीरां अने जमाई प्रकाश अमदावादमां ज छे।

2) અહીંના ફાફડા-જલેબી વખણાય છે.
अहिना फाफडा-जलेबी वखणाय छे।

II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर तीन-तीन वाक्य बनाइए।

1) આ <u>કવિતા</u> છે. (દીપક, ભૈરવી, રમીલા)
आ <u>कविता</u> छे। (दीपक, भैरवी, रमीला)

2) આ <u>દાદા</u> છે. (બા, ભાભી, દીકરી)
आ <u>दादा</u> छे। (बा, भाभी, दीकरी)

3) આ <u>નાસ્તો</u> છે. (ચા, ફાફડા, જલેબી)
आ <u>नास्तो</u> छे। (चा, फाफड़ा, जलेबी)

III कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(મારા, મારી, મારો, મારું)
(मारा, मारी, मारो, मारुं)

1) આ .... દીકરી છે.
आ .... दीकरी छे।

2) આ .... પત્ની છે.
आ .... पत्नी छे।

3) આ .... ઘર છે.
आ .... घर छे।

4) આ .... જમાઈ છે.
आ .... जमाई छे।

IV उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरणः આવો, તમે આવો.
आवो, तमे आवो।

1) બેસો, ...
बेसो,

2) ચાલો, ...
चालो,

3) નાસ્તો લાવો, ...
नास्तो लावो,

V. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरणः તું આવ.
तुं आव।
તમે આવો.
तमे आवो।

1) તું બેસ.
तुं बेस।

2) તું લે.
तुं ले।

3) તું ચાલ.
तुं चाल।

VI कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त प्रश्नवाचक शब्द चुनकर प्रत्येक वाक्य के प्रश्नवाचक रूप बनाइए।

(ક્યાં, કેમ, શું, કઇ, કોણ)
(क्यां, केम, शुं, कई, कोण)

1) દીપક અને ભૈરવી વડોદરામાં છે.
दीपक अने भैरवी वडोदरामां छे।

2) ભાભી અને બાળકો કુશળ છે.
भाभी अने बाळको कुशळ छे।

3) આજે પૂનમ છે.
आजे पूनम छे।

4) કવિતા અહીંયાં છે.
कविता आहींयां छे।

5) નાસ્તામાં ફાફડા-જલેબી છે.
नास्तामां फाफडा-जलेबी छे।

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए।

उदाहरण: દીકરો-દીકરી
दीकरो-दीकरी

1) પત્ની - ....
पत्नी - ....

2) દાદા - ....
दादा - ....

3) કાકા - ....
काका - ....

VIII प्रत्येक शब्द समूह में जो शब्द उस वर्ग का न हो उसे पहचानिए।

1) દીકરો, દીકરી, જલેબી, દાદા, ભાભી.
दीकरो , दीकरी, जलेबी, दादा, भाभी।

2) અમદાવાદ, વડોદરા, હરદ્વાર, અહીં.
अमदावाद, वडोदरा, हरद्वार, अहीं।

3) મિત્ર, દાદા, ચંદુલાલ, કાકા, જમાઈ.
मित्र, दादा, चंदुलाल, काका, जमाई।

IX नीचे दिए गए वाक्यों में 'मां' या 'ना' का उपयुक्त प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) આ મારા હરદ્વાર .... મિત્ર છે.
आ मारा हरद्वार .... मित्र छे।

2) આ મારા જમાઈ પ્રકાશ, મીરાં .... પતિ છે.
आ मारां जमाई प्रकाश, मीरां .... पति छे।

3) દીપક અને તેની પત્ની વડોદરા .... છે.

दीपक अने तेनी पत्नी वडोदरा .... छे।

4) દીકરી અને જમાઇ અહીં અમદાવાદ .... છે.

दीरकी अने जमाई अहीं अमदावाद .... छे।

X बायीं ओर दिए गए प्रश्न वाक्यों के साथ दाहिनी ओर दिए गए सही उत्तर से मिलान कीजिए।

	प्रश्न	*उत्तर*
1)	નાસ્તામાં શું છે ? नास्तामां शुं छे ?	આજે પૂનમ છે. आजे पूनम छे।
2)	ભાભી કેમ છે ? भाभी केम छे ?	અહીં અમદાવાદમાં છે. अहीं अमदावादमां छे।
3)	તારાં બાળકો ક્યાં છે ? तारां बाळको क्यां छे ?	ભાભી કુશળ છે. भाभी कुशळ छे।
4)	કવિતા ક્યાં છે ? कविता क्यां छे ?	ફાફડા-જલેબી છે. फाफड़ा-जलेबी छे।
5)	આજે કઇ તિથિ છે ? आजे कई तिथि छे ?	હું અહીં છું. हुं अहीं छुं।

पढ़िए और समझिए

મારો પરિચય

હું કવિતા છું. અમે બે બહેનો છીએ. મારી બહેનનું નામ અનુજા છે. અમારી બા શિક્ષિકા છે. મારું ગામ કરજણ છે. ગામમાં નાનો બગીચો છે. હું અને અનુજા અમે બંને ધોરણ આઠમાં છીએ. મારી નિશાળ ઘણી સુંદર છે. અમારી નિશાળના આચાર્ય ધીરુભાઇ છે. તમારી નિશાળના આચાર્ય કોણ છે? તમે જરૂર આવો અને અમારી નિશાળ જુઓ.

मारो परिचय

अमे बे बहेनो छीए। मारुं नाम कविता छे। मारी बहेननुं नाम अनुजा छे। अमारी बा शिक्षिका छे। मारुं गाम करजण छे। गाममां नानो वगीचो छे। हुं अने अनुजा बन्ने धोरण आठमां छीए। मारी निशाळ घणी सुंदर छे। अमारी निशाणना आचार्य धीरूभाई छे। तमारी निशाणना आचार्य कोण छे? तमे जरूर आवो अने अमारी निशाळ जुओ।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
હું	हुं	मैं
છું	छुं	हूँ
નાનો	नानो	छोटा
નામ	नाम	नाम
બે	बे	दो
બા-બાપ	बा-बापु	माँ-बाप
શિક્ષિકા	शिक्षिका	शिक्षिका
ગામ	गाम	गाँव
કરજણ	करजण	करजण (गाँव का नाम)
બગીચો	बगीचो	बगीचा / उद्यान
બહેન	बहेन	बहन
અને	अने	और
ધોરણ	धोरण	कक्षा
આઠ	आठ	आठ
નિશાળ	निशाळ	पाठशाला
ઘણી	घणी	बहुत
જુઓ	जुओ	देखिए
કોણ	कोण	कौन

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) ગામનું નામ શું છે ?
गामनुं नाम शुं छे ?

2) કોણ કોણ બહેનો છે ?
कोण कोण बहेनो छे ?

3) કવિતા અને અનુજા કયા ધોરણમાં છે ?
कविता अने अनुजा कया धोरणामां छे ?

4) ગામમાં શું શું છે ?
गाममां शुं शुं छे ?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के गुजराती शब्द दीजिए।

गाँव ....

पाठशाला ....

बहन ....

छोटा ....

दो ....

बहुत ....

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

મારું ઘર ઘણું સુંદર છે. મારા ઘરની બાજુમાં એક નિશાળ છે. નિશાળમાં એક નાનો બગીચો છે. હું નિશાળમાં શિક્ષિકા છું. નિશાળમાં આઠ શિક્ષકો છે

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

रमणभाई पटेल गुजरात के हैं। वे शिक्षक हैं। उनकी पत्नी का नाम उर्मिला है। पुत्र का नाम चिराग है। उर्मिला बहन भी शिक्षिका हैं। वे कॉलेज में हैं। कॉलेज का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल कॉलेज है।

V आप अपना परिचय देते हुए गुजराती में एक छोटासा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में गुजराती भाषा के दो प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1.

1) આ દાદા છે. — ये दादा हैं।
आ दादा छे.

2) તમે કેમ છો ? — तुम कैसे हो ?
तमे केम छो ?

3) હું અહીં છું. मैं यहाँ हूँ।
हुं अहीं छुं।

4) અમે નાનપણના મિત્ર છીએ. हम बचपनके दोस्त हैं।
अमे नानपणना मित्र छीए।

जिस प्रकार हिंदी के वाक्यों में 'है, हैं, हूँ, हो' जैसी योजक क्रियाओं का प्रयोग होता है, उसी प्रकार गुजराती में 'છે' (छे), 'છો' (छो), 'છું' (छुं), 'છીએ' (छीए) का प्रयोग होता है।

II गुजराती में विविध सर्वनामों तथा 'छ' क्रिया का परिचय निम्न प्रकार से है।

1.

	एकवचन		*बहुवचन*	
उत्तमपुरुष	હું છું. हुं छुं।	मैं हूँ।	અમે છીએ. अमे छीए।	हम हैं।
मध्यमपुरुष	તું છે. तुं छे।	तुम हो।	તમે છો. तमे छो।	तुम हो।
अन्यपुरुष	તે છે. *(પું.સ્ત્રી.નપું.)* ते छे। *(पु., स्त्री.नपुं.)*	वह है।	તેઓ છે. तेओ छे।	वे हैं।

2. આવો, બેસો. आइए, बैठिए।
आवो, बेसो।

તું પણ આવ. तुम भी आओ।
तुं पण आव।

ચાલો ચાલો, નાસ્તો કરો. चलिए-चलिए, नाश्ता कीजिए।
चालो चालो, नास्तो करो।

તમે સૌ જરૂર આવો. आप सब आइए।
तमे सौ जरूर आओ।

उपर्युक्त 2 के उदाहरण में आज्ञावाचक क्रिया वाले रूप दिए गए हैं।

आज्ञार्थक क्रियारूप एकवचन और बहुवचन में किस प्रकार बनते हैं, यह नीचे दिखाया गया है।

1)	તું આવ.	तू आ।	તમે આવો.	तुम आओ/आप आइए।
	तुं आव।		तमे आवो।	
2)	તું બેસ.	तू बैठ।	તમે બેસો.	तुम बैठो/आप बैठिए।
	तुं बेस।		तमे बेसो।	
3)	તું ચાલ.	तू चल।	તમે ચાલો.	तुम चलो/आप चलिए।
	तुं चाल।		तमे चालो।	

III इस पाठ में प्रश्नवाचक शब्दों का भी प्रयोग हुआ है।

1)	ક્યાં છે ?	कहाँ हैं ?
	क्यां छे ?	
2)	કેમ છે ?	कैसे हैं ?
	केम छे ?	
3)	શું છે ?	क्या है ?
	शुं छे ?	
4)	કઈ છે ?	कौनसी है ?
	कई छे ?	

IV

1. जिस प्रकार हिंदी के वाक्यों में संबंध कारक दिखाने के लिए 'का', 'के', 'की' जैसे तीन परसर्गों का प्रयोग होता है उसीप्रकार गुजराती में 'નો' (नो), 'ની' (नी), 'નું' (नु), 'ના'(नां) के जैसे चार परसर्गों का प्रयोग होता है। इस पाठ में इनमें से केवल 'ના' (नां) का प्रयोग हुआ है।

उदाहरण: તેઓ અમદાવાદના છે.

तेओ अमदावादना छे। वे अहमदाबाद के हैं।

ચંદુલાલ અમદાવાદના છે.
चंदुलाल अमदावादना छे। चंदुलाल अहमदाबाद के हैं।

2. हिंदी के अधिकरण परसर्ग 'में' के स्थान पर गुजराती में 'માં' (मां) का प्रयोग होता है।
उदाहरण:

1) નાસ્તામાં શું છે ? नाशते में क्या है?
नास्तामां शुं छे?

2) ગામમાં નાનો બગીચો છે. गाँव में छोटा बगीचा है।
गाममां नानो बगीचो छे।

પાઠ
पाठ 2

અભયની વર્ષગાંઠ

સવિતાઃ આવતીકાલે અભયની વર્ષગાંઠ છે.
आवतीकाले अभयनी वर्षगांठ छे।

કાંતિઃ કાલે કઇ તારીખ છે?
काले कइ तारीख छे?

સવિતાઃ શું એટલું પણ યાદ નથી ? સાંભળો, હું કહું છું. કાલે તો બાર તારીખ છે. અભયની વર્ષગાંઠ છે.
शुं अेटलुं पण याद नथी? सांभको, हुं कहुं छुं। काले तो बार तारीख छे। अभयनी वर्षगांठ छे।

કાંતિઃ બરાબર છે. તેને શું જોઈએ, તું તેને પૂછીલે.
बराबर छें। तेने शुं जोइए, तुं तेने पूछ।

સવિતાઃ સારું, હું તેને પૂછું છું. અભય ઓ અભય.
सारुं। हुं तेने पूछुं छुं। अभय, ओ अभय।

અભયઃ શું છે બા.
शुं छे बा ?

સવિતાઃ અહીં આવ, કાલે તારી વર્ષગાંઠ છે ને? તારે શું જોઈએ? બાપુજી પૂછે છે.
अहीं आव, काले तारी वर्षगांठ छे ने? तारे शुं जोईए? बापुजी पूछे छे।

અભયઃ બા મને ઊંધિયું ગમે છે. તેની સાથે પૂરી અને મીઠાઈ તો જોઈએ જ.
बा मने ऊंधियुं गमे छे। तेनी साथे पूरी अने मीठाई तो जोईए ज।

સવિતાઃ સારું, આજે આપણે શાક બજારમાં જઈએ છીએ અને ઊંધિયા માટેનું શાક લાવીએ છીએ.

अभय की सालगिरह

सविता: कल अभय की सालगिरह है।

कांति: कल कौन सी तारीख है ?

सविता: क्या इतना भी याद नहीं ? सुनिए मैं बताती हूँ। कल तो बारह तारीख है। अभय की सालगिरह है।

कांति: ठीक है। उसे क्या चाहिए, तुम उससे पूछो।

सविता: अच्छा। मै उससे पूछती हूँ। अभय, ओ अभय।

अभय: क्या है माँ ?

सविता: यहाँ आओ, कल तेरी सालगिरह है न? तुझे क्या चाहिए? पिताजी पूछते हैं।

अभय: माँ, मुझे ऊँधिया पसंद है। उस के साथ पूड़ी और मिठाई तो चाहिए ही।

सविता: अच्छा। आज हम सब्जीमंडी में चलते हैं और ऊँधिये के लिए सब्जी लाते हैं।

सारुं आजे आपणे शाक बजारमां जइए छीए अने ऊधिया माटेनुं शाक लावीए छीए।

કાંતિ : ચાલ, તૈયાર થઈ જા.
चाल, तैयार थई जा.

સવિતા : હું તૈયાર છું. ચલો, જઈએ.
हूँ तैयार छुँ। चलो, जईए।

કાંતિ : શું-શું શાક જોઈએ?
शुं-शुं शाक जोइए?

સવિતા : પાપડી, રીંગણ, બટાકા, શક્કરીયા, રતાળુ, વટાણા, ડુંગળી, ટામેટાં જોઈએ. અને તેની સાથે લીલાં મરચાં, કોથમીર, આદુ અને મીઠો લીંમડો તો ખરો જ.
(બજારમાં)
पापडी, रींगण, बटाका, शक्करीया, रताळु, वटाणा डुंगळी अने टामेटां जोइए अने तेनी साथे लीलां मरचां, कोथमीर, आदु अने मीठो लींमडो तो खरो ज।
(बजार में)

કાંતિ : તુલસીભાઈ લો આ યાદી અને તે મુજબ વસ્તુઓ આપો.
तुलसीभाई, लो आ यादी अने ते मुजब वस्तुओ आपो।

સવિતા : શાકનો ભાવ પણ કહો.
शाकनो भाव पण कहो।

तुलसी : જુઓ બહેન, બટાકા ચાર રૂપિયે કીલો, રીંગણ બે રૂપિયે, પાપડી પાંચ રૂપિયે, ડુંગળી ત્રણ રૂપિયે, શક્કરીયા અને રતાળુ છ રૂપિયે, વટાણા સોળ રૂપિયે કીલો અને ટામેટાં છ રૂપિયે કીલો છે.
जुओ बहेन, बटाका चार रुपिये कीलो रागण बे रुपिये, पापडी पांच रुपिये,डुंगळी त्रण रुपिये, शक्करीया अने रतालु छ रुपिये, वटाणा सोळ रुपिये कीलो अने टामेटां छ रुपिये कीलो छे।

कांतिः चलो, तैयार हो जाओ।

सविताः मैं तैयार हूँ। चलो, चलें!

कांतिः क्या-क्या सब्जी चाहिए?

सविताः सेम, बैंगन, आलू, शकरकंद, रतालू, मटर, प्याज और टामाटर चाहिए और उस के साथ हरीमिर्च, हराधनिया, अदरक और कड़ीपत्ता तो चाहिए ही।
(बजार में)

कांतिः तुलसीभाई, लीजिए यह सूची और इस के अनुसार चीजें दीजिए।

सविताः सब्जी का भाव भी बताइए।

तुलसीः देखिए बहनजी, आलू चार रुपए किलो, बैंगन दो रुपए, सेम पाँच रुपए, प्याज तीन रुपए, शकरकंद और रताळू छह रूपए, मटर सोलह रुपए किलो और टमाटर छह रुपए किलो हैं।

सविता : બાપરે વટાણા કેમ આટલા મોંઘા
बाप रे ! वटाणा केम आटला मोंघा ?

सविता: बाप रे। मटर क्यों इतने महेंगे ?

तुलसी : બહેન સસ્તું શું છે
बहेन सस्तुं शुं छे ?

तुलसी: बहनजी, सस्ता क्या है?

कांति : અમારે વટાણા નથી જોઈતા. તુલસીભાઈ બાકીનું શાક આપો. સવિતા, હવે બીજું શું જોઈએ ?
सविता, वटाणा नथी जोईतां। तुलसीभाई, बाकीनुं शाक आपो। सविता, हवे बीजुं शुं जोइए ?

कांति: हम की, मटर नहीं चाहिए। तुलसीभाई, बाकी की सब्जी दीजिए। सविता, अब और क्या चाहिए?

सविता : લીલાં મરચાં, કોથમીર, આદુ, મીઠો લીંમડો અને ઝીણી સેવ જોઈએ.
लीलां मरचां, कोथमीर, आदु, मीठो लींमडो अने झीणी सेव जोइए।

सविता: हरीमिर्च, हराधनिया, अदरक, कड़ीपत्ता और बारीक सेव चाहिए।

तुलसी : બહેન, મેથીની ભાજી ના જોઈએ?
बेहन, मेथीनी भाजी ना जोइए?

तुलसी: बहनजी। मेथी की सब्जी नहीं चाहिए?

सविता : જોઈએ છે. એક જૂડી આપો. એક જૂડીનો શો ભાવ?
जोइए छे। एक जूडी आपो। एक जूडीनो शो भाव?

सविता: चाहिए। एक गड्डी दीजिए। एक गड्डी का क्या भाव?

तुलसी : એક રૂપિયો.
एक रुपियो।

तुलसी: एक रुपया।

कांति : હવે આપણે મીઠાઈની દુકાનમાં જઈએ.
हवे आपणे मीठाईनी दुकानमां जईए.

कांति: अब, हम मिठाई की दुकान में जाएँ।

सविता: હા, હા જઈએ. અભયની પસંદની મીઠાઈઓ ખરીદીએ.
हा, हा जइए। अभयनी पसंदनी मीठाईओ खरीदीए।

सविता: हाँ, हाँ चलें। अभय की पसंद की मिठाइयाँ खरीदें।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**देवनागरी**	**हिंदी अर्थ**
આવતીકાલે	आवतीकाले	कल (आनेवाला)
વર્ષગાંઠ	वर्षगांठ	सालगिरह
કાલે	काले	कल
તારીખ	तारीख	तिथि/तारीख
એટલું	अेटलुं	इतना

સાંભળો	सांभळो	सुनिए
બાર/બારમી	बार/बारमी	बारह/बारहवी
માર્ચ	मार्च	मार्च (महिना)
બરાબર	बराबर	ठीक
તેને	तेने	उसे
જોઈએ	जोइए	चाहिए
પૂછ	पूछ	पूछ (पूछना)
તારી	तारी	तेरी
તને	तने	तुझे
ઊંધિયું	उँधियुं	मिश्रित सब्ज़ियों से बना व्यंजन
ગમે છે	गमे छे	पसंद है
પૂરી	पूरी	पूड़ी
ખરી જ	खरी ज	चाहिए ही
આપણે	आपणे	हम
શાક	शाक	सब्जी
બજાર	बजार	बाजार
લાવીએ	लावीए	लाएँ
ચાલ	चाल	चलो
થઈજા	थईजा	हो जाओ
પાપડી	पापडी	सेम
રીંગણા	रींगणा	बैंगन
બટાકા	बटाका	आलू
શક્કરીયા	शक्करीया	शकरकंद
રતાળુ	रताळु	रतालू
વટાણા	वटाणा	मटर
ડુંગળી	डुंगणी	प्याज
ટામેટાં	टामेटां	टमाटर
કોથમીર	कोथमीर	हराधनिया
આદુ	आदु	अदरक
મીઠો લીંબડો	मीठो लीमडो	कड़ीपत्ता
યાદી	यादी	सूची
મુજબ	मुजब	अनुसार
ચાર	चार	चार
બે	बे	दो
પાંચ	पाँच	पाँच

છ	छ	छह
સોળ	सोळ	सोलह
રૂપિયો	रुपियो	रुपया
કેમ	केम	क्यों
આટલાં	आटलां	इतने
મોંઘા	मोंघा	महँगे
ના	ना	नहीं
બીજું	बीजुं	दूसरा, और
ઝીણી	झीणी	बारीक
સેવ	सेव	सेव (बेसनकी)
મેથીની ભાજી	मेथीनी भाजी	मेथी की सब्जी
એક	अेक	एक
જૂડી	जूडी	गडडी

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) આવતીકાલે અભયની વર્ષગાંઠ છે.
   आवतीकाले अभयनी वर्षगांठ छे।
   2) આજે બાર તારીખ છે.
   आजे बार तारीख छे।
   3) કાલે કઈ તારીખ છે ?
   काले कई तारीख छे ?

2. 1) આજે બાર તારીખ છે ને ?
   आजे बार तारीख छे ने ?
   2) કાલે સવિતાની વર્ષગાંઠ છે ને ?
   काले सवितानी वर्षगांठ छे ने ?
   3) રમાકાંત ઘરમાં છે ને ?
   रमाकांत घरमां छे ने ?

3. 1) લો આ યાદી.
   लो आ यादी।
   2) વસ્તુઓ આપો.
   वस्तुओ आपो।

3) એક જૂડી આપો.
एक जूडी आपो।
4) શાકનો ભાવ પણ કહો.
शाकनो भाव पण कहो।
5) તું તેને પૂછ.
तुं तेने पूछ।
6) તને શું જોઈએ?
तने शुं जोईए?

4.

(1)	1)	મને પૂરી જોઈએ.	- मने पूरी जोईए।
	2)	મને ચોપડી જોઈએ.	- मने चोपडी जोईए।
(2)	1)	મને પૂરી જોઈએ છે.	- मने पूरी जोईए छे।
	2)	મને ચોપડી જોઈએ છે.	- मने चोपडी जोईए छे।
(3)	1)	મારે કોથમીર જોઈએ જ.	- मारे कोथमीर जोईए ज।
	2)	મને ચા સાથે નાસ્તો જોઈએ જ.	- मने चा साथे नास्तो जोईए ज।

5.

(1)	1)	ચાલો, બજાર જઈએ.	- चालो, बजार जईए।
	2)	આજે આપણે બજાર જઈએ.	- आजे आपणे बजार जईए।
(2)	1)	સેવ અને મીઠાઈ લાવીએ.	- सेव अने मीठाई लावीए।
	2)	બજારથી શાક લાવીએ.	- बजारथी शाक लावीए।

6.	1)	આ દાદાજી નથી.	- आ दादाजी नथी।
	2)	શું એટલું પણ યાદ નથી ?	- शुं एटलुं पण याद नथी?
	3)	વટાણા નથી જોઈતા.	- बटाणा नथी जोइता।
	4)	મીઠો લીંમડો નથી જોઈતો.	- मीठो लीमड़ो नथी जोईतो।

II उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: તારે .... જોઈએ ? (શું)
तारे .... जोइए ? (शुं)
તારે શું જોઈએ ?
तारे शुं जोइए ?

1) મને .... ગમે છે. (ઊંધિયું)
मने .... गमे छे। (ऊँधियुं)

2) ઊંધિયું .... ગમે છે. (અભયને)
ऊँधियुं .... गमे छे। (अभयने)
3) શું .... જોઈએ? (શાક)
शुं .... जोइए? (शाक)

III वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए प्रत्येक शब्द का प्रयोग कर अलग-अलग वाक्य बनाइए।

1. उदा: મને ગમે છે.
मने गमे छे।
તને
तने
તેને
तेने
અભયને
अभयने
તેઓને
तेओने

2. उदा: મને મીઠાઈ જોઈએ.
मने मीठाई जोइए।
(પુરી, મેથી, શાક, બટાકા, રીંગણ)
(पूरी, मेथी, शाक, बटाका, रींगण)

3. उदा: અમે જઈએ.
अमे जईए।
(બેસીએ, આવીએ, પૂછીએ, કરીએ, આપીએ)
(बेसीए, आवीए, पूछीए, करीए, आवीए)

IV कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1) અભયની .... વર્ષગાંઠ છે. (આવતીકાલ)
अभयनी .... वर्षगांठ छे। (आवतीकाल)
2) આપણે .... શાક લાવીએ. (આજ)
आपणे .... शाक लावीए। (आज)
3) તારી .... વર્ષગાંઠ છે ને ? (કાલ)
तारी .... वर्षगांठ छे ने ? (काल)

V उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

उदाहरण: હું, પૂછ, છું.
हुं, पूछ, छुं।
હું પૂછું છું.
हुं पूछुं छुं।

1) અમે, પૂછ, છીએ.
अमे, पूछ, छीए।
2) તું, પૂછ, છે.
तुं, पूछ, छे।
3) તે, પૂછ, છે.
ते, पूछ, छे।
4) તમે, પૂછ, છો.
तमे, पूछ, छो।
5) તેઓ, પૂછ, છે.
तेओ, पूछ, छे।

उदाहरण: હું કરૂં છું.
हुं करू छुं।

અમે કરીએ છીએ.
अमे करीए छीए।

1) હું જોઉં છું.
हुं जोऊं छुं।
2) હું બેસું છું.
हुं बेसुं छुं।
3) હું જઉં છું.
हुं जऊं छुं।
4) હું લાઉં છું.
हुं लाऊं छुं।
5) હું આવું છું.
हुं आवुं छुं।

VII उदाहरण के अनुसार 'અને' (अने) का प्रयोग कर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण:

મને મીઠાઈ જોઈએ.
मने मीठाई जोइए।
.... પૂરી ....
..........पूरी...........
મને મીઠાઈ અને પૂરી જોઈએ.
मने मीठाई अने पूरी जोईए।

1) મને શાક ગમે છે.
मने शाक गमे छे।
.... સેવ ....
...........सेव..........

2) મને ચા ગમે છે.
मने चा गमे छे।
.... નાસ્તો ....
.... नास्तो ....

3) મને ઊંધિયું ગમે છે.
मने ऊंधियुं गमे छे।
.... જલેબી ....
.... जलेबी ....

4) મને રીંગણા ગમે છે.
मने रींगणा गमे छे।
.... બટાકા ....
.... बटाका ....

VII 'क' और 'ख' विभाग के वाक्यांशों का सही मिलान कर वाक्य बनाइए।

	(क)	(ख)
1)	તમે तमे	વસ્તુઓ આપો. वस्तुओ आपो।
2)	તેને શું જોઈએ? तेने शुं जाईए ?	તમે પૂછો. तमे पूछो।
3)	યાદી મુજબ यादी मुजब	તૈયાર થઈજા तैयार थईजा।
4)	બાકીનું बाकीनुं	તેને પૂછો तेने पूछो।

5) ચાલ શાક આપો
चाल शाक आपो।

VIII उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

उदाहरण: વટાણા જોઈએ છે.
वटाणा जोइए छे।
વટાણા ના જોઈએ.
वटाणा ना जोइए।

1) મેથી જોઈએ છે.
मेथी जोइए छे।
2) સેવ જોઈએ છે.
सेव जोइए छे।
3) પૂરી જોઈએ છે.
पूरी जोइए छे।
4) શાક જોઈએ છે.
शाक जोइए छे।

IX कोष्ठक में दिए गए शब्द के साथ 'નો' (नो), 'ની' (नी), 'નું' (नुं) परसर्ग ठीक प्रकार से जोड़कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: આવતીકાલે________ વર્ષગાંઠ છે. (અભય)
आवतीकाले ______ वर्षगांठ छे। (अभय)
આવતીકાલે અભયની વર્ષગાંઠ છે.
आवतीकाले अभयनी वर्षगांठ छे।

1) બજારમાં જઈએ અને ____________ શાક લાવીએ. (ઊંધિયા માટે)
बजारमां जइए अने _____ शाक लावीए। (ऊंधया माटे)
2) આ ___________ ભાવ કાટલો છે તે કહો. (મીઠાઈ)
आ _______ भाव केटलो छे ते कहो। (मीठाई)
3) તુલસીભાઈ ________શાક આપો. (બાકી)
तुलसीभाई _______ शाक आपो। (बाकी)
4) બહેન ________ ભાજી ના જોઈએ? (મેથી)
बहेन ______ भाजी ना जोइए ? (मेथी)
5) ચાલો હવે _________ દુકાનમાં જઈએ. (મીઠાઈ)
चालो हवे _______ दुकानमां जइए। (मीठाई)

X उदाहरणों के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधावाचक वनाइए।

उदाहरण:

1. 1) આ દાદાજી છે. — આ દાદાજી નથી.
   आ दादाजी छे। — आ दादाजी नथी।
   2) મને મીઠો લીંબડો જોઈએ — મને મીઠો લીંબડો નથી જોઈતો.
   मने मीठो लींबडो जोईए। — मने मीठो लींबडो न जोईए।
   3) પ્રકાશ અમદાવાદમાં છે. — પ્રકાશ અમદાવાદમાં નથી.
   प्रकाश अमदावादमां छे। — प्रकाश अमदावादमां नथी।

2. 1) આ સવિતા છે. — आ सविता छे।
   2) હું મીરાં છું. — हुं मीरां छुं।
   3) મને મેથીની ભાજી જોઈએ. — मने मेथीनी भाजी जोईए।
   4) આ મીઠાઈની દુકાન છે. — आ मीठाईनी दुकान छ।
   5) દીપક વડોદરામાં છે. — दीपक वडोदरामां छे।

XI कोष्ठकमें दिए गए हिंदी शब्दों के गुजराती रूप दे कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) મને .... કીલો કાંદા આપો. (દો)
   मने .... कीलो कांदा आपो। (दो)
2) પાપડીનો ભાવ .... રૂપિયે કીલો છે. (છહ)
   पापडीनो भाव .... रूपिये कीलो छे। (छह)
3) તુલસીભાઈ .... મુજબ શાક આપો. (સૂચિ)
   तुलसीमुई .... भाजब शाक आपो। (सूचि)
4) શાક અને .... મસાલો તો ખરો જ. (હરા)
   शाक अने .... मसालो तो खरो ज। (हरा)
5) અભયની વર્ષગાંઠ .... માર્ચે છે. (બારહવી)
   अभयनी वर्षगांठ .... मार्चे छे। (बारहवी)
6) વટાણા .... રૂપિયે કીલો છે. (સોલહ)
   वटाणा .... रुपिये कीलो छे। (सोलह)
7) ઊંધિયા સાથે .... સેવ જોઈએ. (બારીક)
   उंधिया साथे .... सेव जोइए। (बारीक)
8) મેથીની .... એક રૂપિયે. (ગડ્ડી)
   मेथीनी .... अएक रुपिए। (गड्डी)

पढिए और समझिए

ઉજાણી

ચાલો જઈએ ઉજાણીએ. સવારે જઈએ અને સાંજે પાછાં આવીએ. નિશાળનાં બાળકો આજે ખુશ છે. આનંદ, રમત, નાસ્તો અને વાતો. મજા જ મજા. દરેકની પાસે એક થેલી છે. થેલીમાં થાળી, વાટકી, પ્યાલો અને ચમચી છે. હાથ રૂમાલ તો ખરો જ. સવારની હવામાં બાળકો પ્રફુલ્લ છે. રંગબેરંગી કપડામાં બાળકો શોભે છે. ભોજનમાં રસ, પૂરી અને પાત્રા છે. કાંદા અને ટામેટાંનું કચુંબર પણ છે. ખાઈએ, પીએ અને મોજ કરીએ. આજનો દિવસ પૂરો.

उजाणी

चालो जइए उजाणीए। सवारे जइए अने सांजे पाछां आवीए। निशाळनां बाळको आजे खुश छे। आनंद, रमत, नास्तो अने वातो। मजा ज मजा। दरेकनी पासे एक थेली छे। थेलीमां थाळी, वाटकी, प्यालो अने चमची छे। हाथ रुमाल तो खरोज। सवारनी हवामां बाळको प्रफुल्ल छे। रंगबेरंगी कपडामां बाळको शोभे छे। भोजनमां रस, पूरी अने पात्रा छे। कांदा टामेटांनुं कचुंबर पण छे। खाइए, पीए अने मोज करीए। आजनो दिवस पूरो।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**देवनागरी**	**हिंदी अर्थ**
ઉજાણી	उजाणी	वनभोज, पिकानिक
સવારે	सवारे	सुबह
સાંજે	सांजे	शाम को
પાછાં	पाछां	वापस, लौटना
ખુશ	खुश	खुश
રમત	रमत	खेल
વાતો	वातो	बातें
પાસે	पासे	पास/साथ
થેલી	थेली	थैली
થાળી	थाळी	थाली
વાટકી	वाटकी	कटोरी
પ્યાલો	प्यालो	प्याला
ચમચી	चमची	छोटी चम्मच
હાથરૂમાલ	हाथरूमाल	हाथ में रखने का रुमाल
પ્રફુલ્લ	प्रफुल्ल	प्रफुल्ल/प्रसन्न
રંગબેરંગી	रंगबेरंगी	विविध रंग के
શોભે	शोभे	सुहाते

કપડાં	कपडां	कपड़े
રસ	रस	रस (आमका रस)
પાત્રા	पात्रा	अरबी के पत्ते से बना एक विशेष प्रकार का व्यंचन
ડુંગળી/કાંદા	डुगळी/कांदा	प्याज
કચુંબર	कचुंबर	सलाद
મોજ/મજા	मोज/मजा	मौज/मस्ती/मज़ा
દિવસ	दिवस	दिन

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. નિશાળમાં આજે શું છે?
   निशाळमां आजे शुं छे?
2. થેલીમાં શું શું છે?
   थेलीमां शुं शुं छे?
3. બાળકોનાં કપડાં કેવાં છે?
   बाळकोनां कपडां केवां छे।
4. બાળકો ક્યારે પાછાં આવે છે?
   बाळको क्यारे पाछां आवे छे?

II नीचे दिए गए गुजराती शब्दों के अर्थ कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों में से चुनिए।

1. વાટકી.
   वाटकी। (थाली, प्याली, कटोरी)
2. પાછા.
   पाछा। (पीछे, वापस, पाँच-छ)
3. રંગબેરંગી.
   रंगबेरंगी। (दो रंगो के, बिना रंगो के, विविध रंगो के)
4. શોભે છે.
   शोभे छे। (सुहाते हैं, छोटा है, सुंदर है)

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

આજે મકરસંક્રાંતિ છે. આજે અમારા ઘરે ઊંધિયું અને પૂરી બનાવી છે. રતાળુ, બટાકા, ટામેટાં, રીંગણ, પાપડી, વટાણા, શક્કરિયા વગેરે શાકભાજીથી ઊંધિયું બને છે. તેમાં કોથમીર, લીલાં મરચાં, આદુ અને મીઠો લીંમડો પણ જોઈએ. મકરસંક્રાંતિના દિવસે રંગબેરંગી પતંગોથી આકાશ શોભે છે. આકાશમાં રંગબેરંગી પતંગો જોવાની મજા આવે છે.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

गायत्री बाजार में सब्जी लेने जाती है। उसे आलू की सब्जी पसंद है। किशोर को आलू और बैंगनकी सब्जी पसंद है। उनको टमाटर और प्याज भी भोजन में चाहिए। सब्जी मंडी में और भी बहुत सब्जीयाँ आती हैं।

V खाने में आपकी पसंद-नापसंद के बारे में गुजराती में एक छोटासा अनुच्छेद लिखिए।

જોઈએ, પસંદ છે, કરીએ, જઈએ, ખાઈએ.

जोइए, पसंद छे, करीए, जइए, खईए - शब्दों का प्रयोग कीजिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

1) તમે તેને પૂછો.

तमे तेने पूछो। आप उस से पूछिए।

2) તે મને કહે.

ते मने कहे। मुझे वह (बात) कहो।

उपर्युक्त वाक्यों में क्रियापद आज्ञार्थक रूप में ही हैं। इन का प्रयोग पहले पाठ में बताया गया है। ऐसे वाक्यो में 'તને'(तने) 'उस से','મને' (मने) 'मुझे' जैसे सर्वनामों के रूपों का प्रयोग भी हुआ है। 'ને' (ने) परसर्ग गुजराती में सहवाचक और कर्म कारक दोनों को दिखाता है।

II હું પૂછું છું.

हु पूछुं छुं. मैं पूछती हूँ।

અમે જઈએ છીએ.

अमे जइए छीए। हम चलते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में क्रिया के वर्तमानकालिक रूप बताए गए हैं। विभिन्न सर्वनामों के साथ वर्तमानकालिक रूप निम्न प्रकार के होते हैं।

क्रिया - લાવ (लाव) 'ला'

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	હું શાક લાવું છું. हुं शाक लावुं छुं। मैं सब्जी लाता/लाती हूँ।	અમે શાક લાવીએ છીએ. अमे शाक लावीअे छीए। हम सब्जी लाते/लाती हैं।

मध्यम पुरुष	તું શાક લાવે છે. तुं शाक लावे छे। तु सब्जी लाता/लाती है।	તમે શાક લાવો છો. तमे शाक लावो छो। तुम सब्जी लाते/लाती हो।
अन्य पुरुष	તે શાક લાવે છે. ते शाक लावे छे। वह सब्जी लाता/लाती है।	તેઓ શાક લાવે છે. तेओ शाक ला वे छे। वे सब्जी लाते हैं/लाती है।

गुजराती में मूल क्रियाओं के साथ 'ઉ' (उ) , 'ઈએ' (ईए), 'ઓ'(ओ), 'એ' (अे), तथा 'छे'(छे) क्रिया के रूप जोड़ने से वर्तमानकालिक क्रियारूप बनते हैं।

III 1) તને શું શું જોઈએ છે? — तुझे (तुझको) क्या क्या चाहिए?
तने शुं शुं जोइए छे?

2) મને લીલો મસાલો જોઈએ છે. — मुझे (मुझ को) हरा मसाला चाहिए।
मने लीलो मसालो जोइए छे।

3) મને મેથીની ભાજી ના જોઈએ. — मुझे मेथी की सब्जी नहीं चाहिए।
मने मेथीनी भाजी ना जोइए।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'चाहिए' वाले वाक्यों के समान हैं। लेकिन गुजराती में 'જોઈએ' 'जोईए' के साथ 'છે' (छे) क्रियाका प्रयोग भी कभी-कभी होता है। दोनों रूपों में वक्ता की इच्छा प्रकट होती है।

IV 1) આપણે ઊંધિયાનું શાક લાવીએ. — हम उँधिया की सब्जी लाएँ।
आपणे ऊँधियानुं शाक लावीए।

2) આજે શાક બજારમાં જઈએ. — आज सब्जी बाजार में जाएँ।
आजे शाकबजारमां जइए।

'લાવીએ' (लावीए) 'જાઈએ' (जईए) जैसे वाक्यों के क्रिया रूप भी एक प्रकार के इच्छार्थक रूप होते हैं। ऐसे वाक्यों में वक्ता और श्रोता दोनों मिलकर एक क्रिया करने का प्रस्ताव वक्ता करता है। इच्छार्थक रूप मूल क्रियाओं से 'ઈએ' (ईए) जोड़ने से बनते हैं।

V 1) શાકનો ભાવ પણ કહો. — सब्जी का भाव भी बताइए।
शाक नो भाव पण कहो।

2) અભયની વર્ષગાંઠ છે. — अभय की सालगिरह है।
अभयनी वर्षगांठ छे.

3) આ કવિતાનાં બાપુજી છે. — ये कविता के पिताजी हैं।
आ कविताना बायुजी छे।

4) ઊંધિયાનું શાક લાવીએ. — ऊँधिए की सब्ज़ी लाएँ।
ऊँधियानुं शाक लावीए।

उपर्युक्त वाक्यों में गुजराती के संबंध कारक दिखाने वाले परसर्ग 'નો' (नो), 'ની' (नी), 'નું'(नुं), 'ના'(नां) का प्रयोग हुआ है। 'ના'(नो) (पु.ए.व.) 'ની' (नी) *(स्त्री.ए.व.)*, 'નું' (नुं) *(नपु.ए.व)* तथा 'ના'(नां) *(पु./स्त्री/नपु.एक/बहु.वचन)* संबंधवाचक परसर्ग हैं। 'ના' (नां) आदरसूचक भी है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि गुजराती में लिंग तीन प्रकार के हैं - पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग।

6. 1. આવતી<u>કાલે</u> અભયની વર્ષગાંઠ છે. कल अभय की सालगिरह है।
आवती<u>काले</u> अभयनी वर्षगांठ छे।
2. <u>કાલે</u> તારી વર્ષગાંઠ છે. कल तेरी सालगिरह है।
<u>काले</u> तारी वर्षगांठ छे।
3. <u>આજે</u> આપણે શાક લાવીએ. आज हम सब्जी लाएँ।
<u>आजे</u> आपणे शाक लावीए।

देखिए कि गुजराती में समय बताने के लिए समय का बोध करानेवाले शब्दों के साथ 'એ' (ए) का प्रयोग होता है।

VI गुजराती के संख्यावाचक तथा क्रमवाचक शब्द इस प्रकार से हैं।

1)	એક	अेक	एक	પહેલો	पहेलो	पहला
2)	બે	बे	दो	બીજો	बीजो	दूसरा
3)	ત્રણ	त्रण	तीन	ત્રીજો	त्रीजो	तीसरा
4)	ચાર	चार	चार	ચોથો	चोथो	चौथा
5)	પાંચ	पाँच	पाँच	પાંચમો	पाँचमो	पाँचवाँ
6)	છ	छ	छह	છઠ્ઠો	छट्ठो	छठा
7)	સાત	सात	सात	સાતમો	सातमो	सातवाँ
8)	આઠ	आठ	आठ	આઠમો	आठमो	आठवाँ
9)	નવ	नव	नौ	નવમો	नवमो	नववाँ
10)	દસ	दस	दस	દસમો	दसमो	दसवाँ
11)	અગિયાર	अगियार	ग्यारह	અગ્યારમો	अग्यारमो	ग्यारहवाँ
12)	બાર	बार	बारह	બારમો	बारमो	बारहवाँ
13)	તેર	तेर	तेरह	તેરમો	तेरमो	तेरहवाँ
14)	ચૌદ	चौद	चौदह	ચૌદમો	चौदमो	चौदहवाँ
15)	પંદર	पंदर	पंद्रह	પંદરમો	पंदरमो	पंद्रहवाँ
16)	સોળ	सोळ	सोलह	સોળમો	सोळमो	सोलहवाँ

VII ध्यान दें कि गुजराती में दो शब्दों या दो वाक्यों को जोडने के लिए 'અને' (अने) का प्रयोग होता है।

1) પૂરી અને મીઠાઈ તો જોઈએ જ.
   पूरी अने मीठाई तो जोईए ज।
   पूड़ी और मिठाई तो चाहिए ही।

2) લીલો મસાલો અને ઝીણી સેવ તો જોઈએ જ.
   लीलो मसालो अने झीणी सेव तो जोईए जा।
   हरा मसाला और बारीक सेव तो चाहिए ही।

3) આજે આપણે શાકબજારમાં જઈએ છીએ અને ઊંધિયા માટેનું શાક લાવીએ છીએ.
   आजे आपणे शाळ बजारमां जईए छीए अने ऊँछिया मोटनुं शाक लावीए छीए।
   आज हम सब्जी मंडी में चलते हैं और ऊंघिया के लीए सब्जी लाते हैं।

4) તુલસીભાઈ, લો આ યાદી અને તે મુજબ વસ્તુઓ આપો.
   तुलसीभाई लो आ यादी अने ते मुजब वस्तुओ आपो।
   तुलसीभाई, यह लीजिए सूची और इस के अनुसार चीजें दीजिए।

પાઠ
पाठ 3

વિશાલની સારવાર

વિશાલ : પ્રણામ વૈદરાજ.
प्रणाम वैदराज।

વૈદરાજ : નમસ્કાર ભાઈ, આવો, શું તકલીફ છે?
नमस्कार भाई, आवो। शुं तकलीफ छे ?

વિશાલ : ઘણા દિવસથી તબિયત ખરાબ રહે છે. વારંવાર ઝાડા થઈ રહ્યા છે. ઘરગથ્થુ દવાઓ ખાઈ રહ્યો છું. પણ કોઈ ફેર પડી રહ્યો નથી.
घणा दिवसथी तबियत खराब रहे छे। वारंवार झाडा थई रह्यां छे। घरगथ्थु दवाओ खाई रह्यो छुं। पण कोई फेर पडी रह्यो नथी।

વૈદરાજ : આવું કેટલા દિવસથી ચાલી રહ્યું છે.
आवुं केटला दिवसथी चाली रह्युं छे?

વિશાલ : વૈદરાજ આવું તો ઘણા સમયથી થઈ રહ્યું છે.
वैदराज आवुं तो घणा समयथी थई रह्युं छे।

વૈદરાજ : તરત સારવાર કરવી જોઈએ. મોડું ના કરવું જોઈએ.
तरत सारवार करवी जोइए। मोडुं ना करवुं जोईए।

વિશાલ : સાચી વાત છે.
साची वात छे।

विशाल का इलाज

विशाल: प्रणाम वैद्यराज।

वैद्यराज: नमस्कार भाई, आइए, क्या तकलीफ है?

विशाल: बहुत दिनों से तबियत खराब रहती है। बारबार दस्त हो रहे हैं। घरेलू दवाएँ खा रहा हूँ। लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

वैद्यराज: ऐसा कितने दिनों से चल रहा है?

विशाल: वैद्यराज ऐसा तो बहुत समय से हो रहा है।

वैद्यराज: शीघ्र इलाज करना चाहिए। देर नहीं करनी चाहिए।

विशाल: सच बात है।

વૈદરાજ: આવો, તમારી નાડી તપાસું.
આवो, तमारी नाडी तपासुं।
(વૈદરાજ નાડી તપાસે છે.)
(वैदराज नाडी तपासे छे।)
શું આજકાલ તમે બહારનું વધુ ખાઈ રહ્યા છો?
शुं आजकाल तमे बहारनुं वधु खाई रह्या छो ?

वैद्यराज: आइए, आपकी नाड़ी जाँचूँ। (वैद्यराज नाड़ी जाँचते हैं) क्या आजकल आप बाहर का बहुत खा रहे हैं?

વિશાલ : હાજી, લગનગાળો ચાલી રહ્યો છે. રોજ કોઈ ને કોઈ ભોજન સમારંભમાં જમી રહ્યો છું. જાતજાતની વાનગીઓ ખાવાથી પેટ ખરાબ રહે છે.
हाजी लगनगाळो चाली रहयो छे। रोज कोईने कोई भोजन समारंभमां जमी रह्यो छुं। जात-जात नी वानगीओ खावाथी पेट खराब रहे छे।

विशाल: जी हाँ। शादी के दिन चल रहे हैं। हररोज किसी न किसी भोजन-समारोह में भोजन कर रहा हूँ। भिन्न-भिन्न व्यंजन खाने से पेट खराब रहता है।

વૈદરાજ : તમને ઝડા બરાબર થાય છે?
तमने झाडा बराबर थाय छे?

वैद्यराज: आपको दस्त ठीक से आता है?

વિશાલ : નાજી મોટે ભાગે તકલીફ રહે છે.
नाजी। मोटे भागे तकलीफ रहे छे।

विशाल: जी नहीं। प्रायः तकलीफ रहती है।

વૈદરાજ : જુઓ, એક બે દિવસ તમારે પ્રવાહી ખોરાક જ લેવો જોઈએ. ઉકાળેલું પાણી જ પીવું જોઈએ. તીખી વસ્તુઓ ના ખાવી જોઈએ. લો આ દવાનાં પડીકાં. દિવસમાં ત્રણ વખત છાશ સાથે લેવાનાં છે.
जुओ, एक बे दिवस तुमारे प्रवाही खोराक ज लेवो जोइए। उकाळेलुं पाणी ज पीवुं जोइए ताखी वस्तुओ ना खावी जोईए। लो आ दवानां पडीकां। दिवसमां त्रण वखत छाश साथे लेवानां छे।

वैद्यराज: देखिए, एक दो दिन आपको तरल भोजन ही लेना चाहिए। उबला पानी ही पीना चाहिए। ताखी चीजें नहीं खानी चाहिए। लीजिए ये दवाई की पुड़ियाँ। दिनमें तीन बार छाछ के साथ लेना है।

વિશાલ : હું કેટલા સમય સુધી તીખી વસ્તુઓ ન ખાઉં?
हुँ केटला समय सुधी तीखी वस्तुओ न खाऊँ ?

विशाल: मैं कितने समय तक तीखी चीजें न खाऊँ ?

વૈદરાજ : તમે એક મહિના સુધી તીખી વસ્તુઓ ખાશો નહીં.
तमे एक महिना सुधी तीखी वस्तुओ खाशो नहीं।

विद्यराजः आप एक महीने तक तीखी चीजें मत खाईए।

વિશાલ : ઠીક છે. શું હું જાઉં?
ठीक छे! शुं हुं जाऊं?

विशालः जी ठीक है। क्या मैं जाऊँ?

વૈદરાજ : હા. બે દિવસ પછી ફરીથી આવો. સાંજે સાત વાગ્યા પછી આવો.
हा। बे दिवस पछी फरीथी आवो। सांजे सात वाग्या पछी आवे।

वैद्यराजः हाँ दो दिनों के बाद फिर से आइए। शाम सात बजे के बाद आईए।

વિશાલ : સારું
(બે દિવસ પછી)
सारुं (बे दिवस पछी)

विशाल : अच्छा।
(दो दिनों के बाद)

વૈદરાજ : વિશાલભાઈ, આવો. કેમ છે હવે?
विशालभाई आवो। केम छे हवे?

वैद्यराजः विशाल भाई, आइए। अब कैसे हैं?

વિશાલ: હવે મને ઘણી રાહત છે. પાચન પણ સારી રીતે થાય છે.
हवे मने घणी राहत छे। पाचन पण सारी रीते थाय छे।

विशालः अब मुझे बहुत आराम है। पाचन भी अच्छी तरह से हो रहा है।

વૈદરાજ: સારા પાચનથી શરીર સ્વસ્થ રહે છે. રોજ નિશ્ચિત સમયે ખાવું જોઈએ. જેટલું જરૂર હોય તેટલું જ ખાવું જોઈએ.
सारा पाचनथी शरीर स्वस्थ रहे छे। रोज निश्चित समये खावुं जोइए। जेटलु जरूर होय तेटलुं ज खावुं जोइए।

वैद्यराजः अच्छे पाचन से शरीर स्वस्थ रहता है। रोज निश्चित समय पर खाना चाहिए। जितना आवश्यक हो उतना ही खाना चाहिए।

વિશાલ: સાચી વાત છે. દવાનાં બીજાં પડીકાં આપો. વૈદજી તમારી ફી કેટલી છે?
साची वात छे। दवाना बीजां पडीकां आपो। वैदजी तमारी फी केटली छे?

विशालः सही बात है। दवा की और पुड़ियाँ दीजिए। वैद्यजी आपकी फीस कितनी है?

વૈદજી: પંદર રૂપિયા.
पंदर रुपिया।

वैद्यराजः पंद्रह रुपए।

વિશાલ: લો.
लो।

विशालः लीजिए।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवाागरी	हिंदी अर्थ
પ્રણામ	प्रणाम	प्रणाम, नमस्कार
તકલીફ	तकलीफ	तकलीफ
ખરાબ	खराब	खराब
થયું છે	थयुं छे	हुआ है
ઘણા	घणा	बहुत
સમયથી	समय थी	समय पर
તરત	तरत	शीघ्र
સારવાર	सारवार	इलाज
મોડું	मोडुं	देर
સાચી	साची	सच, सही
તપાસ	तपास	जाँच
લગનગાળો	लगनगाळो	शादी के दिन
કોઈ ન કોઈ	कोई न कोई	कोई न कोई
જાત જાતની	जात जातनी	भिन्न-भिन्न प्रकार की
પેટ ખરાબ થવું	पेट खराब थवुं	पेट खराब होना
સમારંભ	समारंभ	समारोह
વાનગી	वानगी	व्यंजन
મોટેભાગે	मोटेभागे	प्रायः
પ્રવાહી	प्रवाही	तरल
ખોરાક	खोराक	खाना, भोजन
ઉકાળેલું	उकाळेलुं	उबला हुआ
ફરીથી	फरीथी	फिर से
રાહત	राहत	आराम
રીતે	रीते	तरह
પાચન	पाचन	पाचन
જેટલું	जेटलु	जितना
તેટલું	तेटलुं	उतना
સ્વસ્થ	स्वस्थ	स्वस्थ/तंदुरुस्त
સારું	सारूं	ठीक, अच्छा
નિશ્ચિત	निश्चित	निश्चित
નિશ્ચિત	स्वस्थ	स्वस्थ
ફેર	फेर	फर्क
પડવો	पडवो	पड़ना, होना
હા જી	हा जी	जी हाँ

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) આવું કેટલા દિવસથી ચાલી રહ્યું છે?
   आवुं केटला दिवसथी चाली रह्युं छे?
   2) આવું ઘણા સમયથી થઈ રહ્યું છે.
   आवुं घणा समयथी थई रहयुं छे।
   3) લગનગાળો ચાલી રહ્યો છે.
   लगनगाळो चाली रह्यो छे।
   4) રોજ કોઈ ને કોઈ ભોજન સમારંભમાં જમી રહ્યો છું.
   रोज कोई ने कोई भोजन समारंभमां जमी रह्यो छुं।

2. 1) ઉકાળેલું પાણી જ પીવું જોઈએ.
   उकाळेलुं पाणी ज पीवुं जोईए।
   2) જેટલું જોઈએ તેટલું જ ખાવું જોઈએ.
   जेटलुं जोइए तेटलुं ज खावुं जोईए।
   3) નિયત સમયે જ ખાવું જોઈએ.
   नियत समये ज खावुं जोईए।

3. 1) આવો તમારી નાડી તપાસું.
   आवो तमारी नाडी तपासुं।
   2) શું હું જાઉં?
   शुं हुं जाऊं?

4. 1) કેટલા દિવસથી આવું ચાલે છે?
   केटला दिवसथी आवुं चाले छे?
   2) બે દિવસ પછી ફરીથી આવો.
   बे दिवस पछी फरीथी आवो।
   3) આવું તો ઘણા સમયથી થઈ રહ્યું છે.
   आवुं तो घणा समयथी थई रह्यु छे।

5. 1) હવે મને ઝાડા નથી થઇ રહ્યા.
   हवे मने झाडा नथी थइ रह्या।
   2) ઘરગથ્થુ દવાઓ ખાઇ રહ્યો છું.
   घरगथ्थु दवाओ खाइ रह्यो छुं।
   3) તમારે તીખી વસ્તુઓ ન ખાવી જોઈએ.
   तमारे तीखी वस्तुओ न खावी जोईए।

4) હવે તમારે મોડું ન કરવું જોઈએ.
हवे तमारे मोडुं न करवुं जोईए।

5) હું કેટલા સમય સુધી તીખી વસ્તુઓ ન ખાઉં?
हुं केटला समय सुधी तीखी वस्तुओ न खाउ?

6) તમે એક મહિના સુધી તીખી વસ્તુઓ ખાશો નહીં.
तमे एक महिना सुधी तीखी वस्तुओ खाशो नहीं।

II उदाहरण के अनुसार वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थानपर दिए गए प्रत्येक शब्दका प्रयोग कर अलग-अलग वाक्य बनाइए।

उदाहरण: આપણે નિયત સમયે ખાવું જોઈએ.
आपणे नियत समये खावुं जोइए।
(પીવું, જવું, આવવું, વાંચવું)
(पीवुं, जवुं, आववुं, वांचवुं)

III वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दोंका प्रयोग कर वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

1) હું ખાઈ રહ્યો છું.
हुं खाई रह्यो छुं।
(અમે, તું, તમે, તે, તેઓ)
(अमे, तुं, तमे, ते, तेओ)

2) તમે ખાઈ રહ્યાં છો.
तमे खाई रह्यां छो।
(જમી, ચાલી, આવી, કરી)
(जमी, चाली, आवी, करी)

3) ઘણા સમયથી આવું થાય છે.
घणा समयथी आवुं थाय छे।
(દિવસથી, મહિનાથી, વર્ષોથી)
(दिवसथी, महिनाथी, वर्षोथी)

IV उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

1. *उदाहरण:* હું ખાઉં છું. हुं खाऊं छुं।
અમે ખાઈ રહ્યાં છીએ. अमे खाई रह्यां छीए।

1) હું જઉં છું.
हुं जऊ छुं।

2) હું કરું છું.
हुं करूं छुं।

3) હું તપાસું છું.
हु तपासुं छु।

4) હું જોઉં છું.
हुं जोऊं छुं।

2. *उदाहरण:* તે જાય છે.
तुं जाय छे।
તમે જઈ રહ્યાં છો.
तमे जई रह्यां छो।

1) તું ખાય છે.
तुं खाय छे।
2) તું જુએ છે.
तुं जुए छे।
3) તું તપાસે છે.
तुं तपासे छे।
4) તું કરે છે.
तुं करे छे।

3. *उदाहरण:* અમે જઈએ છીએ.
अमे जइए छीए।
અમે જઈ રહ્યાં છીએ.
अमे जई रहयां छीए।

1) અમે ખાઈએ છીએ.
अमे खाइए छीए।
2) અમે કરીએ છીએ.
अमे करीए छीए।
3) અમે તપાસીએ છીએ.
अमे तपासीए छीए।
4) અમે જોઈએ છીએ.
अमे जोइए छीए।

4. *उदाहरण:* તે જાય છે.
ते जाय छे।
તેઓ જઈ રહ્યાં છે.
तेओ जई रह्यां छे।

1) તે ખાય છે.
ते खाय छे।
2) તે કરે છે.
ते करे छे।
3) તે જુએ છે.
ते जुए छे।
4) તે તપાસે છે.
ते तपासे छे।

V उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर तीन-तीन वाक्य बनाइए।

उदाहरण: હું ખાઉં.
हुं खाऊ।
અમે ખાઈએ.
अमे खाइए।

અમારે ખાવું જોઈએ.
अमारे खावुं जोइए।

(જા, બેસ, ચાલ, કર)
(जा, बेस, चाल, कर)

VI उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के साथ 'થી' (था) परसर्ग जोड़कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण: આવું કેટલા .... ચાલી રહ્યું છે. (સમય)
आवुं केटला .... चाली रह्युं छे? (समय)
આવું કેટલા સમયથી ચાલી રહ્યું છે.
आवुं केटला समयथी चाली रह्युं छे?

1) જાતજાતની .... પેટ ખરાબ રહે છે. (વાનગી)
जातजातनी .... पेट खराब रहे छे। (वानगी)
2) ઘણા .... આવું થઈ રહ્યું છે. (દિવસ)
घणा .... आवुं थई रह्युं छे। (दिवस)
3) બે દિવસ પછી .... આવો. (ફરી)
बे दिवस पछी .... आवो। (फरी)
4) સારા .... શરીર સ્વસ્થ રહે છે. (પાચન)
सारा .... शरीर स्वस्थ रहे छे। (पाचन)

VII उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

उदाहरण: હું, ઘરગથ્થુ, દવાઓ, ખાવું, રહેવું, છે.
हुं, धरगथ्थु, दवाओ, खावुं, रहेवुं, छे।

હું ઘરગથ્થુ દવાઓ ખાઈ રહ્યો છું.
हुं धरगथ्थु दवाओ खाई रह्यो छुं।

1) ઘણા, દિવસથી, આવું, ચાલવું, રહેવું, છે.
घणा, दिवसथी, आवुं, चालवुं, रहेवुं, छे।
2) તમે, આજકાલ, બહારનું, ખાવું, રહેવું, છે.
तमे, आजकाल, बहारनुं, खावुं, रहेवुं, छे।
3) હું, ભોજન, સમારંભ, જમવું, રહેવું, છે.
हुं, भोजन, समारंभ, जमवुं, रहेवुं, छे।
4) લગનગાળો, ચાલવું, રહેવું, છે.
लगनगाळो, चालवुं, रहेवु, छे।

VIII कोष्ठक में से उपयुक्त क्रियारूप चुनकर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

(રહ્યા, રહ્યો, રહી)
(रह्या, रह्यो, रही)

1) વિશાલ દવા લઈ _______ છે.
विशाल दवा लई _______ छे।
2) વૈદરાજ નાડી તપાસી ________ છે.
वैदराज नाडी तपासी _______ छे।
3) કવિતા દવા લઈ ________ છે.
कविता दवा लई _______ छे।
4) વિશાલ અને વૈદરાજ વાત કરી ________ છે.
विशाल अने वैदराज वात करी ________ छे।
5) કવિતા અને હું દવા લેવા જઈ ________ છીએ.
कविता अने हुं दवा लेवा जई _______ छीए।

IX नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1) મને ઝાડા થઈ રહ્યાં છે.
मने झाडा थई रह्यां छे।
2) મને ફરક પડી રહ્યો છે.
मने फरक पडी रह्यो छे।
3) તીખી વસ્તુઓ ખાવી જોઈએ.
तीखी वस्तुओ खावी जोईए।
4) શું હું તીખી વસ્તુઓ ખાઉં.
शुं हुं तीखी वस्तुओ खाऊं ?
5) તમારે ઉકાળેલું પાણી પીવું જોઈએ.
तमारे उकाळेलुं पाणी पीवुं जोईए।

पढ़िए और समझिए

વર્ષાઋતુનો આરંભ

ચોમાસાની ઋતુની શરૂઆત થઈ રહી છે. આકાશમાં કાળાં-કાળાં વાદળો દેખાઈ રહ્યાં છે. વરસાદ વરસી રહ્યો છે. શાળામાંથી બાળકો ઘરે જવા દોડાદોડી કરી રહ્યાં છે. રસ્તા ઉપર વાહનોની અવરજવર વધી રહી છે. ચાની દુકાનમાં ચા બની રહી છે. લોકો ચા સાથે ગરમાગરમ ભજિયાની લિજ્જત માણિ રહ્યાં છે. આકાશમાં વીજળીનો કડકડાટ થઈ રહ્યો છે. રસ્તામાંના લોકો ઘર તરફ દોડી રહ્યાં છે.

वर्षऋतुनो आरंभ

चोमासानी ऋतुनी शरुआत थई रही छे। आकाशमां काळांकाळां वादळो देखाई रह्यां छे। वरसाद वरसी रह्यो छे। शाळामांथी बाळको घरे जवा दोड़ादोड़ी करी रह्यां छे। रस्ता

उपर वाहनोनी अवरजवर वधी रही छे। चानी दुकानमां चा बनी रही छे। लोको चा साथे गरमागरम भजियानी लिज्जत माणि रह्यां छे। आकाशमां वीजळीनो कडकडाट थई रह्यां छे। रस्तामांना लोको घर तरफ दोडी रह्या छे।.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवाागरी	हिंदी अर्थ
આકાશ	आकाश	आकाश
વર્ષાઋતુ	वर्षाऋतु	वर्षाऋतु, वर्षा का मौसम
આરંભ	आरंभ	शुरू, आरंभ
ચોમાસુ	चोमासुं	चौमासा (बरसात के चार महिने)
કાળાંકાળાં	काळांकाळां	काले काले
વાદળ	वादळ	मेघ, बादल
દેખાઈ	देखाई	दिखना
વરસાદ	वरसाद	बरसात
વરસી	वरसी	बरस
દોડાદોડી	दोड़ादोड़ी	दौड़धूप
રસ્તા પર	रस्ता पर	रास्ते पर
વાહન	वाहन	वाहन, सवारी
અવરજવર	अवरजवर	आना-जाना
વધી	वधी	बढ़ी
દુકાન	दुकान	दुकान
ગરમાગરમ	गरमागरम	गरमागरम
લિજ્જત	लिज्जत	स्वाद, लज़्जत
માણિ	माणि	माजा लेना
વીજળી	वीजळी	बीजली
કડકડાટ	कड़कडाट	बीजलीकी कड़कड़ाहट
લોકો	लोको	लोग
તરફ	तरफ	ओर

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) કઈ ઋતુ વિશે વાત થઈ રહી છે?
   कई ऋतु विशे वात थई रही छे?

2) રસ્તામાં શું શું દેખાઈ રહ્યું છે?
   रस्तामां शुं शुं देखाई रह्युं छे?
3) લોકો શાની લિજ્જત માણિ રહ્યાં છે?
   लोको शानी लिज्जत माणि रह्यां छे?
4) આકાશમાં શું શું દેખાઈ રહ્યું છે?
   आकाशमां शुं शुं देखाई रह्युं छे?

II बायीं ओर दिए गए शब्दों को दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के साथ मिलान कर वाक्यांश बनाइए।

1)	કાળાં કાળાં काळां काळां	શાળાના બાળકો शाळाना बाळको
2)	દોડાદોડી दोडादोडी	વાહનોની वाहनोनी
3)	અવરજવર अवरजवर	વાદળો वादळो
4)	ગરમાગરમ गरमा गरम	વીજળીનો वीजळीनो
5)	કડકડાટ कडकडाट	ચા અને ભજિયાં चा अने भजिया

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

સવારનો સમય છે. બધાં પોતાનું કામ કરી રહ્યાં છે. અમે બે ભાઈ-બહેન છીએ. મારી બહેન નર્સ છે. તે દવાખાને જઈ રહી છે. હું દસમા ધોરણમાં ભણું છું. હું વાંચી રહ્યો છું.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

शाम के चार बज रहे हैं। अब हमें अस्पताल चलना चाहिए। हमें अपना इलाज अच्छे डाक्टर के पास कराना चाहिए। डॉ. मनोज अच्छे डाक्टर हैं। अस्पताल में डाक्टर और नर्स आ-जा रहे हैं। मरीज भी आ रहे हैं। सब लोग दौड़ा दौड़ी कर रहे हैं। वे अपने-अपने मरीजों के विषय में पूछ रहे हैं। शाम के सात बजे रहे हैं। अब हमें घर चलना चाहिए।

V अपने किसी रिश्तेदार से अस्पताल में मिलने जाने के बारे में गुजराती में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1) વારંવાર ઝાડા થઈ રહ્યાં છે. बारबार दस्त हो रहे हैं।
वारंवार झाडा थई रह्यां छे।

2) ઘરગથ્થુ દવાઓ ખાઈ રહ્યો છું. घरेलू दवाएँ खा रहा हूँ।
धरगथ्थु दवाओ खाई रह्यो छुं।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दों में दो दो क्रियाएँ तथा योजक क्रिया के विभिन्न रूपों का प्रयोग हुआ है। प्रत्येक वाक्य में पहला क्रिया रूप कर्ता की मुख्य क्रिया को दिखाता है। इस क्रिया के मूल रूप में '-ઈ' (-ई) प्रत्यय जोडा गया है। दूसरा क्रिया रूप 'रह' क्रिया का भूतकालिक रूप, लिंग तथा वचन के अनुसार दिया है। अंत में योजक क्रिया का उपयुक्त रूप भी है। ऐसे वाक्य हिंदी के अपूर्ण वर्तमानकाल के वाक्यों के समान हैं। गुजराती में अपूर्ण वर्तमानकालिक क्रियारूप किस तरह बनते हैं यह नीचे दिखाया गया है।

मूल क्रिया + '-ઈ ' (-ई) + 'रह' + लिंग + वचन + 'છ' 'छ' के उपयुक्त रूप

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	હું ખાઈ રહ્યો છું. हुं खाई रह्यो छुं। मै खा रहा हूँ।	અમે ખાઈ રહ્યાં છીએ. अमे खाई रह्यां छीए। हम खा रह हैं।
मध्यम पुरुष	તું ખાઈ રહ્યો છે. तुं खाई रह्यो छे। तु खा रहा है।	તમે ખાઈ રહ્યાં છો. तमे/आप खाई रह्यां छो। आप खा रहे हैं।
अन्य पुरुष	તે ખાઈ રહ્યો છે. ते खाई रह्यो छे। वह खा रहा है। તે ખાઈ રહી છે. वे खाई रही छे। वह खा रही है। તે ખાઈ રહ્યું છે. ते खाई रह्युं छे।	તેઓ ખાઈ રહ્યાં છે. तेओ खाइ रह्यां छे. वे खा रहे हैं। તેઓ ખાઈ રહીં છે. तेओ खाई रहीं छे। वे खा रहीं हैं। वह खा रहा/रही/रह्युं।

समझिए कि गुजराती में अन्य पुरुष एकवचन में अपूर्ण वर्तमानकाल में भी क्रिया लिंग के अनुसार तीन प्रकार से बदलती है, जैसे - पुल्लिंग - स्त्रीलिंग - नपुंसकलिंग।

II

1) તરતજ ઈલાજ કરાવવો જોઈએ. — शीघ्र ही इलाज कराना चाहिए।
तरतज इलाज कराववो जोइए।

2) પ્રવાહી ખોરાક જ લેવો જોઈએ. — तरल भोजन ही लेना चाहिए।
प्रवाही खोराक ज लेवो जाइए।

3) સાંજે સાત વાગ્યા પછી આવવું જોઈએ. — शाम सात बजे के बाद आना चाहिए।
सांजे सात वाग्या पछी आववुं जोइए।

III

1) આવો તમારી નાડી તપાસું. — आओ, आपकी नाड़ी जाँचूँ।
आवो तमारी नाडी तपासुं।

2) શું હું જાઉં? — क्या मैं जाऊँ?
शुं हुं जाऊँ?

ऊपर दिए गए वाक्य हिंदी के 'जाऊँ' 'देखूं' 'करूँ' जैसे क्रियावाले वाक्य ही हैं। वे अनुमतिबोधक होते हैं। ऐसे वाक्यों में वक्ता क्रिया करने की अनुमति लेता है। गुजराती में मूल क्रिया के साथ ' ઉં' (ऊं) जोड़ने से अनुमतिबोधक क्रिया होती है।

તપાસ+ઉં = તપાસું   જા + ઉં = જાઉં
तपास + ऊं = तपासुं   जा + ऊं = जाऊं

IV

1) ઘણા દિવસથી ઝાડા થઈ રહ્યા છે. — बहुत दिनों से द्सत हो रहे हैं।
घणा दिवसथी झाडा थई रह्या छे।

2) કેટલા સમયથી આવું ચાલી રહ્યું છે. — कितने समय से ऐसा चल रहा है ?
केटला समयथी आवुं चली रह्युं छे?

3) સારા પાચનથી શરીર સ્વસ્થ રહે થાય છે. — अच्छे पाचन से शरीर स्वस्थ रहता है।
सारा पाचनथी शरीर स्वस्थ रहे छे।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दों में '-थी' (-थी) परसर्ग का प्रयोग हुआ है। संज्ञा के साथ '-थी' परसर्ग लगाने से निश्चित स्थान या समय का बोध होता है। तीसरे वाक्य में '-थी' परसर्ग का प्रयोग हिंदी के 'से' जैसे अपादान और करण कारकों के प्रयोग जैसा है। पहले तथा दूसरे वाक्यों में '-थी' (-थी) परसर्ग लगाने से क्रिया शुरु होने के निश्चित समय का बोध होता है। तीसरे वाक्य में ' -થી' (-थी) परसर्ग क्रिया करने का उपकरण/कारण का बोध कराता है। दोनों प्रयोग हिंदी के 'से' जैसे हैं जो अपादान तथा करण कारक बोधक हैं।

પાઠ 4
पाठ

ફિલ્મ જોઈ

ભરત ઝા : ગઈકાલે હું તમારા ઘરે આવ્યો. તમે ઘરે ન હતા. આપણે દ ાણા સમયથી મળ્યા નથી. એટલે હું તમને મળવા તમારા ઘરે આવ્યો. તમે ક્યાં હતાં?
गई काले हुँ तमारा घरे आव्यो। तमे घरे न पता। आणे घणा समयथी मव्या अेट्ले हुं तुमने मळ्या तमारा घरे आवोय।

વિનોદ શાહ : ઘણો અફસોસ થયો, તમને ધક્કો પડ્યો. કાલે તો અમે ફિલ્મ જોવા ગયા.
घणो अफसोस थयो। तमने धक्को पड़यो। काले तो अमे फिल्म जोवा गया।

ભરત ઝા : તમે ફિલ્મ જોવા ક્યાં ગયા?
तमे फिल्म जोवा क्या गया?

વિનોદ શાહ : પડોશીના ઘરે.
पडोशीनां घरे।

ભરત ઝા : પડોશીના ઘરે? આવું કેમ?
पडोशीना घरे? आवुं केम?

વિનોદ શાહ : અમારું ટી.વી. ખરાબ હતું. દીકરીએ ખૂબ જીદ કરી એટલે અમારે જવું પડ્યું.
अमारुं टी.वी. खराब हतुं। दीकरीए खूब जीद करी। अटले अमारे जवुं पड्युं।

ભરત ઝા : તમે કઈ ફિલ્મ જોઈ?
तमे कई फिल्म जोई?

फिल्म देखी

भरत झा: कल मैं आपके घर आया। आप घर पर नहीं थे। हम काफ़ी समय से नहीं मिले। इस लिए मैं आप से मिलने आपके घर आया। आप कहाँ थे?

विनोद शाह : बहुत अफसोस हुआ। आपको भटकना पड़ा। कल तो हम फिल्म देखने गए।

भरत झा: आप फिल्म देखने कहाँ गए?

विनोद शाह : पड़ोसी के घर।

भरत झा : पडोसी के घर? ऐसा क्यों?

विनोद शाह : हमारी टी.वी. खराब था। बेटी ने बहुत जिद की। इसलिए हमें जाना पड़ा।

भरत झा : आपने कौन सी फिल्म देखी।

વિનોદ શાહ : ગુજરાતી ફિલ્મ હતી. નામ તો ભૂલી જ ગયો.
गुजराती फिल्म हती। नाम तो भूली ज गयो।

विनोद शाह : गुजराती फिल्म थी। नाम तो भूल ही गया।

ભરત ઝા : શું ફિલ્મ સારી ન હતી?
शुं फिल्म सारी न हती?

भरत झा : क्या फिल्म अच्छी नहीं थी?

વિનોદ શાહ : શું કહું? મારે તો ફિલ્મ જોવી જ ન હતી. પણ દીકરીને કારણે જોવી પડી.
शुं कहु? मारे तो फिल्म जोवी ज न हती। पण दीकरीने कारणे जोवी पडी।

विनोद शाह : क्या कहूँ? मुझे तो फिल्म देखनी ही नहीं थी? लेकिन बेटी के कारण देखनी पड़ी।

ભરત ઝા : શું ફિલ્મ એટલી ખરાબ હતી?
शुं फिल्म एटली खराब हती?

भरत झा : क्या फिल्म इतनी खराब थी?

વિનોદ શાહ : એવી વાત નથી. ફિલ્મમાં કંઈ નવું ન હતું. કોઈ નવા કલાકારો ન હતા. તે જ જૂના ચહેરા અને તે જ જૂની વાર્તા. અભિનય પણ કંઈ ખાસ ન હતો.
एवी वात नथी। फिल्ममां कंई नवुं न हतुं। कोई नवा कलाकारो न हता। ते ज जूना चहेरा अने ते ज जूनी वार्ता। अभिनय पण कंई खास न हतो।

विनोद शाह : ऐसी बात नहीं है। फिल्म में कुछ नयापन नहीं था। कोई नये कलाकार नहीं थे। वही पुराने चेहरे और वही पुरानी कहानी। अभिनय भी कुछ खास नहीं था।

ભરત ઝા : આજની ફિલ્મોમાં કથાનક તો હોતું નથી. શું કાલની ફિલ્મ પણ કંઈક એવી જ હતી?
आजनी फिल्मोमां कथानक तो होतुं नथी। शुं कालनी फिल्म पण कंईक एवी ज हती?

भरत झा : आज की फिल्मों में कथानक तो होता नहीं। क्या कल की फिल्म भी कुछ ऐसी ही थी?

વિનોદ શાહ : હા હા. કાલની ફિલ્મમાં પણ ગીતો અને સંવાદો જ હતા પણ કેટલાક સંવાદો સારા હતા.
हा हा। कालनी फिल्ममां पण गीतो अने संवादो ज हता। पण केटलाक संवादो सारा हता।

ભરત ઝા : એ તો સારી વાત છે. ફિલ્મમાં કંઈક તો તમને ગમ્યું. હિન્દી ફિલ્મો તો ગીતો પર જ ચાલે છે. શું ગુજરાતી ફિલ્મોમાં વિવિધતા જોવા મળે છે?
ए तो सारी वात छे। फिल्ममां कंईक तो तमने गम्युं। हिंदी फिल्मो तो गीतो पर ज चाले छे। शुं गुजराती फिल्मोमां विविधता जोवा मळे छे?

વિનોદ શાહ : ઘણી ઓછી. કાલની ફિલ્મમાં એક નવી વાત હતી. આખી ફિલ્મ કાઠિયાવાડી બોલીમાં હતી. પણ કેટલાક કલાકાર તે બોલીમાં સારી રીતે ન બોલ્યા.
घणी ओछी। कालनी फिल्ममां एक नवी वात हती। आखी फिल्म काठयावाडी बोलीमां हती। पण केटलाक कलाकार ते बोलीमां सारी रीते न बोल्या।

ભરત ઝા : કેમ? તે ગુજરાતી કલાકારો ન હતા?
केम? ते गुजराती कलाकारो न हता?

વિનોદ શાહ : તમે સાચું જ કહ્યું. ફિલ્મના આકર્ષણ માટે નિર્માતાએ કેટલાક હિન્દીભાષી કલાકારોને પસંદ કર્યા.

विनोद शाह : हाँ हाँ। कल की फिल्म में भी गीत और संवाद ही थे। लेकिन कुछ संवाद अच्छे थे।

भरत शा : यह तो अच्छी बात है। फिल्म में कुछ तो आपको अच्छा लगा। हिंदी फिल्में तो गीतों पर ही चलती हैं। क्या गुजराती फिल्मों में विविधता देखने को मिलती है?

विनोद शाह : बहुत कम। कल की फिल्म में एक नई बात थी। पूरी फिल्म काठियावाडी बोली में थी। लेकिन कुछ कलाकार उस बोली में अच्छी तरह नहीं बोले।

भरत झा : क्यों, वे गुजराती कलाकार नहीं थे?

विनोद शाह : आपने सच ही कहा। फिल्म के आकर्षण के लिए निर्माता ने हिंदी भाषी कलाकारों को पसंद किया।

तमे साचुं ज कह्युं। फिल्मना आकर्षण माटे निर्माताए केटलांक हिंदीभाषी कलाकारोने पसंद कर्था।

ભરત ઝા : તો શું થયું? આજકાલ તો એક ભાષાની ફિલ્મમાં અન્ય ભાષાના કલાકારોને પણ લે છે.
तो शुं थयुं? आजकाल तो एक भाषानी फिल्ममां अन्य भाषानां कलाकारो ने पण ले छे।

भरत झा : तो क्या हुआ? आजकल तो एक भाषा की फिल्म में अन्य भाषा के कलाकारों को भी लेते हैं।

વિનોદ શાહ : પણ ડબિંગ કલાકારો તો પોતાની બોલીના જ હોય છે.
पण डबिंग कलाकारो तो पोतानी बोलीनां ज होय छे।

विनोद शाह : लेकिन डबिंग कलाकार तो अपनी बोली के ही होते हैं।

ભરત ઝા : શું આ ફિલ્મમાં ડબિંગ માટે ગુજરાતી કલાકારોને નથી લીધા?
शुं आ फिल्ममां ड़बिंग माटे गुजराती कलाकारोबे नथी लीधा?

भरत झा : क्या इस फिल्म में डबिंग केलिए गुजराती कलाकारों को नहीं लिया?

વિનોદ શાહ : ના. હિન્દી કલાકારો જ કાઠિયાવાડી બોલીમાં બોલ્યા. તેથી તેમની બોલીમાં સ્વાભાવિકતા ના રહી.
ना। हिंदी कलाकारो जं काठ्यावाडी बोलीमां बोल्या। तेथी तेमनी बोलीमां स्वाभाविकता ना रही।

विनोद शाह : नहीं। हिंदी कलाकार ही काठियावाडी बोली में बोले। इसलिए उनकी बोली में स्वाभाविकता नहीं रही।

ભરત ઝા : તો વાત પતી ગઈ, પછી ફિલ્મ જોવામાં શી મજા?
तो वात पती गई पछी फिल्म जोवामां शी मजा?

भरत झा : तो बात खत्म, फिर फिल्म देखने में क्या मजा?

વિનોદ શાહ : એ જ તો હું બોલ્યો. એટલે જ ઘણું કરીને હું ટી.વી. પર બધી ફિલ્મ જોતો નથી. ફક્ત સારા દિગ્દર્શકોની ફિલ્મો જ જોઉં છું.

ए ज तो हुं बोल्यो। एटले ज धणुं करीने हुं टी.वी. पर बधी फिल्म जोतो नथी। फक्त सारा दिग्दर्शकोनी फिल्मो ज जोउं छुं।

विनोद शाह : वही तो मैं बोला। इसी लिए अधिकतर मैं टी.वी. पर सभी फिल्में नहीं देखता हूँ। केवल अच्छे निर्देशकों की फिल्में ही देखता हूँ।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवाागरी	हिंदी अर्थ
ઘરે હતા	घरे हता	घर पर थे
ઘણા સમયથી	घणा समयथी	बहुत समय से
મળ્યા	मळया	मिले
મળવા માટે	मवामाटे	मिलने के लिए
અફસોસ	अफसोस	अफसोस
પાડોશી	पाडोशी	पड़ोसी
કૅસેટ	कैसेट	कैसेट
લાવ્યો	लाव्यो	लिया
તેમણે	तेमणे	उन्होंने
ફિલ્મ	फिल्म	फिल्म, चलचित्र
જોવા	जोवा	देखने
ભૂલી	भूली	भूल गया
ગયો	गयो	गया
મારે	मारे	मुझे
જીદ	जिद	जिद
ગુજરાતી	गूजराती	गुजराती भाषा जाननेवाला
કલાકારો	कलाकारो	कलाकारों
કોણ-કોણ	कोण-कोण	कौन-कौन

નવા	नवा	नए
તેના તે જ	तेना ते ज	वही
જૂના	जूना	पुराना
તમને	तमने	आपको
વાર્તાતત્ત્વ	वार्ता-तत्त्व	कथानक
ગઈકાલ	गई काल	(बीता) कल
ગીતો	गीतो	गाने, गीत
સંવાદ	संवाद	संवाद
ઉપર જ	उपर ज	ऊपर ही
ચાલે છે	चाले छे	चलती है
વિવિધતા	विविधता	विविधता
કાઠિયાવાડી બોલી	काठियावाडी बोली	गुजरात के एक प्रांत काठियावाड़ की बोली का नाम
વાત	वात	बात
પતી ગઈ	पती गई	खत्म
જોવામાં	जीवामां	देखने में
એટલેજ	एटलेज	इसलिए
સ્વાભાવિકતા	स्वाभाविकता	सहजता
સારા	सारा	अच्छे
દિગ્દર્શક	दिग्दर्शक	निर्देशक, निदेशक

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) કાલે તમે ઘરે ન હતા.
   कलि तमे घरे न हता।
   2) ઘણા સમયથી આપણે નથી મળ્યા.
   घणा समयथी आपणे नथी मळ्या।
   3) એ તો ગુજરાતી ફિલ્મ હતી.
   गुजराती फिल्म हती।

4) કોઈ નવા કલાકારો ન હતા.
कोई नवा कलाकारो न हता।

5) ગીતો અને સંવાદો સારા ન હતા.
गीतो अने संवादो सारा न हता।

6) ફિલ્મની બોલી કાઠિયાવાડી હતી.
फिल्मनी बोली काठियावाडी हती।

7) ગઈકાલની ફિલ્મમાં પણ વાર્તા સારી ન હતી.
गई कालनी फिल्ममां पण वार्ता सारी न हती।

2. 1) ના હું ઘરે ન હતો.
ना हुं घरे न हतो।

2) મારે ફિલ્મ જોવી ન હતી.
मारे फिल्म जोवी न हती।

3) કોઈ નવા કલાકારો ન હતા.
कोई नवा कलाकारो न हता।

4) હું ટી.વી.માં બધી ફિલ્મો જોતો નથી.
हुं टी.वी. मां बधी फिल्मो जोतो नथी।

3. 1) એટલે અમે સાંજે ત્યાં આવ્યાં.
एटले अमे सांजे त्यां आव्यां।

2) પણ કેટલાક કલાકારો તે બોલીમાં સારી રીતે ન બોલ્યા.
पण केटलाक कलाकारो ते बोलीमां सारी रीते न बोल्या।

3) નામ તો ભૂલી જ ગયો.
नाम तो भूली ज गयो।

4) શું ફિલ્મ સારી ન હતી?
शुं फिल्म सारी न हती?

5) અભિનય પણ કંઈ ખાસ ન હતો.
अभिनय पण कंई खास न हतो।

6) ઘણો અફસોસ થયો.
घणो अफसोस थयो।

4. 1) કેમ ગુજરાતી કલાકારો ન હતા?
केम गुजराती कलाकारो न हता?
2) પછી ફિલ્મ જોવામાં શું મજા?
पछी फिल्म जोवामां शुं मजा?
3) શું ગુજરાતી ફિલ્મમાં વિવિધતા જોવા મળે છે?
शुं गुजराती फिल्मोमां विविधता जोवा मळे छे?

5. 1) કાલે તમે ઘરે ન હતા?
काले तमे घरे न हता?
2) ઓહો! ફિલ્મ જોવા ગયા?
ओहो! फिल्म जोवा गया?
3) તમે ફિલ્મ જોવા ક્યાં ગયાં?
तमे फिल्म जोवा क्यां गया?

6. 1) ગઈકાલે સાંજે અમે મળવા માટે આવ્યા.
गइकाले सांजे अमे मळवा माटे आव्या।
2) દીકરીએ જીદ કરી એટલે તેના માટે અમે ગયાં.
दीकरीए जिद करी एटले तेना माटे अमे गयां।
3) ફિલ્મના આકર્ષણ માટે તેમણે હિન્દી કલાકારો લીધા.
फिल्मना आकर्षण माटे तेमणे हिंदी कलाकारो लीधा।

7. 1) મારે ફિલ્મ જોવી પડી.
मारे फिल्म जोवी पडी।
2) મારે તીખી વસ્તુઓ ખાવી પડી.
मारे तीखी वस्तुओ खावी पडी ।
3) મારે તેમના ઘરે જવું પડ્યું.
मारे तेमना घरे जवुं पडयुं।
4) તમને ધક્કો પડ્યો.
तमने धक्को पड्यो।

5) મારે ઉકાળેલું પાણી પીવું પડ્યું.
मारे उकाळेलुं पाणी पीवुं पड्युं।

II उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए प्रत्येक शब्दका प्रयोग कर अलग-अलग वाक्य बनाइए।

1. અમે ફિલ્મ જોવા ગયા. (ઘર, બજાર, અમદાવાદ)
अमे फिल्म जोवा गया। (घर, बजार, अमदावाद)

2. અમે જોવા ગયા. (મળવા, જમવા, પીવા, ફરવા)
अमे जोवा गया। (मळवा, जमवा, लेवा, फरवा)

3. તેઓ ગઈકાલે સાંજે મળવા માટે આવ્યા. (જમવા માટે, ભોજન માટે, નાસ્તા માટે, વર્ષગાંઠ માટે)
तेओ गईकाले सांजे मळवा माटे आव्या।

III कोष्ठक में दिए गए क्रियारूपों में से उपयुक्त क्रियारूप चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(હતો, હતી, હતું, હતા)
(हतो, हती, हतुं, हता)

1. 1) ગઈકાલની ફિલ્મ ગુજરાતી
गई कालनी फिल्म गुजराती ________.

2) ગીતો અને સંવાદો સારા_______.
गीतो अने संवादो सारा ________.

3) ફિલ્મની બોલી કાઠિયાવાડી _______.
फिल्मनी बोली काठियावाडी ________.

4) ગઈકાલની ફિલ્મમાં વાર્તા ન _______.
गईकालनी फिल्ममां वार्ता न ______.

5) મારે ફિલ્મ જોવી ન _______.
मारे फिल्म जोवी न ________.

6) અમારું ટી.વી. ખરાબ _______.
अमारुं टी.वी. खराब _______.

IV कोष्ठक में दिए गए क्रियाओं के उपयुक्त भूतकालिक रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1.
1) એટલે અમે સાંજે ત્યાં _____. (આવ)
   अेटले अमे सांजे त्यां _____। (आव)
2) તેઓ કાઠિયાવાડી બોલીમાં ન _____. (બોલ)
   तेओ काठियावाडी बोलीमां न _______। (बोल)
3) નામ તો ભૂલી _____. (જા)
   नाम तो भूली _______। (जा)
4) ઘણો અફસોસ _____. (થા)
   घणो अफसोस _______। (था)
5) ફિલ્મમાં હિન્દીભાષી કલાકારો પસંદ _____. (કર)
   फिल्ममां हिंदी भाषी कलाकारो पसंद _______। (कर)
6) શું ફિલ્મ સારી _____? (છ)
   शुं फिल्म सारी ______। (छ)
7) હું ઘરે ન _______. (આવ)
   हुं घरे न _______। (आव)

V उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

1. उदाहरण: તે કાઠિયાવાડી બોલીમાં બોલે છે.
   ते काठयावाडी बोलीमां बोले छ।
   તેઓ કાઠિયાવાડી બોલીમાં બોલ્યા.
   तेओ काठियावाडी बोलीमां बोल्यां।

1) તે મને જુએ છે.
   ते मने जुए छे।
2) તે મને આપે છે.
   ते मने आपे छे।
3) તે મને પૂછે છે.
   ते मने पूछे छे।
4) તે મને મળે છે.
   ते मने मळे छे।

5) તે મને દવા આપે છે.
ते मने दवा आपे छे।
6) તે મને તપાસે છે.
ते मने तपासे छे।

VI 'ના' (ना), 'નથી' (नथी) प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1. શાક સસ્તું છે.
शाक सस्तुं छे।
2. ગીતો અને સંવાદો સારા છે.
गीतो अने संवादो सारा छे।
3. વટાણા લેવા છે.
वटाणा लेवा छे।
4. બા મને ઊંધિયું ગમે છે.
बा मने ऊँधियुं गमे छे।
5. ફિલ્મમાં નવા કલાકારો છે.
फिल्ममां नवा कलाकारो छे।
6. કાલે અભયની વર્ષગાંઠ છે.
काले अभयनी वर्षगाँठ छे।

VII नीचे दिए गए वाक्यों का भूतकाल में परिवर्तन कीजिए।

1. હું ફિલ્મ જોઉં છું.
हुं फिल्म जोउं छुं।
2. ફિલ્મમાં વિવિધતા જોવા મળે છે.
फिल्ममां विविधता जोवा मळे छे।
3. ઘણો અફસોસ થાય છે.
घणो अफसोस थाय छे।
4. અમે તેમના ઘરે ફિલ્મ જોવા જઈએ છીએ.
अमे तेमना घरे फिल्म जोवा जइए छीए।
5. તમે ઘરે છો.
तमे घरे छो।

VIII नीचे दिए गए भूतकालिक वाक्यों का वर्तमानकाल में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: મેં ફિલ્મ જોઈ. હું ફિલ્મ જોઉં છું.
मेें फिल्म जोई। हुं फिल्म जोउं छुं।

1. હું તમારા ઘરે આવ્યો.
हुं तमारा घरे आव्यो।
2. હું તમને મળ્યો.
हुं तमने मळयो।
3. શું ફિલ્મ સારી હતી?
शुं फिल्म सारी हती?
4. અમારું ટી.વી. ખરાબ હતું.
अमारुं टी.वी. खराब हतुं।

IX बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों का दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशो के साथ सही मिलान कर वाक्य बनाइए।

1.	તેમણે ગુજરાતી કલાકારો तमेणे गुजराती कलाकारी	જોતા નથી. जोतो नथी।
2.	નામ તો ભૂલી नाम तो भूली	ન હતાં. न हतां।
3.	કોઈ નવા કલાકારો कोई नवा कलाकारो	હોતી નથી. होती नथी।
4.	હવેની ફિલ્મમાં વાર્તા हवेनी फिल्ममां वार्ता	લીધા ન હતા. लीधा न हता।
5.	ટી.વી. માં હું બધી ફિલ્મ टी.वी. मां हुं बधी फिल्म	જ ગયો. ज गयो।
6.	સંવાદો અને બોલીમાં संवादो अने बोलीमां	સારા હતા. सारा हता।
7.	ગીતો અને સંવાદો गीतो अने संवादो	સ્વાભાવિકતા ન હતી. स्वाभाविकता न हती।

पढ़िए और समझिए

શિયાળ અને ઊંટ

એક હતું ઊંટ અને એક હતું શિયાળ. શિયાળ અને ઊંટે દૂર એક શેરડીનું ખેતર જોયું. શિયાળને શેરડી ખાવાનું મન થયું. ઊંટ કહે, "હું ખેતરમાં જઉં છું અને શેરડી લાવું છું." ઊંટ ખેતરમાં ગયું. શેરડી ખાધી. શેરડી ખાધા પછી જોરજોરથી ગાંગર્યું. ખેતરનો રખેવાળ આવ્યો. તેણે ઊંટને ખૂબ જ માર્યો. શિયાળે તો શેરડી ખાધી જ નહીં.

शियाळ अने ऊंट

एक हतुं उँट अने एक हतुं शियाळ। शियाळ अने ऊँटे दूर एक शेरडीनुं खेतर जोयुं। शियाळने शेरडी खावानुं मन थयुं। ऊँट कहे, "हुं खेतरमां जउं छुं अने शेरडी लावुं छुं" "ऊँट खेतरमां गयुं। शरेडी खाधी। शेरडी खाछा पछी जोरजोरथी गांगायुँ। खेतरनो रखेवाळ आव्यो। तेणे ऊँटने खूब ज मार्यो। शियाळे तो शेरडी खाधी ज नहीं।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवाागरी	हिंदी अर्थ
ઊંટ	ऊँट	ऊँट
શિયાળ	शियाळ	सियार, गीदड़
શેરડી	शेरडी	गन्ना, ईख
ખેતર	खेतर	खेत
કહે	कहे	कहा
ખાધી	खाधी	खाई
થયું	थयुं	हुआ
જોરજોરથી	जोरजोरथी	जोरजोरसे
ગાંગર્યું	गांगयुँ	बलबलाना
રખેવાળ	रखेवाळ	चौकीदार, रखवाला
તેણે	तेणे	उसने
મારવું	मारवुं	मारना

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) શેરડીનું ખેતર કોણે જોયું?
   शेरडीनुं खेतर कोणे जोयुं?
2) કોણે-કોણે શેરડી ખાધી?
   कोणे कोणे शेरडी खाधी?
3) ઊંટને કોણે માર્યું?
   ऊँट ने कोणे मार्युं?
4) શિયાળને શેરડી કેમ મળી નહીં?
   शियाळने शेरडी केम मळी नहीं?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद के आधारपर गुजराती शब्द दीजिए।

गन्ना, चौकीदार, सियार, खेत, बलबलाना, खाई

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ગઈકાલે હું ફિલ્મ જોવા ગયો હતો. ફિલ્મ જોવા હું મારા મિત્ર સાથે ગયો હતો. અમે હિન્દી ફિલ્મ જોવા ગયા હતા. ફિલ્મમાં ગીતો સારાં હતાં પણ સંવાદો એટલા સારા ન હતા. ફિલ્મમાં કલાકારોનો અભિનય ઠીક હતો. અમે ફિલ્મ જોઈને સાંજે સાત વાગે પાછા ઘરે આવ્યા.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

कल मैं सब्ज़ी मंडी गई थी। सब्जी मंडी में बहुत प्रकार की सब्जियाँ थीं। मैंने मेथी की सब्जी और बैंगन खरीदे। मुझे आम बहुत पसंद है। इसलिए मैंने आम भी खरीदे। बाद में मैंने बाजार से किताबें खरीदीं। फिर मैं घर वापिस आई।

V कल आपने क्या-क्या काम किया, इसके बारे में गुजराती में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में क्रिया के सामान्य भूतकाल रूप बतानेवाले वाक्यों का प्रयोग हुआ है।
उदाहरण:

1)	હું ઘરે ન હતો. हुं घरे न हतो।	मैं घर पर नहीं था।
2)	નામ તો ભૂલી પણ ગયો. नाम तो भूली पण गयो।	नाम तो भूल भी गया।
3)	ફિલ્મ તમને કેવી લાગી? फिल्म तमने केवी लागी?	फिल्म आप को कैसी लगी?
4)	તમે મળ્યા નહીં. तमे मळया नहीं।	आप मिले नहीं।

1. गुजराती में 'છે' (छे), 'છું' (छुं), 'છો' (छो), 'છીએ' (छीए) क्रियारूपों के भूतकालिक रूप 'હતો' (हतो), 'હતા' (हतां), 'હતી' (हती), 'હતું' (हतुं) हैं।

1)	હું અહીં છું. हुं अहीं छुं।	मैं यहाँ हूँ।
	હું અહીં હતો. हुं आही हतो।	मैं यहाँ था।
2)	અમે અહીં છીએ. अमे अहीं छीए।	हम यहाँ हैं।
	અમે અહીં હતાં. अमे अहीं हतां।	हम यहाँ थे।
3)	તું અહીં છે. तुं अहीं छे।	तू यहाँ है।
	તું અહીં હતો. तुं अहीं हतो।	तू यहाँ था।
4)	તમે/આપ અહીં છો. तमे/आप अहीं छो।	तुम/आप यहाँ हो।

તમે/આપ અહીં હતા. तुम/आप यहाँ थे।
तमे/आप अहीं हता।

5) તે અહીં છે. वह यहाँ है।
ते अहीं छे।
તે અહીં હતો/હતી/હતું वह यहाँ था/थी।
ते अहीं हतो/हती /हतुं।

6) તેઓ અહીં છે. वे यहाँ हैं।
तेओ अहीं छे।
તેઓ અહીં હતા/હતી. वे यहाँ थे/थी।
तेओ अहीं हता/हती।

2. गुजराती के 'મળ' (मल), 'લાગ' (लाग), આપ (आप), લાવ (लाव)' जैसी अधिकांश क्रियाओं के भूतकाल बनाने के लिए 'યા' प्रत्यय जोड़ा जाता है। लिंग, वचन के अनुसार वाक्यों में उसका रूप बदलता है।

1. અમે તેને મળીએ છીએ. हम उन से मिलते हैं।
अमे तेने मळीए छीए।
અમે તેને મળ્યાં. हम उन से मिले।
अमे तेने मळयां।

2 તું તેને મળે છે. तुम उन से मिलते हो।
तुं तेने मळे छे।
હું તેને મળ્યો/મળી. तुम उन से मिले/मिली।
तुं तेने मळयो/मळी।

3. હું તેને મળું છું. मैं उन से मिलती हूँ।
हुं तेने मलुं छुं।
હું તેને મળ્યો/મળી. मैं उन से मिला/मिली।
हुं तेने मळयो/मळी।

4. આ/તે તેને મળે છે. यह/वह उन से मिलता है।
आ/ते तेने मळे छे।

	આ/તે તેને મળ્યો. आ/ते तेने मळयो।	यह/वह उन से मिला।
5.	આ/તે તેઓ તેને મળે છે. ओ/ तेओ तेने मळे छे।	ये/वे उन से मिलते हैं।
	એ/તેઓ તેને મળ્યાં. आ/तेओ तेने मळयां।	ये/वे उन से मिले।

II

1. भूतकाल में भी प्रश्नवाचक वाक्य विविध प्रश्नवाचक शब्दों को जोड़ने से बनतें हैं।

1.	ફિલ્મ તમને કેવી લાગી? फिल्म तमने केवी लागी?	फिल्म आप को कैसी लगी?
2.	કલાકારો કોણ-કોણ હતા? कलाकारो कोण कोण हता?	कलाकार कौन-कौन थे?

2. हिंदी की तरह सभी सकारात्मक और निषेधवाचक प्रश्नवाचक शब्द के बिना भी प्रश्नवाचक जैसा प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा प्रयोग बोलने के उतार-चढ़ाव से प्रश्नवाचक वाक्य होता है।

1)	ફિલ્મ જોવા ગયાં? फिल्म जोवा गयां?	फिल्म देखने गए?
2)	ગુજરાતી ફિલ્મમાં વિવિધતા જોવા મળે છે ખરી? गुजराती फिल्ममां विविधता जोवा मळे छे खरी?	गुजराती फिल्म में विविधता देखने को मिलती है?

III निम्न वाक्यों को पढ़िए।

1.	1)	અમે ફિલ્મ જોવા માટે ગયા. अमे फिल्म जोवा माटे गया।	हम फिल्म देखने के लिए गए।
	2)	અમે જમવા માટે ગયા. अमे जमवा भाटे गया।	हम खाना खाने के लिए गए।
2.	1)	અમે સિનેમા જોવા ગયા. अमे फिल्म जोवा गया।	हम फिल्म देखने गए।

2) અમે જમવા ગયા. हम खाना खाने गए।
अमे <u>जमवा</u> गया।

इन वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप क्रिया के उद्देश्य का बोध कराते हैं। यह हिंदी के 'देखने के लिए'/'देखने' 'खाने केलिए/खाने' जैसे प्रयोगों के समान हैं। हिंदी की तरह ये क्रियारूप उद्देश्य का बोध कराने के लिए गुजराती में 'માટે' (माटे) परसर्ग के साथ और परसर्ग के बिना भी बनते हैं।

પાઠ
पाठ 5

મામાજી આવ્યા

સુધાબહેન : અરે કલ્પેશ તું ક્યાંથી? ક્યારે આવ્યો ગાંધીનગર? બા-બાપુજી કેમ છે? લતાભાભી અને બાળકો?
अरे कल्पेश तुं क्यांथी? क्यारे आव्यो गांधीनगर? बा-बापुजी कम छे? लताभाभी अने बाऴको?

કલ્પેશ : ઊભીરે ઊભીરે. આટલા બધા પ્રશ્નો એક સાથે?
ऊभीरे, ऊभीरे बाधा प्रश्नो एक साथे?

સુધાબહેન : મજાક ન કર. કહે ઘરમાં બધાં કેમ છે?
मजाक न कर। कहे, धरमां बधां केम छे?

કલ્પેશ : બધાં મજામાં છે. અને તને ખૂબ જ યાદ કરે છે. તૃપ્તિ ક્યાં છે?
बधां मजामां छे अने तने खूब ज याद करे छे। तृप्ति क्यां छे?

સુધાબહેન : તે હમણાં જ પુસ્તકાલય ગઈ. મેં જ એને મોકલી. મારે એક ખાસ પુસ્તકની જરૂર હતી.
ते हमणां ज पुस्तकालय गई। में ज अेने मोकली। मारे एक खास पुस्तकनी जरूर हती।

કલ્પેશ : તું અને પુસ્તક? આ તો આશ્ચર્યની વાત છે.
तुं अने पुस्तक? आ तो आश्यर्यनी वात छे।

मामाजी आए

सुघा बहन : अरे कल्पेश तुम कहाँ से? कब आया गाँधीनगर? माँ-बाबुजी कैसे हैं? लता भाभी और बच्चे?

कल्येश : रुको रुको। इतने सारे प्रश्न एक साथ?

सुधा बहन : मजाक मत करो। बताओ, घर में सब कैसे हैं?

कल्येश : सब ठीक हैं और तुम्हें बहुत याद करते हैं। तृप्ति कहाँ है?

सुधा बहन : वह अभी-अभी पुस्तकालय गई। मैंने ही उसे भेजा। मुझे एक खास पुस्तक की जरूरत थी।

कल्येश : तुम और पुस्तक? यह तो आश्चर्य की बात है।

સુધાબહેન : તેં શું વિચાર્યું? શું હું પુસ્તક નથી વાંચતી?
तें शुं विचार्युं? शुं हुं पुस्तक नथी वांचती?

सुधा बहन : तुमने क्या सोचा? क्या मैं पुस्तक नहीं पढ़ती?

કલ્પેશ : ના ના એવી વાત નથી. ઘર ગૃહસ્થીની પળોજણમાં તને સમય ક્યાં છે?
ना-ना अवी वात नथी। धर गृहस्थीनी पळणमां तने समय क्यां छे?

कल्येश : नहीं-नहीं, ऐसी बात नहीं है। घर गृहस्थी की झंझट में तुम्हें समय कहाँ है?

સુધાબહેન : સમય તો કાઢું છું. મારી બહેનપણી શીતલે મને કેટલાંક સારાં પુસ્તકોની એક યાદી આપી. તેમાંથી બે ત્રણ પુસ્તકો મેં ગયા અઠવાડિયે લીધાં.
समय तो काढ़ुं छुं। मारी बहेनपणी शीतले मने केटलांक सारां पुस्तकोनी एक यादी आपी। तेमांथी बे-त्रण पुस्तकों में गया अठडिये लीघां।

सुधा बहन : समय तो निकालती हूँ। मेरी सहेली शीतल ने मुझे कुछ अच्छी पुस्तकों की एक सूची दी। उस में से दो-तीन पुस्तकें मैने गत सप्ताह लीं।

કલ્પેશ : ફક્ત લીધાં, વાંચ્યાં નહીં?
फकत लीघां, वांच्यां नहीं?

कल्येश : सिर्फ लीं, पढ़ी नहीं?

સુધાબહેન : ફરી એજ મજાક! મેં તો પુસ્તકો ફક્ત વાંચ્યાં જ નહીં પણ એમાંથી એકનો હિન્દીમાં અનુવાદ કરવાનું પણ વિચારી રહી છું.
फरी अे ज मजाक! में तो पुस्तको फक्त वांच्यां ज नहीं पण अेमांथी एकनो हिंदीमां अनुवाद करवानुं पण विचारी रही छुं।

सुधा बहन : फिर वही मज़ाक! तो पुस्तकें सिर्फ पढ़ी ही नहीं लेकिन उनमें से एक का हिंदी में अनुवाद करने का भी सोच रही हूँ।

કલ્પેશ : શાબાશ. સારું, કહે બનેવી કેમ છે?
शाबाश। सारुं, कहे बनेवी केम छे?

कल्येश : शबाश। अच्छा, बताओ बहनोई जी कैसे हैं?

સુધાબહેન : મજામાં છે. તે ઓફિસના કામથી કાલે જ કચ્છ ગયા. આ શનિવારે આવવાના

सुधा बहन : ठीक हैं। वे आफ़िस के काम से कल ही कच्छ गए। इस शनिवार को आनेवाले हैं।

છે.
मजमां छे। ते ओफिसना काम काले ज कच्छ गया। आ शनिवारे आववाना छे।

કલ્પેશ : તૃપ્તિનો અભ્યાસ કેવો ચાલી રહ્યો છે?
तृप्तिनो अभ्यास केवो चाली रहयो छे?

સુધાબહેન : તે બારમા ધોરણમાં છે. તો પણ અભ્યાસમાં જેટલી રુચિ લેવી જોઇએ તેટલી લેતી નથી. અરે! હું પણ કેવી બહેન છું. ભાઇ આટલા દિવસો પછી આવ્યો છે તો પણ મેં એને ખાવા-પીવાનું પણ કીધું નહીં. તું હાથ-પગ ધોઈલે, હું હમણાં આવી.
ते बारमा छोरणमां छे। तो पण अभ्यासमां जेटली रुचि लेवी जाईए तटली लेती नथी। अरे! हुं पण केवी बहेन छुं भाई आटला दिवसो पछी आव्यो छे तो पण में अेने खावा-पीवानुं पण कीधु नहीं। तुं हाथ-पग धोईले? हुं हमणां आवी।

તૃપ્તિ : નમસ્તે મામા, તમે ક્યારે આવ્યા?
नमस्ते मामा, तमे कयारे आण्या?

કલ્પેશ : અરે તૃપ્તિ! તું કેટલી મોટી થઇ ગઈ! તારી બાને તારા અભ્યાસની ખૂબ જ ચિંતા છે.
अरे तृप्ति! तुं केटली मोटी थई गई! तारी बाने तारा अभ्यासनी खूब ज चिंता छे।

તૃપ્તિ : બા તો હંમેશાં ચિંતા કરે છે. પણ હું તો મારો અભ્યાસ સારી રીતે કરી રહી છું.

कल्येश : तृप्ति की पढ़ाई कैसी चल रही है?

सुधा बहन: वह बारहवीं कक्षा में है! फिर भी पढ़ाई में जितनी दिलचस्पी लेनी चाहिए उतनी नहीं लेती। अरे! मैं भी कैसी बहन हूँ! भाई इतने दिनों के बाद आया और उससे मैंने खाने-पीने के लिए भी नहीं कहा। तुम हाथ पाँव धोले, मैं अभी आई।

तृप्ति : नमस्ते मामा जी, आप कब आए?

कल्येश : अरे तृप्ति! तू कितनी बड़ी हो गई? तेरी माँ को तेरी पढ़ाई की बहुत ही चिंता है।

तृप्ति : माँ तो हमेशा चिंता करती है। लेकिन मैं तो अपनी पढ़ाई ठीक तरह से कर रही हूँ।

बा तो हंमेशां चिंता करे छे। पण हुं तो मारो अभ्यास सारी रीते करी रही छुं।

કલ્પેશ : બારમા ધોરણ પછી શું કરવાનું વિચારી રહી છે?
बारमा धोरण पछी शुं करवानुं विचारी रही छे?

कल्येश : बारहवी कक्षा के बाद क्या करने का सोच रही हो?

તૃપ્તિ : હું તો પત્રકાર બનવાની છું.
हुं तो पत्रकार बनवानी छुं।

तृप्ति : मैं तो पत्रकार बननेवाली हूँ।

કલ્પેશ : બહુ સરસ, તેં અન્ય છોકરીઓ કરતાં કંઈક અલગ જ વિચાર્યું.
बहु सरस, तें अन्य छोकरीओ करतां कंइक अलग ज विचार्युं।

कल्येश : बहुत अच्छा, तूने अन्य लड़कियों से कुछ अलग ही सोचा।

તૃપ્તિ : આભાર મામા. કમ સે કમ તમે તો મારો પક્ષ લીધો. મારા બા-બાપુજીના મત મુજબ તો છોકરીઓ માટે શિક્ષિકા બનવું જ યોગ્ય છે.
आभार मामा। कम सेकम तमे तो मारो पक्ष लीधो। मारा बा-बापुजीना मत मुजब तो छोकरीओ मारे शिक्षिका बनवुं ज योग्य छे।

तृप्ति : शुक्रिया मामा जी। कम से कम आपने तो मेरा पक्ष लिया। मेरे माँ बाबूजी की राय में तो लड़कियों के लिए शिक्षिका बनना ही ठीक है।

સુધાબહેન : ઓ તૃપ્તિ, તું આવી! આવતાની સાથે જ મારી ફરિયાદ શરૂ કરી.
ओ तृप्ति, तुं आवी! शुं आवतांनी साथे जं मारी फरियाद शरु करी।

सुधा बहन : ओ तृप्ति, तू आई! आते ही मेरी शिकायत शुरू की।

તૃપ્તિ : ફરિયાદ? મેં તો સાચી વાત કીધી.
फरियाद? में तो साची बात कीधी।

तृप्ति : शिकायत? मैंने तो सच बात कही।

સુધાબહેન : સારું સારું. હવે મામાને કંઈ ખાવા-પીવા દે.
सारुं-सारुं हवे मामाने कंई खावा-पीवा दे।

सुधा बहन : ठीक है, ठीक है। अब मामा जी को कुछ खाने-पीने दो।

તૃપ્તિ : ઓ મામા! શું હજી સુધી તમે કંઇ પણ ખાધું-પીધું નથી. બાએ તમને ખાવા-પીવા માટે કંઇ દીધું નહીં.
ओ मामा। शुं हजी सुधी तमे कंई पण खाधु-पीधुं नथी। बाधीए तमने खावा-पीवा माटे कंई दीघुं नहीं।

तृप्ति : ओ मामा जी! क्या अभी तक आपने कुछ भी खाया-पीया नहीं? माँ ने आपको खाने-पीने के लिए कुछ नहीं दिया?

કલ્પેશ : ત્યાં જો. મોટી બહેન કેટલી બધી વસ્તુઓ લાવી રહી છે! તું પણ આવ આપણે એક સાથે ખાઇએ.
त्यां जो। मोटी बहेन केटली बघी वस्तुओ लावी रही छे। तुं पण आव, आपणे एक साथे खाईए।

कल्पेश : उधर देखो। दीदी कितनी सारी चीज़ें ला रही हैं! तू भी आ, हम एक साथ खाएँ।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**देवाागरी**	**हिंदी अर्थ**
ક્યાંથી	क्यांथी	कहाँसे
ઊભી રે	ऊँभी रे	रूका
મજાક	मजाक	मजाक
મજામાં	मजामां	मजे में/ठीक
ક્યાં	क्यां	कहाँ
હમણાં	हमणां	अभी
એને	अेने	उसे
પુસ્તક	पुस्तक	किताब
અશ્ચર્ય	आश्चर्य	आश्चर्य
વિચાર્યું	विचार्युं	सोचा
વાંચતી	वांचती	पढ़ती
ના	ना	नहीं
એવી વાત	अेवी वात	ऐसी बात

પળોજણ	पकोजण	झंझट
કાઢું	काढुं	निकालती
બહેનપણી	बरेनपणी	सहेली
કેટલાંક	केटलांक	कुछ
તેમાંથી/એમાંથી	तेमांथी/एमांथी	उनमें से
ગયા અઠવાડિયે	गया अठवाडिये	पिछले सप्ताह
લીધાં	लीधां	लिए
ફક્ત	फक्त	सिर्फ
વાંચ્યાં	वांच्यां	पढ़ी
ફરી એ જ	फरी अे ज	फिर वही
કરવાનું	करवानु	करने का
વિચાર	विचार	सोच
બનેવી	बनेवी	बहनोई
કામથી	कामथी	काम से
આવવાના	आववाना	आनेवाले
અભ્યાસ	अभ्यास	पढ़ाई
ધોરણ	धोरण	कक्षा
લેવી	लेवी	लेनी
રુચિ	रुचि	दिल्चस्पी
કેવી	केवी	कैसे
આવ્યો	आव्यो	आया
પછી	थछी	बाद
ખાવા-પીવા	खावा-पीवा	खाना-पीना
પૂંછ્યું	पूंछ्युं	पूछा
હાથ-પગ	हाथ-पग	हाथ-पाँव
ધોઇ લે	धोई ले	धो ले
ક્યારે	क्यारे	कब
કેટલી	केटली	कितनी
મોટી	मोटी	बड़ी
થઇ ગઇ	थई गई	हो गई

બનવાની	बनवानी	बननेवाली
બહુ સરસ	बहु सरस	बहुत अच्छा
છોકરીઓ	छोकरीओ	लड़कियाँ
કંઈક	कंईक	कुछ
આભાર	आभार	शुक्रिया/धन्यवाद
લીધો	लीधो	लिया
મત	मत	राय
બનવું	बनवुं	बनना
યોગ્ય	योग्य	ठीक
આવતાની સાથે	आवतांनी साथे	आते ही
ફરિયાદ	फरियाद	शिकायत
સાચી	साची	सच
શું હજી સુધી	शुँ हजी सुधी	क्या अभी तक
ખાધું-પીધું	खाधुं-पीधुं	खाया-पिया
આપ્યું	आप्युं	दिया
ત્યાં જો	त्यां जो	उधर देखो
કેટલી	केटली	कितनी
વસ્તુઓ	वस्तुओं	चीजें
ખાઈએ	खाईए	खाएँ

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) મેં ગયા અઠવાડિયે પુસ્તકો લીધાં.
   में गया अठवाडिये पुस्तको लीधां।
   2) મામાએ મારો પક્ષ લીધો.
   मामाए मारो पक्ष लीधो।
   3) મેં તો સાચી વાત કીધી.
   में तो साची वात कीधी।

4) તમે કંઇ પણ ખાધું-પીધું નહીં.
તમે कंईपण खाधुं-पीधुं नहीं।

5) તમને ખાવા-પીવાનું કંઇ પણ દીધું નહીં.
तमने खावा-पीवानुं कंई पण दीधुं नहीं।

2. 1) તે ઓફિસના કામથી કાલે જ કચ્છ ગયા.
ते ओफिसना कामथी कले ज कच्छ गया।

2) મેં એને ખાવા-પીવા માટે કહ્યું નહીં.
में अेने खावा-पीवा माटे कह्युं नहीं।

3) તમે મારા ઘરે જમવા માટે આવ્યા નહીં.
तमे मारा घरे जमवा माटे आव्या नहीं।

4) હસમુખભાઇ ચા-નાસ્તો કરવા માટે આવ્યા નહીં.
हसमुखभाई चा-नास्तो करवा माटे आव्या नहीं।

5) ભરત અને હસમુખ જમવા આવ્યા નહીં.
भरत अने हसमुख जमवा माटे आव्या नहीं।

3. 1) તેઓ આ શનિવારે <u>આવવાના</u> છે.
तेओ आ शनिवारे आववाना छे।

2) તેઓ કાલે <u>જવાના</u> છે.
तेओ काले जवाना छे।

3) હસમુખ અમદાવાદ <u>જવાનો</u> છે.
हसमुख अमदावाद जवानो छे।

4) લતા પુસ્તકો <u>લાવવાની</u> છે.
लता पुस्तको लाववानी छे।

5) મારા મિત્રો મહેસાણાથી <u>આવવાના</u> હતા.
मारा मित्रो महेसाणाथी आववाना हता।

4. 1) તૃપ્તિ એ અભ્યાસમાં <u>જેટલી</u> રુચિ લેવી જોઇએ <u>તેટલી</u> લેતી નથી.
तृप्तिए अभ्यासमां <u>जेटली</u> रुचि लवी जाईए <u>तेटली</u> लेवी नथी।

2) જેટલું જરૂર હોય તેટલું ખાવું જોઈએ.
   जेरव्यु जदूर होय तेटलुं खावुं जईए।
3) જેટલાં પુસ્તકોની જરૂર હોય તેટલાં જ લેવાં જોઈએ.
   जेटलां पुस्तकोनी जरूर होय तेटलां ज लेवां जोईए।
4) જેટલી વસ્તુઆની જરૂર હોય તેટલી જ લેવી જોઈએ.
   जेटली वस्तुओनी जरुर होय तेटली ज लेवी जोईए।

5. 1) મામાને કંઈ ખાવા-પીવા દે.
   मामाने कंई खावा-पीवा दे।
2) તૃપ્તિને વાંચવા દે.
   तृप्तिने वांचवा दे।
3) શીતલને પુસ્તકાલય જવા દે.
   शीतलने पुस्तकालय जवा दे।
4) મને ફરિયાદ કરવા દે.
   मने फरियाद करवा दे।
5) મને હાથ-પગ ધોવા દે.
   मने हाथ-पाग धोवा दे।
6) મને પત્રકાર બનવા દે.
   मने पत्रकार बनवा दे।

II **कोष्ठक में दिए गए क्रियारूपों में से उपयुक्त क्रियारूप चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ખાધું-પીધું, લીધાં, ગઈ, દીધું, ગયા)

(खाधुं-पीधुं, लीघां, गई, दीधुं, गया)

1) બાએ તમને હજી પાણી નથી _______.
   बाए तमने हजी पाणी नथी _______।
2) મેં કેટલાંક સારાં પુસ્તકો _______.
   में केटलांक सारां पुस्तको _______।
3) તે કાલે જ કચ્છ _______.
   ते काले ज कच्छ _______।

4) કલ્પેશે કશું જ _______નહીં.
કલ્પેશે कशुं ज ___________नहीं।

5) તૃપ્તિ પુસ્તકાલય _______.
तृप्ति पुस्तकालय ___________।

III कोष्ठक में दिए गए क्रियारूपों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) ગયા અઠવાડિયે મેં કેટલાંક પુસ્તકો_______. (લેવા)
गया अठवाडिये में केटलांक पुस्तको _________। (लेवां)

2) કમ સે કમ તમે તો મારો પક્ષ _______. (લેવા)
कम से कम तमे तो मारो पक्ष ________। (लेवा)

3) મામાએ પાણી _______. (પી)
मामाए पाणी _______________। (पी)

4) કલ્પેશે બિસ્કીટ _______ અને ચા _______. (ખા-પી)
कल्येशे बिस्कीट _________ अने चा _______। (खा-पी)

5) બાએ શીતલને _______. (કહેવું)
बाए शीतलने ________________। (कहेवुं)

6) મોહનભાઇ ગઇકાલે ગાંધીનગર _______.(જા)
मोहनभाई गईकाले गांधीनगर _______। (जा)

IV कोष्ठक में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(જેટલું, તેટલું, જેટલાં, તેટલાં, જેટલી, તેટલી)
(जेटलुं, तेटलुं, जेटलां, तेटलां, जेटली, तेटली)

1) શીતલે ________ પુસ્તકો લીધાં ________ વાંચ્યાં.
शीतले ________ पुस्तको लीघां _________ वांच्यां।

2) માણસને ________ જરૂર હોય ________ જ ખાવું જોઇએ.
माणसने _______ जरुर होय ______ ज खावुं जोइए।

3) અભ્યાસમાં ________ રુચિ લેવી જોઇએ ________ લેતી નથી.
अभ्यासमां ______ रुची लेवी जोईए _______ लेती नथी।

V कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रुपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(આપ, જા, આવ, લાવ)

(आप, जा, आव, लाव)

1) તે શનિવારે ________ છે.

ते शनिवारे _______ छे।

2) અમે ત્રીજી તારીખે________ છીએ.

अमे त्रीजी तारीखे _______ छीए।

3) મારે પુસ્તકાલયમાંથી પુસ્તકો ________ છે.

मारे पुस्तकालयमांथी पुस्तको _______ छे।

4) શીતલે મને કેટલાંક પુસ્તકો ________ છે.

शीतले मने केटलांक पुस्तको ________ छे।

VI उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का भूतकाल में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: મામા નાસ્તો કરે છે.

मामा नास्तो करे छे।

મામાએ નાસ્તો કર્યો.

मामाए नास्तो कर्यो।

1) શીતલ પુસ્તક લે છે.

शीतल पुस्तक ले छे।

2) તૃપ્તિ પુસ્તકાલય જાય છે.

तृप्ती पुस्तकालय जाय छे।

3) બા ચા પીએ છે.

बा चा पीए छे।

4) બાપુજી કચ્છ જાય છે.

बापुजी कच्छ जाय छे।

5) બા કલ્પેશને કંઈક કહે છે.

बा कल्पेशने कंईक कहे छे।

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का वर्तमानकाल में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : મેં ચા પીધી.
में चा पीधी।
હું ચા પીવું છું.
हुं चा पीवुं छुं।

1) રમણે બિસ્કીટ ખાધાં.
रमणे बिस्कीट खाधां।
2) અભયે ફળ ખાધું.
अभये फळ खाधुं।
3) મામાએ પાણી પીધું.
मामाए पाणी पीधुं।
4) તૃપ્તિએ પુસ્તક લીધું.
तृप्तिए पुस्तक लीधुं
5) બાએ શીતલને કંઈક કીધું.
बाए शीतलने कंईक कीधुं

VIII नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1) તૃપ્તિ અભ્યાસમાં રુચિ લે છે.
तृप्ति अभ्यासमां रुचि ले छे।
2) સુધાએ પુસ્તકો વાંચ્યાં.
सुधाए पुस्तको वांच्यां।
3) અભયે બહાર ખાધું છે.
अभये बहार खाधुं छे।
4) બાએ મામાને ખાવા-પીવા કહ્યું.
बाए मामाने खावा-पीवा कह्युं।
5) અક્ષયે ફળ અને બિસ્કીટ ખાધાં.
अक्षये फळ अने बिस्कीट खाधां।

IX उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:	હું આવું છું.	લતા પુસ્તક લાવે છે.
	हुं आवुं छुं।	लता पुस्तक लावे छे।
	હું આવવાનો છું.	લતા પુસ્તકો લાવવાની છે.
	हुं आववानो छुं।	लता पुस्तको लाववानी छे।

1. 1) મહેશ જાય છે.
   महेश जाय छे।
   2) કલ્પેશ ચા પીએ છે.
   कल्पेश चा पीवे छे।
   3)સુમિત ફળ ખરીદે છે.
   सुमित फळ खरीदे छे।

2. 1) શીતલ નાસ્તો કરે છે.
   शीतल नास्तो करे छे।
   2) સુધા બિસ્કીટ ખાય છે.
   सुधा बिस्कीट खाय छे।
   3) મારી બા ચા બનાવે છે.
   मारी बा चा बनावे छे।

पढ़िए और समझिए।

ચતુર વેપારી

ભરતભાઈ તેમના બંગલામાં તેમની પત્ની અને પાંચ નોકરો સાથે રહે છે. એક દિવસ તેમનું કિંમતી ઘડિયાળ ખોવાયું. તેમણે તેમના નોકરોને બોલાવ્યા. દ ાડિયાળ માટે પૂછપરછ કરી. બધાએ ના પાડી. બીજે દિવસે સૂતાં પહેલાં તેમણે તેમના બધાં નોકરોને બોલાવ્યા. દરેકને એક એક લાકડી આપી. પછી કહ્યું કે "આ બધી લાકડીઓ સરખા માપની છે. તે બધી મંતરેલી છે. ચોરની લાકડી સવારે એક ઇંચ મોટી થઇ જાય છે." દરેક નોકર લાકડી લઇ ગયો. ચોર ચિંતામાં પડ્યો. તેણે તેની લાકડી એક ઇંચ કાપી, ભરતભાઇએ બીજે દિવસે સવારે બધા નોકરોને લાકડી સાથે બોલાવ્યા. ચોરની લાકડી બીજાની લાકડીઓ કરતાં એક ઇંચ નાની હતી. ભરતભાઇએ ચાલાકીથી ચોરને પકડ્યો. ચોરે પોતાનો ગુનો કબૂલ કર્યો અને ભરતભાઇની ક્ષમા માગી.

चतुर वेपारी

भरत भाई तेमना बंगलामा तेमनी पत्नी अने पांच नाकरो साथे रहे छे। एक दिवस तेमनु किंमती घडियाळ खोवायुं। तेमणे तेमना नोकरोने बोलाव्या। घडियाळ माटे पूछपरछ करी। बधाए ना पाड़ी। बीजे दिवसे सूतां परेलां तेमणे तेमना बधां नोकरोने बोलाव्या। दरेकने एक लाकड़ी आपी, पछी कहुयं, "आ बधी लाकड़ीओ सरखा मापनी छे। ते बधी मंतरेलो छे। चोरनी लाकड़ी सवारे एक इंच मोटी थई जांय छे।" दरंक नोकर लाकड़ी लई गयो। चोर चिंतामां पड्यों। तेणे तेनी लाकड़ी एक इंच कप्पी भरतभाईए बीजे दिवसे सवारे बध नोकरोने लाकड़ी साथ बोलाव्या। चोरनी लाकड़ी बीजा करतां एक इंच नानी हती। भरतभाईए चालकीथी चोरने पकड़यो. चोरे पोतानो गुनो कबूल कर्यो अने भरतभाईनी क्षमा मागी।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवाागरी	हिंदी अर्थ
બંગલો	बंगलो	बंगला
નોકર	नोकर	नौकर
કિંમતી	किमती	कीमती
ઘડિયાળ	घडियाळ	घड़ी
પૂછપરછ	पूछपरछ	पूछताछ
લાકડી	लाकडी	लकड़ी
સરખા	सरखा	समान
માપ	माप	माप/नाप
ચોર	चोर	चोर
ઇંચ	इंच	इंच
મંતરેલી	मंतरेली	मंत्र की हुई
સવાર	सवार	सुबह
બરાબર	बराबर	ठीक, बराबर
ચાલાકી	चालाकी	चालाकी/होशियारी
પોતાનો	पोतानो	अपना
ગુનો	गुनो	अपराध
કબૂલ	कबूल	कबूल/स्वीकार
ક્ષમા	क्षमा	क्षमा

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ભરતભાઈએ પોતાના નોકરોને શા માટે બોલાવ્યા?
   भरतभाईए पोताना नोकरोने शा माटे बोलाव्या?
2. નોકરોને તેમણે શું આપ્યું?
   नोकरोने तेमणे शुं आप्युं?
3. લાકડી આપતી વખતે તેમણે નોકરોને શું કહ્યું?
   लाकडी आपती वखते तेमणे नोकरोने शुं कह्युं ?
4. ભરતભાઈએ ચોરને કેવી રીતે પકડ્યો?
   भरतभाईए चोरने केवी रीते पकड्यो?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त गुजराती शब्द दीजिए।

स्वीकार, अपराध, बड़ी, अपना, समान, लकड़ी, नाप, सुबह, पूछताछ

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

અમે અમદાવાદ ગયા. ત્યાં અમે ગાંધી આશ્રમ જોવા ગયા. ગાંધી આશ્રમ સાબરમતી નદી કિનારે આવેલું શાંત અને સુંદર સ્થળ છે. ગાંધીજીએ દાંડીકૂચની શરૂઆત ત્યાંથી જ કરી. અમદાવાદમાં અમે કાંકરિયા તળાવના કિનારે આવેલા કમલા નહેરું પ્રાણીસંગ્રહાલયની મુલાકાત પણ લીધી, પછી અમે બાળવાટિકા જોવા ગયા. બાળકોને આ બંને સ્થળ જોવાની ખૂબ જ મજા આવી. અમદાવાદમાં અમે કોચરબ આશ્રમ, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ, હઠિસિંગનાં દેરા, જુમ્મા મસ્જિદ, સીદી સૈયદની જાળી, ભદ્રનો કિલ્લો, વૈષ્ણવદેવીનું મંદિર વગેરે જેવા સુંદર સ્થળોની મુલાકાત લીધી. અમને અમદાવાદમાં ફરવાની ખૂબ જ મજા આવી.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

रमेश और रमा भाई-बहन थे। दोनों कालेज में थे। रमेश एम.ए. में था। रमा बी.ए. में थी। दोनों पढ़ने में होशियार थे। एक दिन दोनोंने सिनेमा देखा, बाजाार में नाश्ता किया। घर के लिए भी लिए। घर आने के बाद नाश्ता माँ-बाप को भी दिया।

V वर्षा के एक दिन के बारे में एक छोटा सा अनुच्छेद गुजराती में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में भी गुजराती के सामान्य भूतकालिक क्रिया वाले वाक्य जारी हैं।
'જા' (जा), 'કહે' (कहे), 'દે' (दे), 'લે' (ले), 'પી' (पी), 'ખા' (खा)
जैसी अनियमित क्रियाओं का भूतकालिक प्रयोग दिया गया है।

1. તે હમણાં જ પુસ્તકાલય ગઈ. — वह अभी अभी पुस्तकालय गई।
   ते हमणां ज पुस्तकालय गई।
2. મેં તો સાચી વાત કીધી. — मैंने तो सच बात कही।
   में तो साची वात कीधी।
3. બાએ મને બિસ્કીટ દીધાં. — माँने मुझे बिस्कीट दिए।
   बाए मने बिस्कीट दीधां।
4. મામાએ મારો પક્ષ લીધો. — मामाजी ने मेरा पक्ष लिया।
   मामाए मारो पक्ष लीघो।
5. તમે કંઈ પણ ખાધું-પીધું નહીં. — आपने कुछ भी खाया-पिया नहीं।
   तमे कंई पण खाधुं-पीधुं नहीं।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियारूपों से यह स्पष्ट होता है कि गुजराती में (जा), (कह), (दे), (ले), (पी), (खा) क्रियाएँ भूतकाल के रूप में अन्य क्रियाओं से अलग हैं। इन के भूतकालिक रूपों के लिए क्रिया के मूल रूप में 'ધ' (ध) जोडकर पुरुष लिंग वचन के अनुसार प्रत्यय लगाया जाता है।

II नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

1. આ શનિવારે આવવાના છે. — इस शनिवार को आनेवाले हैं।
   आ शनिवारे आववाना छे।
2. આવતી કાલે જવાના છે. — कल जाने वाले हैं।
   आवती काले जवाना छे।
3. વિશાલ ઔષધી લેવાનો છે. — विशाल औषधी लेनेवाला है।
   विशाल औषधी लेवानो छे।
4. હું તો પત્રકાર બનવાની છું. — मैं पत्रकार बननेवाली हूँ।
   हुं तो पत्रकार बनवानी छुं।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्द हिंदी के 'आनेवाले', 'जानेवाले', लेनेवाल, बननेवाली जैसे प्रयोग के समान हैं। ऐसे प्रयोग गुजराती में भी 'क्रिया करने वाले' का बोध कराते हैं। ये शब्द क्रियावाचक संज्ञाओं के साथ लिंग वचन के अनुसार 'વાના' (वाना), 'વાની' (वानी), 'વાનો' (वानो), 'વાનું'(वानुं) (-वाला, -वाली, -वाले) जोड़कर कर बनते हैं।

ला + ना	लाना	+	वाला	=	लानेवाला
	लाना	+	वाली	=	लानेवाली
	लाना	+	वाले	=	लानेवाले

III नीचे दिए गए वाक्यों पर भी ध्यान दीजिए।

1. હવે મામાને કંઈ ખાવા-પીવા દે. — अब मामा जी को कुछ खाने-पीने दे।
   हवे मामाने कई खावा-पीवा दे।
2. તૃપ્તિને પત્રકાર બનવા દે. — तृप्ति को पत्रकार बनने दो।
   तृप्तिने पत्रकार बनवा दे।
3. સુધાને પુસ્તક વાંચવા દે. — सुधा को पुस्तक पढ़ने दो।
   सुधाने पुस्तक वांचवा दे।
4. તેને પુસ્તકાલય જવા દે. — उसको पुस्तकालय जाने दो।
   तेने पुस्तकालय जवा दे।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के अनुमति बोधक के समान हैं।

ऐसे वाक्य वक्ता श्रोता से अनुमति लेने तथा अन्यों को अनुमति देने के लिए प्रयुक्त होते हैं। ऐसे सभी वाक्यों में कर्ता के साथ कर्मकारक 'ને' (ने) को जोडा जाता है।

IV गुजराती में भी भूतकालिक क्रिया जब सकर्मक होती है तब वाक्यों में कर्ता के साथ 'એ' (ए) जोड़ा जाता है, जैसे हिंदी के वाक्यों में 'ने'। ऐसे वाक्यों में क्रिया का रूप कर्म के लिंग-वचन के अनुसार बदलता है।

उदाहरण:

1. મેં જ એને મોકલી. — मैं ने ही उसे भेजा।
   में ज एने मोकली।
2. તેં શું વિચાર્યું? — तुम ने क्या सोचा?
   तें शुं विचार्युं?

3.	શીતલે મને કેટલાંક સારાં પુસ્તકોની એક યાદી આપી. शीतले मने केटलांक सारां पुस्तकोनी एक यादी आपी।	शीतल ने मुझे कुछ अच्छी पुस्तकों की एक सूची दी।
4.	મેં તો પુસ્તકો વાંચ્યાં જ નહીં. में तो पुस्तको वांच्यां ज नहीं।	मैंने तो पुस्तकें पढ़ी ही नहीं।
5.	મેં એને ખાવા-પીવાનું પણ પૂછ્યું નહીં. मैं एने खावा-पीवानुं पण पूछ्युं नहीं।	मैंने उससे खाने पीने के लिए भी नहीं पूछा।
6.	તમે તો મારો પક્ષ લીધો. तमे तो मारो पक्ष लीघो।	आपने तो मेरा पक्ष लिया।

ध्यान दीजिए कि गुजराती में कर्ता के साथ 'એ' (ए) (हिंदी के 'ने' जैसे) जोड़ने से सर्वनामों के रूप इस प्रकार बदलते हैं।

હું + એ = મેં	(हुँ + ए = में)	मैं + ने = मैंने
તું + એ = તેં	(तुं + ए = तें)	तुम + ने = तुमने
તમે + એ = તમે	(तमे + ए = तमे)	आप + ने + आपने
તે + એ = તેણે	(ते + ए = तेणे)	वह + ने = उसने
અમે + એ = અમે	(अमे + ए = अमे)	हम + ने = हमने
તેઓ + એ = તેઓએ	(तेओ + ए = तेओए)	वे + ने = उन्होंने

V एक से पाँच तक के पाठों में गुजराती के विविध कारकों का प्रयोग हुआ है। उन का परिचय नीचे दिया गया है।

1. कर्ता कारक: इस कारक में सामान्यतः प्रत्यय और परसर्ग नहीं लगते। लेकिन भूतकाल की सकर्मक क्रिया में 'એ' (ए) 'ने' प्रत्यय लगता है जिस के बारे में ऊपर बताया जा चुका है।

   કવિતાએ ફળ ખાધું. — कविता ने फल खाया।

   कविताए फळ खाधुँ।

2. कर्म कारक: इस कारक में 'ને' (ने) 'को' प्रत्यय आता है परंतु अपवादरूप 'ને' (ने) प्रत्यय नहीं भी आता।

   1) કલ્પેશે જિજ્ઞાસાને બોલાવી. कल्पेशने जिज्ञासा को बुलाया।
      कल्पेशे जिज्ञासाने बोलावी।
   2) જિજ્ઞાસા પુસ્તક લાવી. जिज्ञासा पुस्तक लाई।
      जिज्ञासा पुस्तक लावी।

3. करण कारक: इस कारक में 'એ' (ए), 'થી' (थी), 'વડે' (वडे) प्रत्यय आते हैं।

   1) રમેશ પેનથી લખે છે. रमेश पेन से लिखता है।
      रमेश पेनथी लखे छे।
   2) સુધા ચમચા વડે ખાય છે. सुधा चम्मच से खाती है।
      सुधा चमचा वडे खाय छे।

4. संप्रदान कारक: इस कारक में 'ને' (ने), 'ને માટે' (ने माटे) प्रत्यय आते हैं।

1) રમાએ ભિખારીને પૈસો આપ્યો. रमाने भिखारी को पैसे दिए।
   रमाए भिखारीने पैसा आप्यां।
2) તૃપ્તિ જિજ્ઞાસાને માટે પુસ્તક લાવી. तृप्ति जिज्ञासा के लिए पुस्तक लाई।
   तृप्ति जिज्ञासाने माटे पुस्तक लावी।

5. अपादान कारक: इस कारक में 'થી' (थी), 'માંથી' (मांथी), 'ઉપરથી' (उपरथी) प्रत्यय/परसर्ग आते हैं।

   1) ઝાડથી પાન પડે છે. पेड़ से पत्ता गिरता है।
      झाडथी पान पडे छे।
   2) સ્ટેશનમાંથી ગાડી છૂટી. स्टेशन से गाड़ी छूटी।
      स्टेशनमांथी गाडी छूटी।
   3) દોરી ઉપરથી કપડું પડ્યું. दोरी से कपड़ा गिरा।
      दोरी उपरथी कपडुं पड्युं।

6. अधिकरण कारक: इस कारक में 'એ' (ए), માં' (मां) प्रत्यय आति हैं।

 1) રામ વને ગયા. राम वन (को) गए।
 राम वने गया।
 2) સુધીર ઘરમાં આવ્યો. सुधीर घर (में) आया।
 सुधीर घरमां आव्यो।

7. संबोधन कारक: इस कारक में कोई प्रत्यय नहीं लगता। केवल संबोधन सूचक चिह्न लगता है।

 1) રમેશ! તું શું કરે છે? रमेश! तू क्या करता है?
 रमेश! तुं शुं करे छे?

8. संबंध वाचक रूप: इस में 'નો' (नो) (पुं.), 'ની' (नी) (स्त्री.), 'નું' (नुं) (नपुं.), 'ના' (ना) (बहु.व.) प्रत्ययों का प्रयोग होता है।

 1) તે રમેશનો બંગલો છે. वह रमेश का बंगला है।
 ते रमेशनो बंगलो छे।
 2) આ રમાની પેન છે. यह रमा का पेन है।
 आ रमानी पेन छे।
 3) આ મોહનનું ઘર છે. यह मोहन का घर है।
 आ मोहननुं घर छे।
 4) આ સુધાનાં પુસ્તકો છે. यह सुधा की पुस्तकें हैं।
 आ सुधाना पुस्तको छे।

VI गुजराती सर्वनामों के विविध प्रत्ययों के साथ निम्न कारक रूप होते हैं।

હું : મને, મારાથી, મારા માટે मैं: मुझे, मुझ को, मुझ से, मेरे लिये, मेरा
हुं: मने, माराथी मारा माटे मेरी मेरे, मुझ में।
 મારું, મારી, મારો, મારાં, મારામાં
 माऱुँ, मारी, मारो, मारं, मारामां
અમે : આપણે, અમને, અમારા, અમારાથી हम: हमें, हमको, हमसे, हमारे लिए
अमे: आपणे, अमने, अमाराथी हमारा, हमारी, हमारे, हममें।

અમારા માટે, અમારો
अमारा माटे, अमारो
અમારી, અમારું, અમારામાં
अमारी, अमारुं , अमारा, अमारामां,

તું : તને, તારાથી, તારા માટે
तुं: ते, तमे, ताराथी, तारामाई
તારો, તારા, તારી, તારું, તારામાં
तारो, तारां, तारी, तारुं, तारामां।

तूं: तुझे, तुझ को, तुझ से, तेरे लिए, तेरा, तेरे, तेरी, तुझ में।

તમે : તમને, તમારાથી, તમારા માટે
तमे: तमने, तमाराथी, तमारा माटे
તમારો, તમારી, તમારું, તમારા, તમારામાં
तमारो, तमारी, तमारुं, तमारा, तमारामां।

तुम: तुम्हें/तुम को, तुम से, तुम्हारे लिए, तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे, तुम में।

તે : તને, તેનાથી, તેના માટે,
ते: तने, तेनाथी, तेना माटे
તેનો, તેની, તેનું, તેના/તેનામાં, તેમાં
तेनो, तेनी, तेनुं, तेना/तेनामां, तेमां।

वह: उसे/उस को, उससे, उसकेलिए, उसका, उसकी, उसके, उसमें।

તેઓ : તેઓને, તેઓથી, તેઓ માટે
तेओ: तेओने, तेओथी, तेओ माटे,
તેમનો, તેમની, તેમના, તેમનું,
तेमनो, तेमनी, तेमना, तेमनुं,
તેઓમાંથી
तेओमां।

वे: उन्हें, उन को, उनसे, उनके लिए, उनका, उनकी, उनमें।

પાઠ
पाठ 6

ભાડાનું ઘર

રમણ : મોટાભાઈ નમસ્તે. શું મોહન ઘરમાં છે?

મોટાભાઈ : હા–હા, મને એવું લાગે છે તે પોતાના રૂમમાં કંઈક કામ કરી રહ્યો છે. હું એને બોલાવું છું. મોહન, અહીં આવ. જો કોણ આવ્યું. રમણ સવારે–સવારે તમારું શું આયોજન છે? ક્યાંય જવાનું છે કે શું?

રમણ : મોટાભાઈ, હું ભાડાનું મકાન શોધી રહ્યો છું. એટલે હું મોહનને સાથે લઈ જવા માગું છું. કાલે મેં આ જ વાત મોહનને કહી.

મોહન : અરે રમણ તું આવી ગયો! હજી આઠ નથી વાગ્યા.

રમણ : શું તું મારા માટે ભાડાનું મકાન શોધવાની વાત ભૂલી ગયો? આજે આપણે આઠ વાગ્યે જવાના હતા.

મોહન : ના, હું ભૂલ્યો નથી. હું તમારું જ કામ કરું છું. જો આ છાપું.

મોટાભાઈ : શું છાપામાં ભાડાનું મકાન શોધો છો?

મોહન : હા મોટાભાઈ જુઓને આ છાપામાં ભાડાના મકાન માટે કેટલી જાહેર ખબર છે!

મોટાભાઈ : સારું સારું હું તો ભૂલી જ ગયો. આજકાલ છાપાઓ આપણને ઘણી બધી રીતે મદદરૂપ થાય છે. લોકો બધી વસ્તુઓ માટે જાહેર ખબર આપે છે અને જુએ પણ છે.

किराए का घर

रमण : बड़े भैया नमस्कार। क्या मोहन घर पर है?

बड़ा भाई : हाँ-हाँ मुझे ऐसा लगता है, वह अपने कमरे में कुछ काम कर रहा है। मैं उसे बुलाता हूँ। मोहन यहाँ आओ। देखो कौन आया। रमण, सुबह-सुबह तुम लोगों की क्या योजना है? कहीं जाना है क्या?

रमण : बड़े भैया, मैं किराए का मकान ढूँढ रहा हूँ। इस लिए मैं मोहन को साथ ले जाना चाहता हूँ। कल मैं ने यही बात मोहन से कही।

मोहन : अरे रमण तू आ गया! अभी आठ नहीं बजे हैं।

रमण : क्या तू मेरे लिए किराए का मकान ढूँढने की बात भूल गया? आज हम आठ बजे जाने वाले थे।

मोहन : नहीं, मैं भूला नहीं। मैं तुम्हारा ही काम कर रहा हूँ। देखो यह अखबार।

बड़ा भाई : क्या अखबार में किराए का मकान ढूँढ रहे हो?

मोहन : जी हाँ बड़े भाई साहब! देखिए न, इस अखबार में किराए के घर के लिए कितने विज्ञापन हैं!

बड़ा भाई : अच्छा, अच्छा, मैं तो भूल ही गया। आज कल अखबार कई प्रकार से हमारी सहायता करते हैं। लोग सभी चीजों के लिए विज्ञापन देते हैं और देखते भी हैं।

રમણ : મોહન, શું આમાં આપણી જરૂરિયાત મુજબના કોઇ મકાનની જાહેર ખબર છે?

रमण : मोहन, क्या इसमें हमारी आवश्यकता के अनुसार किसी घर का विज्ञापन है?

મોહન : એક બે તો છે જ. આપણે ત્યાં જવાનું છે અને જોવાનું છે.

मोहन : एक दो तो हैं ही। हमें वहाँ जाना है और देखना है।

રમણ : તો ચાલો, જઈએ.

रमण : तो चलो, चलें।

મોહન : જઈએ છીએ. પહેલાં કંઈક નાસ્તો તો કરી લઇએ.
(બા આવે છે.)

मोहन : चलते हैं। पहले कुछ नाश्ता तो कर लें।
(माँ आती है)

બા : કેમ છે દીકરા રમણ? તને ઘણા દિવસ પછી જોઈ રહી છું. આટલા દિવસ કેમ ન આવ્યો?

माँ : कैसे हो बेटे रमण? तुम्हें बहुत दिनों के बाद देख रही हूँ। इतने दिन क्यों नहीं आए?

રમણ : શું કરું માસી? ભાડાનું મકાન શોધવામાં વ્યસ્ત રહ્યો. અત્યારે તો એક સંબંધીના ઘરે રહીએ છીએ. કેટલા દિવસ આ રીતે બીજાના ઘરે રહીએ? એટલા માટે મોહનની સાથે ઘર શોધવા જઈ રહ્યો છું.

रमण : क्या करूँ मौसी? किराए का घर ढूँढने में व्यस्त रहा। अभी तो एक रिश्तेदार के घर में रहते हैं। कितने दिन इसप्रकार दूसरों के घर रहें? इसलिए मोहन के साथ घर ढूंढने जा रहा हूँ।

બા : પહેલાં ચા-નાસ્તો કરી લો. તે પછી જાઓ.

माँ : पहले चाय नाश्ता कर लो। उसके बाद जाओ।

રમણ : ફ ત ચા લઉં છું. મેં ઘરે ચા-નાસ્તો કરી લીધો.

रमण : सिर्फ चाय लेता हूँ। मैंने घर पर चाय नाश्ता कर लिया।

બા : તારી પસંદની વસ્તુઓ મોહનથાળ અને મઠિયાં છે. થોડું તો ખા.

माँ : तेरी पसंद की चीजें मोहन भोग और मठड़ियाँ हैं। थोड़ा तो खा।

મોટાભાઈ : મોહન, બા ઠીક કહી રહી છે. કંઈક તો ખા.

बड़े भाई : मोहन, माँ ठीक कह रही है। कुछ तो खा।

મોહન : રમણ, ઘર શોધવા માટે ભાભીને સાથે કેમ ન લાવ્યો?

मोहन : रमण, घर ढूंढने के लिए भाभी को (तुम्हारे) साथ क्यों नहीं लाया?

રમણ : પહેલાં આપણે કોઈ ઘર તો શોધી લઈએ.

रमण : पहले हम कोई घर तो ढूँढ लें।

મોહન : આ પણ બરાબર છે. આજે તો આપણે જવાહર નગરમાં બે મકાન જોવાનાં છે. ત્યાર પછી ગણેશનગર પણ જવાનું છે. ત્યારબાદ આ છાપાની જાહેર ખબર મુજબ સરસ્વતી નગરમાં પણ બે મકાન જોવાનાં છે.

मोहन : यह भी ठीक है। आज तो हमें जवाहर नगर में दो घर देखने हैं। उसके बाद गणेश नगर भी जाना है। फिर इस अखबार के विज्ञापन के अनुसार सरस्वतीनगर में भी दो घर देखने हैं।

રમણ : વાહ! તેં તો મારા માટે બહુ કામ કર્યું. આજે તો આપણને મકાન મળવાની પૂરી આશા છે.

रमण : वाह! तुमने तो मेरे लिए बहुत काम किया। आज तो हमें घर मिलने की पूरी आशा है।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
નમસ્તે	नमस्कार
મોટાભાઈ	बड़ाभाई
એવું લાગે	ऐसा लगता
બોલાવવું	बुलाना
આવ્યું	आया
સવાર	सुबह
આયોજન	योजना
ક્યાંય	कहीं
ભાડાનું	किराए का
ઘર, મકાન	घर, मकान
શોધવું	ढूंढना
આ જ	यहीं
વાત	बात
લઈ જવું	जाना
માગવું	चाहना (इच्छा के रूप में)
હજી	अभी
વાગ્યા	बजे
છાપું	अखबार
જુઓ	देखिए
જાહેરખબર	विज्ञापन
એકાદ બે	एक दो
ત્યાં	वहाँ
બહુ/ખૂબ/ઘણા	बहुत

દિવસ	दिवस, दिन
પછી	बाद
માસી	मौसी
વ્યસ્ત	व्यस्त
સંબંધી	रिश्तेदार
આ રીતે	इस प्रकार
બીજાના	दूसरों के
ફક્ત	सिर्फ
લેવું	लेना
વસ્તુઓ	चीजें, वस्तुएँ
મોહનથાળ	मोहनभोग
મઠિયાં	मठियाँ/मठड़ियाँ
ખા	खाओ
લાવ્યો	लाया
બતાવીએ	दिखाएँ
બરાબર, સારું, ઠીક	ठीक
ત્યારપછી, ત્યારબાદ	उसके बाद
આ પછી/આના પછી	इस के बाद
મળવું	मिलना

अभ्यास

I कोष्ठक में दिए गए शब्दों के साथ उपयुक्त परसर्ग जोड़ कर वाक्य पूरे कीजिए।
(વિસ્તાર, ઘર, ભાડે, ભાભી, પસંદ)

1. આ _______ ઘર મળે છે.
2. મને ________ઘર જોઈએ.
3. ભાડાના ઘરની_______ જાહેરાત છાપામાં આવે છે.
4. ઘર શોધવા માટે ______ સાથે લે.
5. રમણ તારી ________ નાસ્તો છે.

II कोष्ठक में दिए गए सर्वनामों में से उपयुक्त सर्वनाम चुनकर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।
(**મારા, મારે, તારો, મારો, તું, તને**)

1. હવે______ ભાડે ઘર શોધવું છે.
2. મોહન ________ મિત્ર આવ્યો છે.
3. ચાલ ________ ઘરે જઈએ.
4. ઘણા દિવસ પછી ________ જોઈ રહી છું.
5. અરે રમણ ________ આવી ગયો!

III नीचे दिए गए वाक्यों का सामान्य भूतकालमें परिवर्तन कीजिए।

1. મોહનને સાથે લેવો છે.
2. તું મારા માટે બહું સારું કામ કરી રહ્યો છે.
3. જાહેરાત તારા માટે વાંચુ છું.
4. મોહન તારો મિત્ર આવ્યો છે.
5. છાપામાં જાહેરખબર આવે છે.

IV नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त आज्ञार्थक क्रियारूपों के बहुवचन रूपों का प्रयोग कर नए वाक्य बनाइए।

1. લે આ મઠિયાં ખા.
2. બા નાસ્તો લાવ.
3. ચાલ તૈયાર થા.
4. પહેલાં ચા નાસ્તો કર.
5. તું ઘર જોઈ લે.

V नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाओं का वचन बदल कर नए वाक्य बनाइए।

1. શું કરી રહ્યાં છો?
2. હું છાપું વાંચી રહ્યો છું.
3. તે ઘર જોવા સાથે આવી રહ્યો છે.
4. તે છોકરી જોવા જઇ રહ્યો છે.
5. હું હવે ઘર શોધી રહ્યો છું.

VI कोष्ठक में दिए गए हिंदी सर्वनामों के रूपों केलिए गुजराती सर्वनामों के रूप देकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. જો મોહન ____ મિત્ર આવ્યો છે.(तेरा)
2. હવે__________છાપું વાંચી રહ્યો છું. (मैं)
3. કેમ દીકરા રમણ ઘણે દિવસે_______જોયો. (तुझे)
4. ઘર તો ___________પસંદ પડવું જોઈએ. (उनको)
5. ચાલ_________ ઘરે જઈએ. (तेरे)

VII कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के आज्ञार्थक रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. તો તેને પણ જોઈ ________. (લેવું)
2. આજે તો ઘર શોધીજ_______. (કાઢવું)
3. ચાલ તારા ઘરે __________. (જવું)
4. પહેલાં નાસ્તો કરી ________. (લેવું)
5. ભાભીને પણ સાથે ________. (લેવું)

VIII अभ्यास VII में दिए गए वाक्यों का वर्तमानकाल में परिवर्तन कीजिए।

IX कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर नीचे दिए गए वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

(કોઈ, શું, કેમ, કેટલા, ક્યાં, ક્યા)

1. છાપામાં આવ્યું છે.
2. તેં જાહેરાત વાંચી એમાં આ વિસ્તારની જાહેરખબર હતી.
3. થોડા દિવસ બીજાને ત્યાં રહીએ.
4. તમે મજામાં છો.
5. સારા વિસ્તારમાં ઘર છે.
6. સવારે જવું છે.

X नीचे दिए गए वर्तमान काल के वाक्यों का अपूर्ण वर्तमान काल में परिवर्तन कीजिए।

1. છાપામાં જાહેરખબર આવે છે.
2. ઘણા દિવસે તને જોઉં છું.

3. હમણાં જઈએ છીએ.
4. ઘરનું ઠેકાણું પડતું નથી.
5. ચા-નાસ્તો કરું છું.

XI नीचे दिए गए वाक्यांशो का सही मिलान कर वाक्य बनाइए।

1.	કોઈ સારા વિસ્તારમાં....	1.	કરીલો.
2.	ઘર શોધવા માટે ભાભીને.....	2.	જોવાનાં છે.
3.	પહેલાં ચા-નાસ્તો.....	3.	ઘર છે.
4.	જવાહરનગરમાં મકાન.....	4.	કેવાં થયાં છે.
5.	લો ચાખો, આ મઠિયાં....	5.	કેમ ન લાવ્યો.

XII नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1. એની જરૂર છે.
2. ઘરનું ઠેકાણું પડે છે.
3. ક્યાંય આ વિસ્તારની જાહેરખબર છે.
4. મારે કામ છે.
5. મકાન જોવાનાં છે.

पढ़िए और समझिए

ઘરનું ઘર

ઘર એટલે ધરતી પરનું સ્વર્ગ. અમે ઘર બાંધવાનો વિચાર કર્યો. કેવું

ઘર? 'ફ્લેટ', 'રોહાઉસ', 'સ્વતંત્ર બંગલો', કે 'ટ્વીન હાઉસ'. જાહેરાતો વાંચી. બિલ્ડરોનો સંપર્ક સાધ્યો. જમીનના ભાવ પૂછ્યા, તો ભાવ આસમાને, છેવટે 'ટ્વીન હાઉસ' લેવાનું નક્કી કર્યું. દશેરાના મુહૂર્તે ઘર માટે પૈસા સમયસર ભરી દીધા. બાંધકામ તો ગોકળગતિથી ચાલે, દર રવિવારે ધક્કા ખાધા. કામનો વેગ વધ્યો. કામ કરનાર કારીગરો સાથે વાતચીતથી મૈત્રીપૂર્ણ સંબંધ બાંધ્યો. છેવટે ત્રણ વર્ષબાદ ઘરનો કબજો મળ્યો. નાની-નાની ક્ષતિઓ તો રહી જ ગઈ. કહેવત છે કે ઘર બાંધી જોઈએ અને લગ્ન કરી જોઈએ.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
ધરતી	पृथ्वी
ઘર બાંધવું	घर बनाना
વિચાર કર્યો	विचार किया
બિલ્ડરો	मकान बनाने वाले, ठेकेदार
જમીન	भूमि
ફ્લેટ	घरका एक प्रकार
રોહાઉસ	घरका एक प्रकार
ટ્વીન બંગલો	घरका एक प्रकार
છેવટે	अंत में, आखिरकार
મુહૂર્ત	मुहूर्त
સમયસર	समय से
બાંધકામ	घर बनाने का काम
ગોકળગતિ	चींटी की चाल, धीमीगति
ધક્કા ખાવા	धक्के खाना
વેગ	गति
વધ્યો	बढ़ा
દર રવિવારે	हर रविवार को
વાતચીત	बात चीत
મૈત્રી	मित्रता, दोस्ती
બાંધ્યો	बांधा, बनाया
કબજો	अधिकार, कब्ज़ा
ક્ષતિ	कमियाँ

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ઘરના ક્યા-ક્યા પ્રકાર પાઠમાં બતાવ્યાં છે?

2. ઘરનું બાંધકામ કરવા શું શું કર્યું?
3. શા માટે દર રવિવારે ધક્કા ખાધા?
4. કામ આગળ કેવી રીતે વધ્યું?
5. ઘરનો કબજો મળ્યા બાદ શું દેખાયું?
6. ઘર વિશેની કઈ કહેવત અહીં આપી છે?

II नीचे दिए गए प्रत्येक क्रिया शब्द का उपयोग कर एक-एक वाक्य बनाइए।

વિચાર કર્યો, નક્કી કર્યું, ભાવ પૂછ્યો, ધક્કા ખાધા, વેગ વધ્યો, સંબંધ બાંધ્યો, કબજો મળ્યો.

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

હું નાનપણથી છાત્રાલયમાં રહીને અભ્યાસ કરું છું. શરૂઆતના દિવસોમાં મને છાત્રાલયમાં ફાવતું જ નહીં. એટલે મેં મારા ઘરે પત્ર લખ્યો. પત્રમાં નાસ્તો લાવવા અને મને મળવા માટે મારાં માતા-પિતાને બોલાવ્યાં. જ્યારે તેઓ મને મળવા આવ્યા ત્યારે મેં તેમને કહ્યું કે મને ઘરે લઈ જાઓ, પણ છાત્રાલયના નિયમો અનુસાર વેકેશન વગર ઘરે જઈ શકાય નહીં. એક વખતે હું છાત્રાલય છોડીને નાઠો. પણ મારા મિત્રો મને પાછો લાવ્યા. પછી મેં ઘરે પત્ર લખ્યો તો દ ારેથી મને કોઈ લેવા ના આવ્યું અને બે દિવસ પછી મને પત્ર મળ્યો કે તારે છાત્રાલયમાં જ રહીને ભણવાનું છે. એટલે મેં નક્કી કર્યું કે હવે તો છાત્રાલય એ જ મારું ઘર છે એમ માનીને હું મારા છાત્રાલયને મારું ઘર માનું છું. આ છાત્રાલય એ જ મારું બીજું ઘર છે.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

आज हमें अपने पुराने घर की बहुत याद आ रही है। उस घर में हम चौदह साल रहे। हमारे घर के पास बहुत खुली जगह है। उस में हमने रंगबिरंगे फूलों के पौधे लगाए। आज भी उन पड़ोसियों से हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। हमें सब की बहुत याद आती है। घर के पास एक छोटासा बाजार भी था। हमारी जरूरत की सब चीजें वहाँ मिल जाती थीं। हमारे इस घर के सामने भी खुली जगह है। हमें यहाँ भी एक बगीचा बनाना चाहिए।

V "हमारे पड़ोसी" विषय पर एक छोटा सा अनुच्छेद गुजराती में लिखिए।

પાઠ 7
पाठ

હોટલથી દવાખાને

સુબોધ : રમેશ, આજે તો હું ખૂબ જ થાકી ગયો.

રમેશ : હા, મને પણ એવું લાગે છે. શું કાલે તારે ખૂબ કામ હતું? હું તો તને શોધી રહ્યો હતો.

સુબોધ : હું ઘરે ન હતો.

રમેશ : એ તો મને પણ ખબર છે. કાલે સાંજે તું અને ભાભી ઉતાવળમાં ક્યાં જઈ રહ્યાં હતાં?

સુબોધ : મારી પત્ની અને હું હોટલ ગુરૂકૃપામાં જઈ રહ્યાં હતાં.

રમેશ : એકાએક ગુરૂકૃપામાં કેમ ગયા?

સુબોધ : ગઈકાલે મારા એક મિત્રનાં લગ્નની વર્ષગાંઠ હતી. તેની પાર્ટી ગુરૂકૃપામાં હતી. અમારે સાંજે સાત વાગ્યે ત્યાં પહોંચી જવાનું હતું.

રમેશ : શું એટલે જ તમે લોકો ઉતાવળા જઈ રહ્યાં હતાં?

સુબોધ : હા, મહેમાનોનું સ્વાગત મારે જ કરવાનું હતું.

રમેશ : બધા મળીને કુલ કેટલા મહેમાનો હતાં?

સુબોધ : લગભગ પચાસ માણસો હતાં.

રમેશ : ગુરૂકૃપાનું જમવાનું કેવું હતું?

સુબોધ : ત્યાંનું જમણ હંમેશાં ખૂબ જ સારું હોય છે. જમતાં પહેલાં સૌને પસંદગી પ્રમાણે મોસંબી, સંતરાં, દાડમ, અનાનસ કે કેરીનો રસ આપે છે. પછી જમવાનું.

होटल से दवाखाने

सुबोध : रमेश, आज तो मैं बहुत ही थक गया।

रमेश : हाँ मुझे भी ऐसा लगता है। क्या कल तुम्हें बहुत काम था ? मैं तो तुम्हें ढूंढ रहा था।

सुबोध : मैं घर पर नहीं था।

रमेश : वह तो मुझे भी मालूम है। कल शाम तुम और भाभीजी उतावली में कहाँ जा रहे थे?

सुबोध : मेरी पत्नी और मैं होटल गुरुकृपा जा रहे थे।

रमेश : अचानक गुरुकृपा में क्यों गए ?

सुबोध : कल मेरे एक दोस्त की शादी की सालगिरह थी। उसका पार्टी गुरुकृपा में थी। हमें शाम सात बजे वहाँ पहुँच जाना था।

रमेश : क्या इसी लिए आप लोग जल्दी में जा रहे थे?

सुबोध : जी हाँ! मेहमानों का स्वागत मुझे ही करना था।

रमेश : सब मिलाकर कुल कितने मेहमान थे?

सुबोध : करीब पचास लोग थे।

रमेश : 'गुरुकृपा' का खाना कैसा था?

सुबोध : वहाँ का खाना हमेशा बहुत ही अच्छा होता है। खाने से पहेले सभी को रुचि के अनुसार मोसंबी, संतरा, अनार, अनन्नास या आम का रस देते हैं। बाद में खाना।

રમેશ : તો તો તમને જમવાની ખૂબ જ મજા આવી. ખરું ને?

સુબોધ : હા, ખરેખર. પણ જ્યારે અમે જમી રહ્યાં હતાં ત્યારે સોમનાથ એક માઠા સમાચાર લાવ્યો.

રમેશ : શા સમાચાર હતા?

સુબોધ : જ્યારે મારા નાના ભાઈ પ્રકાશની દીકરી અરૂણા પોતાની બહેનપણીના ઘરેથી આવી રહી હતી ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ ગઈ. તે રસ્તો ઓળંગી રહી હતી ત્યારે આ અકસ્માત થયો.

રમેશ : પછી?

સુબોધ : અમે તરત જ હોટલથી નીકળ્યા અને જલ્દી ઘરે પહોંચ્યાં.

રમેશ : શું અકસ્માત ગંભીર હતો?

સુબોધ : ના ભાઈ. અરૂણાને સાધારણ ઘા વાગ્યો હતો. જ્યારે પ્રકાશ અને મારા ભાભી અરૂણાને દવાખાને લઈ જઈ રહ્યાં હતાં ત્યારે અમે પહોંચ્યા. અમે પણ સાથે ગયા. દાકતરે તેની પ્રાથમિક સારવાર કરી. પછી તેને ઘરે લઈ જવાની રજા આપી. પછી જ્યારે ઘરે પહોચ્યા ત્યારે અગિયાર વાગી ગયા.

રમેશ : હવે અરૂણા કેમ છે?

સુબોધ : હવે તે બિલકુલ ઠીક છે. તે આજે સ્કુલ પણ ગઈ.

રમેશ : ચલો સારું થયું. મોટી દુર્ઘટના ટળી ગઈ. દીકરીનો જીવ બચી ગયો.

रमेश : फिर तो आपको खाने का बहुत मज़ा आया है न ?

सुबोध : हाँ बिलकुल। किंतु जब हम खाना खा रहे थे तब सोमनाथ एक बुरी खबर लाया।

रमेश : क्या खबर थी?

सुबोध : जब मेरे छोटे भाई प्रकाश की बेटी अरुणा अपनी सहेली के घर से आ रही थी तब मोटर से टकरा गई। वह रास्ता पार कर रही थी तब यह दुर्घटना हुई।

रमेश : फिर?

सुबोध : हम तत्काल होटल से निकले और जल्दी घर पहुँचे।

रमेश : क्या दुर्घटना गंभीर थी?

सुबोध : नहीं भाई। अरुणा को साधारण घाव लगा था। जब प्रकाश और मेरी भाभी अरुणा को अस्पताल ले जा रहे थे तब हम घर पहुँचे। हम भी साथ गए। डॉक्टर ने उसका प्राथमिक उपचार किया। फिर उसे घर ले जाने की अनुमति दी। बाद में जब हम घर पहुँचे तब ग्यारह बज गए।

रमेश : अब अरुणा कैसी है ?

सुबोध : अब वह बिलकुल ठीक है। वह आज स्कूल भी गई।

रमेश : चलो ठीक हुआ। बड़ी दुर्घटना टल गई। बेटी की जान बच गई।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
સાંજે	शाम को
ખબર	मालूम, जानकारी

ઉતાવળ	उतावली
લગ્ન	शादी
મહેમાન	अतिथि, मेहमान
પચાસ	पचास
જમવાનું	खाना
શરૂઆત	शुरुआत, आरंभ
મોસંબી	मोसंबी
સંતરા	संतरा
દાડમ	अनार
અનાનસ	अनन्नास
કેરી	आम
માઠા	बुरी
સમાચાર	खबर
ભટકાઈ	टकराई
જલદી	शीघ्र
અકસ્માત	दुर्घटना
નીકળ્યા	निकले
પહોંચ્યા	पहुँचे
ગંભીર	गंभीर
ઘા	घाव जख्म
મોટર	मोटर गाडी कार
દવાખાનું	अस्पताल
દાકતર	डॉक्टर
ઓળંગવું	पार करना
બચવું	बचना

अभ्यास

I **नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।**

1. મારા મિત્રનાં લગ્નની વર્ષગાંઠ હતી.

2. અમે હોટલમાં ગયા.
3. અમે કેરીનો રસ પીધો.
4. તેમણે પૂરી અને ઊંધિયું ખાધું.
5. તું ગુરૂકૃપામાં જઈ રહ્યો હતો.
6. અમે હોટલમાં જમી રહ્યા હતા.
7. અરૂણા બહેનપણીના ઘરેથી આવી રહી હતી.
8. કાલે સાંજે તું અને ભાભી ઉતાવળમાં ક્યાં જઈ રહ્યાં હતાં?
9. એકાએક ગુરૂકૃપામાં કેમ ગયા?
10. શું એટલે જ તમે ઉતાવળા જઈ રહ્યાં હતાં?
11. શું અકસ્માત ગંભીર હતો?
12. શા સમાચાર હતા?
13. મહેમાનોનું સ્વાગત મારે જ કરવાનું હતું.
14. અમારે સાંજે સાત વાગ્યા સુધીમાં પહોંચી જવાનું હતું.
15. મારી પત્ની અને મારે ત્યાં જવાનું હતું.
16. પછી તેને ઘરે લઈ જવાની રજા આપી.
17. દીકરીનો જીવ બચી ગયો.
18. અરૂણા રસ્તો પાર કરી રહી હતી ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ ગઈ.
19. ગુરૂકૃપાનું જમવાનું કેવું હતું?

II उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के तीन-तीन वाक्य बनाइए।

उदाहरण :- તે જઈ રહ્યો છે. (પું.) તે જઈ રહ્યો હતો. (પું.)
તે જઈ રહી છે. (સ્ત્રી.) તે જઈ રહી હતી. (સ્ત્રી.)

1. તે ખાઈ રહ્યો છે.
2. તે કરી રહ્યો છે.
3. તે જમી રહ્યો છે.
4. તે પસંદ કરી રહ્યો છે.
5. તે પહોંચી રહ્યો છે.
6. તે ઓળંગી રહ્યો છે.

III कोष्टक में दिए गए अक्षरों में से उपर्युक्त अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।

1)	ભ__ કા___	6)	દવા___
2)	ઉ__વ__	7)	દા___ત__
3)	ખ___ર	8)	પહોં____
4)	પ___સ	9)	આ___ગવું
5)	મ___મા___	10)	ઉ___ણી

IV उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

(1) उदाहरण :- હું જઈ રહ્યો છું.
હું જઈ રહ્યો હતો.

1. હું આવી રહ્યો છું.
2. હું જમી રહ્યો છું.
3. હું રસ્તો ઓળંગી રહ્યો છું.
4. હું પહોંચી રહ્યો છું.
5. હું કામ કરી રહ્યો છું.
6. હું સ્વાગત કરી રહ્યો છું.

(2) उदाहरण :- તું જઈ રહ્યો છે.
તમે જઈ રહ્યા છો.

1. તું આવી રહ્યો છે.
2. તું જમી રહ્યો છે.
3. તું ઓળંગી રહ્યો છે.
4. તું પહોંચી રહ્યો છે.
5. તું કામ કરી રહ્યો છે.
6. તું સ્વાગત કરી રહ્યો છે.

3. उदाहरण :- તેઓ જઈ રહ્યાં છે. તેઓ જઈ રહ્યાં હતાં.

1. તેઓ ખાઈ રહ્યાં છે.
2. તેઓ કરી રહ્યાં છે.

3. તેઓ જમી રહ્યાં છે.
4. તેઓ રસ્તો ઓળંગી રહ્યાં છે.
5. તેઓ પહોંચી રહ્યાં છે.
6. તેઓ કપડાં પસંદ કરી રહ્યાં છે.

V कोष्ठक में दिए गए प्रश्न वाचक शब्दों में से उपर्युक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजए।

(કેટલાં, ક્યાં, કેમ, કેવી રીતે, શાં, કેવું, શું)

1. સાંજે ઉતાવળમાં_______જઈ રહ્યો હતો?
2. એકાએક ગુરૂકૃપામાં_________ગયો?
3. બધાં મળીને _______ માણસો હતા?
4. ગુરૂકૃપાનું જમવાનું _________ હોય છે?
5. _______ અકસ્માત ગંભીર હતો?
6. અકસ્માત _________ થયો?
7. __________ સમાચાર હતા?

IV बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों को दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों से सही मिलान कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. અરૂણા બહેનપણીના ઘરેથી આવીરહી હતી	1. ત્યારે જ સોમનાથ માઠા સમાચાર લાવ્યો.
2. અમે જમી રહ્યાં હતાં	2. ત્યારે અમે પહોંચ્યા.
3. પ્રકાશ અને મારા ભાભી તેને દવાખાને લઈ જઈ રહ્યાં હતાં	3. ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ ગઈ.

V कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त क्रियारूपों से नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1. સાંજે સાત સુધીમાં પહોંચી _______ હતું. (જા)
2. મહેમાનોનું સ્વાગત મારે _________ હતું. (કર)
3. મારે બજારમાંથી શાક ___________ હતું. (લાવ)
4. મારે શાળામાં સમયસર___________હતું. (પહોંચ)
5. અમારે આજે હોટલમાં __________ હતું. (જમ)

VI पाठ के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सरल वाक्यों में दीजिए।

1. ગઈ કાલે કોના લગ્નની વર્ષગાંઠ હતી?
2. બધા મળીને કુલ કેટલા માણસો હતા?
3. ગુરૂકૃપા હોટલમાં જમતાં પહેલાં શું આપે છે?
4. સોમનાથ ક્યા સમાચાર લાવ્યો?
5. અરૂણાને દવાખાનામાં કોણ લઈ ગયું?
6. અરૂણા ક્યાંથી આવી રહી હતી?

VII कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. જમતાં પહેલાં ______નો રસ આપે છે. (अनार)
2. બધાં મળીને પચાસ ______ હતાં. (लोग)
3. અમે અરૂણાને ______ લઈ ગયાં. (अस्पताल)
4. સોમનાથ______ સમાચાર લાવ્યો. (बुरी)
5. તેને સાધારણ ______ વાગ્યો હતો. (घाव)

पढ़िए और समझिए

અતિવૃષ્ટિ

કચ્છનાં જોવાલાયક સ્થળોની મુલાકાત લેવાની મારે અને મારા મિત્ર અશોકને પણ કચ્છ જોવું હતું. તેથી આ રજાઓમાં અમે કચ્છ ગયાં. અમારા પાડોશી કેશવજીભાઈ સાથે તેમના ગામ પત્રી ગયા. પણ પ્રભુએ કંઈ જુદું જ વિચારેલું. આમ તો કચ્છ રણપ્રદેશ કહેવાય છે. પણ આ વર્ષે મેઘરાજા મન મુકીને વરસી રહ્યાં હતા. નદીઓમાં ખૂબ પૂર આવ્યાં. અસહાય માણસો અને ઢોર પાણીમાં તણાઈ રહ્યાં હતાં. લોકો મેઘરાજાને વિનવી રહ્યા હતા. અમે નિ:સહાય જોઈ રહ્યાં હતા. કુદરતના રૌદ્ર સ્વરૂપનાં અભૂતપૂર્વ દર્શન કરી રહ્યાં હતાં. છેવટે અમે કચ્છથી મુંબઈ પાછાં આવ્યા.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
અતિવૃષ્ટિ	अतिवृष्टि
મુલાકાત	देखना/भेंट

રજાઓમાં	छुट्टियों में
પાડોશી	पड़ोसी
પત્રી	कच्छ के एक गाँव का नाम
કચ્છ	कच्छ, गुजरात का एक प्रांत
રણપ્રદેશ	रेगिस्तान
મેઘ	बादल
મનમૂકીને	जमकर
નદી	नदी
માણસો	लोग
ઢોર	जानवर/पशु
અસાહય	असहाय
તણાઈ	बहना (पानी में)
વિનવી	बिनती
નિઃસહાય	बिना सहाय
કુદરત	कुदरत (प्रकृति)
રૌદ્ર	रौद्र
સ્વરૂપ	स्वरूप
અભૂતપૂર્વ	पहले न हुआ हो ऐसा
દર્શન	दर्शन
મહેમાનગતિ	आतिथ्य/मेहमानदारी

अभ्यास

I **अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. અશોક કચ્છ શા માટે ગયો?
2. કચ્છનો પ્રદેશ કેવો કહેવાય છે?
3. વરસાદના પૂરમાં માણસો અને ઢોરની શી સ્થિતિ હતી?
4. કેશવજીભાઈ કોણ હતા?
5. કેશવજીભાઈના ગામનું નામ શું છે?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त गुजराती शब्द दीजिए।

पड़ोशी, रेगिस्तान, बादल, जानवर, प्रकृति, असहाय, निःशहाय, महेमानगति

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

સવારના આઠ વાગી રહ્યા હતા. અમે બધા મિત્રો દરિયા કિનારે ફરી રહ્યા હતા. અચાનક સામે જોયું તો મોટા-મોટા મોજાઓ આવી રહ્યા હતા. આ મોજાઓ ખૂબ ઊંચા દેખાતા હતા. લોકો ખૂબ ડરી ગયા. બધાં લોકો પોત-પોતાનો જીવ બચાવવા દોડી રહ્યા હતા. અમે બધા મિત્રો પણ જીવ બચાવવા દોડી રહ્યા હતા. આ મોજાઓમાં મારા બે મિત્રો પણ તણાઈ ગયા હતા.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

26 जनवरी 2001 के दिन गुजरात में बहुत बड़ा भूकंप आया। जब भूकंप आया तब सब लोग अपने अपने काम कर रहे थे।

भूकंप के कारण घरती काँप रही थी। भवन गिर रहे थे। लोक भवनों के मलबे के नीचे दब रहे थे। सब तरफ़ हाहाकार मच रहा था। लोग घरों के बाहर भाग रहे थे। किसी को कुछ भी नहीं सूझ रहा था।

फायर बिग्रेड के कर्मचारी बचाव का प्रयत्न कर रहे थे। अनेक समाज सेवी संस्थाएँ भी लोगों की सहायता कर रही थीं।

V किसी देखी हुई दुर्घटना के विषय में गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित क्रियाओं पर ध्यान दीजिए।

1)	હું હોટલ ગુરૂકૃપા જઈ રહ્યો હતો.	मैं होटल 'गुरुकृपा' जा रहा था ।
2)	તું હોટલમાં જઈ રહ્યો હતો.	तूं होटल को जा रहा था।
3)	કાલે સાંજે તું ઉતાવળમાં ક્યાં જઈ રહ્યો હતો.	कल शाम तू जल्दी में कहां जा रहा था?
4)	અરૂણા શાળામાંથી આવી રહી હતી.	अरुणा पाठशाला से आ रही थी।

उपर्युक्त वाक्य अपूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य हैं।

अपूर्ण वर्तमान काल क्रिया के वाक्यों के 'છે' (छे), 'છું' (छुं), 'છો' (छो) के बदले 'હતો' (हतो), 'હતી' (हती), 'હતું' (हतुं), (हतां) क्रियाओं के प्रयोगों से अपूर्ण भूतकालीक रूप बनते हैं।

	एकवचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	હું જઈ રહ્યો હતો.	અમે જઈ રહ્યાં હતાં.
	मैं जा रहा था।	हम जा रहे थे।
मध्यम पुरुष	તું જઈ રહ્યો હતો. (પું.)	તમે જઈ રહ્યાં હતાં. (પું.)
	तू जा रहा था। (पु.)	आप जा रहे थे। (पुं.)
	તું જઈ રહી હતી. (સ્ત્રી.)	તમે જઈ રહ્યાં હતાં. (સ્ત્રી.)
	तूं जा रही थी। (स्त्री.)	आप जा रही थीं। (स्त्री.)
अन्य पुरुष	તે જઈ રહ્યો હતો. (પું.)	તેઓ જઈ રહ્યા હતા. (પું.)
	वह जा रहा था। (पु.)	वे जा रहे थे। (पु.)
	તે જઈ રહી હતી. (સ્ત્રી.)	તેઓ જઈ રહ્યાં હતાં. (સ્ત્રી.)
	वह जा रही थी। (स्त्री.)	वे जा रही थीं। (स्त्री.)
	તે જઈ રહ્યું હતું. (નપું.)	તેઓ જઈ રહ્યા હતા.
	वह जा रहा/रही था/थी। (नपुं.)	वे जा रहे थे।

2. अब दिए गए वाक्यों के क्रियारूपों पर ध्यान दीजिए।

1) સાંજે સાત સુધીમાં પહોંચી જવાનું હતું. शाम सात बजे तक पहुँच जाना था।

2) મહેમાનોનું સ્વાગત મારે કરવાનું હતું. अतिथियों का स्वागत मुझे करना था।

उपर्युक्त वाक्यों में क्रिया की अनिवार्यता का भूतकालिक रूप दिखाया गया है। हिंदी की तरह गुजराती में भी क्रियावाचक संज्ञा के साथ योजक क्रिया के भूतकालिक रूप 'હતો' (हतो) 'था', 'હતી' (हती) 'थी', 'હતું' (हतुं) 'था/थी' (नपुं.) का प्रयोग कर अनिवार्यता बोधक क्रिया का भूतकालिक रूप बनता है।

3. पाठ में आए हुए निम्न वाक्यों के रेखांकित क्रियारूपों पर ध्यान दीजिए।

1) સાંજે સાત સુધીમાં ત્યાં પહોંચી જવાનું હતું. शाम सात बजे तक वहाँ पहुँच जाना था।

2)	પછી તેને ઘરે લઈ જવાની રજા આપી.	फिर उसे घर ले जाने की अनुमती दी।
3)	દીકરીનો જીવ બચી ગયો.	बेटी की जान बच गई।
4)	અરૂણા રસ્તો પાર કરી રહી હતી. ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઇ ગઇ.	अरुणा रास्ता पार कर रही थी, तब मोटर से टकरा गई।

समझिए कि उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप संयुक्त क्रियाएँ हैं। मुख्य क्रियाओं के मूल रूपों से सहायक क्रिया 'જા' (जा) 'जा' के विविध रूपों का प्रयोग हुआ है। इस प्रकार सहायक क्रिया 'જા' (जा) जोडने से मुख्य क्रिया पूर्ण रूप से होने का बोध होता है।

ગુરૂકૃપાનું જમવાનું કેવું હતું? — गुरुकृपा का खाना कैसा था?

4. देखिये कि गुजराती में क्रियावाचक संज्ञा 'જમવાનું' (जमवानुं) -'खाना' के साथ 'નું' (नुं) 'का' परसर्ग का प्रयोग भी होता है परंतु हिंदी में इस प्रकार परसर्ग का प्रयोग नहीं होता।

5.

1)	જ્યારે અમે જમી રહ્યાં હતાં ત્યારે સોમનાથ માઠા સમાચાર લાવ્યો.	जब हम खा रहे थे तब सोमनाथ बुरी खबर लाया।
2)	જ્યારે અરૂણા પોતાની બહેનપણીના ઘરેથી આવી રહી હતી ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ.	जब अरुणा अपनी सहेली के घर से आ रही थी तब मोटर से टकराई।
3)	અમારા પાડોશી તેને દવાખાને લઈ જઈ રહ્યાં હતાં ત્યારે અમે પણ સાથે ગયાં.	हमारे पड़ोसी उसे अस्पताल ले जा रहे थे तब हम भी साथ गए।
4)	તે રસ્તો ઓળંગતી હતી ત્યારે મોટર સાથે ભટકાઈ.	वह रास्ता पार कर रही थी तब मोटर से टकराई।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'જ્યારે... 'ત્યારે' (जब-तब) सहसंबंध सूचक अव्यय शब्द के प्रयोग वाले वाक्यों के समान हैं। हिंदी की ही तरह कभी-कभी 'જ્યારે' (ज्यारे) - (जब) का लोप होता है।

6. ध्यान दीजिए कि इस पाठ में नीचे दिए गए रेखांकित प्रश्नवाचक शब्दों का भी प्रयोग हुआ है।

1)	ગુરૂકૃપાનું જમવાનું <u>કેવું</u> હતું?	'गुरुकृपा' का खाना <u>कैसा</u> था?
2)	અકસ્માત <u>કેવી રીતે</u> થયો?	दुर्घटना <u>किस प्रकार</u> हुई?
3)	એકાએક ગુરૂકૃપામાં <u>કેમ</u> ગયા?	अचानक गुरुकृपा में <u>क्यों</u> गए?

પાઠ
पाठ 8

ચાલો ગાંધીનગર

વિદ્યાર્થી: સર, અમે દિવાળીની રજાઓમાં ફરવા જવાનો વિચાર કરી રહ્યા છીએ.

ભોલાનાથ: આ વખતે બોર્ડની પરીક્ષા છે. બધા વિદ્યાર્થીઓ પોત-પોતાના ઘરે અભ્યાસ પૂરો કરશે.

નીરવ: સર, અમે અમારો અભ્યાસ પ્રવાસ જતાં પહેલાં પૂરો કરીશું.

ભોલાનાથ: સારું, દિવાળીની રજાઓમાં તમારે ક્યાં જવું છે?

નીરવ: સર, આ વખતે આપણે ઉત્તર ગુજરાતના પ્રવાસનો કાર્યક્રમ બનાવીશું.

ભાવના: ઉત્તર ગુજરાતમાં તો આપણે બે વર્ષ પહેલાં જ ગયેલાં. આ વર્ષે કોઈ નવું જ સ્થળ પસંદ કરીએ.

હર્ષા: સર, આપણે આ વર્ષે ગાંધીનગર જઈશું.

બધા વિદ્યાર્થીઓ: હા, હા ગાંધીનગર જ જઈશું.

ભોલાનાથ: મને કશો જ વાંધો નથી. આપણે ગાંધીનગર જ જઈશું.

તુષાર: પણ ગાંધીનગરમાં શું શું જાણવા જેવું અને જોવા જેવું છે?

વિપુલ: ગાંધીનગર એક મોટું અને સુંદર શહેર છે.

જયશ્રી: ગુજરાત રાજ્યનું એ પાટનગર છે.

चलो गांधीनगर

विद्यार्थी: सर, हम दिवाली की छुट्टियों में घूमने जानेका विचार कर रहे हैं।

भोलानाथ: इस बार बोर्ड की परीक्षा है। सब विद्यार्थी अपने-अपने घर पर अभ्यास पूरा करेंगे।

नीरव: सर, हम अपना अभ्यास प्रवास पर जाने से पहले पूरा करेंगे।

भोलानाथ: ठीक है। दिवाली की छुट्टियों में तुम्हें कहाँ जाना है ?

नीरव: सर, इसबार हम उत्तर गुजरात के प्रवास का कार्यक्रम बनाएँगें।

भावना: उत्तर गुजरात में तो हम दो साल पहले ही गए थे। इस साल कोई नया ही स्थल पसंद करें।

हर्षा: सर, इस साल हम गांधीनगर जाएँगे।

सभी विद्यार्थी: हाँ, हाँ गांधीनगर ही जाएँगे !

भोलानाथ: मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

तुषार: हम गाँधीनगर ही चलेंगे। लेकिन गांधीनगर में क्या-क्या देखने और जानने योग्य है ?

विपुल: गांधीनगर एक बड़ा और सुंदर शहर है।

जयश्री: गुजरात राज्य की यह राज्यधानी है।

તુષાર: એ તો ખબર છે. પણ ત્યાં જોવા જેવું શું શું છે?

ભોલાનાથ: ત્યાં ફરવા જેવાં ઘણાં સ્થળો છે, તે વિશે હું તમને માહિતી આપીશ.

વિનોદ: સર, આપણે ગાંધીનગર ક્યારે અને કેવી રીતે જઈશું?

ભોલાનાથ: આપણે બધાં ૨૬મી ઑક્ટોબરે સવારે સાત વાગે વડોદરાથી ટ્રેનમાં નીકળીશું.

સરલા: સર, ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય લાગશે?

ભોલાનાથ: આપણને ત્યાં જતાં ત્રણ કલાક લાગશે.

હર્ષા: ગાંધીનગરમાં આપણે ક્યાં રોકાઈશું?

ભોલાનાથ: આપણે પથિકાશ્રમમાં રોકાઈશું. ત્યાં મારી સારી ઓળખાણ છે.

જયશ્રી: ત્યાં પહોંચ્યા પછી આપણો કાર્યક્રમ શો હશે?

ભોલાનાથ: જુઓ, ત્યાં પહોંચી ગયા પછી બપોરે જમીને આરામ કરીશું. સાંજે 'સ્પોર્ટ્સ કૉમ્પલેક્સ', 'યુથ હોસ્ટેલ' અને 'પંચદેવ મંદિર' વગેરે જોઈને પથિકાશ્રમ પાછા આવીશું.

વિનોદ: બીજે દિવસે આપણે સેક્ટર અઠ્યાવીસનું બાળઉદ્યાન અને ઈન્દ્રોડા પાર્ક જોવા જઈશું. એ ખૂબ જ મોટો બગીચો છે.

નીરવ: આપણે મીની ટ્રેન અને હોડીમાં પણ બેસશું.

ભોલાનાથ: આ બધું પુંરું કરીને સાંજે આપણે રાજભવન જોવા જઈશું. હું રાજ્યપાલની મંજૂરી લઈ

तुषार: यह तो मालूम है। पर वहाँ देखने योग्य क्या-क्या हैं?

भोलानाथ: वहाँ घूमने योग्य बहुत स्थान हैं। इस के बारे में मैं तुम्हें जानकारी दूँगा।

विनोद: सर, हम गाँधीनगर कब और कैसे जाएँगे?

भोलानाथ: हम सब 26 अक्टूबर की सुबह सात बजे बड़ोदरा से ट्रेन में निकलेंगे।

सरला: सर, गांधीनगर पहुँचने में कितना समय लगेगा ?

भोलानाथ: हमें वहाँ जाने में तीन घंटे लगेंगे !

हर्षा: गांधीनगर में हम कहाँ ठहरेंगे !

भोलानाथ: हम 'पथिकाश्रम' में ठहरेंगे। वहाँ मेरी अच्छी पहचान है।

जयश्री: वहाँ पहुँचने के बाद हमारा कार्यक्रम क्या होगा ?

भोलानाथ: देखिए, वहाँ पहुँचने के बाद दोपहर का खाना खाकर आराम करेंगे। शाम को 'स्पोर्ट्स-काम्पलेक्स', 'यूथ होस्टल' और 'पंचदेव मंदिर' आदि देखकर पथिकाश्रम वापस आएँगे।

विनोद: दूसरे दिन हम सेक्टर अट्ठाविस का 'बालोद्यान' और 'इंद्रोड़ा पार्क' देखने जाएँगे। वह बहुत बड़ा उद्यान है।

नीरव: हम मिनी ट्रेन और नाव में भी बैठेंगे।

भोलानाथ: यह सब खत्म कर के शाम को हम राजभवन देखने जाएँगे। मैं राज्यपाल से मंजूरी ले लूँगा।

લઈશ.

સરલા: સર, ત્યાં ગુલાબનો બગીચો ખૂબ જ સુંદર છે.

ભોલાનાથ: આપણે તે પણ જોવા જઈશું. એ ઉપરાંત સચિવાલય અને વિધાનસભા ગૃહ પણ જોવા જઈશું.

ભાવના: છેલ્લે આપણે સાબરમતીને કાંઠે આવેલ સરિતા ઉદ્યાન જોવા પણ જઈશું.

ભોલાનાથ: આ પ્રમાણે આપણે ત્રણ દિવસનો પ્રવાસ પૂરો કરીશું. પછી વડોદરા પાછા આવીશું.

વિનોદ: આવતા બુધવારે તો આપણે ગાંધીનગરમાં ફરી રહ્યાં હોઈશું.

સરલા: હા, અત્યારે તો અમે હોડીમાં બેસીને ફરી રહ્યાં હોઈશું.

નીરવ: હું તો મીની ટ્રેનમાં બેસીને ફરી રહ્યો હોઈશ. બંને એક જ જગ્યાએ છે ને?

હર્ષા: હું તો એક પછી એક બંનેમાં બેસીશ.

ભાવના: સાંજે તો આપણે બધાં પંચદેવ મંદિરમાં દર્શન કરી રહ્યાં હોઈશું.

ભોલાનાથ: તમે બધાં તો અત્યારથી જ સપનાં જોવા લાગ્યાં. બહુ સરસ તમારા બધાંનાં કહેવા મુજબ આવતા બુધવારે આપણે બધાં પ્રવાસમાં મજા કરી રહ્યાં હોઈશું.

બધા વિદ્યાર્થીઓ: હા સર, હા સર, ખૂબ જ મજા આવશે.

सरला: सर, वहाँ गुलाब का उद्यान बहुत ही सुंदर है।

भोलानाथ: हम वह भी देखने जाएँगे। उसके अलावा सचिवालय और विधान सभागृह भी देखने जाएँगे।

भावना: आखिर में हम साबरमती नदी के तट पर स्थित सरिता उद्यान भी देखने जाएँगे।

भोलानाथ: इस प्रकार हम तीन दिनका प्रवास पूरा करेंगे। बाद में बड़ोदरा वापस आएँगे।

विनोद: अगले बुधवार को तो हम गांधीनगर में घूम रहे होंगे।

सरला: हाँ, इस वक्त तो हम नाव में बैठ कर घूम रहे होंगे।

नीरव: मैं तो मिनी ट्रेन में बैठकर घूम रहा होऊँगा। दोनों एक ही जगह पर हैं न ?

हर्षा: मैं तो एक के बाद एक दोनो में बैठूंगी।

भावना: शाम को तो हम सब पंचदेव मंदिर' में दर्शन कर रहे होंगे।

भोलानाथ: आप लोग तो अभी से ही सपने देखने लगे। बहुत अच्छा। आप सबके कहने के अनुसार आगामी बुधवार को हम सब प्रवास में आनन्द ले रहे होंगे।

सब विद्यार्थी: हाँ सर, हाँ सर, खूब मज़ा आएगा।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
દિવાળી	दीपावली
રજા	छुट्टी
વિદ્યાર્થી	छात्र/विद्यार्थी
પ્રવાસ	प्रवास/यात्र
ઉત્તર	उत्तर (दिशा)
ગુજરાત	गुजरात
સ્થળ	स्थल/जगह
ગાંધીનગર	गांधीनगर (गुजरात राज्य की राजधानी)
વાંધો	हर्ज/अपत्ति
જાણવા જેવું	जानना जैसा/योग्य
મોટું	बड़ा
સુંદર	सुंदर
પાટનગર	राजधानी का शहर
ફરવા	घूमना
પાછા	वापस
ઑક્ટોબર	अक्टूबर
બુધવારે	बुधवार
નીકળીશું	निकलेंगे
જમીને	खा कर
પહોંચવું	पहुँचना
આરામ	विश्राम
રોકાવવું	ठहरना
મંદિર	मंदिर
ઓળખાણ	पहचान
ઉપરાંત	अलावा
સાબરમતી	साबरमती (नदी का नाम)
મંજૂરી	मंजूरी

લેવી	लेना
કાંઠો	तट
છેલ્લે	आखिर में
જગ્યા	जगह

अभ्यास

I **नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग कर एक-एक वाक्य बनाइए।**

પ્રવાસ, રજા, સ્થળ, પહોંચવું, ઓળખાણ, સુંદર

II **नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।**

1\. 1) આપણે ઉત્તર ગુજરાતનો પ્રવાસ ગોઠવીશું?
2) દિવાળીની રજાઓમાં આપણે ક્યાં જઈશું?
3) બપોરે જમીને આરામ કરીશું.
4) સાંજે મંદિરમાં દર્શન કરવા જઈશું.
5) આપણે મીની ટ્રેનમાં બેસીશું.

2\. 1) આપણે ગાંધીનગરમાં ફરી રહ્યાં હોઈશું.
2) અમે હોડીમાં બેસીને ફરી રહ્યાં હોઈશું.
3) હું મીની ટ્રેનમાં બેસીને ઘૂમી રહ્યો હોઈશ.
4) હું ગુલાબના બગીચામાં ફરી રહી હોઈશ.

3\. 1) ગાંધીનગરમાં જાણવા જેવું શું છે?
2) ત્યાં જોવા જેવું શું છે?
3) ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય લાગશે?
4) બપોરે જમીને આરામ કરીશું.
5) આપણે મીની ટ્રેનમાં બેસીને ફરીશું.
6) ત્યાં ઘણાં ફરવા જેવાં સ્થળો છે.
7) આપણને ત્યાં જતાં ત્રણ કલાક થશે.

III उदाहरण के अनुसार दिए गए क्रिया रूपों का सभी सर्वनामों के साथ प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. उदाहरण :- હું જઈશ.
અમે જઈશું.
તું જઈશ.
તમે જશો.
તે જશે.
તેઓ જશે.
(1) જોઈશ (2) ફરીશ (3) રમીશ (4) દોડીશ (5) આવીશ.

2. રમવું :- હું રમી રહ્યો હોઈશ.
અમે રમી રહ્યા હોઈશું.
તું રમી રહ્યો હોઈશ.
તમે રમી રહ્યો હશો.
તે રમી રહ્યો હશે.
તેઓ રમી રહ્યાં હશે.
(1) ફરવું (2) દોડવું (3) જમવું (4) આવવું.

III उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए क्रिया रूपों से चार-चार वाक्य बनाइए।

उदाहरण : તે જઈ રહ્યો હશે.
તે જઈ રહી હશે.
તે જઈ રહ્યું હશે.
તેઓ જઈ રહ્યાં હશે.
(1) ખાવું (2) વાંચવું (3) બોલવું (4) ફરવું (5) રમવું.

IV नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक के शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) ગાંધીનગરમાં જાણવા જેવું શું છે?
((1) માણ (2) ફર)

2) ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય લાગશે?
((1) જા (2) આવ)

3) ત્યાં ફરવા જવા જેવાં ઘણાં સ્થળો છે.
((1) રમ (2) દોડ)

4) આપણે જમીને આરામ કરશું.
((1) રમ (2) વાંચ)

V उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : હું રમીશ.
હું રમી રહ્યો હોઈશ.

1) હું ખાઈશ.
2) તું જમીશ.
3) તે રમશે.
4) અમે જઈશું.
5) તમે બોલશો.
6) તેઓ ફરશે.

VI कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के भविष्यत् काल के उपयुक्त रूप दे कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) આપણે ઉત્તર ગુજરાતનો પ્રવાસ__________? (ગોઠવવું)
2) દિવાળીની રજાઓમાં આપણે ક્યાં ________? (જવું)
3) ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય ________? (લાગવું)
4) સાંજે મંદિરની મુલાકાત __________. (લેવું)
5) આપણે મીની ટ્રેનમાં __________. (બેસવું)
6) બપોરે જમીને આપણે આરામ _____. (કરવું)

VII कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. 1) આપણે ગાંધીનગરમાં ___________ .(घूम रहे होंगे)
2) હું હોડીમાં બેસીને ______________. (घूम रहा हूँगा)
3) હું ગુલાબના બગીચામાં __________ . (घूम रही हूँगी)
4) અમે હોડીમાં બેસીને ________.(घूम रहे होंगे)

2. 1) મારે ________ પાણી જોઈએ છે. (पीने के लिए)
 2) તેમને ________ ચોપડીઓ જોઈએ છે. (पढने के लिए)
 3) તારે ________ પેન જોઈએ છે. (लिखने के लिए)
 4) તેને ________ ફળ જોઈએ છે. (खाने के लिए)
 5) અમારે ________ બૉલ જોઈએ છે. (खेल ने के लिए)

VIII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1. उदाहरण :- અમે ગાંધીનગર જઈશું.
 અમે ગાંધીનગર જઈશું નહીં.
 1) અમે રમશું.
 2) તું બોલીશ.
 3) તે ફરશે.
 4) તેઓ કરશે.
 5) તમે કરશો.
 6) હું જમીશ.

2. उदाहरण :- હું રમી રહ્યો હોઈશ.
 હું રમી રહ્યો હોઈશ નહીં.
 1) તું બોલી રહ્યો હોઈશ.
 2) તે ખાઈ રહી હશે.
 3) તેઓ ફરી રહ્યાં હશે.
 4) અમે વાંચી રહ્યા હોઈશું.
 5) તું જમી રહ્યો હોઈશ.

IX उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य जोड़ियों को जोड़ कर एक-एक वाक्य बनाइए।

उदाहरण :- અમે બગીચો જોયો.
અમે મંદિર ગયા.
અમે બગીચો જોઈને મંદિર ગયા.

1) અમે નાસ્તો કર્યો.
   અમે આરામ કર્યો.
2) તે મંદિર દર્શન કરવા ગયો.
   તે પથિકાશ્રમ પાછા આવ્યા.
3) હું મારી બહેનપણીના ઘરે જઈશ.
   હું તેની સાથે રમીશ.
4) તેણે પહેલાં ચોપડી વાંચી.
   તેણે જવાબ લખ્યા.
5) તેઓ બજાર ગયાં.
   તેઓ ઊંધિયું લાવ્યા.

X उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के दो-दो वाक्य बनाइए।

उदाहरण :- હાથ-પગ ધોઈને અંદર આવ.
હાથ-પગ ધો.
પછી અંદર આવ.

1) તું ચોપડી વાંચીને લખવા બેસ.
2) હું જમીને ફિલ્મ જોવા જઈશ.
3) અમે ગાંધીનગર જઈને સરીતા ઉદ્યાન જોવા ગયા.
4) અમે હોટલમાં જઈને લગ્નની વર્ષગાંઠ મનાવી.
5) અમે નાસ્તો કરીને ચા પીધી.

पढ़िए और समझिए

ગાંધી જયંતી

આ વર્ષે આપણે બીજી ઑક્ટોબરે ગાંધી જયંતી ઉજવવા માટે સાબરમતીના ગાંધી આશ્રમમાં જઈશું. આપણી સાથે આચાર્યશ્રી પણ આવશે. તેઓ આપણને ગાંધી સંગ્રહાલય બતાવશે. ત્યાં ગાંધીજીના જીવન સંબંધીત ઘણી વસ્તુઓનો સંગ્રહ છે. ગાંધી જયંતીના દિવસે સાબરમતી આશ્રમના કાર્યકરોની વિવિધ કાર્યક્રમોનું આયોજન કરશે. પરોઢિએ 'પ્રભાતફેરી' કરીને 'પ્રાર્થના' થશે. 'સફાઈ યજ્ઞ' પણ થશે. તે જ દિવસે 'અખંડ કાંતણ'નો કાર્યક્રમ પણ થશે. તે સિવાય ગાંધીજીના આદર્શો પર વિશિષ્ટ મહેમાનોનાં ભાષણ થશે. ત્યાંના કાર્યકરો ખાદી ગ્રામોદ્યોગ વિશેની માહિતી પણ આપશે. સાંજે સાત વાગે 'લાઈટ એન્ડ સાઉન્ડ શો' થશે. આ બધા જ કાર્યક્રમોમાં આપણે સૌ ભાગ લઈશું.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
ગાંધીજયંતી	गांधीजी का जन्मदिन
ગાંધી આશ્રમ	गांधीजी का आश्रम
ઉજવવા	मनाने
આચાર્ય	प्राचार्य
સંગ્રહાલય	संग्रहालय
કાંતવું	सूत निकालना
સંબંધીત	संबंधित
કાર્યક્રમ	कार्यक्रम
ભાષણ	भाषण
ખાદી	खादी
ગ્રામોદ્યોગ	ग्रामोद्योग
ભાગ	हिस्सा

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) ગાંધી જયંતીને દિવસે બાળકો ક્યાં જશે?
2) બાળકોની સાથે કોણ આવશે?
3) બાળકો કઈ વસ્તુઓ જોઈ રહ્યાં હશે?
4) આશ્રમમાં કયા કયા કાર્યક્રમો હશે?
5) ગાંધી જયંતીના દિવસે આશ્રમમાં કોનાં ભાષણો થશે?
6) આશ્રમમાં સાંજે સાત વાગે શું બતાવવામાં આવે છે?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त गुजराती शब्द दीजिए।

मनाने, सूत निकालना, हिस्सा, प्राचार्य

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

આ ઉનાળાની રજાઓમાં હું અને મારી બહેનપણી સરલા નાટ્ય શિબિરમાં ભાગ લઈશું. મારી બીજી બહેનપણી સંગીત શિબિરમાં ભાગ લઈ રહી છે. આવતા શુક્રવારે તો અમે શિબિરમાં પહોંચી ગયા હોઈશું. અમે ગુરૂજી પાસેથી અભિનય શીખી રહ્યાં હોઈશું. શીખ્યા પછી જુદાં-જુદાં નાટકોમાં અભિનય કરી રહ્યાં હોઈશું. ત્યાં અમે નવા મિત્રો પણ બનાવી રહ્યાં હોઈશું. અમારી શિબિર એક અઠવાડિયાની છે. પછીના શુક્રવારે તો અમે ઘરે પાછાં આવી રહ્યાં હોઈશું.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
ઉનાળો	गरमी (ऋतु)/ग्रीष्मऋतु
નાટ્ય	नाट्य/नाटक
શિબિર	शिविर
લઈશું	लेंगे
આવતા	आनेवाले
શુક્રવારે	शुक्रवार
અભિનય	नाटक खेलना
અઠવાડિયું	सप्ताह
પાછાં	वापस

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

मैं उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध नगर आगरा देखना चाहता हूँ। इसलिए दशहरे की छुट्टियों में मैं आगरा जा रहा हूँ। मैं वहाँ की ऐतिहासिक इमारतें देखूँगा। ऐतिहासिक इमारतों में आगरे का किला, ताजमहल, फतेहपुरसीकरी और ऐतमादौला प्रसिद्ध हैं। इन सब को अवश्य देखूँगा। शायद मेरा मित्र राकेश भी मेरे साथ आएगा। कल वह मेरे यहाँ आएगा तब हम दोनों बैठकर आगरा जानेके कार्यक्रम के बारे में चर्चा करेंगे।

V भारत के किसी ऐतिहासिक स्थान के विषय पर गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए।

1)	આપણે ઉત્તર ગુજરાતનો પ્રવાસ ગોઠવીશું.	हम उत्तर गुजरात के प्रवास का आयोजन करेंगे।
2)	દિવાળીની રજાઓમાં આપણે ક્યાં જઈશું?	दिवाली की छुट्टियाँ में हम कहाँ जाएँगे?
3)	ગાંધીનગર પહોંચતાં કેટલો સમય લાગશે?	गांधीनगर पहुँचने में कितना समय लगेगा?
4)	આપણે મીની ટ્રેનમાં બેસીશું.	हम मिनी ट्रेन में बैठेंगे।

उपर्युक्त वाक्य भविष्यत कालिक क्रियाओं के वाक्य हैं। भविष्यत् काल की क्रिया के वाक्यों में गुजराती में 'છે' 'छे', 'છું' 'छु', 'છો' 'छो' के बदले भविष्यत् काल में 'હોઈશ', 'હશો', 'હશે' क्रियाओं का प्रयोग होता है। यह हिंदी की 'होंगे', 'होगा' क्रियाओं के प्रयोग के समान हैं। ये क्रियाएँ किस प्रकार बदलती हैं, यह नीचे बताया गया है।

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	હું હોઈશ.	અમે હોઈશું.
मध्यम पुरुष	તું હોઈશ.	તમે હશો.
अन्य पुरुष	તે હશે.	તેઓ હશે.

2.

1)	હું મીની ટ્રેનમાં બેસીને ઘૂમી રહ્યો હોઈશ.	मैं मिनी ट्रेन में बैठकर घूम रहा होऊँगा।
2)	હું ગુલાબના બગીચામાં ઘૂમી રહી હોઈશ.	मैं गुलाब के बगीचे में घूम रही होऊँगी।
3)	આપણે ગાંધીનગરમાં ફરી રહ્યાં હોઈશું.	हम गांधीनगर में घूम रहे होंगे।

उपर्युक्त वाक्य अपूर्ण भविष्यत् काल के रूप हैं। इन वाक्यों में उपर्युक्त क्रियाएँ अपूर्ण वर्तमान के रूपों की तरह बनती हैं। अपूर्ण वर्तमान काल में जिस प्रकार मूलक्रिया + 'રહ્યો' रह्यो/ 'રહી' (रही)/ 'રહ્યું' (रह्युं) + 'છું' (छुं)/ 'છે' (छे) / 'છો' (छो) का प्रयोग होता है, उसी प्रकार अपूर्ण भविष्यत्काल में मूल क्रिया + 'રહ્યો' (रह्यो)/ 'રહી' (रही)/ 'રહ્યું' (रह्यु) + 'હોઈશ' (होईश), 'હશે' (हशे), 'હશો' (हशो) का प्रयोग होता है। यह हिंदी के 'होऊंगा', 'होंगे', 'होगा', क्रियारूपों के समान है।

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	હું જઈ રહ્યો હોઈશ.	અમે જઈ રહ્યા હોઈશું
	હું જઈ રહી હોઈશ.	અમે જઈ રહ્યાં હોઈશું.
मध्यम पुरुष	તું જઈ રહ્યો હોઈશ.	તમે જઈ રહ્યા હશો.
	તું જઈ રહી હોઈશ.	તમે જઈ રહ્યાં હશો.
अन्य पुरुष	તે જઈ રહ્યો હશે.	તેઓ જઈ રહ્યા હશે.
	તે જઈ રહી હશે.	તેઓ જઈ રહ્યાં હશે.
	તે જઈ રહ્યું હશે.	

3. 1) ગાંધીનગર <u>પહોંચતાં</u> કેટલો સમય લાગશે? — गांधीनगर <u>पहुँचने में</u> कितना समय लगेगा ?

2) આપણને ત્યાં <u>જતાં</u> ત્રણ કલાક થશે. — हमें वहाँ <u>जाने में</u> तीन घण्टे लगेंगे।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द वर्तमान कालिक कृदंत है। गुजराती में मूल क्रिया के साथ 'તો' (तो)/ 'તી' (ती)/ 'તું' (तुं) / 'તાં' (तां) प्रत्यय लगाने से ये रूप बनते हैं।

हिंदी में ऐसे प्रयोग संज्ञार्थक कृदंत के तिर्यकरूप के साथ 'में' परसर्ग जोड़ने से होते हैं।

4. 1) ત્યાં <u>જોવા</u> જેવું શું છે? — वहाँ <u>देखने के</u> लिए क्या है ?

2) ત્યાં ઘણાં <u>ફરવા જવા</u> જેવાં સ્થળો છે. — वहाँ घूमने <u>जाने के</u> लिए बहुत स्थान हैं।

उपयुक्त वाक्यों में रेखांकित क्रिया शब्द 'જોવા' (जोवा), 'ફરવા' (फरवा) हिंदी के 'देखना', 'घूमना', जैसे संज्ञार्थक कृदंतों के समान हैं। गुजराती में मूल क्रिया के साथ 'વા' प्रत्यय लगने से ये रूप बनते हैं। उपर्युक्त वाक्यों में ये रूप क्रियाओं के हेतु भी बताते हैं।

1)	આપણે બપોરે જમીને આરામ કરીશું.	हम दोपहर में खाना कर आराम करेंगे।
2)	આપણે મીની ટ્રેનમાં બેસીને ફરીશું.	हम मिनी ट्रेन में बैठ कर घूमेंगे।
3)	આપણે યુથ હોસ્ટેલ અને પંચદેવ મંદિર જોઈને પથિકાશ્રમ પાછા આવીશું.	हम यूथहोस्टेल और पंचदेव मंदिर देखकर पथिकाश्रम वापस आएँगे।

वाक्यों में रेखांकित शब्द हिंदी के 'बैठकर', 'खा कर' जैसे पूर्वकालिक कृदंतों के प्रयोगों के समान हैं। गुजराती में मूल क्रिया के साथ 'ઈ' (ई), 'ઈને' (ईने) प्रत्यय लगाने से ये कृदंत रूप बनते हैं। हिंदी में पूर्वकालिक कृदंत के साथ 'कर' क्रिया का प्रयोग होता है। गुजराती के समान प्रत्ययों का प्रयोग नहीं होता।

પાઠ 9
पाठ

અમારા પડોશી

સેજલ: આવો રૂપાબહેન, અમારા નવા ઘરમાં તમારું સ્વાગત છે.

રૂપા: આભાર. બહેન તમારું ઘર તો ખૂબ જ સુંદર છે.

સેજલ: અમને પણ નવું ઘર અને નવા પડોશીઓ સારા લાગ્યા.

રૂપા: તમારું ઘર તો સુંદર છે જ. પણ બધા પડોશીઓ વિશે તમે કેવી રીતે જાણો છો.

સેજલ: બધાંનો તો હજી પરિચય થયો નથી. પણ આપ ભલા તો જગ ભલા, ખરુંને. રૂપાબહેન તમારાં બાળકો અને પ્રશાંતભાઈ ક્યાં ગયા છે?

રૂપા: બાળકો રમવા ગયાં છે અને એ તો હજી ઑફિસથી પાછા આવ્યા નથી.

સેજલ: શું બાળકો આજે નિશાળ નથી ગયાં?

રૂપા: તે નિશાળથી આવી ગયાં છે અને તેમના મિત્રોની સાથે રમવા ગયાં છે.

સેજલ: બેસોને, તમારે શી ચિંતા છે? તમારાં સાસુ તો કામગરાં છે.

રૂપા: હા, મારે તો કોઈ જ ચિંતા નથી. અમારી કામ કરવાવાળી બાઈ પણ સારી છે.

સેજલ: તમે ખરેખર ભાગ્યશાળી છો. શું કામવાળી બાઈ રસોઈનું કામ પણ કરે છે?

हमारे पड़ोसी

सेजल: आइए रूपा बहन। हमारे नए घर में आपका स्वागत है।

रूपा: बहनजी आपका घर बहुत ही सुंदर है।

सेजल: हमें भी नया घर और नए पड़ोसी अच्छे लगे।

रूपा: आपका घर तो सुंदर है ही। लेकिन सब पड़ोसीयों के बारे में आप कैसे जानती हैं।

सेजल: सब का तो अभी परिचय नहीं हुआ। लेकिन, हम भले तो जग भला। सच है न! रूपा बहन आपके बच्चे और प्रशांत भाई कहाँ गए हैं ?

रूपा: बच्चे खेलने गए हैं और वे तो आफिस से अभी लौटे नहीं।

सेजल: क्या बच्चे आज स्कूल नहीं गए हैं?

रूपा: वे स्कूल से लौट आए हैं और अपने मित्रों के साथ खेलने गए हैं।

सेजल: बैठिए न, आपको क्या फिकर है ? आपकी सास तो उद्यमी हैं।

रूपा: हाँ। मुझे तो कुछ भी चिंता नहीं है। हमारी काम वाली बाई भी अच्छी है।

सेजल: आप सचमुच बहुत भाग्यशाली हैं। क्या कामवाली बाई रसोई का काम भी करती है ?

રૂપા: ના, તે રસોઈનું કામ નથી કરતી. તે ઘરનાં બીજા બધાં કામ કરે છે.

સેજલ: તે સવારે કેટલા વાગે આવે છે?

રૂપા: તે સવારે નથી આવતી. ફક્ત સાંજે આવે છે. અત્યારે તો તેણે કચરો-પૂંજો કાઢી લીધો હશે. કપડાં પણ ધોઈ લીધાં હશે. અને પાણી પણ ભરી લીધું હશે.

સેજલ: શું કામવાળી બાઈ કામ પૂરું કરીને જતી રહી હશે?

રૂપા: ના, તે હજી નહીં ગઈ હોય. સારું હવે હું જાઉં? મારાં સાસુ મંદિરે જઈ પાછાં આવી ગયાં હશે.

સેજલ: જરા બેસોને, ભારતીબહેન અને રમાબહેન પણ આવવાનાં છે. સાથે નાસ્તો કર્યા પછી જ જાઓ. દીકરી કાજલ ચાલ તું પણ માસીની જોડે નાસ્તો કરી લે.

કાજલ: મમ્મી હમણાં મારે કશું જ ના જોઈએ મેં તો માસીના ઘરે જમી લીધું હતું.

સેજલ: કેમ?

કાજલ: મારે મોરારી બાપુની કથા સાંભળવા જવું હતું.

સેજલ: આટલી જલ્દી તું જઈને આવી ગઈ?

કાજલ: હા, પણ જ્યારે હું ગઈ ત્યારે તેમની કથા તો પુરી થઈ ગઈ હતી. એટલે હું જલ્દી પાછી આવી ગઈ.

સેજલ: દીકરી સમયસર કામ કરતાં શીખો.

કાજલ: હા મમ્મી.

સેજલ: રૂપાબહેન જુઓ ભારતીબહેન અને રમાબહેન આવી રહ્યાં છે. હવે આપણે બધાં એક સાથે નાસ્તો કરીશું. આવો બહેનો રૂપાબહેન તમારી જ રાહમાં છે.

रूपा: नहीं वह रसोई का काम नहीं करती है। वह घर के दूसरे सभी काम करती है।

सेजल: वह सवेरे कितने बजे आती है ?

रूपा: वह सवेरे नहीं आती है। सिर्फ शाम को आती है। अब तक तो उसने कूड़ा-कचरा निकाल दिया होगा। कपड़े भी धो लिए होंगे और पानी भी भर लिया होगा।

सेजल: क्या काम वाली बाई काम पूराकरके चली गई होगी ?

रूपा: नहीं, वह अभी नहीं गई होगी। अब मैं जाऊँ? मेरी सास मंदिर जा कर वापस आ गई होंगी।

सेजल: जरा बैठिए न। भारती बहन और रमा बहन भी आनेवाली हैं। साथ में नाश्ता करने के बाद ही जाईए। बेटी, चल तु भी मौसी के साथ नाश्ता करले।

काजल: मम्मी अभी मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैंने तो मौसी के घर में खा लिया था।

सेजल: क्यों ?

काजल: मुझे मुरारी बापू की कथा सुनने जाना था।

सेजल: इतनी जल्दी तू जा कर आ गई ?

काजल: जी, लेकिन जब मैं गई तब उनकी कथा तो पूरी हो चुकी थी। इसलिए मैं शीघ्र ही लौट आई।

सेजल: बेटी समय पर काम करना सीखो।

काजल: जी हाँ मम्मी।

सेजल: रूपा बहन देखो यह भारती बहन और रमा बहन आ रही हैं। अब हम सब एक साथ नाश्ता करेंगे। आइए बहनों। रूपा बहन आपही के इन्तजार में हैं।

રૂપા: સારું થયું તમે આવી ગયાં. હું તો જવાની હતી.
ભારતી,રમા: સારું થયું તમે ગયાં નહીં.
કાજલ: માસી, તમે બધાં આવો. મેં ટેબલ પર નાસ્તો તૈયાર કરીને મૂક્યો છે.
સેજલ: આવો, નાસ્તો કરીએ.

रूपा: अच्छा हुआ आप आ गई। मैं तो जाने वाली थी।
भारती, रमा: अच्छा हुआ आप नहीं गईं।
काजल: मौसीजी, आप सब आईए। मैं ने टेबल पर नाश्ता तैयार करके रखा है।
सेजल: आईए, नास्ता करें।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
સ્વાગત	स्वागत
નવું	नया
પડોશી	पड़ोसी
પરિચય	परिचय
સાસુ	सास
ભાગ્યશાળી	भाग्यशाली
માસી	मौसी
કામગરાં	उद्यमी
કામવાળી	घर का काम करने वाली नौकरानी
કચરો-પૂંજો	कूड़ा-कचरा
ધોઈ લીધાં હશે	धो लिए होंगे
કપડાં	कपड़े
કથા	कथा, धार्मिक प्रवचन
આપ ભલા તો જગ ભલા	आप भला तो जग भला (कहावत)
ખરું ને	सच है न

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) મેં આ પુસ્તક વાંચી લીધું છે.

2) અમારી દુકાન દૂર આવેલી છે.
3) તે સવારે સાત વાગ્યાથી દુકાને ગયા છે.
4) બાળકો તો રમવા ગયાં છે.
5) પ્રશાંત ઑફિસે ગયા છે.

2.

1) મેં તો જમી લીધું હતું.
2) હું કથામાં ગઈ હતી.
3) કથા પુરી થઈ ગઈ હતી.
4) સુરેશ આવી ગયો હતો.

3.

1) તેણે કચરો-પૂંજો કાઢી લીધો હશે.
2) તેણે કપડાં પણ ધોઈ લીધાં હશે.
3) તેણે પાણી પણ ભરી લીધું હશે.
4) મારાં સાસુ મંદિરેથી આવી ગયાં હશે?

II उदाहरण के अनुसार क्रिया रूप बदलकर दो-दो वाक्य बनाइए।

1. *उदाहरण:* મેં વાંચ્યું છે.
   મેં વાંચ્યું હતું.
   મેં વાંચ્યું હશે.

1) મેં લખ્યું છે.
2) મેં કહ્યું છે.
3) મેં આપ્યું છે.
4) મેં લીધું છે.
5) મેં કર્યું છે.

2. *उदाहरण:* તેં વાંચ્યું છે.
   તેં વાંચ્યું હતું.
   તેં વાંચ્યું હશે.

1) તેં લખ્યું છે.
2) તેં કહ્યું છે.

3) તેં આપ્યું છે.
4) તેં લીધું છે.
5) તેં કર્યું છે.

3. *उदाहरण:* તેણે વાંચ્યું છે.
તેણે વાંચ્યું હતું.
તેણે વાંચ્યું હશે.

1) તેણે લખ્યું છે.
2) તેણે કહ્યું છે.
3) તેણે આપ્યું છે.
4) તેણે લીધું છે.
5) તેણે કર્યું છે.

III बायी ओर दिए गए वाक्याँशों को दाहिनी ओर दिए गए उपयुक्त वाक्यांशों से सही प्रकार मिलान कीजिए।

1)	બાળકો તો રમવા	- લીધો હશે.
2)	મારે કથામાં	- લીધું હતું.
3)	સુરેશ આવી	- લીધું હશે.
4)	તેણે પાણી પણ ભરી	- ગયો હતો.
5)	અમારી દુકાન દૂર	- ગયાં છે.
6)	મેં તો જમી	- જવું હતું.
7)	તેણે કચરો-પૂંજો કાઢી	- આવેલી છે.

IV कोष्ठक में दिए गए उपयुक्त सर्वनामों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(તેઓ, અમારી, મારાં, મારે, તેણે)

1) .... દુકાન દૂર છે.
2) .... સાસુ આવી ગયાં હશે.
3) .... પાણી ભરી લીધું હશે.
4) .... કથામાં જવાનું હતું.
5) .... દુકાને ગયા છે.

V **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए सही शब्द का सही स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

उदाहरण: તમે ભાગ્યશાળી છો. (ખરેખર)
તમે ખરેખર ભાગ્યશાળી છો.

1) હું માંદો છું. (ખૂબ જ)
2) મને તાવ આવે છે. (બે દિવસથી)
3) તે માંદો હતો. (ખૂબ જ)
4) તે હોશિયાર છે. (સૌથી)
5) મારે કામ છે. (ખરેખર)

VI **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक क्रिया के नौ-नौ वाक्य बनाइए।**

(બોલું, રમું, લઉં, જઉં, કરું)

उदाहरण:

1) હું આવું છું.
2) હું આવ્યો.
3) હું આવીશ.
4) હું આવી રહ્યો છું.
5) હું આવી રહ્યો હતો.
6) હું આવી રહ્યો હોઈશ.
7) હું આવ્યો છું.
8) હું આવ્યો હતો.
9) હું આવ્યો હોઈશ.

VII **कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1) બાળકો ______ ગયાં છે. (खेलने)
2) આ પુસ્તક ________ લીધું છે. (पढने)
3) પડોશીઓ પરિચય ________ ગયાં છે. (करने)
4) રમાબહેન દુકાને સાડીઓ _______ જાય છે. (लेने)
5) કાજલ_______ બેસે છે. (खाने)

6) તમારાં સાસુ _______ ગયાં છે. (घूमने)
7) તેઓ ફિલ્મ_________ ગયા છે. (देखने)

पढ़िए और समझिए

પહેલો સગો તે પડોશી

પ્રવીણભાઈની બદલી અમદાવાદથી મુંબઈ થઈ છે. તેમણે ઘાટકોપરમાં અમારી પડોશમાં જ મકાન લીધું છે. મુંબઈમાં તેમનાં ઘણાં સગાં રહે છે. તેમના ફોઈ મલાડમાં રહે છે. તેમના મામા-મામી પાર્લામાં રહે છે. અચાનક એક દિવસ સવારે પ્રવીણભાઈને હાર્ટએટેક આવ્યો હતો. ખબર સાંભળીને પા કલાકમાં બધાં જ પાડોશીઓ ભેગાં થયાં હતાં. ડૉક્ટરને તરત જ બોલાવી લીધા હતા. ડૉક્ટરની સલાહ પ્રમાણે તેમને દવાખાને લઈ ગયાં. બે દિવસ પછી તેઓ ભાનમાં આવ્યા હતા. તરત જ તેમની પત્ની સુધાબહેનને તાર કર્યો હતો. તાર વાંચીને તેમને કેટલી ચિંતા થઈ હશે? તે તરત જ અમદાવાદ છોડીને મુંબઈ પહોંચી ગયા હતાં. સમાચાર સાંભળીને પ્રવીણભાઈનાં માતા-પિતાને ખૂબ જ દુઃખ થયું હશે. પ્રવીણભાઈનાં પડોશીઓ સારા હતા. તેમણે પ્રવીણભાઈ અને સુધાબહેનની ખૂબ જ મદદ કરી. તેથી જ આપણા વડીલોએ કહ્યું છે કે પહેલો સગો તે પડોશી છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
બદલી	तबादिला
પડોશી	पड़ोस
સગાં	रिश्तेदार
ફોઈ	फूफी, बुआ
મામા-મામી	मामा-मामी
ડૉક્ટર	डाक्टर
હાર્ટએટેક	हृदयाघात
પા	पाव (चौथाई भाग), पंद्रह मिनिट
તાર	तार (पोस्ट ऑफिस)
ચિંતા	फिक्र
અચાનક	एकाएक
કહેવત/કહેવાય	कहावत है, कहा जाता है

કલાક	घंटा
પહેલો સગો તે પડોશી	पहला रिश्तेदार पड़ोसी (कहावत)

अभ्यास

I नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद के आधार पर दीजिए।

1) પ્રવીણભાઈ અમદાવાદથી મુંબઈ શા માટે આવ્યા?
2) અચાનક પ્રવીણભાઈને શું થયું?
3) ડૉકટરે શી સલાહ આપી?
4) સુધાબહેન કોનું નામ હતું?
5) આ ફકરામાં કઈ કહેવતનો ઉપયોગ કર્યો છે?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

फुफी, तबादला, रिश्तेदार, फिक्र, छोटा, एकाएक, खबर

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ભારતના દરિયા કિનારે આવેલા સુનામી ગ્રસ્ત વિસ્તારની અમે મુલાકાત લીધી છે. આ વિસ્તારમાં ખૂબ જ મોટા પ્રમાણમાં નુકશાન થયું હતું. આ વિસ્તારના લોકોના ફરી વસવાટ માટે સરકાર તથા સેવાભાવી સંસ્થાઓ ઘણું કામ કરી રહી છે. આ વિસ્તારનું કામ પૂર્ણ થવા આવ્યું છે. આમ પણ આ વિસ્તારનાં કામ સારી રીતે થાય તે માટે અમારી એક ટીમ બનાવી હતી. તે ટીમ દરિયાકાંઠાનાં સુનામી ગ્રસ્ત વિસ્તારમાં ગઈ હતી અને સુનામી ગ્રસ્ત લોકોની રૂબરૂ મુલાકાત લીધી હતી. હવે તે લોકો ધીમે ધીમે પહેલાં જેવી જિંદગી જીવવાનો પ્રયત્ન કરી રહ્યાં છે.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

कृष्ण और सुदामा मित्र थे। दोनों मित्र अवंतिका में, सांदिपनी ऋषि के आश्रम में साथ-साथ पढ़े थे।

कृष्ण द्वारिका के राजा बन गए थे। सुदामा गरीब थे। वे अपने बाल मित्र कृष्ण से मिलने द्वारिका गए। द्वारिका में कृष्ण ने सुदामा का बहुत सत्कार किया। दोनों मित्र गले मिले। कृष्ण की रानियाँ, कृष्ण और सुदामा का मिलन देख रही थीं। रानियों ने दोनों मित्रों का स्नेह समझ लिया था। सुदामा के पास चावलों की एक पोटली थी। उन्होंने सुदामा से

चावलों की पोटली छीन ली। कृष्णने चावल बहुत प्यार से खाए। चावल खाकर कृष्ण ने कहा: सुदामा, हम दोनों वन में जलाऊ लकड़ियाँ लेने गए थे। तब तुमने मेरे हिस्से के चने खा लिए थे। मैंने तुम्हें देख लिया था। लेकिन तुम झूठ बोले थे। मैंने तुम्हारे चावल खा लिए हैं। अब तुम ऋण मुक्त हुए। सुदामा ने कृष्ण का आशय समझ लिया था। सुदामा कुछ नहीं बोले। उन्होंने कृष्ण की ओर देखा। वे केवल मुस्कराए कृष्ण। "मैंने तुम्हारे मन की बात जान ली है। तुम महान हो।" दोनों मित्र फिर गले मिले। कृष्ण ने सोचा, सुदामा ने उसका आशय समझ लिया होगा। सुदामा ने सचमुच कृष्ण के कहने का अर्थ समझ लिया था।

कृष्ण तथा उनकी रानियों ने सुदामा की खूब सेवा की। कुछ दिन द्वारिका में रुककर, सुदामा अपने घर लौट गए।

V अपने प्रिय मित्र के बारे में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1.
1) મેં આ પુસ્તક વાંચી લીધું છે. — मैंने यह पुस्तक पढ़ ली है।
2) અમારી દુકાન દૂર આવેલી છે. — हमारी दुकान दूर (आई) है (दूरी पर है)।
3) તે સવારે સાત વાગ્યાથી જ દુકાને ગયા છે. — वे/वह सुबह के सात बजे से ही दुकान पर गए हैं।
4) બાળકો તો રમવા ગયાં છે. — बच्चे तो खेलने गए हैं।
5) પ્રશાંત ઑફિસે ગયા છે. — प्रशांत ऑफिस गए हैं।

2.
1) મેં તો જમી લીધું હતું. — मैंने तो खा लिया था।
2) હું કથામાં ગઈ હતી. — मैं प्रवचन में गई थी।
3) કથા પુરી થઈ ગઈ હતી. — प्रवचन पूरा हो गया था।
4) સુરેશ આવી ગયો હયો. — सुरेश आ गया था।

3.
1) તેણે કચરો-પૂજો કાઢી લીધો હશે. — उसने कूड़ा-कचरा निकाल लिया होगा।
2) તેણે કપડાં પણ ધોઈ લીધાં હશે. — उसने कपड़े भी धो लिए होंगे।
3) તેણે પાણી પણ ભરી લીધું હશે. — उसने पानी भी भर लिया होगा।
4) મારાં સાસુ પાછાં આવી ગયાં હશે. — मेरी सास वापस आ गई होंगी।

पूर्ण वर्तमानकाल के क्रियारूप के उदाहरण (1.) के वाक्यों में दिए गए हैं। गुजराती में भूतकालिक कृदंतो के साथ योजक क्रिया 'છે' (छे), 'છો' (छो), 'છું' (छुं), 'છીએ' (छीए) लगाने से पूर्ण वर्तमान कालिक क्रियाएँ बनती हैं।

उदाहरण (2.) में पूर्ण भूतकाल के वाक्य दिए गए हैं। भूतकालिक कृदंतों के साथ योजक के भूतकालिक रूप 'હતો' (हतो), 'હતી' (हती), 'હતું' (हतुं), 'હતા' (हता) लगाने से पूर्ण भूतकालिक क्रियाएँ बनती हैं।

उदाहरण (3.) में पूर्ण भविष्यतकाल के वाक्य दिए गए हैं। भूतकालिक कृदंतों के साथ योजक क्रिया के वर्तमानकालिक रूप लगाने से पूर्ण भविष्यतकाल की क्रियाएँ बनती हैं। योजक क्रिया के भविष्यतकालिक रूप 'હશો' (हशो), 'હશે' (हशे) हैं। ध्यान दीजिए की गुजराती में भी हिंदी की तरह तीनों पूर्ण कालों में योजक क्रियाओं के पूर्व, भूतकालिक कृदंतोंका प्रयोग होता है। ये कृदंत पुरुष, लिंग और वचन के अनुसार बदलते हैं।

II उदाहरणार्थ नीचे दिए गए वाक्य पढ़िए।

पूर्ण वर्तमानकाल

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	(હું)/મેં વાંચી લીધું છે.	(અમે) અમે વાંચી લીધું છે.
	(मैं) मैने पढ़ लिया है।	(हम) हमने पढ़ लिया है।
मध्यम पुरुष	(તું) તેં વાંચી લીધું છે.	(તમે) તમે વાંચી લીધું છે.
	(तुं) तुने पढ़ लिया है।	(आप) आपने पढ़ लिया है।
अन्य पुरुष	(તે) તેણે વાંચી લીધું છે.	(તેઓ) તેમણે વાંચી લીધું છે.
	(वह) उसने पढ़लिया है।	(वे) उन्होंने पढ़ लिया है।

पूर्ण भूतकाल

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	મેં વાંચી લીધું હતું.	અમે વાંચી લીધું હતું.
	मैने पढ़ लिया था।	हमने पढ़ लिया था।
मध्यम पुरुष	તેં વાંચી લીધું હતું.	તમે વાંચી લીધું હતું.
	तूने पढ़ लिया था।	आपने पढ़ लिया था।

अन्य पुरुष	તેણે વાંચી લીધું હતું. उस ने पढ़ लिया था।	તેમણે વાંચી લીધું હતું. उन्हों ने पढ़ लिया था।

पूर्ण भविष्यत्काल

	एकवचन	*बहुवचन*
उत्तम पुरुष	મેં વાંચી લીધું હશે. मैने पढ़ लिया होगा।	અમે વાંચી લીધું હશે. हम ने पढ़लिया होगा।
मध्यम पुरुष	તેં વાંચી લીધું હશે. तुने पढ़ लिया होगा।	તમે વાંચી લીધું હશે. आपने पढ़लिया होगा।
अन्य पुरुष	તેણે વાંચી લીધું હશે. उस ने पढ़ लिया होगा।	તેમણે વાંચી લીધું હશે. उन्होंने पढ़लिया होगा।

પાઠ 10
पाठ

મોંઘવારી

મનન: દાદાજી, પૈસા આપોને
દાદાજી: પહેલાં પપ્પી આપ, પછી આપું.
(મનન દાદાજીને પપ્પી કરે છે)
મનન: બસ દાદાજી. હવે પાંચ રૂપિયા આપો.
દાદાજી: પાંચ રૂપિયા! આટલા બધા! કેમ જોઈએ છે?
મનન: મારે પતંગ લાવવો છે.
દાદાજી: શું પતંગના પાંચ રૂપિયા થાય છે?
મનન: પાંચ રૂપિયાથી ઓછા પૈસામાં હવે કાંઈજ મળતું નથી.
દાદાજી: બેટા, અમારા વખતમાં તો બે પૈસે પતંગ મળતો હતો. આમ તો બાળકોનાં બધાં રમકડાં સસ્તાં મળતાં હતાં.
મનન: શું વાત કરો છો દાદાજી!
દાદાજી: હા બેટા.
મનન: ત્યારે તો તમે ખૂબ પતંગ ઉડાડતા હશો અને રમતા હશો.
દાદાજી: ના, બેટા. ત્યારે એક પૈસાની પણ ખૂબ જ કિંમત હતી. પગારો પણ ટૂંકા મળતા હતા.
(મલય અને નિધિ આવે છે)
મલય: દાદાજી, અમને તમારા નાનપણની વાતો કહો ને?
નિધિ: હા દાદાજી, આજે તો તમારી પાસેથી જ વાતો સાંભળવી છે?
દાદાજી: જેમ-જેમ યાદ કરું છું તેમ-તેમ બાળપણની વાતો તાજી થાય છે.

महँगाई

मनन: दादाजी पैसे दीजिए न।
दादाजी: पहले प्यार दो, बाद में दूँगा।
(मनन दादाजी को प्यार देता है)
मनन: बस दादाजी । अब पाँच रुपए दीजिए।
दादाजी: पाँच रूपए ! इतने सारे ! किस लिए चाहिए ?
मनन: मुझे पतंग लानी है।
दादाजी: क्या पतंग के पाँच रुपए लगते हैं?
मनन: पाँच रुपिए से कम पैसों में अब कुछ भी नहीं मिलता।
दादाजी: बेटे, हमारे समय में तो दो पैसे की पतंग मिलती थी। वैसे तो बच्चों के सभी खिलौने सस्ते मिलते थे।
मनन: क्या बात करते हो दादाजी ?
दादाजी: हाँ बेटे।
मनन: तब तो आप बहुत पतंग उड़ाते होंगे और खेलते होंगे।
दादाजी: नहीं बेटे! तब तो एक पैसे की भी बहुत कीमत थी। वेतन भी कम मिलता था।
(मलय और निधि आते हैं)
मलय: दादाजी हमें आपके बचपन की बातें कहिए न!
निधि: हाँ दादाजी आज तो आप से ही बातें सुननी हैं।
दादाजी: मैं ज्यों-ज्यों याद करता हूँ त्यों-त्यों बचपन की बातें ताजा होती हैं।

મનન: તો કહોને, દાદાજી.

દાદાજી: મારા બાપુજી રોજ સવારે ફરવા જતા હતા, મને પણ સાથે લઈ જતા હતા. શિયાળામાં મારી બા મને બદામનો શીરો ખવડાવતી હતી.

મલય: તો, તો બદામ બહુ સસ્તી મળતી હશે.

દાદાજી: તે સમયે બદામ ત્રણ રૂપિયે શેર મળતી હતી. આજના જેટલી મોંઘ વારી ન હતી.

મનન: ત્યારે તો એ સમયે બધી વસ્તુઓ સસ્તી હશે, નહીં દાદાજી.

દાદાજી: હા, બેટા.

નિધિ: દાદાજી આગળ કહોને.

દાદાજી: મારી બા સવારે વહેલાં ઉઠતી હતી અને આંગણામાં પાણી છાંટીને કચરો વાળતી હતી, પછી નાહી ધોઈને પૂજા કરતી હતી. હું પણ સવારમાં વહેલો ઉઠતો અને બા જોડે મંદિરે જતો હતો.

મલય: દાદાજી, મને તો વહેલું ઉઠવું ગમતું નથી.

નિધિ: મલય, તું દાદાજીને વાત કહેવાદે ને.

દાદાજી: સવારે મંદિરથી આવ્યા પછી હું અભ્યાસ કરવા બેસી જતો. હું નિયમિત નિશાળે જતો અને સમયસર અભ્યાસ કરવા બેસતો હતો. ભણવામાં હું હોશિયાર હતો.

મનન: દાદાજી, તમારા વખતમાં શિક્ષકો બાળકોને મારતા હતા ને?

દાદાજી: જે ભણે નહીં તેને માર પડતો અને જે ભણે તેને શાબાશી મળતી હતી.

મલય: તમને વાર્તા કોણ કહેતું હતું દાદાજી?

मनन: तो कहिए न दादाजी।

दादाजी: मेरे पिताजी रोज सुबह घूमने जाते थे। मुझे भी साथ ले जाते थे। कभी-कभी मेरी माँ मुझे बादाम का हलवा खिलाती थी।

मलय: फिर तो बादाम बहुत सस्ते में मिलते होंगे।

दादाजी: उस वक्त बादाम तीन रुपए सेर मिलते थे। आज जितनी महँगाई (है, उतनी) नहीं थी।

मनन: तब तो उस वक्त सभी चीजें सस्ती होती होंगी। है न दादाजी?

दादाजी: हाँ, बेटे।

निधि: दादाजी और बताइए न।

दादाजी: मेरी माँ सुबह जल्दी उठती थी। आंगन में पानी छिड़क कर झाड़ु लगाती थी। फिर नहा धोकर पूजा करती थी। मैं भी सुबह जल्दी उठता और माँ के साथ मंदिर जाता था।

मलय: दादाजी, मुझे तो जल्दी उठना पसंद नहीं।

निधि: मलय, दादाजी को बात कहने दे न।

दादाजी: मंदिर से आने के बाद मैं अभ्यास करने बैठता था। मैं नियमित पाठशाला जाता और नियमित अभ्यास कर लेता था। पढ़ने में मैं होशियार था।

मनन: दादाजी ! आप के समय में शिक्षक बच्चों को मारते थे न ?

दादाजी: जो नहीं पढ़ता उसे मार पड़ती और जो पढ़ता उसे शाबाशी मिलती थी।

मलय: तुम्हें कहानी कौन सुनाता था दादाजी?

દાદાજી: મારાં દાદીમા રાત્રે રાજા-રાણીની અને પોતાના અનુભવની વાતો કહેતાં અને શિખામણ પણ આપતાં હતાં. કદી વઢતાં ન હતાં. ચલો જાઓ હવે તમારા પપ્પા આવતા હશે.

મનન: દાદાજી, તમે રજતભાઈના લગ્નમાં જશો?

દાદાજી: હા બેટા, ત્યાં સૌ મારી રાહ જોતા હશે, હું લગ્નમાં આવીશ તેમ મેં કહ્યું છે.

મનન: ત્યાં બધાં સગાં-વહાલાં મળશે. ભાત-ભાતની વાનગી બનાવી હશે.

દાદાજી: આજની મોંઘવારીમાં તો જમણની થાળી પચાસથી ઓછા રૂપિયામાં મળતી નથી.

મનન: રમેશકાકાના દીકરાના લગ્નમાં તો સો રૂપિયાની જમવાની થાળી હતી.

દાદાજી: અમારા સમયમાં તો પચાસ રૂપિયે એક તોલો સોનું મળતું હતું. અત્યારે તો પચાસ રૂપિયા જમણની એક થાળીના થાય છે.

મનન: દાદાજી, મોંઘવારી બહુ વધી ગઈ છે, નહીં?

દાદાજી: હા બેટા, આજકાલ તો વાનગીઓની પણ હરિફાઈ ચાલે છે. જેટલી વાનગીઓ વધુ હોય છે તેટલો જમણવાર સારો ગણાય છે. ભોજનની થાળી જેટલી મોંઘી તેટલો જ મોટો ગણે છે.

મનન: અમારા સમયમાં શી પરિસ્થિતિ હશે?

દાદાજી: તમારા સમયમાં જમવાની થાળીના બસો રૂપિયા લાગશે.

મનન: થેલી ભરીને રૂપિયા લઈને ચીજ વસ્તુઓ લેવા જવું પડશે.

दादाजी: मेरी दादीमाँ रात को राजा-रानी की और अपने अनुभव की बातें कहतीं और सिखा भी देती थीं। कभी डाँटती नहीं थीं। चलो, जाओ अब आपके पापा आते होंगे।

मनन: दादाजी आप रजत भैया की शादी में जाएँगे ?

दादाजी: हाँ बेटा। वहाँ सब मेरी राह देखते होंगे। मैं शादी में आऊंगा, ऐसा मैंने कहा है।

मनन: वहाँ सब रिश्तेदार मिलेंगे। भिन्न-भिन्न व्यंजन बनाए होंगे।

दादाजी: आज की महँगाई में तो भोजन की थाली पच्चास-साठ रुपये से कम नहीं मिलती।

मनन: रमेश चाचा के लड़के की शादी में तो सौ रुपये की भोजन की थाली थी।

दादाजी: हमारे समय में तो पचास रुपए में एक तोला सोना मिलता था। अब पचास रुपए भोजन की एक थाली के लिए होते हैं।

मनन: दादाजी। महँगाई बहुत बढ़ गई है, ना।

दादाजी: हाँ बेटे! आजकल तो व्यंजनों की भी होड़ चलती है। जितने व्यंजन ज्यादा हो तो भोजन-समारोह उतना ही अच्छा माना जाता है। जिस के भोजन की थाली जितनी महँगी, लोग उसे उतना ही बड़ा मानते हैं।

मनन: हमारे समय में कैसी हालत होगी ?

दादाजी: तुम्हारे समय में खाने की थाली के दो सौ रुपए लगेंगे।

मनन: थैला भर रुपए लेकर चीजें लेने जाना पड़ेगा।

દાદાજી: અને હાથમાં ચીજ વસ્તુઓ લઈને આવવું પડશે.
મનન: આ મોંઘવારી ક્યાં જઈ અટકશે દાદાજી?
દાદાજી: એનો જવાબ તો ફક્ત ભગવાન જ આપી શકે છે બેટા. તમે લોકો હવે જાઓ. મારે લગ્નમાં પણ જવાનું છે. તેની તૈયારી કરવી પડશે.
મનન: સારું દાદાજી.

दादाजी: और चीजें हाथ में लेकर आना पड़ेगा।
मनन: यह महँगाई कहाँ जा कर रुकेगी दादा जी?
दादाजी: इसका उत्तर तो केवल भगवान ही दे सकता है बेटे। तुम लोग अब जाओ। मुझे शादी में भी जाना है। उसकी तैयारी करनी होगी।
मनन: ठीक है दादा जी।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
મોંઘવારી	महँगाई
પૈસા	पैसे
મળતા	मिलता
પતંગ	पतंग
ઉડાડતા	उड़ाने
રમકડાં	खिलौना
કિંમત	कीमत
પગાર	पगार (वेतन)
ટૂંકા/ઓછા	कम
સાંભળવી	सुननी
યાદ	याद/स्मृति
તાજી	ताजा
ફરવા	घूमने
શિયાળામાં	सर्दियों में
બદામ	बादाम
શીરો	हलवा
ખવડાવતાં	खिलाती
આંગણામાં	आँगन में

શેર	सेर (एक तोल जो अब चलन में नही है)
છાંટી	छिड़क कर
કચરો	झाड़ू
વહેલું	जल्दी
ઉઠવું	उठना
નિયમિત	नियमित
વખતમાં	समय में/ वक्त में
માર પડતો	मार पड़ती
શાબાશી	शाबाशी
વાર્તા	कहानी
રાત્રે	रात को
શિખામણ	सीख
વઢવું	डाँटना
લગ્ન	शादी
આવીશ	आऊँगा
કહ્યું	कहा
તોલો	तोला (एक तोल)
સોનું	सोना (धातु)
હરિફાઈ	होड़, स्पर्धा
જમણવાર	दावत
મોંઘી	महँगी
મોટો	बड़ा
ગણાય	गिना जाना
ક્યાંય	कहीं

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) પાંચ રૂપિયાથી ઓછામાં કઈ મળતું નથી.
   2) આજે વાનગીઓની હરિફાઈ ચાલે છે.

3) આજની મોંઘવારીમાં તો જમણની થાળી પચાસથી સાઠ રૂપિયા સિવાય મળતી નથી.

2. 1) અમારા વખતમાં તો બે પૈસે પતંગ મળતો હતો.
2) બદામ ત્રણ રૂપિયે શેર મળતી હતી.
3) બા નાહી-ધોઈને રંગોળી પૂરતી હતી.
4) પગારો પણ ટૂંકા મળતા હતા.
5) દાદીમા શિખામણ આપતાં પણ વઢતાં નહીં.

3. 1) તમે ખૂબ પતંગ ઉડાડતા હશો.
2) તો તો બદામ બહુ સસ્તી હશે.
3) સૌ મારી રાહ જોતાં હશે.
4) તમારા સમયમાં થાળીના બસો રૂપિયા લાગશે.
5) હવે તમારા પપ્પા આવતા હશે.
6) તે મારી રાહ જોતાં હશે.

4. 1) જે ભણે તેને શાબાશી મળતી હતી.
2) જેમ-જેમ યાદ કરું છું તેમ-તેમ બાળપણની વાત યાદ આવે છે.
3) જેના ભોજનની થાળી જેટલી મોંઘી એટલો જ એ જમણવાર સારો ગણાય છે.
4) જે ભણે નહીં તેને માર પડતો.
5) જેટલી ચોપડીઓ તમે વાંચી હશે તેટલી મેં નથી વાંચી.

II रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1) મારા બાપુજી રોજ સવારે ફરવા જતા હતા.
ચાલવા
ઉઠી
ભણાવવા

2) મારે એક વાત સાંભળવી છે.
વાંચવી

કહેવી
બોલવી

III उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

1. *उदाहरण:* પગારો ટૂંકા મળ્યા.
પગારો ટૂંકા મળતા હતા.

1) મારાં બા સવારે વહેલાં ઉઠયાં.
2) નાહી ધોઈને પૂજા કરી.
3) બાએ અભ્યાસ કરવા બેસાડ્યાં.
4) જે ન ભણે તેને માર પડયો.
5) દાદીમાએ શિખામણ આપી પણ વઢ્યાં નહીં.
6) તે સમયે પતંગ બે પૈસે મળ્યા.

2. *उदाहरण:* તમે પતંગ ઉડાડતા હતા.
તમે પતંગ ઉડાડતા હશો.

1) તે વખતે બધી ચીજો સસ્તી હતી.
2) તમારા પપ્પા આવતા હતા.
3) હાથમાં ચીજ વસ્તુઓ લઈને આવતાં હતાં.
4) તો તો બદામ બહુ સસ્તી હતી.
5) તમારા સમયમાં થાળીના સો રૂપિયા પડતા હતા.

IV नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

1) પતંગના પાંચ રૂપિયા હોય છે.
2) જમણની થાળી ત્રીસ રૂપિયામાં મળે છે.
3) જે ભણે નહિ તેને શાબાશી મળતી.
4) બા વઢતાં.
5) આજના જેટલી મોંઘવારી હતી.

V कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरा कीजिए।

1) મારે પતંગ .... છે. (લાવું, લાવવો)

2) દાદીમા રાત્રે રાજારાણીની વાતો .... હતાં. (કહેતો, કહેતાં)
3) જે ભણે નહિ તેને માર .... હતો. (પડવો, પડતો)
4) તમને વાર્તા કોણ .... હતું. (કહેતી, કહેતું)
5) હું નિશાળે નિયમિત .... હતો. (જતાં, જતો)
6) તમે લગ્નમાં .... છો? (જવાનો, જવાનાં)
7) શિક્ષકો બાળકોને .... હતાં. (મારતી, મારતાં)

VI वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1) મારે પતંગ લાવવો છે. (તેઓ)
2) મારે પૈસા જોઈએ છે. (લે)
3) બાપુજી સવારે ફરવા જતા હતા. (દોડવું)
4) દાદાજી સવારે વહેલા ઉઠતા હતા. (ફરવું)
5) બા અભ્યાસ કરવા બેસાડતાં હતાં. (હું)
6) બદામનો શીરો ખવડાવતાં હતાં. (બનાવવું)

VII कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के स्थान पर गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(जहाँ हिंदी और गुजराती संज्ञाओं में लिंग का फर्क हो वहाँ गुजराती शब्द के लिंग का प्रयोग करना है।)

1) હું નિયમિત નિશાળે .... (जाता था)
2) આજે તમારી પાસેથી વાત .... છે. (सूनना)
3) બા નાહી-ધોઈને આંગણામાં પાણી .... (छिड़कती थी)
4) હાથમાં ચીજવસ્તુઓ લઈને .... (आएँगे)
5) અમારા વખતમાં તો બે પૈસે પતંગ .... (मिलती थी)
6) મોંઘવારી બહુ વધી .... (गई है)
7) મેં મેળામાંથી એક સુંદર .... (खिलौना लिया)

पढ़िए और समझिए

શિક્ષણ અને કામધંધો

આજે આપણા દેશમાં શિક્ષણનું પ્રમાણ વધ્યું છે. શિક્ષણનો વ્યાપ વધ્યો છે. પણ તેનું ઊંડાણ ઘટ્યું છે. પચાસ વર્ષ પહેલાં ભણેલા માણસો ઓછા મળતા હતા. બધાંને કામ મળતું હતું. આજે ભણેલા માણસો બેકાર રખડે છે. વસ્તીનું પ્રમાણ ઝડપથી વધે છે. વીસ વર્ષ પછી અસંખ્ય માણસો નોકરી વગર રખડતા હશે. સરકાર લોકોને સુખી કરવા પ્રયત્ન કરતી હશે. આપણે વસ્તી વધારો અંકુશમાં લાવવો પડશે. તે વગર દેશની પ્રગતિ દેખાશે નહીં.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
રખડે છે	भटकते हैं
પ્રમાણ	प्रमाण
વ્યાપ	विस्तार
ઊંડાણ	गहराई
ઘટ્યું	घटी है
ભણેલા	शिक्षित
ઓછા	कम
કામધંધો	व्यवसाय
બેકાર	बेकार
વસ્તી	आबादी
અસંખ્ય	अनगिनत
વગર	बिना
વીતી ગયેલાં	बीता हुआ
વધારો	वृद्धि
પ્રયત્ન	कोशिश
પ્રગતિ	प्रगति
અંકુશ	नियंत्रण

अभ्यास

I नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) આજે આપણા દેશમાં શું વધ્યું છે?
2) પચાસ વર્ષ પહેલાં કેવા માણસો ઓછા મળતા?
3) દરેકને શું મળતું હતું?
4) આજે ઝડપથી શું વધે છે?
5) વીસ વર્ષ પછી અસંખ્ય લોકો શું કરતા હશે?
6) સરકાર શું કરતી હશે?
7) આપણે શું અંકુશમાં લાવવું પડશે?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

फूफी, तबादला, रिश्तेदार, फिक्र, छोटा, एकाएक, खबर

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ગુજરાત અને રાજસ્થાનની સરહદ પર આવેલું અંબાજી માતાનું મંદિર ખૂબ જ સુંદર છે. આ મંદિર ખૂબ જ પ્રસિદ્ધ છે. તેવું જ બીજું એક મંદિર પાવાગઢમાં છે. તે મંદિર મહાકાળી માતાનું છે. આ બંને સ્થળોએ કુદરતી સૌંદર્ય જોવા મળે છે. અત્યારના શહેરી વાતાવરણમાં આવું સૌંદર્ય જોવા મળતું નથી. દર્શનાર્થીઓની આ બંને સ્થળોએ સતત ભીડ જોવા મળે છે. લાખોની સંખ્યામાં ભક્તો દર વર્ષે અહીં દર્શન કરવા આવે છે. વર્ષોથી લોકો પગપાળા યાત્રા કરીને અહીં આવે છે અને ગઢ પરના મંદિરમાં બિરાજમાન માતાનાં દર્શન કરે છે. અહીં લોકો ફરવા પણ આવતાં હશે. પાવાગઢનું કુદરતી સૌંદર્ય અદ્ભૂત છે. અહીં લીલીછમ વનરાજી જોવા મળે છે. ગઢ પર ચઢતી વખતે ઊંડી ખીણ પણ જોવા મળે છે, પણ માણસ પ્રાકૃતિક સૌંદર્યને નુકશાન કરી રહ્યો છે. તેથી કદાચ આપણી આવનાર પેઢીઓને આવું અદ્ભૂત સૌંદર્ય જોવા મળશે નહીં. તેમને સિમેન્ટ, કોંકરીટનાં જંગલ જોવા મળશે. પ્લાસ્ટિક અને અન્ય કચરાના ઢગલા જોવા મળશે. આ બધું રોકવા માટે આપણે જાતેજ પ્રયત્નશીલ થવું પડશે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
સરહદ	सरहद
શહેરી	शहर
અત્યારનાં	आजके
પગપાળા	पदयात्रा
પહાડ/ગઢ	पहाड़ी
લીલીછમ	हराकच्च, हरी-भरी
વનરાજી	वनराज, रहियाली
ખીણ	खाई
ઢગલો	देर

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

पुराने समय में आने-पाई के सिक्कों का चलन था। तब एक रुपए के सोलह आने होते थे। एक आने के चार पैसे होते थे। एक पैसे की तीन पाइयाँ मिलती थीं। एक पाई में भी चीज़ें बिकती थीं। अब रुपए तथा पैसे का जमाना है। एक पैसे में कुछ नहीं मिलता। एक रुपए की कीमत भी कुछ नहीं है। फिर एक पैसे की क्या बात है? ज्यों-ज्यों मंहगाई बढ़ती गई त्यों-त्यों मुद्रा की क्रय शक्ति घटती गई। एक समय था जब बीस रुपये का एक मन गेहूँ मिलता था। आज एक हजार रुपये का क्विंटल अर्थात चार सौ रुपये मन मिलता है। उस समय सोना पच्चास रुपए तोला था। आज छै हजार रुपये तोला मिलता है।

पहले सादगी का जमाना था। आज तड़क-भड़क का जमाना है। जैसे-जैसे मंहगाई बढ़गई वैसे-वैसे हमारे खर्चे बढ़ रहे हैं। हमें अपने खर्चे कम करने होंगे।

V पुराने समय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति के बारे में गुजराती में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में गुजराती के आदतसूचक क्रिया वाले वाक्यों का परिचय निम्न कालों में दिया गया है।

1. 1) હું જેમ જેમ યાદ કરું છું તેમ તેમ બાળપણની વાતો તાજી થાય છે. — मैं ज्यों-ज्यों याद करता हूं त्यों-त्यों बचपन की बातें ताजा होती हैं।

	2)	હું રોજ સમાચાર પત્ર વાંચું છું.	मैं रोज समाचार पत्र पढ़ता हूँ।
	3)	પાંચ રૂપિયાથી ઓછા પૈસામાં કંઈ નથી મળતું.	पाँच रुपये से कम पैसों में अब कुछ नहीं मिलता।
	4)	આજની મોંઘવરીમાં તો જમણની થાળી ત્રીસથી ચાળીસ રૂપિયા સિવાય મળતી નથી.	आज की महँगाई में भोजन की थाली तीस से चालीस रुपये सिवा नहीं मिलती।
2.	1)	બદામ ત્રણ રૂપિયે શેર મળતી ન હતી.	बादाम तीन रुपए सेर नहीं मिलता था।
	2)	ત્યારે દૂધ પ્લાસ્ટિકની થેલીમાં નહોતું મળતું.	तब दूध प्लास्टीक की थैली में नहीं मिलता था।
	3)	બા લેસન કરવા બેસાડતાં હતાં.	माँ अभ्यास करने बिठाती थी।
	4)	નાહાઈ ધોઈને આંગણામાં પાણી છાંટતાં હતાં.	नहा-धोकर आँगन में पानी छिड़कती थी।
3.	1)	તમે ખૂબ પતંગ ઉડાડતા હશો.	आप बहुत पतंग उड़ाते होंगे।
	2)	તે વખતે બધી ચીજો સસ્તી હશે.	उस समय सभी चीजें सस्ती होंगी।
	3)	થેલી ભરી રૂપિયા લઈને ચીજ-વસ્તુઓ લેવા જવું પડતું હશે.	थेला भर रुपये ले कर चीजें लेने जाना पड़ता होगा।

उपर्युक्त (1.) विभाग के वाक्य वर्तमान काल की आदत सूचक क्रियाओं के हैं। हिंदी की ही तरह सामान्य वर्तमानकाल की क्रिया ही गुजराती में भी वर्तमान काल की आदत सूचक होती है।

उपर्युक्त (2.) विभाग के वाक्य भूतकाल की आदतसूचक क्रियाओं के हैं। भूतकाल की आदत सूचक क्रिया बनाने के लिए मूल क्रिया के साथ 'તો' (तो), 'તી' (ती), 'તું'(तुं), 'તા' (ता) और अंत में योजक क्रिया 'છે' (छे) के भूतकालिक रूप 'હતો' (हतो, 'હતી' (हती), 'હતું' (हतुं) जोड़े जाते हैं।

ऊपर दिए (3.) विभाग के वाक्य भविष्यत्‌काल की आदतसूचक क्रिया बनाने के लिए मूल क्रिया के साथ 'તા' (ता), 'તી' (ती), 'તુ' (तु) और अंत में सहायक क्रिया 'છે' (छे) के भविष्यत्‌कालिक रूप 'હશે' (हशे), 'હશો' (हशो), 'હોઈશ' (होईश) जोड़े जाते हैं।

II 1) આજે તમારી પાસેથી વાત સાંભળવી છે. आज आप से बात सुननी है।

2) મારે પતંગ લાવવી છે. मुझे पतंग लानी है।

उपर्युक्त वाक्यों की क्रियाएँ हिंदी की तरह अनिवार्यता तथा इच्छा का बोध कराती हैं।

संज्ञार्थक कृदंत के साथ योजक क्रिया 'છે' (छे) के विविधरूप जोड़कर इस प्रकार की क्रियाएँ बनती हैं।

પાઠ 11
पाठ

નોકરીની શોધ

શિવનાથ: શું કરી રહ્યા છો કિરણભાઈ?

કિરણ: છાપું વાંચી રહ્યો છું.

શિવનાથ: શું સમાચાર છે?

કિરણ : હું તો નોકરી માટે જાહેર ખબર જોઇ રહ્યો છું.

શિવનાથ: કેમ? તમને નોકરી નથી મળી?

કિરણ: જી, ના. આટલી મોંઘવારીમાં આ શહેરમાં નોકરી વગર શી રીતે જીવી શકીએ.

શિવનાથ: સારું જણાવો તમે શું કામ કરી શકો?

કિરણ: તમે જે કહેશો તે હું કરીશ.

શિવનાથ: મારા ધ્યાનમાં એક નોકરી છે. મારા મિત્રએ મને વાત કરી હતી.

કિરણ: શું મને તે નોકરી મળી શકે છે?

શિવનાથ: તમે કૉર્ટ પાસે દેવીદાસ એન્ડ કંપનીમાં જાઓ. ત્યાં મહેન્દ્રભાઈને મળો.

કિરણ: આપ મારી સાથે આવી શકશો?

શિવનાથ: ના, હું નહીં આવી શકું કારણ કે મારે બહાર જવાનું છે.

કિરણ: શું આપ એક ચિઠ્ઠી આપી શકશો?

नौकरी की तलाश

शिवनाथ: क्या कर रहे हैं किरणभाई ?

किरन: अखबार पढ़ रहा हूँ।

शिवनाथ: क्या खबर है ?

किरन: मैं तो नौकरी के लिए विज्ञापन देख रहा हूँ।

शिवनाथ: क्यों? आपको नौकरी नहीं मिली?

किरन: जी नहीं। इतनी महँगाई में इस शहर में नौकरी के बगैर कैसे जी सकते हैं?

शिवनाथ: अच्छा बताइये, आप क्या काम कर सकते हैं ?

किरन: आप जो कहेंगे वैसा में करूँगा।

शिवनाथ: मेरे ध्यान में एक नौकरी है। मेरे मित्र ने मुझ से बात की थी।

किरन: क्या मुझे वह नौकरी मिल सकती है?

शिवनाथ: आप कोर्ट के पास देवीदास एण्ड कंपनी में जाइए। वहाँ महेन्द्रभाई से मिलिए।

किरन: आप मेरे साथ आ सकेंगे ?

शिवनाथ: नहीं, मैं नहीं आ सकता क्यों कि मुझे बाहर जाना है।

किरन: क्या आप एक चिट्ठी दे सकेंगे ?
(शिवनाथ चिट्ठी लिखता है)

શિવનાથ: જરૂર આપી શકીશ. (શિવનાથ ચિઠ્ઠી લખે છે) લો આ ચિઠ્ઠી.
(કિરણ ચિઠ્ઠી લઈને દેવીદાસ એન્ડ કંપનીમાં જાય છે)

કિરણ: હું અંદર આવી શકું સાહેબ?

મહેન્દ્ર: હા, બોલો ભાઈ શું કામ છે? (કિરણ ચિઠ્ઠી આપે છે) તમે ટાઈપિંગ કરી શકો છો?

કિરણ: હા જી સાહેબ. એક મિનિટના પાંસઠ શબ્દોની ઝડપે ટાઈપિંગ કરી શકું છું.

મહેન્દ્ર: અંગ્રેજીમાં પત્રવ્યવહાર કરી શકો છો?

કિરણ: હા જી, અંગ્રેજી, ગુજરાતી અને હિન્દી ત્રણે ભાષાઓમાં પત્રવ્યવહાર કરી શકું છું.

મહેન્દ્ર: તો હું તમને જરૂર નોકરી આપી શકીશ.

કિરણ: મહેરબાની સાહેબ, ઈશ્વર તમારું ભલું કરે.

મહેન્દ્ર: જુઓ, આ કામ હું કરું અને આ કામ ના કરું એવું વિચારવાનું જ નહીં અને કોઈની ટીકા-ટિપ્પણી પણ કરવી નહીં.

કિરણ: નહીં સાહેબ એવું ક્યારે પણ બનશે નહીં. 'ખાડો ખોદે તે પડે'. આ વાત હું સારી રીતે જાણું છું.

મહેન્દ્ર: આમ તો મોટા શેઠ ઘણા દયાળું છે, પણ ક્યારેક-ક્યારેક તેમને ગુસ્સો પણ આવે છે. ત્યારે તે કંઈક બોલી દે છે. તમે મન પર લેતા નહીં.

शिवनाथ: जरूर दे सकूँगा। (शिवनाथ चिट्ठी लिखता है।) लो यह चिट्ठी।
(किरन भाई चिट्ठी लेकर देवीदास एण्ड कंपनी में जाते हैं।)

किरन: मै अंदर आ सकता हूँ साहब ?

महेंद्र: हाँ कहिए भाई, क्या काम है ? (किरन चिट्ठी देता है) आप टाइपिंग कर सकते हैं?

किरन: जी हाँ साहब। एक मिनट में पैसठ शब्दों की गति से टाइपिंग कर सकता हूँ।

महेंद्र: अँग्रेजी में पत्र व्यवहार कर सकते हैं?

किरन: जी हाँ। अँग्रेजी, गुजराती और हिंदी तीनों भाषाओं में पत्रव्यवहार कर सकता हूँ।

महेंद्र: तो मैं आपको अवश्य नौकरी दे सकूँगा।

किरन: मेहरबानी साहब। ईश्वर आपका भला करे।

महेंद्र: देखिए, यह काम मैं करूँ या यह काम मैं नहीं करूँ ऐसा नहीं सोचना और किसी की टीका टिप्पणी भी नहीं करना।

किरन: नहीं साहब। ऐसा कभी भी नहीं होगा। जो (दूसरों के लिए) गड्ढा खादे वह (उस में) गिरे यह बात मैं अच्छी तरह जानता हूँ।

महेंद्र: वैसे तो सेठ बडे दयालू हैं। लेकिन कभी-कभी उन्हें गुस्सा भी आता है। तब वे कुछ बोल देते हैं। तुम दिल पर मत लाना।

કિરણ: હા જી. હું ક્યારથી આવું સાહેબ?

મહેન્દ્ર: ઉતાવળ ના કરો. હું હમણાં આવ્યો.

કિરણ: ભલે સાહેબ.

મહેન્દ્ર: હવે પછી મને સાહેબ કહેતા નહીં. આપણે તો સહ કાર્યકરો જ છીએ.
(થોડીવાર પછી)

મહેન્દ્ર: મોટા શેઠ કાલે આવશે. તમે પણ કાલથી આવી શકો છો. બરાબર નવ વાગે આવી જાઓ.

કિરણ: સારું સાહેબ, નમસ્તે.

મહેન્દ્ર: ફરી સાહેબ.
(કિરણ શિવનાથને મળે છે)

કિરણ: નમસ્તે, શિવનાથભાઈ.

શિવનાથ: શું તમે દેવીદાસ એન્ડ કંપનીમાં ગયા હતા?

કિરણ: હા જી. ભગવાન તમારું કલ્યાણ કરે. મને નોકરી મળી ગઈ.

શિવનાથ: બહુ સારું.

કિરણ: વાડ વગર વેલો ન ચડે. તમારી ભલામણથી જ મને નોકરી મળી છે.

શિવનાથ: ભલામણની વાત છોડો. શું તમે ખુશ છો?

કિરણ: હા, ખુશ છું.

શિવનાથ: શું તમે પેંડા લાવ્યા છો?

કિરણ: લાવ્યો છું સાહેબ. લો મોં મીઠું કરો, તમારો આ ઉપકાર હું ક્યારેય નહીં ભૂલી શકું. તમે અને તમારો પરિવાર સદા સુખી રહે.

किरन: जी हाँ, मैं कब से आऊ, साहब।

महेंद्र: जल्दी मत करो। मैं अभी आया।

किरन: अच्छा साहब।

महेंद्र: अब के बाद मुझे साहब मत पुकारना। हम तो सहकर्मी ही हैं।
(थोड़ी देर बाद)

महेंद्र: बड़े सेठ जी कल आएँगे। आप भी कल से आ सकते हैं। ठीक नौ बजे आ जाना।

किरन: ठीक है साहब। नमस्ते।

महेंद्र: फिर 'साहब' ?
(किरन शिवनाथ से मिलता है)

किरन: नमस्ते, शिवनाथ भाई।

शिवनाथ: क्या आप देविदास एण्ड कंपनी में गए थे ?

किरन: जी हाँ। भगवान आपका भला करे। मुझें नौकरी मिल गई।

शिवनाथ: बहुत अच्छा।

किरन: बीना बाड़ बेल चढ़ती। आपकी सिफारश से ही मुझे यह नौकरी मिली है।

शिवनाथ: सिफारिश की बात छोड़िए। क्या आप खुश हैं ?

किरन: जरूर।

शिवनाथ: क्या आप पेड़े लाए हैं ?

किरन: लाया हूँ साहब। लीजिए, मुँह मीठा कीजिए। आपका यह उपकार मैं कभी नहीं भूल सकता। आप और आपका परिवार सदा सुखी रहे।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
નોકરી	नौकरी
ધ્યાન	ध्यान
કૉર્ટ-કચેરી	कोर्ट-कचहरी
ચિઠ્ઠી	चिट्ठी
મિનિટ	मिनट
ટાઈપિંગ	टाइपिंग
પત્રવ્યવહાર	पत्र व्यवहार
સ્વતંત્ર	स्वतंत्र
ટીકા-ટિપ્પણી	टीका-टिप्पणी
ખાડો	गड्ढा
જાણવું	जानना
ક્યારેક	कभी
બોલવું	बोलना
દયાળું	दयालु
ઉતાવળ	जल्दी
સહકાર્યકર	सहकर्मी
થોડીવાર	थोड़ीदेर
મોટા શેઠ	बड़ा सेठ
આવવું	आना
જાઓ	जाना
ભગવાન	भगवान
કલ્યાણ	कल्याण
વાડ	बाड़, रोक
વેલ	बेल
ભલામણ	सिफारिश
પેંડા	पेड़े

વાડ વગર વેલો કેમ ચડે (ગુજરાતી કહેવત)	"बना बाड़ के बेल न चढ़ना" इस लोकोक्ति का अर्थ होगा बिना सहयोग के काम न होना।

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।

1.

1) આપ સાથે આવી શકશો?
2) આપ ચિઠ્ઠી આપી શકશો?
3) હું અંદર આવી શકું?
4) આપ ટાઈપિંગ કરી શકો છો?
5) એક મિનિટના પાંસઠ શબ્દોની ઝડપે ટાઈપ કરી શકું છું.
6) ત્રણે ભાષાઓમાં પત્રવ્યવહાર કરી શકું છું.

2.

1) ઈશ્વર તમારું ભલું કરે.
2) ભગવાન તમારું કલ્યાણ કરે.
3) પ્રભુ તમારું સારું કરે.
4) તમે અને તમારો પરિવાર સદા સુખી રહે.

3.

1) હવે પેંડા ખવડાવ, લાવ્યો સાહેબ.
2) ઉતાવળ ના કરો હું હમણાં આવ્યો.

II वाक्य में रेखांकित सर्वनाम के स्थान पर कोष्ठक मे दिए गए सर्वनामों का प्रयोग कर नए वाक्य बनाइए।

(અમે, તે, તેઓ)

હું તમને નોકરી આપી શકીશ.

III उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :- હું તમને નોકરી આપીશ.
હું તમને નોકરી આપી શકીશ.

1) હું પત્રવ્યવહાર કરીશ.
2) એક મિનિટના પાંસઠ શબ્દોની ઝડપે ટાઈપ કરીશ.
3) તમે ટાઈપ કરશો.
4) આપ ચિઠ્ઠી આપશો.
5) તમે શું કામ કરશો?

IV उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए क्रियारूपों से तीन-तीन वाक्य बनइए।

[(1) આપી શકવું (2) લખી શકવું (3) લાવી શકવું.]

उदाहरण :- 1) હું ચિઠ્ઠી વાંચી શકું છું.
2) હું ચિઠ્ઠી વાંચી શક્યો.
3) હું ચિઠ્ઠી વાંચી શકીશ.

V उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण :- હું તમને ચિઠ્ઠી _____ . (આપવું, શકવું)
હું તમને ચિઠ્ઠી આપી શકીશ.

1) અંગ્રેજી, ગુજરાતી અને હિન્દી ત્રણે ભાષામાં પત્રવ્યવહાર _______ . (કરવું, શકવું)
2) તમે આ ચિઠ્ઠી લઈ ______ છે. (જવું, શકવું)
3) હું અંદર _____ . (આવવું, શકવું)
4) તમે શું કામ _____ ? (કરવું, શકવું)

VI नीचे दिए गए नकारात्मक वाक्यों को सकारात्मक बनाइए।

उदाहरण :- હું આવી શકું નહીં.
હું આવી શકું છું.

1) તે વિશે હું નથી જાણતો.
2) કદાચ એમને ત્યાં અનુકૂળતા નહીં આવી હોય.
3) આ કામ હું કરું કે ના કરું તે વિચારવું નહીં.
4) ભલામણ વિના નોકરી મળે નહીં.
5) એવું ક્યારે પણ બનશે નહીં.

VII बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों के साथ दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों का मिलान कीजिए।

1) તમારો આ ઉપકાર હું	- વગર શી રીતે જીવી શકીએ.
2) ત્રણેય ભાષાઓમાં પત્રવ્યવહાર	- આપી શકીશ.
3) આ શહેરમાં નોકરી	- કરી શકું છું.
4) આપ એક ચિઠ્ઠી	- ક્યારેય નહીં ભૂલી શકું.
5) હું તમને જરૂર નોકરી	- આપી શકશો?

VIII वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नए वाक्य बनाइए।

ભગવાન તમારું ભલું કરે.

સારું
કલ્યાણ
રક્ષણ

IX उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :- ભગવાન તમારું ભલું કરે છે.
ભગવાન તમારું ભલું કરે.

1) ઈશ્વર તમને સુખી રાખે છે.
2) પ્રભુ તમારું સારું કરે છે.
3) ભગવાન તમારા પરિવારને સુખી રાખે છે.
4) પરમાત્મા તમારું કલ્યાણ કરે છે.

पढ़िए और समझिए

ફરજિયાત શિક્ષણ યોજના

પહેલાંના સમયમાં માત્ર ઉચ્ચ જાતિનાં બાળકો ભણી શકતાં હતાં. હવે ફરજિયાત શિક્ષણની યોજના થયા પછી દરેક જાતિનાં બાળકો શિક્ષણ લઈ શકે છે. શિક્ષણ મફત મળી શકે છે. જેથી મા-બાપ પોતાનાં બાળકોને શાળામાં મોકલી શકે છે. નોકરીઓમાં પણ બધી જાતિઓના ઉમેદવારો માટે અનામત રાખેલ છે. જેથી પછાત જાતિના ઉમેદવારોને પણ નોકરી મળી શકે છે. જો સરકારે આવી યોજનાઓ ન કરી હોત તો તેવા ઉમેદવારોને નોકરી મળી શકત નહીં. સમાજ કલ્યાણ કચેરી તેમજ રોજગાર વિનિમય કચેરી દ્વારા પણ નોકરીઓ માટે ખાલી પડતી જગ્યાઓ વિશે માહિતી મળી શકે છે. આ ઉપરાંત છાપાઓમાંની જાહેરખબરોથી પણ માહિતગાર થઈ શકાય છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
ઉચ્ચ	ऊँची
જાતિ	जाति
ફરજિયાત શિક્ષણ યોજના	अनिवार्य शिक्षा योजना
દરેક	प्रत्येक
મફત	मुफ्त, निःशुल्क
ઉમેદવાર	उम्मीदवार
અનામત	आरक्षण
રાખેલ છે	रखा है
પછાત જાતિ	पिछड़ी हुई जातियाँ
સમાજ કલ્યાણ કચેરી	समाज-कल्याण कार्यालय
રોજગાર વિનિમય કચેરી	रोजगार विनिमय कार्यालय
જગ્યા	जगह
ઉપરાંત	अतिरिक्त
માહિતગાર	वाकिफ, जानकार

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) દરેક જાતિનાં બાળકો માટે શિક્ષણની કઈ યોજના છે?
2) ફરજિયાત શિક્ષણની શી યોજના છે?
3) દરેક જાતિના ઉમેદવારને નોકરી મળી શકે તે માટે સરકારે શી વ્યવસ્થા કરી છે.
4) નોકરીની જગ્યાઓ માટેની માહિતી આપણને ક્યાંથી મળી શકે?
5) છાપાંઓ આપણને કંઈ રીતે ઉપયોગી થઈ પડે?

II अनुच्छेद के आधार पर सही कथन चुनिए।

1. 1) હવે માત્ર ઉચ્ચ જાતિનાં બાળકો ભણી શકે છે.
   2) હવે દરેક જાતિનાં બાળકો શિક્ષણ લઈ શકે છે.

2. 1) દરેક જાતિના ઉમેદવારોને નોકરીમાં અનામત છે.
   2) માત્ર પછાત જાતિના ઉમેદવાર માટે નોકરીમાં અનામત છે.

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

આજે ગૌરવ ખૂબ જ ખુશ છે. તેણે સી.એ.ની અંતીમ પરીક્ષા પાસ કરી લીધી છે. હવે તેને સારી નોકરી મળી શકે છે અને પગાર પણ સારો મળી શકે છે. ગૌરવ નાનપણથી જ ભણવામાં હોશિયાર છે. ડૉક્ટર બનવાની ક્ષમતા પણ તેનામાં છે. પણ તેને કૉમર્સમાં વધારે રસ છે. તેથી જ તે સી.એ.ની ડીગ્રી પ્રાપ્ત કરી શક્યો. 'મન હોય તો માળવે જવાય' એવી કહેવત ગુજરાતીમાં છે, તેનો અર્થ આ પ્રમાણે થાય છે કે મનમાં તીવ્ર ઈચ્છા હોવી જોઈએ, પછી દુનિયાની મોટામાં મોટી સિદ્ધિ પણ મેળવી શકાય છે. જે વ્યક્તિને કંઈક પ્રાપ્ત કરવું હોય તેને મનથી કામ કરવું જોઈએ. આપણે પણ આપણું કામ લગનથી કરવું જોઈએ. ત્યારે આપણે ધ્યેય પ્રાપ્ત કરી શકીએ છીએ.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
ભણવામાં	पढाई में
ક્ષમતા	सामर्थ्य
મનથી	दिल से, मन से
'મન હોય તો માળવે જવાય' (ગુજરાતી કહેવત)	एक गुजराती कहावत, अर्थात, इच्छा हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। हिंदी कहावत 'जहाँ चाह वहाँ राह' की तरह।

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

समाज के विकास के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। ज्यों-ज्यों शिक्षा का विकास होगा त्यों-त्यों समाज का भी विकास होगा। इसी लिए हमारे शासन ने शिक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया है। सरकार ने गाँव-गाँव में पाठशालाएँ खोली हैं। अब गाँव के सभी बच्चे सहजता से शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

पहले समय में बालिका शिक्षा पर ध्यान नहीं देते थे। अब ऐसा नहीं है। इस के लिए ज्योति बा फुले ने कहा था "मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूँ - 'लड़की पढ़ेगी तो तभी सारा समाज आगे बढ़ेगा।" उन्होंने हमें स्त्री शिक्षा का संदेश दिया। उन के इस संदेश से हमें एक नई दिशा मिलगई। कई और समाज सेवियों ने भी स्त्री शिक्षा के लिए प्रयत्न किए।

आज लड़कियाँ भी लड़कों की तरह पाठशालाओं में पढ़ सकती हैं।

बालिका शिक्षा के समान ही हमें दलित वर्गों के बच्चों के लिए भी प्रयत्न करना पड़ेगा। इस वर्ग में भी बहुत जागृति आई है। शासन भी इसके लिए बहुत प्रयत्न करते हैं। हमें गाँव के सभी लोगों के लिए और भी अधिक प्रयत्न करने पड़ेंगे। अब दलित वर्गों के बच्चे भी समान रूप से सभी विद्यालयों में पढ़ सकते हैं। उनकी इच्छा के अनुसार दलित वर्ग का विकास भी सबके समान हो रहा है। सारा समाज समान रूप से शिक्षित होना चाहिए। राष्ट्र के विकास के लिए सब एक साथ मिलकर योगदान करें। गाँधीजी यही चाहते थे सबका विकास हो। सबका कल्याण हो।

गाँधीजी ने दलित वर्गों के विकास के लिए बहुत प्रयत्न किए। उनकी इच्छ थी कि, दलित वर्ग का विकास भी सब के समान होना चाहिए। राष्ट्र के विकास के लिए यह अनिवार्य है।

V नौकरी प्राप्त करने के लिए कौन-कौन सी योग्यताएँ चाहिए ? इस विषय पर गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1.

1)	આટલી મોંઘવારીમાં કેમ જીવી શકીએ?	इतनी महँगाई में कैसे जी सकते हैं।
2)	હું ત્રણે ભાષાઓમાં પત્રવ્યવહાર કરી શકું છું.	तीन भाषाओं में स्वतंत्र रूप से पत्राचार कर सकता हूँ।
3)	આપ મારી સાથે આવી શકશો?	आप मेरे साथ आ सकते हो?
4)	અંગ્રેજીમાં પત્રવ્યવહાર કરી શકો છો?	अंग्रेजी में पत्रव्यवहार कर सकते हो?

2.

1)	ભગવાન તમારું ભલું કરે.	भगवान आपका भला करे।
2)	ઈશ્વર તમારું કલ્યાણ કરે.	ईश्वर आपका कल्याण करे।
3)	પ્રભુ તમારું સારું કરે.	प्रभु आपका अच्छा करे।

4) તમે અને તમારો પરિવાર સદા સુખી રહે. — आप और आपका परिवार सदा सुखी रहे।

3\. 1) ઉતાવળ ના કરો, હું હમણાં આવ્યો. जल्दी मन करो, मैं अभी आया।
2) હવે પેંડા લાવો, લાવ્યો સાહેબ. अब पेड़ा लाओ। लाया साहब।

(1) विभाग के वाक्यों में सहायक क्रिया 'શક' (सक) के विविध रूप दिखाए गए हैं। हिंदी की ही तरह गुजराती में भी मूल क्रिया में 'શક-શકવું' (सक) सहायक क्रिया काल, पुरुष, लिंग, वचन के अनुसार प्रत्यय जोड़कर एसे वाक्य बनते हैं। ऐसी क्रियाएँ कार्य की शक्यता (सामन्य) का बोध कराती हैं।

(2) विभाग के वाक्य हिंदी की ही तरह इच्छा तथा आशीर्वाद दर्शाते हैं। बोलनेवाला जब दूसरों का भला चाहता है तब ऐसे वाक्यों का प्रयोग होता है।

(3) उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियाएँ 'આવ્યા', 'લાવ્યો' भूतकालिक हैं। लेकिन इस का प्रयोग तात्कालिक भविष्यतकाल की क्रिया बताने के लिए किया है। कार्य करने में जरा भी विलंब नहीं होता, यही अर्थ सूचित करने के लिए ऐसा भूतकालिक प्रयोग होता है।

પાઠ 12
पाठ

નવરાત્રિ

હિમાંશુ : સૌરભ, પરમ દિવસે મેં તને થલતેજ સર્કલ પાસે જોયો હતો. તું ક્યાં જઈ રહ્યો હતો ?

સૌરભ : હું પાર્ટી પ્લોટમાં ગરબા રમવા ગયેલો. આ વખતે નવરાત્રિમાં ગરબાઓનું ખૂબ આયોજન થઈ રહ્યું છે. આખું ગામ આનંદિત લાગે છે. તું ગરબા રમવા ક્યાં જાય છે ?

હિમાંશુ : હું સહ્યાદ્રી સોસાયટીમાં ગરબા રમવા જઉં છું. ત્યાં ગરબા રમવા માટે ઘણી ખુલ્લી જગ્યા છે. ત્યાં મારી મોટી બહેન રહે છે. ત્યાંના ગરબા ખૂબ સારા અને પરંપરાગત હોય છે. હું એક વખત વડોદરામાં ગરબા જોવા ગયેલો. ત્યાંના ગરબા ખૂબજ સારા હતા. ત્યાં બધાં જ ખેલૈયા પરંપરાગત તાલ પર ગરબે રમી રહ્યા હતા. પાર્ટી પ્લોટમાં ગરબા કેવા થાય છે?

સૌરભ : પાર્ટી પ્લોટના ગરબા વિશે શું કહેવું ? ત્યાંના ગરબા તો ખૂબ પ્રસિધ્ધ છે. પ્રસિધ્ધ ગરબા ગાયકો ગરબા ગાય છે અને ઉત્સાહી ખેલૈયા ગરબા અને સંગીતની ધૂન પર મસ્ત થઈ મોડી રાત સુધી ગરબા રમે છે.

नवरात्री

हिमांशु : सौरभ, परसों मैंने तुम्हें थलतेज सर्कल के पास देखा था। तुम कहाँ जा रहे थ?

सौरभ : मैं पार्टी प्लाट में गरबा खेलने गया था। इस बार नवरात्री में गरबों के बहुत आयोजन हो रहे हैं। पूरा गाँव आनंदित लगता है। तुम गरबे खेलने कहाँ जाते हो?

हिमांशु : मैं सह्याद्री सोसायटी में गरबा खेलने जाता हूँ। वहाँ गरबा खेलने के लिए खूब खुली जगह है। वहाँ मेरी बड़ी बहन रहती है। यहाँ के गरबे बहुत ही अच्छे और पारंपरिक होते हैं। मैं एक बार बड़ौदा में गरबे देखने गया था। वहाँ के गरबे बहुत अच्छे थे। वहाँ खेलैये पारंपरिक ताल पर गरबे खेल रहे थे। पार्टी प्लाट में गरबे कैसे होते हैं?

सौरभ : पार्टी प्लाट के गरबों के बारे में क्या कहना? वहाँ के गरबे तो बहुत प्रसिद्ध हैं। वहाँ पर प्रसिद्ध गरबा गायक गरबे गाते हैं और उत्साही खेलैये गरबा और संगीत की धुन पर मस्त होकर देर रात तक गरबे खेलते हैं।

હિમાંશુ : ત્યારે તો ત્યાં ગરબા રમવાની ખૂબ જ મજા આવતી હશે ? ત્યાંના ખેલૈયાઓના પહેરવેશ પણ વિવિધ પ્રકારનાં હશે.

સૌરભ : હા, પાર્ટી પ્લોટમાં ગરબાના પહેરવેશ ખૂબ જ આકર્ષક હોય છે. છોકરાઓ વિવિધ પ્રકારનાં રંગબેરંગી કેડિયાં અને બોરી પહેરે છે. કેટલાંક છોકરાઓ રબારી કે ભરવાડી પ્રકારનાં પોશાક પણ પહેરે છે. છોકરીઓ વિવિધ પ્રકારની ચણિયાચોળી, જિમી, ગામઠી વગેરે પહેરે છે. બધાં સરસ તૈયાર થઈને પોત પોતાનાં ગ્રુપમાં ગરબા રમે છે.

હિમાંશુ : અમારે ત્યાં પણ બધાં લોકો ભેગા મળીને પૂરા ઉત્સાહથી ગરબા રમે છે. ગરબામાં દરેક ઉંમરના લોકો સામેલ થાય છે. અમારે ત્યાં ગરબાની શરૂઆત પરંપરા મુજબ અંબાજી માતાની આરતીથી જ થાય છે. ગરબાનો પ્રારંભ એકતાલથી થાય છે. પછી ગરબા બેતાલી અને ત્રણ તાલી સુધી પહુંચે છે. ખેલૈયાઓ ગરબા પછી રાસ રમે છે અને છેલ્લે હીંચ.

સૌરભ : સારું કહે તું આજે ક્યો પોશાક પહેરીશ ?

હિમાંશુ : મારી પાસે બે જુદાં-જુદાં રંગના ભરવાડી પોશાક છે. હું આજે લીલા રંગનો પોશાક પહેરીશ. તું મારો પીળા રંગનો પોશાક પહેરી શકે છે.

हिमांशु : तब तो वहाँ गरबे खेलने में बहुत मज़ा आता होगा? वहाँ के खेलैयों की पोशाकें भी विविध प्रकार की होंगी।

सैरभ : हाँ, पार्टीप्लाट में गरबों की पोषाकें बहुत ही आकर्षक होती हैं। लड़के विभिन्न प्रकार के रंग बिरंगे केडिए, और बोरी पहनते हैं। कुछ लड़के रबारी या भरवाड़ी भाँत की पोशाक के भी पहनते हैं। लड़कियाँ विविध प्रकार की चण्या चोली, झीमी, गामठी वगैरह पहनती हैं। सभी अच्छी तरह तैयार होकर अपने-अपने ग्रूप में गरबे खेलते हैं।

हिमांशु : हमारे यहाँ भी सभी लोग एक जुट होकर पूरे उत्साह से गरबे खेलते हैं। गरबों में हर उम्र के लोग शामिल होते हैं। हमारे वहाँ गरबों की शुरुआत पारंपरिक रूप से अंबामाताकी आरती से ही होती है। गरबे का प्रारंभ एकताल से होता है। फिर गरबे दो ताल, त्रिताल तक पहुँचते हैं। खेलैये गरबे के बाद रास खेलते हैं और आखिर में हींच।

सौरभ : अच्छा, बताओ आज तुम कौन सी पोशाक पहनोगे?

हिमांशु : मेरे पास दो अलग-अलग रंगों की भरवाड़ी पोशाक हैं। मैं आज हरे रंग की पोशाक पहनूँगा। तुम मेरी पीले रंग की पोशाक पहन सकते हो।

સૌરભ : ના યાર. હવે તો ઘણી બધી જગ્યાએ ગરબાનો પોશાક ભાડેથી મળે છે. તેથી હું બહારથી એક સુંદર કેડિયું અને ધોતી લાવ્યો છું. આજે તો હું એ જ પહેરીશ. તારો પોશાક હું કાલે લઈ જઈશ. મારી પાસે ડાંડિયાની બે સુંદર જોડી પડી છે. એમાંથી એક જોડી તું લઈ શકે છે.

सौरभ : नहीं यार। अब तो कई जगह गरबे की पोशाकों मिलती हैं। इस लिए मैं बाहर से एक सुंदर केडिया और धोती लाया हूँ। आज तो मैं वही पहनूँगा। तुम्हारी पोशाक मैं कल ले जाऊँगा। मेरे पास डाँडिये की दो सुंदर जोड़ी हैं। उस में से एक जोड़ी तुम ले सकते हो।

હિમાંશુ : હા. મને તો ભાડાના મોંઘા પોશાક પોસાતા નથી. તેં ડાંડિયાનું સારું કીધું ગઈકાલે મારા ડાંડિયા તૂટી ગયા. હવે મારી પાસે ડાંડિયાની બીજી જોડ નથી. એટલે હું તારી પાસે ડાંડિયા માગવાનો હતો.

हिमांशु : हाँ मुझे तो किराए की महंगी पोशाक नहीं पोसाती है। तुमने डाँडिए की भली कही। कल मेरे डाँडिये टूट गए। अब मेरे पास डाँडिए की दूसरी जोड़ नहीं है। इसलिए मैं डाँडिया मांगने वाला था।

સૌરભ : જરૂર લઈ લેજે. આજે તું મારી સાથે પાર્ટી પ્લોટમાં ગરબા રમવા આવ.

सौरभ : जरूर ले लेना। आज तुम मेरे साथ पार्टी प्लाट में गरबा खेलने चलो।

હિમાંશુ : ના. મારે તો મારી નાની બહેનને પણ સાથે લઈ જવી પડે છે. એટલે હું તારી સાથે નહીં આવી શકું. ફરી કોઈ દિવસ સાથે જઈશું.

हिमांशु : नहीं मुझे तो अपनी छोटी बहन को भी साथ ले जाना पड़ता है। इसलिए मैं तुम्हारे साथ नहीं आ सकता। फिर किसी दिन साथ जाएँगे।

સૌરભ : હા, ઠીક છે. હું તો રાત્રે આઠ વાગે સુઈ જઈશ અને અગિયાર વાગે ઉઠીશ પછી તૈયાર થઇને ગરબા રમવા જઈશ.

सौरभ : हाँ ठीक है। मैं तो रात आठ बजे सो जाऊँगा और ग्यारह बजे उठूँगा फिर तैयार होकर गरबा खेलने जाऊँगा।

હિમાંશુ : હા, ગરબા તો રાત્રે અગિયાર વાગ્યે શરૂ થાય છે અને સવાર સુધી ચાલે છે.

हिमांशु : हाँ, गरबे तो ग्यारह बजे रात से शुरु होते हैं और प्रभात तक चलते हैं।

સૌરભ : ઠીક છે. તો હવે હું જાઉં છું. ગરબાની તૈયારી પણ કરવાની છે. આજે ભલે તું મારી સાથે ન આવ્યો પણ નોમના દિવસે રૂપાલની પલ્લી જોવા જરૂર સાથે જઈશું.

सौरभ : ठीक है, तो अब मैं जाता हूँ। गरबा की तैयारी भी करनी है। आज तुम मेरे साथ भले ही न आओ लेकिन नवमी के दिन 'रूपाल' की पल्ली देखने जरूर साथ चलेंगे।

હિમાંશુ : સારું, હું નોમનો દિવસે સાંજે તારા ઘરે પહોંચીશ. ત્યાંથી જ તૈયાર થઇને રૂપાલ જઇશું. હવે હું જઉં છું. મારે મોડું થાય છે.

हिमांशु : अच्छा, मैं नवमी के दिन शामको तुम्हारे घर पहुँचूँगा। वहीं से तैयार होकर रूपाल चलेंगे। अब मैं चलता हूँ। मुझे देर हो रही है।

સૌરભ : સારું. નોમના દિવસે મળીશું.

सौरभ : ठीक है। नवमी के दिन मिलेंगे।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
પરમ દિવસે	परसों
થલતેજ સર્કલ	अहमदाबाद का एक क्षेत्र
ગરબા	गुजरात का नवरात्रों में खेला (नाचा) जानेवाला एक लोक नृत्य
રમવા	खेलने (नाचने)
પાર્ટી પ્લોટ	बड़े कार्यक्रम करने के लिए खुली जगह
પરંપરાગત	परंपरागत
ઉત્સાહી	उत्साही
ખેલૈયા	गरबा खेलने वाले
ધૂન	लय, धुन
મોડી રાત	देर रात
પહેરવેશ	पोशाक, पहनावा
આકર્ષક	आकर्षक
છોકરાઓ	लड़के
કેટલાંય	कोई कोई
રબારી ડ્રેસ	रबारी जाति के पुरुषों का पहनावा, जो गरबे के समय अन्य लोग भी पहनते हैं।
ભરવાડી ડ્રેસ	भरवाडी जाति के पुरुषों का पहनावा जो गरबे के समय अन्य लोग भी पहनते हैं।
છોકરીઓ	लड़कियाँ
ચણિયા-ચોળી	गुजरात में गरबे के समय लड़कियों द्वारा पहनी जानेवाली परंपरागत पोशाक
જિમી	भरवाडी और रबारी स्त्रीयों द्ारा पहना जानेवाला एक पारंपरिक वस्त्र जिसे गरबे के समय अन्य समाज की लड़कियाँ भी पहनती हैं

ગામઠી	गुजरात में गरबे के समय लड़कियों द्वारा पहनी जाने वाली एक विशिष्ट पोशाक
પહેરવું	पहनना
ભેગા	इक्कट्ठे
મળીને	मिलकर
દરેક	हर, प्रत्येक
શરૂઆત	शुरुआत
પોશાક	पोशाक
આરતી	आरती
એકતાલ	संगीत की प्रथम ताल
ત્રણતાલ	संगीत की त्रिताल
પછી	बाद, पश्चात
રાસ	एक प्रकार का पारंपरिक नृत्य
હીંચ	गुजरात का एक विशिष्ट पारंपरिक नृत्य जो नवरात्रों में किया जाता है
મારી	मेरी
જુદાં-જુદાં	अलग-अलग, भिन्न-भिन्न
લીલો	हरा
પીળો	पीला
શકે	सकना
બહાર	बाहर
કેડિયું	अंगरखा, मिरजइ
ધોતી	धोती
ડાંડિયા	डांडिया, (एक छोटी पतली डंडी जिसका उपयोग गरबा खेलने के समय होता है)
જોડી	जोडी
ટૂટી ગયા	टूट गया
માગવું	ले जाना
ઈચ્છા	इच्छा
નાની	छोटी
ઉઠીશ	उठूँगा/गी
નોમ (નૉમ)	नवमी
રૂપાલ	गुजरात का एक गाँव, जहाँ नवरात्री की नवमी पर वरदायनी माँ का रथ निकलता है, जिसे पल्ली कहते हैं
પલ્લી	नवरात्रों की नवमी पर निकलनेवाला वरदायनी माता का एक विशिष्ठ रथ
મળવું	मिलना

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) તું ગરબા રમવા ક્યાં જાય છે?
   2) પાર્ટી પ્લોટમાં ગરબા કેવા થાય છે?
   3) ગરબા ક્યાં સારા થાય છે?
2. 1) આખું ગામ આનંદિત લાગે છે.
   2) પોશાકમાં વિવિધતા જોવા મળે છે.
   3) ગરબા માટે પોશાક ભાડેથી મળે છે.
   4) મારે ભાડેથી પોશાક લાવવો છે.
   5) મારી પાસે દાંડિયાની બે જોડી પડી છે.

3. 1) મેં ઊંઘી લીધું હશે.
   2) મારી બહેને કામ કરી લીધું હશે.
   3) ભાડેથી પોશાક મોંઘો મળતો હશે.

4. 1) હું પાર્ટીપ્લોટમાં ગરબા રમવા ગયેલો.
   2) હું કૉલેજમાં ગયેલો.
   3) હું વડોદરામાં ગરબા જોવા ગયેલો.

5. 1) મને તો મોંઘા પોશાક પોસાય નહીં.
   2) દરેકને પોતાનો પોશાક હોતો નથી.
   3) મારી પાસે રબારી ડ્રેસ નથી.
   4) મારી પાસે ડાંડિયાની બીજી જોડ નથી.

6. 1) ત્યાં બધા ખેલૈયા પારંપરાગત તાલ પર ગરબા રમતા હતા.
   2) બે વર્ષ પહેલાં ડ્રેસ સસ્તો મળતો હતો.

7. 1) આપણે ગરબા રમવા જઈશું.
   2) આપણે સાડા અગિયાર વાગે જઈશું.
   3) આપણે રૂપાલની પલ્લી જોવા જઈશું.

II नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के दो-दो वाक्य बनाइए।

1. उदाहरण: પોશાક ભાડે મળે છે.
   પોશાક ભાડે મળી રહ્યો છે.
   પોશાક ભાડે મળ્યો છે.

1) તું ગરબે રમે છે.
2) પોશાક સસ્તો મળે છે.
3) તું કૉલેજમાં જાય છે.

2. ઉदाहरण: પાર્ટીપ્લોટનો પાસ મળ્યો હતો.
પાર્ટીપ્લોટનો પાસ મળી રહ્યો હતો.
પાર્ટીપ્લોટનો પાસ મળતો હતો.
1) આખા ગામમાં ઉત્સવ થયો હતો.
2) પોશાક ભાડેથી મળતો હતો.
3) તું ગરબા રમવા ગયો હતો.

3. उदाहरण: મારી બહેન કામ કરશે.
મારી બહેન કામ કરી રહી હશે.
મારી બહેને કામ કરી લીધું હશે.
1) પાર્ટીપ્લોટનો પાસ મળશે. (મળી રહ્યો હશે/મળ્યો હશે)
2) પોશાક ભાડેથી મળશે. (મળી રહ્યો હશે/મળ્યો હશે)
3) તું ગરબા રમવા જઈશ. (જઈ રહ્યો હશે/ગયો હોઈશ)

III उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

उदाहरण: મને મોંઘો પોશાક પોસાય છે.
મને મોંઘો પોશાક પોસાય નહીં.
1) દરેકને પોતાનો પોશાક હોય છે.
2) મારી પાસે રબારી પોશાક છે.
3) ગરબામાં ગાવાનું હોય છે.
4) મારા દાંડિયા હીરલને ત્યાં છે.
5) તે કૉલેજમાં ગયો છે.

IV कोष्ठक में से उपयुक्त सर्वनाम चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) આજે _____ ગરબા રમીશ. (હું, તું, અમે)
2) કાલે _____ ગાંધીનગર જઈશું. (અમે, તમે, તેઓ)
3) હવે _____ પાસે રબારી ડ્રેસ નથી. (મારી, મારો, મારું)
4) ગયા શનિવારે _____ કૉલેજમાં ગયેલો? (તું, તમે, તેઓ)
5) તે વખતે _____ પગાર ટૂંકો મળતો હતો. (અમે, તમે, મને)

V कोष्ठक में दिए गए हिंदी क्रिया-रूपों के समानार्थक गुजराती क्रियारूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) તે ગરબા _____ ગયેલો. (खेलने)

2) અમે આજે પાર્ટીપ્લોટમાં ગરબા _____ જઈશું. (खेलने)
3) હું આજે હોટલમાં _____ જઈશ.(साजे)
4) પોશાકમાં વિવિધતા _____ મળે છે. (देखने)
5) સોનલ બગીચામાં ______ આવી. (घूमकर)
6) તે ગરબા ______ આવે છે. (खेल कर)

VI उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए सर्वनामों के विविध रूपों का प्रयोग कर नए वाक्य बनाइए।

उदाहरण: હું વાંચું છું.
અમે વાંચીએ છીએ.
મારે વાંચવું છે.
અમારે વાંચવું છે.

'તું', 'તે'

VII बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों के साथ दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए।

1) અત્યારે ગરબા માટે પોશાક ભાડેથી...	1) પડે છે.
2) તને પીળા રંગનું કેડિયું સારું....	2) વાગ્યું હતું.
3) દરેકને પોતાનો પોશાક.....	3) લાગશે.
4) તેને સાધારણ........	4) હોતો નથી.
5) ઝાડથી પાન.....	5) મળે છે.

VIII नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के गुजराती समानार्थी शब्द दीजिए।

अतिथि, विश्राम, अनार, यात्रा, छड़ी, पूरी, अपराध, दुर्घटना, छुट्टी, स्वीकार, यकायक, घूमना, समान, छोटी, अलग-अलग, पश्चात, प्रत्येक, मिलकर, देररात, टकराई, इकट्ठे, योजना, अस्पताल, रिश्तेदार, दिखाना, उसके बाद, चीजें, बड़ा, राजधानी, उद्यमी, कूड़ा-कचरा, कहानी, शादी, सीख, महँगाई, कम, डाँटना, दावत, छिड़कना, होड़, बारिश, गडढा, जल्दी, सिफारिश, बाड़, सहकर्मी, बाधा, सुविधा

IX पढ़िए और समझिए।

દિવાળી

પ્રકાશ ઘરના પગથિયા પર બેસીને વિચારી રહ્યો હતો. આજે દિવાળીનો પહેલો દિવસ વાઘબારસ છે. ગયે વર્ષે તો અમે ગામમાં હતા. મા ઘરને વાળીઝૂડીને સાફ કરી રહી હતી. બહેન વાસણો ઉટકીને ચકચકતાં કરતી હતી. કાલે ધનતેરશે બાપુજી ધનની પૂજા કરશે. કાળી ચૌદશે બા પૂરી વડાં બનાવીને

ચોકમાં મૂકી આવશે. એ રીતે ઘરમાંથી કકડાટ કાઢશે. દિવાળીને દિવસે નવાં કપડાં પહેરશું. બધાં બાળકો સારું-સારું ખાશે અને ફટાકડા ફોડશે. બાપુજી સાંજે ચોપડા પૂજન કરશે. નવા વર્ષે અમે બધાંને સાલમુબારક કહેવા જઈશું. ભાઈબીજને દિવસે બહેનને ત્યાં જમવા જવાનું હશે. આપણે આપણા બધાજ તહેવાર સદ્ભાવથી ઉજવવા જોઈએ. આવી ભાવનાથી આપણે પરસ્પર એકબીજાનો પ્રેમ જાળવી રાખી શકીએ છીએ.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
પગથિયાં	घर के मुख्य द्वार की सीढ़ियाँ
પહેલો	पहला
વાઘબારસ	दीवाली का पहला दिन
વાળીઝૂડીને	अच्छी तरह सफाई करके
વાસણો	बर्तन
ઉટકીને	माँजकर
ચકચકતાં	चमकीले
કાળી ચૌદસ	नर्क चतुर्दशी
વડાં	बड़े
મૂકી આવતી	रख कर आती
ચોક	आँगन/चौराहा
કકળાટ	कर्कशता/कलेश/कलह
નવાં	नए
ભાઈબીજ	भाईदूज

अभ्यास

I **नीचे दिए गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1) પ્રકાશની બા શું કરતી હતી?
2) વાસણ કોણ ઉટકતું હતું?
3) ધનતેરશે બાપુજી શું કરશે?
4) કાળી ચૌદશે બા શી રીતે કકડાટ કાઢશે?
5) દિવાળીને દિવસે બાળકો શું કરશે?
6) બાપુજી ચોપડાપૂજન ક્યારે કરશે?
7) ભાઈબીજને દિવસે બધાં ક્યાં જમવા જશે?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त गुजराती शब्द दीजिए।

दिपावली का पहला दिन, अच्छी तरह सफाई करके, माँजकर, चमकीले, नर्क चतुर्दशी, भाईदूज

III नीचे दिए गए अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

એક નાનું ગામ છે. તેમાં એક દલો તલવાડી રહે છે. તેને રીંગણાનું ભરતું ખૂબ જ ભાવે છે. તેની બા રીંગણાનું ભરતું ખૂબ સ્વાદિષ્ટ બનાવતી હતી. દલાને તેમાં ઘી તો જોઈએ જ. એક દિવસ તેણે પોતાની પત્ની લીલાને કહ્યું મારે રીંગણાનું ભરતું ખાવું છે. હું બજારમાંથી રીંગણાં લાવીશ અને તું ભરતું બનાવજે. દલો તલવાડી રીંગણા લેવા બજારમાં ગયો. તેને બજારમાંથી રીંગણાં મળ્યાં નહીં. તે ઘરે 'ધોયેલા મૂળા જેવો' પાછો આવી રહ્યો હતો ત્યારે તેણે રીંગણાની એક વાડી જોઈ. તેણે વાડીને પૂછ્યું વાડી રે વાડી,રીંગણાં લઉં બે ચાર પછી જાતે જ બોલ્યો : લેને દસ-બાર. દલાએ દસ-બાર રીંગણાં લીધાં અને ઘરે આવ્યો. પછી તો દલાને રોજ રીંગણાં ચોરવાની આદત પડી ગઈ. એક દિવસ વાડીના માલિકને ખબર પડી. તેણે દલાને પકડી લીધો. માલિકે દલાને કૂવામાં લટકાવીને કૂવાને પૂછ્યું કૂવા રે કૂવા ડૂવકી લગાવું બે-ચાર. પછી જાતે જ બોલ્યો : લગાવોને દસ-બાર. અને આવી રીતે વાડીના માલિકે દલાને ચોરીને સજા કરી.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
રીંગણાનું ભરતું	बैंगन का भुरता
પોતાની	अपनी
કહ્યું	कहा
વાડી	खेत
પૂછ્યું	पूछा
બોલ્યો	बोला
ચોરવાની	चुराने को
ખબર	खबर, पता
ડૂબકી	डुबकी
ધોયેલા મૂળા જેવો (કહેવત)	धूली हुइ मूली के जेसा अर्थात खाली हाथ वापस आया ।

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

भारत में अनेक जातियों और धर्मों के लोग निवास करते हैं। यहाँ समय-समय पर अनेक जातियाँ आईं। कुछ समय बाद यहीं बस गईं और सबने भारत को अपना देश मान लिया।

सब की भिन्न-भिन्न भाषाएँ हैं। भिन्न-भिन्न रीतिरिवाज हैं। वेश भूषा है। फिर भी सब एक हैं। इसी को अनेकता में एकता कहते हैं। यहाँ सभी लोग आपसी सद्भाव से रह रहे हैं।

सभी लोग यहाँ मिलजुल कर रहते हैं। होली, ईद, ओणम, दीवाली, क्रिसमिस, वैशाखी आदि त्योहार मिलजुल कर मनाते हैं। किसी प्रकार का भेद नहीं रखते। आपसी सद्भाव से ही हम देश की एकता की रक्षा कर सकते हैं। इस के लिए हमें सदा प्रयत्न करना चाहिए। हमारे संविधान की भी यही मंशा है। हमें अपने संविधान का आदर करना चाहिए।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
बसना	વસવું
वेशभूषा	વેશભૂષા
आपसी	આંતરિક/અંગત
मिल जूलकर	હળીમળીને
भेद	ભેદ
संविधान	બંધારણ
मंशा	ઇચ્છા
आदर	આદર

V नवरात्री पर्व पर गुजराती में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

પાઠ 13
पाठ

નિવૃત્તિ પછી

જુબીન : મહેશકાકા, તમે વડોદરા ક્યારે આવ્યા?

મહેશ : ભાઈ મને અહીં આવે ત્રણ મહિના થઈ ગયા છે. નિવૃત્ત થઈને હું અહીં આવ્યો છું.

જુબીન : અહીં શી પ્રવૃત્તિ કરો છો?

મહેશ : હવે તો ભગવાનનું નામ લેવાનું છે. બીજી શી પ્રવૃત્તિ છે? બાગ-બગીચાની સંભાળ રાખું છું. જાતે વાવેલા છોડ મને ગમે છે.

જુબીન : ક્યારેક સાંજે ઘરે આવજો.

મહેશ : જરૂર આવીશ. આજે તો મારે ત્યાં મારો ગાંધીનગરવાળો સાળો જયંતિ આવવાનો છે. તમે પણ આવજો. તેમની સાથે તમારી ઓળખાણ થઈ જશે.
(મહેશ ઘરે જાય છે)

મહેશ : અરે જયંતિ, તું ક્યારે આવ્યો.

જયંતિ : મને આવ્યે બે કલાક થઈ ગયા. તમે બહુ વાર કરી. મને તો ખૂબ જ ભૂખ લાગી છે. ચાલો જમી લઈએ.

મહેશ : હા હું હાથ ધોઈને આવું છું. જયંતિ શું તેં અમદાવાદના સોસાયટીવાળા સાથે ઘર વિશે વાત કરી?

सेवानिवृत्ति के बाद

जुबीन : महेश काका। आप बड़ोदरा कब आए?

महेश : भाई, मुझे यहाँ आए तीन महीने हो गए हैं। सेवा निवृत्त हो कर मैं यहाँ आया हूँ।

जुबीन : यहाँ क्या गतिविधियाँ करते हैं?

महेश : अब तो भगवान का नाम लेना है। दूसरी कौनसी गतिविधियाँ हों? बाग-बगीचे की देखभाल रखता हूँ। खुद के बोए हुए पौधे मुझे अच्छे लगते हैं।

जुबीन : कभी शाम को घर आइए।

महेश : अवश्य आऊँगा। आज तो मेरे यहाँ मेरे गाँधीनगर वाला साला जयंति आनेवाला है। आप भी आना। आपका परिचय उनसे हो जाएगा।
(महेश घर जाता है)

महेश: अरे जयंति तुम कब आए।

जयंति : मुझे आए (हुए) दो घंटे हो गए। आपने बहुत देर कर दी। मुझे तो बहुत भूख लगी है। चलिए, खाना खाएँ।

महेश : हाँ, मैं हाथ धोकर आता हूँ। जयंति, क्या तुमने अहमदाबाद के सोसायटीवालों से घर के बारे में बात की?

જયંતિ : હા હા, હું વાત કરવાનો હતો. પણ સોસાયટીવાળા બિલ્ડરને મળી શક્યો નહીં.
મહેશ : આવું ના ચાલે ભાઈ મેં તને પહેલાં જ કહ્યું હતું કે કાલનું કામ આજ કરતાં શીખો. તમારે આ બધું સમજવું જોઈએ.
જયંતિ : બરોબર છે. હવેથી હું એમ જ કરીશ.
મહેશ : બોલવું સહેલું છે ભાઈ પણ કરવું અઘરું છે.
(મહેશનો મિત્ર દેવેન્દ્ર આવે છે)
દેવેન્દ્ર : મહેશભાઈ તમને જમ્યે કેટલો સમય થયો? આપણે ફરવા ક્યારે જઈશું? પછી આપણે સમાજભવનવાળાઓને પણ મળવાનું છે.
મહેશ : ઠીક છે. તમે થોડીવાર બેસો હું જમીને હમણાં આવ્યો.
(મહેશ અને જયંતિ જમીને આવે છે)
મહેશ : ચાલો દેવેન્દ્રભાઈ હવે સમાજસેવાવાળાઓને મળવા જઈએ.
જયંતિ : અરે જીજાજી, શું તમે પણ સમાજસેવા કરવાનું વિચારી રહ્યા છો?
મહેશ : હા, હા. આખું જીવન તો પૈસા કમાવવામાં વિતાવ્યું. જીવ્યા તો પણ પોતાની માટે અને પોતાનાઓ માટે જીવ્યા.
દેવેન્દ્ર : બરાબર છે. હવે બીજા માટે જીવવાનું છે.

जयंति : हाँ, हाँ मैं बात करनेवाला था। लेकिन सोसाइटीवाले बिल्डर से मिल नहीं सका।

महेश : ऐसा नहीं चलेगा भाई। मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि कल का काम आज करना सीखो। तुमको यह सब समझना चाहिए।

जयंति : ठीक है। अब से मैं ऐसा ही करूँगा।

महेश : कहना आसान है भाई, लेकिन करना कठिन है।
(महेश का मित्र देवेन्द्र आता है।)

देवेंद्र : महेश भाई, आपको खाना खाए कितना समय हुआ? हम घूमने कब जाएंगे? बाद में हमें समाज भवन वालों से भी मिलना है।

महेश : ठीक है। आप थोड़ी देर बैठिए। मैं खाना खाकर अभी आया। (महेश और जयंति खाना खाकर आते हैं।)

महेश: चलो देवेंद्र भाई, अब समाज सेवावालों से मिलने चलें।

जयंति : अरे जीजाजी, क्या आप भी समाजसेवा करने की सोच रहे हैं?

महेश : हाँ, हाँ। पूरा जीवन तो पैसा कमाने में बिताया। जिए तो भी अपने और अपनो के लिए जिए।

देवेन्द्र : ठीक है। अब दूसरों के लिए जीना है।

મહેશ : હું તો કમાયેલા ધનમાંથી કેટલુંક ધન બીજાઓ માટે વાપરવા ઇચ્છું છું.

દેવેન્દ્ર : મારી બા કહેતાં કે ઈશ્વરે આપેલો કોળિયો બીજાને પણ આપવો મીઠો લાગે છે.

મહેશ : આપણા પૂર્વજોએ કહ્યું છે કે પોતે દુઃખ વેઠીને પણ બીજાને મદદ કરવામાં જ સાચું સુખ છે.

દેવેન્દ્ર : હા, હા. હવે આપણે બીજા માટે જ જીવવાનું છે.

મહેશ : હું તો મોટાભાગનો સમય સમાજ સેવામાં જ વિતાવા ઇચ્છું છું.

જયંતિ : જીજાજી હું પણ તમારો સાથ આપવા માગું છું.

મહેશ : વિચાર સારો છે. પણ એકવાર પોતાના મા-બાપને પૂછો.

દેવેન્દ્ર : સાચી વાત છે. મેં તો ઘરની જંજાળ મૂકી દીધી છે. છોકરાંઓને કરવું હોય તે કરે. મેં નિશ્ચય કર્યો છે કે હવે મારે ઘર ગૃહસ્થી વિશે કોઈને કાંઈ કહેવું નથી.

મહેશ : સમાજ સેવા માટે ઘણું બધું કરવું છે. હંમેશાં કોઈને કોઈ આપત્તિ લોકો પર રહે છે. હવે જુઓને સુનામી આપત્તિમાં કેટલા બધા લોકો મરી ગયા છે. કેટલા બધા પીડિતો છે! તેમની મદદ માટે સરકાર અને સ્વયંસેવી સંસ્થાઓવાળા આગળ આવ્યા છે. આપણે પણ સુનામી પીડીતો માટે કંઈક કરવું છે.

महेश : मैं तो कमाए हुए धन में से कुछ धन दूसरों के लिए खर्च करना चाहता हूँ।

देवेन्द्र : मेरी माँ कहती थी कि ईश्वर का दिया हुआ कौर दूसरों को भी देना मीठा लगता है।

महेश : हमारे पूर्वजों ने कहा है कि खुद दुःख सहकर भी औरों की मदद करने में ही सच्चा सुख है।

देवेन्द्र : हाँ, हाँ। अब हमें दूसरों के लिए ही जीना है।

महेश : मैं तो अधिकांश समय समाज-सेवा में ही बिताना चाहता हूँ।

जयंतिः जीजाजी, मैं भी आपका साथ देना चाहता हूँ।

महेशः विचार अच्छा है। लेकिन एक बार अपने माँ-बाप से पूछो।

देवेन्द्र : सही बात है। मैंने तो घर का जंजाल छोड़ दिया है। बच्चों को जो करना हो सो करें। मैंने निश्चिय किया है कि अब मुझे घर गृहस्थी के बारे में किसीसे कुछ नहीं कहना!

महेश : समाज सेवा केलिए बहुत कुछ करना है। हमेशा कोई न कोई आपत्ति लोगों पर आती रहती है। अब देखो, त्सुनामी विपत्ति से कितने सारे लोग मर गए हैं! कितने सारे पीड़ित हैं! उनकी मदद के लिए सरकार और कई स्वयंसेवी संस्थाओंवाले आगे आए हैं। हमें भी त्सुनामी पीड़ितों के लिए कुछ करना है।

દેવેન્દ્ર : હું તો પાંચ હજાર રૂપિયા આપવાનો છું.	**देवेन्द्र :** मैं तो पाँच हजार रुपए देनेवाला हूँ।
મહેશ : મેં પણ આપણા મહોલ્લામાં વાત કરીને દસ હજાર રૂપિયા એકઠા કર્યા છે.	**महेश :** मैंने भी अपने मोहल्लेवालों से बात कर, दस हजार रुपए इकट्ठे किए हैं।
દેવેન્દ્ર : આજની મિટિંગમાં ચર્ચા કરીશું કે ઓછામાં ઓછા એક લાખ રૂપિયા તો આપણે આપવા જ જોઈએ.	**देवेन्द्र :** समाज की मीटिंग में चर्चा करेंगे तो कम से कम एक लाख रुपए तो हमें देना ही चाहिए।
મહેશ : એક વખત શરૂ કરીશું, પછી પૈસા તો મળતા રહેશે.	**महेश :** एक बार शुरु करेंगे, फिर पैसे तो मिलते रहेगें।
જયંતિ : તમે તો ખરેખર સમાજ સેવાનો સંકલ્પ લીધો છે.	**जयंति :** आपने तो सचमुच समाज-सेवा का संकल्प लिया है।
મહેશ : હવે નિવૃત્તિ કાળમાં બીજું કરવાનું પણ શું છે?	**महेश :** अब निवृत्ति काल में और करना भी क्या है?
દેવેન્દ્ર : તમારા વિચાર ઘણા સારા છે.	**देवेन्द्र :** आपके विचार बहुत अच्छे हैं।
મહેશ : પોતાને માટે તો પશુપંખી પણ જીવે છે. પોતે કરકસર કરીને બીજા માટે ખર્ચ કરવું તે જ માનવતા છે.	**महेश :** अपने लिए तो पशुपक्षी भी जीते हैं। खुद मितव्ययी होकर दूसरों के लिए खर्च करना ही मानवता है।
દેવેન્દ્ર : સાચી વાત છે. એવું કરવાથી જ માનવી સાચો માનવ બની શકે છે.	**देवेन्द्र :** सच बात है। ऐसा करने से ही मनुष्य सच्चा इन्सान बन सकता है।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
પ્રવૃત્તિ	गतिविधि
નિવૃત્તિ	निवृत्त/कार्य मुक्ति
બાગ-બગીચા	बाग-बगीचे
સંભાળ	देखभाल
જાત/પોતે	खुद, स्वय
વાવવું	बोना
રોપવું	लगाना
છોડ	पौधा
ઓળખાણ	पहचान

સાળો	साला
સમજાવવું	समझाना
બનેવી/જીજાજી	बहनोई
સહેલું	आसान
સમાજભવન	समाज भवन
અઘરું	कठिन
આખું	पूरा
કમાવું	कमाना
કોળિયો	टुकड़ा, कौर
આપવું	देना
ખવડાવવું	खिलाना
વિતાવવું	बिताना
જંજાળ	जंजाल
સમાજ સેવા	समाज सेवा
પીડિત	पीड़ित
વાપરવું	वापरना, खर्चकरना
લાખ રૂપિયા	लाख रूपए
વ્યય/ખર્ચવું	व्यय, खर्च करना
જુવાની	यौवन/जवानी
કરકસર	मित्तव्ययता
માનવી	मनुष्य, मानव, इंसान
મોહલ્લો	मोहल्ला

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) મને અહીં આવ્યે ત્રણ મહિના થઈ ગયા છે.
   2) મને ઘરે આવ્યે બે કલાક થઈ ગયા છે.
   3) શું તમને જમ્યે અડધો કલાક નથી થયો?

2. 1) કમાયેલું ધન બીજાઓને માટે વાપરતાં શીખો.
   2) જાતે વાવેલા છોડ મને ગમે છે.
   3) અમે આપેલી ભેટ તેમને ખૂબ પસંદ આવી.
   4) ઈશ્વરે આપેલો કોળિયો બીજાને પણ આપવો જોઈએ.

3. 1) મારા સાળા આવવાના છે.
   2) આજે હું વાંચવાનો છું.
   3) હું પાંચ હજાર રૂપિયા આપવાનો છું.

4. 1) શું તેં સોસાયટીવાળા સાથે વાત કરી?
   2) આપણે સમાજભવનવાળાઓને પણ મળવાનું છે.
   3) કેટલાય સ્વયંસેવી સંસ્થાઓવાળા આગળ આવ્યા.

5. 1) બોલવું સહેલું છે.
   2) કરવું અઘરું છે.
   3) મારે કોઈને કાંઈ કહેવું નથી.

6. 1) મેં તને પહેલાં પણ કહ્યું હતું કે કાલનું કામ આજે કરતાં શીખો.
   2) મારી બા કહેતી હતી કે ઈશ્વરે આપેલો કોળિયો બીજાને પણ આપવો જોઈએ.
   3) આપણા પૂર્વજોએ કહ્યું છે કે બીજાને મદદ કરવામાં સાચું સુખ છે.

II उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :- હું કાલે વડોદરા જઈશ.
હું કાલે વડોદરા જવાની છું.

1) મારા ઘરે મારા ભાઈ-ભાભી આવશે.
2) મહેશ આજે ગાંધીનગર જશે.
3) તેમના બનેવી આવશે.
4) તેઓ તેમની પત્ની અને બાળકો સાથે અમારા ઘરે આવશે.
5) કૌશલ આવતા અઠવાડિયે ગાંધીજીની આત્મકથા લાવશે.

III कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(ગાંધીનગરવાળો, સમાજભવનવાળા, સંસ્થાઓવાળા, દૂધવાળી)

1) આજે આપણે_________ની સાથે મિટીંગ છે.
2) મારી_________ સારું દૂધ લાવે છે.
3) કૃણાલભાઈનો _________ સાળો આવ્યો છે.
4) ઘણી બધી સમાજસેવી_________ આપણા દેશમાં સમાજ સુધારાનું કામ કરે છે.

IV कोष्ठक में दिए गए क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) મેં જાતે ઘણા છોડ _______ છે. (વાવવું)
2) મારા કાકા અમને મળવા _______ છે. (આવવું)
3) અમારી ______ ભેટ તેમને ખૂબ પસંદ આવી. (આપવું)
4) જુવાનીમાં મહેનતથી ______ ધન સારા કામમાં વાપરવું જોઈએ. (કમાવવું)
5) ઈશ્વરે _______ કોળિયો બીજાને પણ આપવો જોઈએ. (આપવું)

V वाक्यों में रेखांकित शब्दों का प्रयोग कर दो-दो वाक्य बनाइए।

1) મને અહીં આવ્યે ત્રણ મહિના થઈ ગયા છે.
2) શું તમને જમ્યે અડધો કલાક નથી થયો?
3) મને ત્યાં ગયે ઘણા વર્ષો થઈ ગયા છે.
4) અમને મળ્યે ઘણા દિવસો થયા છે.

VI कोष्टक में दिए गए वाक्यांशों का उपयुक्त वाक्यांश चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(કહ્યું હતું કે કાલનું કામ, કહ્યું છે કે અહીંસા, કહેતી હતી કે ઈશ્વરે આપેલો, કહ્યું છે કે બીજાને મદદ, કહ્યું હતું કે તું મને)

1) આપણા પૂર્વજોએ _______________ કરવામાં સાચું સુખ છે.
2) મેં તને પહેલાં પણ _____________ આજે કરતાં શીખો.
3) મારી બા ________________ કોળિયો બીજાને પણ આપવો જોઈએ.
4) તેં મને ____________જરૂર મળીશ.
5) ગાંધીજીએ ___________ પરમ્ ધર્મ છે.

VII कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) જાતે_________ છોડ મને ગમે છે. (बोए हुए)
2) અહીં શી __________ કરો છો? (गतिविधि)
3) મારા _________ આવવાના છે. (बहनोइ)
4) _________ ખૂબ મહેનત કરી છે. (जवानी में)
5) દુઃખ _________ પૈસા કમાયા છે. (सहकर)

VIII पढ़िए और समझिए।

મિત્રને પત્ર

પ્રિય મિત્ર પાર્થ

તારો ગયા અઠવાડિયાનો પત્ર મને આજે મળ્યો. તારો પત્ર તો શનિવારે આવેલો. હું મારી બહેનને ત્યાં અમદાવાદ ગયેલો, એટલે પત્રનો જવાબ મોડો આપું છું.

તને હવે ગુજરાતી લખતાં વાંચતાં આવડી ગયું છે. ગુજરાતીમાં લખેલો તારો પત્ર વાંચીને આનંદ થયો. હવે પછી તારે ગુજરાતીમાં જ પત્ર લખવાનો છે.

અમદાવાદમાં અમે દરરોજ સાંજે ફરવા જતા હતા. તને હંમેશાં યાદ કરતા. ધવલની વર્ષગાંઠને દિવસે એક પાર્ટી રાખી હતી. બધાંએ મળીને ખૂબ આનંદ કર્યો. છતાં તારી ખોટ જણાતી હતી.

સમય મળે તો પત્ર લખતો રહેજે. બા-બાપુજી આશિષ મોકલાવે છે. તારાં માતા-પિતાને મારા પ્રણામ કહેજે.

લિ.
તારો પ્રિય મિત્ર
ભદ્રેશ

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
અઠવાડિયે	सप्ताहे
પ્રિય	प्रिय, प्यारा
શનિવાર	शनिवार
દરરોજ	प्रतिदिन, हररोज
પાર્ટી	दावत
આશિષ	आशीर्वाद

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) આ પત્ર કોણે કોને લખ્યો છે?
2) ભદ્રેશને શા માટે આનંદ થયો?
3) ભદ્રેશે પત્રનો જવાબ કેમ મોડો આપ્યો?
4) અમદાવાદમાં કોની વર્ષગાંઠ હતી?
5) વર્ષગાંઠને દિવસે શું કરવામાં આવેલું?
6) પાર્ટીમાં કોની ખોટ જણાતી હતી?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए गुजराती शब्द दीजिए।

सप्ताह, प्रतिदिन, बहनोइ, आशीर्वाद, सहकार, गतिविधि, महल्ला, जवानी।

III अपनी पाठशाला की गतिविधियों के बारे में अपने मित्र को गुजराती में एक पत्र लिखिए।

IV हिंदी में अनुवाद कर उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

આવતા અઠવાડિયે હું મારા મિત્રના લગ્નમાં જવાની છું. મારા બીજા મિત્રો પણ આવવાના છે. અમે અમારા મિત્ર શૈલેષના લગ્નમાં જવાના છીએ. તેની થવાવાળી પત્નીનું નામ શીતલ છે. શૈલેષની સગાઈમાં અમે તેને

ઘડિયાળની એક જોડી ભેટમાં આપેલી. અમારી આપેલી ભેટ શૈલેષ અને શીતલને ખૂબ જ પસંદ આવી. શૈલેષના લગ્નમાં પણ અમે બધા સાથે જવાના છીએ. હજી તો અમારે શૈલેષ માટે લગ્નની ભેટ પણ ખરીદવાની છે. અમારા બધાના પૈસાથી અમે ભેટ ખરીદવાના છીએ. અમારે ગ્રીફટની સારી દુકાનમાં ખરીદવા જવું છે. અમે બધા જ મિત્રો આજે સાંજે મારા ઘરે મળીશું, પછી ભેટ ખરીદવા જઈશું. ભેટ ખરીદતી વખતે દરેકની પસંદગીને ધ્યાનમાં રાખવી પડશે. શૈલેષની પસંદગી પણ ધ્યાનમાં રાખીશું. અમારે શૈલેષને લગ્નની તૈયારીમાં મદદ પણ કરવાની છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
થવાવાળી	होनोली
સગાઈ	सगाई

ભેટ	सौगत, गीफ्ट
ગીફ્ટ	गीफ्ट
દુકાન	शोप
ભેગા, એકઠા	इकट्ठा

V गुजराती में अनुवाद कर उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

बसंत की ऋतु आने वाली है। पतझड़ आगया है। वृक्षों के पत्ते झड़ने लगे हैं। वृक्षों में नये पत्ते भी आ गए हैं। यह देखकर लगता है बसंत आनेवाला है। बसंत ऋतु में हम बगीचों में रंगबिरंगे फूल देख सकते हैं।

आम्र वृक्षों पर मंजरियों के आने से कोयल कुहुक उठती है। लगता है कोयल ने बसंत के आने की आहट सुनी है। या फिर बसंत ने ही कोयल से कह दिया होगा, कोयल तुम गाओ मैं आनेवाला हूँ। इसी लिए तो कोयल ने भी मंजरियों से कहा "मंजरियाँ तुम महको, मैं गाने वाली हूँ।" कोयल के गाने और आम्रमंजरीयों के महकने से लगता है कि, बसंत आ ही गया। भंवरे खुशी से नाच उठते हैं। तितलियाँ थिरक उठती हैं। मानों दोनों कह रहे हों "बसंत आ गया, बसंत आ गया।

आओ हम भी बाग में चलें। सुंदर-सुंदर फूल देखें। भंवरों के साथ गुनगुनाएँ।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
વસંત	बसंत
પાનખર	पतझड़
પાંદડાં	पत्ते
ખરવું	झड़ना
આંબો	आमवृक्ष
મૉર	मंजरी
પગરવ	आहट
ભમરો	भंवरा
પતંગિયું	तितली
નાચવું	नचना/थिरकना
ગુંજારવ	गुनगुनाना

टिप्पणियाँ

I निम्न प्रकार के वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

1\. 1) મને અહીં આવ્યે ત્રણ મહિના થઈ ગયા છે. — मुझे यहाँ आए हुए तीन महीने हो गए हैं।

2) મને ઘરે આવ્યે બે કલાક થઈ ગયા છે. — मुझे घर आए हुए दो घंटे हो गए हैं।

3) શું તમને જમ્યે અડધો કલાક નથી થયો? — क्या आप को खाना खाए हुए आधा घंटा नहीं हुआ?

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप हिंदी के 'आए (हुए)', 'खाए (हुए)' की तरह भूतकालिक क्रिया विशेषण के रूप हैं। गुजराती में ऐसे क्रियारूप बनाने के लिए भूतकालिक क्रिया रूपों में 'એ' (ए) प्रत्यय जोड़ा जाता है।

2\. 1) કમાયેલું ધન વાપરતાં શીખો. — कमाया हुआ धन खर्च करना सीखो।

2) જાતે વાવેલા છોડ મને ગમે છે. — खुद के बोए हुए पौधे मुझे अच्छे लगते हैं।

3) અમે આપેલી ભેટ તેમને ખૂબ પસંદ આવી. — हमने दि हुई भेट उनको बहुत पसंद आई।

उपरर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप हिंदी के 'कमाया हुआ', 'बोए हुए', 'दी हुई' की तरह भूतकालिक कृदंत विशेषण हैं। गुजराती में ऐसे रूप भूतकालिक क्रियारूपों में 'લું' (लुं), 'લા' (ला), 'લી' (ली), 'લાં' (लां) प्रत्यय संज्ञाओं के लिंग-वचन के अनुसार जोड़ने से बनते हैं।

3\. 1) મારા સાળા આવવાના છે. — मेरा साला आनेवाला है।

2) હું પાંચ હજાર રૂપિયા આપવાનો છું. — मैं पाँच हजार रुपए देनेवाला हूँ।

3) આજે હું તે પુસ્તક વાંચવાનો છું. — आज मैं वह पुस्तक पढ़नेवाला हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप हिंदी के 'आनेवाले हैं', 'देनेवाला हूँ', 'पढनेवाला हूँ' की तरह, क्रियाओं से जन्य विशेषण/संज्ञाएँ हैं। इनके प्रयोग के बाद 'છે' (छे) (है), 'છું' (छुं) जैसे योजक क्रियाओं के उपयुक्त रूप भी वाक्यों में जोड़े जाते हैं। 'इन' क्रियारूपों का प्रयोग जब वाक्यों में होता है तब उस का अर्थ क्रियाओं के समान ही होगा। गुजाराती में ऐसे रूप मूल क्रियाओं के भविष्यतकाल के साथ 'વાનો' (वानो), 'વાની' (वानी), 'વાનું' (वानु), 'વાના' (वाना) प्रत्यय लिंग-वचन के अनुसार जोड़ने से होते हैं।

4.	1)	શું તેં <u>સોસાયટીવાળા</u> સાથે વાત કરી?	क्या तुमने <u>सोसायटीवालों</u> से बात की?
	2)	આપણે <u>સમાજભવનવાળાઓને</u> પણ મળવાનું છે.	हमें <u>समाजभवनवालों</u> से भी मिलना है।
	3)	કેટલાય સ્વયંસેવી <u>સંસ્થાઓવાળા</u> આગળ આવ્યા.	कितने ही स्वयँसेवी <u>संस्थाओं वाले</u> आगे आए।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द संज्ञाओं से जन्य संज्ञाएँ हैं। गुजराती में ऐसी संज्ञाएँ, 'વાળો' (वाळो), 'વાળી' (वाळी), 'વાળા' (वाळा) प्रत्यय लिंग-वचन के अनुसार जोड़ने से बनती हैं। ध्यान दीजिए कि उपर्युक्त (3) और (4) के रेखांकित रूपों में हिंदी में समान प्रत्ययों का प्रयोग हुआ है और गुजराती में ये प्रत्यय दो प्रकार के हैं - क्रियावाची संज्ञाओं से 'વાનો' (वानो), 'વાની' (वानी), 'વાના' (वाना) प्रत्यय जुड़ते हैं और शुद्ध संज्ञाओं से 'વાળો' (वाळो), 'વાળી' (वाळी), 'વાળા' (वाळा) प्रत्यय जुड़ते हैं।

5.	1)	મેં તને પહેલાં પણ કહ્યું હતું કે કાલનું કામ આજે કરતાં શીખો	मैने तुमसे पहले भी कहा था कि कल का काम आज करना सीखो।
	2)	મારી બા કહેતી હતી કે ઈશ્વરે આપેલો કોળિયો બીજાને પણ આપવો જોઈએ.	मेरी माँ कहती थी कि ईश्वर का दिया हुआ कौर दूसरों को भी देना चाहिए।
	3)	આપણા પૂર્વજોએ કહ્યું છે કે બીજાને મદદ કરવામાં સાચું સુખ છે.	हमारे पूर्वजों ने कहा है कि दूसरों को मदद करने में ही सच्चा सुख है।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी की ही तरह मिश्र वाक्य हैं। गुजराती में ऐसे वाक्यों में उद्धरण अव्यय रूप 'કે' (के) होता है और हिंदी में 'कि' का प्रयोग होता है। उद्धरण में किसी व्यक्ति का कथन सोच, भावना, अनुभव, राय आदि होते हैं। उसके पहले वक्ता का उल्लेख होता है।

5.	1)	<u>બોલવું</u> સહેલું છે.	<u>बोलना</u> आसान है।
	2)	કરવું <u>અઘરું</u> છે.	<u>करना</u> कठिन है।
	3)	છોકરાને <u>કરવું</u> હોય તે કરે	बच्चों को <u>करना</u> हो सो करें।
	4)	સુનામી પીડિતો માટે હવે <u>જીવવું</u> મુશ્કેલ થઈ ગયું છે.	सुनामी पीड़ितों के लिए अब <u>जीना</u> मुश्किल हो गया है।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप हिंदी के 'कहना', 'करना', 'जीना' जैसे संज्ञार्थक कृदंत (क्रियावाची संज्ञाएँ) हैं। गुजराती में ऐसी क्रियावाची संज्ञाएँ मूल क्रिया में 'वुं ' (वुं) प्रत्यय लगाने से बनती हैं। इन क्रियावाची संज्ञाओं से क्रिया विशेषण भी जोड़े जा सकते हैं। इस प्रकार ये शुद्ध संज्ञाओं से अलग हैं जिनके पहले विशेषण ही जोड़े जाते हैं।

उदाहरण:

1)	કોઈ પણ કામ સારી રીતે કરવું જરૂરી છે.	कोई भी काम अच्छी तरह करना जरूरी है।
2)	તારે અહીં જોરજોરથી બોલવું જોઈએ નહીં.	तुम्हे यहाँ जोर-जोर से बोलना नहीं चाहिए।
3)	મને એક સારી નોકરી મળી.	मुझे एक अच्छी नौकरी मिली।
4)	દિવસમાં ઓછામાં ઓછું એક સારું કામ કરવું જોઈએ.	दिन में कम से कम एक अच्छा काम करना चाहिए।

પાઠ
पाठ 14

નળસરોવર

મનુ : આવતા શનિવારે આપણે નળસરોવર જઈશું.

સુરેશ : ત્યાં જવા માટે આ સમય તદ્દન અનુકૂળ છે.

નિલમ : કારતક મહિનાથી મહા મહિના સુધી સાયબીરિયા જેવા ઠંડા પ્રદેશમાંથી પક્ષીઓ અહીં આવે છે.

હેમા : ફળિયામાંથી કેટલાં જણાંને આવવું છે. તેની યાદી કરીએ. જેથી જતી વખતે કોઈ રહી ન જાય.

મનુ : હા, છોકરાઓ, છોકરીઓ, સ્ત્રીઓ અને પુરુષો કેટલી સંખ્યામાં છે તે નક્કી કરીશું. એસ.ટી. બસમાં જવાનું જ સરળ પડશે.

નિલમ : ચા-પાણી, નાસ્તાની વ્યવસ્થા પણ જાતે જ કરીશું.

હેમા : ચા-કૉફી બનાવવા માટે ચા-કૉફી, સાકર, દૂધ, કપ-રકાબી, ગરણી, તપેલી, સાંણસી વગેરે ઘરેથી જ લઈશું.

સુરેશ : નાસ્તા માટે શું કરીશું?

નિલમ : ઘરેથી નીકળતી વખતે દરેક જણ પોતાની સાથે નાસ્તો લઈ લેશે. ઢેબરાં, વડાં, ગાંઠિયા, ફાફડા, સુખડી, શક્કરપારા, અથાણું, છૂંદો, ચટણી વગેરે અનુકૂળતા પ્રમાણે પોત-પોતાની સાથે લઈ શકે છે.

नलसरोवर

मनु : अगले शनिवार हम 'नल-सरोवर' जाएँगे।

सुरेश : वहाँ जाने के लिए यह समय बिलकुल अनुकूल है।

नीलम : कार्तिक से माघ के महिने तक साइबेरिया जैसे ठंडे प्रदेशों से यहाँ पक्षी आते हैं।

हेमा : मोहल्ले में से कितने लोगों को वहाँ आना है उनकी सूची बनाएँ ताकि जाते वक्त कोई रह न जाए।

मनु : हाँ। लड़के, लड़कियाँ स्त्री-पुरुष कितनी संख्या में हैं, यह निश्चित करने के बाद ही वाहन निश्चित करेंगे। एस.टी की बस में जाना ही सरल होगा।

नीलम : चाय-पानी-नाश्ते की व्यवस्था भी खुद ही करेंगे।

हेमा : चाय काफी बनाने के लिए चाय-कॉफी, शक्कर, दूध, कप-रकाबी, छलनी, पतीली, संडासी आदि घर से ही ले लेंगे।

सुरेश : नाश्ते के लिए क्या करेंगे?

नीलम : घर से निकलते समय सभी लोग अपने साथ नाश्ता ले लेंगे। वड़ा, गाँठिया, फाफड़ा, सुखड़ी, सक्करपारा, अचार, छुंदा, चटनी वगैरह सुविधानुसार अपने अपने साथ ले सकते हैं।

હેમા : કચુંબર માટે કાકડી, મૂળા, ગાજર, ટામેટાં, બીટ, કાંદા વગેરે પણ સાથે લઈશું.

મનુ : પણ કચુંબરની સામગ્રી લેતી વખતે લીલાં મરચાં લેવાનું ભૂલતી નહીં. આપણી સાથે આવવા ઈચ્છે છે તેમના નામોની યાદી તૈયાર કરી કાલે હું તમને આપીશ.

સુરેશ : નળસરોવર સુંદર સ્થળ છે. હોડીમાં બેસીને સરોવરની ફરતાં આસપાસનું પ્રાકૃતિક સૌંદર્ય માણી શકીશું.

નિલમ : સરોવર વચ્ચે આવેલા ટાપુ ઉપર ઉતરીને પક્ષીઓ જોઈ શકાય છે. ત્યાં આપણા દેશનાં જુદાજુદા પ્રકારનાં પક્ષીઓ જેવાં કે ચકલી, પોપટ, કાબર, મેના, કબૂતર, બગલો, કાગડો, કોયલ, સમડી, મોર, બતક, શાહમૃગ અને સારસ વગેરે જેવાં વિવિધ પ્રકારનાં પક્ષીઓ જોવા મળે છે.

હેમા : ફ્લેમીંગો જેવું પરદેશી પક્ષી પણ ત્યાં જોવા મળશે. આ બધાંને જોતાં સમય કેવી રીતે પસાર થઈ જશે તેની ખબર પણ નહીં પડે.

નિલમ : સવારી માટે ઊંટગાડી, બળદગાડું તેમજ ટટું પણ હોય છે.

મનુ : નાનાં બાળકોને તો ત્યાં ખૂબ જ મજા આવશે.

સુરેશ : સરોવરને કિનારે એક નાનકડો બગીચો પણ છે.

हेमा : सलाद के लिए ककड़ी, मूली, गाजर, टमाटर, चुकंदर, प्याज, वगैरा भी साथ में लेंगे।

मनु : लेकिन सलाद की चीजें लेते समय हरी मिर्च लेना मत भूलना। जो हमारे साथ आना चाहते हैं उनके नामों की सूची तैयार कर के आपको दूँगा।

सुरेश : 'नल-सरोवर' सुंदर जगह है। नाव में बैठकर सरोवर घूमते हुए हम आस-पास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

नीलम : सरोवर के मध्य में आए हुए टापू पर उतर कर पक्षियों को देख सकते हैं। वहाँ हमारे देश के विभिन्न प्रकार के पक्षी जैसे कि चिड़ियाँ, तोते काबर, मैना, कबूतर, कौंए, कोयल, चील, मोर, बतक, बगुला, शुतुरमर्ग और भिन्न प्रकार के सारस देखने को मिलते हैं।

हेमा : फ्लेमींगो जैसे विदेशी पक्षी भी वहाँ देखने को मिलेंगे। इन सबको देखते हुए समय कैसे बीत जाएगा उसका पता भी नहीं चलेगा।

नीलम : वहाँ सवारी के लिए ऊँटगाड़ी, बैलगाड़ी और टट्टू भी होते हैं।

मनु : छोटे बच्चों को तो वहाँ बहुत मजा आएगा।

सुरेश : सरोवर के किनारे पर एक छोटा सा बगीचा भी है।

મનુ : તેમાં ગુલાબ, જુઈ, મોગરો, ચંપો, બારમાસી, કરેણ અને ગલગોટા જેવા અનેક રંગબેરંગી ફૂલો પણ હશે.

મનુ : उनमें गुलाब, जुही, मोंगरा, चंपा, बारहमासी, करण और गेंदे के फूल जैसे अनेक रंगबिरंगे फूल भी होंगे।

સુરેશ : લીંબડો, ગરમાળો, ગુલમહોર, પીપળો, આંબો અને આસોપાલવનાં વૃક્ષો પણ ત્યાં હશે.

सुरेश : नीम, अमलतास, गुलमोहर, पीपल, आम और अशोक के वृक्ष भी हैं।

હેમા : ત્યાં એક મોટું વડનું ઝાડ છે.

हेमा : वहाँ एक बड़ा बरगद का वृक्ष है।

નિલમ : ટાપુ ઉપર થોડી ઝૂપડીઓ પણ છે. ત્યાં આપણને આપણી પસંદનું જમવાનું પણ મળશે.

नीलम : टापू के ऊपर थोड़ीसी झोपडियाँ भी हैं। वहाँ हमें हमारी रुचिवाला खाना भी मिलेगा।

હેમા : બાજરીનો રોટલો, રીંગણાનો ઓળો, ગોળ, ડુંગળી અને કઢી. છાશ પીવાની મજા તો કંઈક જુદી જ હોય છે.

हेमा : बाजरे की रोटी, बैंगन का भुरता, गुड़, प्याज और कढ़ी। छाछ पीने का मजा तो कुछ अलग ही होता है।

સુરેશ : નળસરોવરથી પાછા વળતી વખતે રસ્તામાં લોથલ નામનું સ્થળ આવેલું છે. આ સ્થળ મોહે જો દડો અને હડપ્પા જેવું જ પુરાતત્ત્વનું મહત્ત્વનું સ્થળ છે.

सुरेश : नलसरोवर से वापस लौटते समय रास्ते में लोथल नामक स्थल आता। यह स्थल मोहे-जो-दड़ो और हडप्पा जैसा ही पुरातत्व के महत्व का स्थान है।

મનુ : લોથલમાં જ પુરાતત્ત્વની વસ્તુઓનું સંગ્રહાલય છે. અહીં ખોદકામથી પ્રાપ્ત અનેક વસ્તુઓ સંગ્રહીત છે.

मनु : लोथल में ही पुरातत्व के वस्तुओं का संग्रहालय है। यहाँ खुदाई से प्राप्त अनेक वस्तुएँ संग्रहीत हैं।

હેમા : સંગ્રહાલય જોયા પછી આપણે રાત્રિ વિરામ લોથલમાં જ કરીશું. બીજા દિવસે સોમવારે પાછા આવી જઈશું.

हेमा : संग्रहालय देखने के बाद हम रात्री विश्राम लोथल में ही करेंगे। अगले दिन सोमवार को वापिस आ जाएँगे।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
ઢેબરાં -	गेहूँ, बाजरा, आदि के मिश्रित आटे में लौकी को कद्दूकस करके या मेथी पत्ता और अन्य मसाले डाल कर तवे पर लगा कर पकाई जानेवाली रोटी।

વડાં	एक गुजराती व्यंजन, जो बाजरे के आटे में मेथी पत्ता, लहसुन, दही तथा अन्य मसाले डालकर कहीगूँथा जाता है और फिर टिकी की तरह तेल में तला जाता है।
ગાંઠિયા	गाँठिया
સુખડી	घी और गुड़ में गेहूँ का आटा सेंक कर बनाया जानेवाला एक मीठा पदार्थ. (व्यंजन)
અથાણું	अचार
છૂંદો	आम को घिसाकर के बनाया गया मुरब्बा।
હોડી	नाव
નળસરોવર	नल सरोवर (सरोवर का नाम)
તદ્દન	बिलकुल
કારતક	कार्तिक
મહા	माघ
ઠંડા	ठंडा
પ્રદેશ	प्रदेश
ફળિયું	मोहल्ला
જણ	लोग
વ્યવસ્થા	व्यवस्था/बंदोबस्त
નક્કી	निश्चित
સરળ	सरल
જાતે	खुद/स्वयं
કૉફી	कॉफी
કપ	प्याला
રકાબી	रकाबी (प्लेट)
ગરણી	चिमटा
સાંણસી	चिमटी
કાકડી	ककड़ी
મૂળા	मूली
બીટ	चुकंदर
સંખ્યા	संख्या
ઊંડું	गहरा
વચ્ચે	मध्य में, बीच में
પક્ષી, પંખી	पक्षी
ટાપુ	द्वीप, टापू
ચકલી	चिड़िया
પોપટ	तोता
કાબર	एक प्रकार की चिड़िया

મેના	मैना
બગલો	बगुला
શાહમૃગ	शुतुरमुर्ग
સમડી	चील
પરદેશી	विदेशी
ઊંટગાડી	ऊँटगाडी
બળદગાડું	बैलगाडी
નાનકડો	छोटासा
બારમાસી	बारहमासी
જુઈ	जुही
ગલગોટો	गेंदे
અનેક	अनेक
રંગબેરંગી	रंगबिरंगे
લીંબડો	नीम
ગરમાળો	अमलतास
પીંપળો	पीपल
આસોપાલવ	अशोक/आशोपालव
મોટું	बडा, आशापाला
ઝૂંપડીઓ	झोपड़ियाँ
ગામડાનું	गाँवका
જમવાનું	खाना
બાજરી	बाजरा
રોટલો	मोटी रोटी
ગૉળ	गुड़
ઓળો	भरता
છાશ	छाछ
વખત	समय
લોથલ	पुरातत्व के महत्व का एक गाँव (लोथल)
સંગ્રહાલય	संग्रहालय
ખોદકામ	उत्खनन
કિનારે	तट, किनारा
પાછાં	वापस
વિરામ	रुक्ना, विश्राम
ટેકરો	टीला, टेकरी

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) આ છોકરો છે.
   2) આ ફળિયું છે.
   3) આ કાંદો છે.
   4) આ મૂળો છે.
   5) આ લીંબડો છે.

2. 1) આ છોકરી છે.
   2) આ તપેલી છે.
   3) આ ઝૂંપડી છે.
   4) આ ચકલી છે.
   5) આ રકાબી છે.

3. 1) આ અથાણું છે.
   2) આ ઢેબરું છે.
   3) આ ટામેટું છે.
   4) આ ખાણું છે.
   5) આ રમકડું છે.

4. 1) આ મોહલ્લાઓ છે.
   2) આ કાંદા છે.
   3) આ મૂળા છે.
   4) આ લીંબડા છે.

5. 1) આ છોકરાઓ છે.
   2) આ પક્ષીઓ છે.
   3) આ પરદેશીઓ છે.
   4) આ પુરુષો છે.

6. 1) આ છોકરીઓ છે.
   2) આ તપેલીઓ છે.
   3) આ ઝૂંપડીઓ છે.
   4) આ ચકલીઓ છે.
   5) આ રકાબીઓ છે.

7. 1) આ અથાણાં છે.
   2) આ ઢેબરાં છે.
   3) આ ટામેટાં છે.
   4) આ ખાણાં છે.
   5) આ રમકડાં છે.

8. 1) જતી વખતે કોઈ રહી ન જાય તેનું ધ્યાન રાખવાનું છે.
   2) ઘરેથી નીકળતી વખતે દરેક જણ પોતાની સાથે નાસ્તો લઈ લેશે.
   3) વડોદરાથી પાછા આવતી વખતે હું તમારી સાથે આવીશ.
   4) ગાંધીનગર જતી વખતે રસ્તામાં મેં નર્મદા કેનાલ જોઈ.
   5) નળસરોવરથી પાછા વળતી વખતે રસ્તાં લોથલ નામનું સ્થળ આવે છે.

9. 1) હોડીમાં બેસીને સરોવર ફરતાં આપણે આસપાસના પ્રાકૃતિક સૌંદર્યને માણિ શકીએ છીએ.
   2) આ બધું જોતાં સમય જલદી પસાર થઈ જશે.
   3) ટી.વી. જોતાં વાંચવું સારી વાત નથી.
   4) ખોદકામ કરતાં મળેલી વસ્તુઓનું સંગ્રહાલય પણ છે.
   5) સાબરમતી આશ્રમ જોતાં ગાંધીજીની જીવન શૈલીને સમજવાનો પ્રયત્ન કર્યો.

II उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :- આ કાંદો છે.
આ કાંદા છે.

1. 1) આ મૂળો છે.
   2) આ લીંબડો છે.
   3) આ મોગરો છે.
   4) આ કાગડો છે.

उदाहरण :- આ સ્ત્રી છે.
આ સ્ત્રીઓ છે.

2. 1) આ છોકરી છે.
   2) આ તપેલી છે.
   3) આ સમડી છે.
   4) આ હોડી છે.
   5) આ ગાડી છે.

3. उदाहरण :- આ રમકડું છે.
આ રમકડાં છે.
1) આ પંખીડું છે.
2) આ કપડું છે.
3) આ મુખડું છે.
4) આ બટેટું છે.
5) આ કાણું છે.

III उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण :- છોકરીનું નામ મનુ છે.
છોકરીનું નામ હેમા છે.
1) છોકરાનું નામ કલ્પેશ છે.
નામ જીજ્ઞા છે.
2) છોકરીનું નામ મોહીની છે.
નામ રમેશ છે.
3) છોકરાનું નામ મહેશ છે.
નામ શીતલ છે.
4) છોકરીનું નામ સોનલ છે.
નામ ભરત છે.

IV उदहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :- મનુ છોકરો છે.
મનુ અને સુરેશ છોકરાઓ છે.
1) હેમા છોકરી છે.
હેમા અને નિલમ ________ છે.
2) કાગડો પક્ષી છે.
કાગડો અને ચકલી ________ છે.
3) આંબો વૃક્ષ છે.
આંબા અને પીપળો ________ છે.
4) મોગરો ફૂલ છે.
મોગરો અને ચંપો ________ છે.
5) ભાવના દીકરી છે.
ભાવના અને અરૂણા ________ છે.

V नीचे दिए गए संज्ञा-शब्दों के वचन बदलिए।

1. ચકલી, સમડી, સ્ત્રી, છોકરી, દીકરી, પંખી,
માણસ, બાળક, છોકરો, સરોવર, પક્ષી, પુરુષ.

2. કબૂતરો, વૃક્ષો, કાગડાઓ, હોડીઓ, ઝૂંપડીઓ.

VI नीचे दिए गए संज्ञा-शब्दों के लिंग पहचानिए।

પિતા, માતા, વર, ભાઈ, બળદ, કન્યા, ઢેલ, બહેન,
ગાય, કવિ, અથાણું, કચુંબર, ઢેબરું, ટટ્ટું, ખાણું, ટામેટું, વાદળું.

VII नीचे दिए गए संज्ञा-शब्दों के लिंग बदलिए।

છોકરો, સ્ત્રી, ચકલી, બકરો, કુતરો, દીકરો, કાકા,
દેવ, ટેકરો, ઘોડો, મામો, સાળો.

VIII कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) બગીચામાં અસંખ્ય__________ ફૂલો હતાં. (गेंदे के)
2) સવારી માટે ________ હોય છે. (बैलगाड़ी)
3) ચા-પાણી, નાસ્તાની _________ પણ કરીશું. (बंदोबस्त)
4) કાલ સુધીમાં નામોની ____________ તૈયાર કરી આપીશ. (सूचि)
5) પ્રાચીન સંસ્કૃતિ નદીને ___________ વિકસી હતી. (किनारे)

IX कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(જતી, આવતી, બેસતી, નીકળતી, વળતી)

1) બસમાં ________ વખતે કોઈ રહી ન જાય તેનું ધ્યાન રાખવાનું છે.
2) ઘરેથી _________ વખતે દરેક જણ પોતાની સાથે નાસ્તો લઈ લેશે.
3) વડોદરાથી પાછા _______ વખતે હું તમારી સાથે આવીશ.
4) ગાંધીનગર ______ વખતે રસ્તામાં મેં નર્મદા કેનાલ જોઈ.
5) નળસરોવરથી પાછા_____ વખતે રસ્તાં લોથલ નામનું સ્થળ આવે છે.

X कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1) હોડીમાં બેસીને સરોવર _______ આપણે આસપાસના પ્રાકૃતિક સૌદર્યને માણિ શકીએ છીએ. (ફર)
2) આ બધું ______ સમય જલ્દી પસાર થઈ જશે. (જો)
3) ટી.વી. _________ વાંચવું સારી વાત નથી. (જો)
4) ખોદકામ ________ મળેલી વસ્તુઓનું સંગ્રહાલય પણ છે. (કર)

5) સાપુતારાથી આહવા ________ રસ્તામાં કેટલા બધા ડુંગરો આવે છે. (આવ)

XI कोष्ठक में दिए गए रूपों के उपयुक्त क्रियारूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(પરદેશી, ઠંડા, સંગ્રહાલય, લોથલ, સરળ)

1) એસ.ટી.ની બસમાં જવાનું ________ થશે.
2) શિયાળામાં ________ પ્રદેશમાંથી પક્ષીઓ અહીં આવે છે.
3) રવિવારે ________ રોકાઈને અહીં આવશું.
4) ખોદકામ કરતાં મળેલી વસ્તુઓનું ________ પણ જોઈશું.
5) ફ્લેમીંગો ______ પંખી છે.

XII नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

1. बंदोबस्त, कार्तिक, चलनी, चुकंदर, प्याज, मोहल्ला, लोग, सरल, गहरा, द्वीप, नाव, छोटासा नीम, अमलतास, बरगद, अशोक।

2. **नीचे दिए गए गुजराती शब्दों के समानार्थक हिंदी शब्द दीजिए।**

સાંણસી, લીંબડો, મહા, પોપટ, પંખી, ગૉળ, પરદેશી, ગલગોટો, જુઈ, તદ્દન, ખોદકામ, ઝૂંપડીઓ, જાતે, રંગબેરંગી, ગામડાનું, મોટું.

पढ़िए और समझिए

ડાંગ

આપણા ગુજરાત રાજ્યના કુલ પચ્ચીસ જિલ્લાઓ છે. ડાંગ તેમાંનો એક જિલ્લો છે. ગુજરાતી ભાષામાં ડાંગ એટલે મોટી લાકડી, તેવો ડાંગનો એક અર્થ છે. તે તમે જાણતા હશો. પરંતુ એનો એક બીજો અર્થ 'જંગલથી ભરપૂર ડુંગરાળ પ્રદેશ' એવો પણ થાય છે. તેની તમને ખબર નહીં હોય. સાપુતારાથી આહવા સુધી આવતાં રસ્તામાં કેટલા બધા ડુંગરો આવે છે. જંગલોનું પૂછવું જ શું? આ ડુંગરાઓ તે જ સહ્યાદ્રીની ગિરિમાળા. ભારતભરમાં વલસાડી સાગના નામથી પ્રસિદ્ધ એવા સાગ વૃક્ષોથી આ જંગલ ભરેલું છે. ચોમાસા દરમિયાન ગિરા, પૂર્ણા, અંબિકા અને ખાપરી નદીઓના પૂરમાં નાહતો આ જિલ્લો ખૂબ રળિયામણો લાગે છે. તે ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રની સરહદે આવેલો છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
પચ્ચીસ	पच्चीस
જિલ્લો	जिला
ડાંગ	डाँग (जिलेका नाम)

	दो पहाड़ियों के बीचका स्थान
મોટી લાકડી	बड़ी लकड़ी
ડુંગર	पहाड़
ડુંગરાળ	पहाड़ी
ગિરિમાળા	गिरिमाला, पर्वतश्रेणी
સાગ	सागवान/सागौन
રળિયામણો	रमजीय
સરહદ	सरहद
ભરેલું	भरा हुआ
અંબિકા	एक नदी का नाम
ગિરા	एक नदी का नाम
ખાપરી	एक नदी का नाम
પૂર્ણા	एक नदी

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) ગુજરાત રાજ્યના કુલ કેટલા જિલ્લા છે?
2) ગુજરાતીમાં ડાંગનો એક અર્થ શો છે?
3) ડાંગનો બીજો અર્થ શો થાય છે?
4) ડાંગ જિલ્લો ક્યાં આવેલો છે?
5) સાપુતારાથી આહવા વચ્ચે આવતા ડુંગરો કયા નામે ઓળખાય છે?
6) જંગલો કયા વૃક્ષોથી ભરેલાં છે?
7) ડાંગ જિલ્લામાં કઈ કઈ નદીઓ આવેલી છે?

II अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

पहाड़ी, सागान, रमणीय, जिला, बड़ी लकड़ी, पर्वतश्रेणी

III अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए कथनों में से सही कथन चुनिए।

1.
1) ગુજરાત રાજ્યના કુલ ૧૨ જિલ્લા છે.
2) ગુજરાત રાજ્યના કુલ ૨૧ જિલ્લા છે.
3) ગુજરાત રાજ્યના કુલ ૨૫ જિલ્લા છે.

2.
1) ડાંગ જિલ્લો ગુજરાત અને રાજસ્થાનની સરહદે આવેલો છે.
2) ડાંગ જિલ્લો ગુજરાત અને મધ્યપ્રદેશની સરહદે આવેલો છે.
3) ડાંગ જિલ્લો ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રની સરહદે આવેલો છે.

3. 1) ગીરા અને પૂર્ણા નદીઓ ડાંગ જિલ્લોમાં આવેલી છે.
   2) ગંગા અને યમુના નદીઓ ડાંગ જિલ્લોમાં આવેલી છે.
   3) નર્મદા અને તાપી નદીઓ ડાંગ જિલ્લોમાં આવેલી છે.

IV हिंदी में अनुवाद कीजिए।

હું મારી શાળાનાં બાળકો સાથે એક દિવસની પિકનિકમાં ગયો. પિકનીકમાં મારી પત્ની અને મારી બહેન પણ સાથે હતી. પિકનિક્માં અમે જૂનાગઢના શક્કરબાગ પ્રાણીસંગ્રહાલયની મુલાકાત લીધી. શક્કરબાગમાં અમે વિવિધ પ્રાણીઓ જોયાં. જેમાં અમે ગીરનો વાઘ જોયો ત્યાં વાઘણ પણ હતી. એની બાજુમાં વિશ્વવિખ્યાત ગીરનો સિંહ પણ હતો, એજ પાંજરામાં સિંહણ પણ હતી. આ ઉપરાંત ચિત્તો, દીપડો, હરણ-હરણી, હાથી-હાથણ વગેરે જેવાં પ્રાણીઓ જોયાં. હાથી અને હાથણી સાથે તેનું મદનિયું પણ હતું. આ ઉપરાંત ત્યાં જિરાફ, વાંદરો, બિલાડી, ગેંડો, હિપોપૉટેમસ, કાચબો, મગર વગેરે જેવાં પ્રાણીઓ જોયાં.

આ બધાં પ્રાણીઓ જોયા પછી હું અને મારા વિદ્યાર્થીઓ અમિત, સુમિત, પાર્થ અને ગૌરવ અમે ચિમ્પાન્ઝી જોવા ગયા. ત્યારે ચિમ્પાન્ઝી ખૂબ જ ઉછળ-કૂદ કરતો હતો. એની બાજુના પાંજરામાં બિલાડી હતી. તેની આંખો ખૂબ જ સુંદર લાગતી હતી. આ ઉપરાંત પ્રાણીસંગ્રહાલયના બીજા વિભાગમાં વિવિધ પક્ષીઓ જોયાં. જેમાં મોર, ઢેલ, પોપટ, વિવિધ પ્રકારની નાની નાની ચકલીઓ, કબૂતર, તેતર, હંસ, કાગડો, કોયલ, બાજ, સમડી, ફ્લેમીંગો વગેરે જેવાં વિવિધ પક્ષીઓ જોયાં. આ બધાં પક્ષીઓ ખૂબ જ સુંદર હતાં. બાળકો અને અમને બધાંને પ્રાણીસંગ્રહાલય જોવાની ખૂબ જ મજા આવી.

V गुजराती में अनुवाद कीजिए।

कल हम सब कमाटी बाग देखने जाएँगे। हम सब वहीं वनभोज भी करेंगे। नीता, मीता, श्रेया, दीपा अपनी सहेलियों के साथ वहाँ पहुँचेंगी। सुधीर, दीपक, मणि तथा सुमीत अपनी गाड़ियों से वहाँ पहुँचेंगे। हम सब वहाँ इकट्ठे होकर वनभोज की तैयारी करेंगे। कमटी बाग के पास तीन चार झोंपड़े हैं। थोड़ी दूरी पर दो छोटी झोपड़ियाँ हैं।

भोजन परोसने के लिए घर से थालियाँ, कटोरियाँ ले जाएँगे। गिलास चम्मच तथा पतीला भी ले जाना है।

सब अपना-अपना टीफन लेकर आएँगे। हम सबके डिब्बों का खाना मिल बाँट कर खाएँगे। उसमें बहुत आनंद आएगा। किसी के डिब्बे में बैंगन, आलू, टमाटर की सब्जी होगी। किसी के डिब्बे में बैंगन का भुरता भी होगा। किसी के डिब्बे में अचार होगा किसी के डिब्बे में चटनी होगी। किसी के डब्बे में दही होगी तो किसी के डिब्बे में रायता होगा। हम सब मिलकर पहले अंताक्षरी खेलेंगे। फिर सब अपने-अपने चुटकले सुनाएँगे। फिर मिलकर भोजन करेंगे। लड़कियाँ मिठाइयाँ परोसेंगी। लड़के सब्जिसाँ तथा शेष भोजन परोसेंगे।

दिन अस्त होने से पहले हम घर लौट आएँगे। लड़कियाँ एक दल में आएँगी। लड़के दूसरे दल में आएँगे।

VI अपने क्षेत्र के किसी प्राकृतिक पर्यटन स्थल पर गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में गुजराती के लिंग, वचन के पुनर्बलन के साथ-साथ निम्न प्रकार के वाक्यों का भी परिचय दिया गाया है।

1)	આપણે એ ધ્યાનમાં રાખવાનું છે કે જતી વખતે કોઈ રહી જાય નહીં.	हमें यह ध्यान में रखना है कि जाते समय कोई रहा न जाए।
2)	ઘરેથી નીકળતી વખતે દરેક જણ પોતાની સાથે નાસ્તો લઈ લેશે.	घर से निकलते समय सभी लोग अपने साथ नाश्ता ले लेंगे।
3)	નળસરોવરથી પાછા વળતી વખતે રસ્તામાં લોથલ નામનું સ્થળ આવે છે.	नलसरोवर से वापस लोटते समय रास्ते में लोथोल नामक स्थल आता है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप हिंदी के 'जाते समय', 'निकलतेसमय', 'लौटते समय' के समान हैं। इनमें वर्तमानकालिक क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है। गुजराती में मूल क्रिया में 'તી' (ती) प्रत्यय जोड़कर ऐसे क्रियारूप बनते हैं।

1)	હોડીમાં બેસીને સરોવર ફરતાં આપણે આસપાસના પ્રાકૃતિક સૌંદર્યને માણિ શકીએ છીએ.	नाव में बैठकर सरोवर घूमते हुए हम आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।
2)	આ બધું જોતાં સમય જલદી પસાર થઈ જશે.	यह सब देखते हुए समय जल्दी पसार हो जाएगा।

उपर्युक्त (1) वाक्य में भूतकालिक क्रिया विशेषण (पूर्वकालिक) तथा वर्तमानकालिक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है। वाक्य (2) में वर्तमानकालिक क्रियाविशेषण का ही प्रयोग है।

II आपको अब तक बहुत सी गुजराती संज्ञाओं का परिचय कराया गया है। आपने यह भी देखा होगा कि व्याकरण की दृष्टि से गुजराती में तीन लिंग हैं :- पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग। सामान्यतः निम्न नियमों से लिंग की पहचान होती है।

1. यदि संज्ञा ओकारांत है तो वह पुल्लिंग होगा।

उदाहरण:	છોકરો	लड़का
	કાગડો	कौआ
	બગીચો	बगीचा

ચંપો	चंपा
મોગરો	मोगरा

उपर्युक्त गुजराती संज्ञाओं के समांतर हिंदी में आकारांत संज्ञा शब्द प्रायः पुल्लिंग होते हैं। दोनों भाषाओं में इस नियम के अपवाद भी हैं।

2. गुजराती में जो संज्ञाएँ इ-ई कारांत होती हैं वे स्त्रीलिंग होती हैं।

उदाहरण:	તપેલી	पतीली
	રકેબી	रकाबी
	ગરણી	चलनी
	નગરી	नगरी
	ઝૂંપડી	शोंपड़ी

हिंदी में भी सामान्यतः इ-ई कारांत संज्ञाएँ स्त्री लिंग में होती है। फिर भी दोनों भाषाओं में इस नियम के अपवाद भी हैं। जैसे :-

પાણી	(नपुं.)	पानी (पु.)
પક્ષી	(नपुं.)	पक्षी (पु.)

3. गुजराती में जो संज्ञाएँ उकारांत होती हैं वे नपुंसक लिंग में होती हैं।

અથાણું	अचार
ટામેટું	टमाटर
ખાણું	खाना
ઢેબરાં	ठेलरां

व्याकरण की दृष्टि से हिंदी में केवल पुल्लिंग और स्त्रीलिंग का प्रयोग होता है। हिंदी में नपुंसकलिंग का अस्तित्व नहीं है।

4. ध्यान दीजिए कि गुजराती में ऐसी अनेक संज्ञाएँ हैं जो ओकारांत, इकारांत, आकारांत इत्यादि। इन संज्ञाओं के लिंग अर्थ के अनुसार निर्धारित होते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि जब गुजराती न जाननेवाला गुजराती सीखे तब वह इन संज्ञाओं की अर्थगत विशेषताओं, जैसे - 'कोमलता', 'लघुता', आदि की पहचान करे और तदनुसार संज्ञाओं का प्रयोग पुल्लिंग, स्त्रीलिंग अथवा नपुंसकलिंग में करे।

5. कुछ संज्ञाओ में 'ઈયો' लगाने से भी पुल्लिंग रूप बनते हैं।

ભાગિયો	भागीदार
વાણિયો	बनियाँ

કોઢિયો	कोढ़ी

6. कुछ संज्ञाओ में 'અણ-એણ' लगाने से स्त्री लिंग संज्ञाएँ बनती हैं।

વાણિયણ	बनैनी
કોઠિયણ	कोढ़िन

7. गुजराती में कुछ ईकारांत संज्ञाशब्द पुल्लिंग में होते हैं।

ધણી	धनी
હાથી	हाथी
ધોબી	धोबी
કોળી	माछी
તંબોળી	पान-दुकानवाला

8. गुजराती में कुछ उकारांत संज्ञाशब्द पुल्लिंग में होते हैं।

સાધુ	साधु
હિન્દુ	हिंदु

9. अमूर्त भाग दर्शानेवाली संज्ञाएँ नपुंसकलिंग में होती हैं।

પુરુષત્વ	(ત્વ)	पौरुष
ઉંડાણ	(અણ)	गहराई
ચલણ	(ણ)	चलन
બાળપણ	(પણ)	बचपन

10. कुछ व्यंजनांत संज्ञाएँ पुल्लिंग में होती हैं।

વાઘ	बाघ	દેવ	देव
સિંહ	शेर	નટ	नट
રાજપૂત	राजपुत	ભીલ	भील
પંડિત	पंडित	પિશાચ	पिशाच

III गुजराती में संज्ञाओं के दो वचन होते हैं। एकवचन और बहुवचन। एकवचन से बहुवचन बनाने के सामान्य नियम इस प्रकार हैं।

1. ओकारान्त एकवचन संज्ञा में ' આ', 'આઓ' (आओ)

છોકરો	लड़का	છોકરાઓ	लड़के
બગીચો	बगीचा	બગીચાઓ	बगीचे
ઘોડો	घोड़ा	ઘોડાઓ	घोड़े

2. इकारांत एकवचन संज्ञाओं में 'ઓ' लगाने से बहुवचन की संज्ञाएँ बनती हैं।

છોકરી	लडकी	છોકરીઓ	लड़कियाँ
નગરી	नगरी	નગરીઓ	नगरियाँ
ઝૂંપડી	झोंपड़ी	ઝૂંપડીઓ	झोंपड़ियाँ

3. उकारांत एकवचन संज्ञाओं में 'આં' लगाने से बहुवचन की संज्ञाएँ बनती हैं।

છોકરું	बच्चा	છોકરાં	बच्चे
ટામેટું	टमाटर	ટામેટાં	टमाटर
અથાણું	अचार	અથાણાં	अचार

IV कुछ संज्ञाएँ एकवचन में होते हुए भी बहुवचन में भी प्रयुक्त होती हैं।

1.

ઘઉં	गेहूँ	ભોગ	दुर्भाग्य
તલ	तिल	શપથ	सौगन
મગ	मुँग	કસમ	कसम
સમાચાર	समाचार		

2. कुछ संज्ञाएँ बहुवचन में ही होती हैं। इनके एकवचन नहीं होते।

લાંઘા	दीर्घ उपवास
કાટલાં	भार
ચાળા	युक्ति, चाल
વળખાં	व्यर्थ प्रयत्न

પાઠ
पाठ 15

મનપસંદ જીવનસાથી

સુરેશભાઈ : ભદ્રા, દીકરી અહીં આવ તો.

ભદ્રા : આવી બાપુજી. (ભદ્રા આવે છે)

લીલાબહેન : ભદ્રા, બેસ. તને કંઈક જરૂરી વાત કહેવી છે. કહે તને અપૂર્વ કેવો લાગ્યો? અમને તો છોકરો પસંદ છે. જો તું હા કહીશ ત્યારે વાત આગળ વધશે.

સુરેશભાઈ : જો દીકરી છોકરવાળાઓએ તો હા કહી દીધી છે. જેવું ખાનદાન આપણે ઈચ્છતા હતાં તેવું ખાનદાન આપણને મળી ગયું. છોકરાની નોકરી પણ સારી છે. દહેજમાં જેવું તે કહેશે તેવું આપણે આપીશું.

ભદ્રા : બાપુજી, તેઓ ક્યાં રહે છે?

સુરેશભાઈ : જ્યાં તારી દક્ષામાસી રહે છે ત્યાં તેઓ રહે છે.

ભદ્રા : બાપુજી તમે જે આપશો તે તેમની માંગ કરતાં ઓછું પડશે તો?

લીલાબેન : તું તેની ચિંતા ના કરીશ દીકરી. જે કામ મનથી થાય છે, તે સારું જ થાય છે. એ લોકો એવા નથી જેવા બીજા લોકો હોય છે.

मनपसंद जीवनसाथी

सुरेश भाई : भद्रा, बेटी यहां आओ तो।

भद्रा : आई पिता जी! (भद्रा आती है)

लीला बहन : भद्रा, बैठो। तुम से कुछ जरूरी बात करनी है। यह बताओ, तुम्हें अपूर्व कैसा लगा? हमें तो लड़का पसंद है। जब तुम हाँ करोगी तब बात आगे बढ़ेगी।

सुरेश भाई : देखो बेटी, लड़के वालों ने तो हाँ कह दी है। जैसा घराना हम चाहते थे वैसा घराना हमें मिल गया। लड़के की नौकरी भी अच्छी है। दहेज में जैसा वे कहेंगे वैसा हम देंगे।

भद्रा : पिताजी, वे कहाँ रहते हैं?

सुरेश भाई : जहाँ तुम्हारी मौसी दक्षा रहती है वहाँ वे रहते हैं।

भद्रा : पिताजी आप जो दोगे वह उनकी मांग से कम पड़ेगा तो?

लीला बहन : तुम उसकी फिक्र मत करो बेटी। जो काम मन से होता है वह अच्छा ही होता है। वे लोग ऐसे नहीं हैं जैसे और लोग होते हैं।

ભદ્રા : બા, અત્યારના છોકરાઓને ભણેલી-ગણેલી છોકરીઓ જોઈએ, જે છોકારો ભણેલો-ગણેલો હોય તેણે દહેજ ના લેવું જોઈએ. જે છોકરો દહેજ ના લે તેની સાથે જ હું લગ્ન કરીશ.

લીલાબેન : આજ કાલ તો જેવો છોકરો તેવું દહેજ.

ભદ્રા : સારું બાપુજી, જેમ તમને યોગ્ય લાગે તેમ કરો. મને તમારા પર વિશ્વાસ છે. તમે તો મારું હીત જ વિચારશો.

સુરેશભાઈ : મેં કહ્યુંને દીકરી તું તેની ચિંતા ના કરીશ. હજી ક્યાં કંઈ માગ્યું છે? જ્યારે માગશે ત્યારે વિચાર કરીશું.
(ભદ્રાને પસંદ કરનાર છોકરો અપૂર્વ આવે છે)

અપૂર્વ : બા-બાપુજી ઘરમાં છે કે?

લીલાબેન : અપૂર્વ, આવ આવ, તારી જ વાત થઈ રહી હતી. અમે અમારી દીકરી ભદ્રા સાથે દહેજ અંગે વાતો કરી રહ્યાં હતાં.

અપૂર્વ : અરે, શું કીધું? દહેજ! બા હું એક ભણેલો-ગણેલો છોકરો છું. શું તમે મારી પાસેથી આવી આશા રાખો છો? આપણે જેવો સમાજ બનાવીશું તેવો જ તે બનશે. હું તો દહેજ લેવા-દેવાનો બિલકુલ વિરોધી છું.

લીલાબેન : કુરિવાજોનું તો ઉન્મૂલન કરવું જોઈએ. જ્યાં દહેજનું દૂષણ ફેલાયેલું છે ત્યાં તારા જેવા ભણેલા માણસો જ છે જે

भद्रा : माँ, आज के लड़कों को पढ़ी-लिखी लड़कियाँ चाहिए। जो लड़का पढ़ा-लिखा हो उसे दहेज़ नहीं लेना चाहिए। जो लड़का दहेज नहीं लेगा मैं उस के साथ ही विवाह करूँगी।

लीला बहन : आज कल तो जैसा लडका वैसा दहेज।

भद्रा : अच्छा पिताजी, जैसे आप को ठीक लगे वैसे कीजिए। मुझे आप पर विश्वास है आप तो मेरा हित ही सोचेंगे।

सुरेश भाई : मैंने कहा न बेटी, तुम उसकी फिक्र मत करो। अभी कहाँ कुछ मांग है? जब माँगेगे तब विचार करेंगे।
(भद्रा को पसंद करनेवाला लड़का अपूर्व आता है)

अपूर्व : माँ-पिताजी घर में हैं क्या?

लीला बहन : अपूर्व, आओ-आओ। तुम्हारी ही बात हो रही थी। हम अपनी बेटी भद्रा के साथ दहेज के बारे में बातें कर रहे थ।

अपूर्व : अरे, क्या कहा? दहेज! माताजी मैं एक पढ़ा लिखा लड़का हूँ। क्या आप मुझ से ऐसी आशा रखती है? हम जेसा समाज को बनाएँगे वैसा ही वह बनेगा। मैं तो दहेज लेने देने के बिल्कुल खिलाफ हूँ।

लीला : कुरीतियों के तो उन्मूलन करना ही चाहिए। जहाँ दहेज का दूषण फैला हुआ है वहाँ तुम्हारे जैसे पढ़ेलिखे लोग ही हैं जो इसका विरोध कर सकते हैं।

આનો વિરોધ કરી શકે છે.

સુરેશભાઈ : અપૂર્વ, બહુ સારા વિચાર છે તારા. જ્યારે તારી જ જેમ બીજા લોકો પણ વિચારશે ત્યારે સમાજમાંથી દહેજનું દૂષણ દૂર થશે. સારું એ જણાવ કે લગ્ન ક્યારનાં નક્કી કરવાં છે.

सुरेश भाई : अपूर्व, बहुत अच्छे विचार है तुम्हारे। जब तुम्हारी ही तरह और लोग भी सोचेगे तब समाज में से दहेज का दूषण दूर होगा। अच्छा, यह बताओ कि लग्न कबके तय करना है।

અપૂર્વ : જે તમે મોટા મળીને નક્કી કરશો તે યોગ્ય જ હશે.

अपूर्व : आप बड़े मिलकर तय करेंगे वह ठीक ही होगा।

ભદ્રા : (અંગત કથન) હવે મને શાંતિ થઈ કે મને મારો મનગમતો જીવનસાથી મળી ગયો.

भद्रा : (स्वगत कथन) अब मुझे शांति हुई कि मुझे मेरा मनपसंद जीवनसाथी मिल गया।

અપૂર્વ : બાપુજી, શું તમે ભદ્રાને કાલે મારા ઘરે મોકલી શકશો?

अपूर्व : पिताजी, क्या आप भद्रा को कल मेरे घर भेज सकेंगे?

સુરેશભાઈ : હા, હા, કેમ નહીં? કંઈ વિશેષ કામ છે?

सुरेश भाई : हाँ, हाँ। क्यों नहीं? कुछ विशेष काम है?

અપૂર્વ : હું અને મારી બહેન તેને એક સોનીની દુકાને લઈ જવા ઈચ્છીએ છીએ. થોડાં ઘરેણાં લેવાં છે.

अपूर्व : मैं और मेरी बहन उसे एक सुनार की दुकान पर ले जाना चाहते हैं। कुछ गहने लेने हैं।

લીલાબેન : સારું, સારું. કાલે ભદ્રા તમારા ઘરે આવી જશે. એવું કર તું જાતે આવીને તેને પોતાની સાથે જ લઈ જા.

लीला बहन : अच्छा, अच्छा। कल भद्रा आप के घर आ जाएगी। ऐसा करो तुम खुद आकर उसे अपने साथ ही ले जाओ।

અપૂર્વ : સારું, હવે તો જેમ તમે કહેશો તેમ હું કરીશ. હું કાલે સવારે દસ વાગે તમારા ઘરે આવી જઈશ. ત્યાં સુધી ભદ્રા તૈયાર થઈ જશે. અહીંથી પહેલાં અમે ઘરે જઈશું, પછી મારી બહેનની સાથે અમે બજાર જઈશું.

अपूर्व : ठीक हैं, अब तो जैसा आप कहेंगे वैसा मैं करूँगा। मैं कल सुबह दस बजे आपके घर आ जाऊँगा। तब तक भद्रा तैयार हो जाएगी। यहाँ से पहले हम घर जाएँगे, फिर मेरी बहन के साथ हम बाजार जाएँगे।

સુરેશભાઈ : સારું, તું સવારે આવી જજે.

सुरेश भाई : ठीक है। तुम सवेरे आ जाना।

અપૂર્વ : સારું, હું જઉં છું. આવજો.
સુરેશભાઈ, લીલાબેન : આવજે દીકરા.

अपूर्व : ठीक है। मैं चलता हूँ। नमस्कार।
सुरेश भाई, लीला बहन: नमस्कार बेटा।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
નોકરી	नौकरी
માગવું	मांगना
આપીશું	देंगे
ઓછું	कम
ભણેલી-ગણેલી	पढ़ीलिखी
દહેજ	दहेज
લગ્ન	शादी, विवाह
અંગે	बारे में
બનાવવું	बनाना
વાતો	बातें
કીધું	कहा
લેવા-દેવા	लेने-देने
વિરોધી	खिलाफ
દૂષણ	दूषण
કુરિવાજ	कुरीतियाँ
ઉન્મૂલન	उन्मूलन
મનગમતો	मनपसंद
જીવનસાથી	जीवनसाथी
મળી	मिल
મોકલી શકશો	भेज सकोगे
સોની	सुनार
ઈચ્છીએ	चाहते
એવું	एसा
જે...તે	जो-सो/वह
જેમ..તેમ	जैसे....वैसे
જ્યાં...ત્યાં	जहाँ...वहाँ

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।

1. 1) જે કામ મનથી થશે તે સારું થશે.
   2) જે છોકરો ભણેલો હોય તેણે દહેજ ના લેવું જોઈએ.
   3) મારે તો જે છોકરો દહેજ ના લે તેની સાથે જ લગ્ન કરવા છે.
   4) જે બચાવ્યું છે તે વાપરીશું.
   5) મેં તો જે મારી બહેને કહ્યું તે કર્યું.
   6) જે મહિનાનું મુહૂર્ત સારું હશે તે નક્કી કરીશું.

2. 1) તમે જે કહેશો તેમ કરીશ.
   2) જેમ માગશે તેમ આપીશું.
   3) જેમ તમે ઈચ્છયું તેમ જ મળ્યું.
   4) આજકાલ તો જેમ છોકરો વધુ ભણેલો તેમ દહેજ વધુ માગે છે.
   5) જેમ તમને યોગ્ય લાગે તેમ કરો.

3. 1) જ્યાં તારી માસી દક્ષા રહે છે ત્યાં તેઓ રહે છે.
   2) જ્યાં દહેજનું દૂષણ ફેલાયેલું છે ત્યાં તમારા જેવા સારા માણસો પણ છે.
   3) જ્યાં હું રહું છું ત્યાં બજારમાં મારા મિત્રની સોનીની દુકાન છે.

II रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए प्रत्येक शब्द का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

તમે જેમ <u>કહેશો</u> તેમ <u>કરીશ</u>.

માગશો	આપીશું
ચાલશો	ચાલીશું
લખશો	લખીશું
આપશો	વાપરીશું
બોલશો	બોલીશું

III उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1. उदाहरण: કામ મનથી કરો.
   કામ સારું થશે.
   જે કામ મનથી કરશો તે સારું થશે.
   1) તમે કહો.
      હું કરીશ.
   2) છોકરી ભણે છે.
      છોકરી કમાય પણ છે.

3) લોકો મહેનત કરે છે.
લોકો કંઈક મેળવે છે.
4) તમે આપશો.
અમે સ્વીકારીશું.

2. उदाहरण: તમે કહો.
હું લગ્ન કરીશ.
જેમ તમે કહેશો તેમ હું લગ્ન કરીશ.
1) તમે કહો.
હું કામ કરીશ.
2) તમે માગો.
હું આપીશ.
3) તમે આપો.
હું વાપરીશ.
4) તમે ભણો.
સારી નોકરી મળશે.

3. उदाहरण: તારી માસી દક્ષા રહે છે.
તેઓ રહે છે.
જ્યાં તારી માસી દક્ષા રહે છે ત્યાં તેઓ રહે છે.
1) દહેજનું દૂષણ ફેલાયેલું છે.
તમારા જેવા સારા માણસો પણ છે.
2) હું રહું છું.
મારા મિત્રની સોનીની દુકાન છે.

IV कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।
(જે...તે, જેમ...તેમ, જ્યાં.....ત્યાં)
1) .... ઘરમાં દીકરી હોય છે .... મા બાપને ચિંતા થાય છે.
2) તમે .... કહેશો .... કરીશ.
3) આજકાલ .... છોકરો ભણેલો .... વધુ દહેજ માગે છે.
4) .... કામ મનથી થાય .... સારું થાય.
5) .... તારી માસી દક્ષા રહે છે .... તેઓ રહે છે.
6) .... છોકરો દહેજ ના લે સાથે મારે લગ્ન કરવા છે.
7) .... તમને યોગ્ય લાગે કરો.

V कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) હે ભગવાન જે પ્રયત્ન......... તે સફળ થાય. (मै करूँ)
2) કુટુંબ અને નોકરી .... સારાં છે. (दोनों)
3) બાપુજી જેમ આપશો તેમ .... પડશે તો? (कम)
4) જે છોકરો .... હોય તેણે દહેજ ન લેવું જોઈએ. (पढ़ा-लिखा)
5) જે .... છે તે વાપરીશું.(बचाया)
6) મને મારો .... જીવનસાથી મળશે. (मन-पसंद)

VI बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों का दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों के साथ सही मिलान कर वाक्य बनाइए।

1) જે કામ હું કરી શકું છું	- તેવા ખરીદશું
2) જ્યાં ગૉળ હોય	- તેમ તે લખશે.
3) જેવું વાવશો	- તે જ કામ કરવું જોઈએ.
4) જેમ તમે લખાવશો	- ત્યાં કીડીઓ થાય.
5) જેમ બાળક મોટું થાય	- તેવું લણશે.
6) જે તમારું મન કહે	- તેમ તેની જરૂરીયાત વધે છે.
7) જેવાં ઘરેણાં તે પસંદ કરશે	- તે તમે પણ કરી શકો છો.

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

उदाहरण: જે રમેશ કહે છે તે લતા માને છે.
જે રમેશ કહે છે તે લતા માનતી નથી.

1) જે ઘરમાં ધન છે તે ઘરમાં સુખ શાંતિ છે.
2) જેમાં તાકાત છે તેમાં સારા ગુણ છે.
3) જે પાણી ઠંડું છે તે મને જોઈએ.
4) જેનું નામ રાહુલ છે તે આ જ છોકરો છે.
5) જેમ આપણે કરીએ છીએ તેમ બાળકો શીખે છે.
6) જેમ તમે આપશો તેમ ઓછું પડશે.
7) જેવા તમે પ્રશ્ન પૂછશો તેવા તમને જવાબ મળશે.

VIII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के प्रश्नवाचक रूप बनाइए।

उदाहरण: જે કામ મનથી થાય તે સારું થાય.
જે કામ મનથી થાય તે સારું થશે કે?

1) જેમ તમે કહેશો તેમ કરશે.
2) જે બચાવ્યું હશે તે વાપરશું.

3) ભદ્રા કાલે મારા ઘરે આવશે.
4) તમે તેને મળશો.

IX उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: જે પ્રયત્ન હું કરું તે સફળ થાય.
જેણે પ્રયત્ન કર્યો તેઓને સફળતા મળી.

1) જે કામ મનથી કરે તે સારું થાય.
2) જે બચાવ્યું છે તે વાપરશે.
3) જે માગ્યું તે આપ્યું.

पढ़िए और समझिए

કુંવરબાઈનું મામેરું

નરસિંહ મહેતા ગુજરાતના આદિ કવિ છે. તે કૃષ્ણના પરમ ભક્ત હતા. જ્યાં હરિજનો રહેતા હતા ત્યાં તેઓ ભજન કરવા જતા હતા. પોતાની દીકરી કુંવરબાઈનું મામેરું કરવા નરસિંહ મહેતા ગયા. ગરીબ નરસિંહ મહેતાની દીકરીનાં સાસરિયાંએ મજાક ઉડાવી. કુંવરબાઈએ જેવા પોતાના પિતાને ખાલી હાથે આવેલા જોયા કે તરત રડી પડી. કુંવરબાઈએ પિતાને કહ્યું, "જેમ મા ગુજરી ગઈ તેમ હું પણ ગુજરી ગઈ હોત તો સારું". નરસિંહ મહેતાએ દીકરીને આશ્વાસન આપી ચિંતા નહીં કરવા તેમજ ભગવાન પર ભરોસો રાખવા સલાહ આપી. જે વસ્તુ જરૂરી હોય તેની યાદી તૈયાર કરવા કહ્યું. કુંવરબાઈ સાસુ પાસે યાદી લખાવવા ગયાં. તેમણે કુંવરબાઈને યાદી લખાવવા વડસાસુ પાસે મોકલ્યા. કુંવરબાઈના વડસાસુએ ઉપહાસ કરવા માટે મોટી યાદી લખી આપી. લખેલી યાદી નરસિંહ મહેતાની શક્તિ મુજબની છે તેમ જણાવ્યું. યાદી વાંચી કુંવરબાઈ હેબતાઈ ગઈ. નરસિંહ મહેતાએ યાદીમાં લખેલી વસ્તુઓ ઉત્તમ જાતની આપી. લોકો આ જોઈ દંગ થઈ ગયાં. ભગવાને નરસિંહ મહેતાની લાજ રાખી.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
નરસિંહ મહેતા	गुजरात के कृष्ण भक्त कवि
કુંવરબાઈ	(नरसिंह महेता की) लड़की का नाम
આદિ કવિ	आदि कवि, प्रारंभ के कवि
પરમ ભક્ત	परम भक्त
હરિજન	अछूत
ભજન	भजन-भक्तिगीत
મામેરું	बच्चे के जन्म के पूर्व अवसर पर लड़की को माँ-बाप की ओर से भेंट

સાસરિયાં	ससुराल के लोग
મજાક	मज़ाक
ગરીબ	निर्धन
ખાલી હાથ	खाली हाथ
રડવું	रोना
ગુજરી ગઈ	देहांत हुआ
આશ્વાસન	सांत्वना
ચિંતા	फिक्र
ભરોસો	ऐतबार/भरोसा
સલાહ	सलाह-सीख
સાસુ	पति या पत्नी की माँ
વડસાસુ	ससुर की माँ, बड़ीसास
ઉપહાસ	मज़ाक
શક્તિ	सामर्थ्य
હેબતાઈ ગઈ	चौंक गई
જાત	गुण
દંગ	आश्चर्यचकित
લાજ	लाज/इज्जत

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) કુંવરબાઈને ત્યાં નરસિંહ મહેતા શા માટે ગયા?
2) કુંવરબાઈ કેમ રડી પડી?
3) નરસિંહ મહેતાએ દીકરીને શું આશ્વાસન આપ્યું?
4) વડસાસુએ કેવી યાદી બનાવી?
5) કુંવરબાઈ કેમ હેબતાઈ ગઈ?
6) મામેરાની વસ્તુઓ જોઈ લોકો દંગ કેમ થયા?

II नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

પરમ ભક્ત, મજાક ઉડાડવી, ખાલી હાથે, આશ્વાસન આપવું, ભરોસો રાખવો, દંગ થવું. કુરિવાજ, જીવનસાથી, ભણેલી-ગણેલી, વિરોધી.

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

આજે આપણા સમાજમાં જ્યાં-ત્યાં ઘણી બધી બદીઓ જોવા મળે છે. સમાજમાં આજે વિવિધ પ્રકારનાં વ્યસનો વધી રહ્યાં છે. સમાજમાં શિક્ષણના અભાવને કારણે વિવિધ પ્રકારનાં વ્યસનો ઘર કરી ગયાં છે. જેમ કે દારૂ, ગાંજો,

ચરસ, અફીણ વગેરે જેવાં વ્યસનો આજે પણ સમાજના કેટલાય પરિવારોને બરબાદ કરે છે. આવા પરિવારો જેમ-તેમ કરીને પોતાના પરિવારનું ગુજરાન ચલાવે છે. જે ઘરનો મોભી દારૂ પીતો હોય તે ઘરનાં બાળકો ઉપર તેની અસર પડે છે. આ ઉપરાંત આડોસ-પાડોશમાં પણ તેની ખરાબ અસર પડે છે.

સમાજમાં કેટલાય એવા પરિવાર છે જેમાં વ્યસન ખૂબ ખરાબ રીતે ઘર કરી ગયાં છે. સ્વયંસેવી સંસ્થાઓ અને સરકાર દ્વારા વ્યસન મુક્તિના અભિયાન ચાલે છે. તેનાથી કેટલાય પરિવારોમાં વ્યસન દૂર થાય છે. વ્યસનથી મનુષ્યને શારીરિક નુકસાન થાય છે. એ ઉપરાંત તેને આર્થિક અને સામાજિક નુકસાન થાય છે. જે પરિવારમાં તે પરિવારનાં બાળકો પણ વ્યસન કરે છે. આવાં પરિવારનાં બાળકોનું શિક્ષણ પણ અધુરું રહે છે અને એ બાળકને છેવટે બાળ મજૂરી કરવી પડે છે. એટલે જે ભણેલા છે તેમનું કર્તવ્ય છે કે તે બાળકોને યોગ્ય રસ્તો બતાવે અને સમાજમાં વ્યસનને ન વધવા દે.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

हमारे समाज में अनेक कुरीतियाँ हैं। दहेज प्रथा उन कुरीतियों में से एक है। सभी कुरीतियों की जड़ अशिक्षा और अज्ञानता है। जैसे-जैसे समाज में शिक्षा का प्रसार होगा वैसे-वैसे हमारे विचार भी बदलेंगे। जिस प्रकार दीपक से अंधकार मिटता है उसी प्रकार शिक्षा से ज्ञान प्राप्त होता है। जहाँ शिक्षा का उजाला होगा वहाँ कुरीतियाँ नहीं रह सकतीं।

दहेज प्रथा को मिटाने के लिए नई पीढ़ी को प्रयत्न करना पड़ेगा। विशेष रूप से लड़कियों को जागरूक होना पड़ेगा। उन्हें चाहिए कि, जिस लड़के के द्वारा दहेज की मांग हो उस लड़के से वे विवाह के लिए मना कर दें। जिस समाज में लड़कियाँ पढ़ी लिखी होंगी उस समाज में कुरीतियाँ मिट जाएँगी।

इस लिए हम जितना ध्यान लड़कियों की शिक्षा पर देंगे उतना ही हम कुरीतियों को मिटाने में सहयोग करेंगे।

जिस देश की युवापीढ़ी जागरूक होगी उस देश का विकास शीघ्रगति से होगा। इस लिए यदि हमें समाज में से कुरीतियाँ समाप्त करनी है तो हमें शिक्षा के प्रसार पर ध्यान देना चाहिए।

V दहेज प्रथा के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

1.
1) જે ઘરમાં દીકરી હોય તે મા-બાપને ચિંતા થાય. — जिस घर में बेटी हो उस माँ-बाप को फिक्र होती है।
2) જે પ્રયત્ન હું કરું તે સફળ થાય. — जो प्रयत्न मैं करूँ वह सफल हो।
3) જે કામ મનથી થાય તે સારું થાય. — जो काम मन से हो वह अच्छा हो।

4)	જે મહિનાનું મુહૂર્ત સારું હશે તે નક્કી કરીશું.	जिस महिने का मुहूर्त अच्छा होगा वह तय करेंगे।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के जो-वह, जिस-उस प्रकार के सह संबध सूचक वाक्य हैं। दोनों वाक्यों की संज्ञाओं का संबंध दिखाने केलिए संबंधसूचक अव्यय शब्दों का प्रयोग हिंदी की तरह ही होता है।

2.

1)	તમે જેમ કહેશો તેમ કરીશ.	आप जैसा कहेंगे वैसा करूँगी।
2)	જેમ માગશો તેમ આપીશું.	जैसे माँगेंगे वैसे देंगे।
3)	જેમ આપશો તેમ ઓછું પડશે તો?	जैसे दोगे वैसे कम पड़ेगा तो?

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'जैसे-वैसे' प्रकार के हैं। गुजराती में 'જેમ-તેમ' (जेम-तेम) या 'જેવું-તેવું' (जेवुं-तेवुं) का प्रयोग करके ऐसे वाक्य बनते हैं। 'जैसे-वैसे' का प्रयोग तीन कालों में समान रूप में किया जाता है और दोनों क्रिया करने की क्रमिकता तथा रीती को दिखाते हैं।

3. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का भी प्रयोग किया गया है।

1)	જ્યાં તારી માસી દક્ષા રહે છે ત્યા તેઓ રહે છે.	जहाँ तुम्हारी मौसी दक्षा रहती है वहाँ वे रहते हैं।
2)	જ્યાં હું રહું છું ત્યાં બજારમાં મારા મિત્રની સોના-ચાંદીની દુકાન છે.	जहाँ मैं रहता हूँ वहाँ बाजारमें मेरे मित्र की सोने चाँदी की दुकान है।
3)	જ્યાં દહેજનું દૂષણ ફેલાયેલું છે ત્યાં તમારા જેવા સારા માણસો પણ છે.	जहाँ दहेज का दूषण है वहाँ आप जैसे भले लोग भी हैं।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'जहाँ-वहाँ' प्रकार के हैं। गुजराती में 'જ્યાં-ત્યાં' (ज्यां-त्यां) के प्रयोग से ऐसे वाक्य बनते हैं। इस प्रयोग से स्थानका बोध होता है।

II इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया गया है।

1) જેમ/જેવું માગશે તેમ/તેવું આપીશું.
2) જેમ/જેવું કહેશો તેમ/તેવું હું આપીશું.
3) જેમ/જેવું બોલ્યા તેમ/તેવું મેં લખ્યું.
4) જેમ બાળક મોટું થાય છે તેમ તેની સમજ પણ વધે છે.
5) જેવું ઘર હતું તેવું મળી ગયું.

6) જેવું વાવશો તેવું લણશો.
7) જેવી છોકરી તેમને જોઈએ તેવી ગીતા નથી.
8) જેવો તારો સ્વભાવ છે તેવા સારો એનો સ્વભાવ છે.

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'જેમ-તેમ'/'જેવું-તેવું'/'જેવા-તેવા'/'જેવો-તેવો'/'જેવી-તેવી' हिंदी के 'जैसे-वैसे'/जैसा-वैसा'/'जैसी-वैसी' के समान हैं। ये सह संबंध सूचक अव्यय शब्द हैं जो रीती/क्रमिकता/समय आदि का बोध कराते हुए क्रियविशेषणों की तरह प्रयोग में आते हैं।

ध्यान दीजिए कि सहसंबंधी अव्यय शब्द 'જેમ-તેમ' का परिवर्तन लिंग-वचन के अनुसार नहीं होता है और 'જેવું-તેવું', 'જેવા-તેવા', 'જેવો-તેવો', 'જેવી-તેવી' हिंदी के 'जैसा-वैसा', 'जैसी-वैसी', 'जैसे-वैसे' की तरह लिंग-वचन के अनुसार परिवर्तित होते हैं।

પાઠ पाठ 16

શેર બજાર

ઉદય : પરેશ તારો દીકરો હર્ષ ક્યાં ગયો?

પરેશ : હર્ષ તો મારા ભાઈની ઑફિસે ગયો છે.

ઉદય : ક્યારથી વળી?

પરેશ : જ્યારથી બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ ત્યારથી ત્યાં જાય છે.

ઉદય : તમારા ભાઈને શાનું કામકાજ છે?

પરેશ : મારા ભાઈની શેર બજારમાં પેઢી છે.

ઉદય : આજકાલ શેર બજારની બોલબાલા છે. જ્યારથી શેર બજાર ઉચકાયું છે ત્યારથી લોકોનું આકર્ષણ એ દિશામાં વધ્યું છે. જો સરળતાથી પૈસો મળશે તો કોણ છોડશે?

પરેશ : પણ આ લાંબું ચાલશે નહીં. જો શેર બજારના ભાવ ઘટી જશે તો બધાં જ પસ્તાશે. જેટલો વધારે ભાવ વધશે તેટલું શેરવાળા માટે સારું થશે.

ઉદય : પરંતુ પૈસો કમાવવા માટે ધંધામાં ધ્યાન આપવું પણ જરૂરી છે. જો આપણે શેર બજાર વિશે સતર્ક ન રહીએ તો મોટું નુકસાન પણ થઈ શકે છે. એટલે જ થોડા દિવસો પહેલાં મધુસુદન એન્ડ કંપની ઊઠી ગઈ.

शेयर-बाजार

उदय : परेश तुम्हारा बेटा हर्ष कहाँ गया?

परेश : हर्ष तो मेरे भाई के ऑफिस में गया है।

उदय : कब से?

परेश : जब से बारहवीं की परीक्षा पूरी हुई तब से वहाँ जाता है।

उदय : आपके भाई का क्या कामकाज है?

परेश : मेरे भाई की शेयर-बाजार में दुकान है।

उदय : आजकल शेयर-बाजार का बोलबाला है। जब से शेयर-बजार तेजी में है तब से लोगों की रुझान उस दिशा में बढ़ी है। यदी आसानी से पैसा मिलेगा तो कौन छोडेगा?

परेश : पर यह ज्यादा चलेगा नहीं। यदि शेयर-बजार के भाव कम हो जाएँगे तो सभी पछताएँगे। जितना ज्यादा भाव बढ़ेगा उतना शेयरवालों के लिए अच्छा होगा।

उदय : लेकिन पैसा कमाने के लिए कारोबार में ध्यान देना भी जरूरी है। अगर हम शेयर-बाजार के बारे में सतर्क ना रहें तो बड़ा नुकसान भी हो सकता है। इसी कारण कुछ दिन पहले मधुसुदन एंड कंपनी दीवालिया हो गई।

પરેશ : તેં સાચું જ કીધું. જો ધંધામાં ધ્યાન ન આપે તો ઊઠી જ જાય છે. મારા કાકાને પણ એકવાર મોટું નુકસાન થયું હતું.

परेश : तुम ने तो ठीक ही कहा। अगर कारोबार में ध्यान नहीं देंगें तो दीवालिया भी हो जाते हैं। मेरे चाचा का भी एक बार बड़ा नुकसान हुआ था।

ઉદય : ખરેખર, શું ખૂબ મોટું નુકસાન થયું હતું?

उदय : सचमुच, क्या बहुत बड़ा नुकसान हुआ था?

પરેશ : હા, હા. એ જ તો મેં કીધું.

परेश : हाँ, हाँ। वही तो मैंने कहा।

ઉદય : જો મારી સાથે આવું થાત તો હું સહન ન કરી શક્યો હોત. શેર બજારમાં તો પલકારામાં ઈજ્જત ચાલી જાય છે.

उदय : अगर मेरे साथ ऐसा होता तो मैं सहन नहीं कर सकता। शेयर-बजार में तो पलभर में इज्जत चली जाती है।

પરેશ : તો પણ લોકોની આંખો નથી ઉઘડતી.

परेश : फीर भी लोगों की आँखें नहीं खुलती।

ઉદય : જો તમારી પાસે શેર હોય તો હમણાં કાઢશો નહીં.

उदय : यदि आपके पास शेयर हों तो अभी निकालना (बेचना) नहीं।

પરેશ : મારી પાસે જેટલી કંપનીઓના શેર છે તેટલી બધી જ વિશ્વસનીય છે. જો ભાવ સારા હોત તો હું અત્યારે વેચી નાખત.

परेश : मेरे पास जितनी कंपनियों के शेयर हैं वे सभी विश्वासनीय हैं। यदि भाव अच्छे होते तो मैं अभी बेच डालता।

ઉદય : હા, જો શેર બજારમાં તેજી હોત તો હું પણ મારી પાસે પડેલા શેર વેચી નાખત. સારું જણાવ શું તારો દીકરો હર્ષ પણ શેર બજારની વાતોમાં રસ લે છે?

उदय : हाँ, अगर शेयर-बाजार में तेजी होती मेरे पास पडेहुए शेयर बेच डालता। अच्छा, बताओ क्या तुम्हारा बेटा हर्ष भी शेयर-बाजार की बातों में दिलचस्पी लेता है?

પરેશ : જો તે શેર બજારની વાતોમાં રસ લેતો હોત તો હું ખુશ થાત. તેને વ્યાપારમાં પણ રસ નથી. તેને તો નાચવું, ગાવું, નાટક જોવાં અને અભિનય કરવો જેવી લલિત કલાઓમાં જ રસ છે.

परेश : अगर वह शेयर-बाजार की बातों में दिलचस्पी लेता होता तो मैं खुश होता। उसको व्यापार में भी रुची नहीं है। उसको तो नाचना, गाना, नाटक देखना और खेलना जैसी ललीत कलाओं में ही दिलचस्पी है।

ઉદય : એ તો ઘણી સારી વાત છે. પૈસા કમાવવામાં તો ઘણા લોકો ઉત્સુક રહે છે. તારો હર્ષ તો કલા માટે પોતાનું જીવન સમર્પિત કરવા ઈચ્છે છે. જો કલાકારો ન હોત તો આ દુનિયા કેટલી નીરસ હોત? શું તેં આ વિશે ક્યારેય વિચાર્યું છે?

उदय : यह तो बहुत अच्छी बात है। पैसे कमाने में तो बहुत लोग उत्सुक रहते हैं। तुम्हारा हर्ष तो कला के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहता है। यदि कलाकार नहीं होते तो यह दुनियाँ कितनी नीरस होती? क्या तुमने इस के बारे में कभी सोचा है?

પરેશ : હા, હા. એટલે જ તો મેં હર્ષને પોતાની પસંદના માર્ગ પર ચાલવા દીધો છે.

परेश : हाँ, हाँ। इसीलिए तो मैंने हर्ष को अपने पसंद के रास्ते पर चलने दिया है।

ઉદય : આ તેં સારું જ કર્યું છે. જ્યારથી લોકોનું ધ્યાન વગર મહેનતની કમાણી તરફ વળ્યું છે ત્યારથી પ્રામાણિકતા ગાયબ થઈ ગઈ છે. પણ હર્ષ તો તે લોકો જેવો નથી. જો તે સાચા હૃદયથી કલાની ઉપાસના કરશે. તો તે અવશ્ય એક મોટો કલાકાર બની શકે છે. પછી તો નામ અને પૈસો બંને સાથે-સાથે કમાશે.

उदय : यह तुमने ठीक ही किया है। जब से लोगों का ध्यान बिना महेनत की कमाई की ओर मुडा है तब से प्रामाणिकता गायब हो गई है। लेकिन हर्ष तो उन लोगों जैसा नहीं है। वह कलाकार बनना चाहता है। यदि वह सच्चे दिल से कला की उपासना करेगा तो वह बेशक एक बडा कलाकार बन सकता है। फिरतो नाम और पैसा दोनों साथ-साथ कमाएगा।

પરેશ : જેવી ભગવાનની ઈચ્છા.

परेश : जेसी भगवान की इच्छा।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
શેર બજાર	शेयर-बाजार
પેઢી	दुकान
બોલબાલા	बोलबाला
ઉચકાયું છે	तेजी में है/उछला है
આકર્ષણ	रुझान
દિશા	दिशा
ભાવ	भाव
ઊઠી જવું	दीवालिया हो जाना
પલકારામાં	पलभर में

ઉઘાડવી	खोलना
વિશ્વસનીય	विश्वसनीय
નાખીશ	डालूँगा
ધંધો	धंधा
ટકા	प्रतिशत
સ્થિર થવું	जमजाना/स्थिर होना
મહેનત	मेहनत
ઓળખાણ	परख/पहचान
રોડપતી/ભિખારી	रोड़पति/भिखारी
મોં બતાવવા જેવું ન રહેવું (કહેવત)	मुँह दिखाने लायक न रहना (मुहावरा)
આંખ ઉઘાડવી (કહેવત)	आँखें खुलना (मुहावरा)

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) જ્યારથી બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ ત્યારથી ત્યાં જાય છે.
   2) જ્યારથી શેર બજાર ઉચકાયું છે ત્યારથી લોકોનું આકર્ષણ એ દિશામાં વધ્યું છે.
   3) જ્યારથી લોકોનું ધ્યાન વગર મહેનતની કમાણી તરફ વળયું છે ત્યારથી પ્રામાણિકતા ગાયબ થઈ ગઈ છે.

2. 1) જેટલો વધારે ભાવ વધશે તેટલો ઘટશે.
   2) જેટલું પૈસાનું મહત્ત્વ વધ્યું છે તેટલું શિક્ષણનું સ્તર ઘટ્યું છે.
   3) જેટલું ભણ્યો તેટલું સાચું.

3. 1) જો શેર બજારના ભાવ ઘટી જશે તો બધાં જ પસ્તાશે.
   2) જો ધંધામાં ધ્યાન ન આપે તો ઊઠી જ જાય.
   3) જો તમારી પાસે શેર હોય તો હમણાં કાઢશો નહીં.
   4) જો તે શેર બજારની વાતોમાં રસ લેતો હોત તો હું ખુશ થાત.
   5) જે ભાગ્યમાં હશે તો જરૂર તેમ થશે.
   6) જો કલાકારો ન હોત તો આ દુનિયા કેટલી નીરસ હોત

II कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

(જો...તો, જ્યારથી...ત્યારથી, જેટલું...તેટલું, જેમ...તેમ, જેવું...તેવું, જેવી..તેવી)

1) _______ બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ _______ ત્યાં જાય છે.
2) _______ ભાગ્યમાં હશે _________ જરૂર તેમ થશે.

3) _______ પૈસાનું મહત્ત્વ વધ્યું છે _________ શિક્ષણનું સ્તર ઘટ્યું છે.
4) _______ વાવે ______ લણે એ ઈશ્વરી ન્યાય છે.
5) ________ કરણી ________ ભરણી.
6) ______ તું મારો ભાઈ છે _____ તે પણ મારો ભાઈ છે.

III कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1) ______ બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ ત્યારથી ત્યાં જાય છે. (जब से)
2) _______ તમારી પાસે શેર હોય તો હમણાં કાઢશો નહીં. (यदि)
3) જ્યારથી શેર બજાર ઉચકાયું છે _______ લોકોનું આકર્ષણ એ દિશામાં વધ્યું છે. (तब से)
4) જેવી કરણી _______ ભરણી. (वैसी)
5) ______ વાવશો તેવું લણશે. (जैसा)
6) ______ તમે આવ્યા હોત તો આપણે લગ્નમાં જરૂર જાત. (यदि)

IV उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1. उदाहरण: ______ ધંધામાં ધ્યાન ન આપે _____ ધંધામાંથી ઊઠી જવાય.
જો ધંધામાં ધ્યાન ન આપે તો ધંધામાંથી ઊઠી જવાય.

1) _______ તમે પૌષ્ટિક ખોરાક ન ખાઓ _____ બિમાર પડશો.
2) _______ ભાગ્યમાં હશે _____ જરૂર તેમ થશે.
3) ______ તમારી પાસે શેર હોય _____ હમણાં કાઢશો નહીં.
4) _______ તેણે અભ્યાસ કર્યો હોત _____ તે શિક્ષક હોત.

2. उदाहरण: ______ લોકોનું ધ્યાન વગર મહેનતની કમાણી તરફ વળયું છે ______ પ્રામાણિકતા મરી પરવારી છે.
જ્યારથી લોકોનું ધ્યાન વગર મહેનતની કમાણી તરફ વળયું છે ત્યારથી પ્રામાણિકતા મરી પરવારી છે.

1) _______ શેર બજાર ઉચકાયું છે ____ લોકોનું આકર્ષણ એ તરફ વધ્યું છે.
2) _______ બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ ______ ત્યાં જાય છે.
3) તે ______ કસરત કરે છે _____ તેની તબિયત સારી છે.

V पाठ के आधार पर नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।

1) જેટલો વધારે ભાવ________________________.
2) જો મારી સાથે આવું થાત________________________.
3) જ્યારથી બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ________________________.

4) જો તે સાચા હૃદયથી કલાની ઉપાસના______________________.
5) જો તમારી પાસે શેર હોય તો______________________.

VI बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों का दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों के साथ सही मिलान कर वाक्य बनाइए।

	(क)	(ख)
1)	જો ભાગ્યમાં હશે..	- તો તેને સારી નોકરી મળી હોત.
2)	જેવું વાવે.....	- ત્યારથી ત્યાં જાય છે.
3)	જેમ માગશે...	- તો જરૂર તેમ થશે.
4)	જ્યારથી બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ...	- તેમ આપીશું.
5)	જો તે ભણ્યો હોત...	- તેવું લણે.

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के लिंग-वचन बदलकर वाक्य पूरे कीजिए।

(જેટલું-તેટલું, જેટલો-તેટલો, જેટલી-તેટલી)

उदाहरण: ______સસ્તો છે____મોંઘો છે.
જેટલો સસ્તો છે તેટલો મોંઘો છે.

1. 1) ______સસ્તી છે ___મોંઘી છે.
2) ______સસ્તું છે ____મોંઘું છે.

2. (જેવી-તેવી, જેવું-તેવું, જેવો-તેવો)

उदाहरण: ______ દેશ ___વેશ.
જેવો દેશ તેવો વેશ.

1) ______ કરણી ______ ભરણી.
2) ______કરે ___ પામે.

VIII उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्द के स्थान पर दिए गए प्रत्येक सर्वनाम का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

उदाहरण: જો <u>તમારી</u> પાસે શેર હોય તો હમણાં કાઢશો નહીં.
તારી
મારી
અમારી
તેની
તેમની

IX नीचे दिए गए गुजराती कहावतों और मुहावरों के हिंदी अर्थ दीजिए।

1) જેવી ભગવાનની ઈચ્છા.
2) મોં બતાવવા જેવું ન રહેવું.
3) આંખ ઉઘડવી.

पढ़िए और समझिए

ગુજરાતી નામે વેપારી

અમે બંને ભાઈઓએ મળીને જ્યારથી અમારો સ્વતંત્ર વ્યવસાય શરૂ કર્યો છે. ત્યારથી અમારી પરિસ્થિતિ ઘણી સુધરી છે. જો પ્રવીણ આજ ખંતથી કામ કરશે તો અમારી પેઢી જોતજોતામાં આગળ આવી જશે. જ્યારથી અમે ગુજરાતમાં વેપાર વધાર્યો છે ત્યારથી તો અમને પાણી પીવાની પણ ફુરસદ મળતી નથી. ધંધાનો જેટલો વિકાસ થઈ શકે તેટલો કરવાની અમારી ઈચ્છા છે. જ્યારથી ગુજરાતનો આર્થિક વિકાસ થયો છે ત્યારથી ગુજરાતના ઉદ્યોગોને સારું બળ મળ્યું છે. જો અમારા નાનાભાઈ મહેશની ઈચ્છા હશે તો તેને પણ ધંધામાં સાથે લઈશું. પૈસો જેટલો વેપારમાં કમાઈ શકાય છે તેટલો નોકરી કરવાથી મળે નહીં. વેપારમાં જ લક્ષ્મીનો વાસ છે એમ કહેવાય છે. આપણે ગુજરાતીઓ તો આમે વેપારીઓ છીએ. વેપાર આપણી નસમાં છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
વ્યવસાય	व्यवसाय
ખંત	धैर्य
જોતજોતામાં	देखते-देखते
ફુરસદ	फुरसद
ઉદ્યોગ	उद्योग
વધાર્યો	बढाया
બળ	बल
લક્ષ્મી	लक्ष्मी
વાસ	निवास
આમે	ऐसे भी
નસમાં	नस में

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) પ્રવિણ અને તેના ભાઇની પરિસ્થિતિ ક્યારથી સુધરી છે?
2) પ્રવીણ શી રીતે કામ કરે છે?
3) બંને ભાઇઓને પાણી પીવાની ફુરસદ ક્યારથી નથી મળતી?
4) ગુજરાતનો આર્થિક વિકાસ થયો ત્યારથી શો ફેર પડ્યો છે?
5) પૈસો વધુ શામાં કમાઈ શકાય છે?
6) મહેશ કોણ છે?

II नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजीए।

धैर्य, बढाया, निवास, देखते-देखते, बहाव, प्रतिशत, परख, भिखारी, दीवालीया हो जाना, खोलना, पल भर में।

III अनुच्छेद के आधार पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) વેપાર ગુજરાતીઓની ______ છે. (નસમાં, મગજમાં, હૃદયમાં)
2) ______ જ લક્ષ્મીનો વાસ છે. (ખેતીમાં, વેપારમાં, નોકરીમાં)
3) અમદાવાદના ઉદ્યોગોને સારું ________મળ્યું છે. (બળ, શક્તિ, તાકાત)
4) અમે સ્વતંત્ર વ્યવસાય શરૂ કર્યો છે ત્યારથી અમારી______ ઘણી સુધરી છે. (આવક, શોભા, પરિસ્થિતિ)
5) ગુજરાતમાં વેપાર શરૂ કર્યો છે ત્યારથી અમને ____ ફરસદ મળતી નથી. (જમવાની, સુવાની, પાણી પીવાની)

IV हिंदी में अनुवाद कीजिए।

જો કોમ્પ્યુટરની શોધ ન થઈ હોત તો દુનિયા કેવી હોત? તેથી જ કહી શકાય કે આજના આધુનિક યુગમાં કોમ્પ્યુટર એક ખૂબ જ અગત્યનું સાધન છે. જ્યારે કોમ્પ્યુટરની શોધ થઈ ન હતી ત્યારે પણ આપણું બધુ કામ થતું હતું. જેમ-જેમ વૈજ્ઞાનિક શોધો થતી ગઈ તેમ-તેમ આપણી ભૌતિક સગવડો અને અપેક્ષાઓ પણ વધતી ગઈ. જ્યારે ચાર્લ્સ બાર્બેજે કોમ્પ્યુટરની શોધ કરી ત્યારે મનુષ્યએ વિજ્ઞાન ક્ષેત્રે હરણફાળ ભરી ઈન્ટરનેટ પર ઈ-મેલથી લઈને ઘરની દેખરેખ રાખનાર એક વ્યક્તિ તરીકે કોમ્પ્યુટર આજે આપણી પાસે છે. ઈન્ટરનેટ દ્વારા દુનિયાના ગમે તે ખૂણામાંથી ગમે ત્યાં સંપર્ક સાધી શકાય છે અને તેથી જ ઈ-ગવર્નન્સ, ઈ-કોન્ફરન્સ, ઈ-શોપિંગ જેવી અનેક સુવિધાઓ આપણી પાસે છે. જો કોમ્પ્યુટર ન હોત તો કદાચ દુનિયા આટલી સુવિધાજનક અને ઝડપી ન હોત.

જો આપણને કોઈ વસ્તુથી લાભ થાય છે તો કેટલાક ગેરલાભ પણ થાય

છે. જેમ કે ઈન્ટરનેટ વાયરસ, પોર્નોગ્રાફિક વેબસાઈટ જેવા દૂષણો પણ છે. ઈન્ટરનેટ વાયરસ ઘણા બધાં કોમ્પ્યુટરને એક સાથે ઠપ્પ કરી શકે છે. અત્યારનાં બાળકો કોમ્પ્યુટર પર ગેમ રમ્યા કરે છે અને ઈન્ટરનેટ સર્ફિંગ કરે છે. જેની ખૂબ જ ખરાબ અસર પડે છે. બાળકો પરંપરાગત શારીરિક વ્યાયામની રમતોને ભૂલી રહ્યો છે અને કોમ્પ્યુટર ગેમ દ્વારા પોતાની આંખો ખરાબ કરે છે. જો ગેમ તેમના મગજને કસે છે તો અમુક મારધાડવાળી ગેમ તેમના માટે હાનિકારક પણ બને છે. ઈન્ટરનેટ પર પોર્નોગ્રાફિક સાઈટ જોઈને બાળકો પર ખરાબ અસર પડે છે.

આજે ઓફિસોમાં અનેક પ્રકારનું કામ એક જ વ્યક્તિ કોમ્પ્યુટર પર સરળતાથી કરી શકે છે. જે રીતે કોમ્પ્યુટર આપણા રોજિંદા જીવનમાં ઘર કરી ગયું છે તે જોતાં લાગે છે કે ઘણા લોકોનું જીવન કોમ્પ્યુટર વગર અધુરું છે. આથી કહી શકાય કે જેટલું કોમ્પ્યુટર ઉપયોગી છે તેટલું તે નુકસાન પણ કરે છે.

શોધ
બધું
ભૌતિક
સગવડ
અપેક્ષા
હરણફાળ ભરવી

V गुजराती में अनुवाद कीजिए।

जितना हम पश्चिमी सभ्यता से जुड़ रहे हैं उतना हम भारतीय संस्कृति से कट रहे हैं। हमारी जीवन शैली कठिन होती जा रही है। हमारी आवश्यकताएँ बढ़ रही हैं। जबसे हमारे यहाँ विदेशी आवश्यकताएँ बढ़ रही हैं, जबसे हमारे यहाँ विदेशी चमक दमक बढ़ी है तब से हमारी नई पीढ़ी उसकी दीवानी होगई है।

यदि आवश्यकताएँ बढ़ी हैं तो महँगाई भी बढ़ी है। यदि मंहगाई इसी प्रकार बढ़ती रहेगी तो हमें अपनी कार्यशक्ति भी बढ़ानी पड़ेगी। जैसी हमारी जीवन शैली होगी वैसी हमारी सभ्यता होगी।

जबसे हमने सभ्यता की यह नई शैली अपनाई है तब से हम अपनी परम्परागत भारतीय शैली भूलने लगे हैं। हमारा खान-पान, रहन-सहन, आचार-व्यवहार सब बदल गया है।

आवश्यकताएँ बढ़ने और आमदनी घट जाने से हमारी चिंताएँ बढ़ी हैं। शिक्षा का प्रसार बढ़ा है। किंतु शिक्षा के साथ रोजगार नहीं बढ़ा। यदि इसी प्रकार बेरोजगारी बढ़ती रही तो हमारी चिंताएँ भी बढ़ती रहेंगी। जैसे जैसे हमारी पीढ़ी शिक्षित हो रही है वैसे-वैसे उस में बेरोजगारी भी बढ़ रही है।

आप सोचिए यदि इसी प्रकार हमारे देश की पीढ़ी बेरोजगारी के कारण बेकार होती गई तो वह भटक जाएगी। न नौकरी, न व्यापार, दोनों नहीं हैं। दोनों के लिए धन चाहिए। जितना गुड़ उतना मीठा। इसी कहावत के अनुसार जिस के पास जितनी दौलत होगी उसे उतनी ही अच्छी नौकरी मिलेगी। जैसे नेता वैसे केता। नेता भी समाज सेवी नहीं रहे और केता भी अपनी सीमा छोड़कर अपना सर्च बढ़ा रहे हैं।

पूरे बाज़ार का संचालन शेयर-बाजार के हाथों में आ गया है। जैसे-जैसे शोयर-बाज़ार भाव गिरते-बढ़ते हैं वैसे-वैसे पूरा व्यापार मंहगा सस्ता हो जाता है। इस प्रकार बाजार भी अब अस्थिर हो गया है।

VI दहेज प्रथा के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए गुजराती में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1)	જો સરળતાથી પૈસો મળશે તો કોણ છોડશે?	यदि आसानी से पैसा मिलेगा तो कौन छोडेगा?
2)	જો શેર બજારના ભાવ ઘટી જશે તો બધા જ પસ્તાશે.	यदि शेयर-बाजार के भाव कम हो जाएँगे तो सभी पछताएँगे।
3)	જો આપણે શેર બજાર વિશે સતર્ક ન રહીએ તો મોટું નુકસાન પણ થઈ શકે છે.	अगर हम शेयप-बाजार के बारे में सतर्क ना रहे तो बड़ा नुकसान भी हो सकता है।
4)	જો ધંધામાં ધ્યાન ન આપે તો ઊઠી જ જાય છે.	अगर कारोबार में ध्यान नहीं देते तो दीवालिया ही हो जाता है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'જો...તો' (जो....तो) का प्रयोग हिंदी के 'यदि 'तो'/'अगर....तो' के समान हैं और ऐसे वाक्य शर्तबद्ध होते हैं। 'જો' (यदि) से प्रारंभ होने वाला उपवाक्य कारण वाचक होता है। और 'તો' (तो) से प्रारंभ होनेवाला उपवाक्य परिणाम बोधक होता है।

II अब नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दी जिए।

1)	જો તે શેર બજારની વાતોમાં રસ લેતો હોત તો હું ખુશ થાત.	अगर वह शेयर बाजार की बातों में दिलचस्पी लेता होता तो में खुश होता।
2)	જો કલાકારો ન હોત તો આ દુનિયા કેટલી નિરસ હોત?	यदि कलाकार नहीं होते तो यह दुनिया कितनी नीरस होती?
3)	જો તેણે સારી રીતે વાંચ્યું હોત તો સારા ગુણ આવ્યા હોત.	अगर उसने अच्छी तरह पढ़ा होता तो अच्छे अंक आए होते।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्द प्रयोग हिंदी के 'यदि ...... होता तो' के समान हैं। ये भी एक प्रकार के शर्तबद्ध वाक्य हैं। लेकिन 'भूतकाल में जो होना था वह क्यों नहीं हुआ, इसका कारण इन वाक्यों के शर्तबद्ध प्रयोगों से स्पष्ट होता है।

उदाहरण:

1) જો તેણે સારી રીતે મહેનત કરી હોત તો તે પરીક્ષામાં પાસ થઈ ગયો હોત.

अगर उसने अच्छी तरह मेहनत की होती तो वह परीक्षा में पास हो गया होता। इस का अर्थ है कि, उसने परीक्षा से पहले अच्छी तरह महेनत नहीं की इसलिए वह पास नहीं हो सका।

3. 1) જ્યારથી લોકોનું ધ્યાન વગર મહેનતની કમાણી તરફ વળ્યું છે ત્યારથી પ્રામાણિકતા ગાયબ થઈ ગઈ છે. — जब से लोगों का ध्यान बिना महेनत के पैसे की ओर हुआ है तबसे प्रमाणिकता मर चुकी है।

2) જ્યારથી બારમાની પરીક્ષા પૂરી થઈ ત્યારથી ત્યાં જાય છે. — जब से मेट्रिक की परीक्षा पूरी हुई तब से वहाँ जाता है।

3) જ્યારથી શેર બજાર ઉચકાયું છે ત્યારથી લોકોનું આકર્ષણ એ દિશામાં વધ્યું છે. — जब से शेयर-बाजार तेजी में है तब से लोगो की रुझान उस दिशा में बढ़ी हैं।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'जब से - तब से' के प्रयोग के समान हैं। गुजराती में 'જ્યારથી...ત્યારથી' का प्रयोग कर ऐसे वाक्य बनते हैं। ऐसा प्रयोग क्रियाओं के होने के समय का बोध करता है।

4. 1) જેટલો ભાવ વધશે તેટલો ઘટશે. — जितना ही भाव बढ़ेगा उतना ही कम होगा।

2) જેટલું ભણ્યો તેટલું સાચું. — जितना पढ़ेगा उतना सही।

3) જેટલું પૈસાનું મહત્ત્વ વધ્યું છે તેટલું શિક્ષણનું સ્તર ઘટ્યું છે. — जितना पैसे का महत्त्व बढ़ा है उतना शिक्षा का स्तर कम हुआ है।

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के 'जितना.... उतना' के प्रयोग के समान हैं। गुजराती में (जेटलु...तेटलुं) 'જેટલું....તેટલું' का प्रयोग कर ऐसे वाक्य बनते हैं। हिंदी की ही तरह लिंग-वचन के अनुसार इनके रूप बदलते हैं। जैसे 'જેટલો....તેટલો', 'જેટલી...તેટલી' (जेटलो-तेटलो), 'જેટલું....તેટલું' (जेटली-तेटली)। इस प्रकार के प्रयोग परिमाण बताने के लिए होते हैं।

પાઠ 17
पाठ

હૂંસાતૂંસી

(પશુઓ, પ્રાણીઓ અને પક્ષીઓ પોતાનો રાજા પસંદ કરવા એકઠાં થયાં છે.)

શિયાળ : આજે આપણે આપણા રાજાને પસંદ કરવા ભેગાં થયાં છીએ. જે બધાંમાં શ્રેષ્ઠ હશે તે આપણો રાજા થશે.

ગરૂડ : જો એમ જ હોય તો હું જ રાજા બનવાને યોગ્ય છું. હું સૌથી ઊંચે ઊડી શકું છું. મારા જેવું ઊંચું ઉડનારું કોઈ નથી.

ઊંટ : હવે બેસ, બેસ. તારા કરતાં વધુ ઊંચે ઉડનારાં ઘણાં પક્ષીઓ છે. જ્યારે તેમને રાજા નથી બનાવ્યા તો તારી શી વિસાત. મારી સામે જો હું બધાંથી ઊંચું છું. મારી ડોક સૌથી લાંબી છે. હું આખા જંગલ ઉપર નજર રાખી શકું છું. તેથી હું જ બધાથી શ્રેષ્ઠ છું. મને રાજા બનાવો.

હાથી : જા, જા. તારા કરતાં તો જિરાફની ડોક વધુ લાંબી હોય છે, વળી તારાં તો અઢારે અંગ વાંકાં છે. તું શી રીતે રાજાના પદ ઉપર શોભે? મારી સામે જુઓ મારી શક્તિનો તમને કાંઈ અંદાજ છે? હું બધાં કરતાં વધારે શક્તિશાળી અને પ્રભાવશાળી છું. રાજા બનવાને

खीचंतान

(पशु, प्राणी और पक्षी अपने राजा का चयन करने के लिए इकट्ठे हुए हैं।)

सियाल : आज हम अपने राजा का चुनाव करने के लिए एकत्र हुए हैं। जो सभी में श्रेष्ठ होगा वह अपना राजा होगा।

गरुड़ : यदि ऐसा ही है तो मैं ही राजा बनने योग्य हूँ। मैं सब से ऊँचा उड़ सकता हूँ। मेरे जैसा ऊँचा उड़नेवाला कोई नहीं है।

ऊँट : बैठ-बैठ। तुझ से ज्यादा ऊँचा उड़नेवाले बहुत पक्षी हैं। जब उनको राजा बना नहीं सकते तो तुम्हारी कप्प विसात। मेरी तरफ देखो मैं सबसे ऊँचा हूँ। मेरी गरदन सबसे लंबी है। मैं सारे जंगल पर दृष्टि रख सकता हूँ। मैं ही सबसे श्रेष्ठ हूँ। इसलिए मुझे ही राजा बनाइए।

हाथी : जा-जा, तुझसे तो जिराफ की गरदन अधिक लंबी होती है। फिर तेरे तो अठारह ही अंग टेढ़े हैं। तुम कैसे राजा के पद पर शोभित होंगे? मेरे सामने देखो। मेरी शक्ति का तुम्हें कोई अंदाजा है? मैं सब से ज्यादा शक्तिशाली और प्रभावशाली हूँ। राजा बनने के लिए तो मैं ही लायक हूँ। मेरे जैसा दूसरा कोई नहीं है।

તો હું જ લાયક છું. મારા જેવો બીજો કોઈ નથી.

ઘોડો : તું તારી જાતને ભલે સૌથી યોગ્ય પાત્ર ગણે પણ તારા જેવા તો મેં ઘણા જોયા છે. શું તું મારાં કરતાં વધુ ઝડપે દોડી શકે છે? તું તો જાડા શરીરવાળો છે. તારી ગતિ પણ ખૂબ જ ધીમી છે. રાજા તો તીવ્રગામી હોવો જોઈએ. હું સૌથી તીવ્રગામી છું. તેથી તમે બધાં મને જ રાજા બનાવો.

घोड़ा : भले ही तुम अपने आप को सबसे योग्य पात्र गिनो। लेकिन तुम्हारे जैसे तो मैने बहुत देखे हैं। क्या तुम मुझसे ज्यादा तेज़ दौड़ सकते हो। तुम तो थुल-थुल शरीर के हो। तुम्हारी गति भी बहुत धीमी है। राजा तो तीव्रगती के होने चाहिए। मैं सबसे तीव्रगामी हूँ। इसलिए तुम सब मुझे ही राजा बनाओ।

શિયાળ : તું ઝડપી દોડી શકે છે એટલે તો તને રાજા ન બનાવી શકાય. રાજા તો બુદ્ધિશાળી હોવો જોઈએ. તારા મોંમાં તો માણસ લગામ નાખીને તને ગુલામ બનાવે છે. તું શું રાજા થવાનો? રાજા થવાને યોગ્ય તો હું જ છું. મારા જેવું ચાલાક બીજું કોણ છે? તેથી મને જ રાજા બનાવો.

सियाल : तुम तेज दौड़ सकते हो। इसलिए तो तुम्हें राजा नहीं बना सकते। राजा तो बुद्धिमान होना चाहिए। तुम्हारे मुख में तो मनुष्य लगाम ड़ालकर तुम्हें गुलाम बनाते हैं। तुम क्या राजा बनोगे? राजा बनने के योग्य तो मैं ही हूँ। मेरे जैसा दूसरा कौन है? इसलिए मुझे ही राजा बनाओ।

પોપટ : તું ચાલાક નથી. તું તો લુચ્ચું છે. લુચ્ચું પ્રાણી અમારો રાજા ન હોય. રાજા માટે તો હું જ યોગ્ય છું. મારા રંગ-રૂપ બધાં કરતાં ઉત્તમ છે. હું મીઠું બોલી શકું છું. મારાં કરતાં બધારે મીઠું બોલતાં કોને આવડે છે?

तोता : तुम चालाक नहीं हो। तुम तो धूर्त हो। धूर्त प्राणी हमारा राजा नहीं होगा। राजा के लिए तो मैं ही योग्य हूँ। मेरा रंग-रूप सब से उत्तम है। मैं मीठा बोल सकता हूँ। मुझ से अधिक मीठा बोलना किसे आता है।

રીંછ : ફક્ત મીઠું બોલવાથી રાજપાટ નથી ચાલતો અને બનવા માટે સૌથી સુંદર હોવું પણ જરૂરી નથી. રાજા તો નિર્ભય હોવો જોઈએ. તારા જેવું બીકણ પંખી શું રાજા બનશે? અહીં મારાથી વધારે નિર્ભય

भालू: केवल मीठा बोलने से राजा पाट नहीं चलता और राजा बनने के लिए सबसे सुंदर होना भी जरूरी नहीं है। राजा तो निर्भीत होना चाहिए। तेरि जैसा डरपोक पक्षी क्या राजा बनेगा? यहाँ मुझसे अधिक निर्भीत कौन है? इसलिए राजा बनने योग्य तो मैं ही हूँ।

કોણ છે. તેથી રાજા બનવાને યોગ્ય તો હું જ છું.

વાઘ : ફક્ત નિર્ભય હોવાથી શું છે? રાજા બનવા માટે શક્તિશાળી હોવું પણ આવશ્યક છે. હું સૌથી વધારે નિર્ભય પણ છું, શક્તિશાળી પણ છું. તેથી રાજા બનવાને યોગ્ય તો હું છું.
(ત્યાં જ સિંહની ગર્જના સંભળાય છે)
સિંહની ગર્જના સાંભળી બધાં વન્ય પ્રાણીઓ વેર-વિખેર થવા લાગે છે.

बाघ : केवल निर्भीत होने से क्या है? राजा बनने के लिए ताकतवर होना भी अवश्यक है। मैं सब से अधिक निर्भीत भी हूँ, ताकतवर भी हूँ। इसलिए राजा बनने योग्य तो मैं हूँ।
(तभी सिंह की गर्जना सुनाई पड़ती है। सिंह की गर्जना सुनकर सारे वन पशु तितर-बितर होने लगते हैं।

બધાંપ્રાણી : સિંહ જ આપણા બધાંથી શ્રેષ્ઠ છે. તેના જેવું કોઈ નથી. આપણે બધા તેને જ આપણો રાજા બનાવીશું.

सभी प्राणी : सिंह ही हम सबसे श्रेष्ठ है। उस के जैसा कोई नहीं है। हम सब उसे ही अपना राजा बनाएँगे।

શિયાળ : વનરાજ સિંહની જય...
બધાંપ્રાણી : વનરાજ સિંહની જય.. **(સમૂહમાં)**

सियाल : वन राज सिंह की जय।
सभी प्राणी एक साथ : वन राज सिंह की जय।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
પશુઓ	पशु
પ્રાણીઓ	प्राणी
પસંદ	चयन/चुनाव करना
ઉડનારાં	उड़ने वाले
સૌથી	सबसे
ઊંચું	ऊँचा
વિસાત	बिसात
લાંબી	लंबी
ડોક	गरदन
અઢારે અંગ વાંકા હોવાં(રૂઢિપ્રયોગ)	अठारह अंग टेढ़े होना (मुहावरा)
લાયક, યોગ્ય	लायक, योग्य
ઝડપી	वेग, तेज

તીવ્રગતિ	तीव्रगति
બુદ્ધિશાળી	बुद्धिमान
લગામ	लगाम
ચાલાક	चालाक
લુચ્ચું	धूर्त
રંગ-રૂપ	रंग-रूप
મીઠું	मीठा
નિર્ભય	निर्भीत
બીકણ	डरपोक
ગર્જના	गर्जना
વેર વિખેર	तितर-बितर

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) મારા જેવું ઊંચું ઉડનારું કોઈ નથી.
 2) મારા જેવો બીજો કોઈ નથી.
 3) તેના જેવું કોઈ નથી.
 4) તારા જેવા તો મેં ઘણા જોયા છે.
 5) તારા જેવું બીકણ પંખી શું રાજા બનશે?

2. 1) તારા કરતાં વધુ ઊંચે ઉડનારાં ઘણાં પક્ષીઓ છે.
 2) તારા કરતાં જિરાફની ડોક વધુ લાંબી હોય છે,
 3) મારાં કરતાં વધુ ઝડપે દોડી શકે છે?
 4) મારા રંગ-રૂપ બધાં કરતાં ઉત્તમ છે.
 5) મારાં કરતાં બધારે મીઠું બોલતાં કોને આવડે છે?
 6) છે કોઈ મારા કરતાં વધુ મોટું?

3. 1) જે બધાંમાં શ્રેષ્ઠ હશે તે આપણો રાજા.
 2) હું સૌથી ઊંચે ઊડી શકું છું.
 3) હું બધાંમાં ઊંચું છું.
 4) તમારાં સૌ કરતાં હું વધારે શક્તિશાળી અને પ્રભાવશાળી છું.
 5) મારાથી ચાલાક બીજું કોણ છે?
 6) સિંહ જ બધાંથી વધુ બળવાન છે.

4. 1) તારા કરતાં વધુ ઊંચે ઉડનારાં ઘણાં પક્ષીઓ છે.
 2) હું બધાંથી ઊંચું છું.

3) મારી ડોક લાંબી છે.
4) તારાં તો અઢારે અંગ વાંકા છે.
5) હું બધાં કરતાં વધારે શક્તિશાળી અને પ્રભાવશાળી છું.
6) મારા જેવું ચાલાક બીજું કોણ છે?
7) લુચ્ચું પ્રાણી અમારો રાજા ન હોય.
8) મારા રંગ-રૂપ ઉત્તમ છે.
9) સિંહ જ બધાંથી વધુ બળવાન છે.
10) રાજા તો બુદ્ધિશાળી જોઈએ.
11) રાજા થવાને તો હું જ યોગ્ય છું.

II नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक शब्द का प्रयोग कर चार-चार वाक्य बनाइए।

1. 1) તે ઊંચો છોકરો છે. (સારો, ગોરો, જાડો, પાતળો)
2) તે ઊંચી છોકરી છે. (સારી, ગોરી, જાડી, પાતળી)
3) તે ઊંચું છોકરું છે. (સારું, ગોરું, જાડું, પાતળું)
4) તે ઊંચા છોકરાઓ છે. (સારા, ગોરા, જાડા, પાતળા)
5) તે ઊંચી છોકરીઓ છે. (સારી, ગોરી, જાડી, પાતળી)
6) તે ઊંચાં છોકરાં છે. (સારાં, ગોરાં, જાડાં, પાતળાં)

2. 1) તે ગાનારો છોકરો છે. (ફરનારો, કરનારો, જોનારો, આવનારો)
2) તે ગાનારી છોકરી છે. (ફરનારી, કરનારી, જોનારી, આવનારી)
3) તે ગાનારું પક્ષી છે. (ઉડનારું, ફરનારું, બોલનારું, ચણનારું)
4) તે ગાનારા છોકરાઓ છે. (ફરનારા, કરનારા, જોનારા, આવનારા)
5) તે ગાનારી છોકરીઓ છે. (ફરનારી, કરનારી, જોનારી, આવનારી)
6) તે ગાનારાં પક્ષીઓ છે. (ઉડનારાં, ફરનારાં, બોલનારાં, ચણનારાં)

3. 1) તે બુદ્ધિશાળી છોકરો છે. (છોકરી, છોકરા, છોકરું, પક્ષી)
2) તે સુંદર છોકરો છે. (છોકરીઓ, છોકરાઓ, છોકરાં, પક્ષીઓ)
3) તે દયાળું છોકરો છે. (છોકરી, છોકરીઓ, છોકરું, છોકરાં, પક્ષી, પક્ષીઓ)

4. ગરૂડ કરતાં વધુ ઉડનારાં ઘણાં પક્ષીઓ છે.
ઉંચે
ઝડપથી
વધારે શક્તિથી
વધારે વેગથી

III कोष्ठक में दिए उपयुक्त विशेषण का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. (ઊંચું, અઢારે, બુદ્ધિશાળી, બળવાન, ઉત્તમ, ચાલાક, વધુ, ઘણાં)
   1) ગરૂડ કરતાં______ ઉડનારાં ______પક્ષીઓ છે.
   2) ઊંટ બધામાં ______ છે.
   3) તારાં ______ અંગ વાંકાં છે.
   4) રાજા તો ______ જોઈએ.
   5) શિયાળથી ______ બીજું કોણ છે?
   6) પોપટના રંગ-રૂપ ______ છે.
   7) છે કોઈ મારા કરતાં વધુ _______ ?
   8) સિંહ જ વધુ _______ છે.

2. (સઘળાથી, સૌથી, કરતાં, મારાથી, સૌ કરતાં)
   1) ગરૂડ _______ ઉંચે ઉડનારાં ઘણાં પક્ષીઓ છે.
   2) જે ______ શ્રેષ્ઠ હશે તે આપણો રાજા.
   3) ઊંટની ડોક ______ જિરાફની ડોક લાંબી છે.
   4) હાથી ______ વધારે શક્તિશાળી છે.
   5) અહીંયાં ______વધારે ચાલાક બીજું કોણ છે?
   6) વાઘ ______ વધુ બળવાન છે.

IV बायीं ओर दिए गए वाक्यांशों के साथ दाहिनी ओर दिए गए वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए।

1.
   1) જે સૌથી શ્રેષ્ઠ હશે - બીજું કોણ છે?
   2) તમારાં સૌ કરતાં હું - બોલતાં કોને આવડે છે?
   3) મારાથી ચાલાક - વધુ મોટું.
   4) મારા કરતાં મીઠું - તે આપણો રાજા.
   5) છે કોઈ મારા કરતાં - વધારે શક્તિશાળી અને પ્રભાવશાળી છું.
   6) હું બધાંમાં - ઉડનારાં તો ઘણાં પક્ષીઓ છે.
   8) તારા કરતાં વધુ ઊંચું - ઊંચું છું.

V उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य जोड़ियों का मिलान कीजिए।

1. उदाहरण: ઊંટની ડોક લાંબી છે.
   જિરાફની ડોક વધુ લાંબી છે.
   ઊંટ કરતાં જિરાફની ડોક વધુ લાંબી છે.
   1) ઊંટની શક્તિ ઓછી છે.
      હાથીની શક્તિ વધુ છે.
   2) હાથીની ઝડપ ઓછી છે.
      ઘોડાની ઝડપ વધારે છે.

3) ઊંટ ધીમે દોડી શકે છે.
   ઘોડો ઝડપથી દોડી શકે છે.
4) રીંછમાં તાકાત ઓછી છે.
   વાઘમાં તાકાત વધુ છે.

VI उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक विशेषण के उपयुक्त रूप का प्रयोग कर छह-छह वाक्य बनाइए।

(ડાહ્યો, રૂપાળો, ગાંડો, વહાલો)

ઉદાહરણ: 'સારો'

1) તે સારો છોકરો છે.
2) તે સારી છોકરી છે.
3) તે સારું છોકરું છે.
4) તે સારા છોકરાઓ છે.
5) તે સારી છોકરીઓ છે.
6) તે સારાં છોકરાં છે.

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

ઉદાહરણ: ઊંટ બધામાં ઊંચું છે.
બધામાં ઊંચું કોણ છે?

1) ગરૂડ બધાંથી ઊંચે ઉડે છે.
2) ઊંટનાં અઢારે અંગ વાંકાં છે.
3) પોપટનાં રંગ-રૂપ ઉત્તમ છે.
4) સિંહ જ વધુ બળવાન છે.
5) શિયાળ સૌથી ચાલાક છે.
6) રાજા તો બુદ્ધિશાળી જોઈએ.
7) જિરાફની ડોક લાંબી છે.

पढ़िए और समझिए

બે બકરીઓ અને કૂતરા

એક મોટી નદી હતી. નદી ઉપર તદ્દન સાંકડો પુલ હતો. પુલ ઉપરથી એક વખતે એક જ વ્યક્તિ પસાર થઈ શકે તેમ હતું. એક દિવસ એ પુલ ઉપર બે કૂતરા સામસામી દિશાએથી આવ્યા. બંને એક બીજા સામે ઘૂરકવા લાગ્યા. બંને એકબીજાથી ઉતરે તેમ ન હતા. બંને પોતાને એક બીજા કરતાં ચઢિયાતા માનતા હતા. કાળા કૂતરાએ ધોળા કૂતરાને પાછા જવાનું કહ્યું, તો ધોળા કૂતરાએ કાળા કૂતરાને પાછા જવાનું કહ્યું. બંનેમાંથી કોઈ એકબીજાનું માનતો ન હતા. બંને ઝઘડવા લાગ્યા. ઝગડતાં ઝગડતાં બંને ઉછળીને નદીમાં પડ્યા અને વહી

ગયા. થોડા સમય પછી એ જ પુલ ઉપર સામસામી દિશાથી બે બકરીઓ આવી. બંને સમજું હતી. મોટી બકરી નીચે બેઠી. નાની તેની ઉપર થઈને પુલની આ બાજુથી પેલી બાજુ પસાર થઈ. થોડીવાર પછી મોટી બકરી ઊભી થઈ અને તે પણ પુલ પરથી પસાર થઈ. બંને બકરીઓ કૂતરાઓ કરતાં ડાહ્યી હતી. કૂતરાઓની જેમ તેમણે ઝઘડો કરી જાન ન ગુમાવ્યા. બકરીઓ કૂતરાઓ કરતાં સમજુ હતી.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
નદી	नदी
તદ્દન	अत्यंत
વ્યક્તિ	व्यक्ति
કૂતરો	कुत्ते
સાંકડો	सकरा, संकीर्ण
પુલ	पुल
ઘૂરકવા લાગ્યા	गुर्राने लगे
ઉતરતાં	घटते हुए
ચઢિયાતા	बढ़ते हुए
પાછા જવું	वापस जाना
ઉછળીને	उछल कर
વહી ગયા	बह गए
ધોળો	सफेद
સામસામેથી	आमने-सामने से
સમજુ	समझदार
નીચે	नीचे
બીજી બાજુ	दीसरी ओर
ડાહ્યી	समझदार
ઝઘડો	झगड़ा
જેમ	जैसा
જાન ગુમાવ્યા	जान गँवाई

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) પુલ કેવો છે અને ક્યાં આવેલો છે?
2) કૂતરાઓ શા માટે ઘૂરકવા લાગ્યા?
3) કૂતરાઓ નદીમાં શાથી પડ્યા?
4) બકરીઓએ પુલ કેવી રીતે પસાર કર્યો?
5) બકરીઓને ડાહ્યી કેમ કહી?

II अनुच्छेद में से नीचे दिए गए शब्दों के विलोमार्थी शब्द दीजिए।

1. એક, કાળો, ઉતરતાં, મોટી

2. **अनुच्छेद के आधार पर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।**

નદી ઉપર _______ પુલ હતો. પુલ ઉપર ______ કૂતરા સામસામેથી આવ્યા. પોતાને બીજા કરતાં ________ માનતા હતા. __________ કૂતરાએ _________ કૂતરાને પાછા જવા કહ્યું. __________ બકરી નીચે બેઠી તેની ઉપરથી થઈને __________ પુલની __________ ગઈ. બકરીઓ કૂતરા કરતાં __________ અને __________ હતી.

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ગુજરાત ઉત્સવોની સમૃદ્ધ ભૂમી છે. ગુજરાતના ઉત્સવોમાં સૌથી વધુ આકર્ષણ મેળાઓનું હોય છે. ગુજરાતના અનેક વિસ્તારોમાં વિવિધ તહેવારના દિવસે નાના-મોટા મેળા ભરાય છે. એમાં તરણેતરનો મેળો, વૈઠાનો મેળો અને શામળજીનો મેળો વગેરે જેવા મેળા છે. આ મેળાઓ સૌથી વધુ પ્રચલિત છે.

તરણેતરનો મેળો ગુજરાતના સૌરાષ્ટ્ર વિસ્તારના રાજકોટ શહેરથી પંચોતેર કિ.મી. દૂર આવેલા એક સ્થળે ભરાય છે. આ સ્થળે પ્રાચીન શિવ મંદિર આવેલું છે. આ મેળાના મુખ્ય આકર્ષણમાં અહીંનાં લોકનૃત્યો, લોકગીતો અને પરંપરાગત રમતોનો સમાવેશ થાય છે. અહીં લોકનૃત્યોમાં સૌથી વધુ આકર્ષણ રાસ, ગરબા અને હૂડો નૃત્યનું છે. આ ઉપરાંત અહીં આવતા વિવિધ જાતિના લોકોનાં ભરત ભરેલા રંગબેરંગી પોશાકો, વળદાર પાઘડીઓ અને શણગારેલી છત્રીઓ આકર્ષક હોય છે. મનોરંજન માટે અહીં પરંપરાગત સ્પર્ધાત્મક રમતો પણ રમાય છે. મેળામાં હસ્તકલા ઉદ્યોગની વસ્તુઓ અને પશુમેળો પણ જોવા મળે છે. આ મેળામાં જીવન સાથીની પસંદગીની પરંપરા પણ અહીં જોવા મળે છે. અહીં વિવિધ જાતિનાં લોકો પોતાને મનગમતા પાત્રને પસંદ કરે છે. જેમ કે કોઈ છોકરી કોઈ છોકરા સાથે બોલવાનું બંધ કરી દે તો તેનો મતલબ છે કે તેણે જીવનસાથી પસંદ કરી લીધો. આ મેળામાં દુનિયાભરમાંથી પચાસ હજારથી વધારે લોકો આવે છે.

વૌઠાનો મેળો ગુજરાતના બધા જ મેળા કરતાં અલગ પ્રકારનો છે. આ મેળાનું ધાર્મિક અને પૌરાણિક મહત્ત્વ છે. આ મેળામાં એક વિશિષ્ટ બજાર ભરાય છે તે ગધેડાઓનું બજાર છે. જેમાં વણજારાઓ ચારથી પાંચ હજાર ગધેડાંઓની લે-વેચ કરે છે. આ મેળો જ્યાં ભરાય છે તેને સપ્તસંગમ પણ કહે છે. આ મેળો સાબરમતી, વાત્રક અને બીજી પાંચ નાની-મોટી નદીઓના સંગમ સ્થાને ભરાય છે. આ મેળામાં વિવિધ જાતિના કલાકારો વિસ્મયકારી કળાઓ રજૂ કરીને મેળામાં આવનાર લોકોનું મનોરંજન કરે છે. આ ઉપરાંત ગુજરાતમાં શામળાજીનો મેળો પણ પ્રચલિત છે. આ મેળો મેશ્વા નદીના કાંઠે ભરાય છે. અહીં વૈષ્ણવ શ્રદ્ધાળુઓ મોટા પ્રમાણમાં આવે છે. અહીં રાજસ્થાનથી પણ ઘણાં લોકો આવે છે. અહીંનું મંદિર અગ્યારમી સદીમાં બન્યું હતું. આ મેળો બે અઠવાડિયા ચાલે છે. જેમાં બે લાખથી પણ વધારે લોકો આવે છે.

આમ, ગુજરાતના મેળાઓની એક આગવી ઓળખ છે. જેમાં ગરાસિયા, ભીલ, વણઝારા, કોળી, કાઠી, રબારી, ભરવાડ, કણબી, ચારણ વગેરે વિવિધ જાતિના લોકોની પરંપરાગત સંસ્કૃતિનાં દર્શન થાય છે. દુનિયાભરમાં આ મેળાઓની આગવી વિશેષતા છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
ઉત્સવ	उत्सव
સમૃદ્ધ	समृद्ध
તહેવાર	तहेवार
નિમિત્ત	निमित्त
મેળો	मेला
તરણેતર	तरणेतर
વૌઠા	वौठा
શામળાજી	शामणाजी
સૌરાષ્ટ્ર	सौराष्ट्र
રાજકોટ	गुजरात के विविध गाँव, शहर या विस्तार
પંચોતેર	पचहत्तर
પ્રાચીન	प्राचीन
ભરાય છે	लगता है/लगते हैं
સમાવેશ	समावेश
રાસ, ગરબા, હૂડો	गुजरात के लोकनृत्य के विविध प्रकार
ભરત ભરેલાં	कशीदाकाम किए हुए
વળદાર	बटवाली/ऐंठनदार
પાઘડી	पगड़ी

છત્રી	छत्री
હસ્તકલા ઉદ્યોગ	हस्तकला उद्योग
પશુમેળો	पशुओं को खरीदने बेचने का मेला
પૌરાણિક	पौराणिक
ગધેડા બજાર	गधों को खरिदने बेचने का बाज़ार
વણઝારા	बनजारे
હજાર	हज़ार (संख्या के अर्थ में)
સાબરમતી, વાત્રક, મેશ્વા	साबरमती,पात्रक,मेश्वा(गुजरात की नदीयाँ)
બાજીગર	बाज़ीगर/विविध कर्तब दिखानेवाला
વિસ્મયકારી	विस्मयकारी
રજૂ કરવું	प्रस्तुत करना/प्रदर्शित करना
કાંઠો	किनारा
શ્રદ્ધાળું	श्रद्धालु
પૂજક	पूजक
સદી	सदी
ગરાસિયા, ભીલ, વણઝારા, કોળી, કાઠી, રબારી, ભરવાડ, કણબી, ચારણ	गुजरात की विविध जातियाँ

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

कल हमारे शहर में एक सर्कस आया है। गए साल भी एक सर्कस आया था। वह सर्कस इस से अधिक बड़ा था। उस सर्कस में पशु भी इस सर्कस से अधिक थे। उसका हाथी इस सर्कस से हाथी से ज्यादा बड़ा था।

इस सर्कस का विदूषक बहुत विनोदी है। बच्चों का मनोरंजन सबसे अधिक वही करता है।

झूले वाली लड़कियाँ भी बहुत बढ़िया झूला झूलती हैं। उनमें सबसे ज्यादा अच्छा खेल एक छोटी लड़की दिखाती है। वह हाथ छोड़ कर साइकिल चलाती है। इस लड़की से भी अच्छा खेल तो बंदर का है। वह भालू और कुत्ते से भी अधिक मनोरंजन करता है।

एक बहुत बड़े लोहे के पिंजरे में शेर बंद है। उसका खेल बहुत खतरे का है। रिंग मास्टर उसे पिंजरे से बाहर निकालता है। रिंगमास्टर शेर के सामने कोड़ा फराकर उसे डराता है। उसकी गर्जना से सारा पंडाल गूँज उठता है। सचमुच रिंगमास्टर का खेल सबसे ज्यादा खतरनाक है। सर्कस में सबसे छोटा प्राणी तोता और सबसे बड़ा प्राणी हाथी है। सर्कस का प्रदर्शन बहुत ही आनंद देने वाली है।

V किसी मेले में देखे गए किसी भी प्रकार के खेल पर एक अनुछेद गुजराती में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I पिछले पाठों में आप गुजराती के विशेषण शब्दों से परिचित हो गए होंगे। इस पाठ में भिन्न-भिन्न विशेषणों का प्रयोग किया गया है। साथ साथ गुजराती के तुलना बतानेवाले तथा श्रेष्ठता बताने वाले प्रयोगों का भी परिचय दिया गया है।

उदाहरण:

1)	તારા કરતાં વધુ ઊંચે ઉડનારાં તો ઘણાં પક્ષીઓ છે.	तुझसे ज्यादा ऊंचा उड़ने वाले तो बहुत पक्षी हैं।
2)	હું બધાંથી ઊંચું છું.	मैं सबसे ऊँचा हूँ।
3)	તારાં અઢારે અંગ વાંકા છે.	तेरे तो अठारह अंग टेढ़े हैं।
4)	બુદ્ધિશાળી રાજા તો તે છે.	बुद्धिमान राजा तो वे हैं।
5)	યોગ્ય રાજા તો લોકોની ભલાઇ કરે છે.	योग्य राजा के लोगों की भलाई करते हैं।
6)	મારાથી ચાલાક બીજું કોણ છે?	मुझ से चालाक दूसरा कौन है?
7)	લુચ્ચું પ્રાણી અમારો રાજા ન હોય.	धूर्त प्राणी हमारा राजा नहीं होगा।
8)	મારા રંગ-રૂપ બધાથી ઉત્તમ છે.	मेरा रंगरूप सब से उत्तम है।

उपर्युक्त वाक्यों में सभी रेखांकित शब्द गुजराती में विशेषण हैं। गुजराती में भी हिंदी ही की तरह सामान्यतः लिंग, वचन के अनुसार विशेषण के भी रूप बदलते हैं। ध्यान दीजिए कि गुजराती में पुल्लिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसक लिंग हैं और विशेषण इन के अनुसार बदलते हैं।

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
एकवचन	-ઊંચો છોકરો (ऊँचा लड़का)	ઊંચી છોકરી (ऊँची लड़की)	ઊંચું છોકરું
बहुवचन	-ઊંચા છોકરાઓ (ऊँचे लड़के)	ઊંચી છોકરીઓ (ऊँची लड़कियाँ)	ઊંચાં છોકરાં

2. ઉત્તમ- (उत्तम) उत्तम, સુંદર-(सुंदर) सुंदर जैसे विशेषण शब्द लिंग और वचन के अनुसार नहीं बदलते।

3. બુદ્ધિશાળી- (बुद्धिशाली) 'बुद्धिमान', બળવાન-(बलवान) 'बलवान', શક્તિશાળી-(शक्तिशाली) 'शक्तिमान', પ્રભાવશાળી- (प्रभावशाली) 'प्रभावशाली' जेसे शब्द संज्ञा तथा विशेषण के रूपमें प्रयुक्त होते हैं। इन के रूप भी लिंग वचन के अनुसार नहीं बदलते।

4. 'ઉડનારાં (उडनारां) 'उड़नेवाले', ગાનારાં (गानारां) 'गानेवाले', ફરનારાં (फरनारां) 'घूमनेवाले' जैसे शब्दों का प्रयोग भी संज्ञा तथा विशेषण के रूप में होता है और ये शब्द लिंग और वचन के अनुसार बदलते हैं।

	एकवचन		*बहुवचन*	
पुल्लिंग	ગાનારો છોકરો	गानेवाला लड़का	ગાનારા છોકરાઓ	गानेवाले लड़के
स्त्रीलिंग	ગાનારી છોકરી	गानेवाली लड़की	ગાનારી છોકરીઓ	गानेवाली लड़कियाँ
नपु.	ગાનારું પક્ષી		ગાનારાં પક્ષીઓ	

ध्यान दीजिए कि हिंदी की ही तरह गुजराती में भी संज्ञार्थक कृदंतों के साथ-साथ एक वचन में 'રો' (रो) (पु.), 'રી' (री) (स्त्री.), 'રું' (रु) (नपुं.) और बहुवचन में 'રા' (रा) (पु.), 'રી' (री) (स्त्री.), 'રાં' (रां) (नपुं.) लगाकर विशेषण बनाए जाते हैं। यह स्थिति हिंदी के एकवचन 'वाला' (पु.), वाली (स्त्री.) और बहुवचन 'वाले' (पु.), के प्रयोगों के समान है। हिंदी में इन परसर्गों के लगने के पूर्व संज्ञार्थक कृदंत में 'आ' के स्थान पर 'ए' विकार होता है परंतु गुजराती में संज्ञार्थ कृदंत एक रूपमें ही रहते हैं।

5.

1)	મારા જેવું ઊંચું ઉડનારું તો કોઈ નથી.	मेरे जैसा ऊँचा उड़नेवाला कोई नहीं है।
2)	મારા જેવો બીજો કોઈ નથી.	मेरे जैसा दूसरा कोई नहीं है।
3)	તારા જેવું બીકણ પંખી શું રાજા બનશે?	तेरे जेसा डरपोक पक्षी क्या राजा बनेगा?
4)	સિંહ જેવું કોઈ નથી.	सिंह जेसा कोई नहीं है।
5)	તારા જેવા તો મેં ઘણા જોયા છે.	तेरे जैसे तो मैंने बहुत देखे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द हिंदी के 'मेरे जैसा', 'तेरे जैसा', 'उसके जैसा' प्रयोगों के समान हैं। हिंदी की तरह गुजराती में भी संज्ञा या सर्वनाम के संबंध कारक रूप 'જેવું' (जेवुं), 'જેવા' (जेवा), 'જેવી' (जेवी), 'જેવો' (जेवो) जैसे तुल्यता या साहश्यता दर्शाने वाले शब्द जोडकर ये प्रयोग बनाए जाते हैं।

6. नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

1)	તારાં કરતાં વધુ ઉડનારાં તો ઘણાં પક્ષીઓ છે.	तुझसे ज्यादा उड़नेवाले तो बहुत पक्षी हैं।
2)	મારા કરતાં વધુ મીઠું બોલતાં કોને આવડે છે?	मुझसे अधिक मीठा बोलना किसे आता है?
3)	તેના કરતાં મારાં રંગ-રૂપ ઉત્તમ છે.	उस से मेरा रंगरूप उत्तम है।
4)	છે કોઈ મારા કરતાં વધુ મોટું?	है कोई मुझ से अधिक बड़ा?

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द तुलना बतानेवाले प्रयोग हैं। तुलना के लिए 'તેના કરતાં' (तेना करतां), 'उस से', 'મારા કરતાં' (मारा करतां), 'मुझ से', 'તારા કરતા' (तारा करता) 'तुझ से' जैसे रूपों का प्रयोग सर्वनामों में होता है। संज्ञाओं में सिर्फ 'કરતા' (करतां) 'से' का प्रयोग होता है। हिंदी में इनके लिए 'सबसे बड़ा', 'बड़े से बड़ा' आदि शब्दों का प्रयोग होता है।

III

1)	જે સૌથી શ્રેષ્ઠ હશે તે આપણો રાજા.	जो सबसे श्रेष्ठ होगा वह अपना राजा।
2)	હું સૌથી ઊંચે સુધી ઊડી શકું છું.	मैं सबसे ऊँचा उड़ा सकता हूँ।
3)	હું બધામાં ઊંચું છું.	मैं सब से ऊँचा हूँ।
4)	સિંહ જ બધાંથી વધુ બળવાન છે.	सिंह ही सब से अधिक बलवान है।

गुजराती के उपर्युक्त वाक्य हिंदी की तरह विशेषण की परम कोटि बतानेवाले वाक्य हैं।

પાઠ 18
पाठ

લગ્ન મંડપમાં

રમા: સુધા, ઘરમાં છે કે?

સુધા: કોણ? રમા! આવ, આવ. તું ક્યાંથી ભૂલી પડી?

રમા: મારી દીકરી કિંજલનાં લગ્ન છે. તને કંકોતરી આપવા આવી છું. તેં મને આવવાનું વચન આપેલું છે. તે ભૂલતી નહીં.

સુધા: જરૂર આવીશ. પણ એ તો કહે કે સબંધ ક્યારે નક્કી કર્યો?

રમા: ગયે અઠવાડિયે. જેવું જોઈએ તેવું ઘર મળ્યું અને જેવો જોઈએ તેવો છોકરો પણ મળ્યો.

સુધા: તારા જમાઈ શું કરે છે?

રમા: હમણાં જ ડૉક્ટર બન્યા છે અને હૉસ્પિટલમાં નોકરી મળી છે. એક વર્ષ પછી પોતાનું દવાખાનું શરૂ કરવાનો વિચાર છે.

સુધા: સારો વિચાર છે.

રમા: લે જાઉં. મારે મોડું થાય છે. શ્રેયા અને દિપાને ત્યાં હજી આમંત્રણ આપવા જવાનું છે. જેટલું બેસીશ તેટલું જ મોડું થશે.

સુધા: જરા બેસને. તું ક્યાં રોજ રોજ આવે છે. શું તારા જમાઈએ દવાખાના માટે જગ્યા જોઈ?

विवाह मंडप में

रमा : सुधा, घर में है क्या?

सुधा : कौन? रमा! आओ, आओ। तुम कहां से रास्ता भूली?

रमा : मेरी बेटी किजल की शादी है। तुझे कंकुपत्री देने आई हूँ। तूने मुझे आने का वचन दिया है। उसे भूलना नहीं।

सुधा : अवश्य आऊँगी। पर यह तो बताओ कि रिश्ता कब तय किया?

रमा : गत सप्ताह। जैसा चाहिए वैसा घर मिला और जैसा चाहिए वैसा लड़का वर भी मिला।

सुधा : तुम्हारे दामाद क्या करते हैं?

रमा : हाल ही में डाक्टर बने हैं और अस्पताल में नौकरी मिली है। एक साल के बाद अपना दवाखाना शुरू करने का विचार है।

सुधा : अच्छा विचार है।

रमा : चलती हूँ। मुझे देर हो रही है। श्रेया और दीपा के वहाँ अभी निमंत्रण देने जाना है। जितना बैठूँगी उतनी ही देर होगी।

सुधा : जरा बैठ न। तु कहाँ रोज-रोज आती हो। क्या तेरे दामाद ने दवाखाने के लिए जगह देखी?

રમા: જગ્યા તો આજકાલ સોના જેટલી મોંઘી થઈ ગઈ છે. કોઈ જાણીતા વિસ્તારમાં સસ્તી જગ્યા હોય તો ધ્યાનમાં રાખજે.

સુધા: જરૂર.

રમા: લગ્નમાં આવવાનું ભૂલતી નહીં.

સુધા: કેમ ભૂલી શકું?
(સુધા, દિપા, શ્રેયા લગ્નમાં મળે છે)

સુધા: શ્રેયા, તને ઘણા દિવસથી જોઈ નથી. ક્યાં ગઈ હતી?

શ્રેયા: ક્યાંય નહીં. જે મળે છે તે એમ જ કહે છે. પણ મને ક્યાંય જવાનો સમય જ મળતો નથી.

દિપા: મંડપ સરસ શણગાર્યો છે, ખરું ને?

શ્રેયા: જેટલા પૈસા ખરચો તેટલો ભભકો થાય.

સુધા: જેવું શ્રીમાત માણસો કરી શકે તેવું ગરીબ માણસોથી થોડું થાય છે.

શ્રેયા: જો થોડા ખર્ચમાં લગ્ન કરવું હોય તો થઈ શકે છે.

સુધા: આજકાલ તો લોકો એ દેખડે છે કે પોતે બીજાં કરતાં કેટલા વધારે શ્રીમંત છે.

દિપા: ચાલો હવે જમીએ. જ્યાં સુધી આપણે જમીશું ત્યાં સુધીમાં વર-કન્યા આવી જશે.

સુધા: ભોજન ખૂબ સ્વાદિષ્ટ છે.

દિપા: જેટલું ગળપણ નાખશો તાટલું ગળ્યું થશે.

શ્રેયા: જો ખર્ચ કરશું તો જમણ સારું જ હશે.

रमा : जगह तो आज कल सोने जैसी महँगी हो गई है। किसी जानेमाने इलाके में सस्ती जगह हो तो ध्यान में रखना।

सुधा : अवश्य।

रमा: विवाह में आना भूलना मत।

सुधा : कैसे भूल सकती हूँ?
(सुधा, दीपा, श्रेया, शादी में मिलती हैं।)

सुधा : श्रेया, तुम्हें बहुत दिनों से नहीं देखा। कहाँ गई थी?

श्रेया : कहीं भी नहीं। जो मिलता है वह ऐसे ही कहता है। लेकिन मुझे कहीं जाने का समय ही नहीं मिलता।

दीपा : मंडप बहुत अच्छा सजाया है। है न?

श्रेया : जितने पैसे खर्च करे उतनी सजधज होती है।

सुधा : जैसा धनी लोग कर सकते हैं वैसा गरीब लोगों से थोड़ा होता है।

श्रेया : यदि कम खर्च में विवाह करना हो तो हो सकता है।

सुधा : आजकल तो लोग यह दिखाते हैं वे दूसरों से कितने अधिक धनी हैं।

दीपा : चलो अब खाना खाएँ। जब तक हम खाना खाएँगें तब तक वरवधू आ जाएँगें।

सुधा : भोजन बहुत स्वादिष्ट है।

दीपा : जितना गुड़ डालोगे उतना मीठा होगा।

श्रेया : यदि खर्च करेंगे तो खाना अच्छा ही होगा।

સુધા: ઓછામાં ઓછા સો રૂપિયાની થાળી હશે.

દિપા: જ્યાં પૈસા હોય ત્યાં બધું જ થઇ શકે છે.

શ્રેયા: તે બધાંની સાડીઓ જોઈ? કોઈને ક્યાંય મોંઘવારી નડે છે?

દિપા: મને તો આ ફેશનપરેડ લાગે છે.

સુધા: મને તો લાલ, લીલો, પીળો, ગુલાબી, વાદળી એમ જુદા જુદા રંગોની મહેફીલ લાગે છે.

દિપા: રમીલાબેનની રાધા માટે કોઈ સારો છોકરો મળ્યો કે નહીં?

શ્રેયા: ક્યાંથી મળેશે? જેટલા ઉમંગથી તેને છોકરા બતાવ્યા તેણે તેટલી જ નિરાશાથી બધાને જ નાપસંદ કર્યા.

સુધા: જ્યારે પણ કોઈ છોકરો તેને જોવા આવે છે ત્યારે તે તેમાં કોઈને કોઈ વાંધા કાઢે છે.

દિપા: છોકરી જેટલી ચબરાક છે તેટલી જ હઠીલી પણ છે.

શ્રેયા: ગયા અઠવાડિયે જે છોકરો તેને જોવા આવ્યો હતો. તે સૌથી દેખાવડો હતો. પણ તે રાધાથી ખૂબ ઊંચો હતો.

દિપા: કામિનીનો દીકરો કંદર્પ પણ સારો છે. જો એને પણ જોઈ લીધો હોત તો કદાચ તે રાધાને પસંદ આવી જાત.

સુધા: કામિનીનો દીકરો કંદર્પ તો તેને અત્યાર સુધી જોયેલા છોકરાઓમાં સૌથી ઠીંગણો અને જાડો લાગ્યો. તે તેને ક્યાંથી પસંદ આવતો?

सुधा : कम से कम सौ रुपए की थाली होगी।

दीपा : जहाँ पैसा हो वहाँ सब कुछ हो सकता है।

श्रेया : तुमने सभी की साड़ियाँ देखी? किसी को कहीं भी महँगाई अनुभव होती है?

दीपा : मुझे तो यह फैशन-परेड लगती है।

सुधा : मुझे तो लाल, पीले, हरे, गुलाणी, नीले आदि भिन्न-भिन्न रंगो की महफिल लगती है।

दीपा : रमीलाबेन की राधा के लिए कोई अच्छा लड़का मिला या नहीं?

श्रेया : कहाँ से मिलेगा? मैंने जितनी उमंग से उसे लड़के दिखाए। उसने उतनी ही निराशा से सब को नापसंद कर दिया।

सुधा : जब भी कोई लड़का उसे देखने आता है तब वह उसमें कोईन कोई कमी निकाल ती है।

दीपा : लड़की जितनी चतुर है उतनी ही जिद्दी भी है।

श्रेया : पिछले सप्ताह एक लड़का उसे देखने आया था। वह सब से सुँदर था। लेकिन वह राधा से बहुत लंबा था।

दीपा : कामिनी का बेटा कंदर्प भी अच्छा है। यदि उसे भी देख लिया होता तो शायद वह राधा को पसंद आ जाता।

सुधा : कामिनी का बेटा कंदर्प तो उसे आज तक देखे हुए लड़के में सबसे नाटा और मोटा है। वह उसे कैसे पसंद आता?

દિપા: પછી શું થાય? જેવું એનું ભાગ્ય. જે એના નસીબમાં હશે તે મળશે.

दीपा : फिर क्या हो? जैसा उसका भाग्य। जो उसके नसीब में होगा वह मिलेगा।

શ્રેયા: નવદંપતી આવી ગયાં.

श्रेया : नवदंपति आ गए।

દિપા: છોકરો છોકરી કરતાં સારો લાગે છે.

दीपा : लड़का लड़की से अच्छा लगता है।

શ્રેયા: આમ પણ આ બધા ભાઈઓમાં સૌથી દેખાવડો છે.

श्रेया : वैसे भी यह सब भाइयों में सबसे सुंदर है।

દિપા: ચાલો, જલ્દી સ્ટેજ ઉપર જઈ આવીએ. જેટલી વાર લગાડશું તેટલી જ ભીડ થશે.

दीपा : चलो, जल्दी से स्टेज पर हो आते हैं। देर करेंगे उतनी ही भीड होगी।

શ્રેયા: ઉતાવળ ન કર. જો ઉતાવળ કરશું તો રમાને ખોટું લાગશે. જ્યારે એના સગાં સ્ટેજ ઉપર જઈ આવશે ત્યારે આપણે જઈશું.

श्रेया : जल्दी मत कर। यदि जल्दी करेंगे तो रमा को बुरा लगेगा। उसके रिश्तेदार स्टेज पर जाकर आजाएँगें तब हम जाएँगे।

દિપા: તું જેમ કહીશ તેમ કરીશ. બસ.

दीपा : तू जैसा कहोगी वैसा करूँगी। बस!

સુધા: ચાલો હવે નવદંપતીને અભિનંદન કરી આવીએ.

सुधा : चलो, अब नव-दंपति को बधाई देकर आते हैं।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
કંકોતરી	विवाह का निमंत्रण पत्र
વચવન	वादा/वचन
જમાઈ	जमाई
આમંત્રણ	निमंत्रण
દવાખાનું/હોસ્પિટલ	अस्पताल
જગ્યા	जगह
લગ્ન	शादी
શણગારવું	सुशोभित करना
ખર્ચવું	व्यय करना
શ્રીમંત	धनी (व्यक्ति)
વરકન્યા	वरवधू
પીળા	पीले

લીલા	हरा
વાદળી	नीली
લાલ	लाल
ગુલાબી	गुलाबी
ચબરાક	चतुर/चालाक
હઠીલી	जिद्दी
ઠીંગણો	नाटा
જાડો	मोटा
જેટલું ગળપણ નાખો તેટલું ગળ્યું થાય. (કહેવત)	जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा होगा (कहावत)

अभ्यास

I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. 1) મેં તને વચન આપેલું છે.
   2) તું તો દેખાતી જ નથી.
   3) શ્રેયા અને દિપા આવવાની છે.
   4) તને કંકોતરી આપવા આવી છું
   5) અમે જમીને આવીએ છીએ.

2. 1) છોકરો કાળો છે.
   2) બધાં છોકરાઓ તેણે નાપસંદ કર્યાં.
   3) છોકરી ચબરાક છે.
   4) છોકરીઓ હોશિયાર છે.
   5) વરસ પછી દવાખાનું ખોલવું છે.
   6) દવાખાના પણ ઘણાં વધી ગયાં છે.

3. 1) જે મળે તે એમ જ કહે છે.
   2) જે છોકરો જોવા આવેલો તે ઊંચો લાગ્યો.
   3) જે એના ભાગ્યમાં હશે તે મળશે.

4. 1) જેમ વાર લગાડશું તેમ ભીડ થશે.
   2) તું જેમ કહીશ તેમ કરીશ.

5. 1) જ્યાં સુધી જમીશું ત્યાં સુધીમાં વરકન્યા આવી જશે.
   2) જ્યાં પૈસા હોય ત્યાં બધું જ પોસાય.

6. 1) જ્યારે એનાં સગાં સ્ટેજ ઉપર જઈ આવે ત્યારે આપણે જઈશું.
   2) જ્યારે કોઈ છોકરો જોવા આવે છે ત્યારે વાંધા કાઢે છે.

7. 1) જો તમારે આવવું હોય તો ચાલો.
   2) જો થોડા ખર્ચમાં કરવું હોય તો પણ થઈ શકે.
   3) જો ઉતાવળ કરશું તો ખોટું લાગશે.

8. 1) જેટલી છોકરીઓ જોઈ તેટલી નાપસંદ કરી.
   2) જેટલું ગળપણ નાખો તેટલું ગળ્યું થાય.
   3) જેટલા પૈસા ખર્ચો તેટલો ભભકો થાય.
   4) જેટલું વધારે બેસીશ તેટલું મોડું થશે.
   5) જેટલું મોડું કરીશું તેટલી ભીડ વધારે થશે.

9. 1) જેવો જોઈતો હતો તેવો છોકરો મળ્યો.
   2) જેવું જોઈએ તેવું ઘર છે.

10. 1) બધાં ભાઈઓમાં તે સૌથી દેખાવડો છે.
    2) છોકરો છોકરી કરતાં સારો લાગે છે.
    3) જમીન સોના જેટલી મોંઘી થઈ ગઈ છે.
    4) પોતે બીજા કરતાં શ્રીમંત છે તેવું દેખાડે છે.
    5) શ્રીમંત માણસો જેટલું કરી શકે તેટલું ગરીબ માણસોથી થાય નહીં.

11. 1) તે દેખાવડો છે.
    2) છોકરો સારો લાગે છે.
    3) શ્રીમંત માણસો બધું કરી શકે છે.
    4) ગરીબ માણસો બધું કરી શકે નહીં.
    5) મંડપ ખૂબ જ સુંદર શણગાર્યો છે.
    6) સસ્તી જગા હોય તો બતાવજે.
    7) આ સો રૂપિયાની થાળી હશે.
    8) કિશોર ઠીંગણો અને જાડો છે.
    9) ઉમાકાન્ત કાળો છે.
    10) રાધા ચાલાક અને હોશિયાર છે.
    11) કોઈ જાણીતો વિસ્તાર હોય તો ધ્યાનમાં રાખજો.

II रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए प्रत्येक शब्द का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. તું જેમ કહીશ તેમ કરશું.
   વાંચીશ વાંચશું.
   જોઈશ જોઈશું
   આપીશ આપશું
   કરીશ કરશું

2. रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक शब्द का प्रयोग कर चार-चार वाक्य बनाइए।

1) તે સારો છોકરો છે. (ઉંચો, પાતળો, ઠીંગણો, જાડો)
2) તે સારી છોકરી છે. (ગોરી, જાડી, લાંબી, પાતળી)
3) તે સારું છોકરું છે. (મોટું, નાનું, વચલું, ગોરું)
4) તે સારા છોકરાઓ છે. (નાના, મોટા, ગોરા, પાતળા)
5) તે સારી છોકરીઓ છે. (નાની, ઊંચી, ઠીંગણી, મોટી)
6) તે સારાં છોકરાં છે. (નાનાં, ઊંચાં, ગોરાં, નીચાં)

3. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक शब्द से आठ-आठ वाक्य बनाइए।

(સુંદર, ખાનદાની, ઉદાર, ગરીબ, હોશિયાર, શ્રીમંત, દયાળુ, બુદ્ધિશાળી)

1) તે ચાલાક છોકરો છે.
2) તે ચાલાક છોકરી છે.
3) તે ચાલાક છોકરું છે.
4) તે ચાલાક છોકરાઓ છે.
5) તે ચાલાક છોકરીઓ છે.
6) તે ચાલાક છોકરાં છે.

III कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. (જેમ...તેમ, જે...તે, જ્યાં...ત્યાં, જો...તો)

1) ______ મળે છે _____ એમ જ કહે છે.
2) ______ સસ્તામાં કરવું હોય _____ પણ થઈ શકે.
3) તું ______ કહીશ _____ કરીશ.
4) ______ એના ભાગ્યમાં હશે _____ મળશે.
5) ______ પૈસા હોય ______ બધું પોસાય.
6) ______ વાર લગાડશું ______ ભીડ થશે.
7) ______ જ્યાં સુધી જમીશું _____ સુધી વરકન્યા આવી જશે.

IV **कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजीए।**

1) તને કંકોતરી _______ આવી છું. (આપ)
2) તું તો હમણાં ________ નથી. (દેખ)
3) શ્રેયા અને દિપા _________ છે. (આવ)
4) અમે ________ આવીએ છીએ. (જમ)
5) કાલે ઉમાકાન્ત તેને _______ આવેલો. (જો)
6) મેં તને વચન ________ છે. (આપ)

V **नीचे दिए गए गुजराती संज्ञा-शब्दों के वचन बदलिए।**

1. છોકરો, છોકરી, માણસ, બાળક, ટામેટું, પક્ષી, બકરી, મૂળો, કાંદો, ફળિયું, દવાખાનું, કંકોતરી, બાળકી, પુરુષ, દિશા, ઢેબરું, પશુ, પ્રાણી, કાગડો, કૂતરો, કાણું, ઝુંપડી, તપેલી, રકાબી.

2. ગાડીઓ, સાડીઓ, હોડીઓ, સ્ત્રીઓ, બીલાડીઓ, અથાણાં, સમડીઓ, બહેનો, પાખીડાં, વાદળાં, લીમડા, રમકડાં, ફૂલો, બટેટા, કન્યાઓ, ચકલીઓ, પરદેશિઓ

3. नीचे दिए गए गुजराती संज्ञा शब्दों के लिंग पहचानिए।

કંકોતરી, ટામેટું, છોકરો, દવાખાનું, કાગડો, બાળક, રૂપિયો, કાણું, સાડી, વાદળું, રકાબી, ખાણું, વર, હોડી, કન્યા, ધોબી, કપડું, હાથી, સમાચાર, ઝુંપડી.

VI **कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1) જ્યાં પૈસા હોય _____ બધું પોસાય. (वहाँ)
2) શ્રેયાબેન _______ તમારે આવવું હોય તો આવજો. (यदि)
3) જેવું જોઈએ ______ ઘર છે. (वैसा)
4) જે છોકરો જોવા આવેલો _____ ઊંચો લાગ્યો. (वह)
5) જ્યારે કોઈ છોકરો બતાવે છે ______ વાંધા વચકા કાઢે છે. (तब)

VII **बायीं ओर दिए गए बाक्याशों को दाहिनी ओर दिए गए वाक्याशों के साथ सही मिलान कर वाक्य बनाइए।**

1)	જેટલું વધારે બેસીશ	તેવું ઘર છે.
2)	જેવું જોઈએ	તેવો છોકરો મળ્યો છે.
3)	જેટલી ઉતાવળ કરશો	તેટલું ગળ્યું થાય.
4)	જેટલું ગળપણ નાખો	તેટલી વાર લાગશે.
5)	જેવો જોઈતો હતો	ત્યારે વાંધા વચકા કાઢે છે.
6)	જ્યારે કોઈ છોકરો બતાવે છે	તેટલું મોડું થશે.

VIII कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(જેટલો, જેટલી, વધારે, સૌથી, કરતાં)

1) તે બધા ભાઈઓમાં _______ દેખાવડો છે.
2) છોકરી _______ છોકરો સારો લાગે છે.
3) મારી શક્તિ તેમના ________ નથી.
4) જમીન સોનાથી ________ મોંઘી થઈ ગઈ છે.
5) ગરીબ માણસો શ્રીમંતો _______ ખર્ચ કરી શકતા નથી.

IX उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

उदाहरण: કિશોર દેખાવડો છે.
કિશોર દેખવડો નથી.

1) નિલમ સુંદર છે.
2) નયના ચબરાક છે.
3) નિર્મળા ઊંચી છે.
4) હર્ષ હોશિયાર છે.
5) જયેશ જાડો છે.

X उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के जितने प्रश्नवाचक वाक्य बन सकते हैं उतने बनाइए।

1. उदाहरण: રમા કિંજલનાં લગ્નની કંકોતરી આપવા સુધાને ઘેર ગઈ હતી.

1) સુધાને ત્યાં કોણ ગયું હતું?
2) રમા ક્યાં ગઈ હતી?
3) રમા શા માટે સુધાને ત્યાં ગઈ હતી?
4) રમા સુધાને શું આપવા ગઈ હતી?
5) રમા કોના લગ્નની કંકોતરી આપવા સુધાને ઘરે ગઈ હતી?
6) લગ્ન કોનાં હતાં?
7) શું રમા કિંજલના લગ્નની કંકોતરી આપવા ગઈ હતી?

1) મહેશને ત્યાં તેનો સાળો જયંતિ અમદાવાદથી ધંધાના કામે આવ્યો હતો.
2) ઉદયે પરેશ પાસેથી મધુસુદન એન્ડ કંપનીના બસો શેર લીધાં હતાં.
3) નિલમ હેમાને ત્યાં નળસરોવરના પ્રવાસ અંગે પૂછવા ગઈ હતી.
4) દહેજ ન માગે તો જ સુરેશ સાથે લગ્ન કરવા ભદ્રા તૈયાર હતી.
5) સિંહની ભયંકર ગર્જના સાંભળીને બધાં પ્રાણીઓ વેર-વિખેર થઈ ગયાં.

XI नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

1. कंकुपत्री, पहचान, प्रतिशत, धूर्त, मीठा, माघ, जगह, शादी, मांगना, सुनार, दामाद, सजाना, चलनी, कुरीतियाँ, भेजना, चिमटा, व्यय करना, नीम, प्याला, चुकंदर, चील, गेंदे, चिड़िया, अमलतास, छोटा, गुड, वापस, विश्राम

2. नीचे दिए गए गुजराती शब्दों के समानार्थक हिंदी शब्द दीजिए।

વસ્તુ, હેબતાઈ ગઈ, પેઢી, જોતજોતામાં, ખંત, વધાર્યો, પતંગિયું, શ્રીમંત, મૂળા, ઠીંગણો, ચિંતા, ઉપહાસ, વડસાસુ, પાનખર, વરકન્યા, ઊંડુ, જાડો, ભણેલી-ગણેલી, ઓછું, ખરવું લીલી, કારતક, પીળો, પીંપળો, મોટું, આશ્વાસન, પાંદડા, વાસણ, ચોક, કકળાટ, નવાં, દરેક.

पढ़िए और समझिए

अरजी

પ્રેશક :-
અનિલકુમાર ચંપકલાલ મહેતા
૧૫, દેસાઈ ફળિયું, વલસાડ.
તા :- ૨૦/૧૦/ ૨૦૦૪

પ્રતિ,
વ્યવસ્થાપક,
મણિબેન દેસાઈ સાંસકૃતિક હૉલ,
વલસાડ.
મહાશય,

આગામી ડિસેમ્બર માસની ૨૦મી તારીખે મારી પુત્રીનાં લગ્ન છે. લગ્ન માટે અમારે તમારા હૉલની એક દિવસ જરૂર છે. હૉલ સવારે ૮.૦૦ વાગ્યાથી રાતના ૧૦.૦૦ વાગ્યા સુધી જોઈશે.

આપશ્રી હૉલનું ભાડું તેમજ અગાઉથી આપવાની ડિપૉઝિટની રકમ વિશે ઉપર દર્શાવેલ સરનામે જાણ કરશો તો આભારી થઈશ. હૉલ ઉપર મળતી અન્ય સુવિધાઓ વિશે પણ જાણ કરશો. જો આપનું માહિતી પત્ર મોકલાવશો તો આભારી થઈશ.

સત્વરે પ્રત્યુત્તરની અપેક્ષા સાથે.

લિ.
આપનો વિશ્વાસુ,
અનિલ સી. મહેતા

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
પ્રેશક	भेजने वाला
વ્યવસ્થાપક	व्यवस्थापक
ભાડું	किराया
ડિપૉઝિટ	जमा, डिपोझिट
માહિતી-પત્ર	जानकारी-पत्र
સરનામું	पता

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) આ અરજી કોણે કોને કરી છે?
2) અનિલની દીકરીનાં લગ્ન ક્યારે છે?
3) લગ્ન માટે અનિલને શાની જરૂર છે?
4) અનિલ હૉલ અંગે શું જાણવા માગે છે.

II कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(પુત્રીનાં, મણિબેન દેસાઈ, અરજી, માહિતી-પત્ર, રાતના, વાગ્યા)

1) હૉલ સવારે _____ વાગ્યાથી ________ દસ વાગ્યા સુધી જોઈએ છે.
2) અનિલે વ્યવસ્થાપકને ______ મોકલવા વિનંતી કરી.
3) હૉલનું નામ ________ સાંસ્કૃતિક હૉલ છે.
4) અનિલે હૉલ માટે વ્યવસ્થાપકને ______ કરી.
5) અનિલની _______ લગ્ન હતાં.

III अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थक गुजराती शब्द दीजिए।

किराया, मुहल्ला, भेजने वाला, पता जानकारी-पत्र, जमा

IV हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ભારત દેશમાં જેટલો દરિયા કિનારો ગુજરાતનાં ફાળે છે તેટલો દરિયા કિનારો બીજા કોઈ રાજ્ય પાસે નથી. ગુજરાતનો દરિયા કિનારો સૌથી લાંબો છે. તેની લંબાઈ ૧૬૦૦ કી.મી. છે. જે લોકો દરિયા કિનારે વસે છે તે પોતાનું ગુજરાન દરિયાઈ સંપત્તિ કે ઉપજ દ્વારા ચલાવે છે. તેવું જ ગુજરાતનાં દરિયા કિનારે વસનારાં લોકોનું છે. દરિયા કિનારે માચ્છીમારી ઉદ્યોગ અને મીઠું પકવવાનો ઉદ્યોગ ખૂબ જ વિકસેલો છે. મીઠું પકવવામાં ગુજરાત ભારતમાં પ્રથમ ક્રમે આવે છે. ગુજરાતમાં મીઠું પકવનારાં લોકોને અગારીયા અને જ્યાં મીઠું

પકવવામાં આવે છે તેને અગાર કહે છે. જેમ જેમ વૈજ્ઞાનિક ટેકનોલૉજીનો વિકાસ થઈ રહ્યો છે તેમ તેમ મીઠાને રિફાઈન્ડ, આયોડાઈઝ્ડ કરવાનાં યંત્રો પણ વધી રહ્યાં છે. માછીમારી પણ દરિયા કિનારે વસનારાં લોકો માટે એક મહત્ત્વનો વ્યવસાય છે. ગુજરાતમાં કંડલાબંદર, પોરબંદર, પીપાવાવ બંદર, અલંગ બંદર જેવા ઘણાં બંદરો આવેલા છે. જ્યાં શીપ બ્રેકીંગ અને અન્ય ઉદ્યોગોનો વિકાસ થયેલો જોવા મળે છે. જેમાં દરિયાઈ સંપત્તિ અને ઉપજને લગતા ઉદ્યોગો છે. ગુજરાત સરકાર આ બંદરોને વિકસાવવા પ્રયત્ન કરી રહી છે. જેથી ત્યાં વસનારાં જે લોકો જીવનનિર્વાહ માટે અથાગ પરિશ્રમ કરે છે તેમની પ્રાથમિક જરૂરિયાતો પૂરી થઈ શકે.

જ્યાં દરિયા કિનારો હોય છે ત્યાં લોકોને ફરવા જવાનું આકર્ષણ પણ હોય છે. ગુજરાતમાં માંડવી, સોમનાથ, ભાવનગર, મહુવા, પોરબંદર જેવા અનેક સ્થળો છે જ્યાં ઘણાં લોકો રજાઓ ગાળવા જાય છે. સમુદ્રનું આર્થિક મહત્ત્વ તો છે જ પણ દરિયાઈ ઉપજ શંખ, છીપલા, મોતી વગેરેનું પણ એક અલગ મહત્વ છે. જ્યાં દરિયા કિનારો છે ત્યાં આ વસ્તુઓનો હસ્ત ઉદ્યોગ પણ વિકસેલો જોવા મળે છે. ઘરનાં રાચરચિલામાં આવી વસ્તુઓનો ઉપયોગ વધી રહ્યો છે. જો વિવિધ જાતમાં શંખ, છીપલા વગેરે ઘરને સજાવે છે તો તે નારી સૌંદર્યને નીખારનારાં આભૂષણોની બનાવટનાં ઉપયોગમાં પણ લેવાય છે. તેથી કહી શકાય કે, શંખ, છીપલા વગેરેનો સૌથી વધુ ઉપયોગ શૃંગાર માટે થાય છે.

દરિયો બહારથી સુંદર છે એટલી જ સુંદરતા તેના પેટાળમાં છે. સમુદ્રની વિશાળતા અને વિવિધતા અદ્ભૂત હોય છે. આપણે જાણીએ છીએ કે જે મહાસાગર દક્ષિણ ભારતમાં છે તે જ મહાસાગર ગુજરાતમાં છે, છતાં દરેક સ્થળે તેની ભવ્યતા અને વિશાળતામાં વૈવિધ્ય જોવા મળે છે. આમ, દરિયો માણવાનો એક અનેરો આનંદ છે.

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ	गुजराती शब्द	हिंदी अर्थ
ફાળે	हिस्से	વિકસેલો	विकसित
ગુજરાન	गुजरान	અગરિયા	नमक पकानेवालम
સંપત્તિ	संपत्ति	અગાર	नमक बनानेकी जगह
ઉપજ	उपज		
વસે	बसते		
પકવવું	पकाना		

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

भारत के पश्चिमी तट पर बसा द्वारिका नगर हिंदुओं के चार प्रमुख तीर्थों में सबसे प्रमुख नगर है। यह गुजरात के प्रमुख महानगरों में से एक है। महाभारत काल में यह नगर

भगवान श्री कृष्ण की राजधानी था।

जब से श्री कृष्ण, कंस का वधकर मथुरा में रहने लगे थे तभी से जरासंध ने उन पर आक्रमण करना शुरु कर दिया था। श्री कृष्ण ने मगधराज जरासंध को बहुत समझाया कि, वह मथुरा पर आक्रमण करना बंद कर दे। लेकिन वह नही माना। ज्यों-ज्यों श्री कृष्ण उसे समझाते गए त्यों-त्यों वह अधिक आक्रमक होता गया। जरासंध समझा कृष्ण उससे डर गए हैं और युद्ध नहीं करना चाहते।

मथुरा को जरासंध के आतंक से बचाने के लिए श्री कृष्ण ने मथुरा से कहीं अन्यस्थान पर जाने का विचार किया। उन्होंने युद्ध भूमि छोड़ दी और मथुरा से दूर चलेगए। रण भूमि छोड़ने के कारण श्री कृष्ण को रणछोड़ भी कहते हैं।

विश्वकर्मा ने श्री कृष्ण के लिए पश्चिमी समुद्रतट पर एक अतिसुंदर नगर का निर्माण किया। उस नगर का नाम उन्होंने द्वारिका रखा। द्वारिका को श्री कृष्ण ने अपनी राजधानी बनाया। उन्होंने अपने परिवार और वंशजों को द्वारिका में बसाया। जैसे-जैसे द्वारिका बसती गई वैसे-वैसे उसकी ख्याति पूरे भारत में फैलती गई। उस समय द्वारिका सबसे सुंदर नगर था।

महाभारत युद्ध की समाप्ति के पश्चात श्री कृष्ण ने द्वारिका को खाली कर दिया। बाद में श्री कृष्ण के कहने पर समुद्र ने द्वारिका को अपने जल में डुबा दिया। आज भी बेट द्वारिका में प्राचीन दारिका के अवशेष हम देख सकते हैं।

आजकल द्वारिका नगर दोबारा बसाया हुआ महानगर है। द्वारिका का जितना पुरातात्विक महत्व है उतना ही धार्मिक महत्व भी है। यह आज भी हम सबके लिए बहुत आस्था का केंद्र है।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	**हिंदी अर्थ**
राजधानी	રાજધાની
वध	વધ
मानना	માન્યો
आतंक	આતંક
निर्माळ	નિર્મળ
वंशज	વંશજ
ख्याति	ખ્યાતિ
पश्चात	પછી
डूबना	ડુબવું
दोबारा	બીજીવાર

પાઠ
पाठ 19

હોળીના દિવસે ફૅંસી ડ્રેસ કાર્યક્રમ

અરૂણ : કાન્તા, કાલે હોળીનો તહેવાર ઉજવ્યો?

કાન્તા : હા, ઉજવ્યો. આ તો વર્ષનો વિશેષ તહેવાર છે. આની તો સૌને પ્રતીક્ષા રહે છે.

અરૂણ : હા, હોળી ઉમંગ અને ઉલ્લાસનો તહેવાર છે. જેમ-જેમ ફાગણ મહીનો નજીક આવે છે તેમ-તેમ આ તહેવાર પ્રત્યે ઉમંગ વધતો જાય છે.

કાન્તા : કાલે તો અમારા ફળિયામાં હોળીનો પ્રારંભ ખૂબ જ આનંદની સાથે થયો. સવાર-સવારમાં નાનાં-નાનાં બાળકોની ટોળકીઓ ઘરે-ઘરે ફરીને ફાળો એકઠો કરવામાં લાગી ગઈ. અમારા ફળિયામાં જે હોળી પ્રગટે છે. તેને મોટી હોળી કહે છે.

અરૂણ : આખા શહેરમાં ફળિયે-ફળિયે બધાં લોકો હોળી પ્રગટાવે છે. ઠેર-ઠેર ઉત્સવ ઉજવાય છે.

કાન્તા : અમારા ફળિયાના છોકરાઓએ હોળીની આસપાસ ડોલો ભરી-ભરીને પાણી છાંટ્યું અને હળીમળીને સફાઈ કરી.

કમલેશ : હોળી પ્રગટાવવાનો સમય રાત્રે આઠ વાગ્યાનો હતો. નાના-નાના છોકરા-છોકરીઓ,

होली के दिन फेंसी ड्रेस कार्यक्रम

अरुण : कांता, कल होली का त्योहार मनाया?

कांता : हाँ मनाया। यह तो वर्ष का विशेष त्योहार है। इसकी तो सबको प्रतीक्षा रहती है।

अरुण : हाँ। होली उमंग और उल्लास का त्योहार है। जैसे-जैसे फागुन महीना पास आता है वैसे-वैसे इस त्योहार के प्रति उमंग बढ़ता जाता है।

कांता : कल तो हमारे मोहल्ले में होली का प्रारंभ बहुत ही आनंद के साथ हुआ। सवेरे-सवेरे में छोटे-छोटे बच्चों की टोलियाँ घर-घर घूम-घूम कर चंदा इकट्ठा करने में जुटगई। हमारे मोहल्ले में जो होली जलती है उसे बड़ी होली कहते हैं।

अरुण : पूरे शहर में मोहल्ले-मोहल्ले सब लोग होली जलाते है। जगह-जगह उत्सव मनाते हैं।

कांता : हमारे मोहल्ले के लड़कों ने होली के आस-पास बाल्टियाँ भर-भर कर पानी छिड़का और मिल-जुलकर सफाई की।

कमलेश : होली प्रज्वलित करने का समय रात के आठ बजे का था। छोटे-छोटे लड़के-लड़कियाँ युवक-युवतीयाँ, आबाल-वृद्ध

યુવક-યુવતીઓ, અબાલવૃદ્ધ સૌ હોળીની ચારે બાજુ એકઠા થઈ ગયા. છોકરા-છોકરીઓએ છાણાંનાં હોળાયાં હોળી પર ચઢાવ્યાં.

सभी होली के चारों ओर इकट्ठे होगए। लड़के-लड़कियों ने गोबर के बडोलियाँ होली पर चढ़ाए।

સુનંદા : કાલે બરાબર આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી. સ્ત્રી પુરુષોએ પાણી લઈને હોળીની આજુબાજુ ફરતાં-ફરતાં પ્રદક્ષિણા કરી. ધાણી, ચણા, શ્રીફળ વગેરે હોળીમાં પધરાવાયાં.

सुनंदा : कल ठीक आठ बजे होली प्रज्ज्वलित की। स्त्री पुरुषों ने पानी लेकर होली के चारों-ओर घूमते-घूमते प्रदक्षिणा की। फूल, चने, श्रीफल आदि होली में पधराए।

કાન્તા : હોળી દહન પછી બધા લોકો પોત-પોતાના ઘરે પાછાં ગયાં.

कांता : होली दहन के बाद सभी लोग अपने-अपने घर लौट गए।

કુસુમ : રાત્રે નાનાં-નાનાં બાળકો, વૃદ્ધો, જુવાન સૌ હોળી ફરતે ભેગાં થયાં. ફેંસી ડ્રેસ કાર્યક્રમમાં ભાગ લેનારા છોકરાઓ સારા-સારા પોશાક પહેરી તૈયાર હતા.

कुसुम : रात को छोटे-छोटे बच्चे, बूढ़े युवक सभी होली के चारों ओर इकट्ठे हुए। फेंसी ड्रेस में भाग लेनेवाले बच्चे अच्छी-अच्छी पोशाकें पहन कर तैयार थे।

કમલેશ : બધાંની સામે આવીને માલણ બનેલી મંજુલા ધીરે ધીરે બોલી, ફૂલ લો ફૂલ, રંગરંગનાં ફૂલો, તમારે માટે વીણી-વીણીને લાવી છું. આમ બોલતી-બોલતી તે ચાલી ગઈ.

कमलेश : सब के सामने आकर मालिन बनी हुई मंजला धीरे-धीरे बोली, "फूल लो फूल, रंग-रंग के फूल। आप के लिए चुन-चुनकर लाई हूँ।" ऐसा बोलती-बोलती वह चली गई।

કાન્તા : ત્યાંજ હરિ-હરિ બોલતો-બોલતો સાધુનો વેશ ધરી શશાંક આવ્યો. તેની તોતડી બોલીમાં હર હર મહાદેવ સાંભળીને બધા ગદગદ થઈ ગયા. આ વચ્ચે તેની નકલી દાઢી-મૂછ નીચે પડી ગઈ. બધા લોકો હસીહસીને લોથપોથ થઈ ગયા.

कांता : तभी हरि-हरि बोलता बोलता, साधु का वेश बनाए शशांक आया। उसके तुतली-तुतली बोली में हर-हर महादेव सुनकर सब गद्-गद् हो उठे। इसी बीच उसकी नकली डाढ़ी-मूंछ नीचे गिर पड़ी। सब लोग हँस-हँस कर लोट-पोट होगए।

સુનંદા : પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો અને લાકડી પછાડતો પછાડતો બોલ્યો, 'સાંભળો-સાંભળો ભાઈઓ શું તમે કોઈ ચોરને જોયો? હું તેને શોધતો શોધતો અહીં સુધી આવ્યો છું. ચાલી ચાલીને થાકી ગયો છું. પણ શું કરું? ફરજ એટલે ફરજ.'

सुनंदा : पुलिस बना हुआ तुषार दौड़ता-दौड़ता आया और लकडी पटकते-कटकते बोला, "सुनो-सुनो भाइयों क्या आपने किसी चोर को देखा? मैं उसे ढूँढ़ता-ढूँढ़ता यहाँ तक आया हूँ। चल-चलकर थक गया हूँ। पर क्या करूँ, फर्ज याने फर्ज।"

કુસુમ : તેના જતાં જ ચોર બનેલો નીરજ સંતાતો સંતાતો ત્યાં આવ્યો અને સ્વગત બોલ્યો, 'મને અહીં દહાડે કશું મળતું નથી. અને પેલો પોલિસવાળો રાત્રે મને શોધવા નીકળ્યો છે મૂર્ખો.' આ પોલિસથી બચતાં બચતાં હું જલ્દી-જલ્દી દોડતો દોડતો જેમ-તેમ અહીં પહોંચ્યો. પણ આ તો એવું જ થયું કે આગળ આગળ ચોર પાછળ પાછળ પોલિસ.

कुसुम : चोर बना-हुआ नीरज छिपते-छिपते वहीं आया और स्वयं बोला "मुझे तो यहाँ दिन में कुछ नहीं मिलता और पुलिस वाला रात में मुझे ढूँढ़ने निकला है, मूर्ख कहीं का। इस पुलिस से बचते-बचते मैं जल्दी-जल्दी दौड़ता-दौड़ता जैसे-तैसे यहाँ पहुँचा। लेकिन यह तो वैसा हुआ कि आगे-आगे चोर पीछे-पीछे पुलिस।"

કાન્તા : ચોર બનેલો નીરજ ત્યાંથી ગયો જ હતો કે સીસોટી વગાડતો વગાડતો પીટી ટીચર બનેલો કેતન આવ્યો. દંડો ઊંચો કરતાં કરતાં બોલ્યો, 'ચાલો બધાં એક કતારમાં ઊભા રહી જાઓ. છોકરીઓ છોકરીઓ ડાબી બાજુ અને છોકરાઓ છોકરાઓ જમણી બાજુ સાવધાન-વિશ્રામ.' પી.ટી. ટીચરની કમાન્ડ આપવાની સ્ટાઈલ બધાંને ખૂબ જ સારી લાગી.

कांता : चोर बना हुआ नीरज वहाँ से गया था कि सीटी बजाते-बजाते पिटि टीचर बना हुआ केतन आया। डंडा ऊंचा करते-करते बोला, "चलो सब एक कतार में खड़े हो जाओ। लड़कियाँ लड़कियाँ बाई तरफ और लड़के-लड़के दायी तरफ।" सावधान-विश्राम। पिटिटीचर का कमाड देने का अंदाज सब को बहुत अच्छा लगा।

કમલેશ : છેલ્લા આવ્યો એક નેતા. આ ધોળો ધબ્બ ઝબ્બો લેંઘો પહેરી, ચકચકતા બુટથી ખટ-ખટ અવાજ કરતા નેતાજી પોતાના હાથમાં લીધેલા માઈક પર વારંવાર બરાડી બરાડીને ભાષણ આપવા લાગ્યા. તેમનું ભાષણ ખૂબ મજાકિયું હતું. તેને જોઈ બધા ખૂબ હસ્યા.

કાન્તા : આમ હસતાં હસતાં આનંદથી ફેંસી ડ્રેસ કાર્યક્રમ સંપન્ન થયો. બધાંએ વારંવાર તાળીઓ પાડીપાડીને કલાકારોનો ઉત્સાહ વધાર્યો. આ પ્રમાણે હોળી દહન અને ફેંસી ડ્રેસનો કાર્યક્રમ સમાપ્ત થઈ ગયો. બધાં લોકો રાજીખુશી પોતપોતાના ઘરે પાછા ગયા.

અરૂણ : વાહ, તારા ફળિયાનો હોળીનો ઉત્સવ તો ખૂબ જ સરસ રહ્યો. (ત્યાં જ કાન્તા, કુસુમ, સુનંદા અને કમલેશ અરૂણને ગુલાલ લગાવે છે. અરૂણ પણ બધાંને ગુલાલ લગાવે છે. બધા લોકો એક સ્વરમાં જોરજોરથી બોલ્યા, ખોટું ન લગાડશો હોળી છે.)

कमलेश : अंत में आए एक नेताजी। यह वेश अजित ने धारण किया था। सफेद झक्क कुर्ता पायजामा पहने, चम-चमाता बुरों से खट-खट आवाज करते नेताजी अपने हाथ में लिए हुए माइक पर बार-बार चिल्ला-चिल्ला कर भाषण देने लगे। उनका भाषण बहुत विनोदी था। उसे देखकर सब लोग खूब-खूब हँसे।

कांता : इस प्रकार हंसते-हंसते आनंद से फेंसी ड्रेस का कार्यक्रम संपन्न हुआ। सब ने बार-बार तालियाँ बजा-बजा कर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इस प्रकार होली दहन और फेंसी ड्रेस का कार्यक्रम समाप्त होगया। सब लोग अपने-अपने घर लौट गए।

अरुण : वाह, तुम्हारे मोहल्ले का होली उत्सव तो बहुत ही बढ़िया रहा। (तभी, कांता, कुसुम, सुनंदा और कमलेश अरुण को गुलाल लगाते हैं। अरुण भी सबको गुलाल लगाता है। सब लोग एक स्वर से चिल्ला-चिल्ला कर बोले "बुरा न मानो होली है"।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	હિંદી અર્થ
હોળી	होली
તહેવાર	त्योहार
જાણવું	जानना
ઉજવવું	मनाना
એકઠાં કર્યાં	इकट्ठे किए
દિવસ	दिन

ફેંસી ડ્રેસ	स्वांग धरना
પ્રગટાવવું	प्रज्वलित करना
જગ્યા	जगह
છાણાંની માળા	गूठरियों (गोबर से आकृति वाली माण)
બરાબર	ठीक
આજુબાજુ	चारों ओर
ધાણી	फूले (ज्वार मकाई के)
ચણા	चने
વૃદ્ધ	बूढ़े
જુવાન	युवा
ફરતે	चारों ओर
સારા સારા	अच्छे-अच्छे
માલણ	मालिन
આમ	ऐसा
ધોતી	धोती
છૂટી ગયું	खुल गया
પછાડવું	पटकना
થાકવું	थकना
ફરજ	फर्ज
અહીં સુધી	यहाँतक
સંતાતો સંતાતો	छिपते-छिपते
સીસોટી	सीटी
વગાડતાં	बजाता
દંડો	डंडा
ડાબીબાજુ	बाएँ
જમણીબાજુ	दाएँ
છેલ્લા	अंत में
હોળાયાં	बडोलियाँ

અભ્યાસ

I નીચે આપેલાં વાક્યોનો અભ્યાસ કરો.

1. 1) હોળી માટે જગ્યા સાફ કરી ડોલે ડોલે પાણી છાંટ્યું.
   2) ચકચકતા બુટનો ખટ-ખટ અવાજ થયો.
   3) અમે છોકરાઓ છોકરાઓએ હોળી પ્રગટાવવા માટેની તૈયારી કરી.
   4) માલણ બનેલી મંજુલા બોલી, ફૂલ લો ફૂલ રંગરંગના ફૂલ.
   5) હરિ હરિ બોલતાં મંત્રોચ્ચાર કરતાં કમલેશ આવ્યો.

6) છોકરીઓ છોકરીઓ ડાબીબાજુ અને છોકરાઓ છોકરાઓ જમણી બાજુ ઊભા રહો.

2. 1) પછી મોટામોટા છોકરાઓએ બરાબર આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી.
2) ફેંસી ડ્રેસના કાર્યક્રમમાં ભાગ લેનાર છોકરાઓ સારા સારા પોશાક પહેરી તૈયાર હતા.
3) નાનાં નાનાં છોકરાંએ ઘેર ઘેર ફરી પૈસા એકઠા કર્યા.

3. 1) બધાંની સામે આવીને માલણ બનેલી મંજુલા ધીરે ધીરે બોલી.
2) પોલિસથી બચવા હું જલ્દી જલ્દી દોડ્યો.

4. 1) સ્ત્રી પુરુષોએ પાણી લઈને હોળીની આજુબાજુ ફરતાં ફરતાં પ્રદક્ષિણા કરી.
2) આમ બોલતી બોલતી પસાર થઈ.
3) મંત્રોચ્ચાર કરતાં કરતાં ધોતી પહેરી બ્રાહ્મણ બનેલો કમલેશ આવ્યો.
4) પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો.
5) લાકડી પછાડતો પછાડતો બોલ્યો, હે ભાઈઓ તમે ચોરને જોયો?
6) ચોર બનેલો નીરજ સંતાતો સંતાતો આવ્યો.
7) સીસોટી વગાડતાં વગાડતાં પી ટી ટીચર બનેલો કેતન આવ્યો.
8) નેતાજી ભાષણ આપતાં આપતાં થાકી ગયા.
9) હું તો તેને શોધતો શોધતો અહીં સુધી આવ્યો.

5. 1) જતાં જતાં ધોતી છૂટી ગઈ અને લોકો હસી હસીને લોથપોથ થઈ ગયા.
2) તમારે માટે વીણી વીણીને ફૂલો લાવી છું.
3) ચાલી ચાલીને થાકી ગયો છું.

II નીચે આપેલાં વાક્યોમાં રેખાંકિત શબ્દોના સ્થાન પર કોષ્ટકમાં આપેલા પ્રત્યેક શબ્દનો ઉપયોગ કરી વાક્યો બનાવો.

1. 1) છોકરાઓએ <u>ઘેરઘેર</u> ફરી પૈસા ભેગા કર્યા.
(ગલી-ગલી, ગામ-ગામ, શહેર-શહેર)
2) <u>છોકરીઓ છોકરાઓએ</u> હોળી પ્રગટાવવાની તૈયારી કરી.
(બહેનો-બહેનો, ભાઈઓ-ભાઈઓ, બાળકો-બાળકો)
3) <u>છોકરીઓ-છોકરીઓ</u> ડાબીબાજુ છોકરાઓ-છોકરાઓ જમણી બાજુ.
(ફૂલ-ફૂલ/ફળ-ફળ, સ્ત્રીઓ-સ્ત્રીઓ/પુરુષો-પુરુષો)

2. 1) મોટા મોટા છોકરાઓએ બરોબર આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી.
(નાનાંનાનાં, સારાંસારાં, ડાહ્યાડાહ્યા)
2) ફેંસી ડ્રેસના કાર્યક્રમમાં ભાગ લેનાર છોકરાઓ સારાં સારાં કપડાં પહેરી તૈયાર હતા. (નવાનવા, લાલલાલ, સુંદર-સુંદર)

3. 1) રજાઓમાં લોકો સારું જમી જમીને મજા કરે છે.
(ખાઈખાઈને, પીપીને, જોઈજોઈને)
2) તમારે માટે વીણી વીણીને ફૂલો લાવી છું.
(ચૂંટીચૂંટીને, તોડીતોડીને, જોઈજોઈને)

4. 1) પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો.
(ચાલતો ચાલતો, શોધતો શોધતો, ફરતો ફરતો)
2) મંજુલા બોલતી બોલતી પસાર થઈ.
(ગાતીગાતી, કૂદતીકૂદતી, ખાતીખાતી)

III કોષ્ટકમાં આપેલા શબ્દોમાંથી ઉપયુક્ત શબ્દ પસંદ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1. (મોટામોટા, ઘેરઘેર, ધીરેધીરે, હરિહરિ, ડોલેડોલે)
   1) છોકરાઓએ _________ ફરીને પૈસા એકઠા કર્યા.
   2) _________ વદતાં મંત્રોચ્ચાર કરતાં કરતાં કમલેશ આવ્યો.
   3) જગ્યા સાફસુફ કરી ________ પાણી છાંટ્યું.
   4) મંજુલા બધાની સામે આવીને _________ બોલી.
   5) _________ છોકરાઓએ આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી.

2. (ચાલી ચાલીને, વીણી વીણીને, હસી હસીને)
   1) લોકો ___________ લોથપોથ થઈ ગયા.
   2) હું તો __________ થાકી ગયો છું.
   3) તમારે માટે ________ ફૂલો લાવી છું.

3. (સંતાતો સંતાતો, દોડતો દોડતો, આપતાં આપતાં, મરતાં મરતાં, ગાતીગાતી)
   1) પોલિસ બનેલો તુષાર __________ આવ્યો.
   2) માલણ બનેલી મંજુલા ____________ પસાર થઈ.
   3) ચોર બનેલો નીરજ _______________ આવ્યો.
   4) પૂરપાટ જતી મોટરોની અડફેટથી ___________ બચ્યો.
   5) નેતા બનેલો અજિત ભાષણ _____________ થાકી ગયા.

IV ઉદાહરણ અનુસાર કોષ્ટકમાં આપેલા શબ્દોનાં યોગ્ય રૂપોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

ઉદાહરણઃ પોલિસ બનેલો તુષાર __________ આવ્યો. (દોડ)
પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો.

1) હું તો તેને ___________ આવ્યો. (શોધવું)
2) મંજુલા __________ પસાર થઈ. (બોલવું)
3) ચોર બનેલો નીરજ __________ આવ્યો. (સંતાવું)
4) પક્ષી ત્યાંથી __________ પસાર થયું. (ગાવું)
5) સીસોટી ___________ કેતન આવ્યો. (વગાડવું)

V ઉદાહરણ અનુસાર આપેલાં વાક્યોનું પરિવર્તન કરો.

1. ઉદાહરણઃ હું ચાલીને આવ્યો છું.
હું ચાલી ચાલીને આવ્યો છું.

1) હું શોધીને આવ્યો છું.
2) હું દોડીને આવ્યો છું.
3) હું મંત્રોચ્ચાર કરીને આવ્યો છું.
4) હું ભાષણ આપીને આવ્યો છું.
5) હું વીણીને ફૂલો લાવી છું.

2. ઉદાહરણઃ હું ચાલી ચાલીને આવ્યો છું.
હું ચાલતો ચાલતો આવ્યો છું.

1) હું શોધી શોધીને આવ્યો છું.
2) હું દોડી દોડીને આવ્યો છું.
3) હું ફૂલો વીણી વીણીને આવી છું.
4) હું ભાષણ આપી આપીને આવ્યો છું.
5) હું મંત્રોચ્ચાર કરી કરીને આવ્યો છું.

VI કોષ્ટકમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થી ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) ફેંસી ડ્રેસ કાર્યક્રમમાં ભાગ લેનારા છોકરાઓ _______ પોશાક પહેરીને તૈયાર હતા. (अच्छे-अच्छे)
2) છોકરાઓએ ________ ફરીને પૈસા ભેગા કર્યા. (घर-घर)
3) તમારે માટે ________ ફૂલો લાવી છું. (चुन-चुनकर)
4) હું તો ચોરને _________ આવ્યો છું. (ढूँढते-ढूँढते)
5) મોટરની અડફેટથી _________ બચ્યો. (मरते-मरते)
6) લાકડી ________ તુષાર આવ્યો. (पटकते-पटकते)
7) અજિત ભાષણ _________ થાકી ગયો. (देते-देते)

વાંચો અને સમજો.

વ્યક્તિત્વ

વ્યક્તિના વ્યક્તિત્વની ઓળખાણ તેના વર્તનથી થાય છે. જેનું જેવું વર્તન તેનું તેવું માન. સારું વર્તન સારી સંગતથી કેળવી શકાય છે. જેની સંગત સારી હશે તેની ચાલચલગત પણ સારી હશે. જેમ સારાસારા મિત્રો પાસેથી સારું સારું શીખવા મળે છે. તેમ ઘણા છોકરાઓને સીગરેટ પીવાની કુટેવ હોય છે. તેમાંથી કેટલાકને જમતાં જમતાં વાત-ચીત કરવાની ટેવ હોય છે. જેથી સામેવાળા વ્યક્તિ ઉપર તેની ખરાબ છાપ પડે છે. ઘણાંને ટી.વી. જોતાં જોતાં જમવાની ટેવ હોય છે. જે તેમના સ્વાસ્થ માટે નુકસાનકારક છે. સુટેવ ધીરે ધીરે કેળવી શકાય છે અને કુટેવ ધીરે ધીરે છોડી પણ શકાય છે. આવી તો ઘણી સુટેવો-કુટેવો આપણા બધામાં જોવા મળે છે.

કુટેવ આપણું ધન અને માન બંને ઘટાડે છે. કુટેવને એકાએક છોડવી અઘરી છે પણ પ્રયત્ન કરતાં કરતાં તેને ધીરે ધીરે છોડી પણ શકાય છે. સારી સારી ટેવોથી વ્યક્તિની ચાલચલગતમાં પણ ફરક પડે છે. અને સારી ટેવોથી સમાજમાં તેનું માન પણ વધે છે. તેથી જ કહ્યું છે કે, જો ધન ગયું તો કંઈ નહીં પણ જો માન ગયું તો બધું જ ચાલ્યું ગયું.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
વ્યક્તિત્વ	व्यक्तित्व
વર્તન	बर्ताव
કેળવવું	ग्रहण करना/विकास करना/सुधारना
ચાલચલગત	चाल चलन
ટેવ	आउत
સુટેવ	अच्छी आदत
કુટેવ	बुरी आदत
છોડવું	छोडना
સામેવાળા	सामनेवाला
છાપ	प्रभाव
સ્વાસ્થ	स्वास्थ्य
નુકસાનકારક	हानीकारक
ઘટવું	कमहोना
એકાએક	एकाएक/अचानक

અભ્યાસ

I નીચે આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ ફકરાના આધારે આપો.

1) વ્યક્તિના વ્યક્તિત્વની ઓળખાણ કેવી રીતે થાય છે?
2) ખરાબ મિત્રો પાસેથી શું શીખવા મળે છે?
3) જમતાં જમતાં કેવી ટેવો હોય છે?
4) સુટેવ કેવી રીતે કેળવાય અને કુટેવ કેવી રીતે છોડાય?
5) વ્યક્તિની ચાલચલગતમાં કેવી રીતે ફરક પડે છે?

II નીચે આપેલા હિન્દી શબ્દો માટે ગુજરાતી શબ્દો આપો.

अच्छी, आदत, बुरी आदत, ग्रहण करना, प्रभाव, हानीकारक, बर्ताव, सामनेवाला, कमहोना

III નીચે આપેલા શબ્દોને ફકરાને આધારે યોગ્ય રીતે જોડો.

1. સારી સારી - જમતાં
2. ધીરે ધીરે - છોડવું
3. એકાએક - સુટેવ
4. કરતાં કરતાં - ચાલવું
5. વાતચીત - પ્રયત્ન

IV હિન્દીમાં અનુવાદ કરો.

સંસારમાં ત્રણ અતિપૂજ્ય છે. માતા, ગુરૂ અને ઈશ્વર. તો પણ આપણે કહી શકીએ છીએ કે જો ગુરૂ અને ઈશ્વર પૂજ્ય છે તો મા અતિપૂજ્ય છે. કોઈપણ ઘરમાં બાળકના જન્મથી આનંદ આનંદ થઈ જાય છે. તેમાંય માના હરખનો તો પાર રહેતો નથી. જ્યારે બાળક જન્મ લેતાં જ ઉઆં... ઉઆં....કરી રડવા લાગે છે ત્યારે આખું ઘર આનંદથી ભરાઈ જાય છે. મા પણ બાળક માટે અનેક તૈયારીઓ કરે છે. જાતજાતનાં કપડાં, જુદાંજુદાં રમકડાં, ઘોડિયું વગેરે લાવે છે. રંગબેરંગી ઊનથી સ્વેટર, મોજા જેવાં ગરમ વસ્ત્રો બનાવે છે. સૌથી વધારે ધ્યાન તે બાળકનું રાખે છે. તેની ટગરટગર જોતી આંખો, નાના નાના પગ, કુણાકુણા હાથ, કોમળ કોમળ શરીર બધાને આકર્ષિત કરે છે. પડોસીઓનાં બાળકો તે શિશુને વારંવાર રમાડવા આવે છે. ધીરે ધીરે તે મોટું થાય છે. અને નવીનવી દુનિયાને ઓળખવા લાગે છે. જેમજેમ બાળક મોટું થાય છે તેમતેમ માતાનો હરખ પણ વધતો જાય છે. માતા શિશુની મીઠી-મીઠી વાણી સાંભળી મનમાં અને મનમાં મલકાય છે. તેની કાલીકાલી બોલી સાંભળવા માટે ઘરના સભ્યો તેને બોલવા માટે પ્રેરે છે. બાળક પણ મા....મા..., કા...કા.., બા...બા..., દા....દા..... જેવા સંબોધનોથી બધાંને આકર્ષે છે. આમ, શિશુ જન્મતાની સાથે જ બધાનું ધ્યાન ખેચે છે. મા માટે તો તેનું બાળક સંસારની બધી જ સંપત્તિઓમાં અમૂલ્ય છે. મા પોતાની બધી જ ખુશીઓને નેવે મૂકીને બાળકની દરેક ખુશીનું ધ્યાન રાખે છે. તેથી જ મા અતિપૂજ્ય છે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
અતિપૂજ્ય	अतिपूज्य
તેમાંય	उस में भी
હરખ	हर्ष
પાર	सीमा
ભરાઈ જાય	भर जाता
ઘોડિયું	पालना (बच्चे को झुलाने का झुला)
ઊન	ऊन
વસ્ત્રો	वस्त्र (बहुवचन)
ટગરટગર	टक-टकी लगाकर
કુણાકુણા	नरम-नरम
કોમળ કોમળ	कोमल-कोमल
રમાડવું	खेलाना
ઓળખવું	पहचानना
મલકાવવું	मुस्कराना
કાલીકાલી	तोतली-तोतली
પ્રેરવું	प्रेरित करना
સંબોધન	संबोधन
સભ્યો	सदस्य/शिष्ट
સંપત્તિ	संपत्ति
અમૂલ્ય	अमूल्य/मूल्यवान
નેવે મૂકીને	भूलकर

V ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરો.

भारत गाँवों का देश है। कृषि हमारे गाँवों का मुख्य व्यवसाय है। हमारे देश का आर्थिक आधार कृषि ही है। किसान के लिए तो कृषि ही धन है। फसल पकते ही किसान के पास पैसा आता है। कृषि का काम बहुत श्रम का काम है।

किसान हल से जोत-जोतकर खेतों को बोने योग्य बनाता है। फिर वह वर्षा होने पर बीज बोता है। केवल बीज बोने से ही फसल नहीं पक जाती। इसके बाद भी उसे बहुत श्रम करना पड़ता है। फसल को पकते-पकते तीन चार महीने लग जाते हैं। फसल पक जाने पर उसे काट-काट कर वह खलिहान में लाता है। खलिहान में उसे गहा-गहा कर उसमें से अनाज निकालता है। उसके बाद अपने अनाज को गाड़ियों में भर-भर कर अपने घर लेजाता है। फिर वह बाज़ार जाकर मोल भाव करता है। अच्छा भाव होने पर वह अपना अनाज बेचता है।

फसल का पैसा प्राप्त होजाने के बाद वह अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ खरीदता है। आवश्यक वस्तुएँ खरीदने का अवसर उसे हाट में या मेलों में ही मिलता है। मेले किसी विशेष अवसर पर ध्यान रखकर ही आयोजित होते हैं। बहुधा मेलों का आयोजन धार्मिक स्थलों पर और धार्मिक त्योहरों पर होता है।

मेलों में दूकानदार दूर-दूर से अपनी-अपनी दूकानें लेकर आते हैं। मेला एक प्रकार का अस्थाई बाज़ार होता है। मेलों में मनोरंजन के भी कई साधन होते हैं। मेले में केवल सामान खरीदने वाले ही नहीं जाते। बूढ़े-बच्चे लड़के लड़कियाँ, युवक युवतियाँ सभी मेले में जाते हैं। बच्चे तो वर्ष भर प्रति दिन अपनी गुल्लक में पैसे बचा-बचा कर मेले में जाने की तैयारी करते हैं। उन्हें झूलों में झूलने का बड़ा शौक होता है। झूलों में झूलते-झूलते वे आनंदित होते हैं। मेलों में धकका-मुक्की भी खूब होती है। खूब भीड़-भाड़ होती है। इसी को तो मेला कहते हैं। मेले का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है।

શબ્દાર્થ

હિંદી શબ્દ	**ગુજરાતી અર્થ**
व्यवसाय	વ્યવસાય
किसान	ખેડૂત
कृषि	ખેતી
फसल	પાક
हल	હળ
जोतना	ખેડવું
बोना	વાવવું
बीज	બી/બીજ/બિયારણ
काटना	લણવું
खलिहान	ખળું
गहाना	હાલરું કરવું (પાકમાંથી દાણા છૂટા પાડવા માટે ખળામાં બળદ ફેરવે તે ક્રિયા)
बेचना	વેચવું
हाट	હાટડીઓ અને લારીઓનું નાનું અસ્થાયી બજાર.
मेला	મેળો
गुल्लक	પૈસા ભેગા કરવાનો ગલ્લો
धक्का मुक्का	ધક્કામૂક્કી
भीडभाड	ભીડ

VI तमे जोयेला कोई सरघस विशे शब्दोनी द्विरुक्ति/पुनरुक्तिनो उपयोग करी गुजरातीमां एक अनुच्छेद लखो.

જેમકે.. કરતાં કરતાં, દોડતાં દોડતાં, જોતાં જોતાં વગેરે.

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में गुजराती के विविध शब्दों के पुनरुक्त प्रयोगों का परिचय दिया गया है।

1.	1)	ફૂલ લો ફૂલ રંગરંગના ફૂલ.	फूल लो, रंग-रंग के फूल।
	2)	હોળી માટે જગ્યા સાફ કરી ડોલે ડોલે પાણી છાંટ્યું.	होली के लिए जगह कर के बाल्टी-बाल्टी से (बाल्टिओं से) पानी छिड़का।
	3)	છોકરીઓ છોકરીઓ ડાબીબાજુ અને છોકરાઓ છોકરાઓ જમણી બાજુ ઊભા રહો.	लड़कियाँ-लड़कियाँ बाई तरफ और लड़के-लड़के दाई तरफ खड़े रहो।

ऊपर के वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों की पुनरुक्ति हुई है। वाक्य (1) में 'રંગ-રંગ' (रंग-रंग) प्रयोग रंगों की भिन्नता का बोध कराता है। वाक्य (2) में 'ડોલે-ડોલે' प्रयोग पानी की एक के बाद एक बाल्टी से पानी के छिड़कने की रीति बताता है। वाक्य (3) में 'છોકરીઓ છોકરીઓ' (छोकरीओ-छोकरीओ) और 'છોકરાઓ છોકરાઓ' (छोकराओ-छोकराओ) के वर्ग या समूह का बोध कराते हैं।

II

1.	1)	પછી મોટામોટા છોકરાઓએ બરાબર આઠ વાગે હોળી પ્રગટાવી.	बड़े-बड़े लड़कों ने ठीक शाम आठ बजे को होली प्रज्ज्वलित की।
	2)	ફેંસી ડ્રેસના કાર્યક્રમમાં ભાગ લેનાર છોકરાઓ સારા સારા પોષાક પહેરી તૈયાર હતા.	ललित वेष में भाग लेनेवाले बच्चे अच्छी-अच्छी पोशाक के पहन कर तैयार थे।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित विशेषण-शब्दों की पुनरुक्ति हुई है। इस प्रकार की पुरनरुक्ति बलबोधकता (अवधारण) का बोध कराती है।

2.	1)	બધાંની સામે આવીને માલણ બનેલી મંજુલા ધીરે ધીરે બોલી.	सब के सामने आकर मालिन बनी हुई मंजुला धीरे-धीरे बोली।

2)	પોલિસથી બચવા હું જલ્દી જલ્દી દોડ્યો.	पुलीस से बचने मैं जल्दी-जल्दी दौड़ा।

उक्त वाक्यों में रेखांकित क्रिया-विशेषण की पुनरुक्ति का प्रयोग हुआ है। इस प्रकार की पुनरुक्ति भी हिंदी पुनरुक्ति के समान है।

III	1)	પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો.	पुलीस बना हुआ तुषार दौड़ता-दौड़ता आया।
	2)	ચોર બનેલો નીરજ સંતાતો સંતાતો આવ્યો.	चोर बना हुआ नीरज छिपते-छिपते आया।

उक्त वाक्यों में वर्तमान कालिक कृदंत की पुनरुक्ति हुई है। यह पुनरुक्ति क्रिया विशेषण है। यह पुनरुक्ति असमापिका क्रिया की निरंतरता का बोध कराती है। क्रिया के साथ लिंग और वचन के अनुसार 'તો (तो), તી (ती), 'તું' (तु) जोड़े जाते हैं।
जैसे:

1)	ફૂલ લો રંગરંગનાં બોલતી બોલતી મંજુલા આવી.	फूल लो, रंग-रंग के, बोलती-बोलती मंजुला आई।
2)	પોલિસ બનેલો તુષાર દોડતો દોડતો આવ્યો.	पुलीस बना हुआ तुषार दौड़ता-दौड़ता आया।
3)	એટલામાં પક્ષી ત્યાંથી ગાતું ગાતું પસાર થયું.	इतने में पक्षी वहाँ से गाते-गाते गुजारा।

IV	1)	હસી હસીને પેટ દુ:ખી ગયું.	हँस-हँस कर पेट दुःख गया।
	2)	ચાલી ચાલીને થાકી ગયો છું.	चल-चल कर थक गया हूँ।

उक्त वाक्यों में 'पूर्वकालिक कृदंत की पुनरुक्ति हुई है। इस में पुनरुक्ति के दूसरे कृदंत के साथ 'ને' (ने) परसर्ग जोड़ा गया है। यह पुनरुक्ति क्रिया की कारणवाचक रीति का बोध कराती है। ध्यान दीजिए कि हिंदी में भी ऐसी पुनरुक्तियों का प्रयोग होता है।

પાઠ पाठ 20

દૂધ સહકારી મંડળી

સરપંચ : મુખી, તમારા બધાંના સહયોગથી દૂધ સહકારી મંડળીનું પોતાનું મકાન તો બનીને તૈયાર થઈ ગયું છે. હવે તેનું ઉદ્‌ઘાટન પણ કરાવવું પડશે. કહો, તેના માટે કોની સાથે વાત કરીએ?

મુખી : આપણે દૂધ મંડળીના અધ્યક્ષને જ વાત કરીએ. પર્યાવરણ દિવસ પણ આવી રહ્યો છે. આપણે આપણી ગૌચરભૂમિમાં વૃક્ષારોપણ પણ કરાવડાવવું પડશે. અત્યારથી કેટલાક વૃક્ષો વવડાવી લઈશું તો થોડા વર્ષોમાં છાંયડો થઈ જશે, અને પશુઓને ચરાવવામાં સરળતા રહેશે.

સરપંચ : સારું છે. એવું જ કરીએ છીએ. આપણે કાલે જ શહેર જઈને અધ્યક્ષશ્રી અંબાલાલભાઈને મળવા જઈશું. એ પણ નક્કી કરી લઈએ કે આપણે આપણી સાથે બીજા કોને કોને લઈ જવાના છે.

મુખી : આપણી શાળાના શિક્ષક પૂરણભાઈ ખૂબ સમજદાર છે. તેમને તો આપણી સાથે લઈ જ જવા પડશે. તે અધ્યક્ષશ્રી સાથે સારી રીતે વાત પણ કરી લેશે અને તેમને બધુ સમજાવી

दुग्ध सहकारी समिति

सरपंच : मुखिया जी, आप सबके सहयोग से दुग्ध सहकारी समिति का अपना भवन तो बनकर तैयार होगया है। अब इसका उद्‌घाटन भी करवाना पड़ेगा। बताइए इसके लिए किस से बात करें?

मुखिया : हम दुग्ध समिति के अध्यक्ष जी से ही बात करें। पर्यावरण दिवस भी आ रहा है। हमें अपनी चराहगाह में वृक्षारोपण भी करवाना पड़ेगा। अभी से कुछ वृक्ष लगवा लेंगे तो कुछ वर्षों में उनकी छाया हो जाएगी और पशुओं को चराने में सुविधा रहेगी।

सरपंच : ठीक है। ऐसा ही करते हैं। हम कल ही शहर चल कर अध्यक्ष श्री अंबालाल भाई से मिलने जाएँगे। यह भी तय कर लें की, हमें अपने साथ और किस-किस को ले जाना है।

मुखिया : अपनी शाला के शिक्षक पूरनभाई बहुत समझदार हैं। उन्हें तो अपने साथ ले ही जाना पड़ेगा। वे अध्यक्षजी से अच्छी तरह बात भी कर लेंगे और उन्हें सब कुछ समझा भी देंगे। उद्‌घाटन का लिखित कार्यक्रम भी तो बनवाना पड़ेगा।

પણ દેશે. ઉદ્‌ઘાટનનો લેખિત કાર્યક્રમ પણ બનાવડાવવો પડશે. પૂરણભાઈ જ સારી રીતે બનાવડાવી શકશે.

સરપંચ : સારું. કાલે જ જઈશું. પૂરણભાઈને હું બોલાવડાવી લઈશ. જો બીજા કોઈને બોલાવડાવવા હોય તો જણાવો.

મુખી : બીજા તો કોઈને નથી લઈ જવા. હમણાં તો આપણે ત્રણ જ જઈશું. કાલે શહેર જવા હું મારી ગાડી તૈયાર કરાવડાવું છું. આપણે સવારે દસ વાગે જઈશું. નવ વાગે ગાડી તમારા ઘરે મોકલાવી દઈશ. તમે તૈયાર રહેજો. (બીજા દિવસે ત્રણે દૂધ સહકારી મંડળીના અધ્યક્ષના કાર્યાલય પહોંચે છે)

સરપંચ : અધ્યક્ષજી અમે અંદર આવી જઈએ?

અધ્યક્ષ : આવો, આવો. સરપંચજી આવો. ઓહો! મુખી અને પૂરણભાઈ પણ સાથે આવ્યા છે. લાગે છે કે કોઈ નવી યોજના બનાવી છે.

ત્રણ : નમસ્કાર સાહેબ.

અધ્યક્ષ : નમસ્કાર. બેસો. કહો કે કેમ આવવાનું થયું?

સરપંચ : અમે આપની પ્રેરણા અને સહયોગથી અમારા ગામમાં દૂધ મંડળીનું મકાન બનાવડાવીને તૈયાર કરાવડાવી દીધું છે. બધાંની ઈચ્છા છે કે તે મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન આપની પાસે કરાવીએ.

कार्यक्रम भी पूरण जी ही ठीक से बनवा सकेंगे।

सरपंच : ठीक है। कल ही चलेंगे। पूरण जी को मैं बुलवालूँगा। यदि और किसी को बुलवाना हो तो बताइए।

मुखिया : और किसी को नहीं ले चलना है। अभी तो हम तीनों ही चलेंगे। कल शहर चलने के लिए मैं अपनी गाड़ी तैयार करवाता हूँ। हम सवेरे दस बजे चलेंगे। मैं 9 बजे गाड़ी आपके घर भिजवा दूँगा। आप तैयार रहना।
(अगले दिन तीनों दुग्ध सहकारी समिति अध्यक्ष के कार्यालय पहुँचते हैं।

सरपंच : अध्यक्ष जी हम अंदर आ जाएँ?

अध्यक्ष : आइए, आइए और पूरण जी, सरपंच जी, आइए, ओ हो! मुखिया जी भी साथ आए हैं। लगता है कि कोई नई योजना बनाई है।

तीनों : नमस्कार साहब।

अध्यक्ष : नमस्कार बैठिए। कहिए कैसे आना हुआ?

सरपंच : हमने आपकी प्रेरणा और सहयोग से अपने गाँव में दुग्ध समिति का भवन बनवा कर तैयार करवा दिया है। सब की इच्छा हैं कि उस भवन का उद्‌घाटन आप से करवाएँ।

અધ્યક્ષ : અરે સરપંચજી આપણે બધા તો એક જ મંડળીના સભ્યો છીએ. સારું થશે કે આપણે કોઈ બીજા પાસેથી ઉદ્‌ઘાટન કરાવડાવી લઈએ.

મુખી : આપનું કહેવું તો યોગ્ય છે. પણ અમે નક્કી કરી લીધું છે કે આ મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન અમારે આપની પાસેથી જ કરાવવું છે.

પૂરણભાઈ : શ્રીમાન આપની પ્રરણા અને સહયોગથી જ આ મંડળી બની છે. આ મકાન પણ તમારા સહયોગથી બન્યું છે. તેથી આનું ઉદ્‌ઘાટન પણ અમે આપની પાસેથી જ કરાવવા ઈચ્છીએ છીએ. આપ જો આપની સ્વીકૃતિ આપશો અને આપના વ્યસ્ત સમયમાંથી થોડો સમય કાઢશો તો કૃપા થશે.

અધ્યક્ષ : પૂરણભાઈ, મેં તમારા ખૂબ વખાણ સાંભળ્યા છે. તમે જે તત્પરતાથી તમારી શાળા ચલાવી રહ્યા છો, તે જ તત્પરતાથી તમારે આ મંડળીને પણ ચલાવવાની છે. મારી પાસેથી જે સહયોગ કરાવવો હોય તે તમે મુખીને કહેવડાવી દેજો.

પૂરણભાઈ : સાહેબ ગામની સેવા કરવી તે મારું કર્તવ્ય છે. મારાથી જેટલી થઈ શકશે તેટલી સેવા કરતો રહીશ.

સરપંચ : એક વાત બીજી પણ છે. ગૌચરમાં વૃક્ષારોપણ પણ કરાવવું છે. ત્યાં અમે લગભગ એક સો વૃક્ષો લગાવડાવવા ઈચ્છીએ છીએ. અમે બધાં

अध्यक्ष : अजी सरपंच जी हम सब तो एक ही समिति के सदस्य हैं। अच्छा होगा कि हम किसी और से उद्‌घाटन करवा लें।

मुखिया : आपका कहना तो ठीक है लेकिन हमने तयकर लिया है कि, इस भवन का उद्‌घाटन हमें आपसे ही कराना है।

पूरण जी : श्रीमान जी आप की प्रेरणा और सहयोग से ही यह समिति बनी है। यह भवन भी आपके ही सहयोग से बना है। इसलिए इसका उद्‌घाटन भी हम आप से ही करवाना चाहते हैं। आप यदि अपनी स्वीकृति प्रदान करेंगे और अपने व्यस्त समय में से थोड़ा समय निकालेगें तो कृपा होगी।

अध्यक्ष : पूरण जी, मैंने आपकी बहुत तारीफ़ सुनी है। आप जिस तत्परता से अपनी पाठशाला चला रहे हैं, उसी तत्परता से आपको इस समिति को भी चलाना है। मुझ से जो सहयोग करवाना हो वह आप मुखिया जी से कहलवा देना।

पूरण जी : सर, गाँव की सेवा करना वह मेरा कर्तव्य है। मुझ से जितनी हो सकेगी उतनी सेवा करता रहूँगा।

सरपंच : एक बात और भी है, चरागाह में वृक्षरोपण भी करवाना है। वहाँ हमें लगभग एक सौ वृक्ष लगवाना हैं। हम सभी अतिथियों से एक-एक वृक्ष लगवाना-चाहते हैं।

અતિથિઓ પાસેથી એક-એક વૃક્ષ લગાવડાવવા ઈચ્છીએ છીએ.

મુખી : અમે તમને બધી ગૌચરની ભૂમિ દેખાડવા ઈચ્છીએ છીએ. તે જ દિવસે આપની ઉપસ્થિતિમાં તલાટી પાસેથી ગૌચરની ભૂમિને મપાવીને તેનું સીમાંકન પણ કરાવી શકીએ.

અધ્યક્ષ : સારું. સરપંચજી હું આવી જઈશ. તમે તારીખ અને સમય જણાવી દો.

પૂરણભાઈ : સાહેબ. જો આપ આવતા સોમવારનો સમય નીકાળશો તો સારું રહેશે. તે દિવસે બાર તારીખ છે. સવારે અગિયાર વાગ્યાનું મુહૂર્ત કઢાવી દીધું છે. બધા અતિથિઓ માટે ભોજન પણ બનાવડાવીશું. જો તમે કહેશો તો અતિથિઓ માટે મુખીની ગાડી મોકલાવી દઈશું.

સરપંચ : તે જ ગૌચર ભૂમિમાં એક કૂવો ખોદાવવાની પણ યોજના છે. જો કયાંકથી આર્થિક સહયોગ મળશે તો કેટલાક ગામવાળા પાસેથી શ્રમદાન કરાવી લઈશું.

અધ્યક્ષ : સારું. તમે લોકો તૈયારીઓ કરો. હું સમયસર બધાંની સાથે પહોંચી જઈશ. ત્યાં જ આખી યોજના બનાવડાવી લઈશું.

બધા : આભાર. નમસ્કાર.

અધ્યક્ષ : નમસ્કાર.

मुखिया : हम आपको पूरी चराहगाह की भूमी दिखाना चाहते हैं। उसी दिन आपकी उपस्थिति में पटवारी से चरागाह की भूमि को नपवा कर उसका सीमांकन भी करा सकें।

अध्यक्ष : ठीक है। सरपंच जी मैं आ जाऊँगा। आप तारीख और समय बता दें।

पूरणजी : सर। यदी आप अगले सोमवार का समय निकालेंगे तो ठीक रहेगा। उस दिन 12 तारीख है। प्रातःकाल 11 बजे का मुहूर्त निकलवा लिया है। सारे अतिथियों के लिए भोजन भी बनवाएँगे। यदि आप कहेंगे तो अतिथियों के लिए मुखिया जी की गाड़ी भिजवा देंगे।

सरपंच : उसी चराहगाह भूमि में एक कुआ भी खुदवाने की योजना है। यदि कहीं से आर्थिक सहयोग मिला तो गाँववालों से भी श्रम दान करालेंगे।

अध्यक्ष : ठीक है। आप लोग तैयारियाँ कीजिए। मैं समय पर सब के साथ पहुँच जाऊँगा। वहीं सारी योजना बनवा लेंगे।

सभी : धन्यवाद, नमस्कार।

अध्यक्ष : नमस्कार।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
સરપંચ	सरपंच
મુખી	मुखिया
દૂધ	दूध/दुग्ध
સહકારી/સહયોગ	सहकारी/सब के सहयोग से
મંડળી	समिति
ઉદ્‌ઘાટન	उद्‌घाटन
કરાવવું/કરાવડાવવું	कराना/करवाना
અધ્યક્ષ	अध्यक्ष
પર્યાવરણ	पर्यावरण
ગૌચરભૂમિ	चराहगाह/गोचर भूमि
વૃક્ષારોપણ	वृक्षारोपण
વવડાવવું	(वृक्ष) लगवाना
છાંયડો	छाया
ચરાવવું	चराना
શહેર	शहर/नगर
નક્કી	तय
સમજદાર	समझदार
લેખિત	लिखित
બનાવડાવવું	बनवाना
મોકલાવવું	भिजवाना
યોજના	योजना
મકાન	भवन/मकान
કોઈ	कोई/किसी
પ્રેરણા	प्रेरणा
પ્રદાન	प्रदान/देना
વ્યસ્ત	व्यस्त
કાઢવું	निकालना
વખાણ	तारीफ़/प्रशंसा
સાંભળવું	सुनना
તત્પરતા	तत्परता
ચલાવવું	चलाना
કહેવડાવવું	कहलवाना
સેવા	सेवा
કર્તવ્ય	कर्तव्य

લગાવડાવવું	लगवाना (वृक्ष)/रोंपना
અતિથિ	अतिथि
ઉપસ્થિતિ	उपस्थिति
તલાટી	पटवारी
માપવું	नापना
સીમાંકન	सीमा तय करना
જણાવવું	बताना
ખોદાવવું/ખોદાવડાવવું	खुदवाना
ગામવાળા	गाँववाले
શ્રમદાન	श्रमदान
સમયસર	समय पर

અભ્યાસ

I નીચે આપેલાં વાક્યોનો અભ્યાસ કરો.

1) મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન પણ કરાવવું પડશે.
2) કેટલાંક વૃક્ષો વવડાવી લઈશું.
3) પશુઓને ચરાવવામાં સરળતા રહેશે.
4) હું મારી ગાડી તૈયાર કરાવું છું.
5) હું મારી ગાડી તમારા ઘરે મોકલાવીશ.
6) મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન તમારી પાસેથી જ કરાવવું છે.
7) સો વૃક્ષો લગાવડાવવા ઈચ્છીએ છીએ.

II ઉદાહરણ પ્રમાણે કૌંશમાં આપેલા ક્રિયારૂપોનાં યોગ્ય રૂપોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

ઉદાહરણ : 1) પશુઓને ________ માં સરળતા રહેશે. (ચરવું)
પશુઓને ચરાવવામાં સરળતા રહેશે.
2) હું પૂરણભાઈને ______ લઈશ. (બોલાવવું)
હું પૂરણભાઈને બોલાવડાવી લઈશ.

1) હું મારી ગાડી તૈયાર ________ છું. (કરવું)
2) ગૌચરભૂમિમાં કૂવો _______ પડશે. (ખોદવું)
3) કપડાં _______ ને તૈયાર કરાવડાવી દીધાં છે. (સીવવું)
4) અમે સો વૃક્ષો ________ ઈચ્છીએ છીએ. (લગાવવું)
5) અતિથિઓ માટે ભોજન પણ _______ . (બનાવવું)
6) ગામવાળા પાસેથી શ્રમદાન _______ લઈશું. (કરવું)
7) મુખીની ગાડી તમારા ઘરે ________ દઈશ. (મોકલવું)
8) બીજા કોને કોને ________ છે? (બોલાવવું)

9) અમારે તમને અમારું ઘર _______ છે. (દેખવું)
10) ઉદ્‌ઘાટનનો લેખિત કાર્યક્રમ પણ ______ પડશે. (બનાવવું)
11) તેમણે ઘણાં વૃક્ષો _______ છે. (વાવવું)

III ઉદાહરણ પ્રમાણે નીચે આપેલાં વાક્યોનું પરિવર્તન કરો.

ઉદાહરણ : દૂધ સહકારી મંડળીનું મકાન બનાવ્યું છે.
દૂધ સહકારી મંડળીનું મકાન બનાવડાવ્યું છે.

1) અમે દૂધ સહકારી મંડળીની રચના કરી છે.
2) બાપુજીએ દીકરીને આપ્યો છે.
3) આપણે વૃક્ષો લગાવવા જોઈએ.
4) મંત્રીજી ઉદ્‌ઘાટન કરશે.
5) તેમણે મારી પાસેથી સહયોગ કરાવ્યો હતો.
6) મારે ઘણાં કપડાં સિવવાનાં છે.
7) મારે કેટલાંક વૃક્ષો વાવવાનાં છે.

IV ડાબીબાજુ આપેલાં વાક્યાંશોને જમણીબાજુ આપેલાં વાક્યાંશો સાથે યોગ્ય રીતે જોડીને વાક્યો બનાવો.

1) ગૌચર ભૂમિમાં વૃક્ષારોપણ - ચરાવવામાં સરળતા રહેશે.
2) પશુઓને ગૌચર ભૂમિમાં - પણ બનાવડાવવો પડશે.
3) ઉદ્‌ઘાટનનો લેખિત કાર્યક્રમ - લગાવડાવ્યા હતાં.
4) ગામમાં થોડા કૂવા - પણ કરાવવું પડશે.
5) દરેક જણ પાસે એક એક વૃક્ષ - ખોદાવવા છે.

V કૌંશમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થી ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) અંબાલાલભાઈ પાસે વૃક્ષારોપણ _______ . (करवाएँगे)
2) દૂધ સહકારી મંડળીનું મકાન ______ છે. (बनवाया)
3) સારું ______ માટે પૈસા વાપરવા પડે. (खिलाने)
4) મહેશભાઈએ દીકરીના લગ્નમાં સ્વાદિષ્ઠ ભોજન ______ હતું. (बनवाया)
5) તેમણે પોસ્ટથી ચોપડી _______ છે. (भीजवाई)

VI નીચે આપેલાં વાક્યોનાં નિષેધવાચક રૂપ બનાવો.

1) દૂધ વેચવા દૂરના ગામમાં જવું પડશે.
2) મંડળીના સભ્યોની યાદી કરાવડાવી છે.
3) હું મારી ગાડી મોકલાવીશ.
4) ગામમાં કૂવો ખોદાવડવવા છે.

5) ગામવાળા પાસેથી શ્રમદાન કરાવીશું.
6) અંબાલાલભાઈને બોલાવડાવવા છે.

VII નીચે આપેલા ગુજરાતી શબ્દોના હિન્દી શબ્દો આપો.

મુખી, ગૌચર, ભૂમિ, છાંયડો, નક્કી, મકાન, કોઈ, વખાણ, સમયસર, તલાટી.

VIII નીચે આપેલા હિન્દી શબ્દોના ગુજરાતી શબ્દો આપો.

कहलवाना, कराना, करवाना, खुदवाना, चलवाना, लगवाना, दिखाना, बनवाना, बुलवाना, भिजवाना।

IX કૌંશમાં આપેલાં પ્રશ્નસૂચક શબ્દોનો ઉપયોગ કરી નીચે આપેલાં વાક્યો પ્રશ્નવાચક વાક્યો બનાવો.

1) સાહેબ બધાંની રાહ જોતા હતા. (કોની)
2) અંબાલાલભાઈના ઘરે ગાડી મોકલાવવાની છે. (શું)
3) નવા મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન કરાવવાનું છે. (શાનું)
4) આવતીકાલે વૃક્ષો લગાવડાવવાનાં છે. (ક્યારે)
5) ગૌચરમાં કૂવો ખોદવવાનો છે. (ક્યાં)
6) મેં તેમને દસ વાગે બોલાવડાવ્યા છે. (કેટલા વાગે)
7) કાર્યક્રમ તો પૂરણભાઈ જ સારી રીતે બનાવડાવી શકશે. (કોણ)

વાંચો અને સમજો

સહકાર

એવું કહેવાય છે કે ‘ઝાઝા હાથ રળિયામણા’. આ કહેવતને આપણે આપણા જીવનનો આધાર બનાવવો પડશે. સહકાર આપણી સામાજિક રચનાનો મૂળ આધાર છે. આપણે ફરી એકવાર આપણી સહકારીતાની પરંપરાને સમજવી પડશે. અને તે જ આધાર પર આપણા સમાજને ઢાળવો પડશે. સ્વતંત્રતા પછી આપણે ફરી એકવાર સહકારીતાના મહત્ત્વને સમજ્યા છીએ. હવે આપણે લાગુ કરવી પડશે. જેટલો ગામડાઓનો વિકાસ સહકારીતાથી સંભવ છે તેટલો સારો બીજા કોઈ પ્રકારે નહીં. જો આપણે ગામડાઓનો સમગ્રરૂપે વિકાસ કરવો હોય તો સહકારના માધ્યમ દ્વારા જ તેને સાકાર કરવો પડશે. આપણે એક બીજાના સુખદુઃખમાં ભાગીદારી કરવી પડશે. એક બીજાની ભાવનાઓને સમજવી અને સમજાવવી પડશે.

ગામડાઓમાં જો આપણે સહકારીતાને અપનાવીએ તો આપણે સહકારી મંડળીઓ બનાવીને શાસન પાસેથી ઘણો સહયોગ કરાવી શકીએ છીએ. પણ આ માટે આપણે આપણી યોજના બનાવવી પડશે અને તે યોજનાની સાર્થકતાથી શાસનને પરિચિત કરાવવું પડશે. ઉદાહરણ માટે જો આપણે ગામડાઓમાં દૂધ

સહકારી મંડળીની રચના કરવી હોય તો પહેલાં આપણે આપણા સહયોગીઓની એક યાદી બનાવવી પડશે. કેટલાક લોકોને તકનીકી જાણકારી મેળવવા પ્રશિક્ષણ માટે પણ મોકલવા પડશે. આર્થિક સહાયતા માટે બેંક પાસેથી ઋણ(લોન) લેવા માટે પ્રયત્ન કરવો અને કરાવવો પડશે. જો આપણે સફળતા પૂર્વક ગામમાં દૂધ સહકારી મંડળીની રચના કરાવી લઇએ તો ગામના દૂધ વેપારીઓ અને ખેડૂતોને આપણે સારો લાભ અપાવી શકીશું.

આવી જ ઘણી સહકારી સમિતિઓનું નિર્માણ કરાવીને આપણે ગામમાં લોકોને સહકારીતા માટે જાગૃત કરી શકીએ છીએ. તેથી જ કહેવાયું છે કે, 'વિના સહકાર નહીં ઉધ્ધાર'. એક બીજાના સહકારથી જ આપણે આર્થિક વિકાસના સપનાને સિદ્ધ કરી શકીએ છીએ. તેથી આપણે ગામડાઓને આર્થિક, સામાજિક રીતે સક્ષમ બનાવી શકીએ છીએ. પણ આપણા આ ઉદ્દેશ્યને પ્રાપ્ત કરવા માટે આપણે બધાને એક થવું પડશે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**हिंदी अर्थ**
સહકાર	सहकार
સમગ્રરૂપ	समुचित/समग्रतया/समग्ररूप से
ભાગીદારી	भागीदारी/हिस्सेदारी
ભાવના	भावना
અપનાવવું	अपनाना
સાર્થકતા	सार्थकता
પરિચિત	परिचित
તકનીકી	तकनीकी
પ્રશિક્ષણ	प्रशिक्षण
ઋણ/લોન	ऋण/कर्ज
સફળતા	सफलता
પૂર્વક	पूर्वक
જાગૃત	जागरूक
સપના	सपने
સિદ્ધ	सिद्ध/साकार
સક્ષમ	सक्षम

અભ્યાસ

I પરિચ્છેદના આધારે નીચે આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ આપો.

1) આપણી સામાજિક રચનાનો મૂળ આધાર શું છે?
2) ગામડાઓનો વિકાસ કેવી રીતે સારો થઈ શકે છે?
3) આપણે શેમાં ભાગીદારી કરવી પડશે? શું સમજવું પડશે?
4) ગામડાઓમાં સહકારી સમિતિઓ બનાવીને કોની પાસેથી સહયોગ કરાવી શકાય?
5) દૂધ સહકારી મંડળીની રચનાથી કોને લાભ અપાવી શકીશું?
6) આપણે દૂધ સહકારી સમિતિની રચના કરવી હોય તો શું શું કરવું પડશે?
7) આર્થિક, સામાજિક રીતે સક્ષમ બનવા શું કરવું પડશે?
8) આ પરિચ્છેદમાં આપેલી બે કહેવતોનો અર્થ સમજાવો.

II નીચે આપેલા શબ્દોનો વાક્યોમાં ઉપયોગ કરો.

પરંપરા, સહકાર, સમાજ, મહત્ત્વ, વિકાસ, માધ્યમ, સુખદુઃખ, મંડળી, ભાગીદારી, સમગ્રરૂપ, સમિતિ, તકનીકી, પ્રયત્ન, આર્થિક, સામાજિક, ઉદ્દેશ્ય.

III નીચે આપેલા ગુજરાતી શબ્દોના હિન્દી શબ્દો આપો.

ગામડું, સફળતા, સહકાર, ભાગીદારી, ઋણ, જાગૃત, પ્રશિક્ષણ

IV હિન્દીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

અહિંસાનો સંદેશ આપણને દરેક ધર્મના ધર્મગુરુઓ પાસેથી મળે છે. વેદોથી લઈને વિનોબા સુધી બધાંએ પોતપોતાની રીતે અહિંસાનો સંદેશ આપ્યો છે. પરંતુ સૌથી પહેલાં અહિંસાનો સંદેશ આપણને મહાત્મા બુદ્ધ અને મહાવીર સ્વામી પાસેથી મળે છે. બૌદ્ધધર્મ અને જૈન દર્શનનો મૂળ આધાર જ અહિંસા છે. ગાંધીજીને પોતાના જીવનમાં અહિંસાની સાથે સત્યનો સમાવેશ કર્યો અને સત્ય-અહિંસાનો સંદેશ ભારતમાં જ નહીં પણ સમગ્ર વિશ્વમાં આ સંદેશ આપ્યો છે. આજે વિશ્વ આતંક અને ભયના વાતાવરણમાં જીવી રહ્યું છે. દરેક રાષ્ટ્ર બીજા રાષ્ટ્ર પર પોતાનો પ્રભાવ સ્થાપિત કરવા ઈચ્છે છે. એવામાં આપણને ગાંધીજીએ શાંતિ અને સદ્‌ભાવનો માર્ગ બતાવ્યો છે. જો આપણા વિચારો અને આચરણમાં સત્ય અને અહિંસાનો સમાવેશ થઈ જાય તો આપણા પ્રત્યેક કાર્યમાં વિશ્વકલ્યાણની ભાવના જાગ્રત થઈ શકે.

આજે સમગ્ર વિશ્વમાં ગાંધીજીના સત્ય અને અહિંસાનો માર્ગ સ્વીકારે છે. જો પહેલાં વિશ્વને આ દર્શન અપનાવી લીધું હોત તો ગાંધીજીની વિશ્વકલ્યાણની ભાવના સાકાર થઈ ગઈ હોત. વૈશ્વિકરણની દિશામાં કરેલા આપણા બધા પ્રયત્ન સફળ થઈ શકે. જયારે આપણે અહિંસાનો વાસ્તવિક

અર્થ સમજી અને સ્વીકાર કરીશું. કેવળ સ્વીકાર જ નહીં પણ ગાંધીવિચાર અંગીકૃત કરવો જોઈએ. તથા પોતાના આચરણનો અંગ બનાવવો જોઈએ.

V ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

गाँव हमारी संस्कृति के पोषक हैं। इसलिए हमें गाँवों का विकास करने में सदा प्रयत्न करना चाहिए। गाँवों को सड़क से जोड़ना और उसके विकास के लिए शासन को भी योजनाएँ बनाना चाहिए।

हमारी आर्थिक उन्नति गाँवों पर निर्भर है। इसलिए गाँव का विकास करना और शासन से कह कर उस में समस्त आवश्यकताएँ जुटाना हमारा कर्तव्य है।

गाँव को कीचड से मुक्त करवाना, गलियों को पक्का बनवाना, पानी के निकाम के लिए नालियाँ बनवाना बहुत आवश्यक है।

शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध करवाना भी उतना ही आवश्यक है जितना गाँव को स्वच्छ बनाना। शिक्षा के प्रसार के लिए बच्चों को व उनके माता-पिता को प्रेरित कर बच्चों को पाठशाला भिजवाने की व्यवस्था करना तथा शासन द्वारा स्कूल खुलवाना भी आवश्यक है। यदि गाँव के बच्चे पढ़े लिखे होंगे तो वे अपने जीवन में तो उन्नति करेंगे ही साथ-साथ गाँव के विकास में भी योगदान करेंगे।

शिक्षका के ही समान स्वास्थ की सुविधाएँ भी ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यक है। गाँव में एक प्राथमिक चिकित्सा खुलवाना तो बहुत ही आवश्यक है। यह कार्य पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा शासन के सहयोग से करवाना चाहिए।

गाँव को सुंदर बनाने के लिए भी हमें हर तरह का प्रयास करना चाहिए। गाँव के चारों ओर पेड़ लगवाना। पेय जल की तथा प्रकाश की ठीक-ठीक व्यवस्था जुटाना भी आवश्यक है। जैसे-जैसे हमारे गाँव विकसित होते जाएँगे वैसे-वैसे हमारा देश समृद्ध होता जाएगा। इसलिए गाँव की जनता का, शासन का तथा अन्य प्रतिनिधोयों को गाँव का विकास करने के लिए पूरा-पूरा प्रयत्न करना चाहिए।

શબ્દાર્થ

હિંદી શબ્દ	**ગુજરાતી અર્થ**
सड़क	રસ્તો/માર્ગ/સડક/રોડ
उन्नति	ઉન્નતિ
निर्भर	નિર્ભર
समस्त	સમસ્ત/સમગ્ર
कीचड़	કીચડ/કાદવ
गलियाँ	ગલિયો/શેરી
पक्का	પાક્કો
विकास	નિકાલ
नालियाँ	નીક

प्रसार	પ્રસાર
खुलवाना	ખોલાવવું
चिकित्सा	ચિકિત્સા
पंचायत	પંચાયત
प्रतिनिधि	પ્રતિનિધિ
हर तरह	બધી રીતે
पेय जल	પીવાનું પાણી
जनता	જનતા
विकसित	વિકસિત

VI તમારા ગામમાં સહકારી ધોરણે ચાલતી કોઈ પ્રવૃત્તિ ઉપર ગુજરાતીમાં પરિચ્છેદ લખો.

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1)	મકાનનું ઉદ્ઘાટન પણ કરાવવું પડશે.	भवन का उद्‌घाटन भी कराना पडेगा।
2)	ગૌચર ભૂમિમાં વૃક્ષારોપણ કરાવડાવવું પડશે.	चराहगाह में वृक्षारोपण करवाना पडेगा।
3)	મકાન બનાવડાવીને તૈયાર કરાવી દીધું છે.	भवन बनवा कर तैयार करवा दिया है।
4)	એક કૂવો ખોદાવવાની યોજના છે.	एक कुआ खूदवाने की योजना है।

उपर्युक्त वाक्यों सें रेखांकित किया-रूप हिंदी के 'कराना', 'करवाना', 'बनवाना', 'खुदवाना' जैसे प्रेरणार्थक क्रियाओं के प्रयोग हैं। ('કરવું' (करवुं), 'કરાવવું' (करना), 'કરાવડાવવું (कराना), 'કરાવડાવવું' (करवाना)

1)	હું કામ કરું છું.	मैं काम करता हूँ।
2)	હું તેની પાસે કામ કરાવું છું./કરાવડાવું છું.	मैं उस से काम कराता हूँ/करवाता हूँ।
3)	હું નોકરને કહીને તેની પાસે કામ કરાવું છું./કરાવડાવું છું.	मैं नौकर से कह कर उस से काम कराता हूँ /करवाता हूँ।

ऊपर के तीनों वाक्यों में पहले वाक्य में क्रिया करने वाला एक ही है और वह स्वयं क्रिया करता है। दूसरे वाक्य में क्रिया करने वाला एक है (अर्थात् 'તે' (ते) (वह) और कराने वाला दूसरा (अर्थात् 'હું' (हु))। तीसरे में करने वाला एक है (अर्थात् 'તે' (ते) 'वह') है और कराने वाले दो हैं (अर्थात् 'હું' (हुँ) (मैं) तथा 'નોકર' (नोकर)। दूसरे और तीसरे वाक्यों में दो

प्रकार की प्रेरणार्थक क्रियाएँ प्रयुक्त की गई हैं। ध्यान दें कि प्रेरणार्थक क्रियावाले वाक्यों में अपादान कारक दिखाने वाले परसर्ग 'પાસેથી' (पासेथी) 'से' का प्रयोग होता है। यह स्पष्ट रूप में परसर्ग होता है या वाक्य में अंतरलीन होता है जो अर्थ से स्पष्ट होता है।

II गुजराती में प्रेरणार्थक क्रिया-रूप निम्न प्रकार से बनते हैं।

1. व्यंजनांत क्रियाएँ।

1)	લખ-વું	લખાવવું	લખાવડાવવું
2)	કર-વું	કરાવવું	કરાવડાવવું
3)	ચડ-વું	ચડાવવું	ચડાવડાવવું
4)	દેખ-વું	દેખાવવું	દેખાવડાવવું
5)	સાંભળ-વું	સંભળાવવું	સંભળાવડાવવું

1) મેં તેની પાસેથી પત્ર લખાવ્યો.
2) મકાનનું ઉદ્‌ઘાટન કરાવડાવ્યું.
3) તે ખૂબ ઊંચે ધજા ચડાવડાવવાના છે.
4) તે છોકરીને છોકરો દેખાડવો પડશે.
5) તમારે મને ગીત સંભળાવવું પડશે.

उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि मूल क्रिया से प्रेरणार्थक क्रिया बनाने के लिए 'આવ' (आव) या 'આડ' (आड़) प्रत्यय जोड़े गए हैं। यह भी समझिए कि मूल क्रिया के मध्य में 'આ' (आ) या 'આં' (आं) स्वर हैं तो वे प्रेरणार्थक रूप में 'અ' (अ) या 'અં' (अं) हो जाते हैं।

2. स्वरांत क्रियाएँ

1)	પી-વું	પીવાડવું/પીવડાવવું	પીવડાવડાવવું
2)	ખા-વું	ખવાડવું/ખવડાવવું	ખવડાવડાવવું
3)	ગા-વું	ગવાડવું/ગવડાવવું	ગવડાવડાવવું
4)	દે-વું	દેવાડવું/દેવડાવવું	દેવડાવવું
5)	લે-વું	લેવાડવું/લેવડાવવું	લેવડાવડાવવું
6)	નાહ-વું	નવાડવું/નવડાવવું	નવડાવડાવવું

1) ગીતાએ ગાયને પાણી પીવડાવડાવ્યું.
2) માએ બાળકને ખીચડી ખવડાવી.
3) રમાએ મને કહીને પ્રેરણા પાસેથી ગીત ગવડાવડાવ્યું.
4) પૂજાએ સોનાની ચેન લેવડાવડાવી.
5) બાળકને રોજ નવડાવવું જોઈએ.

ध्यान दीजिए कि स्वरांत क्रियाओं के साथ 'આવ' (आव), 'આડ' (आड) प्रेरणार्थक प्रत्यय जोड़ने से पहले 'વ' (व) जोड़ा जाता है। यदि मूल क्रिया का अंतिम स्वर 'આ' (आ) है तो यह 'અ' (अ) में बदल जाता हैं और उसके बाद 'વ' (व) तथा 'આવ' (आव) अथवा 'આડ' (आड) जोड़े जाते हैं।

III अपवाद

1)	ટેક-વું	ટેકવવું/ટેકાવવું	ટેકાવડાવવું
2)	ચેત-વું	ચેતવવું	ચેતાવડાવવું
3)	ખીલ-વું	ખીલવવું	ખીલાવડાવવું
4)	ખર-વું	ખેરવવું	ખેરાવડાવવું
5)	ફર-વું	ફેરવવું/ફરાવવું	ફેરાવડાવવું
6)	મળ-વું	મેળવવું	મેળાવડાવવું
7)	છોડ-વું	છોડવવું	છોડાવડાવવું

1) દાદાએ નીચે પડેલી ડાંગ ટેકાવડાવી.
2) મારે તેને ચેતવવી જોઈતી હતી.
3) ભગવાન સૂર્યના કિરણોથી સૂર્યમુખીના ફૂલને ખીલવડાવે છે.
4) ઝઘડતા લોકોને છોડાવવા જોઈએ.
5) બોરડી પરથી બોર ખેરવડાવીને ખાવા સારા લાગે છે.

ऊपर बताए गए जैसे कुछ गुजराती क्रिया-रूपों में जब प्रेरणार्थक प्रत्यय 'વ' (व) जोडा जाता है तब मूल क्रिया का 'અ' (अ) 'એ' (ए) में परिवर्तित हो जाता है।

ध्यान दीजिए की सब क्रियाओं का प्रेरणार्थक रूप नहीं होते हैं। जैसे की, आ, जा।

પાઠ पाठ 21

આજકાલના વિદ્યાર્થીઓ

મનુ : ઉષા, કાલે પિક્ચર જોવા જઈએ?

ઉષા : કેમ કાલે કૉલેજમાં નથી જવાનું?

મનુ : તું કહ્યા કરતી હતીને કે હું ક્યારેય રજા લેતો નથી. કાલે તો વગર રજાએ રજા છે. અમારી કૉલેજમાં એક દુર્ઘટના ઘટી. કેમિસ્ટ્રીલેબમાં એક વિદ્યાર્થીનીના શરીર પર એસિટેક પ્રવાહી પડવાથી તે દાઝી ગઈ અને અત્યારે તે હોસ્પિટલમાં દાખલ થઈ છે.

ઉષા : અરે! આ તો ખૂબ ખોટું થયું પણ એથી કૉલેજમાં રજા કેમ?

મનુ : કેમિસ્ટ્રીલેબની સ્થિતિ સારી નથી. દુર્ઘટના થતાં સુરક્ષાની સુવિધાઓ પણ સારી નથી. તેથી આ દુર્ઘટના બની અને આને જ મુદ્દો બનાવીને કેટલાક વિદ્યાર્થીઓ હડતાલ કરી રહ્યા છે.

ઉષા : શું તે કેમિસ્ટ્રીના પ્રોફેસર અને પ્રિન્સિપાલને નથી મળ્યા?

મનુ : મળ્યા હતા. પ્રિન્સિપાલે તેમને સમજાવ્યા પણ છતાં તે હડતાલ પર ઉતરી ગયા અને તેમની માંગ છે કે કેમિસ્ટ્રીના પ્રોફેસરને કૉલેજમાંથી કાઢી મૂકવામાં આવે.

आज कल के विद्यार्थी

मनु : उषा, कल पिक्चर देखने चलें?

उषा : क्यों कल कॉलेज नहीं जाना है?

मनु : तुम कहा करती थीं न कि मैं कभी छुट्टी नहीं लेता! कल तो कॉलेज की छुट्टी है। आज हमारी कालेज में एक दुर्घटना घटी। केमेस्ट्री लेब में एक विद्यार्थीनी के बदन पर तेजाबी जल गिरने से वह जल गई और अभी वह अस्पताल में दाखिल हुई है।

उषा : अरे! यह तो बहुत बुरा हुआ! लेकिन इस से कालेज में छुट्टी क्यों?

मनु : केमेस्ट्री लेब की हालत अच्छी नहीं है। दुर्घटना होने पर सुरक्षा की सुविधाएँ भी अच्छी नहीं हैं। इसीलिए यह दुर्घटना हुई और इसी को मुद्दा बना कर कुछ विद्यार्थी हडताल कर रहे हैं।

उषा : क्या वे केमेस्ट्री प्रोफेसर और प्रिन्सीपाल से नहीं मिले?

मनु : मिले थे। प्रिन्सीपाल ने उन्हें समझाया भी। लेकिन वे नहीं माने और आखिर हड़ताल पर उतर गए। उनकी माँग है कि केमेस्ट्री प्रोफेसर को कॉलेज से निकाल दिया जाए।

ઉષા : મને તો લાગે છે કે આ બધું તમારી કૉલેજના યુનિયન લીડર નરેન્દ્રનું જ કામ હશે.

મનુ : તેં સાચું જ કહ્યું. તે છોકરો આ વખતે પણ ચૂંટણી લડી રહ્યો છે. તે જ છોકરો સવારે પોતાના સાથીઓની સાથે ક્લાસમાં આવીને બીજા છોકરા-છોકરીઓને ધમકાવવા લાગ્યો. તેની ધમકીથી ડરીને છોકરા-છોકરીઓ તેની સાથે જવા લાગ્યા.

ઉષા : બસ. તે બોલ્યો અને છોકરા-છોકરીઓ ચાલ્યા ગયા.

મનુ : પછી શું? તેમને તો રજા મળી ગઈ. બીજી એક વાત પણ છે.

ઉષા : તે શું છે?

મનુ : કૉલેજમાં ચૂંટણીનો આ ઉન્માદ ખૂબ જ ખરાબ રીતે છવાઈ ગયો છે. ચૂંટણી આવતાં જ આખું વાતાવરણ ડહોળાઈ જાય છે. છોકરાઓનાં જુદાંજુદાં જૂથ બનવા લાગે છે. આ જૂથોના ઉન્માદને જોઈને તો બધાનું કાળજુ કાંપવા લાગે છે.

ઉષા : કૉલેજમાં જ કેમ? શાળામાં પણ આ જ પરિસ્થિતિ છે. કેટલીકવાર તો છોકરા છોકરીઓ એટલી ધમાલ કરે છે કે ભણવાનું મુશ્કેલ થઈ જાય છે. વિશેષ તો પરીક્ષાના દિવસોમાં વિદ્યાર્થીઓ પરીક્ષાખંડમાં ખુલ્લેઆમ નકલ કરે છે. હવે તો આ લોકો એકબીજાનામાં જોઈને જવાબો લખવા લાગ્યા છે.

उषा : मुझे तो लगता है किं यह सब तुम्हारे कालेज के युनियन लीड़र नरेन का ही काम होगा।

मनु : तुमने ठीक ही कहा। वह लडका इस बार भी चुनाव लड रहा है। वही लडका सवेरे अपने साथियों के साथ क्लास में आकर अन्य लडके लडकियों को धमकाने लगा। उसकी धमकी से डरकर लड़के-लड़कियाँ उसका साथ जाने लगे।

उषा : बस! वह बोला और लड़के-लड़कियाँ चले गए?

मनु : फिर क्या? उनको तो छुट्टी मिल गई और एक बात भी है।

उषा : वह क्या है?

मनु : कॉलेजों में चुनाव का उन्माद बहुत बुरी तरह छा गया है। चुनाव आते ही सारा वातावरण बिगड़ जाता है। लड़कों के अलग-अलग दल बनने लगते हैं। इन दलों के उन्माद को देख कर तो सबके कलेजे काँपने लगते हैं।

उषा : कालेज में ही क्यों? स्कूलों में भी यही हालत है। कई बार तो लड़के लड़कियाँ इतनी कमाल करते हैं कि पढ़ाना कठिन हो जाता है। विशेष रूप से परीक्षा के दिनों में। विद्यार्थी परीक्षा लेते हैं। अब तो ये लोग एक दूसरे की उत्तर पुस्तीकाओं में ही लिखने लगे हैं।

મનુ : તેમને નકલ કરતાં રોકવામાં આવે તો ધમકાવા લાગે છે. કેટલાક વિદ્યાર્થી તો ચાકું પણ બતાવવા લાગ્યા છે.

ઉષા : સાચું કહી રહ્યા છો. ગયા વર્ષે અમારી શાળાના પરીક્ષાખંડમાં આવી ઘટના ઘટી. જો આવું જ ચાલતું રહ્યું તો નિરીક્ષકને પરીક્ષાખંડથી બહાર બેસવું પડશે.

મનુ : જો આવું જ ચાલતું રહ્યું તો શાસનને વિદ્યાર્થીઓની આ પ્રકારે કરવામાં આવતી સ્વછંદતા પર અંકુશ લગાવવો પડશે.

ઉષા : મને તો વિદ્યાર્થીઓનો આવો વ્યવહાર બિલકુલ સારો નથી લાગતો.

મનુ : વિદ્યાર્થીઓ તો એ ઈચ્છે છે કે તાસ ન લેવાય અને તેમને પુસ્તકો પણ વાંચવાં ન પડે. બધું જ તેમની ઈચ્છાથી ચાલે તો બધા ખુશ, નહીં તો નાખુશ. આજકાલના કેટલાય વિદ્યાર્થી વગર વાંચે જ પાસ થવા ઈચ્છે છે. જો આવું થઈ જાય તો તેમના માટે બહુ ખરાબ થશે.

ઉષા : પણ આ સૌ ભાગ્યની વાત છે કે અત્યારે પણ કેટલાક એવા વિદ્યાર્થી છે કે જે વાચવા ચાહે છે અને વાંચીને જ પરીક્ષા પાસ કરવા ઈચ્છે છે. આવા વિદ્યાર્થીઓ જ જીવનમાં કંઈક કરી બતાવે છે.

मनु : इन्हें नकल करते रोको तो धमकाने लगते हैं। कई विद्यार्थी तो चाकू तक दिखाने लगे हैं।

उषा : सच कह रहे हो। गत वर्ष हमारे स्कूल में भी परीक्षा भवन में ऐसी ही घटना घटी। अगर ऐसा ही चलता रहा तो पर्यवेक्षकों (इन्वेजीलेटरों) को परीक्षा भवन के बाहरे ही बैठना पड़ेगा।

मनु : यदी ऐसा ही चलता रहा तो शासन को विद्यार्थियों द्वारा इस प्रकार की जाने वाली स्वेच्छाचारिता पर रोक लगानी पड़ेगी।

उषा : मुझे तो विद्यार्थियों का ऐसा व्यवहार अच्छा नहीं लगता।

मनु : विद्यार्थी तो यह चाहते हैं कि, पीरियड नहीं लिए जाएँ। उन्हें पुस्तकें भी नहीं पढ़नी पड़ें। सब कुछ उनकी इच्छा से चले तो सब खुश, नहीं तो नाराज़। आजकल के कई विद्यार्थी बिना पढ़े ही उत्तीर्ण होना चाहते हैं। यदि ऐसा हो जाए तो उनके लिए बहुत अच्छा है वर्ना बुरा।

उषा : लेकिन यह सौभाग्य की बात है कि अभी भी कुछ ऐसे विद्यार्थी हैं जो पढना चाहते हैं और पढकर ही परीक्षा पास करना चाहते हैं। ऐसे विद्यार्थी ही जीवन में कुछ कर दिखाते हैं।

મનુ : ઉષા, શાળાના શિક્ષક જ વિદ્યાર્થીઓને અનુશાસિત જીવનનો આધાર અને આકાર આપી શકે છે.

ઉષા : એનો મતલબ એ છે કે તું બધી જવાબદારી અમારા પર જ છોડી દે છે.

મનુ : ના, ના. એવી વાત નથી. તું પણ શું આટલી એવી વાતમાં ગુસ્સો કરવા લાગી? કૉલેજના અધ્યાપકો પર પણ જવાબદારી છે. મેં તો મારા શાળા શિક્ષકોને યાદ કરી એવું કીધું. હું જ્યારે શાળામાં ભણતો હતો ત્યારે બધા વિદ્યાર્થીઓ શિક્ષકોનો ખૂબ આદર કરતા હતા અને તેમનાથી ડરતા પણ હતા.

ઉષા : ડરતા હતા કે સ્નેહ કરતા હતા.

મનુ : શ્રીમતીજી ભૂલ થઈ ગઈ. માફ કરો. શાળામાં શિક્ષક બાળકોને સ્નેહ કરતા હતા અને બાળકો પણ તેમને સ્નેહ કરતાં હતાં.

ઉષા : સારું, આ ચર્ચા આપણે અહીં જ સમાપ્ત કરીએ. ઊઠો, કંઈક નાસ્તો કરો.

मनु : उषा, स्कूल शिक्षक ही विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन का आधार तथा आकार दे सकते हैं।

उषा : इस का मतलब यह है कि आप पूरी जिम्मेदारी हम पर ही छोड़ देते हैं!

मनु : नहीं नहीं, ऐसी बात नहीं है। तुम भी क्या इतनी सी पर गुस्सा करने लगी? कालेज के अध्यापकों पर भी जिम्मेदारी हैं। मैंने तो अपने स्कूल शिक्षकों को याद कर ऐसा कहा। मैं जब स्कूल में पढता था तब सभी विद्यार्थी शिक्षकों का बहुत आदर करते थे। उनसे डरते भी थे।

उषा : डरते थे या स्नेह करते थे।

मनु : श्रीमती जी भूल हो गई। क्षमा कीजिए। स्कूल में शिक्षक बच्चों से स्नेह करते हैं और बच्चे भी उनसे स्नेह करते हैं।

उषा : अच्छा, यह बहस हम यहीं समाप्त करें। उठीए, कुछ नाश्ता कीजिए।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**હિંદી અર્થ**
પિકચર	चलचित्र
રજા	छुट्टी
એસિટેક પ્રવાહી	तेजाबी जल
ખોટું	बुरा
દાખલ	दाखिल

સ્થિતિ	हालत
છેલ્લે	आखिर
સુરક્ષા	सुरक्षा
મુદ્દો	मुद्दा
હડતાલ	हड़ताल
માગ	माँग
કાઢી મૂકવું	निकाल देना
આ વખતે	इस बार
ચૂંટણી	चुनाव
સાથી	साथी
ધમકાવવું	धमकाना
ડરવું	ड़रना
ઉન્માદ	उन्माद
છવાઈ	छा
ડહોળાવવું	बिगड़ना
જૂથ/દળ	दल
કાળજું	कलेजा
કાંપવું	काँपने
ધમાલ	छमाल
મુશ્કેલ	मुश्किल/कठिन
પરીક્ષા ખંડ	परीक्षा भवन
ખુલ્લેઆમ	खुलेआम
નકલ	नकल
જવાબવહી	उत्तर पुस्तिका
નિરીક્ષક	पर्यवेक्षक
સ્વછંદતા	स्वेच्छचारिता
અંકુશ	रोक
તાસ	पीरियड
નાખુશ	नाखुश/नाराज़
પાસ/ઉત્તીર્ણ	उत्तीर्ण
અનુશાસિત	अनुशासित
આધાર	आधार
આકાર	आकार
જવાબદારી	जीम्मेदारी
મતલબ	मतलब
આદર	आदर
સ્નેહ	स्नेह

અભ્યાસ

I નીચે આપેલાં વાક્યોનો અભ્યાસ કરો.

1. 1) કેટલાક વિદ્યાર્થીઓ પરીક્ષાખંડમાં નકલ કરે છે.
   2) હમણાં તે હોસ્પિટલમાં દાખલ થઈ છે.
   3) ઘણા મજૂરો હડતાલ કરી રહ્યા છે.
   4) માએ પુત્રને વિદાય કર્યો.
   5) એમણે પાંચ હજાર રૂપિયાનું દાન કર્યું.
   6) મેં જાતે જ મારો ગુનો કબૂલ કર્યો.

2. 1) મને તો આવો વ્યવહાર બિલકુલ સારો નથી લાગતો.
   2) તને કેમ આટલું જલ્દી ખોટું લાગી જાય છે?
   3) આજે તે ખૂબજ સુંદર લાગે છે.

3. 1) આવા જ વિદ્યાર્થી જીવનમાં કંઈક કરી બતાવે છે.
   2) તે ન માન્યા અને આખરે હડતાલ પર ઉતરી ગયા.
   3) તે બોલ્યો અને છોકરા છોકરીઓ ચાલ્યાં ગયા?
   4) તેમને તો રજા મળી ગઈ.
   5) કેમિસ્ટ્રીના પ્રોફેસરને કૉલેજમાંથી કાઢી મૂકવામાં આવે.
   6) તમે બધી જવાબદારી અમારા પર જ છોડી દીધી છે.

4. 1) તે ક્લાસમાં આવીને અન્ય છોકરા-છોકરીઓને ધમકાવવા લાગ્યો.
   2) આ લોકો એકબીજાની ઉત્તરવહીમાંથી જ લખવા લાગ્યા છે.
   3) જૂથોના ઉન્માદ જોઈને તો બધનાં કાળજા કાંપવા લાગે છે.
   4) તું પણ શું આટલી એવી વાત પર ગુસ્સો કરવા લાગી?
   5) તેમને નકલ કરતાં રોકોતો ધમકાવા લાગે છે.

5. 1) તેમને પુસ્તકો પણ વાંચવી નથી પડતી.
   2) આવું ચાલતું રહ્યું તો નિરીક્ષકને પરીક્ષાખંડની બહાર બેસવું પડશે.
   3) આવી સ્વછંદતા પર અંકુશ મૂકવો પડશે.

II કોષ્ટકમાં આપેલા શબ્દોમાંથી યોગ્ય શબ્દ પસંદ કરી નીચે આપેલા વાક્યો પૂરા કરો.

(દાખલ, વિદાય, કબૂલ, દાન, નકલ, હડતાલ)

1) વિદ્યાર્થીઓ આજના બનાવના વિરોધમાં કાલે _______કરશે.
2) હમણાં શારદા હોસ્પિટલમાં _______ થઈ છે.
3) પરીક્ષાખંડમાં _______ કરવી સારી વાત નથી.

4) દાદાએ કમલાને _______કરી.
5) તેણે તેનો ગુનો _______કરવો જોઈએ.
6) ભાનુભાઈએ સુનામી પિડીતો માટે ઘણું _____કર્યું હતું.

III કોષ્ઠકમાં આપેલાં ક્રિયારૂપોનો યોગ્ય રૂપનો ઉપયોગ કરી નીચે આપેલાં વાક્યો પૂરાં કરો.

1. 1) લગ્નની બધી જ જવાબદારી તેમણે અમારા પર _______ હતી. (છોડી દેવું)
2) મીરાંબહેને કામવાળીને ઘરમાંથી _______ છે. (કાઢી મૂકવું)
3) મારી ખોવાયેલી પેન_________ . (મળી જવું)
4) તે જલદી-જલદી પગથિયાં ________. (ઉતરી જવું)
5) દરેક વ્યક્તિ જીવનમાં કંઈક ________ ઈચ્છે છે. (કરવું બતાવવું)
6) આજે તેઓ હોસ્ટેલ છોડી _________ . (ચાલવું જવું)

IV 'લાગ' ક્રિયારૂપનાં યોગ્ય રૂપનો ઉપયોગ કરી નીચે આપેલાં વાક્યો પૂરાં કરો.

1) ભૂકંપથી થયેલો વિનાશ જોઈને બધાંનાં કાળજાં કાંપવા _______ છે.
2) હમણાંથી મીના ખૂબ નખરાં કરવા _______ છે.
3) સ્નેહલ આજે સુંદર _______ છે.
4) રેખા અને આશાનો વ્યવહાર સારો ________ છે.
5) રાજેન્દ્રને બાળક ગણી જિતેન્દ્ર ધમકાવા ________.
6) મેં તેને કહ્યું અને તરતજ તે ગુસ્સો કરવા _______.
7) સવાર સવારમાં માલણ બાગમાં ફૂલો તોડવા ________.

V ઉદાહરણ પ્રમાણે નીચે આપેલાં વાક્યોનું પરિવર્તન કરો.

ઉદાહરણ : તું પણ શું આટલી એવી વાત પર ગુસ્સો કરે છે?
તું પણ શું આટલી એવી વાત પર ગુસ્સો કરવા લાગી?

1) મગનભાઈ આજે છોકરાઓને ધમકાવે છે.
2) શિક્ષકે કહ્યું અને વિદ્યાર્થીઓ લખે છે.
3) કામવાળી રોજ બહેલાં આવીને કામ કરે છે.
4) તેઓ એક બીજાની ઉત્તરવહીમાં જ લખે છે.
5) તેને નકલ કરતાં કોઈ રોકે તો તે ગુસ્સામાં બોલે છે.

VI કોષ્ટકમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થક ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) આજે શેઠે પોતાના નોકરને ઓફિસમાંથી _________. (निकाल दिया)
2) ગંગાને પેટમાં તકલીફ હતી તેથી તે દવાખાનામાં ______છે. (दाखिल हुई)

3) દરિયા કિનારે હંમેશા ________ છે. (अच्छा लगता)
4) આજે તો અમને શિવરાત્રિની રજા _________ . (मिल गई)
5) યુવાનોની સ્વચ્છંદતા પર અંકુશ ________. (लगाना पडेगा)

VII કોષ્ઠકમાં આપેલાં ક્રિયારૂપોનો યોગ્ય રૂપનો ઉપયોગ કરી નીચે આપેલાં વાક્યો પૂરાં કરો.

1) આવું જ ચાલતું રહ્યું તો ઘણા ભણેલા લોકોને ઘરે જ _______. (બેસ,પડ)
2) કૉલેજના ખરાબ વિદ્યાર્થીઓની સ્વચ્છંદતા પર અંકુશ ________. (મૂક, પડ)
3) આ ચોપડી તો તમારે જ ________. (વાંચ, પડ)
4) આજે આશાને લખવાનું કામ પુંરું _______. (કર, પડ)
5) જ્યોત્સનાબહેન માટે પ્રવીણભાઈએ સાડી તો _______. (લાવ, પડ)

VIII ડાબીબાજુ આપેલાં વાક્યાંશોને જમણીબાજુ આપેલાં વાક્યાંશો સાથે યોગ્ય બનાવી વાક્યો પૂરાં કરો.

1)	એમણે એને દસ રૂપિયાનું	- વિદાય કર્યો.
2)	માએ પુત્રને	- ફર્યા કરતા.
3)	તેઓ ચાલુ પરીક્ષાએ બહાર	- આપવા લાગી.
4)	તે મને ઉપદેશ	- કરવા લાગ્યું.
5)	બાળક ફરિયાદ	- પસ્તાવવું પડશે.
6)	મારી વાત નહીં માનો તો	- દાન કર્યું.

IX ઉદાહરણ અનુસાર 'ન' અને 'નહીં' નો ઉપયોગ કરી નીચે આપેલાં વાક્યોનાં બે-બે નિષેધવાચકરૂપ બનાવો.

ઉદાહરણ : તેમને ચોપડીઓ વાંચવી પડે.
તેમને ચોપડીઓ ન વાંચવી પડે.
તેમને ચોપડીઓ વાંચવી પડે નહીં.

1) છોકરાઓને કંઈ કહેવું જોઈએ.
2) તમારે જમ્યા પછી દૂધ પીવું.
3) મોટીબહેન દિવાળી પર સાસરે ગઈ.
4) વ્યક્તિએ પોતાને ગમે તે કામ કરવું જોઈએ.
5) મણીબહેને સ્વયંસેવી સંસ્થામાં દાન કર્યું.

X નીચે આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થક ગુજરાતી શબ્દો આપો.
हालत, दाखिल, निकाल देना, कलेजा, पीरियड, नाराज, परीक्षाभवन, कठिन, रोक, चुनाव

XI નીચે આપેલા ગુજરાતી શબ્દોના સમાનાર્થક હિન્દી શબ્દો આપો.
આ વખતે, ધમકાવવું, ડહોળાવવું, સ્વચ્છંદતા, ઉત્તરવહી, દળ, કાઁપવું, નકલ

XII તમારા પ્રિય શિક્ષક વિશે ગુજરાતીમાં એક પરિચ્છેદ લખો.

વાંચો અને સમજો

એકલવ્યની ગુરૂભક્તિ

એકલવ્ય ભીલ કુમાર હતો. તે દ્રોણ ગુરૂ પાસે ધનુષ્યવિદ્યા શીખવા આવ્યો. દ્રોણ હસ્તીનાપુરના રાજકુંવરોને ધનુષ્યવિદ્યા શીખવતા હતા. એકલવ્ય ભીલ કુમાર હતો, તેથી તેને કાઢી મૂક્યો. એકલવ્ય આશ્રમ છોડી જતો રહ્યો. તેણે જંગલમાં જઈ દ્રોણ ગુરૂની માટીની મૂર્તિ બનાવી. તેને વંદન કરીને તે રોજ ધનુષ્યવિદ્યાનો મહાવરો કરવા લાગી ગયો. સમય જતાં તે કુશળ બાણાવળી બની ગયો. પોતાને ધનુષ્યવિદ્યા ગુરૂની કૃપાથી જ પ્રાપ્ત થઈ છે તેમ માનીને એક દિવસ ગુરૂની સામે જઈને ઊભો રહ્યો. દ્રોણને વંદન કરી ગુરૂદક્ષિણા માગવા વિનંતી કરી. એકલવ્યને પોતે ન ભણાવ્યો હોવા છતાં તેમના પ્રિય શિષ્ય અર્જુનથી કોઈ આગળ ન વધી જાય તેવા અંગત સ્વાર્થથી પ્રેરાઈને તેમણે એકલવ્યના જમણા હાથનો અંગૂઠો ગુરૂદક્ષિણામાં માગી લીધો. એકલવ્યએ સંકોચ વગર ગુરૂદક્ષિણા આપી વિદાય લીધી. ધન્ય છે એકલવ્યની ગુરૂભક્તિને! આપણે પણ જે મેળવવા ઈચ્છીએ છીએ તે ધ્યેયને વળગી રહેવું જોઈએ. તેને પ્રાપ્ત કરવા અથાગ પરિશ્રમ કરવો પડે. જ્યારે ધ્યેય આપણે પ્રાપ્ત કરી લઈએ ત્યારે આપણને ઘણો આનંદ થાય છે. તે આનંદ આપણને આપણા પરિશ્રમના કારણે મળે છે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	હિંદી અર્થ
ગુરૂભક્તિ	गुरुभक्ति
ભીલકુમાર	भील का पुत्र
ધનુષ્યવિદ્યા	धनुष-विद्या
હસ્તીનાપુર	एतिहासिक नगरी का नाम
માટીની	मिट्टी का
વંદન	वंदन

બાણ	बाण, तीर
મહાવરો	अभ्यास
કુશળ	कुशल
બાણાવળી	बाण चलानेवाला
માનીને	मान कर
ગુરૂદક્ષિણા	गुरु-दक्षिणा
અંગત	व्यक्तिगत/अंगत
સ્વાર્થ	स्वार्थ
પ્રેરાઈને	प्रेरित हो कर
જમણા	दायाँ
અંગૂઠો	अंगूठा
સંકોચ	संकोच
વિદાય	बिदा

અભ્યાસ

I પરિચ્છેદના આધારે નીચે આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ આપો.

1) એકલવ્ય કોણ હતો?
2) એકલવ્ય દ્રોણાચાર્ય પાસે શું શીખવા ગયો હતો?
3) દ્રોણાચાર્ય કોને શીખવતા હતા?
4) એકલવ્યને દ્રોણાચાર્યે શા માટે કાઢી મૂક્યો?
5) એકલવ્ય બાણાવળી શી રીતે થયો?
6) એકલવ્ય દ્રોણગુરૂને શું આપવા ગયો? શા માટે?
7) દ્રોણે ગુરૂદક્ષિણામાં શું માગ્યું? શા માટે?
8) ધ્યેય પ્રાપ્ત કરવા શું કરવું પડે?

II પરિચ્છેદના આધારે નીચે આપેલાં વાક્યો પૂરાં કરો.

1) દ્રોણે ગુરૂદક્ષિણામાં એકલવ્યના ________ હાથનો અંગૂઠો માગયો.
2) ધન્ય છે એકલવ્યની ________!
3) અર્જુન _______ પ્રિય શિષ્ય હતો.
4) દ્રોણની માટીની મૂર્તિ બનાવીને ધનુષ્યવિદ્યાનો ______ કરતો.
5) દ્રોણ ________ રાજકુમારોને શીખવતા.
6) એકલવ્ય _______ હતો.

III કોષ્ટકમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થક ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) તે રોજ ધનુષ્યવિદ્યાનો ________ કરવા લાગ્યો. (अभ्यास)
2) દ્રોણે એકલવ્યના જમણા હાથનો ______ ગુરૂદક્ષિણામાં માગ્યો. (अंगूठा)

3) એકલવ્યએ ગુરૂદક્ષિણા આપી _______ લીધી. (बिदा)
4) દ્રોણે એકલવ્યને _______ ન હતો. (पढ़ाया)
5) એકલવ્ય _______ હતો. (भील का पुत्र)

IV હિન્દીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

ચિમનભાઈ સરળ સ્વભાવના માણસ છે. તેમણે પોતાની ફેક્ટરીના મજૂરોને ક્યારેય મજૂર ગણ્યા નથી. તેથી જ કદાચ તેમની ફેક્ટરી અત્યારે આટલો નફો કરી રહી છે. પણ આજે સવારે એક દુર્ઘટના બની. એક મજૂરને વીજળીનો કરંટ લાગતાં તે જમીન પર પટકાઈ ગયો. તેની હાલત ખૂબ જ ગંભીર હતી. તેને તરત જ દવાખાનામાં દાખલ કરી દીધો. હવે તેની તબિયત સારી છે. ચિમનભાઈની ચિંતાનું કારણ એ છે કે, આ ઘટનાને મુદ્દો બનાવી કેટલાક મજૂરો હળતાલ પર ઉતરી ગયા છે. તેમણે ફેક્ટરીની પરિસ્થિતિ ખરાબ છે, તેમાં સુરક્ષાનાં સાધનોનો અભાવ છે તેવું કહી બીજા મજૂરોને ધમકાવી પોતાની સાથે હળતાલમાં સામેલ કરી લીધા છે. ચિમનભાઈને આ વાતનું ખૂબ જ દુ:ખ લાગ્યું છે. તેમણે મજૂરોને સમજાવવા ઘણા પ્રયત્નો કર્યા. ફેક્ટરીના વિદ્યુત વિભાગના ઈજનેરે પણ તે લોકોને ખૂબ સમજાવ્યા પણ તે લોકો પોતાની વાત પર મક્કમ રહ્યા અને આખરે હડતાલ કરી દીધી.

ચિમનભાઈ કાલે ઘાયલ મજૂરને મળવા તેના ઘરે જશે. મજૂરને આ ઘટનાનું વળતર પણ આપશે. તે સારા માણસ છે. તેમણે હંમેશાં મજૂરોની ભલાઈ જ ઈચ્છી છે. હવે મજૂરોનો વારો છે. તેમણે પોતાનો હકારાત્મક સહકાર આપી પોતાની સારપ બતાવવાની છે. પણ જો આ હળતાલ આમ જ ચાલતી રહી તો થોડા દિવસ પછી મજૂરોને ભૂખે મરવું પડશે. આજકાલ તો બધે જ મજૂરોનાં વિવિધ સંઘ ખુલવા લાગ્યા છે. જેમાં થોડાક લોકો એવા પણ હોય છે, જે કોઈ અણબનાવ બનવાની રાહ જોતા હોય છે. આવા લોકો અન્ય મજૂરોને ડરાવી ધમકાવીને ખોટી હળતાલો કરવા અને કરાવવા લાગ્યા છે. આનાથી ફેક્ટરી માલિક અને દેશને આર્થિક નુકસાન પહોંચે છે.

ચિમનભાઈ તો મજૂરોનું હિત ઈચ્છે છે. તેથી જ તે મજૂરોને મનાવવા પોતાનાથી બનતા બધા જ પ્રયત્નો કરવા લાગ્યા છે. જેથી જેટલી બને તેટલી જલ્દી આ હડતાલ પૂરી થઈ જાય અને બધા જ મજૂરો પોતપોતાના કામે લાગી જાય અને બધા લોકો પહેલાંની જેમ જ હળીમળીને કામ કરવા લાગે. રાજી-ખુશીથી પૈસા રળે અને હસતાં હસતાં બે ટંકનું જમવાનું મેળવે. ભગવાન હળતાલ કરવાવાળા આ મજૂરોને સદબુદ્ધિ આપે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	હિંદી અર્થ
મજૂર	मज़दूर/मजीवी
વીજળી/વિદ્યુત	विधुत
પટકાવું	गीरना
અભાવ	अभाव
ઈજનેર	इंजीनियर/यंत्रविद्या-विशेषज्ञ
વિભાગ	विभाग/भाग
મક્કમ	पक्का/दृढ
ઘાયલ	घायल
વળતર	मुआवजा/बदर्ला
ભલાઈ	भलाई/अच्छाई
વારો	बारी/पारी
હકારાત્મક	हकारात्मक
સારપ	भलाई/अच्छाई
ભૂખે મરવું	भूखा मरना
સંઘ	संघ
અણબનાવ	बुरी घहना
રાહ	प्रतीक्षा/इंतजार
ખોટી ખોટી	झूठ-मूठ की
હિત	हित/लाभ/कल्याण
મનાવવું	मनाना
હળીમળીને	हिल-मिल कर/मिलजुल कर
રાજીખુશી	राज़ी-खुशी
રળવું	कमाना
ટંક	जून/वक्त
મેળવવું	पाना/हांसील करना
સદ્બુદ્ધિ	सद्बुद्धि

V ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

महारथी द्रोणाचार्य, कौरव दल के श्रेष्ठ घनुर्धर को ही शिक्षा दिया करते थे। इसलिए उन्होंने कर्ण को शिक्षा देने के लिए मना कर दिया। द्रोणाचार्य जी का व्यवहार कर्ण को अच्छा नहीं लगा। कर्ण स्वयं को ब्राह्मण बता कर परशुराम के शिष्य बन गया। ब्राह्नण बालक समझ कर परशुराम जी कर्ण को शस्त्र विद्या सिखाने लगे। लेकिन एकदिन कर्ण का असत्य परशुराम जी को मालूम हुआ तो बहुत क्रोध आया। उन्होंने कर्ण से कहा 'तुमने मेरे

सामने असत्य व्यवहार करके बड़ा अपराध किया है।"
परशुराम जी का ऐसा क्रोध देखकर कर्ण भय से काँपने लगा। कर्णने गुरुके समक्ष अपना अपराध स्वीकार किया। कर्ण के क्षमा माँगने पर भी परशुराम का क्रोध शाँत नहीं हुआ। उन्होंने गुस्से से लाल होकर कर्णसे कहा। "तुमने मेरे प्रति अक्षम्य अपराध किया है। मैं तुम्हें इसके लिए क्षमा नहीं कर सकता। तुम्हें गुरुके प्रति किए गए छल-कपट का फल भुगतना ही पड़ेगा।"

अपनी भूल समझ कर कर्ण का हृदय रोउठा/वह मन ही मन पछताने लगा। लेकिन वह अब क्या कर सकता था? कर्ण परशुराम जी से बार-बार क्षमा मांगने लगा। लेकिन परशुरामजी ने उसे क्षमा नहीं किया। उन्होंने कर्ण को शाप दे दिया। परशुराम जी ने कहा "तुमने मुझसे झूठ बोल कर विद्या प्राप्त की है। इसलिए यह तुम्हें नहीं फलेगी। कठिन अवसर आने पर तुम अपनी विद्या भूल जाओगे। तुम्हें गुरु से छल करने के कारण बेमौत मरना पड़ेगा।"

शाप सुनकर कर्णने अपने गुरु परशुरामजी से बहुत अनुनय विनय की। लेकिन वे नहीं माने। उन्होंने कहा "मैं शाप दे चुका हूँ। मैं इसे लौटा नहीं सकता।"

महाभारत के युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का निर्णायक युद्ध हो रहा था तब कर्ण के रथ का पहिया धरती में फँस गया। कर्ण के लिए वह कठिन समय था। कर्ण अर्जुन पर प्रहार करना चाहता था लेकिन वह गुरु के शापवश अपनी विद्या भूल गया। अर्जुन ने कर्ण को मारडाला। अंत में कर्ण को गुरु के शाप का फल भुगतना पड़ा।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**हिंदी અર્થ**
મહારથી	महारथी
ધનુર્ધર	धनुर्धर
શિષ્ય	शिष्य
બ્રાહ્મણ	ब्राह्मण
શસ્ત્રવિદ્યા	शस्त्रविद्या
છળ	छल
જાણવું	जानना
અપરાધ	अपराध
સમક્ષ	समक्ष
સ્વીકાર	स्वीकार
અક્ષમ્ય/માફ ન કરી શકાય તેવું	अक्षम्य
ભોગવવું	भुगतना
રડી પડ્યો	रो उठा
પછતાવું	पछताना
શાપ	शाप

ફળવું	फलना
મરવું	मरना
અનુનય/વિનવણી/કાલાવાલા	अनुनय
વિનય/નમ્રતા	विनय
પીગળ્યા	पसीजे
નિર્ણાયક	निर्णायक
પૈડું	पहिया
ફસવું	फँसना
પ્રહાર	प्रहार
શાપવશ	शाप वश

टिप्पणियाँ

I पिछले पाठों में आपको गुजराती की विविध क्रियाओं का परिचय मिला होगा। इस पाठ के वाक्यों में उस प्रकार की क्रियाओं का बोध कराया गया है जो एक से अधिक शब्दों से बनी हुई हैं। अर्थात मिश्र तथा संयुक्त क्रियावाले वाक्यों का प्रयोग इस पाठ में दिखाया गया है।

1\. 1) હમણાં તે હોસ્પિટલમાં દાખલ થઈ છે. — अभी वह अस्पताल में दाखिल हुआ है।

2) કેટલાક વિદ્યાર્થી હડતાલ કરી રહ્યા છે. — कुछ विद्यार्थी हड़ताल कर रहे हैं।

3) કેટલાક વિદ્યાર્થી પરીક્ષાખંડમાં નકલ કરે છે. — कुछ विद्यार्थी परीक्षा में नकल करते हैं।

2\. 1) મને તો આવો વ્યવહાર બિલકુલ સારો નથી લાગતો. — मुझे तो ऐसा व्यवहार बिलकुल अच्छा नहीं लगता।

2) તને કેમ આટલું જલદી ખોટું લાગી જાય છે? — तुम्हें क्यों इतनी जल्दी बुरा लग जाता है।

उपर्युक्त (I.1,2,3) के वाक्यों की रेखांकित क्रियाओं में पहले शब्द संज्ञाएँ हैं और दूसरे शब्द क्रिया रूप हैं। (2.1,2) के वाक्यों की क्रियाओं में पहले शब्द विशेषण और दूसरे शब्द क्रिया रूप हैं। ऐसे दो शब्द विभागों के शब्दों से बनी क्रियाओं को मिश्र क्रियाएँ कहते हैं।

1) આવા જ વિદ્યાર્થી જીવનમાં કંઈક કરી બતાવે છે. — ऐसे ही विद्यार्थी जीवन में कुछ कर दिखाते हैं।

2) તમે પૂરી જવાબારી અમારા પર જ છોડી દીધી છે. — आप पूरी जीम्मेदारी हम पर ही छोड देते हैं।

3)	તે ન માન્યા અને આખરે હડતાલ પર ઉતરી ગયા.	वे नहीं माने और आखिर हडताल पर उतर गए।
4)	તે બોલ્યો અને છોકરા છોકરીઓ ચાલ્યાં ગયા?	वह बोला और लडके-लडकियाँ चले गए?
5)	તેમને તો રજા મળી ગઈ.	उनको तो छुट्टी मिल गई।
6)	કેમિસ્ટ્રીના પ્રોફેસરને કૉલેજમાંથી કાઢી મૂકવામાં આવે.	केमेस्ट्री प्रोफेसर को कालेज से निकाल दिया जाए।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप दो दो क्रियारूपों से बनी हैं और इन्हें संयुक्त क्रियाएँ कहते हैं। प्रधान क्रिया के मूल रूप से सहायक क्रियाओं के काल, लिंग, वचन के अनुसार विविध रूपों का प्रयोग कर के ऐसी संयुक्त क्रियाएँ बनती हैं। इस प्रकार के संयुक्त क्रिया रूप क्रिया करने की रीति, अचानकता, कोमलता, निर्णय, अचिंत्यता, आदि विविध मनोविकारों को प्रकट करते हैं।

III	1)	તે ક્લાસમાં આવીને અન્ય છોકરા-છોકરીઓને ધમકાવવા લાગ્યો.	वह क्लास में आकर अन्य लडके लडकियों को धमकाने लगा।
	2)	જૂથોના ઉન્માદ જોઈને તો બધનાં કાળજા કાંપવા લાગે છે.	जूथो के उन्माद को देखकर तो सब के कलेजे काँपने लगते हैं।
	3)	આ લોકો એકબીજાની ઉત્તરવહીમાંથી જ લખવા લાગ્યા છે.	ये लोग एक दूसरे की उत्तर पुस्तीकाओं में ही लिखने लगे हैं।
	4)	તેમને નકલ કરતાં રોકોતો ધમકાવા લાગે છે.	इन्हें नकल करते रोको तो धमकाने लगते हैं।
	5)	તું પણ શું આટલી એવી વાત પર ગુસ્સો કરવા લાગી?	तुम भी क्या इतनी सी बात पर गुस्सा करने लगी?

उपर्युक्त वाक्यों के क्रियारूपों में मूल क्रिया के कृदंतवाची रूपों के साथ प्रत्यय (-वा) जोड़कर 'लग' क्रिया के काल, पुरुष, लिंग तथा वचन के अनुसार विविध रूप प्रयुक्त हुए हैं। ऐसे क्रिया-रूप क्रिया के शुरू होने का बोध कराते हैं। इसलिए उक्त संयुक्त क्रियाएँ आरंभबोधक हैं।

IV	1)	તેમને પુસ્તકો પણ વાંચવી નથી પડતી.	उनको पुस्तकें भी नहीं पढनी पडें।
	2)	આવી સ્વચ્છંદતા પર અંકુશ મૂકવો પડશે.	ऐसी स्वेच्छाचारिता पर रोक लगानी पडेगी।
	3)	આવું ચાલતું રહ્યું તો નિરીક્ષકને પરીક્ષાખંડની બહાર જ બેસવું પડશે.	एसा चलता रहा तो पर्यवेक्षक को परीक्षा भवन के बाहर ही बैठना पडेगा।

उपर्युक्त वाक्यों के रेकांकित क्रिया-रूपों में दोनों शब्द क्रिया रूप ही हैं। पहले शब्द 'વું' (वं), 'વી'(वी), 'વા'(वा) प्रत्ययों वाले क्रिया रूप के हैं। ये रूप कर्म के लिंग और वचन के अनुसार हैं। दूसरे क्रिया रूप 'પડશે' (पडशे), 'પડી' (पडी), 'પડ્યા' (पड्या), 'પડ' (पड) क्रिया के विविध रूप हैं। ये रूप काल, लिंग, वचन के अनुसार प्रयुक्त हुए हैं और ऐसे प्रयोग क्रिया की अनिवार्यता का बोध कराते हैं।

પાઠ पाठ 22

સાક્ષરવર્ય ઉમાશંકર જોશી

છાયા : આજે શ્રી ઉમાશંકરની પુણ્ય તિથિ છે.

સુરેશ : હા, આજે ભલે તે આપણી વચ્ચે નથી. પરંતુ પોતાના સાહિત્યના રૂપમાં તે સદા અમર રહેશે.

કંચન : ઉમાશંકર માત્ર ગુજરાતના જ નહીં પરંતુ સમગ્ર ભારતના મહાન કવિ હતા.

છાયા : જો કે તેમણે સાહિત્યની બધી જ શાખાઓમાં ઘણું લખ્યું પરંતુ મૂળરૂપથી તો તે કવિ જ હતા. કવિતા જ તેમની પસંદનો વિષય રહ્યો.

સુરેશ : સાચું છે. તેમનો સૌથી પ્રિય વિષય તો કવિતા જ હતો.

મેહુલ : એતો ઠીક છે કે તે મૂળ રૂપથી કવિ જ હતા. તો પણ તેમણે પોતાના સમયની બધી જ પ્રચલિત શાખાઓમાં લખીને બધાંને ચક્તિ કરી દીધાં. એકાંકી હોય કે વાર્તા, નવલકથા હોય કે વાર્તા, નિબંધ હોય કે સંસ્મરણ, તેમનાં પદ્ય નાટક હોય કે નાટક, સમીક્ષા હોય કે અનુવાદ, સંપાદન હોય કે પત્રકારત્વ. શ્રી ઉમાશંકરે બધા જ સાહિત્ય સ્વરૂપોમાં પોતાની સશક્ત કલમ ચલાવી.

वरेण्य साहित्यकार उमाशंकर जोशी

छाया : आज श्री उमाशंकर की पुण्य तिथि है।

सुरेश : हाँ आज चाहे वे हमारे बीच में नहीं हैं किंतु अपने साहित्य के रूप में वे सदा अमर रहेंगे।

कंचन : उमाशंकर गुजरात के ही नहीं परंतु पूरे भारत के महान कवि थे।

छाया : यद्यपि उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में खूब लिखा किन्तु मूल रूप से तो वे कवि ही थे। कविता ही उनकी पसंद का विषय रहा।

सुरेश : सच है। उनका सबसे प्रिय विषय तो कविता ही था।

मेहुल : यह तो ठीक हैं कि, वे मूल रूप से कवि ही थे। फिर भी उन्होंने अपने समय की सभी प्रचलित विधाओं में लिख कर सब को चकित कर दिया। एकांकी हो या लघुकथा, उपन्यास हो या कहानी निबंध हो या संस्मरण, उनका पद्य नाटक हो या गद्य नाटक समीक्षा होय के अनुवाद संपादन कार्य हो अथवा पत्रकारिता श्री उमाशंकर जी ने सभी विषयों पर अपनी सशक्त लेखिनी चलाई। उन्होंने जितना भी लिखा वह सब लोगों ने खूब पसंद किया। सब तरफ़ उनकी रचनाओं का स्वागत किया गया।

તેમણે જેટલું પણ લખ્યું તે બધું જ લોકોએ ખૂબ પસંદ કર્યું. બધી જ બાજુ તેમની રચનાઓનું સ્વાગત કરવામાં આવ્યું.

છાયા : ઉમાશંકરભાઈ મૂળતો શિક્ષક હતા. પછી સાહિત્યકાર. વર્ગ તેમના માટે પ્રમુખ હતો. તે કહેતા હતા કે વર્ગમાં જ સ્વર્ગ છે. વર્ગમાં જતાં જ તેમનું શિક્ષકપણું મુખર થઈ જતું હતું.

કંચન : તેઓ રાજ્ય સભાના સભ્ય પણ હતા.

સુરેશ : ગુજરાત યુનિવર્સિટીનું ઉપકુલપતિપદ તેમ જ વિશ્વભારતીનું કુલપતિપદ પણ તેમણે શોભાવ્યું હતું.

છાયા : એટલું જ નહીં તેઓ સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ પણ હતા.

કંચન : સાહિત્ય જગતનાં અનેક માન સંન્માનો પણ તેમને પ્રાપ્ત થયેલાં.

સુરેશ : તેમના કાવ્યસંગ્રહ 'નિશીથ'ને જ્ઞાનપીઠ પારિતોષિક કન્નડ કવિ પુટ્ટપા સાથે મળેલું.

મેહુલ : ઉમાશંકરભાઈનો 'નિશીથ' કાવ્યસંગ્રહ હોય કે 'સપ્તપદી', તેમનાં પદ્યનાટકો હોય કે તેમનો કાવ્યસંગ્રહ 'વિશ્વશાંતિ' બધામાં એમની કાવ્ય પ્રતિભા અને ઓજસસ્વિતા પ્રગટ થઈ છે. આમ, કવિતા હોય કે નાટક, વાર્તા હોય અથવા વિવેચન, પ્રત્યેકમાં ઉમાશંકર જોશીની આગવી પ્રતિભાનાં દર્શન થાય છે. ઉમાશંકરની પ્રતિભાનો

छाया : उमाशंकर जी मूलतः शिक्षक थे बाद में साहित्यकार। कक्षा ही उनके लिए प्रमुख थी। वे कहते थे की कक्षा में स्वर्ग है। कक्षा में जाते ही उनका शिक्षकपन मुखर हो उठता था।

कंजन : वह राज्य सभा के सदस्य भी थे।

सुरेश : गुजरात युनिवर्सिटी का उपकुलपति-पद और विश्वभारती का कुलपति-पद भी उन्हों ने सुशोभित किया था।

छाया : इतना ही नहीं वे साहित्य अकादमी के अध्यक्ष भी थे।

कंचन : साहित्य-जगत के अनेक मान-सम्मान भी उन्हें मिले थे।

सुरेश : उनके काव्य संग्रह 'निशीथ' को ज्ञानपीठ पुरस्कार कन्नड कवि पुट्टप्पा के साथ मिला था।

मेहुल : उमाशंकर जी का 'निशीथ' काव्य संग्रह हो या 'सप्तपदी' उनके पद्य नाटक हो या उनका काव्य संग्रह 'विश्व शांति' सब में उन की काव्य प्रतिभा एवं ओजस्विता प्रकट हुई है। इस प्रकार कविता हो या नाटक, कहानी हो अथवा समीक्षा, प्रत्येक में उमाशंकर जोषी की अनूठी प्रतिभा के दर्शन पाते हैं। उनकी इस प्रतिथा का परिचय होने केलिए उन की कविताओं में पढ़ सकते हैं या उन के नाटकों में पढ सकते हैं।

પરિચય મેળવવા માટે આપણે તેમની કવિતાઓ વાંચી શકીએ યા તેમનાં નાટકો વાંચી શકીએ.

સુરેશ : 'સમગ્ર કવિતા'માં ઉમાશંકરને કવિ તરીકે પૂર્ણપણે માણી શકાય છે. સમીક્ષા અને વિવેચન ક્ષેત્રમાં તેમને એક મહાન સાહિત્ય મર્મજ્ઞના રૂપમાં જોઈ શકીએ છીએ.

सुरेश : 'समग्र कविता' में उमाशंकर को कवि के रूप में पूर्णतः जान सकते हैं। समीक्षा तथा आलोचना क्षेत्र में उन्हें एक महान साहित्य सर्वज्ञ के रूप में देख सकते हैं।

કંચન : ઉમાશંકર અને સુન્દરમ્ ગાંધીયુગના સમર્થ કવિઓ હતા અને આદર્શ પુરુષ પણ હતા.

कंचन : उमाशंकर और सुंदरम् गांधी-युग के समर्थ कवि थे और आदर्श पुरुष थी (थे)।

છાયા : એમ છતાં જ્યારે ગાંધીયુગની વાત કરીએ છીએ ત્યારે મનસુખલાલ ઝવેરી અને સ્નેહરશ્મિને તો આપણે કેમ ભૂલી શકીએ?

छाया : फिर भी जब गांधी-युग की बात करते हैं तब मनसुखलाल झवेरी और स्नेहरश्मि को भी हम कैसे भूल सकते हैं?

મેહુલ : વળી સુન્દરજી બેટાઈ અને કરસનદાસ માણેક વગર યાદી અધૂરી જ ગણાય.

मेहुल : इनके अलावा सुंदरजी बेटाई और करसनदास माणेक के बिना सूची अपूर्ण ही है।

કંચન : હવે આમાંથી કોઈ જ જીવંત નથી.

कंचन : अब इन में से कोई भी जीवित नहीं है।

છાયા : ઉમાશંકર વગર ગુજરાતી સાહિત્ય જગત સુનું લાગે છે, નહીં?

छाया : उमाशंकर के बिना गुजराती साहित्य-जगत सूना लगता है। है न?

મેહુલ : કારણ કે ઉમાશંકર માત્ર કવિ જ નહીં વિશ્વમાનવ પણ હતા.

मेहुल : क्यों कि उमाशंकर मात्र कवि ही नहीं विश्वामानव भी थे।

સુરેશ : ઉમાશંકરે તેમની રચનાઓથી ગુજરાતને, ગુજરાતી ભાષા તથા સાહિત્યને એવું સમૃદ્ધ કર્યું છે કે અમને બધાંને તેમના પર ગર્વ છે. સમગ્ર ભારતીય સાહિત્ય ક્ષેત્રમાં તેમનું નામ ચિરસ્મરણીય રહેશે.

सुरेश : उमाशंकर ने अपने रचनओं से गुजरात, गुजराती भाषा तथा साहित्य को ऐसा समृद्ध किया है कि हम सब को उन पर गर्व है। समग्र भारतीय साहित्य क्षेत्र में उनका नाम चिरस्मरणिय रहेगा।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
સાક્ષર	साक्षर
પુણ્યતિથિ	संवत्सर, मृत्युतिथि
સમગ્ર	पूरे/समग्र
મહાન	महान
સાહિત્ય	साहित्य
પ્રિય	प्रिय
મૂળ	मूल
એકાંકી	एकांकी
પદ્યનાટક	नाटक
ગદ્યનાટક	नाटक
ટૂંકીવાર્તા	लघुकथा
નવલકથા	उपन्यास
વાર્તા	कहानी
વિવેચન	समीक्षा
અનુવાદ	अनुवाद
સંપાદન	संपादन
પત્રકારિત્વ	पत्रकारिता
સશક્ત	सशक्त
કલમ	लेखनी
રચના	रचना
સ્વાગત	स्वागत
વર્ગ	कक्षा
શિક્ષકપણું	शिक्षकपन
મુખર	मुखर
સ્વર્ગ	स्वर्ग
ઉપકુલપતિ	उपकुलपति
વિશ્વભારતી	विश्वभारती (रवींद्रनाथ टैगोर का विद्यापीठ)
શોભાવવું	सुशोभित करना
માન-સન્માન	मान सन्मान
પારિતોષિક	पुरस्कार
આગવી પ્રતિભા	अनुठी प्रतिभा
સમગ્ર કવિતા	समग्र कविता (उमाशंकर की 1931 सं 1981 की कविताओं का संग्रह)
પૂર્ણપણે	पूर्णतः

સુન્દરમ્	सुन्दरम् (गांधी-युग के गुजराती कवि)
મનસુખલાલ ઝવેરી	मनसुखलाल झवेरी (गांधीयुग के गुजराती कवि)
સ્નેહરશ્મિ	स्नेहरश्मि (गांधीयुग के गुजराती कवि)
સુન્દરજી બેટાઈ	सुन्दरजी बेटाई (गांधी युग के गुजराती कवि)
કરસનદાસ માણેક	करसनदास माणेक (गांधीयुग के गुजराती कवि)
જીવંત	जीवित
સુનું	सूना
નિશીથ	निशीथ (उमाशंकर के काव्यसंग्रह का नाम)
વિશ્વમાનવ	विश्वमानव
ગર્વ	गर्व
ક્ષેત્ર	क्षेत्र
ચિરસ્મરણીય	चिरस्मरणीय

અભ્યાસ

I નીચે આપેલાં વાક્યોનો અભ્યાસ કરો.

1. 1) ઉમાશંકર સમર્થ સાહિત્યકાર અને ઉત્તમ શિક્ષક હતા.
   2) ચાલો ગાંધીનગર જઈએ પણ ત્યાં શું જોવાનું છે.
   3) ઉમાશંકર અને સુન્દરમ્ ગાંધીયુગના સમર્થ કવિઓ હતા.
   4) ઉમાશંકર પહેલાં શિક્ષક પછી સાહિત્યકાર.

2. 1) કવિતા હોય કે નાટક ઉમાશંકરની પ્રતિભાનાં દર્શન થાય જ.
   2) એમણે નાટક અને ટૂંકીવાર્તા લખ્યાં પણ તેમનો માનીતો વિષય તો કવિતા જ.
   3) શ્રેયા અથવા દિપા મારી સાથે આવે.
   4) સોનલ હિરલને ત્યાં હશે અથવા નિશાળમાં હશે.

3. 1) જો કે ઉમાશંકર સદેહ નથી પણ અક્ષર દેહે આપણી વચ્ચે જ છે.
   2) ઉમાશંકર માત્ર ગુજરાતના જ નહીં પરંતુ ભારતના મહાન કવિ હતા.
   3) મુખ્યત્વે કવિ હોવા છતાં પણ તેમણે નિબંધો અને નાટકો લખ્યાં છે.
   4) ફક્ત સાહિત્યક્ષેત્રનાં જ નહીં પરંતુ અન્ય ક્ષેત્રોનાં ઈનામો પણ તેમને મળેલાં.

4. 1) અરેરે! એમાંથી હવે કોઈ જિવિત નથી.
   2) શાબાશ બેટા! આ રીતે હંમેશાં પહેલાં આવજે.
   3) આહા! કેવું સુંદર સરોવર છે.
   4) છી, છી! આવું ગંદુ લખાણ હોય?

II કૌંશમાં આપેલાં અવ્યયોમાંથી યોગ્ય અવ્યય પસંદ કરી ખાલી જગા પૂરો.

(પરંતુ, સાથે, અને, તો, પણ)

1) ઉમાશંકર એક સમર્થ સાહિત્યકાર ________ વિશ્વમાનવ પણ હતા.
2) તેમનો માનીતો વિષય _________ કવિતા જ.
3) તેઓ રાજ્યસભાના સભ્ય _______ હતા.
4) તેમના 'નિશીથ'ને જ્ઞાનપીઠ પારિતોષિક કન્નડ કવિ પુટ્ટપા _______ મળેલું.
5) ઉમાશંકર ગુજરાતના જ નહીં _________ ભારતના મહાન કવિ હતા.

III પ્રત્યેક વાક્યને અંતે કૌંશમાં આપેલાં સંયોજકોમાંથી યોગ્ય સંયોજક પસંદ કરી નીચે આપેલાં વાક્યો જોડો.

1) ઉમાશંકર આપણા સમર્થ કવિ હતા.
   સુન્દરમ્ આપણા સમર્થ કવિ હતા. (પણ, અને, તેથી)
2) 'સમગ્ર કવિતા' ઉમાશંકરનો કાવ્યસંગ્રહ છે.
   'યાત્રા' સુન્દરમ્‌નો કાવ્યસંગ્રહ છે. (જ્યારે, કારણ કે, અથવા)
3) ઉમાશંકરને જ્ઞાનપીઠ પુરસ્કાર મળેલો.
   સ્નેહરશ્મિને નર્મદ સુવર્ણચંદ્રક મળેલો. (સાથે, પરંતુ, તેથી)
4) ભાવના પંચદેવના મંદિરે ગયેલી.
   શ્રેયા તેના મામાના લગ્નમાં ગયેલી. (પણ, તરીકે, તેથી)
5) મનસુખભાઈ ઝવેરી ગાંધીયુગના કવિ હતા.
   સુન્દરમ્ ગાંધીયુગના કવિ હતા. (પરંતુ, કરણ કે, અને)

IV નીચે આપેલાં વાક્યોને કૌંશમાં આપેલાં સંયોજકોમાંથી યોગ્ય સંયોજક વડે જોડો.

1) હેમા ખૂબ હરખાઈ ગઈ. તેણે ક્યારેય ફ્લેમીંગો પક્ષી જોયું ન હતું. (તો પણ, અને, કારણ કે)
2) અમારા જમાનામાં લોકો ગરીબ હતા, લોકો પ્રમાણિક હતા. (અથવા, પણ, તેથી)
3) તેઓ થાકી ગયા છે. એમને આરામની જરૂર છે. (પરંતુ, ઉપરાંત, અને)
4) અમને ઈશ્વર ઉપર શ્રદ્ધા છે. એના પ્રતાપે અમારો દીકરો સારો થઈ જશે. (એટલે, વળી, કે)
5) આપણે ગાંધીનગર જઈએ. ત્યાં શું જોવાનું છે? (અને, પણ, તેથી)

V કૌંશમાં આપેલા અવ્યયોમાંથી યોગ્ય અવ્યય શોધી ખાલી જગા પૂરો.

(સાથે, લીધે, પાસે, વિશે, તરીકે)

1. 1) ઉમાશંકર વિશ્વભારતીના કુલપતિ ________ પસંદ થયેલા.

2) જીજ્ઞા કૉલેજની ________ રહે છે.
3) સુન્દરમ્ ________ કોઈ કશું જ બોલ્યું નહીં.
4) એમની બેદરકારીને ________ આમ બન્યું.
5) તેઓ તેમના કુટુંબ ________ મુંબઈ રહે છે.

2. ઉદાહરણ પ્રમાણે નીચે આપેલાં વાક્યોને જોડી ફરીથી લખો.

ઉદાહરણઃ ઉમાશંકરે એકાંકી નાટક લખ્યાં.
ઉમાશંકરે ટૂંકીવાર્તાઓ લખી.
ઉમાશંકરે એકાંકી નાટકો અને ટૂંકીવાર્તાઓ લખી.

1) ઉમાશંકર કવિ હતા. ઉમાશંકર વિવેચક હતા.
2) ઉમાશંકરે નિબંધ લખ્યા. ઉમાશંકરે નાટક લખ્યાં.
3) ઉમાશંકર શિક્ષક હતા. ઉમાશંકર ઉપકુલપતિ હતા.
4) ઉમાશંકરે સંપાદન કર્યું. ઉમાશંકરે પત્રકારિત્વ કર્યું.
5) ઉમાશંકરને જ્ઞાનપીઠ પુરસ્કાર મળ્યો. ઉમાશંકરને નર્મદ સુવર્ણ ચંદ્રક મળ્યો.

VI ઉદાહરણ પ્રમાણે નીચે આપેલાં વાક્યોને જોડી ફરીથી લખો.

ઉદાહરણઃ ઉમાશંકર સાહિત્યકાર હતા.
તેમનો પ્રિય વિષય કવિતા હતો.
ઉમાશંકર સાહિત્યકાર હતા પણ તેમનો પ્રિય વિષય કવિતા હતો.

1) ઉમાશંકરની આજે પુણ્યતિથિ છે.
અક્ષરદેહે તે આપણી વચ્ચે જ છે.
2) આપણે ગુલાબનો બગીચો જોવા જઈશું.
હર્ષા નહીં આવે.
3) ચાલો ગાંધીનગર જઈએ.
ત્યાં જોવાનું શું છે?
4) ગીતો સારાં હતાં.
સંવાદો બરાબર ન હતા.
5) મારાં દાદી શિખામણ આપતાં.
કોઈ દિવસ ઠપકો આપતાં નહીં.

VII 'ક' અને 'ખ' વિભાગનાં વાક્યાંશોને યોગ્ય રીતે જોડો.

ક		ખ	
1)	ઉમાશંકર માત્ર ગુજરાતના જ નહીં	1)	જ્યારે 'યાત્રા'સુન્દરમનો કાવ્ય સંગ્રહ છે.
2)	તેઓ એક સમર્થ કવિ	2)	છતાં સાદાઈથી રહે છે.
3)	'સમગ્ર કવિતા' ઉમાશંકરનો કાવ્ય	3)	કારણ કે રમાએ તેને ખૂબ

	સંગ્રહ છે.		આગ્રહ કરેલો.
4)	શ્રેયા શ્રીમંત છે	4)	પણ ભારતના મહાન કવિ હતા.
5)	સુધા કિંજલના લગ્નમાં ગઈ	5)	અને વિદ્વાન વિવેચક હતા.

VIII નીચે આપેલા અવ્યયોનો વાક્યમાં પ્રયોગ કરો.
અથવા, કારણ કે, અને, પણ, સાથે, સામે, સિવાય, જેમ, બહાર

વાંચો અને સમજો

રાષ્ટ્રપિતા ગાંધીજી

રાષ્ટ્રપિતા મહાત્મા ગાંધીનો જન્મ ૨જી ઑકટોબર ૧૮૬૯ને દિવસે ગુજરાત રાજ્યના પોરબંદર શહેરમાં થયો હતો. તેમનું પૂરું નામ મોહનદાસ કરમચંદ ગાંધી હતું. તેમનાં માતાનું નામ પુતળીબાઈ હતું. રાજકોટની આલ્ફ્રેડ હાઈસ્કૂલમાં તેમણે અભ્યાસ કર્યો. બેરીસ્ટર બન્યા પછી તેઓ દક્ષિણ આફ્રિકા જવા નીકળ્યા. માર્ગમાં જ્યારે ગાડી કોઈ એક સ્ટેશને ઊભી રહી ત્યારે એક યુરોપિયન મુસાફર પ્રથમ વર્ગના ડબામાં દાખલ થયો. ગાંધીજી પહેલેથી જ એ ડબામાં બેઠેલા હતા. એક કાળા માણસને પ્રથમ વર્ગના ડબામાં બેઠેલો જોઈ પેલો યુરોપિયન મુસાફર ગુસ્સે થઈ ગયો. તેણે ગાંધીજીને નીચે ઉતરી જવા કહ્યું. ગાંધીજીએ દ્રઢતાપૂર્વક ના પાડી. પેલો મુસાફર ગાર્ડને બોલાવી લાવ્યો. ગાર્ડે પણ ગાંધીજીને પ્રથમ વર્ગનો ડબો છોડી સામાન્ય વર્ગમાં જવા કહ્યું. ગાંધીજીએ તેને પોતાની પ્રથમ વર્ગની ટિકિટ બતાવી અને ઉતરવાની ના કહી. પછી પેલો મુસાફર પોલિસને બોલાવી લાવ્યો જેણે ગાંધીજીને બળજબરીથી ડબામાંથી નીચે ઉતાર્યા. તેમનો સામાન પ્લેટફોર્મ ઉપર ફેંકી દેવામાં આવ્યો. આખી રાત કડકડતી ટાઢમાં ધ્રુજતા ગાંધીજી પ્લેટફોર્મ પર બેઠા રહ્યા. રંગભેદને લીધે તેમણે જિંદગીમાં પહેલીવાર સહન કરેલું. તેમણે તે રાતે રંગભેદના રોગને જડમૂળથી નાબૂદ કરવાનો નિર્ણય કર્યો. આ એક મહત્ત્વનો નિર્ણય હતો. ત્યાર પછી ગાંધીજીનું જીવન સંપૂર્ણ બદલાઈ ગયું.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
રાષ્ટ્રપિતા	राष्ट्रपिता
પોરબંદર	पोरबंदर (गांधीजी का जन्मस्थान)
મોહનદાસ	मोहनदास (गांधीजी का नाम)
કરમચંદ	करमचंद (गांधीजी के पिता का नाम)

પુતળીબાઈ	पुतलीबाई (गांधीजी की माताजी का नाम)
રાજકોટ	राजकोट
કાળા	काला
યુરોપિયન	युरोपियन
મુસાફર	मुसाफिर
ગુસ્સે થવું	गुस्सा होना
દૃઢતાપૂર્વક	दृढ़ता पूर्वक
ગાર્ડ	गार्ड
ટિકિટ	टिकिट
બળજબરી	जबरदस्ती
ફેંકી દેવું	फेंक देना
કડકડતી	ठिठुरन (कपकपा देने वाली ठंड)
ટાઢ	ठंड
રંગભેદ	रंग भेद
પહેલીવાર	पहली बार
જડમૂળથી	आमूल/निर्मूल
નાબૂદ	समाप्त
નિર્ણય	निर्णय
સંપૂર્ણ	संपूर्ण
બદલાઈ ગયું	बदल गया
વિતાવવી	बिताना

અભ્યાસ

I પરિચ્છેદને આધારે નીચેના પ્રશ્નોના જવાબ લખો.

1) ગાંધીજીનો જન્મ ક્યાં અને ક્યારે થયેલો?
2) ગાંધીજીનાં માતા-પિતાનાં નામ લખો.
3) યુરોપિયન મુસાફર શા માટે ગુસ્સે થયો?
4) ગાર્ડે ગાંધીજીને શું કરવા કહ્યું?
5) ગાંધીજીએ ગાર્ડને શો જવાબ આપ્યો.
6) પોલિસે ગાંધીજી સાથે કેવો વર્તાવ કર્યો?
7) ગાંધીજીએ રાત ક્યાં અને કેવી રીતે પસાર કરી?
8) ગાંધીજીએ શો નિર્ણય કર્યો?

II પરિચ્છેદને આધારે ખાલી જગ્યા પૂરી વાક્યો ફરીથી લખો.

1) ગાંધીજી રાજકોટની _______ અભ્યાસ કરતા હતા.
2) ગાંધીજીએ ગાર્ડને તેમની પ્રથમ વર્ગની ______ બતાવી.

3) _______ લીધે તેમણે જિંદગીમાં પ્રથમ વખત સહન કર્યું.
4) રંગભેદ નાબૂદ કરવાનો તેમનો નિર્ણય _______ હતો.
5) ત્યાર પછી ગાંધીજીનું ________ સંપૂર્ણ બદલાઈ ગયું.

III નીચે આપેલા શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્ય બનાવો.

મુસાફર, જડમૂળથી, નિર્ણય, બળજબરીથી, કડકડતી, જિંદગી, સામાન્ય.

IV કૌંશમાં આપેલા પ્રશ્નસૂચક શબ્દોનો ઉપયોગ કરી નીચેનાં વાક્યોને પ્રશ્નવાક્યોમાં ફેરવો.

1) ગાંધીજીનો જન્મ પોરબંદરમાં થયો હતો. (ક્યાં)
2) યુરોપિયન મુસાફર કાળા માણસને જોઈને ગુસ્સે થયો. (કોને)
3) ગાર્ડે ગાંધીજીને પ્રથમ વર્ગના ડબામાંથી ઉતરી અને સામાન્ય વર્ગના ડબામાં જવાનું કહ્યું. (કોણે)
4) પોલિસે ગાંધીજીને બળજબરીથી ડબામાંથી નીચે ઉતાર્યા. (કેવી રીતે)
5) જિંદગીમાં પહેલીવાર તેમણે રંગભેદને કારણે સહન કરેલું. (શાથી)
6) ગાંધીજીએ રંગભેદના રોગને જડમૂળથી નાબૂદ કરવાનો નિર્ણય કર્યો. (શો)
7) ત્યારથી ગાંધીજીનું જીવન સંપૂર્ણ બદલાઈ ગયું. (શું)

V નીચે આપેલા ગુજરાતી શબ્દોના હિન્દી શબ્દો આપો.

જડમૂળથી, બળજબરીથી, કડકડતી, મુસાફર, નાબૂદ, વિતાવવી, ફેકી દેવું, યુરોપિયન, ગુસ્સે થવું.

VI હિન્દીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

ગુજરાતી ભાષાનો ઉદ્‌ભવ થયો એ પછી ગુજરાતી ભાષામાં વિવિધ પરિવર્તન થતાં રહ્યાં છે. ભાષા પરિવર્તનશીલ છે એ વાત આપણે જાણીએ છીએ.

ગુજરાતી સાહિત્યના આદિકવિ નરસિંહ મહેતા છે. ગુજરાતી સાહિત્યમાં વિવિધ સાહિત્ય પ્રકારોનું ખેડાણ થઈ રહ્યું છે. ગુજરાતી સાહિત્યને મુખ્ય બે વિભાગોમાં વહેંચવામાં આવ્યું છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્ય અને અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્ય. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં આદિકવિ નરસિંહ મહેતા, મીરાં, અખો, ભાલણ, પ્રેમાનંદ, દયારામ એમ વિવિધ કવિઓ થઈ ગયા. જેમની કૃતિઓ આજે પણ વાંચીએ તો એટલી જ તાજગીવાળી લાગે છે. મધ્યકાલિન યુગમાં બધું જ સાહિત્ય પદ્યમાં રચાયું છે. પણ જ્યારે અર્વાચીન યુગનું સાહિત્ય પદ્ય-ગદ્યમાં રચાય છે. મધ્યકાલિન યુગ હોય કે અર્વાચીન યુગ પણ આ બંને યુગમાં ગુજરાતી ભાષામાં ખૂબ જ સાહિત્ય રચાયું છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં ધર્મ કેન્દ્રમાં છે.

અર્વાચીનકાળમાં ગુજરાતી સાહિત્યમાં યુગ વિભાજન થયું તેમાં નર્મદ-દલપત યુગ, સાક્ષરયુગ અથવા ગોવર્ધનયુગ, ગાંધીયુગ અથવા સ્વાતંત્ર્યોત્તર યુગ,

અનુગાંધી યુગ કે રાજેન્દ્ર-નિરંજન યુગ, આધુનિકયુગ કે આધુનિકોત્તર યુગ. ગુજરાતી સાહિત્યમાં અર્વાચીનકાળમાં ઉત્તમ પ્રકારનું સાહિત્ય સર્જન થયું છે. અને વિવિધ સાહિત્ય પ્રકારોનું પણ ખેડાણ થયું છે. અર્વાચીનકાળમાં નર્મદ હોય કે દલપતરામ બંને કવિઓ છે. નર્મદના નિબંધો હોય કે દલપતરામના નિબંધો બંને એ યુગમાં એક આગવી ઓળખ ધરાવતા હતા. સાક્ષરયુગ હોય અથવા ગોવર્ધનયુગ. ગોવર્ધનરામ હોય કે રમણલાલ વ. દેસાઈ બંને નવલકથાકાર છે. ગાંધીયુગ હોય કે સ્વાતંત્રોત્તર યુગ બંને એક જ છે. ઉમાશંકર જોશી હોય કે સુન્દરમ્ બંને ગાંધીયુગના કવિઓ છે. નિશીથ કાવ્યસંગ્રહ હોય કે કાવ્યમંગલા બંને ગાંધીયુગના કાવ્યસંગ્રહો છે. અનુગાંધીયુગ હોય કે રાજેન્દ્ર-નિરંજન યુગ બંને એક જ છે. રાજેન્દ્ર શાહ હોય કે નિરંજન ભગત બંને કવિઓ છે. નવલકથા હોય કે ટૂંકીવાર્તા બંને સાહિત્ય સ્વરૂપ છે. કવિતા હોય કે ગીત બંને પદ્ય સાહિત્ય સ્વરૂપ છે. ગઝલ હોય કે સોનેટ બંને અર્વાચીન સાહિત્ય સ્વરૂપો છે. અર્વાચીન યુગ હોય કે મધ્યકાલિન બંને ગુજરાતી સાહિત્યના યુગ છે.

VII ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

जब हम भारत के स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन करते हैं तब हम सरदार वल्लभ भाई पटेल को अग्रिम पंक्ति में पाते हैं। स्वतंत्रता संग्राम का आँदोलन हो या स्वतंत्र भारत का संयोजन सरदार पटेल सक्षमता के साथ डटे रहे। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं थे बल्कि एक सफल राजनेता भी थे।

वे एक अच्छे वकील और कुशल समाज सेवी थे। गाँधीजी के कहने पर उन्होंने वकालत छोड़कर बारडोली सत्याग्रह में भाग लिया। उन्होंने उस आँदोलन का नेतृत्व बहुत कुशलता से किया। बारड़ोली सत्याग्रह के कुशल नेतृत्व के बाद ही वे सरदार कहलाए। वे अपने युग के कुशल संगठक थे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम उप-प्रधान मंत्री और गृह मंत्री बने। स्वतंत्रता के बाद देशी राजाओं को एक सूत्र में बाँधकर भारत को एक सक्षम राष्ट्र बनाने में सरदार पटेल का योगदान सदा सराहा जाता रहेगा। इसी कारण वे लोहपुरुष कहलाए। सरदार पटेल स्वतंत्रता सेनानी पहले थे बाद में कुछ और। वे निपुण राजानेता तथा गृहमंत्री थे। वे एक सच्चे भारतीय थे सब से पहले।

कुछ देशीराजाओं ने भारत संघ में मिलने के लिए अपनी असहमति जताई। लेकिन सरदार पटेल की दृढ़ता के सामने किसी की नहीं चली। उन की संकल्पशक्ति, धैर्य और दूरदर्शिता को देख कर सब आश्चर्य चकित थे। भारत के प्रथम प्रधान मंत्री जवाहर लाल हो या भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद सभी ने मुक्त कंठ से सरदार पटेल की सराहना की। वे भारत के सच्चे सपूत थे। उन्हें पा कर भारतमाता धन्य हो गई। वे केवल गुजरात के ही नहीं समग्र भारत के निर्विवाद नेता थे।

VIII તમને ગમતા કોઈ લેખક-લેખિકા વિશે ગુજરાતીમાં એક અનુચ્છેદ લખો.

टिप्पणियाँ

I इस पाठ में गुजराती के कुछ संयुक्त वाक्यों का परिचय दिया गया है।

1.	1)	ઉમાશંકર સમર્થ સાહિત્યકાર હતા અને ઉત્તમ શિક્ષક પણ (હતા).	उमाशंकरजी समर्थ साहित्यकार थे। और उच्छकोटि के शिक्षक थी/ (थे)।
	2)	આપણે ગાંધીનગર જઈશું પણ ત્યાં શું જોવાનું શું.	गांधी नगर जाएँगी लेकिन वहाँ क्या देखेगे।
	3)	ઉમાશંકર અને સુન્દરમ્ ગાંધીયુગના સમર્થ કવિઓ હતા અને આદર્શ પુરુષ પણ (હતા)	उमाशंकर और सुंदरम गांधीयुग के समर्थ कवि थे और आदर्श पुरुष भी (थे)।
	4)	ઉમાશંકર પહેલાં શિક્ષક પછી બીજું બધું.	उमाशंकरजी मूलतः शिक्षक थे बाद में और कुछ।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'અને', 'પણ', 'ને', 'પછી' संयोजक समुच्चय बोधक अव्यय शब्द हैं। दो वाक्यों और शब्दों को जोड़ने के लिए गुजराती में इनका प्रयोग होता है।

II	1)	કવિતા હોય કે નાટક ઉમાશંકરની પ્રતિભાનાં દર્શન થાય જ.	कविता हो या नाटक उमाशंकरजी की प्रतिभा के दर्शन उन में होते ही हैं।
	2)	શ્રેયા અથવા દિપા મારી સાથે આવે.	श्रेया या दीपा मेरे साथ आती हैं।
	3)	સોનલ હિરલને ત્યાં હશે અથવા નિશાળમાં હશે.	सोनल हिरल के वहाँ होगी या पाठशाला में होगी।

उपर्युक्त वाक्य भी गुजराती के संयुक्त वाक्यों के उदाहरण हैं। दो उपवाक्यों को जोडने के लिए ऐसे वाक्यों में 'અથવા', 'કે ' जैसे वैकल्पिक अव्यय शब्दों का प्रयोग होता है।

III	1)	જો કે ઉમાશંકર સદેહે નથી પરંતુ અક્ષર દેહે આપણી વચ્ચે જ છે.	यद्यापि उमाशंकरजी सदेह नहीं है तथापि अक्षर-देह से हमारे बीच में मौजूद हैं।
	2)	મુખ્યત્વે કવિ હોવા છતાં પણ તેમણે નિબંધો અને નાટક લખ્યાં છે.	बहुतांश में कवि होते हुए भी उन्हों ने निबंध और नाटक लिखे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'જો કે..પણ', 'મુખ્યત્વે.. છતાં પણ', शब्दों का प्रयोग हुआ है। दोनों उपवाक्यों में पारस्परिक विरोध का भाव प्रकट करते हैं। ऐसे वाक्य विरोध वाचक वाक्य कहे जाते हैं।

IV	1)	અરેરે! એમાંથી હવે કોઈ જીવંત નથી.	अरेरे! उन में से अब कोई जीवित नहीं।

2)	શાબાશ બેટા! આ રીતે હમેશાં પહેલો આવજે.	शाबाश बेटा! इस तरह हमेशा प्रथम श्रेणी लाना।
3)	છી છી! આવું ગંદુ લખાણ હોય?	छी छी! ऐसी गंदी लिखावट होती है?

उपर्युक्त वाक्यों में दुख, हर्ष, आश्चर्य, धिक्कार, आदि के सूचक क्रमशः '**અરેરે**', 'શાબાશ', 'છી છી' शब्दों के प्रयोगों से हुआ है। ये प्रयोग भावबोधक अव्ययों के हैं और भावबोधक की दृष्टि से ये पूर्ण अभिव्यक्ति के द्योतक हैं।

પાઠ 23
पाठ

ટી.વી. કેન્દ્ર સંદર્શન

કનુ : કાલે અમને શાળામાંથી દૂરદર્શન કેન્દ્ર જોવા લઈ ગયેલા.

સુરેશ : સાથે કોણ આવેલું?

કનુ : દેસાઈ સાહેબ. તેમણે પહેલાથી જ મંજૂરી મંગાવી લીધેલી. ચાર વાગે બસ મારફતે અમે લઈ જવાયા. જતાં પહેલાં અમને સૂચનાઓ અપાઈ હતી કે હાર તોડીને જુદા ચાલવું ન જોઈએ. ત્યાં જોર-જોરથી વાતચીત કરી શકાશે નહીં. ત્યાં કોઈ ફેરિયાઓ પાસેથી કાંઈ ખરીદાય નહીં. બગીચામાંથી કોઈપણ ફૂલ તોડશો નહીં.

સુરેશ : સ્ટુડિયો તમને કોણે બતાવ્યો?

કનુ : ટી.વી. કેન્દ્રના ડિરેકટર દ્વારા મોકલેલ માણસે અમને સ્ટુડિયો દેખાડ્યો. તે જ વ્યક્તિ દ્વારા અમને ટી.વી. અંગેની માહિતી પણ અપાયી.

સુરેશ : તેમના દ્વારા કઈ માહિતી આપવામાં આવી?

કનુ : તેમણે જણાવ્યું કે, ૧૯૨૨માં સ્કોટલેન્ડના વૈજ્ઞાનિક જોન લોગી બાયર્ડ દ્વારા ટી.વી.ની શોધ કરાઈ હતી.

સુરેશ : આજે ટી.વી.નો આખા વિશ્વમાં ઉપયોગ કરાય છે.

टी.वी. केंद्र संदर्शन

कनु : कल हमें पाठशाला से दूरदर्शन-केंद्र दिखाने ले गए थे।

सुरेश : साथ में कौन आया था?

कनु : देसाई साहब। उन्होंने पहले से ही स्वीकृति मंगवा लीथी। चार बजे बस द्वारा हम ले जाए गए। जाने से पहले हमें ताकीद दी गई थी कि कतार से हटकर नहीं चलना चाहिए। वहाँ जोर जोर से बातचीत नहीं की जा सकती। वहाँ किसी फेरी वाले से कोई भी चीजें नहीं खरीदी जाएँ। बाग में से कोई भी फूल तोड़ा नहीं जाएगा।

सुरेश : स्टुडियो आप को किस ने दिखाया?

कनु: टी.वी. केंद्र के डिरेक्टर द्वारा भेजे जाए व्यक्ति ने हमें स्टुडियो दिखाया। उसी व्यक्ति द्वारा हमें टी.वी. के बारे में जानकारी भी दी गई।

सुरेश : उन के द्वारा क्या जानकारी दी गई?

कनु : उन्होंने बताया की 1922 में स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक जोन लॉगी बायर्ड द्वारा टी.वी. की खोज की गई।

सुरेश : आज टी.वी. का सारे विश्व में उपयोग किया जाता है।

કનુ : આખી દુનિયાને આપણા ઘરમાં જ લાવી શકાય છે. નિરાંતે પોતાના ઘરમાં બેઠાં-બેઠાં જ્ઞાનની વૃદ્ધિ સાથે આનંદ માણી શકાય છે.

कनु : सारी दुनियाँ को अपने घर में ही लाया जा सकता है। आराम से अपने घर में बैठे-बैठे ज्ञान की वृद्धि के साथ आनंद लिया जा सकता है।

સુરેશ : ભારતનાં અને દુનિયાનાં જુદાં-જુદાં સ્થળો, માણસો, પશુઓ અને પંખીઓ વગેરે વિશે ટી.વી. દ્વારા માહિતી પ્રાપ્ત કરાય છે.

सुरेश : भारत के और जगत के भिन्न-भिन्न स्थलों और लोगों, पशु-पक्षियों आदि के बारे में टी.वी. द्वारा जानकारी प्राप्त की जाती है।

કનુ : ટી.વી. દ્વારા શૈક્ષણિક જ્ઞાન પણ વધારાય છે. હવે તો ઠેર-ઠેર રંગીન ટી.વી. બનાવાય છે. દરેક પ્રાંતિય ભાષામાં અલગ-અલગ ચેનલો હોય છે. આ ચેનલો દ્વારા આપણા ઘરમાં જ બેસીને દેશ પરદેશની સંસ્કૃતિઓ વિશે જાણકારી પ્રાપ્ત કરી શકીએ છીએ. ફક્ત જાણકારી જ નહીં તેના દ્વારા ખૂબ આનંદ પણ લેવાય છે.

कनु : टी.वी. द्वारा शैक्षिणिक ज्ञान भी बढ़ाया जाता है। अब तो हर-जगह रंगीन टी.वी. बनाए जाते हैं। हर प्रांतीय भाषा में अलग-अलग चेनलें होती हैं। इन चेनलों के द्वारा हम अपने घर में ही बैठ कर देश-परदेश की संस्कृतियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ जानकारी ही नहीं इन के द्वारा बहुत आनंद भी लिया जाता है।

સુરેશ : ટી.વી. સ્ટુડિયોમાં કેવો હોય છે?

सुरेश : टी.वी. स्टुडियो कैसा होता है?

કનુ : ટી.વી. સ્ટુડિયો કેમેરા, માઈક્રોફોન તથા લાઈટોથી ભરેલો હોય છે. બધા જ કાર્યક્રમો સ્ટુડિયોમાં જ તૈયાર કરાતા નથી. કેટલાક કાર્યક્રમોનું સીધું પ્રસારણ કરાય છે. કેટલાક કાર્યક્રમો આગળથી રેકૉર્ડ કરેલા હોય છે. કેટલાક કાર્યક્રમો સ્ટુડિયોની બહાર બનાવાતા હોય છે.

कनु : टी.वी. स्टुडियो में कैमरा, माइक्रोफोन एवं लाइटों से भरा हुआ होता है। सभी कार्यक्रम स्टुडियो में ही बनाए नहीं जाते। कुछ कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाता है। कुछ कार्यक्रम पहले से भी रेकॉर्ड किए हुए होते हैं। कुछ कार्यक्रम स्टुडियों के बाहर भी बनावाए जाते हैं।

સુરેશ : પછી શું?

सुरेश : फिर क्या?

કનુ : ટી.વી. કેન્દ્ર જોયા પછી અમને નાસ્તો કરાવવમાં આવ્યો. ત્યાં આપેલો નાસ્તો મારાથી ખવાયો નહીં. ઘનશ્યામ થાકી ગયેલો. મને કહે મારાથી હવે ચલાશે નહીં, ગૃહકાર્ય પણ થશે નહીં. આજના કાર્યક્રમ પર નિબંધ પણ લખાશે નહીં અને કાલે શાળાએ પણ અવાશે નહીં.

સુરેશ : એ તો છે જ એવો. પણ શું તું નથી માનતો કે દૂરદર્શન કેન્દ્રનો કાર્યક્રમ તમારા માટે ખૂબ જ જ્ઞાનવર્ધક હતો.

કનુ : જરૂર. અમે ઘણું બધું શીખ્યા.

સુરેશ : તમે લોકો ક્યારે પાછા આવ્યા?

કનુ : ડાયરેક્ટર સાહેબનો આભાર વ્યકત કરી દેસાઈ સાહેબ અમને છ વાગ્યે શાળાએ પાછા લઈ આવ્યા.

સુરેશ : ખૂબ સરસ. તો આ પ્રમાણે કાલનો દિવસ તમારા દ્વારા જ્ઞાન અને ગમ્મત માટે વિતાવાયો.

कनु : टी.वी. केंद्र देखने के बाद हमें नाश्ता करवा गया। वहाँ दिया गया नाश्ता मुझ से नहीं खाया गया। घनश्याम थक गया था। मुझ से बोला, "मुझ से अब चला नहीं जाएगा। गृह कार्य भी नहीं होगा। आज के कार्यक्रम पर भी नहीं लिखा जाएगा और कल पाठशाला में भी नहीं आ पाऊँगा।

सुरेश : वह तो है ही ऐसा। लेकिन क्या तुम नहीं मानते कि दूरदर्शन केंद्र का कार्यक्रम तुम्हारे लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक था?

कनु : ज़रूर। हमने बहुत कुछ सीखा।

सुरेश : आप लोग कब लौटे?

कनु : डाइरेक्टर साहब का आभार व्यक्त कर देसाई साहब हमें छह बजे पाठशाला वापस ले आए।

सुरेश : बहुत अच्छा। तो इस प्रकार कल का दिन आपके द्वारा ज्ञान और गम्मत के लिए बिताया गया।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**હિંદી અર્થ**
ટી.વી. કેન્દ્ર	दूरदर्शन केन्द्र
સંદર્શન	संदर्शन
દૂરદર્શન	दूरदर्शन केंद्र
મંજૂરી	स्वीकृति
મારફતે	द्वारा
હરોળ	कतार
ફેરિયો	बेच ने वाला/ फेरीवाला
મોકલાવેલ	भेजे गए

માહિતી	जान कारी
આખા	सारे
નિરાંત	आराम
ચેનલ	चेनल
વધારવું	बढ़ाना
સીધું	सीधा
બહાર	बाहर
આગળથી	पहले से
ખવાયો	खाया जाना
ગૃહકાર્ય	गृहकार्य
માનવું	मानना
આભાર માનવો	आभार व्यक्त करना
જ્ઞાનવર્ધક	ज्ञानवर्धक/ज्ञान बढाने वाला
ગમ્મત	गम्मत
વિતાવવું	बिताना

અભ્યાસ

I નીચે આપેલાં વાક્યોનો અભ્યાસ કરો.

1. 1) ચાર વાગે બસ મારફતે અમને લઈ જવાયા.
2) મારાથી ઘરનું કામ કરાશે નહીં.
3) તમારાથી ફેરિયા પાસેથી કંઈ ખરીદાય નહીં.
4) જતાં પહેલાં તેમના દ્વારા અમને સૂચનાઓ અપાઈ.
5) તમારાથી ફૂલો તોડાય નહીં.
6) તમારાથી ઘરનું કામ થશે નહીં.
7) આપેલો નાસ્તો મારાથી ખવાયો નહીં.
8) ટી.વી. દ્વારા પશુપંખીઓ વિશે માહિતી મેળવાય છે.
9) ડિરેકટરે મોકલેલ માણસ દ્વારા માહિતી અપાઈ.
10) ટી.વી. વડે શૈક્ષણિક જ્ઞાન વધારાય છે.
11) કાલનો દિવસ તમારા દ્વારા જ્ઞાન અને ગમ્મત માટે વિતાવાયો.

2. 1) મારાથી ચલાશે નહીં.
2) મારાથી લખાશે નહીં.
3) મારાથી બોલાશે નહીં.
4) મારાથી કાલે શાળાએ અવાશે નહીં.

II વાક્યમાં રેખાંકિત શબ્દોની જગ્યાએ આપેલા પ્રત્યેક શબ્દનો ઉપયોગ કરી વાક્યો બનાવો.

1) ટી.વી. દ્વારા શૈક્ષણિક જ્ઞાન વધારાય છે. (સુધારાય, અપાય, મેળવાય)
2) બસ મારફતે અમને લઈ જવાયા. (લઈ અવાયા, બોલાવાયા, ફેરવાયા)
3) મારાથી ચલાશે નહીં. (ખવાશે, જવાશે, મળાશે)

III કૌંસમાં આપેલા શબ્દોના ઉપયુક્ત રૂપોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) તમારાથી આજકાલ બહારનું _______ રહ્યું છે. (ખા)
2) ગઈકાલે તમારાથી ઘરે ન ______ . (રહે)
3) મારાથી ગુરૂકૃપામાં _______ . (જા)
4) કવિતાથી વધારે ______ નહીં. (ભણ)
5) મારાથી ઘણે દિવસે રમણને ______ . (જો)
6) ભગવાનથી જ એનો જવાબ _______. (આપ)
7) તેનાથી લગ્નમાં _______ હતું. (જા)
8) તમારાથી હાથમાં ચીજો લઈને _______ હશે. (આવ)

IV કૌંસમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થક ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) જોન લોગી બાયર્ડ દ્વારા ટી.વી.ની શોધ _______. (की गई)
2) ટી.વી. દ્વારા પશુપંખીઓ વિશે માહિતી ________ છે. (पाई जाती)
3) તમારાથી ફેરિયા પાસેથી કંઈ _________ નહીં. (खरीदा जाये)
4) મારાથી આપેલો નાસ્તો _______ નહીં. (खा या गया)
5) તમારાથી ફૂલો _______ નહીં. (तोडे जाये)
6) ગઈકાલે તમારાથી મારા ઘરે ન _______? (आया गया)

V ઉદાહરણ પ્રમાણે આપેલાં દરેક વાક્યનાં બે-બે વાક્યો લખો.

ઉદાહરણઃ તમારાથી ફૂલો તોડાય નહીં.
તમારાથી ફૂલો તોડાયા નહીં.
તમારાથી ફૂલો તોડાશે નહીં.

1\. 1) મારાથી આપેલો નાસ્તો ખવાતો નથી.
2) તેનાથી કચરોપૂંજો કાઢી લેવાય છે.
3) કિરણથી મિનિટના પાંસઠ શબ્દોની ઝડપથી ટાઈપિંગ કરાય છે.
4) ટી.વી. કેન્દ્ર દ્વારા કેટલાક કાર્યક્રમોનું સીધુ પ્રસારણ કરાય છે.
5) અભયથી ઊંધિયું ખવાય છે.
6) બ્રાહ્મણથી હરિહરિ વદાય છે.
7) ગુજરાતીઓ દ્વારા ગરબા રમાય છે.

2. ઉદાહરણઃ તમે જોરજોરથી વાત નહીં કરી શકો.
તમારાથી જોરજોરથી વાત કરી શકાશે નહીં.

1) ફેરિયાઓ પાસેથી તમે કંઈ ખરીદશો નહીં.
2) બગીચાનાં ફૂલો તમે તોડશો નહીં.
3) મેં નાસ્તો ખાધો નહીં.
4) હું હવે ચાલીશ નહીં.
5) હું ઘરકામ કરીશ નહીં.
6) તેણે કચરો-પૂંજો કાઢી લીધો હશે.
7) પક્ષી આકાશમાં ઉડી શકે છે.
8) હું હોટલમાં જમી રહ્યો છું.

3. ઉદાહરણઃ સુગંધા અને કલ્પેશથી પોસ્ટ ઓફિસમાં જવાય છે.
સુગંધા અને કલ્પેશ પોસ્ટ ઓફિસમાં જાય છે.

1) પક્ષીથી આકાશમાં ઉડી શકાય છે.
2) રસીલાભાભીથી દિવાળીનો નાસ્તો બનાવાય છે.
3) શીતલથી પરબીડિયાં ખરીદાય છે.
4) છાપાંમાંથી રમણથી જાહેરખબરો વંચાય છે.
5) અરૂણાથી મોટર સાથે ભટકાઈ જવાયું.
6) દાક્તર દ્વારા અરૂણાનો પ્રાથમિક ઉપચાર કરાયો.
7) અમારાથી ગાંધીનગર ત્રણ કલાકમાં પહોંચાયું.
8) આપણાથી સાત દિવસમાં પ્રવાસ પૂરો કરાશે.
9) કાજલથી માસીને ત્યાં જમી લેવાયું.
10) સેજલથી પાડોશીઓનો પરિચય કરાશે.
11) શિવનાથથી રમણને નોકરી અપાઈ.
12) મોરારી બાપુથી કથા વંચાય છે.
13) મહેશથી જલેબી ખવાય છે.
14) બાથી મને બદામનો શીરો અપાયો.

4. ઉદાહરણઃ કનુ ચાલે છે.
કનુથી ચલાય છે.
કનુથી ચાલાતું નથી.

1) દેસાઈ સાહેબ બોલે છે.
2) સુરેશ આવે છે.
3) ઘનશ્યામ લખે છે.
4) ડિરેકટર આવે છે.
5) પંખી ઉડે છે.

VI ઉદાહરણ પ્રમાણે આપેલાં નકારાત્મક વાક્યોને હકારાત્મક વાક્યમાં ફેરવો.

ઉદાહરણઃ તમારાથી જોરજોરથી વાત કરી શકાશે નહીં.
તમારાથી જોરજોરથી વાત કરી શકાશે.

1) નિર્દેશકથી ગુજરાતી ફિલ્મમાં હિન્દી કલાકારોને પસંદ કરાતા નથી.
2) અમારાથી ફિલ્મ જોવા જવાયું નહીં.
3) તેનાથી કંઈ ખવાયું-પીવાયું નથી.
4) કનુથી નિબંધ લખાશે નહીં.
5) ઘનશ્યામથી આજે ચલાતું નથી.
6) ટી.વી. દ્વારા બધા કાર્યક્રમો તૈયાર કરાતા નથી.
7) દાદીમાથી મલયને વઢાતું નથી.
8) મારાથી નિયમિત નિશાળે જવાતું નથી.

VII ઉદાહરણ પ્રમાણે કૌંસમાં આપેલા પ્રશ્નવાચક શબ્દોનો ઉપયોગ કરી આપેલાં વાક્યોને પ્રશ્નવાચકમાં ફેરવો.

ઉદાહરણઃ મારાથી કાલે શાળાએ જવાશે નહીં. (ક્યારે)
ક્યારે તમારાથી શાળાએ જવાશે નહીં?

1) કેટલાક કાર્યક્રમો સ્ટુડિયોની બહાર તૈયાર કરાય છે. (ક્યાં)
2) ટી.વી. દ્વારા પશુપંખીઓ વિશે માહિતી મેળવાય છે. (શું)
3) ડિરેક્ટરે મોકલેલા માણસ દ્વારા માહિતી અપાઈ. (કોના)
4) તમારાથી ફેરિયા પાસેથી કંઈ ખરીદાય નહીં. (કોની)
5) આખા વિશ્વ દ્વારા ટી.વી.નો ઉપયોગ કરાય છે. (શાનો)
6) તેમના દ્વારા ટી.વી. વિશેની માહિતી અપાઈ. (કઈ)
7) આપેલો નાસ્તો કનુથી ખવાયો નહીં. (કોનાથી)

વાંચો અને સમજો

અહેવાલ લેખન

પ્રેષકઃ
શ્રીમતી સુશીલા બી. પરમાર
આચાર્ય,
શારદા વિદ્યામંદિર,
અમલસાડ. (જિ.વલસાડ)
તા.૬-૩-૨૦૦૫

પ્રતિ,
તંત્રીશ્રી,
ગુર્જર સમાચાર,

અંદેશ કાર્યાલય,
ભરૂચ.

વિષય:- શાળામાં ઉજવવામાં આવેલ વાર્ષિક દિનનો અહેવાલ અખબારમાં છાપવા બાબત.

મહાશય,

સવિનય નિવેદન કરવાનું કે આ સાથે મોકલેલ અમારો શાળાની ઉપરોક્ત વિષય બાબતની વિગત આપના સમાચાર પત્રમાં વિના મૂલ્યે છાપી મોકલશો. અહેવાલની વિગત નીચે મુજબ છે.

"તારીખ ૫-૩-૨૦૦૫ ના રોજ શાળાનો વાર્ષિક ઉત્સવ ઉજવાયો. તે નિમિત્તે શાળામાં સ્વયંશિક્ષક દિનની ઉજવણી કરાઈ. શાળાના વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા આ પ્રવૃત્તિનું સંચાલન કરાયું હતું. આચાર્યશ્રી, શિક્ષકો, પટાવાળા તથા સફાઈ કામદાર તરીકેની જવાબદારી પણ વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા સંભાળાઈ હતી. ઉજવણીને અંતે સમૂહમાં ફોટો પડાવાયો હતો. ઉત્તમ શિક્ષક, ઉત્તમ પટાવાળા, ઉત્તમ સફાઈ કામદાર માટે પસંદગી કરવામાં આવી હતી. આચાર્યની ફરજ બજાવનાર વિદ્યાર્થી દ્વારા ઈનામ વિતરણ કરાયું હતું. ઈનામો માટેની પસંદગી નિર્ણાયકશ્રી દ્વારા કરાઈ હતી. નિર્ણાયકની જવાબદારી મેયરશ્રીએ સંભાળી હતી. ભાગ લેનાર વિદ્યાર્થીઓને મેયરશ્રી વડે અભિનંદન અપાયા હતા. કાર્યક્રમને અંતે સમૂહભોજન પણ રખાયું હતું."

ઉપરોક્ત અહેવાલ આપના સમાચાર પત્રમાં આવતા અઠવાડિયામાં છાપી મોકલશો.

આભાર સહ.

સુ.બી.પરમાર
આચાર્ય,
શારદા વિદ્યામંદિર,
અમલસાડ.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**હિંદી અર્થ**
તંત્રી	संपादक
ઉપરોક્ત	उपरोक्त
છાપવું	छापना
અહેવાલ	क्रमबद्ध वर्णन
વિગત	विवरण
મુજબ	अनुसार
વિના મૂલ્ય	बिना शुल्क
પટાવાળા	नौकर/चपरासी

સંભાળવું	संभालना
ઈનામ	इनाम
વિતરણ	बाँटना

અભ્યાસ

I ફકરાને આધારે નીચેના પ્રશ્નોના જવાબ આપો.

1) શાળામાં કયો કાર્યક્રમ ઉજવવામાં આવ્યો?
2) વિદ્યાર્થીઓએ કઈ કઈ જવાબદારી સંભાળી હતી?
3) ઈનામ વિતરણ કોણે કર્યું?
4) નિણાર્યક તરીકે કોણ આવ્યું હતું?
5) ઉજવણીની અંતમાં કયો કાર્યક્રમ ઉજવવામાં આવ્યો હતો?

II ફકરાને ધ્યાનમાં રાખીને આપેલી ઘટનાઓને તેના ક્રમમાં ગોઠવો.

1. ફોટો પડાવાયો, ઈનામ વિતરણ, અભિનંદન અપાયા, ભોજન કરાયું.

2. ઉપરોક્ત શબ્દોનો વાક્યોમાં ઉપયોગ કરો.

III હિન્દીમાં અનુવાદ કરો.

ગુજરાતી સાહિત્યમાં સાહિત્યકારોને ઉત્તમ સર્જન માટે અનેક સંસ્થાઓ દ્વારા વિવિધ પુરસ્કારો અપાય છે. ગુજરાતી સાહિત્યમાં આદિકવિ નરસિંહ મહેતાની સ્મૃતિમાં નરસિંહ મહેતા પુરસ્કાર આપવામાં આવે છે. આ પુરસ્કાર મેળવનારાઓમાં રાજેન્દ્ર શાહ, ઉશ્નશ, રમેશ પારેખ વગેરે સાહિત્યકારો છે. રણજિતરામ સુવર્ણ ચંદ્રક રણજિતરામ વાવાભાઈની સ્મૃતિમાં અર્પણ કરાય છે. પ્રથમ રણજિતરામ સુવર્ણ ચંદ્રક 'રાષ્ટ્રીય શાયર' કવિશ્રી ઝવેરચંદ મેઘાણીને એનાયત કરાયો છે. નર્મદ સુવર્ણ ચંદ્રક આપણા અર્વાચીનોમાં આદ્ય એવા કવિશ્રી નર્મદની સ્મૃતિમાં અર્પણ કરાય છે. દર્શક એર્વાડ ગુજરાતીના પ્રસિદ્ધ નવલકથાકાર અને તત્ત્વચિંતક સ્વ. મનુભાઈ પંચોળીની સ્મૃતિમાં એનાયત કરવામાં આવે છે. રામનારાયણ વિશ્વનાથ પાઠક પુરસ્કાર. આ પુરસ્કાર કવિશ્રી રા.વિ.પાઠકની સ્મૃતિમાં સ્થાપિત કરાયો છે. શ્રી મહાદેવભાઈ દેસાઈ સમાજસેવા પુરસ્કાર ગાંધીજીના 'રહસ્ય મંત્રી'- મહાદેવભાઈ દેસાઈની સ્મૃતિમાં એનાયત કરાય છે. વિવેચન પુરસ્કાર ગુજરાતીના પ્રસિદ્ધ વિવેચક પ્રમોદકુમાર પટેલની સ્મૃતિમાં આપે છે. આ ઉપરાંત ગૌરવ પુરસ્કાર, સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કાર અને ધૂમકેતુ પુરસ્કાર વગેરે જેવા પુરસ્કારથી સાહિત્યકારોની સાહિત્યસેવાને બિરદાવામાં આવે છે.

આ ઉપરાંત ભારતીય સાહિત્યમાં રાષ્ટ્રીય કક્ષાએ દરેક ભાષામાં પણ વિવિધ પુરસ્કારો અપાય છે. જેમાંથી સાહિત્ય અકાદમી દિલ્હી દ્વારા અકાદમી

પુરસ્કાર અપાય છે. દરવર્ષે બધી ભારતીય ભાષાઓમાંથી એક ઉત્તમ સાહિત્ય કૃતિને જ્ઞાનપીઠ પુરસ્કાર અપાય છે. જ્ઞાનપીઠ પુરસ્કાર ભારતીય સાહિત્યમાં એક વિશિષ્ટ પુરસ્કાર ગણાય છે. જે ગુજરાતી સાહિત્યમાં સૌ પ્રથમ કવિશ્રી ઉમાશંકર જોશીને તેમના કાવ્યસંગ્રહ 'નિશીથ' માટે અપાયો હતો. તે પછી ગુજરાતી સાહિત્યના પ્રાદેશિક નવલકથાકાર પન્નાલાલ પટેલને તેમની નવલકથા 'માનવીની ભવાઈ' માટે અપાયો હતો. ત્યારબાદ તાજેતરમાં જ કવિશ્રી રાજેન્દ્ર શાહને તેમના સમગ્ર સાહિત્ય સર્જન માટે જ્ઞાનપીઠ પુરસ્કાર એનાયત થયો છે. ગુજરાતી સાહિત્યમાં આ એક મોટી ઘટના હતી. આમ, ગુજરાતી સાહિત્યમાં વિવિધ સાહિત્યકારોને વિવિધ પુરસ્કારોથી નવાજવામાં આવે છે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
ઉત્તમ	उत्तम
સર્જન	सर्जन
સ્મૃતિ	स्मृति/याद
અર્પણ	अर्पण
એનાયત	इनायत/प्रदान
અર્વાચીન	अर्वाचीन/आधुनिक
સ્થાપિત	स्थापित
વિવેચન	आलोचना/विवेचन
વિવેચક	आलोचक/विवेचक
બિરદાવવું	प्रोत्साहित करना
કક્ષાએ	स्तर पर
દર વર્ષે	हर साल
ગણાય છે	गिना जाता है
સૌ પ્રથમ	सब से पहले
પ્રાદેશિક	प्रादेशिक/आंचलिक
નવલકથા	उपन्यास
નવાજવું	नवाज़ना/अभिवादन करना

IV ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

बाबा साहब अंबेडकर का नाम सब जानते हैं। वे एक महान सुधारवादी नेता थे। उनके द्वारा किए गए महान कार्या कभी नहीं भूला जाएगा। उनके द्वारा किए गए दलित समाज के उत्थान का काम सदा याद रखा जाएगा।

डॉ.अंबेडकर को ज्योति बा फुले से जो मार्ग दर्शन मिला उससे उनका मार्ग सदा

प्रशस्त हुआ। जो काम ज्योति बा फुले द्वारा नहीं किया जा सका उसे डॉ.अंबेडकर ने पूरा कर दिया।

डॉ.अंबेडकर के द्वारा भारत के संविधान के निर्माण में दिया गया महान योगदान कभी भी नहीं भूला जाएगा।

दलित समाज में डॉ.अंबेडकर का जितना सम्मान किया जाता है उतना अन्य किसी भी नेता का नहीं।

यद्यपि गाँधीजी और डॉ.अंबेडकर के विचारों में थोड़ी बहुत भिन्नताएँ थीं तद्यपि तद्यपि दोनों के द्वारा एक ही लक्ष्य पर काम किया गाया। दोनों के द्वारा दलितोत्थान केलिए किए गए कार्य भारतीय कभी नहीं भूलेंगे।

डॉ.अंबेडकर संघर्ष शील नेता थे। उन्होंने अपने अनुयाइयों से कहा था कि मुझे कितनी ही कठिनाइयों का सामना क्यों न करना पड़े, अपना लक्ष्य पूरा किए बिना मुझ से चुप नहीं बैठा जाएगा। अपनी मृत्यु के पूर्व उन्होंने अपने अनुयाइयों को संदेश दिया कि, मेरे द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यों को जारी रखा जाए, जो उन्हें पूरा करेगा वही मेरा सच्चा अनुयायी कहलाएगा।

શબ્દાર્થ

હિંદી શબ્દ	**ગુજરાતી અર્થ**
सुधारावधि	સુધારાવાદી
दलित	દલિત
उत्थान	ઉત્થાન
मार्गदर्शन	માર્ગદર્શન
शेष	શેષ/બાકી
संविधान	બંધારણ
निर्माण	નિર્માણ
योगदान	યોગદાન
सम्मान	સમ્માન
भिन्नता	ભિન્નતા
संधर्षशील	સંઘર્ષશીલ
संदेश	સંદેશ
अनुयायी	અનુયાયી
सावो	સાચો
कहेवाशे	કહેવાશે

V રેડિયો પર સાંભળેલ સમાચાર વિશે કર્મણી પ્રયોગ કરી ગુજરાતીમાં એક ફકરો લખો.

टिप्पणियाँ

I पाठ 2 से 22 तक आप को विविध प्रकार के वाक्यों से परिचित किया गया है।

1)	અભયની વર્ષગાંઠ બારમી માર્ચે છે.	अभय की सालगिरह बारह मार्च हैं।
2)	આજકાલ બહારનું ખાઈ રહ્યા છો.	आजकल बाहर का खा रहा हूँ।
3)	ગઈકાલે તમે ઘરે ન હતા.	कल आप घर पर नहीं थे।
4)	મામાએ મારો પક્ષ લીધો.	मामाने मेरा पक्ष लिया।
5)	રમણ ઘણા દિવસે તને જોયો.	रमन ने बहुत दिन के बाद तुम्हें देखा।
6)	હું ગુરૂકૃપામાં જઈ રહ્યો હતો.	मैं गुरुकृपा में जा रहा था।
7)	ત્યાં ઘણા ફરવા જવા જેવા સ્થળો છે.	वहाँ घूमने योग्य बहुत स्थल है।
8)	આપણે ઉત્તર ગુજરાતનો પ્રવાસ ગોઠવીશું.	हम उत्तर गुजरात के प्रवास का आयोजन करेंगे।
9)	જે ભણે તેને શાબાશી મળતી હતી.	जो पढता था उसे शाबाशी मिलती थी।
10)	એક મિનિટના પાંસઠ શબ્દોની ઝડપથી ટાઈપિંગ કરી શકું છું.	एक मिनिट में पाँसठ शब्दों की गति से टाइपिंग कर सकता हूँ।

उपर्युकत सभी वाक्यों में कर्ता को प्रधानता दी गई है। ये वाक्य कर्तृवाच्य के हैं।

II इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

1.

1)	ચાર વાગ્યે અમે બસ મારફતે લઈ જવાયા.	चार बजे हम बस द्वारा ले जाए गए।
2)	મારાથી ઘરનું કામ કરાશે નહીં.	मुझ से घर का काम किया नहीं जाएगा।
3)	આપણાથી ઉત્તર ગુજરાતનો પ્રવાસ ગોઠવાશે.	हम से उत्तर गुजरात का प्रवास आयोजित की जाएगी।

उपर्युक्त वाक्यों में कर्म को प्रधानता दी गई है। ये वाक्य कर्मवाच्य के हैं। गुजराती में कर्तृवाच्य के वाक्य किस प्रकार कर्मवाच्य के वाक्य बनते हैं, यह नीचे दिखाया गया है।

1)	જતાં પહેલાં તેમણે અમને સૂચનાઓ આપી. (કર્તરિ)	जाने से पहले उन्होंने हमें सूचनाएँ दीं। (कर्तृवाच्य)
2)	જતાં પહેલાં તેમનાથી અમને સૂચનાઓ અપાયી. (કર્મણિ)	जाने से पहले उन के द्वारा हमें सूचनाएँ दी गई (कर्मवाच्य)
3)	તમારે ફેરિયા પાસેનું કંઈ ખરીદવું નહીં. (કર્તરિ)	तुम फेरीवालों से कोई चीजें खरीदना नहीं। (कर्तृवाच्य)
	તમારાથી ફેરિયા પાસેનું કંઈ ખરીદાશે નહીં. (કર્મણિ)	तुम से फेरीवालों से कोई चीज़ें नहीं खरीदी जाएँगी। (कर्मवाच्य)

4)	દૂરદર્શન કેટલાક કાર્યક્રમોનું સીધુ પ્રસારણ કરે છે. (કર્તરિ)	दूरदर्शन कुछ कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण करता है। (कर्तृवाच्य)
	દૂરદર્શન દ્વારા કેટલાક કાર્યક્રમોનું સીધુ પ્રસારણ કરાય છે.(કર્મણિ)	दूरदर्शन द्वारा कुछ कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाता है। (कर्मवाच्य)
5)	મેં નાસ્તો ખાધો નહીં. (કર્તરિ)	मैंने नाश्ता नहीं किया (खाया)। (कर्तृवाच्य)
	મારાથી નાસ્તો ખવાયો નહીં.(કર્મણિ)	मुझ से नाश्ता किया/खाया नहीं गया। (कर्मवाच्य)

कर्मवाच्य की क्रिया, मूल क्रिया में 'આ' (आ) जोडने से बनती हैं। इस के पश्चात् काल, लिंग, वचन आदि के अनुसार अन्य प्रत्यय लगते हैं।

ખરીદ+ આ+ યો = ખરીદાયો (પું. એ. વ.)
खरीद + आ + यो = खरीदायो (पु.ए.व.)
મારાથી કાગળ ખરીદાયો. (પું. બ. વ.)
मुझ से कागज खरीदा गया।
મારાથી કાગળ ખરીદાયા.
मुझ से कागज खरीदे गए। (पु.ब.व.)

ખરીદ+ આ+ ઈ = ખરીદાઈ (સ્ત્રી. બ. વ.)
खरीद + आ + ई = (स्त्री.ए.व.)
મારાથી સાડી ખરીદાઈ.
मुझ से साड़ी खरीदी गई। (स्त्री.ए.व.)
મારાથી સાડીઓ ખરીદાઈ
मुझ से साडीयाँ खरीदी गईं। (स्त्री.ब.व.)

ખરીદ+ આ+ યું = ખરીદાયું (નપું. એ. વ.)
खरीद + आ + युं = खरीदायुँ (नपुं.ए.व.)
મારાથી પુસ્તક ખરીદાયું.
मुझ से पुस्तक खरीदी गइ।
મારાથી પુસ્તક ખરીદાયાં. (નપું. બ. વ.)
मुझ से पुस्तकें खरीदी गईं।

ध्यान दें कि जब मूल क्रिया स्वरांत हो तब कर्मवाच्य प्रत्यय 'આ' (आ) जोडने के पहले 'વ' (व) जोड़ा जाता है।

જા - જવા
ખા - ખવા
પી - પીવા

जब मूल क्रिया आकारांत हो तब 'આ' (आ) का 'અ' (अ) बन जाता है और उस के

बाद 'વ' (व) तथा कर्मवाच्य प्रत्यय 'આ' (आ) जोडा जाता है।

ગા - ગવા
ખા - ખવા
આ - અવા

II

1)	મારાથી હવે ચલાશે નહીં.	मुझ से अब चला नहीं जाएगा।
2)	મારાથી કાલે શાળાએ પણ અવાશે નહીં.	मुझ से कल शाला में आया नहीं जाएगा।

उपर्युक्त वाक्यों में भाव को प्रधानता दी गई है। ये वाक्य भाववाच्य के हैं। सामान्यतः अकर्मक क्रिया के कर्तृवाच्य वाक्यों को ऐसे भाववाच्य में बदला जाता है। ऐसे वाक्य अकसर निषेधात्मक होते हैं। भाववाच्य के वाक्य प्रायः अशक्तता का बोध कराते हैं।

હું બેસી શકતો નથી.	मै बैठ नहीं सकता।
મારાથી બેસાતું નથી.	मुझसे बैठा नहीं जाता।

ध्यान दीजिए कि कर्मवाच्य तथा भाववाच्य के वाक्यों में कर्ता करण कारक में होता है। इस के साथ 'થી' (थी), या 'વડે' (वड़े) या 'દ્વારા' (द्वारा) परसर्ग जुड़ते हैं।

1.	1)	તેમના દ્વારા માહિતી અપાઈ હતી.	उन के द्वारा जानकारी दी गई थी।
	2)	ટી.વી. વડે શૈક્ષણિક જ્ઞાન વધારાય છે.	टी.वी. के द्वारा शैक्षणिक ज्ञान बढ़ाया जाता है।
	3)	મારાથી આપેલો નાસ્તો ખવાયો નહીં.	मुझ से नाश्ता नहीं खाया गया।
2.			
	1)	મારાથી બોલાશે નહીં.	मुझ से बोला नहीं जाएगा।
	2)	મારાથી લખાશે નહીં.	मुझ से लिखा नहीं जाएगा।

गुजराती में सामान्यतः कर्तृवाच्य के वाक्यों का ही प्रयोग होता है। कर्म तथा भाववाच्य के प्रयोग कम होते हैं। इस प्रकार के प्रयोग अखबार, वैज्ञानिक परिभाषा, टी.वी., रेड़िओ, सरकारी आदेश तथा औपचारिक प्रसंगो में होते हैं।

પાઠ
पाठ 24

એક મુલાકાત

ગૌતમ : અજિતભાઈ નમસ્કાર.

અજિતભાઈ : આવો, આવો. ગૌતમભાઈ નમસ્કાર. હું તમારી જ પ્રતીક્ષા કરી રહ્યો છું.

ગૌતમ : મને અહીં પહોંચવામાં થોડું મોડું થઈ ગયું. તમારે પ્રતીક્ષા કરવી પડી, તે માટે માફ કરો.

અજિતભાઈ : ના, ના. કંઈ વધારે મોડું નથી થયું. તમે એના વિશે કંઈ વિચાર કરશો નહીં. તમે પહેલાં ચા પી લો. પછી ચર્ચા કરીશું.

ગૌતમ : આભાર સર. આમ તો હું ઘરેથી ચા પીને જ નીકળ્યો હતો. પહેલાં ચર્ચા કરી લઈએ પછી ચા પી લઈશું.

અજિતભાઈ : સારું જેવી તમારી ઈચ્છા.

ગૌતમ : આપને શ્રેષ્ઠ પાર્શ્વ ગાયકનો પુરસ્કાર મળ્યો. પહેલાં તો તમે આના માટે મારા અભિનંદન સ્વીકારો.

અજિતભાઈ : ધન્યવાદ. આ પુરસ્કાર તો મારા પ્રસંશકોની શુભકામનાઓનું ફળ છે. તેથી અભિનંદનના સાચા હકદાર તો તેઓ જ છે.

एक साक्षात्कार

गौतम : अजित भाई नमस्कार।

अजित भाई : आइए-आइए, गौतम भाई, नमस्कार। मैं आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

गौतम : मुझे पहुँचने में थोड़ी सी देरी होगई। आप को प्रतीक्षा करनी पड़ी, इसके लिए क्षमा करे।

अजित भाई : नहीं-नहीं, कुछ अधिक देरी नहीं हुई। आप इसके लिए कुछ विचार नहीं करें। आप पहले चाय पी लीजिए फिर चर्चा करेंगे।

गौतम : धन्यवाद सर। वैसे मैं घर से चाय पीकर ही चला था। पहले चर्चा कर लेते हैं। बाद में चाय पी लेंगे।

अजित भाई : ठीक है। जैसी तुम्हारी इच्छा।

गौतम : आपको श्रेष्ठ पार्श्व गायक का पुरस्कार मिला। पहले तो आप इसके लिए मेरी बधाई स्वीकारें।

अजित भाई : धन्यवाद। यह पुरस्कार तो मेरे प्रशंसकों की शुभकामनाओं का फल है। इसलिए बधाई के वास्तविक हकदार तो वे ही हैं।

ગૌતમ : આપને શ્રેષ્ઠ પાર્શ્વ ગાયક તરીકેનું જે બહુમાન મળ્યું છે તેથી આપ કેવી લાગણી અનુભવી રહ્યા છો?

અજિતભાઈ : ગૌતમભાઈ હું ગદ્‌ગદ્‌ છું. મારું હૈયું લાગણીથી ભરાઈ આવે છે. મારાથી બોલાતું નથી.
(થોડીવાર રહીને)

ગૌતમ : તમે સંગીતકારના આ શ્રેષ્ઠ પદ સુધી કઇ રીતે પહોંચ્યા? તેનું શ્રેય કોને આપો છો? કહેવાય છે કે પ્રત્યેક સફળ પુરુષની પાછળ એક સ્ત્રીનો હાથ હોય છે.

અજિતભાઈ : તદ્દન સાચું છે. ગાયકી મને વારસા રૂપે મારી માતા પાસેથી મળી છે. તે સવાર સવારમાં સુરીલા અવાજે ભજન ગાતાં ગાતાં ઘરનું કામ કરતી રહેતી હતી. નાનપણથી જ તેમનાં મધુર ભજન સાંભળી સાંભળીને મારામાં સંગીતનું બીજારોપણ થયું.

ગૌતમ : તમારી માતા સિવાય શું અન્ય કોઈનો પ્રભાવ પણ આપની પર પડ્યો છે?

અજિતભાઈ : હા, મારી શાળાનાં સંગીત શિક્ષિકા હંસાબહેનનો મારા પર ઘણો પ્રભાવ પડ્યો. પહેલાં તે પોતે ગાતાં હતાં પછી મારી પાસે ગવડાવતાં હતાં. હંસાબહેને મારા સ્વરોને સંવાર્યા અને સુધાર્યા. જેમ જેમ મારો મહાવરો વધતો ગયો તેમ તેમ મારી ગાયકીમાં સુધાર આવતો ગયો. હંસાબહેને

गौतम : आपको श्रेष्ठ पार्श्व गायक के रूप में जो सम्मान मिला है इस से आप कैसा अनुभव कर रहे हैं?

अजित भाई : गौतम भाई, मैं गद्‌गद हूँ। मेरे हृदय भावनाओं से भर आता है। मुझ से बोला नहीं जाता।
(थोड़ी देर बाद)

गौतम : आप संगीत कार के उस श्रेष्ठ पद तक कैसे पहुँचे? उसका श्रेय आप किसे देते हैं। कहा जाता है कि प्रत्येक सफल पुरुष के पीछे एक स्त्री का हाथ होता है।

अजित भाई : बिलकुल सही है। गायकी मुझे उत्तराधिकार के रूप में आपनी माँ से मिली है। वे सुबह-सुबह सुरीली आवाज में भजन गाती-गाती घर का काम करती रहती थी। बचपन से ही उनके मधुर भजन सुन-सुनकर मुझ में संगीत का बीजारोपण हुआ।

गौतम : आपकी माता के अलावा क्या अन्य किसी का भी प्रभाव आप पर पड़ा है?

अजित भाई : हाँ, मेरी पाठशाला की संगीत शिक्षिका हंसाबेन का मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा। पहले वे खुद गाती थी फिर मुझ से गवाती थीं। हंसा बेन ने मेरे स्वरोंको संवारा और सुधारा। जैसे-जैसे मेरा अभ्यास बढ़ता गया वैसे-वैसे मेरी गायकी में निखार आता गया। हंसा बहन ने शाला में समय-समय पर होने वाले कार्यक्रमों में भी मुझे गानेका अवसर दिया। पहले तो मैं झिझकता था लेकिन

શાળામાં સમય સમય પર થનારા કાર્યક્રમોમાં પણ મને ગાવાનો અવસર આપ્યો. પહેલાં તો હું ખચકાતો હતો પણ ધીરે ધીરે ખચકાટ ઓછો થઈ ગયો. અને ઉત્સાહ વધતો ગયો. મારા શિક્ષકો અને સાથિયોએ પણ મારી ખૂબ સરાહના કરી. તેથી પણ મારો ઉત્સાહ વધ્યો.

धीरे-धीरे हिचक कम होती है और उत्साह बढ़ता गया। मेरे शिक्षकों और साथियों ने भी मेरी खूब सराहना की। इससे भी मेरा उत्साह बढ़ा।

ગૌતમ : સૌ પ્રથમ તમે જાહેરમાં ગીત ક્યારે ગાયું?

गौतम : सब से पहले आप जनता के बीच में कब गया?

અજિતભાઈ : મારા વિદ્યાર્થી જીવનથી જ. જ્યારે હું ભણતો હતો ત્યારથી જ શાળાના તથા બહારના સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમોમાં ભાગ લેતો રહેતો હતો. જેવું જ કોઈ નવું ગીત સાંભળતો તેવી જ મને તેની ધૂન યાદ રહી જતી હતી. જો થાડી ખામી રહી પણ જતી તો હંસાબહેન સુધારી દેતાં હતાં.

अजित भाई : अपने विद्यार्थी जीवन से ही। मैं पढ़ता था तब से ही पाठशाला के तथा बाहर के सांस्कृतिक कार्यक्रमो में भाग लेता रहता था। जैसे ही मैं कोई नया गीत सुनता वैसे ही मुझे उसकी धुन याद हो जाती थी। यदि थोड़ी कमी रह भी जाती तो हंसाबेन ठीक कर देती थीं।

ગૌતમ : આપે સંગીતની વિધિવત શિક્ષા ક્યાંથી પ્રાપ્ત કરી?

गौतम : आपने संगीत की विधिवत् शिक्षा कहाँ से प्राप्त की?

અજિતભાઈ : શાસ્ત્રીય પદ્ધતિસર સંગીત શીખવા માટે મેં અમારા શહેરના સંગીત મહાવિદ્યાલયમાં પ્રવેશ લઈને શિક્ષા પ્રાપ્ત કરી.

अजित भाई : शास्त्रीय पद्धति से संगीत सीख ने के लिए मैं ने अपने शहर के संगीत महा-विद्यालय में प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त की।

ગૌતમ : પાર્શ્વગાયન ક્ષેત્રમાં તમને અવસર ક્યારે અને કેવી રીતે મળ્યો?

गौतम : पार्श्व गायन के क्षेत्र में आप को अवसर कब और कैसे मिला?

અજિતભાઈ : અમારી શાળાના વાર્ષિક સમારંભમાં એક વખત તે સમયના પ્રખ્યાત સંગીતકાર શ્રી મનિષ દવેને બોલાવાયા હતા. તે કાર્યક્રમમાં મેં પણ એક ગીત ગાયું હતું. મારો અવાજ તેમને ખૂબ સારો

अजित भाई : हमारी शाला के वार्षिक उत्सव में एक बार उस समय के प्रसिद्ध संगीत कार श्री मनीष दवे को बुलाया गया था। उस कार्यक्रम में मैं ने भी एक गीत गाया था। मेरी आवाज उन्हें बहुत अच्छी लगी। उन्होंने मेरी पीठ थप थपा कर सबके सामने मेरी तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि

લાગ્યો. તેમણે મારી પીઠ થપથપાવીને બધાંની સામે મારાં વખાણ કર્યાં. તેમણે કહ્યું કે જો તું ઈચ્છે તો મારી સાથે કામ કરી શકે છે. હું તને ઘણા સારા સારા અવસર અપાવીશ. મેં તરતજ હા કહી દીધી અને આ પ્રમાણે મને શ્રી મનિષ દવેનું સંરક્ષણ મળી ગયું. મને જેમ જેમ તક મળતી ગઈ તેમ તેમ મારી ગાયકીમાં સુધારો થતો ગયો. આ પ્રમાણે ધીરે ધીરે હું આગળ વધતો રહ્યો. મને આ મુકામ સુધી પહોંચાડવામાં શ્રી મનિષ દવેનું ખૂબ યોગદાન છે. તેમણે પોતાના સંગીત નિર્દેશનમાં મારી પાસેથી કેટલાંય ગીતો ગવડાવ્યાં.

यदि तुम चाहो तो मेरे साथ काम कर सकते हो। मैं तुम्हें कई अच्छे-अच्छे अवसर दिलवाऊँगा। मैंने तत्काल हाँ कह दी और इस प्रकार मुझे श्री मनीष दवे का संरक्षण मिल गया। मुझे जैसे-जैसे अवसर मिलता गया वैसे-वैसे मेरी गायकी में सुधार होता गया। इस प्रकार धीरे-धीरे मैं आगे बढ़ता रहा। मुझे इस मुकाम तक पहुँचाने में मीनष दवेजी का बहुत योगदान है। उन्होंने अपने संगीत निर्देशन में मुझ से कई गीत गवाए।

ગૌતમ : હાલના પ્રચલિત સંગીત વિશે તમારો શો ખ્યાલ છે?

गौतम : आज कल के प्रचलित संगीत के बारे में आप का क्या खयाल है।

અજિતભાઈ : તમે પૂછો છો તો કહ્યા વગર રહી શકતો નથી કે સંગીત સંગીત જ હોય છે. જે સંગીતકાર સાંભળનારના હ્દય સુધી પહોંચે છે, તે જ સફળ થાય છે. જે સંગીતકાર જમાનાની માગ મુજબ આગળ વધતો રહે છે. તેને જ સફળતા મળે છે. પછી ભલે તે સંગીત ભારતીય હોય કે પાશ્ચાત્ય.

अजित भाई : आप पूछ ते हो तो कहे बिना नहीं रह सकता कि संगीत-संगीत ही होता है। जो संगीतकार सुनने वाले के हृदय तक पहुँचता है बह ही सफल होता है। जो संगीतकार जमाने की माँग के अनुसार आगे बढ़ता रहता है उसे ही सफलता मिलती है। फिर वह चाहे संगीत भारतीय हो या प्राश्चात्य।

ગૌતમ : શું તમારાં ગાયેલાં ગીતો તમે પોતે પણ સાંભળો છો?

गौतम : क्या अपने गाए हुए गीत आप खुद भी सुनते हैं?

અજિતભાઈ : ના, કદી નહીં. કારણ કે મને તેમાંથી ક્ષતિઓ જણાય છે. અને તેનાથી આનંદ થવાને બદલે દુઃખ થયા કરે છે.

अजित भाई : नहीं, कभी नहीं। क्यों कि मुझे उन में कई कमियाँ महसूस होती हैं। और उससे आनंद होने के बदले दुःख होता है।

ગૌતમ : ઉગતા પાર્શ્વગાયકો વિશે તમારો શો મત છે?

અજિતભાઈ : દરેક વ્યક્તિને પોતાની આગવી પ્રતિભા હોય છે. જો સતત નવીનતા લાવવાનું ધ્યેય રાખીએ તો આગળ વધી શકાય છે. જેમ જેમ મેં જુદી જુદી ભાષાનાં ગીતો ગાયાં તેમ તેમ મારું ક્ષેત્ર વિશાળ થતું જાય છે. આજના ઊગતા સંગીતકારો પાસે ખૂબ જ આશા છે.

ગૌતમ : આ ક્ષેત્રમાં ક્યાં સુધી રહેશો?

અજિતભાઈ : જ્યાં સુધી કંઠ અને શરીર સાથ આપતું રહેશે તથા જ્યાં સુધી મારા પ્રસંશકો મને સાંભળવાનું પસંદ કરતા રહેશે.

ગૌતમ : શું આજે પણ તમે ગાવાનો નિયમિત અભ્યાસ કરે છે?

અજિતભાઈ : હા, હું દરરોજ સવારે મારો સંગીત અભ્યાસ નિયમિત રૂપથી કરું છું.

ગૌતમ : નવા સંગીતકારો માટે શું આપ કોઈ સંદેશ આપવા માગો છો.

અજિતભાઈ : તેમના માટે મારે કહેવું છે કે નીત નવા નવા પ્રયોગ કરતા રહેવું જોઈએ તથા નિયમિત અભ્યાસ પણ કરતા રહેવું જોઈએ.

ગૌતમ : આભાર. તમે તમારો અમૂલ્ય સમય મને આપ્યો. એના માટે હું તમારો આભાર માનું છું.

गौतम : उभरते पार्श्वगायकों के बारे में आप की क्या राय है?

अजित भाई : हरेक व्यक्ति की अपनी निराली प्रतिभा होती है। हम यदि सतत नवीनता लाने का ध्येय रखें तो आगे बढ़ा जा सकता है। जैसे-जैसे मैंने भिन्न-भिन्न भाषाओं के गीत गाता गए वैसे-वैसे मेरा क्षेत्र विशाल होता जाता है। आज के उभरते संगीतकरों से हमें बहुत आशाएँ हैं।

गौतम : आप इस क्षेत्र में कब तक रहेंगे?

अजित भाई : जब तक कंठ और शरीर साथ देता रहेगा तथा जब तक मेरे प्रशंसक मुझे सुनना पसंद करते रहेंगे।

गौतम : क्या आप आज भी गाने का नियमित अभ्यास करते हैं?

अजित भाई : हाँ। मैं प्रतिदिन प्रातः मेरा संगीत-अभ्यास नियमित रूप से करता हूँ।

गौतम : नये संगीतकारों के लिए आप कोई संदेश देना चाहेंगे।

अजित भाई : उनके लिए मुझे यही कहना है कि उन्हें नित्य नये-नये प्रयोग करते रहना चाहिए तथा नियमित अभ्यास भी करते रहना चाहिए।

गौतम : धन्यवाद। आपने अपना अमूल्य समय मुझे दिया। इस के लिए मैं आपका आभारी हूँ।

અજિતભાઈ : આભાર તો મારે કહેવો જોઈએ. પરંતુ હવે આભારની ઔપચારિકતાથી બહાર નીકળી અને ચા નાસ્તો કરી લે.

अजित भाई : धन्यवाद तो मुझे कहना चाहिए। लेकिन अब हम धन्यवाद की औपचारिकता से बाहर निकलें और चाय नाश्ता कर लें।

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	हिंदी अर्थ
શ્રેષ્ઠ	उत्तम
અભિનંદન	बधाई
સાંભળવું	सुनना
રસ લેવો	दिलचश्पी लेना
લાગણી	भावना
વારસો	उत्तराधिकार
ફાળો	हिस्सा
જાહેરમાં	जनता के बीच
પ્રથમ	पहले
ભણવું	पढ़ना
નવું	नया
થવું	बनना
પદ્ધતિસર	शास्त्रीय
સંગીત મહાવિદ્યાલય	संगीत महाविद्यालय
ઓળખાણ	पहचान
કંઠ	आवज
નિર્દેશન હેઠળ	निर्देशन में
વધતો	बढ़ता
ખ્યાલ	खयाल
સાંભળનાર	सुननेवाला
સફળ	सफल
ક્ષતિઓ	कमियाँ
વિશાળ	विशाल
સ્વીકારશે	स्वीकार करेंगे
ઉગતા	उभरते
આગવી	निराली
જુદી જુદી	भिन्न-भिन्न

ગવાય गाया-जाए
કલાકાર कलाकार

અભ્યાસ

I રેખાંકિત શબ્દોના સ્થાનપર આપેલા પ્રત્યેક શબ્દનો ઉપયોગ કરીને દરેક માટે એક વાક્ય બનાવો.

1.

1) તે ભજન ગાતાં ગાતાં ઘરનું કામ કરતી.
(સાંભળતાં સાંભવતાં, બોલતાં બોતતાં, ગણગણતા ગણગણતા)
2) મારાં ગાયેલાં ગીતો સાંભળવાથી તેમાંની ક્ષતિઓને કારણે દુઃખ થયા કરે છે. (રહ્યા કરે છે, મળ્યા કરે છે, લાગ્યા કરે છે)
3) નાનપણથી મારામાં સંગીત પ્રત્યેના બીજ રોપાયાં.
(વવાયાં, જણાયાં, દેખાયાં)
4) મારી શાળાના શિક્ષિકા હંસાબહેન મારી પાસે ગીત ગવડાવતાં.
(બોલાવડાવતાં, વંચાવડાવતાં, લખાવડાવતાં)
5) મારો કંઠ તેમને ગમી ગયો. (પસંદ પડી ગયો, રૂચિ ગયો, ફાવી ગયો)

II કૌંસમાં આપેલા શબ્દો પૈકીનો ઉપયુક્ત શબ્દ પસંદ કરી વાક્યોની પૂર્તિ કરો.
(શરૂ શરૂ, ગાતાં ગાતાં, સાંભળી સાંભળીને, રહી જતી, ગમી ગયો)

1) નાનપણથી જ માનાં ભજનો ______ ને સંગીત પ્રત્યેનાં બીજ રોપાઈ ગયાં.
2) ______ માં મારાથી ગવાતું નહીં પછી ફાવી ગયું.
3) મા સુંદર અવાજે ભજનો _______ કામ કરતી.
4) કોઈપણ નવું ગીત સાંભળતો તો મને તેની ધૂન યાદ ______.
5) થોડાક યુવક યુવતીઓને ______ કરી શકું તો મારું જીવ્યું સાર્થક બની જાય.

III કૌંસમાં આપેલા શબ્દો પૈકી શબ્દ વાપરીને વાક્યોની પૂર્તિ કરો.

1. (કે, પણ, ત્યારે, તો, તેથી)

1) આપનું બહુમાન થયું ________.
2) કહેવાય છે__________.
3) હું તે માટે યોગ્ય છું કે નહીં _________.
4) મારો કંઠ તેમને ગમી ગયો ________.
5) થોડાક યુવક યુવતીઓને ગાતાં કરી શકું ________.

IV ઉદાહરણ પ્રમાણે નીચે આપેલાં વાક્યો બદલો.

ઉદાહરણ : તે ભજનો ગાતી હતી.
ઘરનું કામ કરતી હતી.
તે ભજનો ગાતાં ગાતાં કામ કરતી હતી.

1) તે ફરતી હતી.
ફરીને પ્રદક્ષિણા કરતી હતી.
2) અજિત ગીત ગાતો હતો.
તેને ગીત ગાતાં ફાવી ગયું.
3) હું કામ કરતો હતો.
કામ કરતાં આગળ વધ્યો.
4) હું ચોપડી વાંચતી હતી.
ચોપડી વાંચતાં સુઈ ગઈ.
5) જિજ્ઞા રસ્તો ઓળંગતી હતી.
ઓળંગતાં મોટર સાથે ભટકાઈ ગઈ.

V કૌંસમાં આપેલા યોગ્ય શબ્દોનો ઉપયોગ કરીને ખાલી જગ્યામાં યોગ્ય શબ્દ મૂકો.

(બોલી, ખર્ચ, શિખામણ, બનાવટ, બોલનાર, સાંભળનાર, લડાઈ, ચળકાટ, ગવૈયો, કરણી, ભરણી, સાહિત્યકાર, દવાખાનામાંથી, પ્રતિદિન)

1) અરવિંદભાઈ _______ આવ્યા પછી આજે પહેલીવાર બહાર ગયા.
2) શિક્ષણનું સ્તર દિન_______ નીચે ઉતરતું જાય છે.
3) મનુષ્યની_______ તેવી _______ એ ઈશ્વરી ન્યાય છે.
4) આ ______ પેલા કરતાં સારું ગાય છે.
5) આજકાલ ચારેબાજુ ______ નું વાતાવરણ જોવા મળે છે.
6) લોકો આજે ખોટા _______ ને વધુ મહત્ત્વ આપે છે.
7) શેઠની ______ ઝાંપા સુધી, પછી સૌને ફાવે તેમ કરે.
8) આજકાલના મોટા મોટા વેપારીઓ પણ હવે _______ કરતા થઈ ગયા છે.
9) પગાર કરતાં વધું _______ કરનારા વધુ દુઃખી થાય છે.
10) હંમેશા કરતાં ________ વધારે સમજુ ગણાય છે.
11) બાર ગાઉએ _______ બદલાય, તરુવર બદલે શાખા.
12) ઉમાશંકર એક સમય ________ હતા.

VI ઉદાહરણ પ્રમાણે આપેલાં ક્રિયાપદોનાં યોગ્ય રૂપોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1. ઉદાહરણ : હું ગીત ગાઉં છું.
   હું છોકરાઓ પાસે ગીત ગવડાવડાવું છું.
   1) હું પ્રાર્થના કરું છું.
   2) હું ચિત્ર બનાવું છું.
   3) હું ચોપડી વાંચું છું.
   4) હું સરસ્વતી દેવીની પૂજા કરું છું.
   5) હું પૂજા માટે ફૂલ વીણું છું.
   6) હું ગાંધીજી વિશે નિબંધ લખું છું.

2. ઉદાહરણ : મેં વાંચી લીધું છે.
   મારાથી વાંચી લેવાયું છે.
   1) તેણે પોતાનું કામ શરૂ કર્યું છે.
   2) અમે પરીક્ષા પાસ કરી છે.
   3) પરીક્ષામાં પ્રોફેસરે સામાન્ય વિકલ્પો આપ્યા.
   4) બા સવારમાં ભજનો ગાતી હતી.
   5) દેસાઈ સાહેબ રાજ્યપાલની મંજૂરી મંગાવી લેશે.
   6) કૌશલે સવારથી કંઈ ખાધું નથી.
   7) સમિતિએ અજિતને શ્રેષ્ઠ ગીતકારનો પુરસ્કાર આપ્યો.

3. ઉદાહરણ : તેણે કપડાં ધોયાં હશે.
   તેણે કપડાં ધોઈ લીધાં હશે.
   1) તુલસીએ સમયસર ગૃહકાર્ય કર્યું છે.
   2) રાધાએ ચોપડી વાંચી હશે.
   3) મહેશે પાઠ લખ્યો હશે.
   4) તૃપ્તીએ વાર્તા વાંચી હશે.
   5) બાએ મારું નવું ગીત સાંભળ્યું હશે.
   6) દિનેશને સોંપેલું કામ તેણે કર્યું હશે.

VII નીચેના બે વિભાગનાં વાક્યાંશોને યોગ્ય રીતે જોડો.

1)	નવીનતા લાવવાનું ધ્યેય હોય	- વાંચી લીધું છે.
2)	એક વખત શરૂ કરશું પછી	- ગવાતું નહીં પછી ફાવી ગયું.
3)	આટલું જીવન પૈસા	- તે તમારી દીકરીને ખવડાવીશ.
4)	તું કહ્યા કરતી હતી	- તો છોકરાઓ હડતાલ ઉપર ઉતરી પડયા.
5)	આ પુસ્તક મેં	- કે રજા લેતા નથી.

6) શરૂ શરૂમાં મારાથી - કમાવવામાં વિતાવ્યું.
7) મને જે મળશે - તો આગળ આવી શકાય.
8) રસ્તો ઓળંગતી વખતે - પૈસા મળી રહેશે.
9) સામાન્ય વિકલ્પ ન આપ્યો - અરૂણા મોટર સાથે ભટકાઈ ગઈ.

VIII કૌંસમાં આપેલા યોગ્ય શબ્દોનાં યોગ્ય રૂપોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) તેણે કચરો _____ હશે. (કાઢવું, લેવું)
2) અરૂણા મોટર સાથે _______ . (ભટકાવું, જવું)
3) આપણી જરૂરિયાત પ્રમાણેનું ઘર હોય તો ______ . (જોવું, લેવું)
4) થોડાક યુવક યુવતીઓને ગાતાં કરી શકું તો મારું જીવન સાર્થક ________. (બનવું, જવું)
5) આ પુસ્તક વાંચવું હોય તો _______ પડશે. (લેવું, જવું)
6) મેં પણ ઘરની જંજાળ ______ છે. (મૂકવું, દેવું)
7) હું રાજ્યપાલની મંજૂરી _______ . (માગવું, લેવું)
8) છોકરાઓ હડતાલ ઉપર _______. (ઉતરવું, પડવું)
9) નવ દંપતિને અભિનંદન _________ . (આપવું, જવું)
10) તેમના નિર્દેશન હેઠળ કામ _______. (આવવું, આપવું)
11) જે ભણે નહીં તેને ______ . (મારવું, પડવું)
12) કામવાળીએ કામ _______ હશે. (કરવું, લેવું)

IX કૌંસમાં આપેલા હિન્દી શબ્દોના સમાનાર્થક ગુજરાતી શબ્દોનો ઉપયોગ કરી વાક્યો પૂરાં કરો.

1) તે કામ ______ હું આગળ વધ્યો. (करते करते)
2) નાનપણથી જ મારામાં સંગીતના બીજ ______ હતાં. (रोपित हुए)
3) સાંભળેલાં ગીતની ધૂન મને યાદ ______ . (रह जाती)
4) મારાં શિક્ષિકાબહેન મારી પાસે ગીત _____. (गवातीं)
5) આપનું બહુમાન થયું ______ કેવું અનુભવો છો. (उससे)
6) લાગણીને લીધે મારાથી ______ નથી. (बोलाजाता)
7) આ ક્ષેત્રમાં તમને પ્રવેશ ક્યારે _____ કેવી રીતે મળ્યો. (और)
8) કેમકે મને તેમાં _____ દેખાય છે. (कमियाँ)

વાંચો અને સમજો

ગુજરાતની વસ્ત્રકલા

જેમ સાહિત્ય, સંગીત, ચિત્ર, શિલ્પ વગેરે કલાઓ છે. તેમ કાપડ વણવું, કાંતવું, છાપવું, ભરત ભરવું એ પણ સુંદર કલા છે. ગુજરાત આ કલા માટે

દેશવિદેશમાં પ્રસિદ્ધ છે. ગુજરાતનું સુતરાઉ કાપડ પણ વખણાય છે. ગુજરાતના સૌરાષ્ટ્રમાં હાથ વડે બાંધીને કાપડ રંગવાની એક અદ્‌ભૂત કળા છે, જે કાપડ 'બાંધણી'ને નામે પ્રસિદ્ધ છે. દેશ પરદેશમાં બાંધણીની સાડીઓ, ચાદર, ડ્રેસનાં કાપડ અને સુશોભનની વસ્તુઓ પ્રચલિત છે. આ ઉપરાંત ઉત્તર ગુજરાતમાં આવેલું પાટણ શહેર તેનાં 'પટોળાં' માટે જાણીતું છે. પટોળું બનાવવા માટે રેશમના તારને હાથે રંગીને ભાતપાડી હાથશાળા ઉપર વણવામાં આવે છે. હાથે બનાવેલા આ પટોળા ખૂબ જ સુંદર લાગે છે. પટોળા બનાવનાર જૂજ કલાકાર છે. પટોળાને 'પાટણનું પટોળું' એ નામથી પણ ઓળખવામાં આવે છે. ગુજરાતમાં આવેલા કચ્છ પ્રદેશનું ભરતકામ પણ ખૂબ વખણાય છે. વિદેશથી આવતાં પ્રવાસીઓ આ ભરતકામથી ખૂબ આકર્ષાય છે. ભરતકામની અનેક વસ્તુઓ કચ્છની બહેનો બનાવે છે. જેમાં ભરત ભરેલી સાડી, ચાદર, થેલી, પાકીટ, ઈંઢોણી, હાથપટ્ટો, કમરબંધ, ચણિયા-ચોળી, કેડિયા અને આ ઉપરાંત ઘર સુશોભનની અનેક વસ્તુઓનો સમાવેશ થાય છે. ભરતકામમાં લાલ, લીલો અને પીળા રંગનું ખૂબ જ મહત્ત્વ છે. તેમાં કીડીયામોતી, આભલાં અને પથ્થરીયા મોતીનું પણ વિશેષ મહત્ત્વ છે. કચ્છમાં આ બધી વસ્તુઓનો ઉપયોગ કરીને અદ્‌ભૂત અને સુંદર સુંદર વસ્તુઓ બનાવવામાં આવે છે. જે શોખીન લોકો હોંશે હોંશે ખરીદે છે. કચ્છની બહેનો આવી રીતે ગૃહઉદ્યોગ ચલાવીને જીવન નિર્વાહ કરે છે.

પટોળા અને બાંધણીની સાડીઓ બહેનો લગ્નમાં પણ પહેરે છે. કચ્છી ભરતભરેલી ચણિયાચોળી પહેરી ગુજરાતની ગોરી ગરબે ઘૂમે છે. નવરાત્રિના ગરબા વખતે રાત્રિના અંધકારમાં આભલા અને મોતીવાળી ચણિયાચોળી ઝગારા મારે છે. જેનાથી ગોરી તો શોભે છે પણ ગરબા પણ સુંદર દેખાય છે. છોકરાઓ પણ હવે તો ભરત ભરેલાં કેડિયાં પહેરીને ગરબે ઝૂમે છે. આવી રીતે ગુજરાતની હસ્તકલાનો ખૂબ વિકાસ થયો છે. ગુજરાતના લોકોથી માંડીને સમગ્ર ભારત તથા દેશવિદેશમાં પણ તેનું આગવું મહત્ત્વ છે.

આમ, ગુજરાતનાં પટોળા, બાંધણી, કચ્છી ભરતકામ ઘણાં પ્રસિદ્ધ છે. તે અનેક સ્ત્રીઓને અને લોકોનાં ઘરોને સુંદર અને આકર્ષક બનાવે છે. આ બધું બનાવનારા કારીગરોને આના દ્વારા રોજગારી મળે છે.

શબ્દાર્થ

ગુજરાતી શબ્દ	**હિંદી અર્ધ**
કલા	कला
વણવું	बुनना
છાપવું	छपाई करना
સૌરાષ્ટ્ર	सौराष्ट्र (गुजरात के एक प्रदेश का नाम)
અદ્‌ભૂત	अद्‌भूत

બાંધણી	बंधेज (वस्त्र का नाम)
ચાદર	चादर
સુશોભન	सुशोभन
પાટણ	पाटना (एक शहर का नाम)
પટોળાં	रेशम की साड़ी का नाम जो पाटना में बनती है।
ભાત	डिसाईन
હાથશાળા	हाथशाला (करधा)
જૂજ	बहुत कम
કચ્છ	कच्छ (गुजरात के एक प्रदेश का नाम)
પાકીટ	पर्स
ઈંઢોણી	इढ़ोजी (मस्तक पर वजन उठाने के लिए रखी जानेवाली बेठकी)
સુતરાઉ કાપડ	सूती कपड़ा
હાથપટ્ટો	हाथ पे पहनने का चदरा
કમરબંધ	कमर पर पहनने का पटद्दा
કીડીયામોતી	एक प्रकार की मोती
આભલાં	छोटे काँच लगाकर बना हुआ वस्त्र
પથ્થરીયા મોતી	एक प्रकार के पत्थर की मोती
શોખીન	शौकिन
હોંશે હોંશે	खुशी-खुशी
જીવન નિર્વાહ	जीवन निर्वाह
ગુજરાન	गुजरान
ગોરી	लड़की/युवती
અંધકાર	अंधकार
ઝગારા મારે છે.	चमचमाती है।

અભ્યાસ

I ફકરાને આધારે નીચે આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ આપો.

1) બાંધણી ક્યાં બને છે? કેવી રીતે?
2) પાટણ શાને માટે જાણીતું છે?
3) પટોળાં કેવાં હોય છે? કેવી રીતે વણવામાં આવે છે?
4) ભરતકામ ક્યાંનું વખણાય છે?
5) યુવક તથા યુવતીઓ ગરબામાં શું પહેરી ઘૂમે છે?
6) ચણિયાચોળી તથા કેડિયાં કેવાં હોય છે?
7) વિદેશી પ્રવાસીઓ શાથી આકર્ષાય છે?

II નીચેના શબ્દસમૂહમાંથી એવો શબ્દ શોધો જે બંધ બેસતો ન હોય.

1. 1) વણવું, કાંતવું, છાપવું, ભરવું, બાંધવું, જૂજ.
   2) અમદાવાદ, સંગીત, કચ્છ, પાટણ, વડોદરા.
   3) બાંધણી, ચણિયાચોળી, રાસ, પટોળું, સાડી.
   4) મિલમાં વણેલું, હાથે છાપેલું, હાથે ભરેલું, હાથે વણેલું, સાડી.

2. 1) પાટણનાં ______ જાણીતાં છે.
   2) કચ્છનું _______ જાણીતું છે.
   3) સૌરાષ્ટ્રની ______ જાણીતી છે.

III હિન્દીમાં અનુવાદ કરો.

આધુનિક ભારતીય ભાષામાં વિવિધ સાહિત્ય સ્વરૂપો જોવા મળે છે. જેમ કે નવલકથા, કવિતા, ટૂંકીવાર્તા, નિબંધ, આત્મકથા, સોનેટ, ગઝલ, સંસ્મરણ વગેરે. ગુજરાતી ભાષામાં પણ બધાં જ સાહિત્ય સ્વરૂપો જોવા મળે છે. આ બધાં જ આધુનિક સાહિત્ય સ્વરૂપો છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં રાસ, રાસો, પ્રબંધ, ફાગુ, ગરબો, ગરબી, પદ્યવાર્તા, પદ, છપ્પા, આખ્યાન, દુહા-છંદ, બારમાસા-બારમાસી જેવાં અનેક સાહિત્ય સ્વરૂપો હતાં.

મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યના કેન્દ્રમાં ધર્મ છે. તે સમયના દરેક સ્વરૂપમાં પરલક્ષીતા જેવા મળે છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં આખ્યાન એક ઉત્તમ સાહિત્ય સ્વરૂપ છે. આખ્યાન એ છંદ, અલંકાર અને નવરસથી ભરપૂર હોય છે. આખ્યાન કડવા બધ્ધ હોય છે. તેમાં પૌરાણિક પાત્રો કે પ્રસંગને લઈને તેને વિકસાવામાં આવે છે. આખ્યાન એ સમૂહભોગ્ય કળા છે. તે સંગીત સાથે અભિનય કરીને આખ્યાનકાર લોકમનોરંજન કરાવે છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં આખ્યાનના શિરોમણી કવિશ્રી પ્રેમાનંદે ઘણાં આખ્યાન રચ્યાં છે. તે સમયનું બીજું અગત્યનું સ્વરૂપ છે પદ્યવાર્તા. પદ્યવાર્તામાં અદ્‌ભૂત રસ, વીરરસ, કરુણરસ, શાંતરસ વગેરે જેવા રસો તથા ચમત્કારો જેવા મળે છે. પદ્યવાર્તાનું કથાવસ્તુ કોઈ રાજા-રાણી કે કોઈ શૂરવીરની શૌર્ય ગાથા વર્ણવામાં આવેલી હોય છે. શામળની પદ્યવાર્તાઓ ખૂબ લોકપ્રિય છે.

આ ઉપરાંત એક શૃંગાર રસને વર્ણવતું સ્વરૂપ છે ફાગુ. તે સમયના લોકો ફા ગણ મહિનામાં એક ઉત્સવ ઉજવાતો તે હોળી. તે સમયે લોકો આ સ્વરૂપનાં ગીતોનો ઉપયોગ કરતાં. અન્ય સ્વરૂપોમાં બારમાસા અને બારમાસી જે વર્ષના બારેય મહિનામાં આવનારા તહેવારોને વર્ણવતા ગીતોનો સમાવેશ થાય છે. આ સિવાય તેમાં વિરહનો પણ ક્યારેક સમાવેશ થાય છે.

મધ્યકાલિન પદો અત્યારે પણ એટલાં જ પ્રચલિત છે જેટલાં તે સમયે હતાં. પદોમાં નરસિંહ મહેતાની તોલે કોઈ જ આવી શકે નહીં. તેમનાં પદોને સાંભળવા તે આજે પણ એક અનેરો આનંદ છે. તેમનાં પદો આજે પણ

ગુજરાતના ગામડે ગામડે ગુંજે છે. નરસિંહ મહેતા આદિકવિ છે. તેમના પદો આવનારી પેઢી માટે પણ તેટલાં જ મધુર રહેશે જેટલાં તે આપણને હમણાં લાગે છે. મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્યમાં ગરબા-ગરબીનું પણ એક વિશેષ મહત્ત્વ છે. જેનો ઉપયોગ અત્યારે પણ નવરાત્રિના સમયે લોકો ગરબા રમવા કરે છે. દયારામની ગરબીઓ અને દાસી જીવણના ગરબા ખૂબ જ લોકપ્રિય છે. આ ઉપરાંત અખાના છપ્પા, ભોજાભગતના ચાબખા તથા દુહા-છંદ પણ મધ્યકાલિન યુગમાં ખૂબ જ પ્રચલિત સાહિત્ય સ્વરૂપો હતાં.

આમ, મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્ય આધુનિક ગુજરાતી સાહિત્ય કરતાં જુદું જ જોવા મળે છે. મધ્યકાલિન સાહિત્ય ફક્ત પદ્યમાં છે જ્યારે આધુનિક સાહિત્ય ગદ્ય-પદ્ય બંનેમાં રચાય છે. વિષયની દૃષ્ટિએ પણ બંનેમાં તફાવત છે. મધ્યકાલિન સાહિત્ય તે યુગમાં તો લોકપ્રિય હતું જ પણ આજે પણ તેનાં સ્વરૂપને પસંદ કરનારા ઘણા છે.

IV ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરી યોગ્ય શીર્ષક આપો.

संगीत के क्षेत्र में कई श्रेष्ठ नाम गिनाए जा सकते हैं। लता मंगेशकर का नाम उन सब से ऊपर गिना जाता है। विशेषकर गायकी के क्षेत्र में आज उनका नाम समूचा विश्व जानता है। पार्श्व गायिका के रूप में उन्हेंने बहुत नाम कमाया है। लता जी ने यह नाम बहुत परिश्रम से कमाया। बचपन से ही गायकी का अभ्यास करते-करते लता जी की सिद्ध गायिका बन सकी हैं। जिस प्रकार एक पौधा धीरे-धीरे वृक्ष बनता है वैसे ही लता जी ने भी गाने का अभ्यास करते-करते अपने यश रूपी वृक्ष बड़ा किया। यदि वे नियमित अभ्यास नहीं करती तो उन्हें आज इतनी ख्याति नहीं मिलती जितनी उन्हें मिल रही है।

उन्होंने एक साक्षातकार में बताया था कि, "मैं एक गीत को बार-बार, गा-गा कर उसे तैयार करती हूँ। जब तक मुझे पूर्ण संतुष्टि हो जाए तब तक मैं उसे गाती रहती हूँ। कई बार मैं अपना गाया हुआ गीत बार-बार, सुन-सुन कर तथा दूसरों को सुना-सुनाकर उसे पूरा करती हूँ। यद्यपि इस में मुझे बहुत श्रम करना पड़ता है तथापि मुझे ऐसा करने में बहुत आनंद आता है। एक बहुत अद्‌भुत संतुष्टि मिलती है।"

लता जी के गीत गा-गा कर कई लोग संतुष्टि एवं आनंद का अनुभव करते हैं। उनकी बहन आशा भोंसले भी महान पार्श्व गायिका हैं।

ईश्वर करे वे चिरायु हों और हम उनसे नित्य नये-नये गीत सुनकर आनंदका अनुभव करते रहें।

V તમારા પ્રદેશના જાણીતા કલાકાર વિશે માહિતી આપતો એક ફકરો ગુજરાતીમાં લખો.

शब्दसूची

અકસ્માત	(पुं)	7(क)	दुर्घटना
અથાણું	(नपुं.)	14(क)	अचार
અઘરું	(नपुं.)	13(क)	कठिन
અચાનક	(अ.)	9(ख)	यकायक
અઠવાડિયું	(नपुं.)	13(ख)	सप्ताह
અતિથિ	(पुं)	20(क)	अतिथि/महेमान
અતિવૃષ્ટિ	(स्त्री.)	7(ख)	अतिवृष्ठि
અધ્યક્ષ	(पुं)	20(क)	अध्यक्ष
અદ્‌ભૂત	(वि.)	24(ख)	अद्‌भुत
અનાનસ	(नपुं.)	7(क)	अनन्नास
અનામત	(नपुं.)	11(ख)	आरक्षण
અનુવાદ	(नपुं.)	22(क)	अनुवाद
અનુશાસન	(नपुं.)	21(क)	अनुशासन
અને	(अ.)	1(ख)	और
અપનાવવું	(स.क्रि)	20(ख)	अपनाना
અફસોસ	(पुं)	4(क)	अफसोस
અભિનંદન	(पुं)	22(क)	बधाई
અભૂતપૂર્વ	(वि.)	7(ख)	पहले न हुआ हो ऐसा
અભ્યાસ	(पुं)	5(क)	पढ़ाई
અવરજવર	(स्त्री.)	3(ख)	आनाजाना
અસહાય	(वि.)	7(ख)	असहाय
અસંખ્ય	(वि.)	10(ख)	अनगिनत
અહીં	(अ.)	1(क)	यहाँ
અહેવાલ	(पुं.)	23(ख)	क्रमबद्ध वर्णन

અંકુશ	(पुं.)	10(ख)	नियंत्रण
અંગત	(वि.)	21(ख)	अंगत/व्यविजन
અંગૂઠો	(पुं.)	21(ख)	अंगूठी
અંધકાર	(पुं.)	24(ख)	घोर रात्री

આકાર	(पुं.)	21(क)	आकार
આકાશ	(नपुं.)	3(ख)	आकाश
આકર્ષક	(नपुं.)	12(क)	आकर्षक
આખું	(नपुं., वि.)	13(क)	पूरा

આગવી	(स्त्री.)	24(क)	निराली
આગવી પ્રતિભા (स्त्री.)		22(क)	अनूठी प्रतिभा
આગળ	(अ.)	23(क)	पहले
આચાર્ય	(पुं.)	8(ख)	आचार्य
આજુબાજુ	(क्रि.वि)	19(क)	चारों ओर
આજ	(स्त्री.)	1(क)	आज
આટલું	(वि.)	2(क)	इतना
આઠ	(वि.)	1(ख)	आठ
આદર	(पुं.)	21(क)	आदर
આદિકવિ	(पुं.)	15(ख)	प्रारंभ के कवि
આદું	(नपुं.)	2(क)	अदरक
આધાર	(पुं.)	21(क)	आधार
આપવું	(स.क्रि.)	5(क)	देना
આભલું	(नपुं.)	22(ख)	आकाश/गगन
આભાર	(पुं.)	5(क)	आभार
આમ	(अ.)	16(ख)	ऐसा
આમંત્રણ	(नपुं.)	18(क)	निमंत्रण
આયોજન	(नपुं.)	6(क)	योजना
આરતી	(स्त्री.)	12(क)	भगवान की पूजा विधि
આરંભ	(पुं.)	3(ख)	आरंभ, शुरु
આરામ	(पुं.)	8(क)	विश्राम
આવવું	(अ.क्रि.)	1(क)	आना
આશિષ	(पुं.)	13(ख)	आशीर्वाद
આસોપાલવ	(पुं.)	14(क)	अशोक (वृक्ष)
આશ્ચર્ય	(नपुं.)	5(क)	आश्चर्य
આશ્વાસન	(नपुं.)	15(ख)	सांत्वना
આંગણું	(नपुं.)	10(क)	आंगन
આંખ ઉઘડવી (કહેવત)		16(क)	आँख खुलना (मुहावरा)
ઇચ્છા	(स्त्री.)	12(क)	इच्छा
ઇનામ	(नपुं.)	23(ख)	इनाम
ઈંચ	(पुं.)	5(ख)	ईंच
ઉકાળવું	(स.क्रि)	3(क)	उबालना
ઉઘાડવું	(स.क्रि)	16(क)	खुलना
ઉચ્ચ	(वि.)	11(ख)	ऊँची

ઉછળવું	(अ.क्रि)	17(ख)	उछलना
ઉજવવું	(स.क्रि.)	8(ख)	मनाना
ઉજાણી	(स्त्री.)	2(ख)	पिकनिक
ઉટકવું	(स.क्रि.)	12(ख)	माँजना
ઉઠવું	(स.क्रि)	10(क)	उठाना
ઉડવું	(अ.क्रि)	10(क)	उड़ना
ઉતરતું	(अ.क्रि)	17(ख)	घटना
ઉતાવળ	(स्त्री.)	7(क)	जल्दी
ઉત્તર	(वि.)	8(क)	उत्तर दिशां
ઉદ્ઘાટન	(नपुं.)	20(क)	उदघाटन
ઉત્સાહ	(पु.)	12(क)	उत्साह
ઉદ્યોગ	(पु.)	16(ख)	उद्योग
ઉન્મૂલન	(नपुं.)	15(क)	उन्मूलन
ઉન્માદ	(पु.)	21(क)	उन्माद
ઉપર	(अ.)	4(क)	ऊपर
ઉપરાંત	(अ.)	8(क)	अतिरिक्त
ઉપકુલપતિ	(पु.)	22(क)	उपकुलपति
ઉપરોક્ત	(पु.)	23(ख)	उपर्युक्त
ઉપવાસ	(पु.)	1(क)	उपवास/व्रत
ઉપસ્થિતિ	(स्त्री.)	20(क)	उपस्थिति
ઉપહાસ	(पु.)	15(ख)	मज़ाक
ઉમેદવાર	(पु.)	11(ख)	उम्मेदवार
ઊંચકાવું	(स.क्रि)	16(क)	तेजी में
ઊંચું	(नपुं.)	17(क)	ऊँचा
ઊંટ	(नपु.)	4(ख)	ऊँट
ઊઠી જવું	(अ.क्रि)	16(क)	दिवालीया हो जाना
ઊંડું	(वि.)	10(ख)	गहरा
ઊંધિયું	(नपुं.)	2(क)	सब्जीओं से बना खाने का व्यंजन)
એક	(वि.)	2(क)	एक
એકતાલ	(पु.)	12(क)	संगीत की प्रथम ताल
એકઠા	(वि.)	19(क)	इकट्ठा
એકાએક	(नपुं.)	19(ख)	यकायक
એકાંકી	(वि.)	22(क)	एकांकी
એટલેજ	(अ.)	4(क)	इसलिए
એટલું	(वि.)	2(क)	इतना

એવું	(वि.)	5(क)	ऐसा
એસિટેક પ્રવાહી (पु.)		21(क)	तेजाबी जल
ઑક્ટોબર	(पु.)	8(क)	अक्टूबर
ઓછું	(वि.)	10(ख)	कम
ઓળખાણ	(स्त्री.)	8(क)	पहचान
ઓળો	(पु.)	14(क)	भुरता
ઓળખ	(स्त्री.)	16(क)	परख
ઓળંગવું	(स.क्रि)	7(क)	पार करना
કઈ	(स्त्री.)	1(क)	कौनसी
કકળાટ	(पु.)	12(ख)	कर्कशता
કચરો	(पु.)	10(क)	कूड़ा
કચરો-પૂંજો	(पु.)	9(क)	कूड़ा-कचरा
કચ્છ	(पु.)	7(ख)	गुजरात का एक प्रांत
કડકડતી	(वि.)	22(ख)	ठिठुरन (कपकपा देनेवाली ठंडी)
કડકડાટ	(पु.)	3(ख)	बिजली की आवाज
કર્તવ્ય	(नपुं.)	20(क)	कर्तव्य
કથા	(स्त्री.)	9(क)	धार्मिक प्रवचन
કપ	(पु.)	14(क)	प्याला
કપડું	(नपुं.)	9(क)	कपड़े
કબજો	(पु.)	6(ख)	अधिकार
કબૂલ	(वि.)	5(ख)	स्वीकार
કમર	(स्त्री.)	22(ख)	कमर
કમાવું	(स.क्रि)	13(क)	कमाना
કરકસર	(स्त्री.)	13(क)	मित व्ययता
કરવું	(स.क्रि)	5(क)	करना
કલમ	(स्त्री.)	22(क)	लेखनी
કલા	(स्त्री.)	24(ख)	कला
કલાક	(पु.)	9(ख)	घंटा
કલાકાર	(पु.)	4(क)	कलाकार
કલ્યાણ	(नपुं.)	11(क)	कल्याण
કહેવું	(नपुं.), (स.क्रि)	4(ख)	कहना
કહેવત	(स्त्री.)	9(ख)	कहावत
કહેવાય	(नपुं.)	9(ख)	कहावत
કંઈક	(वि.)	5(क)	कुछ

કંકોતરી	(स्त्री.)	18(क)	निमंत्रण-पत्र
કંઠ	(पु.)	24(क)	आवाज
કાકડી	(स्त्री.)	14(क)	ककड़ी
કાકા	(पु.)	1(क)	चाचा
કાઠિયાવાડી બોલી	(स्त्री.)	4(क)	गुजरात के एक प्रांत की बोली
કાઢવું	(स.क्रि)	5(क)	निकालना
કાબર	(स्त्री.)	14(क)	एक प्रकार की चिड़िया
કામ	(नपुं.)	5(क)	काम
કામગરું	(नपुं.)	9(क)	उघमी
કામધંધો	(पु.)	10(ख)	व्यवसाय
કામવાળી	(स्त्री.)	9(क)	नौकरानी
કારતક	(पु.)	14(क)	कार्तिक (माह का नाम)
કાલ	(स्त्री.)	2(क)	कल
કાળજું	(नपुं.)	21(क)	कलेजा
કાળો	(पु.अ.व)	22(ख)	काला
કાળાંકાળાં	(नपुं.)	3(ख)	कालेकाले
કાળીચૌદશ	(स्त्री.)	12(ख)	नर्क चतुर्तशी
કાર્યક્રમ	(पु.)	8(ख)	कार्यक्रम
કિનારે	(पु.)	14(क)	तीरपर
કિંમત	(न.पुं.)	5(ख)	कीमत
કીડીયામોતી	(स्त्री.)	24(ख)	एक प्रकार की मोती
કુટેવ	(स्त्री.)	19(ख)	खराब आदत
કુદરત	(स्त्री.)	7(ख)	कुदरत (प्रकृति)
કુરિવાજ	(पु.)	15(क)	कुरीति
કુંવરબાઇ	(स्त्री.)	15(ख)	नरसिंह महेता की लडकी का नाम
કુશળ	(वि.)	21(ख)	कुशल
કૂતરા	(पु.)	17(ख)	कुत्ते
કેટલું	(वि.)	5(क)	कितना
કેમ	(अ.)	1(क)	कैसे/क्यों
કેરી	(स्त्री.)	7(क)	आम
કેડિયું	(नपुं.)	12(क)	अंगरखुं

કેવું	(वि.)	5(क)	कैसा
કેળવવું	(स.क्रि)	19(ख)	सुधारना
કેસેટ	(स्त्री.)	4(क)	केसेट (Audio)
કોઈનાકોઈ	(अ.)	3(क)	कोइ न कोई
કોથમીર	(स्त्री.)	2(ख)	हरा धनिया
કોડિયો	(पु.)	13(क)	टुकडा/कौर
કોણ	(अ.)	1(ख)	कौन
કોર્ટ-કચેરી	(स्त्री.)	11(क)	कोर्ट कचहरी
કૉફી	(स्त्री.)	14(क)	कॉफी
કાંઠો	(पु.)	8(क)	तट/किनारी
કાંતવું	(स.क्रि)	8(ख)	सूत निकालने
કાંદો	(पु.)	2(ख)	प्याज
કાંપવું	(अ.क्रि)	21(क)	काँपना
કયું	(स्त्री.)	6(क)	कहीं
ક્યાં	(अ.)	1(क)	कहाँ
ક્ષતિ	(स्त्री.)	6(ख)	कमि
ક્ષમા	(स्त्री.)	5(ख)	क्षमा
ક્ષેત્ર	(नपुं.)	22(क)	क्षेत्र
ખર્ચવું	(स.क्रि)	18(क)	व्यय करना
ખબર	(स्त्री.)	7(क)	समाचार
ખરાબ	(वि.)	3(क)	खराब
ખરું	(वि.)	2(क)	चाहिए
ખંત	(पु.)	16(ख)	सावधानी
ખાવું	(स.क्रि)	5(क)	खाना
ખાધું	(स.क्रि)	5(क)	खाया
ખાડો	(पु.)	11(क)	गड़ढा
ખાદી	(स्त्री.)	8(ख)	खादी
ખાપરી	(स्त्री.)	14(ख)	खापरी (नदी का नाम)
ખાલી	(वि.)	15(ख)	खाली
ખ્યાલ	(पु.)	24(क)	ख्याल

ખુલ્લેઆમ	(वि.)	21(क)	खुल्लेआम
ખુશ	(वि.)	2(ख)	खुश
ખેતર	(नपुं.)	4(ख)	खेत/क्षेत्र
ખેલૈયો	(पु.)	12(क)	गरबा खेलने वाला
ખોટું	(वि.)	21(क)	बुरा
ખોદવું	(स.क्रि)	20(क)	खुदवाना
ખોદકામ	(नपुं.)	14(क)	उत्खनन
ખોરાક	(पु.)	3(क)	खाना
ગઈકાલ	(स्त्री.)	4(क)	बीती काल
ગર્જના	(स्त्री.)	17(क)	गर्ज़ना
ગમવું	(स.क्रि)	2(क)	पसंद
ગણવું	(स.क्रि)	10(क)	गिना जाना
ગયેલું	(वि.)	4(क)	जाना
ગરબા	(पु.)	12(क)	गरबा (गुजरात का लोकनृत्य)
ગરમાગરમ	(वि.)	3(ख)	गरमा गरम
ગરમાળો	(पु.)	14(क)	अमलतास
ગરણી	(स्त्री.)	14(क)	छलनी
ગરીબ	(वि.)	15(ख)	निर्धन
ગલગોટા	(पु.)	14(क)	गेंदे
ગર્વ	(पु.)	22(क)	गर्व
ગંભીર	(वि.)	7(क)	गंभीर
ગાર્ડ	(पु.)	21(ख)	गार्ड़
ગામ	(नपुं.)	1(ख)	गाँव
ગામઠી	(वि.)	12(क)	एक विशिष्ट पोशाक
ગામડું	(न.पुं.)	14(क)	देहात
ગાંગરવું	(स.क्रि)	4(ख)	बलबलाना
ગાંઠિયા	(पु.)	14(क)	बेसन से बना खाने का व्यंजन
ગ્રામોદ્યોગ	(पु.)	8(ख)	ग्रामोद्योग
ગુજરાતી	(नपुं.)	4(क)	गुजराती भाषा जानने वाला
ગુજરાન	(पु.)	24(ख)	गुजरान
ગુજરી જવું	(अ.क्रि)	15(ख)	देहांत होना

ગુનો	(पु.)	5(ख)	गुनाह
ગુરુ દક્ષિણા	(स्त्री.)	21(ख)	गुरु-दक्षिणा
ગુરુભક્તિ	(स्त्री.)	21(ख)	गुरुभक्ति
ગુલાબી	(वि.)	18(क)	गुलाबी (रंग का नाम)
ગુસ્સો	(पु.)	22(ख)	गुस्से
ગૃહકાર્ય	(नपुं.)	23 (क)	गृहकार्य
ગિરીમાળા	(स्त्री.)	14(ख)	पर्वत श्रेणी
ગીત	(नपुं.)	4(क)	गीत
ગોકળગતિ	(स्त्री.)	6(ख)	चींटी की चाल से
ગોરી	(स्त्री.)	24(ख)	नारी
ગૉળ	(पु.)	14(क)	गुड़
ગૌચર ભૂમિ	(स्त्री.)	20(क)	चराहगाए/गौचरभूमि
ઘટવું	(अ.क्रि)	10(ख)	कम होना
ઘડિયાળ	(नपुं.)	5(ख)	घड़ी
ઘર	(नपुं.)	4(क)	घर
ઘણું	(नपुं.)	1(ख)	बहुत
ઘા	(पु.)	7(क)	घाव/जख्म
ઘૂરકવું	(स.क्रि)	17(ख)	गुरकना
ચકચકતાં	(वि.)	12(ख)	चमकीले
ચકલી	(स्त्री.)	14(क)	चिडियाँ
ચઢિયાતું	(वि.)	17(ख)	बढ़ता
ચબરાક	(वि.)	18(क)	चालाक
ચણા	(पु.)	19(क)	चने
ચણિયાચોળી	(नपुं.)	12(क)	घाघरा-चोली
ચમચી	(स्त्री.)	2(ख)	छोटा चमचा
ચરાવવું	(स.क्रि)	20(क)	चराना
ચા	(स्त्री.)	1(क)	चाय
ચાદર	(स्त्री.)	24(ख)	चादर
ચાખવું	(स्त्री.)	1(क)	चखना
ચાર	(वि.)	2(क)	चार
ચાલવું	(स.क्रि)	1(क)	चलना

ચાલચલગત	(स्त्री.)	19(ख)	चालचलगत
ચાલાક	(वि.)	17(क)	चालाक
ચાલાકી	(स्त्री.)	5(ख)	होशियारी
ચિઠ્ઠી	(स्त्री.)	11(क)	चिट्ठी
ચિંતા	(स्त्री.)	9(ख)	फिक्र
ચિરસ્મરણીય	(वि.)	22(क)	चिरस्मरणीय
ચૂંટણી	(स्त्री.)	21(क)	चुनाव
ચેનલ	(स्त्री.)	23(क)	चेनल
ચોક	(पुं.)	21(ख)	आंगन
ચોર	(पुं.)	5(ख)	चोर
ચોમાસું	(नपुं.)	3(ख)	बरसात के चार महिने
છ	(पुं. वि.)	2(क)	छह
છાણાંની માળા	(स्त्री.)	19(क)	गूलरी
છાપ	(स्त्री.)	19(ख)	प्रभाव
છાપવું	(स.क्रि)	23(ख)	छापना
છાપું	(नपुं.)	6(क)	अखबार
છવાવું	(अ.क्रि)	21(क)	छा जाना
છાશ	(स्त्री.)	14(क)	छाछ
છું	(अ.क्रि)	1(ख)	हूँ
છૂટી ગવું	(स्त्री.वि.)	19(क)	खुल जाना
છૂંદો	(पु.)	14(क)	मुरब्बो
છે	(पु.)	1(क)	है/हैं
છેવટ	(पु.)	6(ख)	अंत
છેલ્લું	(वि.)	8(क)	आखिरी/अंत्य
છોકરી	(स्त्री.)	5(क)	लड़की
છોકરો	(पु.)	12(क)	लड़का
છોડ	(पुं.)	13(क)	पौधा
છોડવું	(स.क्रि)	19(ख)	छोडना

છાંટવું	(स.क्रि)	10(क)	छिटकना
છાંયડો	(पु.)	20(क)	छाया
જડમૂળ	(वि.)	22(ख)	आमूल/निर्मूल
જણાવવું	(स.क्रि)	20(क)	बताना
જમણવાર	(पुं.)	10(क)	दावत
જમણીબાજુ	(स्त्री)	19(क)	दाएँ
જમવું	(स.क्रि)	7(क)	खाना
જવું	(अ.क्रि)	8(क)	जाना
જમાઇ	(पु.)	1(क)	दामाद
જમીન	(स्त्री.)	6(ख)	भूमि
જલદી	(स्त्री.)	7(क)	शीघ्र
જલેબી	(स्त्री.)	1(क)	जलेबी (मीठा व्यंजन)
જરૂર	(स्त्री.)	1(क)	जरूर-अवश्य
જવું	(स.क्रि)	11(क)	जाना
જવાબદારી	(स्त्री.)	21(क)	जिम्मेदारी
જવાબવહી	(स्त्री.)	21(क)	उत्तर पुस्तिका
જગ્યા	(स्त्री.)	8(क)	जगह
જંજાળ	(स्त्री.)	13(क)	जंजाल
જાગૃત	(वि.)	20(ख)	जागरूक
જાડો	(पु.)	18(क)	मोटा
જાત	(स्त्री.)	15(क)	गुण
જાતજાતની	(स्त्री.)	3(क)	भिन्न भिन्न प्रकार की
જાતિ	(स्त्री.)	11(ख)	जाति
જાતે	(स.)	13(क)	खुद/स्वयं
જાણવું	(स.क्रि)	8(क)	जानना
જાન	(नपुं.)	17(ख)	जान
જાહેર ખબર	(स्त्री.)	6(क)	विज्ञापन
જાહેરમાં	(वि.)	24(क)	जनता के बीच
જીદ	(स्त्री.)	4(क)	जिद
જીલ્લો	(पु.)	14(ख)	जिला
જીવંત	(वि.)	22(क)	जीवित
જીવનસાથી	(पु.)	15(क)	जीवनसाथी

જીવન નિર્વાહ(न.पुं.)		24(ख)	जीवन निर्वाह
જુઈ	(स्त्री.)	14(क)	जुई
જુદાં-જુદાં	(नपुं.)	12(क)	भिन्न भिन्न
જુવાન	(वि.)	19(क)	युवा
જુવાની	(स्त्री.)	13(क)	यौवन
જૂથ	(नपुं.)	21(क)	जूथ/दल
જૂજ	(वि.)	24(ख)	बहुत कम
જૂડી	(स्त्री.)	2(क)	गड्डी
જૂનું	(वि.)	4(क)	पुराना
જે	(स.क्रि)	15(क)	जो
જેટલું	(वि.)	3(क)	जितना
જેમ	(अ.)	15(क)	जैसा
જ્યાં	(अ.)	15(क)	जहाँ
જોઈએ	(स.क्रि)	2(क)	चाहिए
જોડી	(स्त्री.)	12(क)	जोड़ी
જોર શોરથી	(नपुं.)	4(ख)	जोर जोर से
જોવું	(स.क्रि)	4(क)	देखना
જ્ઞાનવર્ધક	(नपुं.,वि.)	23(क)	ज्ञान बढ़ानेवाला
ઝગારા	(नपुं.)	24(ख)	चमचमाती
ઝઘડો	(पु.)	17(ख)	झघड़ा
ઝડપ	(स्त्री.)	17(क)	वेग
ઝીણું	(वि.)	2(क)	बारिक
ઝૂંપડી	(स्त्री.)	14(क)	झोपड़ी
ટકા	(पु.)	16(क)	प्रतिशत
ટમેટું	(नपुं.)	2(क)	टमाटर
ટાઈપિંગ	(नपुं.)	11(क)	टाइपिंग
ટાઢ	(स्त्री.)	22(ख)	ठंड
ટાપું	(पु.)	14(क)	द्विप

ટિકિટ	(स्त्री.)	22(ख)	टिकिर
ટિકા-ટિપ્પણ	(स्त्री.,नपुं.)	11(क)	टीका-टिप्पणी
ટી.વી. કેન્દ્ર	(नुपं.)	23(क)	दूरदर्शन केंद्र
ટ્વીન બંગલો	(पु.)	6(ख)	घर का एक प्रकार
ટૂંકાવું	(स.क्रि.)	10(क)	कम
ટૂંકીવાર્તા	(स्त्री.)	22(क)	लघुकथा
ટૂટી જવું	(अ.क्रि)	12(क)	टूट जाना
ટેવ	(स्त्री.)	19(ख)	आदत
ટેકરો	(पु.)	14(क)	टेकरी
ઠંડું	(पु.)	14(क)	ठंडा
ઠીંગણો	(वि.)	18(क)	नाटा
ડરવું	(स.क्रि)	21(क)	डरना
ડહોળવું	(स.क्रि)	21(क)	बिगाड़ना
ડાબું	(वि.)	19(क)	बाएँ
ડાહી	(स्त्री.)	17(ख)	समझदार
ડિપૉઝિટ	(नपुं.)	18(ख)	जमा
ડુંગર	(पु.)	14(ख)	पहाड़
ડુંગળી	(स्त्री.)	2(क)	प्याज
ડોક	(स्त्री.)	17(क)	गरदन
ડૉક્ટર	(पु.)	9(ख)	डॉक्टर
ડાંડિયા	(पु.)	12(क)	डांडिया
ઢેબરું	(नपुं.)	14(क)	ढेबरु (खाने का एक व्यंजन)
ઢોર	(नपुं.)	7(ख)	जानवर
તકનીકી	(स्त्री.)	20(ख)	तकनीकी
તકલીફ	(स्त्री.)	3(क)	तकलीफ
તત્પરતા	(स्त्री.)	20(क)	तत्परता

તદ્દન		14(क)	अत्यंत
તને	(स.)	2(क)	तुझे
તપાસ	(स्त्री.)	3(क)	जाँच
તમને	(स.)	4(क)	आप को
તમે	(स.)	1(क)	आप
તરફ	(स्त्री.)	3(ख)	ओर
તરતજ	(अ.)	3(क)	शीघ्र
તણાવું	(स.क्रि)	7(ख)	पानी में बहना
તહેવાર	(पु.)	19(क)	त्योहार
તલાટી	(पु.)	20(क)	पटवारी
તંત્રી	(पु.)	23(ख)	संपादक
તાજું	(स्त्री.)	10(क)	ताजा
તાર	(पु.)	9(ख)	तार (पोष्टऑफिस से संबंधित)
તારું	(स.)	1(क)	तेरे/तुम्हारे
તારીખ	(स्त्री.)	2(क)	तिथि
તાસ	(पु.)	21(क)	पीरियड़
તેટલું	(स.वि)	3(क)	उतना
તેણે	(स.)	4(ख)	उस ने
તેમણે	(स.)	4(क)	उन्होंने
તેમનું	(स.)	5(क)	उनका
તેને	(स.)	2(क)	उसे
તૈયાર		1(क)	तैयार
તોલું	(पु.)	10(क)	तोला (एक माप)
તું	(स.)	1(क)	तुम/तु
તીવ્રગતિ	(स्त्री.)	17(क)	तीव्रगति
ત્યાં	(अ.)	6(क)	वहाँ
થલતેજ	(नपुं.)	12(क)	थलतेज एक स्थल
થયું	(नपुं.)	3(क)	हुआ
થવું	(नपुं.)	2(क)	बनना
થાકવું	(स.क्रि)	19(क)	थकना
થાળી	(स्त्री.)	2(ख)	थाली

થેલી	(स्त्री.)	2(ख)	छोटा थैला
થોડું	(वि.)	11(क)	थोड़ा
દયા	(स्त्री.)	11(क)	दया
દરરોજ		13(ख)	प्रतिदिन
દર રવિવાર	(पु.)	6(ख)	हर रविवार
દરેક	(वि.)	12(क)	प्रत्येक
દર્શન	(नपुं.)	7(ख)	दर्शन
દવાખાનું	(नपुं.)	7(क)	दवाखाना
દહેજ	(नपुं.)	15(क)	दहेज
દૃઢતાપૂર્વક	(क्रि.वि.)	22(ख)	दृढतापूर्व
દંગ	(वि.)	15(ख)	आश्चर्यचकित
દંડો	(पु.)	19(क)	डंडा
દાક્તર	(पु.)	7(क)	डॉकटर
દાખલ	(वि.)	21(क)	दाखिल
દાડમ	(नपुं.)	7(क)	अनार
દાદા	(पु.)	1(क)	दादा, पिता के पिता
દિન	(पु.)	2(ख)	दिन
દિવાળી	(स्त्री.)	8(क)	दीपावली
દિગ્દર્શક	(पु.)	4(क)	निदेशक
દિશા	(स्त्री.)	16(क)	दिशा
દીકરી	(स्त्री.)	1(क)	बेटी
દીકરો	(पु.)	1(क)	बेटा
દુકાન	(स्त्री.)	3(ख)	दुकान
દૂધ	(नपुं.)	2(क)	दुग्ध
દૂરદર્શન	(नपुं.)	23(क)	दूरदर्शन
દૂષણ	(नपुं.)	15(क)	दूषण
દેખવું	(स.क्रि)	3(ख)	दिखना
દોડાદોડી	(स्त्री.)	3(ख)	दौड-धूप
ધક્કા ખાવા	(पु.)	6(ख)	धक्का खाना
ધનુષ્યવિદ્યા	(स्त्री.)	21(ख)	धनुष्य विद्या
ધમકાવું	(स.क्रि)	21(क)	धमकाना
ધમાલ	(स्त्री.)	21(क)	उपद्रव

ધરતી	(स्त्री.)	6(ख)	पृथ्वी
ધંધો	(पु.)	16(क)	धंधा
ધાણી	(स्त्री.)	19(क)	फुलें (ज्वार के)
ધૂન	(स्त्री.)	12(क)	लय/धून
ધોવું	(स.)	5(क)	घोना
ધોતી	(स्त्री.)	12(क)	धोती
ધોરણ	(नपुं.)	1(क)	कक्षा
ધોળો	(पु.)	17(ख)	सफेद
ધ્યાન	(नपुं.)	11(क)	ख्याल
નક્કી	(वि.)	14(क)	निश्चित
નકલ	(स्त्री.)	21(क)	नकल
નદી	(स्त्री.)	17(ख)	नदी
નમસ્તે	(पु.)	6(क)	नमस्ते
નવલકથા	(स्त्री.)	22(क)	उपन्यास
નવું	(स्त्री.)	4(क)	नया
નસ	(नपुं.)	16(ख)	नस
નળસરોવર	(नपुं.)	14(क)	सरोवर का नाम
ના	(स.क्रि)	2(क)	नहीं
નાખવું	(स.क्रि)	16(क)	डालना
નાખુશ	(वि.)	21(क)	नाराज
નાનપણ	(पु.)	1(क)	बचपन में
નાટક	(नपुं.)	22(क)	नाटक
નાબૂદ	(नपुं.)	22(ख)	समाप्त
નામ	(नपुं.)	1(ख)	नाम
નિરાંત	(स्त्री.)	23(क)	आराम
નિર્ભય	(स्त्री.)	17(क)	निर्भयता
નિરીક્ષક	(पु.)	21(क)	पर्यवेक्षक
નિશાળ	(स्त्री.)	1(ख)	पाठशाला
નિશ્ચિંત	(वि.)	3(क)	निश्चिंत
નિ:સહાય	(क्रि.वि.)	7(ख)	बिना सहाय
નિર્દેશન	(नपुं.)	24(क)	निर्देशन
નિર્ણય	(पु.)	22(ख)	निर्णय
નિયમિત	(वि.)	10(क)	नियमित

નિવૃત્ત	(वि.)	13(क)	निवृत्त
નીકળવું	(अ.क्रि)	7(क)	निकलना
નીચું	(वि.)	17(ख)	नीचे
નુકસાન	(वि.)	19(ख)	हानीकारक
ને માટે	(परसर्ग)	1(क)	के लिए
નોકર	(पु.)	5(ख)	नौकर
નોકરી	(स्त्री.)	11(क)	नौकरी
નોમ	(स्त्री.)	12(क)	नवमी
પક્ષી	(नपुं.)	14(क)	पक्षी
પગથિયું	(नपुं.)	12(ख)	सीढ़ीयाँ
પગાર	(पु.)	10(क)	वेतन
પચાસ	(वि.)	7(क)	पचास
પચ્ચીસ	(न.पुं., वि)	14(ख)	पच्चीस
પછી	(अ.)	5(क)	बाद
પછાડવું	(स.क्रि)	19(क)	पटकना
પછાતજાતિ	(स्त्री.)	11(ख)	पिछड़ी हुई
પટાવાળા	(पु.)	23(ख)	चपरासी
પટોળું	(नपुं.)	24(ख)	रेशम की साड़ी का नाम जो पाटन गाँव में बनती है
પડવું	(पु.)	3(क)	पड़ना
પડોશી	(पु.)	9(क)	पड़ोशी
પણ	(अ.)	1(क)	भी
પતંગ	(पु.)	10(क)	पतंग
પત્ની	(स्त्री.)	1(क)	पत्नी
પત્રકારિત્વ	(नपुं.)	22(क)	पत्रकारिता
પત્રવ્યવહાર	(पु.)	11(क)	पत्राचार
પતીગઇ	(स्त्री.)	4(क)	खतम
પદ્યનાટક	(स्त्री.)	22(क)	पद्यनाटक
પથ્થર	(पुं.)	24(ख)	पत्थर
પદ્ધતિસર	(स्त्री.)	24(क)	शास्त्रीय
પર્યાવરણ	(न.पुं.)	20(क)	पर्यावरण
પરદેશી	(पु.)	14(क)	विदेशी
પરમ દિવસ	(अ.)	12(क)	परसो
પરમ ભક્ત	(पु.)	15(ख)	परम भक्त
પરંપરાગત	(वि.)	12(क)	परंपरागत

પરીક્ષાખંડ	(पु.)	21(क)	परीक्षा खंड
પરિચય	(पु.)	9(क)	परिचय
પરિચિત	(वि.)	20(ख)	परिचित
પલકારો	(पु.)	16(क)	पलभर
પલ્લી	(स्त्री.)	12(क)	पल्ली
પસંદ	(वि.)	17(क)	चयन
પશુઓ	(नपु.)	17(क)	पशु
પહેલા	(अ.)	1(क)	पहले
પહોંચવું	(स.क्रि)	7(क)	पहुँचना
પહેરવું	(स.क्रि)	12(क)	पहनना
પહેરવેશ	(पुं.)	12 (क)	पोशाक
પળોજણ	(स्त्री.)	5(क)	झंझट
પ્રગતિ	(स्त्री.)	10(ख)	प्रगति
પ્રગટાવવું	(स.क्रि)	19(क)	प्रच्वलित करना
પ્રથમ	(वि.)	24(क)	पहला
પ્રદાન	(नपुं.)	20(क)	प्रदान
પ્રદેશ	(पुं.)	14(क)	प्रदेश
પ્રફૂલ્લ	(स्त्री.)	2(ख)	प्रसन्न
પ્રમાણ	(नपुं.)	10(ख)	प्रमाण
પ્રેરણા	(स्त्री.)	20(क)	प्रेरणा
પ્રયત્ન	(पुं.)	10(ख)	कोशिश
પ્રવાસ	(पुं.)	8(क)	यात्रा
પ્રવાહી	(नपुं.)	3(क)	तरल
પ્રવૃત્તિ	(स्त्री.)	13(क)	प्रवृत्ति/गतिविधि
પ્રશિક્ષણ	(नपुं.)	20(ख)	प्रशिक्षण
પ્રણામ	(पुं.)	13(क)	प्रणाम
પા	(नपुं.)	9(ख)	पाँव
પાકીટ	(नपुं.)	24(ख)	पर्स
પાચન	(नपुं.)	3(क)	हजम
પાછું	(वि.)	2(ख)	वापस
પાટણ	(नपुं.)	24(ख)	पाटन शहर
પાટનગર	(नपुं.)	8(क)	राजधानी का शहर
પાર્ટી	(स्त्री.)	12(क)	दावत
પ્યાલો	(पुं.)	2(ख)	च्याला

પાત્રા	(नपुं.)	2(ख)	खाने का एक व्यंजन
પાડોશી	(पुं.)	4(क)	पड़ोशी
પારિતોષિક	(नपुं.)	22(क)	पुरस्कार
પાપડી	(स्त्री.)	2(क)	सेभ
પાસ	(पुं.)	2(ख)	पास/साथ
પ્રાણીઓ	(नपुं.)	17(क)	प्राणी
પાંચ	(पुं.)	2(क)	पाँच
પિકચર	(नपुं.)	21(क)	चलचित्र
પ્રિય	(वि.)	13(ख)	प्रिय/प्यारा
પીડિત	(वि.)	13(क)	पीडित
પીંપળો	(पुं.)	14(क)	पीपल
પીળો	(वि.)	12(क)	पीले
પુણ્યતિથિ	(स्त्री.)	22(क)	संवत्सरी/मृत्युतिथि
પુલ	(पुं.)	17(ख)	पुल
પુસ્તક	(नपुं.)	5(क)	पुस्तक
પૂછવું	(स.क्रि)	2(क)	पूछना
પૂછપરછ	(स्त्री.)	5(ख)	पूछ-ताछ
પૂરી	(स्त्री.)	2(क)	पूड़ी
પૂર્ણ	(वि.)	22(क)	पूर्णतः
પૂર્ણા	(स्त्री.)	14(क)	नदी का नाम
પૂર્વ	(वि.)	20(ख)	पूर्व
પેટ	(नपुं.)	2(क)	पेट़
પેંડા	(पुं.)	11(क)	पेड़ा
પેઢી	(स्त्री.)	16(क)	दुकान
પૈસા	(पुं.)	10(क)	पैसा
પ્રેરાઈને	(वि.)	21(ख)	प्रेरित
પ્રેશક	(पुं.)	18(ख)	भेजनेवाला
પોતાનો	(पुं.)	5(ख)	अपना
પોપટ	(पुं.)	14(क)	तोता
પોશાક	(पुं.)	12(क)	पोशाक
ફક્ત	(स.)	5(क)	सिर्फ

ફરજ	(स्त्री.)	19(क)	फर्ज
ફરતે	(स.)	19(क)	चारोंओर
ફરજિયાત	(वि.)	11(ख)	अनिवार्य
ફરવા	(नपुं.)	8(क)	धूमना
ફરિયાદ	(स्त्री.)	5(क)	शिकायत
ફરીથી	(स्त्री.)	3(क)	फिर से
ફળિયું	(नपुं.)	14(क)	मुहल्ला
ફ્લેટ	(पुं.)	6(ख)	घर का एक प्रकार
ફાફડા	(पुं.)	1(क)	फाफड़ा (बेसन का एक नमकीन व्यंजन)
ફાળો	(पुं.)	24(क)	हिस्सा
ફિલ્મ	(स्त्री.)	4(क)	चलचित्र
ફુરસદ	(स्त्री.)	16(ख)	कुरसद
ફેર	(पुं.)	3(क)	फर्क
ફેરિયો	(पुं.)	23(क)	फेरीवाला
ફેંકી દેવું	(स.क्रि)	22(ख)	फेंक देना
ફેંસી ડ્રેસ	(पुं.)	19(क)	छवांग/पहरेवेश
ફોઈ	(स्त्री.)	9(ख)	फूफी
બગીચો	(पुं.)	1(ख)	बगीचा/उद्यान
બચવું	(स.क्रि)	7(क)	बचना
બજાર	(स्त्री.)	2(क)	बाजार
બટાકા	(नपुं.)	2(क)	आलू
બદલાઈવું		22(ख)	बदलना
બદલી	(स्त्री.)	9(ख)	तबादला
બદામ	(स्त्री.)	10(क)	बादाम
બધું	(नपुं.)	1(क)	सब
બરાબર	(वि.)	2(क)	बराबर, ठीक
બનેવી	(पुं.)	5(क)	बहनोइ
બહાર	(अ.)	12(क)	बाहर
બહુસરસ	(वि.)	1(क)	बहुत अच्छा
બહેન	(स्त्री.)	1(ख)	बहन
બહેનપણી	(स्त्री.)	5(क)	सहेली
બળજબરી	(स्त्री.)	22(ख)	जबरदस्ती
બળદગાડું	(नपुं.)	14(क)	बैलगाड़ी
બંગલો	(पुं.)	5(ख)	बंगला

બંને	(नपुं.)	1(क)	दोनों
બા-બાપુ	(स्त्री., पुं.)	1(ख)	माँ-बाप
બાગ-બગીચા	(पुं.)	13(क)	बाग-बगीचे
બાજરી	(स्त्री.)	14(क)	बाज़रा
બાણ	(नपुं.)	21(ख)	बाण/तीर
બાપુજી	(पुं.)	1(क)	पिताजी
બારમાસી	(स्त्री.)	14(क)	बारह मासी
બારમી	(स्त्री.)	2(क)	बारहवी
બાળકો	(नपुं.)	1(क)	बच्चे
બાંધકામ	(नपुं.)	6(ख)	घर बनाना
બાંધવું	(स.क्रि)	6(ख)	बांधना/बनाना
બાંધણી	(स्त्री.)	24(ख)	बंधेज
બળ	(नपुं.)	16(ख)	बल
બિલ્ડર	(पु.)	6(ख)	मकान बनानेवाला
બીકણ	(वि.)	17(क)	डरपोक
બીજું	(नपुं.)	2(क)	दूसरा
બીટ	(नपुं.)	14(क)	चुकंदर
બુધવાર	(पुं.)	8(क)	बुघवार
બુદ્ધિશાળી	(वि.)	17(क)	बुद्धिशाली/बुद्धिमान
બે	(नपुं. वि.)	2(क)	दो
બેકાર	(वि.)	10(ख)	बेकार
બેસવું	(अ.क्रि)	1(क)	बैठना
બોલવું	(स.क्रि)	6(क)	बोलना
બોલબાલા	(स्त्री.)	16(क)	बोलबाला
ભગવાન	(पुं.)	11(क)	भगवान
ભજન	(नपुं.)	15(ख)	भजन/भक्ति गीत
ભટકાઇ	(स्त्री.)	7(क)	टकराइ
ભણવું	(स.क्रि)	10(ख)	पढ़ीलिखी
ભણેલી	(स्त्री.)	15(क)	पढ़िलिखी
ભલામણ	(स्त्री.)	11(क)	सिफारिश
ભરવાડી ડ્રેસ	(पुं.)	12(क)	एक पोशाक
ભરતભરવું	(पु.)	24(ख)	कढाइ करना
ભરેલું	(पु.)	14(क)	भरा हुआ
ભરોસો	(पुं.)	15(ख)	एतबार

ભાઈબીજ	(स्त्री.)	12(ख)	भाइदूज
ભાગ	(पुं.)	8(ख)	हिस्सा
ભાગીદાર	(पुं.)	20(ख)	भागी
ભાજી	(स्त्री.)	2(क)	सब्जी
ભાડું	(नपुं.)	6(क)	किराया
ભાત	(स्त्री.)	24(ख)	डिजाईन
ભાષણ	(नपुं.)	8(ख)	भाषण
ભાવ	(पुं.)	16(क)	भाव
ભાવના	(स्त्री.)	20(ख)	भावना
ભાગ્યશાળી	(नपुं.)	9(क)	भाग्य शाली
ભિખારી	(पुं.)	16(क)	भिखभंग
ભીલકુમાર	(पुं.)	21(ख)	भील का पुत्र
ભૂલવું	(स.क्रि)	4(क)	भूलना
મકાન	(नपुं.)	20(क)	मकान/भवन
મજા	(स्त्री.)	5(क)	मजा
મજાક	(स्त्री.)	5(क)	मज़ाक
મતલબ	(स्त्री.)	21(क)	मतलब
મફત	(वि.)	9(ख)	मुफ्त/निशुल्क
મત	(पुं.)	5(क)	राय/मत
મઠિયું	(नपुं.)	6(क)	मोठ के आटे से बनी पापड
મનગમતો	(पुं.)	15(क)	मनपसंद
મનમુકીને	(वि.)	7(ख)	बहुत
મનસુખલાલ ઝવેરી	(पुं.)	22(क)	गांधी युग के कवि
મહાવરો	(पुं.)	21(ख)	मुहावरा
મહા	(पुं.)	14(क)	माघ (महिना)
મહાન	(वि.)	22(क)	महान
મહેનત	(स्त्री.)	16(क)	मेहनत
મહેમાન	(पुं.)	7(क)	अतिथी
મહેમાનગતિ	(स्त्री.)	7(ख)	आतिथ्य
મળવું	(स.क्रि)	4(क)	मिलना
મંજૂરી	(स्त्री.)	8(क)	स्वीकृति
મંતરવું	(स.क्रि)	5(ख)	मंत्र कि हुई
મંદિર	(नपुं.)	8(क)	मंदिर
માગવું	(स.क्रि)	6(क)	माँगना
માટી	(स्त्री.)	21(ख)	मिट्टी

માઠા	(नपुं.)	7(क)	अशुभ
માણસ	(पुं.)	7(ख)	लोग
માણી	(स्त्री.)	3(ख)	मजा
માનવી	(पुं.)	13(क)	मनुष्य
માનવું	(स.क्रि)	21(ख)	मानना
માનસંન્માન	(नपुं.)	22(क)	मान सम्मान
માપ	(नपुं.)	5(ख)	माप
મામા-મામી	(पुं.स्त्री.)	9(ख)	मामा-मामी
મામેરું	(नपुं.)	15(ख)	बच्चे के जन्म के पूर्व लड़की को मा-बाप की ओर से भेट
મારવું	(स.क्रि)	4(ख)	मारना
માર પડતો	(पुं.)	10(क)	मार पड़ती
મારફત	(अ.)	23(क)	द्वारा
માલણ	(स्त्री.)	19(क)	मालिन
માસી	(स्त्री.)	6(क)	मौसी
માહિતી	(स्त्री.)	23(क)	जानकारी
માહિતગાર	(स्त्री.)	11(ख)	वाकिफ-जानसार
માહિતીપત્ર	(पुं.)	18(ख)	जानकारी पत्र
માળા	(स्त्री.)	19(क)	माला
માર્ચ	(पुं.)	2(क)	मार्च महिना
મિત્ર	(पुं.)	1(क)	दोस्त
મિનિટ	(स्त्री.)	11(क)	मिनट
મીઠું	(नपुं.)	17(क)	मीठा
મીઠો લીંબડો	(पुं.)	2(क)	कड़ीपत्ता (मीठा नीम पत्ता)
મુખર	(वि.)	22(क)	मुखर
મુખી	(पुं.)	20(क)	मुखिया
મુદ્દો	(पुं.)	21(क)	मुद्दा
મુજબ	(वि.)	2(क)	अनुसार
મુલાકાત	(स्त्री.)	7(ख)	मुलाकात
મુશ્કેલ	(वि.)	21(क)	कठिन
મુસાફર	(पुं.)	22(ख)	मुसाफिर
મુહૂર્ત	(नपुं.)	6(ख)	मुहूर्त
મૂળ	(नपुं.)	22(क)	मूल
મૂળા	(पुं.)	14(क)	मूली
મેઘ	(पुं.)	7(ख)	बादल
મેના	(स्त्री.)	14(क)	मैना

મેથીની ભાજી	(स्त्री.)	2(क)	मेथी की हरी पत्तीवाली सब्जी
મૈત્રી	(स्त्री.)	6(ख)	मैत्री
મોકલવું	(स.क्रि)	15(क)	भेजना
મોજમજા	(वि.)	2(ख)	मोज/मस्ती/मजा
મોટર	(स्त्री.)	7(क)	मोटर
મોટાભાઇ	(पुं.)	6(क)	बडा भाई
મોટાશેઠ	(पुं.)	11(क)	बड़ा शेठ
મોટી લાકડી	(स्त्री.)	14(ख)	बड़ी लकड़ी
મોટું	(वि.)	5(क)	बड़ा
મોટેભાગે	(वि.)	3(क)	प्रायः
મોડું	(वि.)	3(क)	देर
મોસંબી	(स्त्री.)	7(क)	मोसंबी
મોહનથાળ	(पुं.)	6(क)	बेसन के आटे से बना स्वाद्य
મોહલ્લો	(पुं.)	13(क)	मोहल्ला
મોંઘું	(वि.)	2(क)	महँगा
યાદ	(स्त्री.)	10(क)	स्मृति
યાદી	(स्त्री.)	2(क)	सूची
યોજના	(स्त्री.)	20(क)	योजना
યુરોપિયન	(पुं.)	22(ख)	युरोपियन
રકાબી	(स्त्री.)	14(क)	रकाबी
રખડવું	(स.क्रि)	10(ख)	भटकना
રખેવાળ	(पुं.)	4(ख)	चौकीदार/रखवाली
રચના	(स्त्री.)	22(क)	रचना
રજા	(स्त्री.)	7(ख)	छुट्टी
રડવું	(अ.क्रि)	15(ख)	रोना
રતાળુ	(स.क्रि)	2(क)	रतालू
રમત	(पु.)	2(क)	खेल
રબારી ડ્રેસ	(पु.)	12(क)	एक पोशाक
રમવું	(स.क्रि)	12(क)	नाचना
રસ	(नपुं.)	2(ख)	दिलचस्पी
રસ્તો	(पु.)	3(ख)	रास्ते
રળિયામણો	(पु.)	14(ख)	रमणीय
રણપ્રદેશ	(पु.)	7(ख)	रेगिस्तान
રંગબેરંગી	(पु.वि)	14(क)	रंगबिरंगे
રંગભેદ	(पु.)	22(ख)	रंग-मेद

રંગરૂપ	(नपुं.)	17(क)	रंग-रूप
રાખેલું	(नपुं.)	11(ख)	रखा हुआ
રાતે	(पु.)	10(क)	रात को
રાસ	(पु.)	12(क)	गुजरात का एक प्रसिद्ध नृत्य
રાહત	(स्त्री.)	3(क)	आराम
રાષ્ટ્રપિતા	(पु.)	22(ख)	राष्ट्रपिता
રીંગણ	(नपुं.)	2(क)	बैंगन
રીત	(स्त्री.)	3(क)	तरह
રૂપિયા	(स्त्री.)	2(क)	रूपया
ઋતુ	(पु.)	3(ख)	ऋतु, मौसम
ઋણ	(स्त्री.)	20(ख)	कर्ज
રોકાવું	(नपुं.)	8(क)	रूकना
રોજગાર	(नपुं.)	11(ख)	रोजगार विनिमय कार्यालय
રોટલો	(पु.)	14(क)	बडी रोटी
રો હાઉસ	(पु.)	6(ख)	घर का एक प्रकार
રોડપતી	(पु.)	16(क)	रोडपती
રોપવું	(नपुं.)	13(क)	लगाना
રૌદ્ર	(नपुं.)	7(ख)	रौद्र
લક્ષ્મી	(स्त्री.)	16(ख)	लक्ष्मी
લગ્ન	(नपुं.)	18(क)	शादी
લગનગાળો	(पु.)	3(क)	शादी के दिन
લગાડવું	(स.क्रि)	20(क)	लगाना
લગામ	(स्त्री.)	17(क)	लगाम
લાકડી	(स्त्री.)	5(ख)	लकडी
લાખ રૂપિયા	(नपुं.)	13(क)	लाख रूपये
લાગણી	(नपुं.)	24(क)	भावना
લાજ	(स्त्री.)	15(ख)	लाज/इज्जत
લાંબી	(स्त्री.)	17(क)	लंबी
લાયક	(वि.)	17(क)	लायक, योग्य
લાલ	(वि.)	18(क)	लाल

લાવીવું	(स.क्रि)	2(क)	लाना
લિજ્જત	(स्त्री.)	3(ख)	लज्जत, स्वाद, मजा
લીંબડો	(पु.)	14(क)	नीम
લીલો	(पु.)	12(क)	हरा
લેવું	(स.क्रि)	4(क)	लेना
લેખિત	(वि.)	20(क)	लिखित
લુચ્ચું	(वि.)	17(क)	धूर्त
લોવું	(स.क्रि)	1(क)	लेना
લોક	(पु.)	3 (ख)	लोग
વખણાય	(वि.)	1(क)	प्रसिद्ध
વખત	(पु.)	10(क)	समय से/ वक्त में
વખાણ	(नपुं.)	20(क)	तारीफ/प्रशंसा
વગર	(नपुं.)	10(ख)	बिना
વગાડવું	(स.क्रि)	19(क)	बजाना
વચન	(नपुं.)	18(क)	वादा/वचन
વચ્ચે	(अ.)	14(क)	मध्य में
વટાણા	(पु.)	2(क)	मटर
વડસાસુ	(स्त्री.)	15(ख)	ससुर की माँ
વડાં	(नपुं.)	12(ख)	बड़ा (एक व्यंजन)
વઢવું	(स.क्रि)	10(क)	डाँटना
વણવું	(स.क्रि)	24(ख)	बुनना
વર્તન	(नपुं.)	19(ख)	बर्ताव
વર્ગ	(नपुं.)	22(क)	कक्षा
વધવું	(स.क्रि)	3(ख)	बढना
વધારો	(पु.)	10(ख)	वृद्धि
વરકન્યા	(पु.,स्त्री.)	18(क)	वरवधू
વરસાદ	(पु.)	3(ख)	बारिश
વરસી	(स.क्रि)	3(ख)	बरसना
વવડાવવું	(स.क्रि)	20(क)	लगवाना
વર્ષગાંઠ	(स.क्रि)	20(क)	सालगिरह
વર્ષાઋતુ	(स्त्री.)	3(ख)	वर्षा का मौसम
વસ્તી	(स्त्री.)	10(ख)	आबादी
વસ્તુ	(स्त्री.)	3(क)	चीज
વહીવું	(अ.क्रि)	17(ख)	बहना
વહેલું	(नपुं.,क्रि.वि.)	10(क)	जल्दी

વંદન	(नपुं.)	21(ख)	बंधन
વાગ્યા	(नपुं.)	6(क)	बजे
વાઘબારસ	(स्त्री.)	12(ख)	दिवाली का पहला दिन
વાટકી	(स्त्री.)	2(ख)	कटोरी
વાડ	(स्त्री.)	11(क)	बाड, रोक
વાત	(स्त्री.)	1(क)	बात
વાતચીત	(स्त्री.)	6(ख)	बातचीत
વાર્તા	(स्त्री.)	10(क)	कहानी
વાર્તાતત્ત્વ	(नपुं.)	4(क)	कहानी तत्व
વાદળ	(नपुं.)	3(ख)	बादल/मेध
વાદળી	(स्त्री.)	18(क)	नीली
વાનગી	(स्त्री.)	3(क)	व्यंजन
વારસો	(नपुं.)	24(क)	उत्तराधिकार
વાસ	(पु.)	16(ख)	निवास
વાસણ	(नपं.)	12(ख)	बर्तन
વાવવું	(स.क्रि)	13(क)	बोना
વાહન	(नपुं.)	3(ख)	वाहन सवारी
વાંચવું	(स.क्रि)	5(क)	पढ़ना
વાંધો	(पु.)	8(क)	बाधा
વિગત	(स्त्री.)	23(ख)	विवरण
વિચારવું	(स.क्रि)	5(क)	सोचना
વિતરણ	(नपुं.)	23(ख)	बाँटना
વિતાવવં	(स.क्रि)	13(क)	बिताना
વિદાય	(स.क्रि)	21(ख)	बिदा
વિદ્યાર્થી	(पुं.)	8(क)	विद्यार्थी
વિનવી	(स्त्री.)	7(ख)	बिनती
વિનામૂલ્ય	(वि.)	23(ख)	बिना शुल्क
વિરામ	(पु.)	14(क)	विश्राम, रुकना
વિરોધ	(अ.)	15(क)	खिलाफ
વિવિધતા	(स्त्री.)	4(ख)	विविधता
વિવેચન	(नपुं.)	22(क)	समीक्षा
વિશાળ	(वि.)	24(क)	विशाल
વિશ્વમાનવ	(पु.)	22(क)	विश्वमानव
વિશ્વસનીય	(नपुं.)	16(क)	विश्वसनीय
વીજળી	(स्त्री.)	3(ख)	बिजली

વીતી ગયેલાં	(वि.)	10(ख)	बीता हुआ
વૃક્ષારોપણ	(नपुं.)	20(क)	वृक्षारोपण
વેગ	(पु.)	6(ख)	गति
વેર-વિખેર	(अ.)	17(क)	तितर-बितर
વેલો	(पु.)	11(क)	बेल
વૃદ્ધ	(पुं.)	19(क)	बूढ़े
વ્યક્તિ	(पुं.)	17(ख)	व्यक्ति
વ્યસ્ત	(वि.)	6(क)	व्यस्त
વ્યવસાય	(पु.)	16(ख)	व्यवसाय
વ્યવસ્થા	(स्त्री.)	14(क)	व्यवस्था/बंदोबस्त
વ્યાપ	(पु.)	10(ख)	विस्तार
વ્યય	(पु.)	13(क)	व्यय
શક્કરિયું	(नपुं.)	2(क)	शकरकंद
શક્તિ	(स्त्री.)	15(ख)	ताकत
શણગારવું	(स.क्रि)	19(क)	सुशोभित करना
શનિવાર	(पु.)	13(ख)	शनिवार
શરૂઆત	(स्त्री.)	7(क)	शुरुआत
શહેર	(नपुं.)	20(क)	शहर/नगर
શાક	(नपुं.)	2(क)	सब्जी
શાબાશી	(स्त्री.)	10(क)	शाबाशी
શાહમૃગ	(नपुं.)	14(क)	शुतुरमुर्ग
શિખામણ	(स्त्री.)	10(क)	सीख
શિયાળ	(नपुं.)	4(ख)	सियार, गिदड़
શિયાળો	(पु.)	10(क)	सर्दियों में
શિક્ષક	(पु.)	22(क)	शिक्षक
શીરો	(पु.)	10(क)	हलुआ
શું	(अ.)	1(क)	क्या
શેરબજાર	(नपुं.)	16(क)	शेयर बाजार
શ્રમ	(पु.)	20(क)	मेहनत
શ્રીમંત	(वि.)	18(क)	धनी

શોધવું	(स.क्रि)	6(क)	खोजना/ढूंढना
શોખીન	(वि.)	24(ख)	शौखिन
શોભવું	(स.क्रि)	2(ख)	सुहाना/शोभित करना
શેર	(पुं.)	10(क)	एक माप
શેરડી	(स्त्री.)	4(ख)	गन्न, इख, उख
સગાં	(नपुं.)	9(ख)	रिश्तेदार
સક્ષમ	(वि.)	20(ख)	सक्षम
સપનું	(नपुं.)	20(ख)	सपने
સફળતા	(स्त्री.)	20(ख)	सफलता
સરપંચ	(पु.)	20(क)	सरपंच
સમગ્ર	(वि.)	22(क)	समग्र, पूरे
સમગરૂપ	(नपुं.)	20(ख)	समुचित/समग्ररूप से
સમજાવવું	(स.क्रि)	13(क)	समझाना
સમડી	(स्त्री.)	14(क)	बाज
સમય	(पु.)	3(क)	समय
સમાચાર	(पु.)	7(क)	खबर
સમાજ કલ્યાણ કચેરી	(स्त्री.)	11(ख)	समाज कल्याण कार्यालय
સમાજભવન	(नपुं.)	13(क)	समाज भवन
સમાજસેવા	(स्त्री.)	13(क)	समाज सेवा
સમારંભ	(पु.)	3(क)	समारोह
સરખું	(वि.)	5(ख)	समान
સરસ	(वि.)	1(क)	उत्तम
સરળ	(वि.)	14(क)	सरल
સરનામું	(नपुं.)	18(ख)	पता
સરહદ	(स्त्री.)	14(ख)	सरहद
સલાહ	(स्त्री.)	15(ख)	सलाह-सीख
સવાર	(स्त्री.)	2(ख)	सुबह
સશક્ત	(वि.)	22(क)	सशक्त
સહેલું	(वि.)	13(क)	आसान
સહકાર્યકર	(पु.)	11(क)	सहकारी
સહકાર	(पु.)	20(ख)	सहकार
સંખ્યા	(स्त्री.)	14(क)	संख्या
સંગીત મહાવિદ્યાલય		24 (क)	संगीत महाविद्यालय
સંગ્રહાલય	(नपुं.)	8(ख)	संग्रहालय

સંતરા	(नपुं.)	7(क)	संतरे
સંતાતો-સંતાતો	(क्रि.वि)	19(क)	छिपते-छिपते
સંદર્શન	(नपुं.)	23(क)	संदर्शन
સંપાદન	(नपुं.)	22(क)	संपादन
સંપૂર્ણ	(वि.)	22(ख)	संपूर्ण
સંબંધ	(पु.)	6(क)	संबंध
સંભાળ	(पुं.)	13(क)	देखभाल
સંવાદ	(पु.)	4(क)	संवाद
સાક્ષર	(वि.)	22(क)	साक्षर
સાગ	(पु.)	14(ख)	सागवान
સાચી	(स्त्री.)	3(क)	सच, सही
સાર્થક	(नपुं.)	20(ख)	सार्थकता
સામું	(वि.)	17(ख)	सामने
સારવાર	(स्त्री.)	3(क)	इलाज
સારું	(वि.)	3(क)	अच्छा
સાસરિયાં	(नपुं.)	15(ख)	ससुराल के लोग
સાસુ	(स्त्री.)	9(क)	सास
સાહિત્ય	(नपुं.)	22(क)	साहित्य
સાળો	(पुं.)	13(क)	साला
સાંકડું	(वि.)	22(क)	सकरा-संकीर्ण
સાંજ	(स्त्री.)	2(ख)	शाम
સાંણસી	(स्त्री.)	14(क)	संडासी
સાંભળવું	(स.क्रि)	2(क)	सुनना
સીસોટી	(स्त्री.)	19(क)	सीटी
સીધું	(वि.)	23(क)	सीधा
સુખડી	(स्त्री.)	14(क)	सुखड़ी (एक व्यंजन)
સુતરાઉ	(पुं.)	24(ख)	सूती वस्त्र
સુનું	(वि.)	22(क)	सूना
સુશોભન	(नपुं.)	24(ख)	सुशोभन
સુંદર	(वि.)	8(क)	सुंदर
સુરક્ષા	(स्त्री.)	21(क)	सुरक्षा
સોની	(पु.)	15(क)	सोनार

સોનું	(नपुं.)	10(क)	सोना
સોળ	(नपुं.,वि.)	2(क)	सोलह
સેવ	(स्त्री.)	2(क)	सेव (बेसन का एक व्यंजन)
સેવા	(स्त्री.)	20(क)	सेवा
સિધ્ધ	(वि.)	20(ख)	सिध्ध/साकार
સીમાંકન	(नपुं.)	20(क)	सीमांकन (सीमा तय करना)
સૌ	(अ.)	4(क)	सभी
સ્થળ	(नपुं.)	8(क)	जगह
સ્નેહ	(पु.)	21(क)	स्नेह/प्रेम
સ્વર્ગ	(नपुं.)	22(क)	स्वर्ग
સ્વતંત્ર	(वि.)	11(क)	स्वतंत्र
સ્વરૂપ	(नपुं.)	7(ख)	स्वरूप
સ્વચ્છંદતા	(नपुं.)	21(क)	स्वेछ्या
સ્વસ્થ	(नपुं.)	3(क)	तंदुरस्त
સ્વાસ્થ	(नपुं.)	19(ख)	स्वास्थ्य
સ્વાગત	(नपुं.)	9(क)	स्वागत
સ્વાભાવિકતા	(स्त्री.)	4(क)	सहज
સ્વાર્થ	(पु.)	21(ख)	स्वार्थ
સ્થિતિ	(स्त्री.)	21(क)	हालत
સ્થિર થવું	(वि.)	16(क)	जमजाना
સ્વીકારવું	(स.क्रि)	24(क)	स्वीकार करना
હઠીલું	(वि.)	18(क)	जिद्दी
હડતાલ	(स्त्री.)	21(क)	हड़ताल
હજી	(अ.)	6(क)	अब भी
હરિજન	(पु.)	15(ख)	हरिजन
હરિફાઈ	(स्त्री.)	10(क)	होड़-सपर्धा
હરોળ	(स्त्री.)	23 (ख)	कतार
હમણાં	(अ.)	5(क)	अब
હું		1(ख)	मैं
હા જી	(अ.)	3(क)	जीहाँ
હાર્ટ એટેક	(पु.)	9(ख)	पक्षाधात

હાથ	(पुं.)	15 (ख)	हाथ
હાથપગ	(पु.)	23(ख)	हाथ-पाँव
હાથરૂમાલ	(पु.)	2(ख)	हाथ में रखने का रूमाल
હાથશાળા	(स्त्री.)	22(ख)	करधा
હાથપટ્ટો	(पु.)	24(ख)	हाथ पर बांधने का पट्टा
હેબતાવું	(अ.क्रि)	15(ख)	चौंकना/घबराना
હોળાયાં	(नपुं.)	19(क)	बडोलियाँ
હોડી	(स्त्री.)	14(क)	नाव
હોળી	(स्त्री.)	19(क)	होली
હોંશ-હોંશ	(स्त्री.)	24(ख)	खुशी-खुशी
હોસ્પિટલ	(स्त्री.)	18(क)	अस्तपताल

ગુજરાતી સંખ્યા
गुजराती संख्याएँ

૧	એક	૩૧	એકત્રીસ
૨	બે	૩૨	બત્રીસ
૩	ત્રણ	૩૩	તેત્રીસ
૪	ચાર	૩૪	ચોંત્રીસ
૫	પાંચ	૩૫	પાંત્રીસ
૬	છ	૩૬	છત્રીસ
૭	સાત	૩૭	સાડત્રીસ
૮	આઠ	૩૮	આડત્રીસ
૯	નવ	૩૯	ઓગણચાળીસ
૧૦	દસ	૪૦	ચાળીસ
૧૧	અગિયાર	૪૧	એકતાળીસ
૧૨	બાર	૪૨	બેતાળીસ
૧૩	તેર	૪૩	તેંતાળીસ
૧૪	ચૌદ	૪૪	ચુંમાળીસ
૧૫	પંદર	૪૫	પિસ્તાળીસ
૧૬	સોળ	૪૬	છેતાળીસ
૧૭	સત્તર	૪૭	સુડતાળીસ
૧૮	અઢાર	૪૮	અડતાળીસ
૧૯	ઓગણીસ	૪૯	ઓગણપચાસ
૨૦	વીસ	૫૦	પચાસ
૨૧	એકવીસ	૫૧	એકાવન
૨૨	બાવીસ	૫૨	બાવન
૨૩	ત્રેવીસ	૫૩	ત્રેપન
૨૪	ચોવીસ	૫૪	ચોપન
૨૫	પચ્ચીસ	૫૫	પંચાવન
૨૬	છવ્વીસ	૫૬	છપ્પન
૨૭	સત્ત્યાવીસ	૫૭	સત્તાવન
૨૮	અઠ્યાવીસ	૫૮	અઠ્ઠાવન
૨૯	ઓગણત્રીસ	૫૯	ઓગણસાઠ
૩૦	ત્રીસ	૬૦	સાઠ

૬૧	એકસઠ	૮૧	એક્યાશી
૬૨	બાસઠ	૮૨	બ્યાશી
૬૩	ત્રેસઠ	૮૩	ત્યાશી
૬૪	ચોસઠ	૮૪	ચોરાશી
૬૫	પાસઠ	૮૫	પંચાશી
૬૬	છાસઠ	૮૬	છ્યાછી
૬૭	સડસઠ	૮૭	સત્યાશી
૬૮	અડસઠ	૮૮	અઠ્યાશી
૬૯	અગણોતેર	૮૯	નેવ્યાશી
૭૦	સિત્તેર	૯૦	નેવું
૭૧	એકોતેર	૯૧	એકાણુ
૭૨	બોંતેર	૯૨	બાણુ
૭૩	તોંતેર	૯૩	ત્રાણુ
૭૪	ચુંમોતેર	૯૪	ચોરાણુ
૭૫	પંચોતેર	૯૫	પંચાણુ
૭૬	છોંતેર	૯૬	છન્નુ
૭૭	સિત્ત્યોતેર	૯૭	સત્તાણુ
૭૮	ઈઠ્યોતેર	૯૮	અઠ્ઠાણુ
૭૯	ઓગણ્યાએંશી	૯૯	નવ્વાણુ
૮૦	એંશી	૧૦૦	સો